Ine Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ • 23]

नई विस्ली, शनिवार, जून 8, 1985 (ज्येष्ठ 18, 1907)

No. 23]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 8, 1985 (JYAISTHA 18, 1907)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अनग संकलन के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाव III--**अ**व्य 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्त्रायाल में, नियम्ब्रह और नहाने जानरी जह, संब लोह सेवा आयोग, रेत विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अजीत कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Aulitor General, the Union Public Service Commission, the Inline Government Rullways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Inlia]

सध लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 11 अप्रैल 1985

म० ए.०-38012/5/84-प्रणा०-ा--इस कार्यालय की सम सन्ध्यक अधिमूचना दिनांक 28 फरवरी 1985 के अधिकमण में राष्ट्रपति, के० मि० मे० (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48(1)(क) की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय के० म० मे० के स्थायी ग्रेड — अधिकारी श्रीर स्थान पत्र उप सचिव श्री एम० ए० गणपित राम को उनके अपने अनुरोध पर 28 फरवरी 1985 के अपराह्म से सरकारी मेवा से निवृत्त होने की सहये अनुमति प्रदान करते हैं।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०) मध लोक सेवा आयोग

कार्मिक और शिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो नई दिल्ली, दिलांक 16 मई 1985

म० के-5/70-प्रणा०-5 —-निवर्तन होने पर, श्री के० रहमान, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 30 अप्रैल 1985 के अपराह्म में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया ।

दिनाक 18 मई 1985

स० एस-10/73-प्रणा०-5-केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी मे पुलिस उपाधीक्षक श्री एस० आर० जयसवाल की सेवाए दिनाक 30 अप्रैल, 1985 के अपराह्म से तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, नई दिल्ली को, प्रतिनिय्तित पर उन्हें उप-निर्देशक वेतन एवं लेखा) (सतर्कता) के रूप में नियुक्त करने के लिए सौंपी जाती है।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

सं० 1-16/84-सी० एफ० एम० एल०/3976--इसी सम संख्या के इस कार्यालय अधिसुचना तारीक 30 अगस्त, 1984 का प्रमग जारी रखते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय व्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्रीय अव्वेषण व्यूरो, (ज्ञूठ अभिज्ञापिक खण्ड), नई दिल्ली मे 1500-60-1800-100-2000 स्पए के वेननमान पर दिनांक 22-2-85 से प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर आगे 6 माह की अवधि या पद के

1—96GI/85 (18137)

स्थायी रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न होने की नियुक्ति करते हैं।

आर० एम० नागपाल प्रणासनिक अधिकारी (ई) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रणासिक सुधार तथा लोक शिकायत तथा पैंशन मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मस्री, दिनांक 20 मई 1985

मं० 3/9/84-स्थापना-श्री एस० एत० व्रिपाठी, स्थाई वरिष्ठ आशुलिपिक, जो इस समय तदर्थ छप से निदेशक के निजी सिचन के पद पर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति नियमित छप से निदेशक के निजी सिचन (ग्रुप की राजपनित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के पद पर, दिनांक 11-9-84 में अगले आदेश मिलने तक की गई है।

एस० के० मेन उप निदेशक (विरिष्ट)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० वल नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

मं० भ्रो० दो-1813/83-स्था० (के० रि० पु० वल)--पंजाब राज्यपाल के सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री शिव स्वरूप, भा० पु० से० (उ० प्र०-1951) ने महानिदेशक के० रि० पु० बल का कार्यभार दिनांक 7-5-85 (अपराह्म) को सौंप दिया है।

2. श्री श्रो० पी० भुटानी भा० पु० से० (उ० प्र०-1952) भा० नि० सी० पु० के महानिदेशक ने महानिदेशक के० रि० पु० बल का अतिरिक्त कार्यभार दिनांक 7-5-85 (अपराह्न) से सम्भाल लिया है ।

दिनांक 9 मई 1985

सं० श्रो० दो०-1774/83 स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मुरेन्द्र कुमार परिमल को 26 अप्रैल 1985 पूर्वीह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उम पद पर नियमित निय्कित होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस धल में कर्नण्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मई 1985

स॰ ग्रो॰ दो॰-1972/84-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रवीन्द्रनाथ कामन को 18 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें में जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कानिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियक्त किया है।

सं० थ्रां० दो०-2001/85-स्थापना-महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योतिरमय लहोन को 8 अप्रैल 1985 पूर्वीह्न में केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें में जो भी पहने हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप में सहर्प नियक्त किया है।

दिनांक 13 मई 1985

मं० श्रां० दो०-513/69-स्थापना--बोत्सवाना गणतंत्र की सार्वजिनक सेवा में पुलिस अधीक्षक के रूप मे विदेश सेवा के लिए लीयन के आधार पर उनकी नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री एम० सी० जोमफ सैकिण्ड-इन-कमाण्ड/वाडम प्रिसीपृल सी० टी० मी०-II के० रि० पु० वल, अवाडी को दिनांक 31-3-85 (अपराह्म) मे भार मुक्त किया गया है।

विनांक 14 मर्ट 1985

सं० श्रो० दो०-1819/83-स्थापना-9--भारत सरकार, गृह मंत्रालय ने डाक्टर (श्रीमती) बीणा पानी रथ का मिजोरम सरकार में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस घल में प्रतिनियक्ति का समय वर्तमान शर्तो पर दिनाक 10 मार्च 1985 पूर्वाह्न में एक वर्ष की अबिध बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदान की है।

सं० घो० दो-1885/83-स्थापना-राष्ट्रपति ने कानिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ग्रो० ग्रेड-11) डाक्टर सत्येन्द्रा कुमार, 75 बाहनी को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ती पर दिनाक 26 अप्रैल 1985 अपराह्म से कार्य मुक्त कर दिया है।

दिनांक 15 मई 1985

सं० श्रों० दो०-2011/85-स्थापना-महानिदेशक, केन्द्री रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भूपेन्द्र सिंह को 25 अप्रैल 198 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमि होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तद्दर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनाक 18 मई 1985

सं० ग्रो० दो०-2003/85-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने जाक्टर मन्जर आफिक को 23 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवन 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जा भी पहले हो उस नारीख तक कन्द्रींग रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिनारी क पद पर तदर्श रूप से सहर्ष ानयुक्त किया है।

एम० अशोक राजू स्ह्यक निरेष्ठक (रथारना) नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 मई 1985

सं० ग्रो०दो०-1434/79-स्था० (के० रि० पु० धल)के०रि०पु० धल मेपुलिस महानिरीक्षक लोकल रैक क रूप मे
पदोन्नति फलस्वरूप श्री वाई० एन० सक्सेना भा० पु० से० (उ०
प्र०-1959) उ० नि० (स्था०) ने पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) महानिदेशालय के० रि० पु० धल नई दिल्ली का कार्यभार
उनके स्वयं की उयूटियों के अतिरिक्त धिना धनराशि लाभ के
दिनाक 11-5-85 (पूर्वाह्न) से सभाल लिया है।

योगेन्द्र नारायण सक्सेना उप निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनाक 1 मई 1985

म० ई०-16014(2)/3/84-कार्मिक-1--अपने मूल विभाग को प्रत्यावितित होने के फलस्वरूप श्री आर० पी० अग्रवाल ने 1 मई 1985 के पूर्वाह्म से सहायक महानिरीक्षक (विधि व नियमन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनाक 10 मई 1985

मः ई०--16014(2)/3/84-कामिक-1--प्रतिनियुक्ति पर्रात्मयुक्तिहाने पर, श्री वाई० पो० महाजन अधीक्षक (विधि), विधि, न्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मंत्रात्मय नई दिल्ली ने, I मई 1985 के पूर्वाह्म से महायक महानिरोक्षक (विधि व नियमन के पद का कार्यभार सभाल लिया।

दिनाक 13 मई 1985

म० ई०-16013(2)/33/84-कार्मिक-I--प्रतिनिय्कित पर नियुक्ति होने पर, श्री अमरानन्दा पटनायक भा० पु० १० (उड़ीमा : 73) ने 24 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट राउरकेला स्टील प्लाट, राउरकेला के कमांडेट पद का कार्यभार सभाल लिया।

स० ई-16016(3)/2/84-कार्मिक-1--थी एस० एन० अरोडा, महायक को, 2 मई, 1985 के पूर्वाह्न में महानिदेशालय कै० ग्री० मु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली में अवकाश रिक्ति पर अनभाग अधिकारी के ग्रेड (श्रेणी) में प्रोक्षत किया जाता है।

दिनांक 15 मर्दे 1985

मं० ई-16016(3)/1/85-कार्मिक-I--प्रितिनियुक्ति पर् स्थानान्तरण होने पर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (गृह मंद्रालय) नई दिल्ली के श्री एम० टो० शेवकरमानी ने 1 मई 1985 के पूर्वाह्न से महानिदेशालय, के० ग्रा० सु० व०, नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> ह्० अपठनीय महानिदशक/के० ग्रौ० स० वन

श्रम एवं पुनर्वास मत्रालय

(श्रम मंत्रालय)

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनाक 1 जून 1985

स० 23/3/85-सी० पी० आई०--अप्रैंल, 1985 में प्रौद्योगिक श्रिमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100)मार्च, 1985 के स्तर 586 में आठ ग्रंक बढ़कर 594(पाच सौ चौरानवे) रहा। अप्रैल, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) परिवर्तित किए जाने पर 722 (मात सौ बाईम) आना है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा विभागाध्यक्ष

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेणालय

बम्बई-22, दिनाक 6 मई 1985

मं० 15/29/82-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना मलाह भवा ग्राँर श्रम विज्ञान केन्द्र ने श्री डी० वी० खोबरागेड, महायक निदेशक (श्राँबोगिक मनोविज्ञान) राष्ट्रोय श्रम विज्ञान के द्व. अपीन्य्य कार्यानय इप महानिदेशालय का त्यागपव दिनाक 25 अप्रैल 1985 (अपराह्म) में स्वीकार किया है।

नदनुसार श्री डी० वी० खोबारगेड सहायक निर्देशक (र्याद्यो-गिरु मनोविज्ञान) ने राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई का कार्य-भार छोड़ दिया है ।

> एस० वी० हैण्डेपाटिल उपमहानिदेशक ग्रौर विभागाध्यक्ष

प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद दिनाक 27 मार्च 1985

स्थापना कार्यालय आदश कि 4137—जबिक श्री एन० एम० परेते पपर वर्कर ग्रेड—II (पी—336) प्रीसेस विभाग को शासकीय कार्य (ड्यूटी) से बिना किमी मूचना/अनुमिन के दिनां के 27—8—84 में लगानार अनुपंस्थत रहेने के कदाचार के लए आरोप पत्न ज्ञापन कि पी० आर० /96/लिक/1064 दिनांक 1—1—85 को पजीकृत डाक द्वारा उनके स्थायी घर के पते पर नेजा गया था जो उन्हें दिनांक 11—1—85 को प्राप्त हुआ।

एव जबिक, श्री एन० एस० परते, हारा आरोप पत प्राप्ति के 10 दिन के अन्दर अपना लिखित वयान कार्यालय में प्रेपित न करने के कारण अनुशासनिक अधिकारी हारा उनके विरुद्ध लगाये गए आरोपों की जाच करने के लिए आदेश क० पी० आर०/96/लिक 1236 दिनाक 9-2-85 हारा जांच अधिकारी की नियुक्ति की गर्या, उपरोक्त आदेण भी उन्हें दिनांक 26-2-85 को प्राप्त हुआ। कथित श्री एन० एस० परते, को जांच अधिकारी द्वारा विभिन्न अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद भी व जाच कार्यवाही से उपस्थित नहीं हुए, जबकि उन्हें जाच कार्यवाही की सूचना थी।

एवं जविक जाचकर्ना अधिकारी ने एक तरफा जांच की कार्यवाही कर कथित श्री एन० एस० परते को आरोपो का दोषी करार देने हुए अपनी दिनाक 16-3-85 की जाच रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एव जवित, अधाहरताक्षरकर्ता जाच रिपोर्ट एव उग मामले में सम्बन्धित अन्य समस्त दस्तावेजों के सावधानीपूर्वक अध्ययन के पण्चात जाच अधिकारी के जाच परिणाम स सहसत हुए है और इस निष्कष पर पहुंचे हैं कि कथित श्री एन० एस० परते पेपर वर्कर ग्रेड $^{-1}$ 1 णासकीय सेवा में रखन के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं है।

दगलिए, अप्राहम्माक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी० नि॰ एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 19 द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का उपसोग करते हुए श्री एन० एस० परते को तुरन्त प्रमाय में प्रतिमृति कागज कारखाना की मेवा से निष्कासित करते हैं।

ग० रा० पाठक महाप्रवन्यक

लेखा परोक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदणक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व - नई दिल्ती—110002 दिनाक 16 मई 1985

संश्राणासन ।/कार्यालय आदेण संश्री 17—श्रीमान निदेणक लखा परीक्ष (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री आरश्री काणिक-1 स्थार्या अनुमाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापन्त लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनकम 840-1200 कु में 29-4-1985 अपराह्म में अगले आदण आने तक नियुक्त करने हैं।

संज्ञासन 1/कार्यालय आदेश संज्ञ 119—श्रीमान निवेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री श्रीकृष्ण जैन स्थायो अनुमाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापना लेखा परीक्षा अधिकारी के बेतनक्रम 840—1200 कुं में 2—5—1985 (पूर्वाह्म) से अगरे आदेश आने तक नियुक्त करने हैं।

माहन खुराना उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकर (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल तिरुवतन्तपुरम-695 039, दिनाक 13 मई 1985 सङ्कापना रोक्तर्/1/10-3/85-86/27-महालेखान कार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरुवनन्तपुरम क लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बी० प्यामी अधिवर्षिता के कारण सरकारी सेवा से 30-4-1985 अपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

> वि० लक्ष्मानारायणन महालेखानार

रक्ष। लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महासियन्नक

नई दिल्ली-110066 दिनाक 18 मई 1985

संबद्धणाव/1/1933/5/1—रक्षा लेखा महानियत्नक, श्री पीठ किंव सँगल, भाव राव लेव सेव (जन्म निध्य 29—11—1935) के दिनाक 05—02—1985 की हुए दुखद निधन की दुख महित अधिम्चित करने हैं।

ण्० के० घाप पक्षा लेखा अपर महानियन्नक (प्रणा०)

रक्षा मवालय

आयुट निर्माणी बोर्ड

महानिदेशक आ० नि० मुख्यालय आशुलिपिक नवा

क्लक्त्रां ना क्रिक्त क्षेत्र विश्वक क्षेत्र विश्वक

सं ६/ए०/ई-1 (एन० जा) -- महानिदेण तार्जा० निर्महोदय श्री मन्युन्जय मृखर्जी आणुलिपित ग्रह-वी/विभिष्ठ वैयंक्तक सहायत (स्थायी व मृल जाणुजिपित ग्रह-सी/वैयोक्तत सहायत) को दिवाक 18 अप्रैल 1985 (पूर्वा०) राजाशामी आदेश होने नक स्थानापन जीर पण जाजीलिपित ग्रह-ए/निजी सचिव (ग्रप वी राजावित) पद पर पदान्नीत करते हैं।

ण्या० दासगुप्ता निदशक∫प्रणासन **कृते** मह्यनिदशक जायुध निर्माख्या

कलकत्ता-1, दिनाक 10 मई 1985

स० 17/जी/85—राष्ट्रभात महादय निम्नलिखित अधिकारी को टी० एम० ग्रा /असिस्टैण्ट मैनेजर के पद ५४, उनके सामने दर्शायी गयी तारीख स प्ष्ट करते हे —

अफसर का नाम	पुष्टी _र ुषा की नार्राख
श्री एम० जी० जनस्थी	31-5 74

ण्म० ए० । अवह्न संयुक्त । नदशक/जा

कलकत्ता दिशांच 1 मई, 1985

में 14/जी०/85—वाधेक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के पीठ आर पिल्ले, एडिशनन डिए जिए श्रो० एफ०/ सदस्य दिनाक 30 अप्रैल, 1985 (अपराह्म) ने मेवानिवृत हुए।

दिनांक 9 मई 1985

म० $16/\sin/85$ —नारीख 1-12-80 में 27-12-83 तक की मैवा शिकृति पूर्व छुट्टी की समर्थन पर श्री ए० के० मिश्रा, संयुक्त निवेशक नारीख 27 विभन्तर 1983 (अपराह्म) भे स्वेच्छापूर्वक निवेशिक है।

दिनाक 15 मी 1985

म् 19/जा/85—राष्ट्रपति महोदय निम्सलिखित अधिकारी को उनके सामने दर्शीयी गयी तारीख से एडिशनल डि॰ जि॰ यो० एफ॰/मदस्य के पद पर नियुक्त करते हैं:---

र्शा एन० बालाकुष्णत, उपमहानिदेश ह (वं० प्र० ग्रेड-स्पर्र 1) ---पहती मई । १९८५ ।

> वी० के० मेहता उपमहानिदेशक/स्थापना

वर्षणञ्च मवालय

मुख्य निप्रवेक आधात-सियांत का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 16 मई 1985 आयात ग्रींस निर्यात व्यापार नियत्नण (स्थापना)

म् । 1/16/83-प्रशासन (राज्य)/2424--राष्ट्रपति, श्री लक्ष्मीण्वर प्रमाद (केन्द्रीय मीचवालय गेवा-चयन ग्रेड की प्रवरण सूची, 1983) को मुख्य नियंवक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली मे 1 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न) गे खीर आगे 3 माम की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय मीचवालय मेवा के चयन ग्रेड में और संयुक्त नियंवक, आपात-निर्यात के रूप में स्थाना-पत्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

> प्रकाशच√द जैन मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनान 7 मई 1985

स० 6/1213/77-प्रणासन (राज०)/2255--स्युक्त मुख्य नियवक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रो बी० बी० णिदे मेबा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पण 28 फरवरी, 1485 कअपराह्म में सरकारी मेबा में निवृत्त हो गण ।

दिनाक 8 मई 1985

म० 6/1207/77-प्रशासन (राज०)/2291---सयुक्त मुख्य नियंत्रकः, आयात-निर्यात के कार्यालयः, कलकत्ता में श्री सुनील कृष्ण मुखर्जी, नियंत्रकः, आयात-निर्यात सेवा निवृति की आयु होने पण 31 मार्च 1985 की अपराह्म : सरकारी सेवा के निवृत्त हो गए हैं।

दिनाक 9 मई 1985

स० 6/1482/84-प्रशासन (राज्ञ०)/2404- समुक्त मुख्य नियत्रकः आधात-निर्यात के कार्यालयः, कलकत्ता में श्री धीरेन्द्रताथ समादारः नियत्रकः, आयात-निर्यातः नेवा निवृत्ति की अप्यु होने पर 31 मार्चः 1985 की अपराह्म में सरकारी नेवा में निवृत्त हो गए हैं।

> एम० पी० अईसक उप मुख्य नियद्यक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियत्रक, आयात एवं निर्यात

वस्व तथा पूर्वि मवालय

विद्यास आयुक्त (हस्तर्शिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनाक 15 मई 1985

मं 19/1/85-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, श्री के के दत्ता का विकास अध्युक्त (हराजिक) कार्यालय में प्रदेशनी अधिकारी के पद पर 4-12-82 में स्थासी रूप ने नियुक्त करते हैं।

> णिरोमर्गि गर्मा विकास आयुक्त (हस्त्रीणल्प)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा विन्टान महाविदेणालय

नई दिल्ली-110001, दिनाक 6 मई 1985

स० ए-1/42(31) VI---राष्ट्रपीतः निदेशक पूर्ति तथा निरुटान, कलकला के कार्यालय में स्थानापरन उप निदेशक, पूर्ति श्री एम० के० शुक्त को दिनाक 1-7-83 में महायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति मेवा के कनिष्ट वेतनमान) के स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:--

राजबीर सिह् उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 7 मई 1985

ग० ए-17011/281/84/ए-6--महायक निराक्षण जाधकारो (धानु) के पद के प्रत्यावतन पर श्री विकथ्याचन राम ने दिनांक 1-4-1985 के पूर्वाह्न मे उप निवेशक, निरीक्षण (धातु), बोकारों के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> मोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पान, खात प्रीर कोयला मन्नालय (खान विभाग)

भारतीय भूवेजातिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 9 मई 1985

म० 4826बी/ए-19012 (1-एम० बी०)/८५-19एभारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक रार्वेक्षण के वरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (भूविज्ञान) कुमारी सीमा वंबोपाध्याय को सहायक भूवैज्ञानिक के एप मे उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810द० राज्य 35-880-40-1000-द० रोज-40-1200 रुठ के वेनतमान के वेतन पर स्थानापनन क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28 मार्च 1985 के पूर्वान्त में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित बुशारी निदेशक (कार्मिक) **क्ले** महा निदेशक

भारतीय खात ब्यूरो नागपुर, दिनांक 13 मई 1985

स० ए०-19012(96)/77-स्था० ए०-विभागांय पदांत्रित समिति की सिफारिश पर श्री एस० के० सहा, सहायक खतन भूविज्ञानी को भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्त एप में किप्छ खनन भूबिजानी के पद पर दिनांक 18 मार्च 1985 (पूर्वाह्म) से पदोन्नित प्रदान की गयी है।

र्जा० सी० शमा, महायक प्रणासन अधिकारी **कृते** महानियंवक

नागपुर, दिनांक 13 मई 1985

स० ए० 19011(217)/77—स्था० ए०—विभागीय पदा-श्वति समिति की सिफारिश पर, श्री कत्यमा लाल, किर्णिट खतत भूविज्ञानी को भारतीय खात व्यूरो में स्थातापन लप में वरिष्ट खनन भृविज्ञानी के पद पर दिनांक 20 अप्रैल 1985 के पूर्वाञ्च से पदोन्नति प्रदान की गयी है।

> जे० मी० शर्मा महायक प्रशासन अधिकारो कते नियंत्रक मारतीय खास ब्युरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनाक 15 मई 1985

स० सी०-6202/718-ए--श्री बी० एम० गाजरे, स्थानापन्न कार्याल्य अधीक्षक (बरिष्ठ वेतनमान), सर्वेक्षण प्रिक्षिण एव मानचित्र उत्पादन केन्द्र को श्री एन० आर० आयंगर, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के दिनांक 15-4-85 से 7-6-85 तक ऑजित अवकाण पर चले जाने में उनके स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (मा० सी० मेवा ग्रुप 'बी'') के पद पर संख्या एवं लेखा अधिकारी (मा० सी० मेवा ग्रुप 'बी'') के पद पर संख्या 104 (एच० बी० डी०) मुद्रण वर्ग (पी० एम० पी०), हैदराबाद में क० 840-40-1000-द० रो०-10-1200 के वेतनमान में दिनाक 15-4-1985 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न स्प में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

गिरीण चन्द्र अग्रवाल, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राप्ति-सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 14 मई 1985

स० एफ० 30-42/85-स्था०/11/56---श्री नत्थू राम शर्मा को हिन्दी अधिकारी (समूह ख) के पद पर रुपए 650-1200 के वेतनमान में भारतीय प्राणि-मर्वेक्षण, कलकत्ता में दिनांक 30-4-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त किया गया।

ए० के० सेनगुष्पाः लेखाधिकारी, नारताय प्राणि-सर्वक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 16 मई 1985

मं० 1/5/85-एस०दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्रो सी० आर० दास, प्रधान लिपिक की 650-30-740-35 880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में 29 मार्च, 1985 में अगले आदेशी नक नदर्श आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करने हैं।

 श्री मी० आर० दाम ने उसी दित से प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया ह ।

> माहन फामिस, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

स्त्रास्थ्य सेवा महानिदेशालय

मर्ट दिल्ली, दिनाक 8 मई 1985

सं० ए० 12026/1/83-चि० णि०--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० एस० अग्रवाल को 17 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कलावती सरण बाल अस्पताल, मई दिल्ली में प्रणासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 मई 1985

म० ए० 31013/1/83-प्रशासन-1-राष्ट्रपति ने डा० ए० बी० हीरामणी को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरों में उप सिदेशक (अनुसंधान) के पद पर 6 सितस्वर 1981 से अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (जी)

कृषि ग्रीर ग्रामीण विकास संवालय (ग्रामीण विकास विसाग)

विषणभ एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनाक 20 मई 1985

म० ए० 19025/6/85-प्र० III--मघ लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार कृषि विषणन सलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री हमीद कुट्टी पी० के० को इस निदेणालय में 30-4-85 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियक्त किया गया है।

> जे० कृष्णा, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विश्लम सलाहराज

भाभा परमाणु अनुसद्यान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 13 मई 1985

सं० जी०/545/सी० ई० डी०/स्थापना 11/1734— राष्ट्रपति, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस० सी०" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस० डी०" श्री एस० एस० गुप्ता की 27-8-1984 को हुई मृत्य को दु:ख पूर्वक घोषित करते हैं ।

म० ए०/550/सी० ई० डी०/स्थापना II/1735—राष्ट्रपति, इस अनसंधान केन्द्र के स्थायी ड्राफ्ट्समैन ''वी'' तथा स्थानापन्न वैज्ञातिक अधिकारी ''एम० डी०'' श्री के० आर० अगागे की 13-10-84 को हुई मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते है। स० जी०/1843/सी० एच० ई० डी०/स्थापना II/1736— राष्ट्रपति, इस अनुसंधान कन्द्र के स्थानापना वैज्ञानिक अधिकारी/ इजीनियर ग्रेड सीं श्री शिवकुमार गुप्ता की 27-2-1984 (मध्य रात्रि) को हुई, मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते हैं।

दिनाक 15 मई 1985

मं० एम०/530/सी० ई० डी०/म्था०-II/1788-राष्ट्रपति इस अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञाभिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एम० सी०" श्री पास्कल एफ० मचाडी की 34-3-1985 को हुई मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते हैं।

टी॰ ए० लक्ष्मीनारायणन नियंत्रक

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय और भडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनान 13 मई 1985

सं० डी० पी० एस०/41/17/85-प्रशा०/1214--परमाणु ऊर्जा विभाग, अय और भड़ार निदेशालय के निदेश के ने स्थायी किनष्ठ भंडारी तथा स्थान।परन भंडारी श्री मीमा थेरील राघवन प्रकाण को इसी निदेशालय में दिनांक 4-3-85 (पूर्वाह्न) में 18-4-85 (अपराह्न) नक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200 र० के वेतनमान में सहायक भंडारी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापत्न रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्त महायक भण्डार ग्रीधकारी श्री पी० के० राधाकृष्णन के स्थान पर की गयी है, जिन्हे उक्त ग्रवधि के लिए हुट्टी प्रदान की गयी है।

्स० ऋष्णन प्रशासन ग्रीधकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिथ दिनांक 14 मई 1985

मं जा ईं असं का प्रव भव / 0704 / 1001 — नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के उपमुख्य कार्यपालक जी, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री वं रं नारायण अय्यर को स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी के रूप में ५० 650 – 30 – 740 – 35 – 880 – दं रो ० – 40 – 960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 6 – 5 – 1985 में 8 – 6 – 1985 पर्यंत या आगाभी आदेणों पर्यंत जो भी पूर्व घटित हो नियुक्त करते हैं।

वे० रा० विजयन सहायक कामिक ग्रक्षिकारी

भारी पानी परियोजनाए

बम्बई-400 008, दिनांक 16 मई 1985

मं० 05052/म्रग० 84/1813-भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी सथंब (बड़ौदा) के निम्नलिखित श्राधिकारियों को आये आदेश होने तक के लिए निम्न विवरणा-नुसार नियुक्त करने हैं .--

70	नाम	वर्भान पद	पद जिस पर	किस तारीख	
₹io			नियुक्ति की है	स नियुक्ति	
			₩*	की है	

सर्वश्री----

- 1. শ্বशोक कुमार वैज्ञा० सहा० वैज्ञा० श्राधि० 2-8-84 नागर सी० (एस०वी०) (पूर्वा०)
- 2. ৰীণ সীৰাদনৰ বঁকাণ মহাও বঁকাণ স্থাধিত 1-8-84 মীড (দ্ৰণৰীত) (দুৰ্বতি)
- 3. জী০ জী০ নদীন বঁকা০ মहা০ বঁকা০ শ্লি০ 4-8-84 শী০ (দ্ল-০ ৰী০) (দুৰ্বা০)
- 4. श्री बी० सनवर कार्यदेशक वैज्ञा श्रीध० 1-8-84 (एस०बी०) (प्रका०)

दिनाक 18 मई 1985

म ० 05012/भ5/स्था० पदी०/1854—भारी पानी परियोजना को के, प्रधानकार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के सहायक कामिक ग्रिधिकारी, श्री बी० के० पोट्टी, को इसी परियोजना में, श्री जी० के० साहूं, श्रम तथा-कल्याण ग्रिष्कारी, जो प्रणासन ग्रीधकारी—III नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर ग्रस्थायी रूप में तद्य ग्राधार पर 1 सितम्बर 1984 (पूर्वा०) से 31 ग्रक्तूबर 1984 (ग्रप०) तक के लिए स्थानापन्न श्रम-तथा-कल्याण ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/स 5/स्था० पदो०/1855---भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के उच्च श्रेणी लिपिक, श्री शिवचरन हेरमा विषया को इसी परियोजना में, श्री बी० के० पोट्टी, सहायक कार्मिक प्रधिकारी जो श्रम-तथा-कल्याण श्रधकारी नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर श्रस्थायी रूप से तदर्थ श्राधार पर 1 सितम्बर 1984 (पूर्वा०) से 31 श्रक्तूबर, 1984 (श्रप०) तक के लिए स्थानापन सहायक कार्मिक श्रधकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन ग्राधकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे, दिनांक 13 मई 1985

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18/(3)/77-म्रार०--मुख्य मधीक्षक, तारापुर परमागु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० बी० राधवन, स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक को श्री पी० गणपित, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर दिनांक 29 अप्रैल 1985 की पूर्वीद्ध में 1 जून, 1985 की अपराद्ध तक के लिए तारापुर परमाण विजलीधर में तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के भ्रेड (६० 650-30-740-35-880-दे० रो०-40-960) में स्थानापन्न रूप में कार्ष करने के लिए एक अधिकारी के तीर पर नियुक्त करने हैं।

ं द० वि० मरक्ले मुख्य प्रणासीतक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

इसरो , शार केन्द्र

कामिक और सामान्य प्रणासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा-524124 दिनाक 24 अप्रैल 1985

सं० श्री सा० मु०/का और सा० प्र०/स्थाप० 11 / 1-72-निम्नाकित कर्मचारियों को पदोक्षति हारा, स्थानापन्त क्षमता के
रूप में, अंकित नारीखो में, इंजोनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति
करने के लिए, णार केन्द्र, श्रीहरिकोटा के निदेशक ने अपनी प्रमन्नता
प्रकट की है।

फ्रैं० नाम मं० .	पदनाम	नियुक्ति की नारीख
सर्वश्री		
1. पी० बी० एस० सूर्यनारायणा	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
2. एम् ० के० ग्रार० वर्मा		01-04-85
3. बी० लक्ष्मणा राव	हुन्छ आए बैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
4. के० साईबाबा	र्वेझा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
5. मी० नारायणन्	वैका०/इंजी∫नयर एस० बी०	01-04-85
6 एम० ए० चेरियन्	वैज्ञा०/इंजीनियर एम० बी०	01-04-85
7. बशास्वर दयाल	वैज्ञा०/इंजीनियर ∫ एस० वी०	01-04-85
८. ए० मणी	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० वी०	01-04-85

एल० राजकोषाल प्रशासन श्रधिकारी-II कृते निदेशक निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

सी० सं० 9/85—श्री बी० के० चन्दा ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय कलकत्ता II में प्रधीक्षक श्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, महानिदेशालय के दिनांक 2-3-85 के श्रादेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पूर्वी प्रदिशिक यूनिट कलकत्ता में दिनांक 1-4-85 (पूर्वाङ्ग) से निरीक्षण श्राधकारी श्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभान लिया।

सं ० 10/85—श्री मी० जॉन लजार ने, जो पहने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कायम्बत् समाहर्तालय में श्रधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, निरीक्षण महानिदेशालयं, के दिनांक 7-2-85 के श्रादेश सी० सं ० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालयं सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के दक्षिणी प्रादेशिक यूनिट मद्रास में दिनाक 11-4-85 (पूर्वाह्र) में निरीक्षण श्रधिकारी पूर्व "के पद का कार्यभार संभान निया।

दिनांक 11 मई 1985

सं० 11/85---श्री एम० पी० अरोडा ने, वार्धक्य के कारण सेवा निवृत होने पर, निरीक्षण महानिदेशालय, मीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नथी दिल्ली में केन्द्रीय शुल्क टैरिफ पर सकतीकी अध्ययन श्रुप से दिनांक 30-4-85 (अपराह्म) को अनुभाग श्रीधकारी सुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> ए० सी० सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-6, दिनांक 16 मई 1985

सं० ए० 19012/1093/85-ग्थापना पाच--विभागीय पदोन्नति समिति (समूह्-ख) की मिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री मुभाप जन्द्र चौत्ररी, पर्यवेशक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायन निवेशक /मह्यान इंजीनियर के ग्रेष्ठ में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2-5-1985 की अपराह्र से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर मियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी अरोड़ा अवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय सोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

संक्षेत्र 81-ई० सी०-I-1982 में हुई संयुक्त इंजी-नियरी सेवीए परीक्षा के परिणामों के आधार राष्ट्रपति निम्नलिखित अभ्याधियों को केन्द्रीय इंजीनियरी नेवाएं धार केन्द्रीय संयुक्त एवं मैकेनियल इंजीनियरी सेवाएं समृह 'दा' में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के महायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल/ विद्युत/मैकेनिक) के अस्थायी पदों पर परिवीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

फ्र० नाम सं०	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री	HE STATES THE STATE STATE STATE STATES STATE
(सिविल)	
1. उमेश सी० मिश्रा	17-8-84
2. अशोक कुमार पी० राउत	22-8-84
(अनु० जन जाति)	
(विद्युत)	
1. नेम चन्द्र	≈ 8−10−84
(मैकेनिकल)	
1. धर्मेन्द्र कें० नायक	29-9-84
	नीना गग
	प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांव 13 मई 1985

सं० 255/85-एफ० नं० 2/4/85-प्रशा०-I(ख)---अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री विनोद कुमार गर्ग, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा के अंतिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड मे स्थानापन्न क्षमता में, अगले आदेशों तक 29 अप्रैल 1985 (पूर्वाह) से नियुक्त करते हैं।

आर० गेषाद्री अवर सचिव **कृते** अध्यक्ष

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कर्म्पानयों के रजिस्ट्रार के कार्यालय

कम्पनी आंधितियम, 1956 श्रीप मद्रास टैक्सटा कुर्जे हैं प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्राम, दिनांत 9 मई 1985

सं 1523/560/85—फम्पनी अधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुस्रण में एत्द्दारा यह सूचना दो जाती है कि इस नारीख से तीन माम के अपमान पर मद्राम टैक्सटाइल्स लिसिटेड का नाम उपके पितकून क्रांस्ण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर न क्रांट दिया जाएक और उनन कम्पनी विधिटत कर दी जाएकी ।

अस्पनी अधिनियम, 1956 ग्रांप कावेरी ट्रास्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिवाक 9 मई 1985

सं० 3866/560/85— 'म्पनी अधिनयम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी अती है कि इस तारीख ने तीरा माम के अवनान पर कावेरी द्रामपोर्टस माइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ं वि० ए० विजयन मेलन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर ईश्वर इन्वेस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । कोचीन, दिनांक 14 मई 1985

सं० 2569/लिक/560(5)1069/85-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ईश्वर इन्वैस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज कम्पनियों के र्राजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

तम्पनी अधिनियम 1956 प्रौर गोश्री कोमिशयल आर्पोरेशन प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनाक 14 मई 1985

सं० $401/\sqrt[6]{\pi}$ क/560(5)/1071/85—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धार 560 की उपधारा (5) के जनुसार एतत्हारा भूचना दी जाती है कि गोश्री कोमिशियल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम गाज कम्पनियों के रिजस्टर से क दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनयम, 1956 श्रौर कल्लूपारा क्वारी प्रोडक्टस श्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 14 मई 1985

सं० 2735/लिक/560(5)—1073/85—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि कल्लूपारा क्वारी प्रोडक्टस प्राईवेट लिगिटेड का नाम आज कम्पानयों के रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के॰ पंचापकेशन कस्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स जिमोतन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । ग्वालियर, दिनांक 16 मई 1985

कमाक 1413/पी० एस०/सी० पी०/775—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मे० चिमोतन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> एस० करमाकर क्म्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय, मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ० प्र० एवं आयकर आयुक्त, लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1985

आयकर विभाग

सं० 10 श्री मंकर लाल अर्ग्नहोती, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफि-सियेट करने के लिए रू० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत पर उन्होंने दिनांक 30-3-85 के पूर्वीह में आयकर अधिकारी, सी० आई० बी०, लखनऊ के रूप में कार्यभार प्रहण किया।

सं० 11—न्त्रा राम भादिया, आयकर निरोक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी, वर्ग 'खं' के पद पर आफिसिएट करमे के लिए ६० 650—30—740—30—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने दिनांक 29—3—85 के पूर्वाह्र में आयकर अधिकारी, श्रो० एस० डी०, इलाहाबाद के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 12-श्री रघुवीर सरन गुप्ता, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफ- सियेट करने के लिए ४० 650-30-740-30-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्तत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने दिनांक 4-4-85 के पूर्वाह में नायकर अधिकारी, श्रो० एम० डी० के रूप में कार्यग्रहण किया।

> धरनी धर मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ० प्र० एवं आयकर आयुक्त

प्रस्प आइं.दी.एन.एसं. -----

भागकतु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 27 मई 1985

निदेश सं० सी० ए० 55/85-86/एस० एल०/1007 आई० ए० सी० /एक्यू० आर० आई/कलकत्ता---अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्षात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो .3डी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्योक्त्य सी० ए०, आई० ए० झी० एम्यू/भार० आई, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-8-1984

को पूर्वोक्स संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं.

- (क) अन्तह्रम से हुई किसी मान की बाबत, सक्त अभिनियम के अभीन कह बेने के अन्तरक के बासित्व में कमी करने वा उससे वजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन या जन्म आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर ब्रिशिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्वांचवार्ण क्यारिती हवारा प्रकट नहीं किया व्या वा वा किया जावा आहिए वा कियाने में सुविभा के सिद्ध;

वादा: अथ, सक्त अविश्विषक की बादा 269-व के अवसरक के, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित अधिस्तयों, अर्थात् क्ष्म (1) श्रीमती आणा एम० केवलरामाणि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेश साखराणि।

(श्रन्तरिती)

श्री सह सुखना बारों करको वृश्यीयस सम्परित के वर्धन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्वध्टोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्यस्थी

2, उड़ी स्ट्रीट कृलकता 26 में स्थित मकान संगम का छठा तरूना में स्थित प्लाट नं० जी--6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्नायकार स्नायुक्त, निरीक्षण) स्नर्जन रंज--2, कलकत्ता के पाम निरियन नं० सी० प० 55 के सनुसार 5--9-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुस्रा।

एस० के० बनर्जी ाक्षम प्राधि तरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज−2, कलकत्ता

विनाक : 27-5-1985

मोहर 🛭

प्रकल् बार्ड. टी. एम. एस.---

बायकर धरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन त्याना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

वालकत्ता, दिलांस 27 मई 1985

निदेश सं० सी ए० 56/85-86/एम० एल० /1008 आई० ए० सी०/एमयु०आर० आई०/कल्या निक्यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो डड स्ट्रीट कलकत्ता 26 में स्थित है (और इममे उपावद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजट्री हिती अधिकारी के आर्थालय सी० ए०, आई० ए० सी०, एक्यु रेज आई कलकत्ता-26 में स्थित हैं), रिजस्ट्रो, एण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार स्क्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्थ से उपन अन्तरण किश्विक स्व किश्वित नहीं किशा गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, स्वस्थ जिथिनियम के अधीन कर देने के जुन्तरक के वाबित्य में कभी करने मा उससे अवने में सुविधा के खिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, धिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था स्थितने में मुविधा के किए;

अतः अचा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक थं, मैं, उक्त की धीनवम की धारा 269-म के रूपधाट (1) के बचीन, निम्मी अधित स्वीनतस्व, मक्ति मुक्क 1. श्रीमती आणा एम० वेवलरामाजि

(भ्रन्तरक)

2 श्री श्रशोक्त साखराणि

(भ्रन्तरिती)

को सह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां वारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांध भी भावाँप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश शं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यांक्तयों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, शो शी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उपल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

2, डड स्ट्रीट, कलकत्ता-26 में ग्रविश्यित मकान संगम का छठा तल्ला में स्थित फ्लैट नं० जी-6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2 कलकत्ता के पास सोरियल नं० सी० ए० 56 के ग्रनुसार 5-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुगा।

> एम० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जेन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 27-5-198**5**

मोहर 🕹

प्रकृष भाइं.टी.एन.एस. -----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के अभीन सुचना

धारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकःर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० टी० श्रार्०- 228/85- 86/सी० नं० 1009/ श्राई ए० सी०/एक्वि० रेंब- 1/कल०—-श्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी.

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात जिस्त विभिन्नियम कहा गया हैं), की धारा 269-व के वर्धीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका स्वित शाक्षार सुम्ब

1,00,000/- रं. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 बीं है तथा जै नीलमणि हालदार
लेन, कलकता—23 में स्थित है (और इमसे उपाबद अनुसूत्री
में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिवारी के
कार्यालय, घार० पी० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 28-9-84
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने वा कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का विश्वास
करने स्थाप्ति के स्थाप्ति के स्थाप्त के स्थाप्त के किए तथ पाया प्रवा
करिफल निम्नसिकत उपदेश्य से उक्त कन्तरण कि स्थित के
कारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) करारण से इ.इ. किती जान की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के सामित्व में कभी करने या सबसे यक्तने भी स्विधा के किए, जीर/जा
- (का) ऐसी किसी जाय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में हिन्सों की किए;

जतात अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण की मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष—

1. श्रीमती गंगा मणि दासी •

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बाला साध

(भन्तिरती)

को यह सूचना बादों कारके पूर्वों बत सम्परित के नर्जन के मिग् कार्यग्रहियां करता है।

उन्त रुमित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई सी वार्क्स--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबित बाद में समान होती हो, के भीतूर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाया?
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के जीतर अक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी बन्न व्यक्तित स्वाय क्योहस्ताक्षरी के शस सिविक में किए का सकतेंगे।

स्वक्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कक्की और पर्वो का, को उक्क अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभागिध हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। क्या है।

भग्मभी

39 बी० नीलमणि हालदार लेन, कलकत्ता -23 में स्रवस्थित 2 काठा, 25 खरांक, 25 बर्गफिट स्रायतन का जमीन और अंशत दो तल्ला अंशत तीन तल्ला मकान जो रिजस्ट्रार धाफ एशूरेन्स के दफ्तर में डीड नं० 1-22320 के सनुसार 28-9-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, कलकत्ता:16

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🛭

प्रख्य बार्ड.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-2, कलान्ता कनकत्ता, विनास 20 सई 1985

्रिदेश सं० सी० ए० 66/845-8/मी० नं० 1010/ 1 ए० मी०/एक्वि० रेंज-1/कल०---धतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 25 प० है, तथा जो ऋमांक स्ट्रीट, कलक्ता 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीस्ती अधितारी के नार्यात्म, 1 सी० ए० एक्ट्रिक रेंज-1, कलक्ता में "रिजस्ट्रीस्तण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, तारीख 5-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यभाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बीबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण *, मैं, उक्त अधिनियम् की भारा 269-च की उपभारा (1) अ अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बर्धन इम्प्रूवमेटस (प्रा०) लि॰

(भ्रन्तरक)

2. श्री भैराम गुप्ता

(भ्रन्ति रती)

को यह सूचना शारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्रिए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

25 प०, ऋषांक स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रवस्थित सम्पत्ति एम तल्ना में 803 वर्ग फिट भ्रायतन का शा रूम नं०.9 जो भक्षम प्राधिकारी (महायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) भ्रावन रेंज-2 के दफ्तर में सीरियल नं० 6 कि ए० 66 के भ्रतुनार 2-5-10-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधियारी सहायक म्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज~2, कलकत्ता

तारीख. 20-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कंलकत्ता कलकता, दिनांक 14 महे 1985

निर्देश सं० सी ए 64/85-86/सं० 1011--- यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 8/1ए है, तथा जो चौरंगी लेन, कलनत्ता 16 में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० आई० ए० सी०, एक्पू० आर०-1, क्षकलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमम्भ
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्थास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एंक्र
स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिसित
स्व्याध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीनं कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मभान, निक्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयन्त कृपालनी

(अन्तरक)

2. श्री अलोक गोयेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिमां शुरू करता हुं।

स्वत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अपि। जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उनत स्थायर गंपरित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/1ए चौरंगी लेन, कलकत्ता में अवस्थित चौरंगी अपार्टमेंट का अविभक्त हिस्सा (तीमरा तल्ला), 984 वर्ग फीट जो नक्षम प्राविकारी (सहायक आयकर भ्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के पास सिरियल मि० ए० 64 के अनुसार 29-9-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० कि० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुष्ठत (निरीक्षण') अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख-14-5-1985 मोहर : प्ररूप भाइ' टी. एन एख.----

मैससं इण्डिया इलक्ट्रामिक्स

(अन्तरक)

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 mm 43) क**ौ** भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत शरकार

2. भास्टर प्रमोद कुमार कारवा, मास्टर नितिन कारवा

(अन्तरिती)

कायानय, सहायक आयक्षर शायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1.सलकत्ता

कलक्ता, दिनाक 17 मई 1985

एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 260-म के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह । वश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

थाँर जिसकी सख्या 33ए है, तथा जो चौरगी रोड, कलक्ता में स्थित है, और इसन उपायद्व अनुभूची में प्रीर पूर्णरूप से वर्णित है, रिजम्द्री सो अभि जरी के कार्यालय सी० ए०, आई० ए० सी०, एक्यू० आर०-1, कल तत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्स सपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उदयेश्य में उक्त अन्तरण निष्ति में शास्त्रशिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जम्मरण में हुड़े किही बाब की बाबम, अक्ट अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक व वासिटा में कमा करने या उसस वयन में कुंकर ने बिए, मरि/मा
- ं ε αारी किसी आद या किसी भन या अव्य आस्तिए^क का, जिन्हें भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था पिष्पान में मिलिया क लिए

की यह स्थना जारी करके प्योंकत सम्पत्ति 🕹 अजन के लिए कार्यवाद्विया करता 📺 :

उन्त बन्यत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप -

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्ष 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियाँ पर सुषणाकी सामील से 30 दिन की अर्थांक. ओ भी अविधि बाद में सभाप्त हाती हा के भीतर पूर्वावत व्यक्तियां भें से जिसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सर्पाल मं हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-के में शीरभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस क्रम्याय में दिया 481 E. 1

भ्रन्युची

33ए चौरगी रोड, कलकत्ता में अव्यवस्थित चटर्जी इन्टरनेशनल का 17वा तल्ला में प्लाट न० ए-10 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज 1 कलकत्ता के पास, सिरियल सि॰ ए-61 के अनुसार 15-9-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस • के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता

बन गर, उक्स अधिनियस की भाग 260 गाउँ अत्याप में, में, इबा अधिनियम में एएए 280-व र्रा उ च सभीत भित्रनिलिखित हा विस्पर्भ अर्थान --

तारीख: 17-5-1985

मोहर 💈

3-9(GI|85

प्रकार वार्षं . हो . एव . एस . -----

आवकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन क्ष्यना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अञ्चल रज—1, सलकत्ता

चन्द्रता, विनाक ४० मप्रैन 1985

स० भी० ७० 54/85→86/सिरियल 1013—यत: मझे, एम० के० त्रभनी.

जाबकर भीर्यनियम, 1961 (1961 का 43) (बित इतर्जे इतर्के परभाप 'खबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीर सक्षय प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर नागरित, सिमका उसित बाजार मूल्ब 1,00,000 (- गा के अधिक हैं

भीर जिसकी प्रकार 7/1ए है, तथा जो इ० यु० एन ब्रह्मचारी स्ट्रीट, तल हता है क्थित है, जो इससे उपाबद्ध अनुभूची में गौर पूर्णमा न वांशव है, गिंग्स्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय मि० ए गई ए थि॰ अर्जन रैंज-1, कलकत्ता में रिजस्ट्री घरण जिथित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 3-9-1984

का प्रतिकत पर्यांति के लिजित बाजार मृत्य से क्षत्र के क्षत्रकान प्रतिकत के निग् जन्तरित की गई है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि नथा पर्वोक्त सम्पर्ति का उपैभत बाबार मृत्व, उत्तके करनान प्रतिकल मं, एतं करणान प्रतिकल के पन्कर प्रतिकात से निधन हों नीर जंतरक (अंतरकों) नीर वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एतं पन्नारण के लिए उर पाया गया प्रतिकल, निम्नतिसित उद्देश्य मं का उपराण निष्टित में वास्पविक रूप से कथित नहीं क्या गा हों --

- (क्ष) ए तौ जिन्नी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों स्त्रों, निन्दें भारतीय आयकर अधिनियम, 1992 (1992 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ जन्तिश्री दवारा प्रकट नहीं किया गबा भा गा जिल्ला जन्ता चाहिए था, खिलाने में स्त्रीनिया के निग्र;

यत जल जिल र्विविधित री भाग 269-म के अससरण में, में, राज्य विधितियम वी भाग 269-म की उपधारा (1) के अभीस निकालिकत व्यक्तियों, जर्थात :---

1. मेससं परा एन्टरप्राईमस

(अन्तरक)

 श्री विलोक चन्द पसारी, तथा अन्यान्य।

(अन्तरिती)

को बह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मुर्जन के लिए कार्यवाहिकां करूता हूं।

उक्त सर्पात के अज्जीन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्वकाष्टियम :----इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को जभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्यास में दिया गया है।

अनुस्की

7/1ए, ड० यु० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अव्यवस्थित मकान का तीमरा तल्ला में प्लाट नं० 3 डि० जो सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर आयुष्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पाम सिरियल नं० सि० ए० 54 के अनुमार 3-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ,

एस० के० बनर्जी,
सक्षम प्राधिकारी
कहायक जावकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, कलकत्ता

नग्रीख: 36-4-1985

महिंदर :

प्रकण नाहाँ हाँ. एस एस. -- ---

श्री असितेन्द्र साथ भिष्ठाए।

(अन्तरक

2. श्रीमती लक्ष्मी शर्मा ।

(अस्परिनी)

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-प्र (1) के बधीन स्थना

मार्व सरकार

कार्यात्मय, सहायक बायकर बायकल (निरीक्षण) अर्जन रज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई, 1985

सं० टी० आर०-240/85-86/मिरियल नं० 1014.--यस: मुझे, एस० के० बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके पश्चात 'उक्त अधिनियम नहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिवारा भा, एवं भिक्वास अन्य का कारण है कि स्थाबर सम्मिन, जिसका उत्तिन बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 22 है, तथा जो इण्डिया एक्पचेंज ग्रैम, कलकत्ता में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० थार० 4, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुर्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एते क्रयमान प्रतिक्ष का पन्द्रह प्रतिवात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकृत, निक्नितिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित के बाखिक रूप से किया गया ही:---

- (क) जन्मरण से हुए भिसी जान की बाबस, खन्म विभिन्न के अभीन कर बोने के अन्तरक की बाबस के किया करने में स्विधा के लिए; जरि/या
- (स) वासी शिक्की बाय या किसी पन या बन्य आस्तियों को, विक् भारतीय बाय-कर निधिनयम, 192? (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकेशनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिन्तों में मृषिधा के लिए;

को यह स्वना जारो करक प्रांकन कर्णांच के बर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

दनता सम्परिता को अर्थन के संस्थति मा काञ्च मा हाया : --

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकारण का सार्वाक के 45 दिन की अविधि सा उत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वता की नार्धाल में १० दिन की जनिय से सी मान्य होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी त्यक्ति हुउना
- (क) देश स्थान के यजपत में प्रकाशन को तार्त्रांश के 45 दिन के भीता त्रकन स्थापन क्रमांत प हिन्दक्व किसी बन्द व्यक्ति क्षाय अधित्याक्षर में ताल सिचित में किए का स्थात

स्पण्डीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दा और वदां का आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के म यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होता, को उन्ह अध्याय में विया गया है।

हा नुसुधी

22, इण्डिया एक्सचेंज पैन, एन एसा में जर्बस्यत 2 काठा 4 छटान जमीन के उत्पर मकान हा आना हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार आफ एएयोरेन के ज्यनर में डीड नं 1-22482 के अनुसार 29-9-1981 नारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बगर्जी, पत्रभ पाणि गरी, सहायक आयकण नापुष्प (विरीक्षण) पर्जार रोज 1, कबकत्ता

बतः भव, उक्त जिमिनियम की भाषा 269-म के अनमरण भी, मी, उक्त अभिनियम की भाषा 269-म की उपभाग (1) के बभीन, निम्मीक चित्र व्यक्तिकों, अवस्ति । ----

तारीख 27-5-1985 मोहर १ प्रकार अवर्ष हो. एवं. एक. -----

नावक इ. अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की पादा 269-च (1) में नभीन स्वता

ALCO ASSESS

कार्याधन, सञ्चलक नायकर बाजुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 27 मई, 1985

निर्देश संवटी आर-241/85-86/सिरियल 1015: प्राई० ए० सी० एक्यू० ग्रार-1/क्ल०--अत-मुझे, एस० के० बनर्जी, अध्यक्तर ऑफिश्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के अजीव संख्या प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर बजरिय, जिसका अधिका क्षांच्या सामार मंद्रमा 1,00,000/- रह. से बिधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 22 है तथा जो इण्डिया एक्सचेज प्रैस, कलकत्ता में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० 4 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

की पृशेषत सम्मित से उपित बाजार मृत्य से का के स्थमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुझे यह निस्पास करने करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्त सम्मित का उपित अकार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकाल से, इसे स्थमान प्रतिकाल का वस्त्र प्रतिकाल से विभक्त हैं और बंस दक (अंतर्हकों) भीर बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्निकासित उद्योक से स्थान सम्बर्ग कि कित में वास्तिक रूप से स्थित क्या से स्थान स्थान हैं:—

- (क) कन्तरभ ते हुए किसी नगर की नावश स्वयस मि-विस्ता के अधीय कर दोने के अम्सरक के शामित्य के किसी कार्य वा उत्तरी वचने में सुविभा के निए; और/वा
- (व) एंडी किसी थान वा किसी धन वा बन्व अहिस्तानों को किस् भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किस्स वसा था का किया जाना किस्त् था किया ने स्विधा के हिन्दा।

1. श्री असित नाथ, मिटार

(अन्तरक)

2 श्री हरि शकर शर्मा,

(श्रन्तरिती)

का बहु सूचका जारी करके पूजा कत सम्परित की अर्जन के लिख् कार्यका क्रियां करका हुं।

उन्दर्ध सम्परित को अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (भर) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाश की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वापता की तामील गं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद सा समाप्त होती हा, से भीतर पृत्रेक्ति व्यक्तिसी से स किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारिक सं 45 विन के भीतर उनन स्थातर सम्मत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवासत मा (कर जा स्काग)

स्पाधीकरणः—-इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अ अध्याय 20-क में परिभाषिकत है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका एका है।

व्यक्त

सम्पत्ति जो 22 इिंग्डिंग एक्सचेज प्रैस, कलकत्ता में अवस्थित 2 काटा 4 छटाक जमीन के ऊपर एक तल्ला मकान का आधा हिस्सा जो माव रिजस्ट्रार अब एसुरेन्सेस के दफ्तर में डीड न॰ I 22483 के अनुसार 29-9-84 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

अतः नथ, उत्था विविधित की भारा 269-म क बन्तर्थः मों, बीं, धकत विविधित की भारा 269-म की उपभारा (1) के तथीन, निस्तीमधित व्यक्तियों, वश्रीस् १००

नारीख 27-5-1984 मोहर .} प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 260-ण (1) के बधीन भूचना

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांचा 25 अप्रैल 1985

सं० 19/भिपटेम्बः /84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ क अधीत अका प्राधिका विश्व यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मान्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर । जसकी मं० ए.स० स० 151/2 है, जो अबिनवम गांव , मेन । ध्यक्रमनालयम प्रान्तूर तालुक थे रिथत है (श्रांर इससे उपावड़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण छा से विणित्र है,) र्राजस्ट्रीकर्ता अध्यक्तारी के कार्यालय, जे० एस० अष्ट० 1 स्लम० दस सं० 2096/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिक रूप से किथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन् किसी जाग की बावत, उक्स बधिनियम के बभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा के बिएए; बीए/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों की. जिन्हों भारतीय जाय-कर जिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर जिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशिरितों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० साम्पसिव सुब्रमणय अयर

(अन्तरक)

2. श्रीमती पलनियम्माल

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध वाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निश्चत में किए जा सकने।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाविष है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मम्स्य

मूमि धौर निर्माण, अविनवम गांव (दस० सं० 2096/84)

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रावुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 25-4-1985

माहर 🖫

प्रकथ कार्यः, दी. एन. एस.-----

1. श्री मारप्पा कौटर और अन्यों

(अन्तरक)

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्याँ भारा 269-व (1) के अभीन स्वमा

2. श्री मुत्रु कौन्टर

(अन्तरिती)

भारत शरकाडु

कार्यां तय , सहायक नायकर भाग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 25 अप्रैल, 1985

सं० 42/नेप०/84---अतः मुझे प्रेम मातिनि वासन

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिखे इसमें इसमें इसमें प्रमात् 'उपता मिनियम' वस्त क्या हु"), की भारा 269-स के मधीन सकत प्राविकारी को यह विश्वास काकों का कारण है कि स्थापर सम्बत्ति, जिसका जोकत बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

भौर जिसकी सं० केलु कोम्पे गाव, नामकल में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय एरहमेंट्टी इस० स० 1384/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख संपटेम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्बंधित के जीवत बाबार मृस्य से कान के जनमाद प्रतिकत्त के लिए नतरित को गई है और मृश्वे यह विकास करन का कारण है कि मधानुर्वोक्त सम्बंधि का उपित बह्यार मृश्य उसके देश तथ प्रतिकत से, एसे क्रमान प्रतिकत का पत्तह प्रतिचत से न्यान है और बंदरक (बंदरका) और अतरिती (बंतरितियाँ) के नीच एसे जंतरण के लिए तम गया कम प्रतिक कम निकासित उद्वेषय से उक्त बंदरण निवित में वास्त-विकासम से कथित नहीं किया गया है है—

- हैंक) बंदारन है हुए किसी बान की बायस, उपस् वीभाग्यन के नपीन कर योगे के बंदारूक के बाजिएस ने कभी करने या उदाये तस्ते में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (w) ऐती कियी बाथ वा कियी प्रवा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बर्तारती दवारा प्रकट नहीं किया नया वा किया वाना वाहिए वा, स्थितने में सुविधा वे विद;

को यह सूचका बारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षक के लिए कार्यवाहियां करवा हुए।

राज्य सम्बक्ति के कार्यन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स :---

- (क) इस ब्रुवना के राजपण में प्रकाशन की तारींस के 45 बिंग को सर्वीच या तत्म्यनन्त्री क्यांस्त्यः। धर ब्रुवना की तामील से 30 बिन की वर्गाः, वो धर्म अवधि याद में समाप्त हाती हा, के भीतर पृशींकत क्यांक्त में से कि ती व्यक्ति ब्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तार्यका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति भी द्वित-बहुभ किसी बन्य स्थित इसारा अधाहरताक्षरी के पास किहीक्स में किस वा क्योंने।

स्वकारण ---- उसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो अक्ट अभिनियम के अध्याय 20-क में परिधायित है, यही वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

बाह्य मी

भूमि ग्रीर निर्माण केनुकोम्पै गांव, (दस० सं० 1384/84)

> प्रेम० मार्लिन वासन । सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच I, नदास ।

बकः:, अवन, उन्तर बिधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भ्रों, की सबस अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन,, निम्मलिचित व्यक्तियों, सभीत्:—

नारीख : 25-4-1985

मोहर 🖫

प्रकृष्ट वार्षे द्रौ. एक. एक. ----

1. मेसर्स किसिन दास कोविन्टराम

(अन्तरक)

2. श्री बकवान दास सोबराज

(अन्तरिती)

नाभकाड निर्मियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को नभीन सुचना

शाउत स्रकाह

कार्यालय, बहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 104/नेप०/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन कामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल अ वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. ते विभिक्त है

श्रीर जिसकी सं० आर० एम० सं० 1632/1 है जो 246 प्लाट 'बी' 7त फ्लोर, सिवालया बिलिटिन्स, समान्डर इन चीफ रोड, मद्राम-105 में स्थित है (श्रीर इससे कार्यालय पेरियमेट (दस० मं० 922/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मून्य से कान के व्यवनात प्रतिफल के लिए जन्तरित का नई हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके द्रस्मान प्रतिफल से, एसे व्यवनात प्रतिफल का नन्त्र प्रतिखत ने विश्वा हैं और जन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के निए तब गवा एस प्रतिक्षय निम्निविचित उद्देश्य से उक्त जंतरण निस्चित में वास्तिक रूप से कांचन नहीं किया गवा है :---

- (क) संतरण से हुई किसी माय की नानत, उक्षत नीधनियन के अधीन कर दोने के अत्यरक के रायित्व में कभी करने या उक्क राया में सुविधा के सिद्द; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भग के बच्च आफ्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर निर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्ध;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरक का, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिष्यस व्यक्तियों, जर्थात् :---- को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्बुरित के अूर्जन् के बंबंध में कोई भी ब्राक्षेष ध-

- (क) इन्नु स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद्य;
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुक किसी जन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकों थे।

स्थळकि रणः ---- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पर्धों का, यो स्वयः विभिन्निक के अध्याय 20-क में परिकाधिक ही, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गक्षा है।

अनुसूर्धी

निर्माण 246, ब्लाक 'बी' 7त क्लोर, सिवालया बिलटन्क, कमाण्डर इन चीफ रोड, मद्रास-105:

(दस० सं० 922/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 27-4-1985

मृहिर 🖫

प्रस्प काइ टी. एन एखा. ----

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अरी भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

PROPER BYIN

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्राम मद्रास, 27 अप्रैल, 1985

सं॰ 107/सेप॰/84-अतः मुझे प्रम मालिनि वासन नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख 🛊 सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं है जो 813 पि० एच० रोड, मद्रास-10 भौर जिसकी सं० में स्थित है (ग्रीर इसने उपावद्ध अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आयंतिय, पेरिममेट दस सं० 904/84 में भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख सेप्टेम्बर, 1984 क्यो पृथोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, भार/या
- क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-वार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, या धन-वार प्रवासियम, या धन-वार प्रवासियम, या धन-वार प्रवासियम वारा प्रवासियम वारा प्रवासियम के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन: निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री एम० एल० पटवारी और अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर॰ निरुवलै

(अन्तरिती)

का यह स्थान आरी कर्क पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वान के राजधाद में प्रकाशन की तारी का # 45 विष् की अवधि या संस्थानमधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त हाती हा, अं भीतर पूर्वे किस अधिस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उपन स्थाबर नम्पति में हिनबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में निष्य में निष्य का सुरुष्

स्पष्टीकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा, को उस अध्याय में दिक्ष गया हैं।

असमर्ची

निर्माण सं० 813, पि० एच० रोड, मद्रास 10। (दस० सं० 904/84)

प्रेम मालिनि वासने प्रमासिनि वासने प्रमासिन प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भद्रास

तारीख: 27-4-1985

मोहर :

प्रकर्भाषी, टी., एन्., एक. :======

श्री एम० एस० पदवारी श्रीर अन्य (अन्तरक)
 कुमारी एसिमबद जारज (मैन्ट) (अन्तरिती)

भायकर नौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-व (1) के ब्भीन सूचना

भारत ब्हुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

अंगनं रंग-1 मंद्रास

मद्रास, (दनार 12 नप्रैल 1985

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसके इसके पश्यात् 'उक्त कीधीनयम' कहा गया है, की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार म्रस्य 1,00,000/-रा से अधिक है

है जो 813 पि० एच० रोड मद्राप-10 र्ग्राप जिसकी स० में स्थित है (और इपने उपाबन जनपूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजरहोनर्ता रिधनारों के नार्यालय पेरियमेट दसर मर 905/४३ म भारतीय राजस्ट्रीर रण तिर्धानयम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन नारीय नाटमंत्र, 1981

को प्रांचित सम्पृत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम को प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाज्य मृल्य, उसके करबमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) को बीच एम बन्तरण के निए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिश्वित वें इपस्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा क लिए और/या
- (ब) एरेडी किसी नाव या किसी भन वा जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्माणयम, 1922 र्श 922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर ^{अभि}धनियम, 1957 (1957 का 27) के अमाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के निए:

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनस्करण में, में, उपका अधिनियम की कारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्लीलीकत व्यक्तियाँ, अर्थात् ---4-96 GI 85

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मित्त को अर्थन को लिए कार्यनाहियां करता हुः।

उक्त सपरित के अर्जन के सबभ में कोई भी बाक्षप --

- (क) इस भ्वाना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की दामील से 30 दिन की बनीप, जो भी अव्याप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वास,
- (ब) इस स्वनाके राजदत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए या सकेंगे।

स्पन्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बर्धे बार्ट पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिवा भया

बन्स्की

निर्माण ४१३, पि० एच० २८ मद्रास-१०। (दस॰ म॰ 905/84)

> प्रेम मालिनि बासन सक्षम प्राचित्रारी [महायव आयवर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रज-1, मद्रास।

नर्ग**ख** 27-1-1985 मोहर 🛭

प्रकथ बाह्र टी. एन. एस

(1) श्री कें पीठ वान्कीली।

(अन्तरक)

(2) श्री एमः नटराजन ।

(अन्त(रती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर सुभना

धारत शरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मर्ड, 1985

निदेश स० 158/सेप/84---अतः मृष्टे, प्रेम मालिनि यासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्राण करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चि बाका मूल्य 1,09,000/-रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है, जो वहुरम्पट्टी गाव नामक ल साल्व में विधन है (ग्रीर इपसे उपाबड़ में ग्रीर पुर्ण रूप ने पणित है), र्जिस्ट्रीक्षनी अधिवारी के कार्यालय नामक्स दश्य मुख्यालय नामक्स दश्य मुख्यालय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के क्यमान एतिफल यो लिए जनरित की गई हैं और एके यह विश्वास भारते से कारण है कि जाए हैं कि उप हैं की र एके यह विश्वास भारते से कारण हैं कि जाए हैं कि उप हैं कि अप कि कारण के क्यमान पीत्रकत न कर कर प्रतियत से अधिक हैं और अंतरक (मंतरकों) बीर अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें जन्तरण के लिए तय पाया मया इतिफल, निम्मितिबित उत्तर्था में उच्च अपराप्त लिखित में पास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जलनण से हर्ष जिस्सी क्या करी यावस, उदन अधिनियम के अधील कर दोने की अपलरक के दायित्व यो क्यी अपले या तसको प्रधने भी अजिथा र स्थित; भीत्र/का
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, िप्पारे हें किया के के लिए;

कतः व्रवः उकतं विधिनियमं की धारा 260-मं के जनसरण मैं, मैं उक्तं विधिनियमं की धारा 260-च की उपधारा (1) को कथीन निष्णिया व्यक्तियों कथीत है कार्यवाहिया करता हूं। उक्त सम्पत्ति के क्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

को ग्रह सचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के निए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका स्यक्तियाँ मा स किमी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरां के पाम विशित्त में किए जा सकरें।

स्मण्डीकरण :----इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों का, जं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भमि—अन्कुरम्पट्टी गाव, नामकल तालुक (दस स० 1728/84)।

प्रेम मालिनि बासन, सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-। मद्रास ।

तारीख: 8-5-1985

साहर इ

प्ररूप बार्षः टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारल चरकाड

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना दिनाक 7 मई, 1985 लुधियाना,

निर्देश म० चण्डीगढ/53/84-85 --- अत मृक्षे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी साठ प्लाट नाठ 418 है तथा जा सैकटर 35 ए०, चण्डीगढ म स्थित है (श्रांर इससे उपाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, चर्डागढ म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख । मनम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बान, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया थाना थाहिए था, कियाने में न्यां ने की हिन्या के किया के किया की की स्वास के किया के निया के किया की स्वास के कियाने की निया के किया की किया की स्वास की किया की निया की निया की किया की निया की

अस अथा, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ल की उपवारा (1) के अधीन, दिस्तिलिखिए व्यक्तियों, अधीन् ---- (1) विश कमाङ्ग एस० एन० वधवा (रिटाईर्ड), पुत स्व० लाला वली राम, निवासी विवेकानन्द महिला कालेज कम्पैक्स, ।ववक विहार, दहला ।

(अन्तरक)

(2) जार तरसम जिन्दल पुत्र,
श्री रामजी दास तथा श्री अशाक जिन्दल पुत्र,
श्री रामजी दास,
निवासी मकान नर्र 1014,
मैंकटर 36 मी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह मुचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्परित कं अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मा पकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की नामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाण हाती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियां भा में किसी व्यक्ति द्वारपः;
- (स) इस मुजना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उपत राजिर सम्पति मा हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहमाक्षरी के पास तिखित मा विष्युत्र सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, क सम्पाद 20 क में परिभाषित है, नहीं नर्भ होगा, जा उस अभ्याय में विमा

अनुसूचा

प्लाट न० 118 सेकटर 35 ए, चर्ण्डागढ (अर्थात् वह जायदाद जा कि र्राजस्ट्रा कर्ता जिल्लारी, चर्ण्डीगढ र विनख सख्या 5211 माह सितम्बर 1984 के तहन दज र ।)

> जागन्दर सिह, पञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुधियाना ।

नाराय , 5—1985

भादि दे 🚊

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाक 7 मई, 1985

निदेण म० चण्डीगढ़/56/84-85-अत मुझे, **गोगिन्दर**

भिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा में अधिक ही

अगर जिसकी में ० ज्याट ने ० 3346. है तथा जो मैंक्टर 32 डी चण्डीगढ, म स्थित है (प्रीर ट्रिंग उपाबद्ध अनुसूची में प्रार पर्ण मप में विणित ह), रिजर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख सित्मवर 1984

को पृत्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफता, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित म करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक ल्प से किथित नहीं किया गया है ---

- (क) अतरक स हुई किसी आध ; बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के झंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के तिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीजिंगित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्री अमरजीत अग्रवाल पुत श्री मीता राम करीटल डीजल मविष मनीमाजरा, पुरु टीर चण्डीगडा

(अन्तरक)

(2) श्री केसर सिह पुत्र श्रा सर्ता सिह निवासी मकान न ० 150, मैक्टर 20 ए, चण्डीगढ ।

(अन्त√रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख स 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 हित के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकींगे।

स्पर्ध्वाकरण ---इसमा प्रय्वत शब्दा और पर्दा का, जा उक्त अधि-नियम, क अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वही अथ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्समी

प्लाट न० उ.१46, संस्टर १८ ईा, चर्ण्डागढ (अथात बह जायदाद जो कि र्राजस्ट्रासर्वा अधिकारी, चर्ण्डागढ के जिलेख संस्या न० 587 माह सितम्बर, 1951क तक्त दजे हो।

> जागिन्द्र सिह मक्षम अविकारी सहायक अध्यक्षर आयक्त (निराधण) अवन रेज लिजियाना ।

नारीख 7—5—1955 माहर . प्ररूप आहू^{*}.टी एन.एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, लांबयाना

ना प्रधाना दिना ह 8 सई 1985

निर्दण पर वर्ण्डल क्रिश/85 स्था मुझे जागिन्द्र क्रि

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-ए स अधिक है

और जिस्की सुरु प्रशास कर 2528 है तथा जा सैक्टर 35 सी चण्डीगढ़ में स्था है (औं इससे उपावज प्रत्मूची स आर पूर्णरूप से प्रणित है) रिजस्ट्री की श्रिधिशरी के वार्यात कर्ण्डीगढ़ में, रिजस्ट्री रूण श्रीधिशरी के (1908 का 16) र श्रीन तारीज सितस्वर 1984

का पूर्वाति सम्पत्ति क उचित हाजार मृत्य स कम के रम्बम्स प्रतिफल के निए अमरित की गई है और मभे यह विम्नास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्बत्ति का उचित बल्जार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मनरिती (अतरितिया) वे बीच एस अन्तरण के लिए तय पाय बया प्रतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य पं उपन सन्तरण निर्वित में बास्तिविक रूप से अधिस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संशुष्ट किसी काय की नाबस. उक्त विधिनियम को अभीन कर दोन को बन्तरक को दायित्व मों ऋमी करने या उससे वचने में नृनिधा के लिए; काँड/या
- (क्ष) एमी किसी नाय या किसी धन या अन्य जारितयाँ का जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधाजनार्थ जारियों द्वारा प्रपट नहीं जिला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा सुनिधा के निग्।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं अवीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, सर्थात् क्ष्म (1) ब्रिगेडीयर ने० ए र० किल्लो (रिटायर्ड)
पुत श्री चचत भिन्न
निर्मासी मनात त० ७५५
संस्टर 1७ डी
चण्डीगढ ।

(भन्तरक)

(2) मेजर तिलोक िह गुजराल (रिटायर्ड)
पुत्र स्व० श्री हुमम िह गुजरात,
श्रीमित दर्जीत कोर गुजराल
पत्नी मेजर तिलोग िह गुजराल,(रिटायर्ड)
मेजर रक्केंद्र िह गुजराल
पुत्र मेजर निरोध शिह गुजराल (रिटायर्ड)
जनशा श्री बरेन्द्र सिह गुजराल
पुत्र मेजर जिलोक निह गुजराल
पुत्र मेजर जिलोक निह गुजराल
पुत्र मेजर जिलोक निह गुजरात (रिटायर्ड)
निवासी मान न० 1302
संगटर 34 सी०
चण्डीगढ ।

(अनिरिती)

को यह मुचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाम निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पन्न किरण: — इसमें प्रयुक्त पान्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुी अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया

मनं सन्दर्भ

्लाइ न० 2528 सैक्टर 35 सी चण्डीगढ (ग्रयान वह नापदाद ना ि रिजिस्ही त्सी श्रिविकारी, चण्डीगढ के वितेख सहपा न० 629 माह सिनम्बर 1984 के नरत दन है)।

> गणिन्द्र सिट संभम प्राविकारी सहायक प्राविक प्राविक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, लुबियाना ।

नारीय 85-1986 माहर

पक्ष बाह्र टो एव एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का आरा 269-भ (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अज्ञा रजी निधिस्ता

र्गितत (-त 8 मई 1985 रहरण हर विरि′ / 27 /8185 जार कर तीणाः

ितं भाषतर को भा तयम, 1961 (1961 का 43) (जिस दसमें इसक प्रशान '्र आर्थानस कहा गण ही) व न्य 259-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मन्य 1,00,000/- रह स अधिक है

नार जिली । मान नर नार XX 062/2887 जना ना ना /० ताम ताम पारामार मान्याना मा स्थित है (नोर नाम जावड नवस्ची में नार पूर्ण स्थार निवाह है) स्तिही ती स्थी। स्री को स्थित सुरान न स्थितिस राम स्थित (1908) । 10) विनि

मा र शास्त है। ते का सार एयं संपंधा के अनुसार अन्तर्गत की रही है आर स्के यह विश्वास करने का अर्थ है के अर स्के यह विश्वास करने का अर्थ है कि स्थान किंत्र परित का अवित व नार्थ साथ, जम रे न्यसा अभिकार ने, एम दे नार्थ किंद्र व नार्थ पन्द्र प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मिति (ि ()) में में है एक जाए है से साथ स्था प्रतिशत सं स्था प्रतिशत सं स्था प्रतिशत निम्नतिश्वित संवद्भेष सं उच्त करारण निश्चित सं

भूक्ति। का रूप में विधित तही किया गया है ---

क किए और/बा

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की साबत. उपश अधिनियम के अधीन ५७ इन के अन्तर्र के अधिरिय में कमी करने या उससे बचन में स्टिबा
- (क) एंसी किसी आय या किसो धन या अन्य कास्नियाँ की जिन्हों सा तीय आर निरु पीर्यानय , 1) 2 (1922 की 11) या उक्त अभिनेश्य , 4) 2 (19) 7 _ / 4 स्थारन भ अ । ी देवी । वि र ने असे र धारन भ अ । ी देवी । वि र ने असे र धारन भ अ । ती देवी । वि र ने असे र धारन भ अ । वि राजा निर्माण था जिनान से स्विधा के निर्माण भ

कत कब उपत आंधीनयम का घार १६५-ग के अनुनरण जो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपभारा (1) क कर्ष किना तथा क्यांनितयों, अनीत —

- (1) श्रीमति पान महिन्द्र नें⊓ नहेत श्री जगीर "
- (2) ५३ श्री अगत िस निवासी स ति न बी- AX-66 गरदव नगर नुशियाना।
- (2) या गुःदार कि उन्हराल मिन जन्माल मिन पुन की जनगण कि पान श्री जनगण कि पान श्री जनगण कि प्राथित को जनगण कि प्राथित को जनगण कि प्राथित को जनगण कि पुन श्री बारगण कि नुन्दक पुरा भिष्ठित नाईन्ज न गराना।

(नाराःग)∄

को यह मचना जारी करक पूर्वचंत संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हा।

उत्सम्बा व अभन भ न म च र मी पक्षा ---

- (क) इन ति क जिया से निकास ते त्यान में 45 दिन का सनीन या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की लविधि, जो भी लविधि बाद में समार हाती हो, के भीतर पूर्वजन व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के के उत्तर सम्मति में हिन्बद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः इसम प्रयुक्त सन्दा और पद्धों का, जो उक्त वाधिनियम, क अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहां अथ द्वागा का जम अध्याय में दिया गया है।

शन्स्क

मकान नव बाव- २२- 662/3847 ना 1/6 माग तर ह रातारा पुविधान (अर्थात अर जाना है हा कि राजस्ट्री-न्ती प्रावशारी गुज्याना के अरब एया 5611 महि राजस्वर 1984 व तहन देश हैं।

ज्ञागीय प्राप्त यक्षम प्राप्तिकारण सहारत याक्षर आयुक्त (निर्यक्षण) प्रजन राज, तुर्विप्रयोग

כ וכי הוד

मार र

प्ररूप वार्षं.टी.एन.एस्.....

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

चर्नन रंग, लुधिनिया

न्जियाना, दिनाक 13 मई 1985

िर्देश में० चर्न्डः|55 जें।|84|85—-पतः मुझे जोगिन्द्र सिंह.

भायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-छ की अधीन मक्षम मिधकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी संव मान नव 188 है नवा जो सैक्टर 33 ओर चण्डीगड़, में स्थित है (बीर इस्त उपायड सन्मूची में और प्णें स्प से लीणत है), रिज्ञाद्वीवनों ग्रीविवारी के दार्यात्म, चण्डीगढ़ में रिजरड़ी रण ग्रीविवास, 1908 (1908 का 16) के ग्रीवीन तारीय नित्यंद 1984

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के तीनत वाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण कारण है कि यथापृवंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिकृत से अधिक है और कन्तरक (अन्तरभारे) और प्रत्यरिती (अन्तिकिति में अधिक है और एमें अन्तरण के लिए तो। पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है बास्तिक रूप से अधित नहीं किया प्रमा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने मा असमें स्थाने में सुनिया के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्निया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ बन्नीरती इवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः कथः, एकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर निम्निक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात हु--- (1) श्रीमा श्रेम पंडित पहिनास्वर्गीय लेपिटनेस्ट मेजर तंजपाल पडित आग जी० पी० ए० श्री अगा। वासल पुत्र श्री ची० एल० वासण निवासी मेन्छन नं० 17 सैक्टर 10 ए

(अस्तुर हो)

(2) श्री जगदीश भिह नाकई

पुत श्री बर्गायन्त्र िह्
श्रीमिति वाभिन्द्र भीर ना ई पन्ति श्री बर्गायन्त्र श्रीमिति वाभिन्द्र भीर ना ई पन्ति श्री बर्गायन्त्र शिह गाउँ निवामी नरनाला भाठिला राट रामपुरा फर जिला भठिला।

(अंतरिनी)

- को यह मृषना बारी करके पूर्वोवन सम्पत्ति के अर्वन के लिए कायवाद्या करवा हु।

उक्त सम्पत्ति वो अर्जन के सम्बन्ध मा कोर्ड भी आक्षप ' --

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन का अविधि मा तत्यम्बन्धी मास्त्रिया ६२ प्रवाह की तामीन में 50 दिन की अविधि, जो मी अवाध बाद में समाप्त माती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तिमों में किसी स्पित्त हुवागः
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त न्वादर सपन्ति में हिल्ल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित् में किए त्रा सकरो।

स्पष्टोकारण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुते कर्ण होगा जो उस अध्याय में रिशा बना हैं।

*प्रनुसु*ची

मन्तात नं 188 मैक्टर 33 ए० चण्डीगढ (अशित वह जारदाद को कि रिजिस्ट्रीशन्ति यशिकारी चण्डीगढ के विनेख संख्या न० 555 माह ितम्बर 1984 के तहत दर्ज हैं।

> जीगन्द्रः सिङ् सजम प्राधि ११री सहायाः प्रायनाः सायुकाः (निरीक्षण) ग्राजनाः रोज, सुधियानाः।

नागीख: 13-5-1985

माह्य 🖟

प्रक्ष बाह्रं. टी. एन. एस. ------

प्राप्तपार जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन स्प्ता

भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिय)

श्रजंन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 13 मई 1985

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्ण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिपको मं० ग्रध्रा मकोन नं० 300 है तथा जो मैंक्टर 33 ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसने उपावद अनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन ताराय पितम्बर

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार शृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण थे हुई किसी बाव की बावत सक्त अभिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक की स्थित्व में कभी करने वा उससे वचने में स्थिधा क सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाप या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्नार प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना थाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

क्तः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिन, निम्निसि**चित व्यक्तियों**, अर्थात् ६—— (1) श्रो राम सरन दास पुत श्री पूल चन्द ग्रीर श्रोमना प्रोमिला भनोजा पात्न श्रो रामनरन दाय निवासी मफान नज 1189 सैक्टर 21-वा चण्डीगद्या

(ऋतरक)

(2) श्रीमित विभा अग्रवाल पत्नि श्री डी० के० अग्रवाल श्री मुनील अग्रवाल पुत्र श्री चमन प्रकाण अग्रवाल निवामी मकान ने० 1117 ने०० 36-मी चण्डीगड ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना पारी करके पुनाँक्ट सम्परित के वर्षन के हिन्छ कार्यवाहियां करता हुं।

जनवा कम्मरित के नर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वे कि व्यक्ति यो ने से किसी व्यक्ति द्वारा!
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कींगे!

स्थाबीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, वा उक्त विभिन्नियम, के बध्याय 20-क में प्रिशायित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वसा ही।

वन्स्वी

अदूरा मकान न० 300 मैक्टर 22 ए चण्डीगढ़ सर्यात वह जायदा॰ जो कि रजिस्ट्री कर्त्ता स्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 638 माह सिनम्बर 1984 के तहत दर्ज है।

> जामिन्द्र सिह सक्षम प्राप्तिकारो सह्यक्त आवकर धायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना।

नारीख: 13-5-1985

भाहर 🕹

स्थत बाह्न ५३ १ विक

प्राचकार अधिनियस 1961 (1461 श 1) का मार 269 (म) (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानक, महायक अध्यक्ष का का कि (निर्माक्षक) अजन रेज वित्रियाना

लीप्रयाना जिनार १४ मण १९८०

निर्देश स० लिधियाना । //४१-५- -- एतः सन्तः जागिन्द्र सिंह,

नायकर प्रभितिसम, 1961 १५६१ र इ.स. (जिस इसम मिक परभात (उक्त मिजिनिसम अन्यासा जी), का भारा 269 ज न प्रधार प्रसास

हारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का जीवर क्षेत्रण मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- को आस्त्रण स् हुई। ध्यो का को क्षा, क्षात्री प्रतिस्था स्ट्रा । । ज
 - * +=17 x*/

अत साथ, उस्त अधिनियस को एक था, + ए के प्राप्ता मा, मों, उस अधिनियस चा एक _ा छ-ध को व्यापक (|) हो अधीन विक्रिक्ट के किवलें था। 5--96 GI 95 (1) स प्यान हिट्टा व वा उपाल सहि च्या नार भरतिस्थाना ।

(अन्तरक)

(3) सामान । हिपाच प्राप्त सुन्दर निहे याम प्रकार नगापरा विकासम्बादा

(ग्रनिरतो)

का अह मुचन, करा करक पूर्वाक्त मध्यति के अर्थन क निए कार्यवाहिए। बराहर

तक्त मध्या - इ लग्र के लखा ए ग्राहें भी पाक्षेप --

- (क) इत सुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तमाँ पर सुचना का नामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रकारित स्वित्तमों का स्वित्ती स्वित्त द्वारा,
- (का दर १९ १८) । १ ताराक्ष स 45 हिन का भाग उत्तर भगति में हिल्बद्ध किसी अये व्यान देशका हशहरनाक्षरी के पास

स्थक्टिकिरण — इसन प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हाँ, बहुां अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

महात १० त XXIII ४२०/० दस्टस्ट्रियत हो सस्टैशन वृश्यिताल (पथा) वर्षायपद वा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-रास कृष्टियाना व विशेष संख्या 5778 माह विस्तर १९५३ हो तसर एवं से

> जागिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी हिस्सर सायकर पायुक्त (निरीक्षण) अर्जने रज लिधियाना

नाराख 13-385

महिर

प्ररूप बाहाँ टी एन.एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधियाना

ल्धियाना, दिनाव 10 मई 1985

निर्देश म० जन्डी/58/84-85—श्रतः मुझे, जागिन्द्र सिंह बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) विश्वयं इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गण हो। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार राज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

र्श्चर िस्क र ८ २६ १२ २० ६८ १ तथ जे सैन्टर २००, चण्डीगढ में स्थित है (श्वार इसमें उपाबद्ध श्रममुची में श्वार पूर्ण इप से विणित है)। रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के दायंलिय चडीगढ में रिजस्टीकरण श्विधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन तारीख मितम्बर 1981

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रित्यक्त को लिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथायबोंक्स स्पत्ति का उपित राज्य मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत में एमें उद्ययमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियां) के बीच एमें अतरण के किए तय पाया गया प्रतिकृत कन, निक्तिसित्ता इद्योंक्य में उक्त सन्तरण निक्ति में अध्यक्ति के बीच एमें अतरण के किए तथ पाया गया प्रतिकृत का से अधिक महीं किया पदा है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी साप्र की बागत, उद्यक्त अभिनिक्स के अधीन कार दोने के लेखारक ओ शायित्य में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; सार/या
- (क) एसी किसी अब या जिसी वन या जन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 पर पर पर पर पर पर या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा एकर नहीं किया प्या था पा किया जारा साहिए था, व्लियाने को क्षेत्रिका के जिए।

दतः अब , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 150-ए की स्पारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :----

(1) श्रा जसवत सिंह तेज समृत्र श्री नारायण सिंह निवासी में ने तेज तेज से सैक्टर २० ए चर्रागढ

(ग्रहरकः)

(2) श्रीमनो सिमरत भाव कीर पत्नी श्री ग्रजीत सिंह निवासी 1294 मैक्टर 21-बी चेडीगढ

(श्रवरिती)

(3) श्री चेतन कुमार गर्मा निवासी मकान न० 654 सैक्टर 200, चण्डीगढ

> (बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत संपत्ति के अअन के निष कार्यवाहियों करता हा।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्मवयों व्यक्तियां पर स्वना की तामील में 30 दिन की त्रागीध, जा भी अविध पाद मा सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों मो में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास. जिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

वप्रसंधी

मकान नंम्बर 654 सैक्टर 20ए चडीगढ़ (ग्रथित जयदाद जैसी कि रिजस्टी कर्ना ग्रिधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 604 माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

नक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयकर ऋष्यक्ष (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना ।

नारी**ख**: 10-5-19**8**5

मोहर :

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायवः आयनार आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 13 मई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कडा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रु से अधिक हैं।

न्त्रौर जिसकी स \circ 1/2 हिस्पा मकान न \circ वी \circ - XX है तथा जो 1950/69 (99-कें) भराभा नगर लुधियाना में स्थितहै (ग्रॉर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच। मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, र्राजर्स्ट्राकरण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16) के ऋबीन तारीख वितम्बर 1984

को पूर्वोक्त शर्मात्त क उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित राजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिरिती (अन्तरिनियाः) के बीच एमें जनारण के लिए तय पाक गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका दायित्व में कमी करने या उससे बचने में साबधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग कं अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्र---

- (1) मरदार गुरबन्धा सिह् उपल पुत्र सरदार हरनाम निह्दारा जी० पा० ए० सरदार कारज सि पुत्र गरदार करतार सिह निवादो 42 के नराभा तगर नुधियाना (ग्रतरक)
- (2) श्रोमती स्वर्ण कार पन्ति श्री कश्मजीत सिह श्रीमती राजवीर कीर पन्ति सरदार सुरजीत सिह निवासी 42 के सराभा नगर ल्धियाना

(भ्रवरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील ए 30 दिन की अवधि, जांभी अविधि बाद मा समाप्त हांती हों, के भीतर प्वाशत व्यक्तिया मा स किमी स्थावत द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ह⁴, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

वन्सू ची

1/2 हिस्सा मकान न० बी- 1950/69 (99 कि) सराभा नगर लोधियाना (अर्थात वह आयदाद जोकि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख सख्या न० 5687 माह सितम्बर 1984 की तहत दर्ज है।

> जीगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी नहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) त्रार्जन रेंज, ल्धियाना

नारीख . 13-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाई .टी.एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अधीन संभना

भारत गरकार

कार्षाक्रय, सहायक अध्यक श्वास्थल) अजेन १४, लुधियाना लुधियाना, दिलाको १४ मह १५४५

निर्देश स० नाहन/3/84-85-- प्रभ मूर्झ जोगिन्द्र सिंह, शायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिस इसमें सिके पश्चात् 'उता आधानसभ का प्रशा हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्रशासकारों का, यह विश्वास कान प्रा कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह में अधिक हैं

और जिसकी में विल्डिंग गहित जमीन 131 है तथा जा स्वकेयर मीटर भाहत्त्वा अवीन तहसील नाहन जिना सिरमीर में स्थित हैं (और इससे अगावह अनुग्ची में और पूण-रूप से विश्वत हैं), रिजर्ड्यक्ता सिथकारी के अधित्य, नाहन में रिजर्ड्यक्तण अधिनयम, 1908 (1905 रा. 16) के अधीन तारीख सितस्वर 1984

का पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार सार्य 4 कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुभ्ने मह विश्वास अरत का कारण हो। गान बागा हो। जोर अत्रकों। और अत्रकों। के बीच एम अत्रण के लिए त्याराया । जा मान कल विम्नितिस्त उद्गुद्ध सार्वा । नगा । ।। गान हो। विमाल उद्गुद्ध सार्वा । नगा । ।। विमाल विमाल उद्गुद्ध सार्वा । नगा । ।। विमाल विमाल विमाल विमाल विमाल हो। ।। ।। विमाल हो। ।।

- (क) अन्तरण स ६ वृधि (क्सा १३० क) राजत उन्त अधिनियम के अधान कर दा, के लेलानक के व्याप्तर के कबी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी श्राय था फिसी धन वा अन्य आफ्तयां की जिकां भारतीय अध्यक्षर श्राधनियम, 1922 (1922 वा १११ मा उनल अधिनियम वा उर अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपान में मविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की पारा ्रे(,०-ग के अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की उपधारा (1) के अर्थान जिल्लास सुप्र लोगों क्योंन :--

- (1) श्री श्रीराम पत्र श्री मेहर सिह
- (=) श्री जगमाहन जिल्लामान श्री रामिकशन
- (उ) भो हरपात सिन
- (4) तुमारी प्राप्ता देवी कुनारी माया देवी जार आमतो मीला देवी जीवया श्री राम किशन
- (১) श्रामर्भ । श्री पनि श्री राम किणन स्मानियासी भाग टाहवीन नाहन जिला सिरमार

(अन्तरकः)

(३) श्री तातृ रामः व श्री वेता वासी माहल्ला करा। इदा नाहन जिला विरमीर

(ग्रन्तिरती)

कार्यस् भूचना नारा नरक पर्योग सम्पाल क प्रजीन की लिए कार्यवाधिका तर -

उनत सम्पान के अर्जन के परवार ज कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस मुबना ५, राजान म प्रक्राशन की तारील में 45 कि की अवीर वा तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर मुबना का नामान म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाध होनी हो, के भीतार प्रविकत व्यविनया का म किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस भूजरा के राजधार मा प्रकाशन की तारीख है 1.) दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहम्ताक्षरी के पास लिखा में किए हा सकरा ।

स्मध्यीकरण .---असम प्रश्वन शन्ता और पदो का, जो उक्क अभिनियम, क प्रध्याय 20-क में परिभाषित हाँ बहा अथ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन संची

विलिट्ग सदित नमान एरिया 131 स्वक्यर मीटर माहत्या बाहबान नाउन जिला सिरमार

ाध्रशत पह जायदा का कि राजिस्ट्रीकत्ता ग्राधिकारी नाहन न जिल्छ सर्घा न 226 माह सितस्बर 1984 ने तहत कि ती।

> आगिन्द्र सिहं सक्षम आधिकारी नहायक प्राथकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज लीधयाना

নাগীজা 1 :০১ /9১১ দাসুগ

प्ररूप आह[‡]. टि एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, महायक आयक आयक्त (निरीक्षण)

पजन रेज, विश्वयाना

ल धियाना, दिनाव । उ मर्ज 1985

निर्देण म० लि. 10/240/81-85—श्रेत मझे जागिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के भ्वीन संश्म प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संशोचन, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/-रा म भायक है

और जिसकी ये० 1/2 हिस्सा मकान ने० हैं तथा का बी० XIX 1387/184 ई० टा० क्चिल नगर लुबियाना में स्थित हैं (और इसस उपावक प्रनस्ती में और पूर्ण रूप में वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिकारी के बाधालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मिनम्बर 1984

का प्रवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रित्यात के निए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्तास अरन का जारण है कि यथाप्रविकत सम्पादत का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफत स, एसे दश्यमान प्रतिफत का उन्तरिक का उन्तरिक सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिक के लिए तब प्राया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य सं उच्त अन्तरण कि लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य सं उच्त अन्तरण कि लिए न वर्गनिक एयं सं किथा नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की दावन, उक्त अधि-(भयम के प्राप्ति कर दान के अनरक के दायित्व में कमी करने भा उसस दचन में स्विधा के निए; और/या
- (स्र) सामी किसी अक्ष या किसी तन मा जन्य आस्तियों का चिन्ह भासीय जा एक की गा मा १९२२ । १९४४ का ११) जा का का का मा मा जन्य की पा किसा गया था या किसा जाना साहिए था, छिपाने का मृतिथा के लिए,

अत अब क्ष्य भीती-त्या के पार १००-भ के भीतरण मा, मी, उक्त भीतियम को धारा १८०-घ की उत्तर र (;) के मनीब, किया तियम संभाव अस्तर (1) ओ जे ० वी० सिन् सबरवात एडबोकेट पुत्र ओ अमरीक शिह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिह निवासी बी० Vii! २०४ तकाइ वाजार लुक्षिणाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गात देवी पटि। दी राम चन्द्र विदर्भी (४५वी) उद्यम सिंह वर्णर कुबियानः।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारा करक पृत्राक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के सबध मा कोई आक्षेप .--

- (क) तम म्मना के राजयन में प्रकाशन की तारील से 15 दिन की पारिया या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर म्मन्। की सामील या 30 दिन की अविधि, जो भी गर्मा साई का प्रकार होती हो, के भीतर पूर्वीकत प्रकार में से कि निमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मृज्ञता क राजपत्र म प्रकाशन का तारील स 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर पम्पत्ति मा हितयद्ध किसी अन्य त्यांक्त द्वारा अधाहम्ताक्षरी क पास लिखित मो में किए जा सकेंग।

स्परहोध्नरण:--हमम प्रयक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त र्णधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया रूप हैं!

बन्यची

1/2 विस्मा मनान नः वाठ-XIX-1387/184 ई० टा॰ किनल नगर पुधियाना (स्रथाः वह जात्सद जा कि रिजम्द्रीकता प्रविकारी लुधियाना के विलेख सख्या न० 6128 माह सितम्बर 1954 के वहन वर्ष है।

जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सडायक प्रायकर प्रायक्त प्राधिकारी (निरीक्षण) प्रकेत रज, लुधियाना

आरीख (13-5-1935) मोर्ट्य

इसम् काए मी गत गम -----

बायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज लुधियाना लुधियाना, दिनाक 13 मई 1985

निर्देश म० लुधि०/280/84-85---ग्रम मुझे जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), खी भारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकाण का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा स अधिक है

और जिसकी मे 1/2 हिस्सा मकान ने वं \1X 1387/ 184 ई है तथा जा ता किचलू नगर लुधियाना में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारील अकनुवर 1984

का पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्दरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वांक्त सम्पास का उचित वाजाए मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल में, एसे द्वयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिफल से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतिरती (अतिरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म बास्तिबक रूप म अधित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसा किली आय या किसी भन या कल्य वास्तियो हो जिल्हों भारतीय जायकर वाधिनियम, 1922 । 1922 का 31 कि वित्ते की जिल्हों भारतीय जायकर वाधिनियम, 1922 का 40 कि वित्ते की जिल्हा के वित्ते की किया जाने वाधिकर वाही किया गया वाधिकर वाही किया वाधिकर वाही किया वाधिकर वाही किया के लिए,

जत जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अधीत्:— (1) श्री जे० सी० सिंह सबरवाल एडवोकेट पुत्न श्री श्रमरीक सिंह पुत्र श्री जिबन्द सिंह निवासी निवासी बी VIII-768 लक्कड़ बाजार लिधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाल दवी पन्नि श्री राम चन्द निवासी 33-की उधन सिह नगर ल्धियाना।

(श्रन्तरित्।)

करों यह शृचना जारों करक पर्वावल सम्परित के वर्चन के सिक् कार्यवाचिमः रनता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्च भी वार्याप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशन की तारोब सं 45 हिन की अवधि या तत्सायन्ती व्यक्तियों पर सूचना की ताशीब स 30 दिन की अवधि, वां भी वर्वीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की सारीक्य ते 45 विच र शांता उना स्थावर संपत्ति मां दिस-वर्ष किसी अन्य किल व्यारा अभोद्वसाकरी के स्तार प्रकार के स्वार अस्तिया।

स्पूळीकरण '---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अक्त सीर्धानयस के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा वा उस स्थाय में दिका यदा है।

जनसङ्गी

1/2 हिस्सा महान नर बार्ज 1387/184 ईर्ज डार्ज किचलू नगर वृधियाना (ग्रथा) वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी वृधियाना कि विलख सख्या नेर्ज 6944 माह ग्रक्तुबर 1984 के तहत देवे हैं।

> जागिन्दर सिह सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज लुधियाना

नारीख 13-5-148) मा**ह्र** ा तक्ष हार टी एन एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्या**नय**, महायक शयक[,] आयु**क्त (निरीक्षण)** श्रक्त रेज लुधियाना लुधियाना, दिनाक 13 मई 1985

निर्देण स० नृधि ०/269/84-95—ग्रा मुझे जोगिनद्र मिह शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधि तारी का यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा में अधिक हैं

और जिसकी में 1/2 हिस्सा तमें मीं एफ ने 33 है तथा जो करनार सिंह गरामा नगर लुधियाना में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध ग्रनमूची में और दूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सिनम्बर 1984

को पूर्वो क्ल संपत्ति के उचित बाजार मून्य भे कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्मे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल रे, एस स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितिया) के मिल गुभ अतरण में लिए तय पाया श्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दर्भ स उक्त अन्तर्ण निश्चित में वास्तिक स्प से किथत नहीं किशा गया है

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की अबत, उक्त अभिनेश। अं अभीन का बन के अस्मान्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, रिक्ट भारतीय शर -कर अधिनियम, 1922 (1922 का)।) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम ।957 (1957 का 27) र रागावन्य कर र इसारा प्रकट नहां किया गया था रिक्य जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के सिए;
- हर अर्थ, तक्षम श्रीभाविक की भारा 269-म की अनुसर्भ मा, मी उना अर्थिनियम का भारा 269-म की उपभाग (1) १ गरित 1811 कि जिल्ला कार्यक्रिया अर्थित —

(1) श्री ग्रमनदीप गिह पुत श्री श्रवतार सिह पुत्र सरदार बृटा सिह निवासी सिरसा (इंग्सिणा)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तञ्चजीति मह पत्र सरदार दरणन सिंह निवासी 124-ई माइल हाउस च्यियाना

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके प्रविक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

तक्ष सपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कार्य भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूचना की तासील सं 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त
- (व) इद्ध सूचना के राज्यन में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्स किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा जथाहरताकारी के प्रस विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिरीनयम, को अध्यास 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्यास में विका इका हैं।

बग्रुच्यू

1/2 हिसा एस**ः** भी० एफ० नं० 3**3 करतार सिह** मराभा नगर लुधियाना

> जोगिन्द्र सिह सक्षम पानिकारी सहायक स्रायका स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजन ज.लिवियाना ।

तारीख 13-5-85 माहर

प्ररूप बाइं.टी एन एस

बावकार लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा १५०-छ (११ के जभीन सकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० खरड | 45 | 84-85—अत मुझे जोगिन्द्र सिंह, शायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० म० न० 282 फेज-III है बी-I है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध अनूसूची में स्रौर पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वों रा सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उसते अन्तरण जिल्लिस ये अस्तिफल निम्निसित उद्देष्य से उसते अन्तरण जिल्लिस ये अस्तिफल स्था से कांवन नहीं कि वा स्था है रू

(क) अन्तिण में हुर्शिक सो आय का बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; हैं र/या

> अत्य वर्गस्त्रवी का, जिन्हें भारतीय नायकर निधितिवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधितिवय, या धन-कर विधितिवय, 1957 (1957 का 27) के 'सोचनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नर्हा किया गया वा या किया चाना चाहिए था, क्रियाने में नरिज्या के जिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में , मैं . उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिक्त व्यक्तियां , अधीन , निम्नलिक्त व्यक्तियां , अधीन ,

(1) श्री इन्द्रपाल वर्मा सुपुत्न श्री भवानी दास मकान न० 3035 यू० सैक्टर 15 डी चडीगढ ।

(ग्रतरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह सुपुत स० सुर्जन सिंह निवासी मकान न० 19/17, पतराम नगर नरवाना (जीद)

(ग्रतरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सपित के वर्जन के लिए कार्यनाहिया कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जा भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में स किसी क्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए सा सकोंने।

स्वध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उथल विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषिक हुँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यौ

मकान न० 282 फेज-III मोहाली तहसील खरड (अर्थात वह जायदाद जो ि जिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी खरड के विलेख सख्या 2497 माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी महायण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुबियाना ।

नारीख 10-5-1985 **बाहर** द्व प्रकृत कार्य हो . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय , महायक्ष आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 13 मई 1985

निर्देश सं० खरड़ /41/84-85—अत: मुझे, जीगिन्द्र सिंह आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-छ के अधीन मलाम श्रीधकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 668 सी फेस-I है तथा जो मोहाली वहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से निणत है) रिजस्ट्रीयन्ती अधिकारी के जार्यालय खरड़ में, रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथा के बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्द, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्निसिस उद्वास्थ में उक्स बन्तरण जिल्कित में बास्तिक हमा से इस्तिक हमा से साम्तिक हमा से कार्यक कार्यक साम्तिक हमा से कार्यक कार्यक से साम्तिक हमा से कार्यक साम्तिक कर्य से साम्तिक हमा से कार्यक साम्तिक साम्तिक हमा से कार्यक सामित कार्यक सामितिक सामिति

- (क) अन्तरण ध शूद किया बाय का बाबस, उत्तर अभिनियम के अजीत कर रोगे के अन्दरक के साथिएम में कभी करने वा उससे वणने वे स्विधा के सिए; भीर/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन मा किसी शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषकार्थ अन्तरियों द्वारा बकट नहीं किया गयः वा विध्या जाणा चाहिए बा, कियाने में भृतिकः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत जिल्ला कि विवास की धारा विकास के अधीत :---

(1) थी चैंत सिंह मुंडरा पुत्र श्री नरन्जन मिंह द्वारा जी० पो० ए० श्री नरन्जन सिंह मुंडरा पुत्र श्री वसन्त सिंह मुंडरा निवासी सी 10 इडस्ट्रियल एरिया फेस-I मोहासी नहनीत खरड़

(अन्तरक)

(2) श्री रंगी। भिंह डिल्लों पुत श्री अरून सिंह खिल्लों निजासी भगान नं० 668 सी फीस-I मोहाली नहसील खरड जिला रोपड।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उन्त सपांस के अवंश के सबभ में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ३5 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ मकीं।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम के अवस्य 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनस्थीं

मकाम न० 668 सी० फेस-ा, मोहाली नहसील खरड़ (अर्थान बहु जाबदाद जो कि गिजस्ट्रीकर्सा, अधिकारी खरड़ के बिलेख संख्या 2359 बाहु सितम्बर के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र मिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा

तारी**ख** : 13-5-1985

मोहर '

प्रक्रम आहुर्दे, टॉन् एन ८ १स ८ ≈ -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) को अधीन सुष्ता

भारत तहुकाडु

कार्वासय, उहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० देहली/1/84-85—अतः मृझे आर के भयाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशस करने का कारण है" कि स्थानर कमित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से बिधक हैं

स्रोर जिसकी मंख्या 16 कं है तथा जो सराय ख्वाजा में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्जिन हैं रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के देहली स्थित वार्यालय में रिजर्झा-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 10-9-1984 रिजस्ट्रेणन सं० 821

को पूर्णिक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मृह्य से कम के छ्यमान प्रतिफस के लिए बन्तिरत की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करन का कारण है कि सभाप्तिकत सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवसान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्षा अन्तरण लिचिन प्रा सास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अस्य की बाबत, उक्तर जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करणे वा उससे ब्याने में सुविधा के लिए, जॉर/वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम के अनकर अधिनियम के अनकर अधिनियम के 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयो को किया जाना साहिए भा छिपाने में सुनिया की किया

अतः अब, उक्त जीवनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मैं जग्गी इन्जीनीयरिंग इन्डस्ट्रीज (प्रा॰) लि॰ सी॰ सी॰ /23, कालका जी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं० ग्रेटर अलोका लैन्ड एन्ड डवलपमैन्ट कं० (प्रा०) लि० फ्लैंट नं० ३, प्रांकर मार्केट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का बहु सुभना भारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्वभावियों कुरु करता हूं।

उक्द सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अश्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अश्रीध, जो भी अश्रीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (त) इब स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया बया हैं।

बन्स्ची

सम्पति भूमि 16 कि सराय संख्या त० बल्लबगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्त्ता के लायालय देहली में रिजिस्ट्री संख्या 821 दिनांक 10-9-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक: 14-5-1985

मोहर ः

प्रकम आहैं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुष्मा

भारत तरकार

कार्यातय, सहारक वायकर सायुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश सं० हिसार/62/84-85---अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिक्त इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- क. से निधक हैं

और ित्न की मं० कोठी नं० 37 है तथा जो डिफेंम कालोनी हिमार में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्तिन है) रिजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रिजिल्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-84

को प्रांक्ति सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित की गई है जौर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है जीर अंतरक (जंतरकों) जीर अंतरिती (बंतिसित्यों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से दक्ष अंतरण किस्तित में अस्तिविक रूप से कारतिक कारतिक

- (क) असरण से हुई किसी जीय की वाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या कत्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहें किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन. निम्निक्ति व्यक्तियों, अधीतः—

- (1) कैप्टन लोकेन्द्र सिंह चौधरी पुत्र मेजर अमीर सिंह श्रीमती पुष्पा चौधरी पत्नी कैप्टन लोकेन्द्र सिंह नि० कोठी नं० 51, डिफेन्स कालोनी, हिसार (अन्तरक)
- (2) श्री जगदीश चन्द्र सेठी पुत्र चौ० सोहन लालसेठी कोठी नं० 37, डिफेन्स कालोनी, हिसार (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना चारी अरके पृथाकत सम्मतित के अर्थन के लिए कार्चनहियां शुरू कर्ता हो।

उन्त सम्मरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति को हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षी:

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति कोठी नं० 37, डिफेन्स कालोनी, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय हिमार में रिजस्ट्री संख्या 3282 दिनांक 29-8-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी ुसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 10-5-1985 मोह्र ३ परूप आइ. टी. एन. एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

भाषांतय, सहायक आयकर असय्वत (निरीक्षण) अर्थन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1985

निर्रेश सं० पानीपत /79/84/85—श्रतः श्रार० के० भयाना,

नामकार मधानगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्याह्म 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्हां संख्या तरफ इंसार पानीपत पर स्थित 54 वीधार बि० संख्या वाली, एक लाख ४० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्त (जिसका और अधिक विवरण नीवे अनुसूची में दिया गया है को जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर और रजिस्ट्रेशन), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 6-9 1984 रजिस्ट्रेशन सं० 2931

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दूरभमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की कहाँ हैं आर मूल यह विद्वार करने का कारण हैं कि सथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिपाल से एसे दूरमान प्रतिपाल का पण्यह प्रतिक्षा से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिपाल, गिम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तांवक एप से किंचत नहीं फिया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुद्दं किसी जाय को बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के सायित्य में कभी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर आभानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अभानयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तारती द्वार प्रकट नहां किया गया था या किया याना पाहिए था, कियान में सुनिभा के लिए;

बंद श्रिक, उक्त विधिनियम की भाषा 269-म के अनुसरण के, पे. उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिंशन व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) सर्वश्री सतीण कुमार हरीन भुमार पुत्राण सरदारी लाल पुत्र तीर्यराम सुभाष कुमार, श्रशोक कुमार पुतान राम लाल, निवासी गण 45 पानीपत जिला करनाल।

(ग्रन्तरक)

(2) लुधियाना होजरी एन्ड टैक्स टाइल एसोसियेणन चौक मधोपुरा, लुधियाना क्षारा श्रीतररेम लाल जैन पुत्र श्री बाबूलाल जैन महा श्रीचय। (अन्तरिती)

का यह स्भाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां स्रक्ष करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्नन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस तुषका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जबिध था तत्मकानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस मुखना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति म हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अवहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्भी

सम्पति भूमि 54 बीघा शविसता जो कि तरफ इवन्सान पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत में राजिस्ट्री संख्या 2931 दिनांक 6-9-1984 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना संक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक 14-5-198**5** मो**हर** ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 14 मई 1985

िनर्देश सं० पानीपत 80/84-85----ग्रनः मुझे, म्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कोर जिसकी तरफ इमार पानी रन पर स्थित 26 बीचा - लि० संख्या बाली, एक लाख २० ने स्विक के उचित बाजार मूल्य सुवाली प्रचल सम्पति (जिसका और श्रीकः विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया ह को जिसका अन्तरण (द्रास्फर) और रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्सा अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापवित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफा में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में आयक है गई अतरफ (अतरकों) और अतरिती (अंतरित्या) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 वा 27) के प्रयोजनार्भ अंतरिती द्वारा पदाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निरिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्री ततीण कुमार हरीण कुमार पुत्रान सरदारी लाल, मुभाष उन्द्र, ध्रशोक कुमार, निवासीगगम० न० 457 वार्ड न० 1 पानीपत ।

(मन्तरक)

(2) लुधियाना होजरी एण्ड टैक्सटाइल ऐसी शियेशन चोक माधारुरी लुधियाना द्वारा श्री तरसेमलाल पुत्र बाब्लाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सर्गात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की लर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 फिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

सम्पति भूमि 26 वीधा 11 त्रिमवा जो कितरफ इमार पानीपन में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्री-कर्त्ता के कार्थानय पानीपन मे रिजस्ट्री संख्या 2932 दिनाक 6-9-1984 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम श्राधिकारी निरीक्षाण सहायक स्नायकर श्रायुक्त श्रर्अंत रेंज रोहतक

दिनांक 14-5-1985

मोहर:

प्ररूप नाहर टी. एन. एस्. - - - -

नायभार नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक बायकर आस्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० रोहतक /38/84-85--- अतः मुझे आर० के० भयाना,

बायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को बाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य **ा,**00,000 / - रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान झज्जर रोड पर स्थित 226 वर्गगज संख्या वाली, एक लाख कु से अधिक के उचित वाजार मृत्य वाली श्रचल सम्पति (जिसका और ग्राधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) और जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) और राजस्देशन, राजस्द्रीकर्ता ग्राधकारी के रोहतक स्थित कार्यालय में रस्जिट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन दिनांक 14-9-1984 रजिस्ट्रेशन सं० 4236 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्यवमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मभ्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबद, उन्नत अधिनियम के अभीत कर दोने औं अन्तर्क औ बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधि**निधम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अभारता पुनारा प्रकट नहा किया गया क्ता या किया जाना जाहि था, छिलान में स्वित न विष्:

वतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गंके अनुसरण मं, मं, उक्क मिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कं अभीतः, निम्मालिखित अनुव्यव्याने, अभीत् 🗈 🗝

(1) श्रीमती कलावती पत्नी श्री बाब्लाल बंसल पुत्नी जवाहर लाल पुत्र श्री रामशरन दास जिंदल निवासी अज्जर रोड रोहतक

' (भ्रन्तरक)

(2) सर्व श्री पदमचन्द जैन पुत्र लखमीचन्द जैन पुत्र ला० बजीर सिंह जैन श्रीमती जैन वती जैन पत्नी श्रीपदमचन्द जैन पुत्र श्रीलखभीचन्द जैन रामकली मार्केट भिवानी स्टैंड रोहतक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृजेंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

जबत सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (अ) इ.स. सूचना के राज्यभन में प्रकाशन की धारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

न्यच्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ध मिनियम के बाध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही कर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सप्पति मकान 226 वर्ग गज श्री कि झज्जर रोड शेहतक में स्थित है । जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 4336 दिनांक 14-9-1984 पर दिया है।

> भार०क० भयाना स्क्राम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 15 5-1985 माहर 🖫

प्रकल् बाह्र'. टॉ. एन. एस. ----

आयकर मींपीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के मुभीन सुमना

भारत बल्लार

कायालय, सहावक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1985

निवम सं० ए०पी० नं० 5799और 5800-म्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बाबकर निधनिष्यं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिमियन' कहा गया है), भी धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00000/-रु. से जीधक है

और जिसका सं० अनुसुची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयंभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पामा गया प्रतिफल जिन्मिल सित उद्देशयों से उस्त अन्तरण लिखित है नास्तिक स्थ से स्वित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वावस, उत्तर विभिनिक्ष के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विभा के लिए; मौत/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्म वास्तियाँ के चिम्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-भर अधिनियम, या धन-भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हों किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में अधिधा के किए।

कतः कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, नियनिकवित व्यक्तियों, अर्थात ६── (1) श्री नानकचन्द पुत्र किरपाराम वासी दुरगा कालीनी, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री नरेण कुमार पुत्र सरुपचन्द वासी एन० के० 276, चरनजीत पुरा जालन्धर विलेख नं० 2407 जालन्धर
- (2) राकेश कुमार पुत्र सरूप चन्द वासी उपरोक्त (विलेख नं० 2408)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वास कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्वध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त जिथिनियक के सभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर्खा

सम्पति तथा ध्यक्ति विलेख नं० 2407 और 2408 दिनांक सितम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्राधकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरघर संघम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 13-5-1985

मोहर :

प्रेरूप आहे. टी. एन. एस.------

अभू २२ अर्थितभव, 1961 (1961 का 43) **की भारा** 269 र (1) अ अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्या नय, पारणक अध्ययर जागक (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जातन्वर

जा क्यर, विनास 14 मई 1985

निर्वेश नं० ए० पी० 580 और 5802 - यन. मुझे, जे० एन० गिरधर,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यके १६७१त उस्त किंगिनियम किंग गरण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि शायक समानि किंग का कि मूल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिक्कों में जैसा भरमूची में लिया है तथा जो जातन्धर में स्थित है (और इसम पावह अनुमूची में और पूर्ण रूप से जियत है), रिजिम्ट्री की जीव की विकास कार्यक्ष के रिजिम्ट्रिक्षण अधिक्षिम, 1908 (1908) भा 16) के अजीन, नारीख स्तिम्बर 1985

द्वा पवाक्त सम्पत्ति क उचित वाकार भन्य स क्या ६ द्रश्यभान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर का कारण के कि जिल्लास का कारण के कि जिल्लास का कारण के द्वार का कारण के कि जिल्लास का कारण के द्वार का का कारण के विषय पाया गया प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में सम्बद्धिक कर के तीथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाउत, उत्तः अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के नाधिक्य में कभी करने या प्राणिश क्षेत्रण में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) एन। किसा आय या किस, भा या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भागाय अनक र त्रिशास्त्र । १००५ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम, १५७७ (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तिर्यो स्थान प्रसाद कही किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में

अल अब, उक्त अधितियम, की धारा 260-भ ने अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिश्वत व्यक्तिया, अर्थात् :----

(1) श्रीम शि श्रोग्य कीर जिल्ला रेन्स निह वासी गांव कुलार तहरी किकारर (अब वासी दादा कालोनी जालन्धर) युद कीर मुखायरे अप श्रवतार निह, रिभन्द्र-पाल निह परंज और मुस्तिद्व तीर शीर जीतो श्रानियास जीत कौर पुत्री करता दिंछ।

(शन्तरकः)

(2) श्री ज्ञानिधित पुत्र जना गाभिष्ठ बाभी गांव सेखु तहनीर ज्ञातन्धर (बिलेख नं० 2522) और पुरमित्र सिंह गुत्र ज्ञान सिंह बाभी उपराक्त (जिलेख नं० 2526)

(भ्रन्तिरतीः)

को यह स्चना जारी करके प्वेकिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील स 50 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद को समापा नोरं को भीतर पर्वोदक व्यक्तियों में से किएकी व्यक्ति देवारा
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भरपित में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अधोतस्लाक्षरां के पास निश्चित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में क्या यमा है।

अनुसूच'

सम्पति तथा व्यक्ति जैनाि विलेख 2532, 2526 दिनाक सितम्बर 1984 को रजिस्ट्रीयर्चा प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जंग एवं जिरधर नंशम अधिनारी पहास आन्दार पायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख 14-5-85 मोहर .

प्रास्प बाइं.टी.एन.एस.------भायकार निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भावकर अध्यक्त (भिरीक्राम) ग्रर्जन रेज, जालग्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश में० ए० पी० न० 5803 और 5804---यतः मुझे जे० एल० गिर्धर,

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके परचात 'तकत प्रीधनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीत सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वाब करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित अलार मूल्य 1,00,000 ∕ - रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा धन्यूची में लिखा है, है तथा जो जालग्धर में स्थिन है (और इसमें उपाबद्ध श्रन्मुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकिनी ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन तारीख ितम्बर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के उपयान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **कार**ने का कारण है कि समापुर्वोंबत संपीत्त का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रा) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने बें सुविधा के किए; वीट/वा
- ′च) धोसी किसी अराय या किसी अन या अन्य अरास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया भाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)

के अधीन निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात:---

(1) श्री शाभ सुन्दर वपूर पुत्र हरवन्सलाल वासी मिठ(बाजार, जालन्धर मुख्तवार ग्राम विजय कुमार, ग्रमीक कुमार टण्डन, महजीव कुमार एण्डन पुत्र संमिनाथ और कमलेश ककड पुत्री पत्नी रविन्द्र कुमार और ज्ञान देनी विधवा सामनाथ,B II-3 ए० लारेन्स राउ दिल्ली-35

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र कुमार पुत्र राम प्रकाश माफत मैं० राज कुमार एण्ड ब्रदर्ज, दाण्डा रोड, जालन्धर। (बिलेख नं० 2317) और राक्षेणकुमार पुत्र राम प्रकाण वासी उपरोक्त (विलेख नं० 2322) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुवारा;
- (बा) इस सचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की लारीब के 45 विन को भीतर उनत स्थावर रांपांत्त में हितववश किसी अन्य स्थक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव तिचित में किए वा सकींगे।

ल्बचीकरण:--इसमें प्रमुक्त कव्यों शौर पदों का, जो उक्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही वर्ध होगा व्याउस सध्याय में विका गवाहै।

बन्द्रयो

सम्पति तथा व्यक्ति जैशाकि विलेख नं० 2317, 2322 दिनांक सितम्बर 1984 को र्राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर मक्षम ग्रिधिकारी सहायक गायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखाः 14-5-19**85**

मोहर :

7---96GT/85

प्रस्प नाइ'. टी. एन. एच . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

धारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रण, दिनाश 15 मई 1985

निर्देश मं० ए० पी०नं० 5805, 5806, 5807,—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं जैंसा ग्रनुसूची में लिखा है) तथा जा जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची म और पूर्ण रूप में वॉणत है), रिजस्ट्रीक्ची ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्राधित्यम, 1908, (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख सितम्बर अक्तुबर 1984

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ने कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संश्र्मी का उचित बाजार मृत्य, जसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त बांध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दिग्यिक में कमी कारने या उत्तससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने कें मुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिकों, अथित् :— (1) श्री प्यारा सिंह पुत्त मेहन बाले निंह वासी काडला तहसील अजनाला जिला अमृतगर मुख्यतार खास सुरिन्द्र मोहन पुत्र सृशी राम मुख्यतार आम खुणी राम पुत्र नरायण दास, 148 सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) मालफ निह् चडडा पुत्र राम निह् वासी एन० बी० 56 प्रति नगर, गोडल रोड जलन्धर (विलेख नं० 2633)
 - (2) श्रीमती जीतन्द्र कौर पत्नी रजिन्द्र सिंट वासी एन० बी० 56, श्रीतनगर सोडन रोड जानन्यर (2649-2700)

(ग्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया अर्क करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रभी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें श्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

मम्पति तथा व्यक्षित जैसाकि विलेख नं० दिनाक को रिजम्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी जलन्धर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी (सहायक प्राप्तक प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज जालन्धर

तारीख 15-5-1985 **मोहर**:

प्रकप बार्ड . दी . एन . एस . -----

लायकर सिंधीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, सानपुर

कानपुर, दिनाक 15 मई 1985

निर्देश सं० ए० 107/85-86---ग्रान. मुझ, एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० है तथा ों भानन गांयान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री की अधिनारी के कार्यालय आलीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-198!

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जांद/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा की निए;

अतः अभ, उन्तः अधिनियम, भी धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री भोला शकर वार्णिय पुत्र बाबु लाल बार्णिय, सानुन गायान, प्रलीगढ।

(अन्तर्भः)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री नाथवर्मी, परवीन वर्मा व श्रन्य, शाई, डारा, श्रनीगढ़

(भ्रन्तरिती)

(3)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केता

(वह व्यक्ति, जिसक बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपित के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अप सन्दर्भ

मकान स्थित हान्त गाँवान, अलीगढ ।

एग० के० भटनागर मक्षम प्राजिकारी यहायक प्रागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामंग रेज, कानपुर

तार^{मेख} 15-5-1985 मां**डर** : प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ष (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनार 15 मई 1985

निर्देश मे० ए०-108/84 85-⊷श्रत मुझे, एस० के० मटनागर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको में क्लाट है तथा जो कन्जोला में स्थित है (और इसमें उपाद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ती प्रिजिशारी के वार्यात्य प्रजीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण प्रवित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-10-1984

को पूर्विक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रविफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ए'सी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सपधारा (१) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री संजीव गीतम पुत्र नृतन चन्द्र गीतम, निवासी लेखराज नगर, अलागढ़

(ग्रन्तरक)

(2) य दिनेश कुमार पृत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी बोलगढ़, राजम्थान, एव गिरराज किशोर, पुत्र लक्ष्मी नारायण, जयगंज, श्रलीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ण्लाट स्थित वरापुर, कन्जोला, ग्रलीगढ

एसंब केंव भटनागर सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रीयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, कानपुर

नारीय 15-5-19**85 ऑहर** 3 प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कामपुर दिनां क 15 मई 1985

मिदेश सं० ए-109/84-85--अत: मुझ, एस०के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 13/487 है तथा जो मानिक चौक में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीम, तारीख 22 नवस्वर 1984।

को पूर्वीक्त सम्परित के उचिन बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री हरी गोपाल वाष्ठींय, एस/ग्रं।० ज्ञान प्रकाश, माणिक चींक, अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेश चन्द्र जैन, श्री/ ए.म०/ग्रो०, मिटठन लाल जैन, मानिक चौक, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जर्बाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अथांहस्ताक्षरी के पाम निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है:

अभूसूची

मेश्न 13/487, मानिक चीक, अलीगढ़।

एम०के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 15~5~1985

मोहर 🖫

प्ररूप भार्दः टी. एन. एस.-----

भायकर गींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुमना

भारत सर्कार

कार्यांसय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, कानपुर कानपुर दिनाक 15 मई 1985

निदेश स० के--169/84--85---अतः मुझ, एस०के० भटनागर

बावकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्कर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाबार मृख्य 100,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० खेत है तथा जो खाडपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण च्या से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कामपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 सितम्बर 1984।

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपित का उचित बाजार भून्य, असके दश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरह शितस्त से बिशक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि बिश्व में अस्तरिक क्या सिम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि बिश्व में अस्तरिक क्या से कि सिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरम् तं हुइ किसी सात्र की नावत, अन्तर सीम्प्रियम् को अभीन कर दोने के सन्तरक वो सावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को निष्; बीर/वा
- (क) एती किसी आव मा किसी भन मा अन्य आस्तिमों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तन अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था का किया थाना थाहिए था, किया में सुविधा के निए;

वतः वव उक्त विधितियम की धारा 269-व की अनुतरक में, भी, उक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वै वधीन विक्ति[लिखत व्यक्तियों, वर्षात् क्र— श्री दीन दयान एव
राम चन्द्र एम/ब्रोफ अतिबल,
खोठपुर,
परगमा व तहमील, कानपुर ।

(अन्तरकः)

(2) आइडियल कारपारणन हार्जिमग सो०लि०, 204/2, जूही लाल कालोनी, कानपुर द्वारा के०के० श्रीवास्तव, मचिव।

(अन्तरिती)

क्ष वह क्ष्मभा बारी करके पृथांकत सम्पत्ति क्ष वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

वनतः सम्पर्तिः को वर्जन को सम्बन्ध मो कार्षः भी आक्षोपः---

- (क) इस सुजना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारोस से 45 दिन की जनिय ना सरकारन भी जनित माँ पर सुजना की तानील से 30 दिन की जनित जा भी नपित नाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिक अविकास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिक
- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर सम्पक्षि में हित्वबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाह स्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंग !

लाकीकरणः -- इसमें प्रमुख्य सन्धां और धर्या का, को सक्क नीधनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही नधीं होगा जा उस अध्याय में विया स्याही।

नन्यूमी:

खेत स्थित खांडपुर, कानपुर।

एस०के० भष्टनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कान**पुर**

नारीख 15-5-1985 मो**हर** 🛚 प्रकृष काष्ट्रं. टी एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनाक 15 मई 1985

निदेश मं० कें-189/84-85--अतः मुझे, एस०के० भटनागर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 832 खेत है तथा जो मुजान पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 15 मार्च 1984।

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिंहत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अच्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, जिल्लाने में स्विश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री राहुल वाही, एम/प्राफ गिरधारी लाल वाही, 17/81 नवाब माहेब का हाता कामपुर, (अन्तरक)
- (2) नेहरू स्मारक सह् गृह निर्माण, समिति लि० द्वारा जागस्वर प्रमाद सिपाही, अध्यक्ष, 128/356 किदबई मगर, कानपूर।

(अन्तरिती)

(3) ---वही----

(वह न्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ---वही---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मानि में हिनकद्ध है)

की यह स्थान वारों करके पृथीनत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्शिक्षिया शुरू करता हुए ।

उत्तर सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं

 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर
 सृष्या की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

अनुस्ची

खेत नं० 832, स्थित दहेली मुगानपुर, कानपुर।

एस०के० भटनागर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारी**व** : 15-5-1985

मोहर #

प्रकृष कार्षः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश मं० के-205/84-85-अत: मुझे, एम०के० भटनागर

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उद्युत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० 832 खेत है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन तारीख 30 जुलाई 1984।

को प्वांक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणं का कारण हो कि स्थापगांवन सम्पित का उचित बाजार मृत्य सम्में द्रश्यमान प्रतिफाल के प्रत्य प्रतिक हो और अंतरिक (अंतरको) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अल्ल श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबन जिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीता किन्स किन्स की अधिनाम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

(1) श्री अयोध्या प्रमाद बाही, सी०/श्री० गनपत राय, 17/81 राम नारायण बाजार, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) नेहरू स्मारक गृह निर्मान समिती, द्वारा श्रम प्रकाश जिपाठी, 128/35-6 ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सुखना बारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीक एक: --- इसकों प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उनते जिमित्यम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया हैं।

नन्त्री

खेत 832, देहली मृजानपुर ।

एस० के० भटनागर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 15-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायबार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, नारपुर यानपुर दिना 15 मई 1985

निदेश स० के-227/84-85----प्रत मुझे, एस०के०

भटनागर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकार् 'उक्त अधिनिः प' वहा गण हैं), की धारा 269-क है अभिन सक्षम भाषिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि रथातर सम्पत्ति, विश्वका उचित बागर मन्य 1,00,000/- र से अभिक है

और जिस्को स० 93/8 है का जो दिसाम में स्थित है (और इ.स. नामह अन्दर्भ स ऑस पूर्ण रप में दिलान है), रिजर्म्हारसी रिम तर। स्थित किस्ट्रीर किस्ट्रीर एक अधिन किस्ट्रीर किस्ट्री किस्ट्री किस्ट्रीर किस्ट्रीर किस्ट्री किस्ट्रीर किस्ट्री किस्ट्री

को पर्वाकत सम्पाल के नियन वाजार भन्य स कम के दृश्यमान परित्राल के लिए वह रिन ता कि हो आर मुम्स यह विश्वास करने का दि? है कि एटा गाँ स्थान को उचित का पर महर, उसरा एपराल प्रतिकार स, एस दृश्यमान प्रतिकाल के पन्दह जीतरा से जिथक है और अनरक (जनरनी) में अनिशनि (जनरित्यों) के बीच एमें उन्तरण जे लिए ए एवा गया जनपा, विक्तिलिय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण म हाई तिली आय की बाबत, उक्त अधिनियम की प्रतिर पर दोन है अन्तराह के दायित्व में कमी करने या उससे घडने में सूविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) ये प्रणोजनार्थ अन जिलि, द्वारा एकर नर्ग जिला के निए,

डिंग अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की गा 269-व नो न्पधाग (1) के अधीर निम्नीतियद व्यक्तियों, अर्थात् —

8---96GI/85

(1) र्श्वा एम०एम० समीन,
एम/ओफ ए० रसीद,
93/12 पेचवाग,
कातपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री अञ्छे नजाव एय/ओफ शामशुद्दीन, 93/8 गेचवाग, कानपुर।

(ग्रन्ति रती)

(3) भ्रन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिस्के

ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह गांत्रिन, जिल्के वारे में प्रधोहम्माक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति सें हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लाईवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान न० 93/8 स्थित पेंचवाग, कानपुर ।

एस०के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेज, कानपर

रीख : 15-5-1985

मोहर :

अक्ष्य वार्षः . जी . पूरः . एकः - - - ----

बायकर बिधिनियस, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्राजीन होंग, जानपुर जानपुर जिल्लों : 15 मई 1985

निदेश स० के⊷23ध/84-85 -- धःः सृझे, एस०के० भटनागर

आयकर द्रीधिनियम, 1961 (1961 का 4) जिसे इसमें इसमें इसके पश्चाल उक्त अधिनियम कहा गया हैं। स्ती धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकाण को यह निक्यास करने का स्वरंग है कि स्थानन वर्णाल, विस्ताल दिख्य सामाप मृत्य 1,00,000/- रा. में उधिक ही

और जिन्हीं में 127/310-9 है तथा हो जूहा, शानपुर से स्थित है (और देशा अग्राव्य प्रमुद्धी से और पूर्ण में में में प्रणित है), रिजिष्ट्रिती भवित्यकों के शामित्य शानपुर से रिजिस्ट्रीजरण क्षितियम, 1908(1908 के 16) के आधीन तारीख 10 किसमा 1904।

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान वित्कल के निए जन्मित का गए हैं और स्में यह विकास करन का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार सूल्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिपत्त स, एसं क्ष्म्यभान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के थीज एमें जन्मरक के लिए तय पारए गया प्रतिपत्त विकासिक ज्यारिक सं तका अस्तरण जिल्ला में गम्मिक स्मार संभित्त ज्यारिक संभाग भी :---

- (मा) मन्दरम सं श्राह किन्दी शांच का बातरा, उत्तर शीचीनयम के अपीत कार बाँगे के जुन्तरक के दायित्य में शांधी कारने दा उन्नार्थ को स्वीचका के बिका: बरि/मा
- (क) ऐसे किसी आर भा किसी धन भा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या अवत अधिनियम, भा अगा- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्राचनार्थ अन्तिरातों त्रश्राण भक्तर महीं किया गया था मा किया बार महिंद का, जियाने में तृतिका के सिए;

लय अने. उन्न विश्वित्य की भारा 269-म के नन्तरण कों, मीं, जन्त अधिवित्यम की घड़ार १८०-१ की क्यान, १८० । १थीन किम्मिनिकित क्यानिक्यों, सक्ति :-- था गमजुनार, पण्यत दुखार, मन तुमार व धन्य, 128 एम/38, निवादी नगर, कारपुर।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री वि:टा देवी नो/अंग्रिक, दुल्ही चन्द्र ा अन्य, 108/30 वी० रोड़, प्राप्तुर ।

(अन्तरिती)

(3) অপাদে

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमांग में नम्पत्ति है)

(1) अन्त्रीकी

(बह काक्ति, जि.के बारे में अक्षेष्ट्रशाक्षरा जानता है कि बह सम्पति से हितयद है)

कर नम्भ भुक्ता। अगरी करण प्रशंकः प्रमाणि के अपनि के लिए न्यर्कारियों एक वारण हुए।

तुस्तर मुख्यांत की स्वारंग की मध्यान्य हो आहां भी बाधांप :---

- (वा) १८८ सम्मा वे गाल्याप मो प्रकाशन की तारीब सं 45 किन की इर्वाध था तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूनना १८ी नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संव्याध बाद भी समाध्य झांनी हो, के भीतर पृर्वेक्टि व्यक्तियाँ मों से किसी ध्यक्ति ब्वास;
- (क्ष) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास दिक्षित में किए जा सकरों।

स्मध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, चो उक्त अधिनिक्षमं, को अध्याय 20-छ में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, ओ उस अध्याम में विया गया ही।

अन्सुची

भागत स्थित 127/219-ए, जूही थेला, कानपुर।

एम०के० भटनागर सक्षम प्राधिवारी महायतः आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीलः 15-5-1985 मोहरः प्रकप बाह , ही, एन एस,

भागकर लोधनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ण (1) की जंभीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यात्म, सहायक वायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नाप्र

भानपुर, दिनार 15 पई 1985

निदेश सं० वेः--238/84--85 --अन: मुझे, एस०वेर० भटनागर,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका निष् । बाबार ब्रह्म 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 85/52 है नथा जो को रसंदर्भ में स्थित हैं (और इन्हें उपाद्यद्ध अनुसूती से अंध पूर्ण ब्या ने विणित हैं), रजिस्ट्री-तो अधिकारी के अपिता अधिकार में प्रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन, नारीख 3 जिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्हं वह दिश्वास करने का कारण है कि मभाष्वेंक्त सम्पत्ति का अधित वाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एम स्वयमान प्रात्मक क्य पहड़ प्रतिमत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलित उद्दश्य स उन्ह अन्तरण । जिल्लि में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:——

- (म) मन्तरण स हुई किसी अध्य की अवस्त, उश्क विभिन्नम के नभीन कर दान के अन्तरक की दानिस्त में कभी करने या उससे अध्य में कृतिभा के निए; नीद/द।
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आफर अधिन पन, 1922 (1922 का 11) या -स्त हिंदिन पन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती इंजान नकी निहा गया था या किया जाना चाहिए था जियान भी स्विधा के निहा;

बतः अन्, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री बाला जिल गुण्ता, 101/71, प्रयस्थाता राउ, जानपुर।

(अन्तर 🖫)

(2) णवीना पर्वात. 101/71 राषस्याना राड, धानपुर।

(अन्तरिती)

(3) यन्त्रः

(वह व्यक्ति, जिन्ते

अधिगोग में सम्यत्ति है)

(4) अन्तरिता

(तह व्यक्ति, जिसके बारे में गयह स्ताक्षरी जानता है कि वह स्मानि में हिनबढ़ है)

का नह सुचन। वारा जारक प्वातः कोण वे अर्थन के विकार कार्यनाहियां करता हुः।

सकत सम्माल के अउद के पत्रद में नार्र भी भासाय --

- (क) इस समात के गाना गाने प्रकाशन की नारीक हैं
 45 दिन की अवधि या गुरुसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की कार्याल में 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि शह म सन्दर्भ उत्ति हो, के भीतर पर्योक्ति
 स्थानमर्था में स्व किसी स्थित ब्हारा,
- (क) इस सूजना को राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हित- क्सूथ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को णप निश्चित मानुकार स्थावर स्थाहस्ताक्षरी को

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दी और पदा का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनगर्भी

मजान स्थित कांभारगंज, भानपुर।

एस०के० भरासांद सक्षम प्रापिताची सहायक आगज्य सायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंज, कानपुर

तारीख: 15-5-1985

मोहर :

प्रकृत नाव . रहे . एन . युव . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

क्षानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश स० के-241/84-85--ग्रतः मुझे, एस०के०

"ना

कारक कि कि कि स्थान स्थान कि स्थान कि

और जिन्नकी सं० 13/133 है तथा जो सूरतगंज कानपुर में स्थित है (और इन्स उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीन्ति अधिकारी के वार्यालय जानपुर में रजिस्ट्रीनरण अधिनयम, 1908(1908 ना 16) के आधीन दिनों 6 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई हैं और गुमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकृत से, एसे व्यामान प्रतिकृत का पत्त्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण । लिखत में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (त) मन्द्रश ही हुई विश्वी काम की जानत. उनक वृधिनियम् की अभीत कर वंगे के वास्तरक को धाँचरक में कामी करूने या उसके न्यूने में बृधिया के लिए; काँछ/या
- ्कः) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपान में तिया की सिष्टः

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों. क्यांत क्र्

 श्री द्या गंतर पुष्ता, एत/अफ स्व० का महातीर प्रताद गुप्ता, 75/173, रजीत पुदा, जानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रापनी गीना देवी,
पत्ना श्रो जित्र बोह्य पात जबोदिया,
श्री मनीण जुभार,
गुपुत श्री जित्रमोहन पान जिल्लोडिया,
57/82,
नेसलपानी गनी, जानपुर।

(यन्तरिती)

(3) ऋेजामण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभाग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण (वह व्यक्ति, जिलके दारों में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में छ है।

का यह भूमना बारी करके पृथिक्त सम्भात्स के अर्थन के जिल्ला कार्थवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजगण में अकाशन की तारीस इ 45 दिन की बवांच या तत्सम्बन्धी स्थानितयां पर सूचना की तामील स 30 दिन की नविष, को भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानस्यों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास हितिसत में किए जा सकेंगे।

स्वस्थिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

वन्त्यी

मकान नं 013/133 सूरतगंत्र कानपुर

एस०के०भटनागर सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-4-1985

मोहुर 🖫

प्ररूप आहुं. टी. एन. एस. - - - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागकर अभिन स्था 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत सर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, यनपूर

ानपुर, दिना * 15 मई 1985

निदेश सं० के० 242/84-85--- ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

मायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाज़ार मृस्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

और जिनकी ते है तथा में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध शनुसूची में और एर्ण क्या में विणि है) रिजर्म्ही ति अधिवारी के कार्यात्य निष्म से, रिजिंग्ड्री रिण अधिनिषम, 1908 (1908 T16) के श्रीधीन दिना 10 नितम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अधिक के चिए अन्तरित का गई है और उपिए पि कि न कि माने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बागर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं रज्यमान प्रतिफल का पढ़ाई प्रतिका अधिक है और उन्तरिती (अन्तरिती) और उन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के भीत एगे अन्तरण च लिए तय याया गया भीतफल, निम्नाताखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नाताखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नाताखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नाताखत

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा एक्स उपन में शीवना का किए माँद/या
- (ण) इसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तिकाँ कां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना साहिए था. छिपाने से स्विभा के स्तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग को अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधील ---- (1) श्री जगमेहित ताल वाजोयी यानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राधा-ियन सुपुत्र रेलुमल 108/6 पी० रोड, जनपुर

(भ्रन्तरिती)

(3) केनागण (वह व्यक्ति जिनके श्रिधोग में सम्पत्ति हैं)

(4) करतागण (वह व्यक्ति जिनके वरि में अपाहस्ताक्षरी जानता है जिवह अस्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना अप्रों करके यूनेंक्ति संपत्ति के अर्जन के सिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्चना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद ही समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्णेकर स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन के भीतद उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्ट्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकर्षः कि इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो समा अधितियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

जन संची

एक किता मकान स्थित कानपूर

एस० के० घटनागर सक्षम प्रोधिशारी सहायक्ष्यायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेज, कानपुर

दिनांक :-- 15-- 5-- 1985 मोहर ⊴ प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

शायालिक, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज वानपुर

कानपुर, निनांक 27 अप्रैस 1985

निवेश सं० के० 243/845--ए५० के० भटनागर

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रहे. से अधिक हैं

बौर जिनकी सं० 43/5 है तथा जो नारियन बाजार बानपुर सें स्थित है (जीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री सें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री स्त्री अधि जारी के बार्यालय कानपुर सें, रजिस्ट्री रूप अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 9 जितम्बर 1984 की

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रितफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख की अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभो वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके उध्यमान प्रतिफल से ऐसे अवस्थान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्निनिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति से वास्तिवक हप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से शुद्द किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के शियत्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांद्र/या
- (ण) ऐसी किसी भाष या किसी भन या जन्म आस्तिकी का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

कतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, में उथत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती भगवान देई,
 पत्नी श्री स्व० भगवान दान,
 43/15, नारियल बाजार
 कानप्र (अन्तरक)
- (2) श्री नूर्व प्रकाश म्नादि सुपुत्र श्री वियज शंकर 35/44, बंगाली मोहाल ापपुर

(अन्तरिती)

- (3) क्रेता गण (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)
- (4) केतागण (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति से हितबद है)

का यह सूचना जाड़ी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थव के लिए कार्थवाहिमां कारता हु।

क्कत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की स्थि। जा भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वीवस व्यक्ति वात में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिलबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षारी के पास विविक्त के किए का सकींगे 1

स्पद्धिकरण :----दसमें अयुक्त सब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-का में पी।भाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

म० नं० 43/15 नारियल बाजार कनपुर

एस० क० भटनागर स्थाम प्राधिकारी महायक भ्रायकार भ्रायुष्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज कानपुर

दिनांकः -21-4-1985 मोहर अ प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्की सं० एच 34 है तथा जो पनकी, जनपुर में स्विन हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण क्य में जीणा है), रिजिस्ट्रीकरनी अधिकारी के वार्यालय संबंधिय में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त रूप्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इन्दर नान, पुत्र श्री जनराम दास,
 117/एच-1/337,
 माडनन टाउन,
 पाडव नगर,
 भानपुर,

(म्रन्तरक)

(2) श्रमती ईश्वरी देवी ए० अन्य पत्नी श्री निहाल चन्द्र, 122 581 नित्री कालीनी भासी नगर, जानपुर

(अन्तरिती)

(3) फ्रेनागण

(बहुब्यक्ति जिथके (अधिभागमनम्पतिहै)

(4) ऋेगागण

(तह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण : इसमे प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है:

अनुसूची

म हात नं० एच 34, पनकी 505 हिट्रीट एरिया कानपुर

एस० के० भटनाग**र** सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर क्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन **रें**ज, कान्**पर**

तारीख 2-4-1985 मोहर : प्ररूप आइ. टी.एम.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज वासपुर कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश स० के० 248/84-85--ग्रन मुझे एन० के० भटानागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाझार मन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिनकी स॰ 106/132 है तथा जो गाधी नरम में स्थित है (और इस्म उपाबड़ अन्तूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रिजर्म्झा की अधिकारी के आर्यालय बानपुर में रिजर्झीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-84

की प्वांक्त सम्पत्ति के उचिन बागार मल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचिन बागार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एमे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अनरकों) और अंतरिती कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निग् नय पाया गया प्रतिफल. सिम्नलिखिन उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिया गया ही क्रिक रूप से क्षा कर्ति किया गया हैं

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचन में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविष्य के लिए।

ब्रस: ब्रब्स, उक्त अधिनियम को नारा 260-ग के अपसरण कें. में. उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1)

क बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियो , अर्थात् :---

(1) श्रीमती कमला देनी दुवे पत्नी जगदीश प्रशाद दुवे 106/231 गाधीनगर, वानपुर

(श्रन्तरःः)

(2) श्रीमनिम नणीना चन्दा है, पत्नी आम प्रकाण पदो है, घदो है, 87/11 आचार्य नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहिया शुरू करता हु।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ें भी आक्षंप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि पा तत्मम्बस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकिं ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख अ दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबदाध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में कियं जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें पयक्त अव्दों और पदों का, जो उद्धः अधिनियम के अध्याय 20-के भे परिभाधित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नगस चौ

न हान स्था 106/213 । प्रीनगर कातन्र

ए १० के० भटनागर मझम प्राचित्रारी सड़ाउह चायकर श्रायुक्ता, (विरीक्षण), यर्जन रेज शनपर

नारीख: 15-5-198**5**

माहत्र :

मुख्य बाइं . टी . एन . एस

बायकाउ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानप्र

कानपुर दिनाक 15 मई 1985

निवेश स० के-250/५1-85--यत. मुझे π स० के० भटनागर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक ही

कोर जिस्सी गण 33-7-एवं है तथा जो ख्रानन्दपुरी में स्थित (कीर इनसे उपावड़ अनुसूची में ब्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रिवर्ष्ट्राकर्ती सिश्वकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण खर्विनिथम, 1908 (1908 का 16) के ख्रिधीन, दिनाक 4-9-

को पूर्विक्त सपित के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र है और मंत्रे यह विश्वास करने का लागण है कि यथापूर्विका सपित का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिना में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अभारण से हुई किसी बाव की बावस, अवस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दामित्व में कमी करने या उक्से वचने में सुविधा के आए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब का किसी कन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट मही जिल्ला क्या का किया जाना आहिए का क्रियाने के एक्षिण के मिश्रा के मिश्रा

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिसत व्यक्तियों अभीत :---- (1) श्री सत्य प्रकाण गुष्ता पुत्र श्री किशान स्वरूप गुष्ता निवासो—प्वदेशी काटन मिल कम्याउग्ड, जूही, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) थी रामण्वर दयाल पुत्र श्री छोटेलाल, एव ग्रन्य, २०/४०, नौघडा, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष 🚁

- (क) इस सूचवा के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जजधि, वो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषिल हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट मं० 327-ए, श्रानन्दपुरी, कानपुर

एस० भटनागर मधम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर

दिनांक 15-5-1985 मोहर प्ररूप आई'.टी.एन.एस .----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेज, नानपुर

गानदुर, विनाध 15 मई 19865

निदेण म० के-254/84-85-सन. मुझे, ए४० व भटनागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकल अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-रू के अधीन सक्षम गांविकारी को यह विदास करने का कारण है कि 'आवर सम्पान जिसका अचित का बार गण्य 1.00.000/-र, से अधिक है

सौर निकार 17/50 हे तथा है। वितित लाल्य में निक है (मौर उसे उभारत समयनों में भौर पूर्व कर ने क्या है) रिजियोग्गों स्थित तथे के मार्ग हैं। स्थान के स्थान दिनांक मिल्ल-स्थितियम, 1908 (1908 हो 16) के स्थान दिनांक मिल्ल-

को पर्योक्षा पम्पनि को एकित बाजार मान्य से कह की खर्यप्रस् प्रितिपत को लिए अंतारन को एउँ हो और अने यह विश्वान करने का कारण ही कि तथ्यप्रदेशित सम्पन्ति का पंच्या पार मृत्य, उसके दश्यमान पित्रक सं, कार रामान पाताल प्रतिपत प्रतिपत स्थानिक ही और अतरक अपन्यति और अतरिति (अतिरितिकों) को बीच कोने उत्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्योक से उनत सनरण निर्मात सा वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया ही ---

- (क) जतरक से हुए किसी खाय की वाबत, जनत अधि-नियम के अधीन कर दनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सृतिधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आज या किसी धन आ अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1002 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किशा जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के धन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ भी उपधारा (1) ने जभीत, निम्निकिधन व्यक्तियों मधीत - (1) श्रा ध्वाणा मी० फीक एव अन्य प्रवृश्व खान, लखनक ।

(अन्तरन)

(४) र्थ। गर्मेश शहर गुप्ता अन्य पृत्र था शिप शहर गुप्ता, उ8/92 नियम बाजार, लानपूर ।

(मन्तरिनी)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती
(वह व्यविन, जिसक बार में अप्राह्माक्षरी जानना
है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ ट)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अवनाहर, पृथ्व अरुता हुई।

उनत सम्मिति को वर्जन को सम्जन्न म कोई भी नाक्षप ---

- (क) इस मुचना के राजपन भी एकायन की तारील से 45 दिन की अवीताथ या तत्या ते नोप्रतार्थी पर भूचता की तामील से 30 दिन की अवीच, जा भी प्रविश्व वाद मा समाप्त हाती हैं, से भीतर पर्वोचन व्यक्तिया में स विक्री व्यक्ति दशा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मा प्रवासन की तारील में 45 दिन की भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हि। बद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अनाहमाधारी को पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पटोकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्ने का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याथ 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गरा हैं।

मन्स्यी

मकान स । 15/70 पिविक लाइन्स, कानपुर

एम० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण), अर्जन रेज, कानपुर

दिनाक : 15-5-1985 मोहर

श्रुवन कार् दी . एन् . एक ------

नामकर कार्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वर्धान मृदयः

बारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक श्रायकर आय्क्ल (निरीक्षण) अर्जेन रेज, रानपुर

रातपुर, दिनात 27 अप्रैल 1985

निदंश म० व-255/8!-85--श्रत मुर्झ, एस० क० भटनागर,

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके परधात 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), की बाय 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करन का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. म अधिक हैं

पार जिन्हा म० 133/60, है तथा जा बानन्दपुरी, बानपुर म रिपा न (पार दान जावड़ प्रमण्डी म प्रीर प्ष रहा र विभाग हो। जिस्ट्रीयना अधिनारी हे नायांच्य, पानपुर म र्यान्ट्रीयणा श्रीजिन्ग, 1908 (1908 का 16) है अधान, जिस्ट्रीयणा श्रीजिन्ग, 1908 (1908 का 16) है अधान, जिस्ट्रीयणा 15-9-84

का प्राप्त एक्पित के उचित बाबर मून्य में कम के कियान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह पिश्वास करन का कारण है कि सथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्ति। किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोन की अतरक की वायित्थ मो कमी करने या उनसे बचन म स्थिक। वे सिए; बाँड/या
- (क) एंशा किसी आप का किसी कर ना कर बारिशमां की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा मूर्विधा के लिए:

अत. अब, अवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण इ, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-प का उपधारा (1) क अधान, निरमतिर्धासन क्येक्लियां, अथोन .--

- (1) यो नोरन प्रप्रवाल पुत्र भी के० मी० श्रप्रवाल २६६, ग्रानस्दुर्ध बृह्य, कानपुर ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) नोमतो मीता देवा गुप्ता, परित श्री मदनलाल गुप्ता, 287, शानन्दभुरा, जानपुर ।

(अन्तरिती)

- (3) केरागण (वट्र प्यक्ति, जिसके ब्रिधिमाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) केताभण (यह व्यक्ति, जित्तक बार म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्मति म हित्तबह है)

का गढ़ मृद्धन भारा करक प्रशास प्रमास्त के अर्थन के निष् कार्यगिष्ठिय करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध म कार्ड आक्षेप :--

- (क) इस मुजना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्मवधी व्यक्तियो पर मुचना का तामीन म 30 दिन की अर्वाध, ज भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मन्ति में हितबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा जपाइम्ताक्षरी के पास जिसत में पिए जा सकते।

स्पष्टोकरण. -- इमभ प्रयुक्त सब्दों और पदा का, जो उक्क अधिनयम, ल अध्याय 20-क म परिभाषित द्वी, वहीं अध हागा, जा उस अध्याय में विश् प्रया हैं !

अनुसूची

म० न० 133/60, ग्रानन्दपूरी, कानपुर

एस० के० सडनायर सक्षम प्राविकारी महायक वालकर आयुक्त, (निर्वाक्षण), प्रवेत रेज कानपुर

दिवाकः । 7-1-35 भारेर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नानफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-स (1) के नभीत क्षना

धारत संरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेज कानगुर

भागपुर दिनाक 15 मई 1985

निदण स० के~256/84~85~~ग्रन मुझे, एस० के० भटनागर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिएका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा संअधिक है

र्थार जिस्ति। स० 191-वी ह तथा जा दादा नगर पानपुर म स्थित ह (प्रार इसमें उदाबड़ प्रनुम्ची में प्रीर पूर्ण गा से विणित हो),र्राजस्ट्राकर्ता प्रधिकारी के वार्यालय शानपुर म, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन दिनाक 5 यगरत 1981

- (क) अन्तरण वं हुइ किसी बाद की बावत उक्त अपि-नियम के अपीप कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कुद्रने वा उससे वकने वें सुविभा के निए। और या
- (च) ऐसी किसी जान का किसी धन वा जन्म वास्तिनी को, जिन्हों भारतीय वायकर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर् विधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविजनार्थ बन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीतः—— (1) श्री श्रीतम सिंह सुपुत्र खंजान सिंह 124/5/5—बी गाबिन्द नगर कानपुर ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमता सरस्वती यग्नवाल पत्नी हरीण चन्द्र यग्नवाल 8-90 यार्यनगर, कानपुर।

(प्रन्तरिया)

- (३) ग्रन्तरितः(वह व्यक्ति जिसके प्रोधमाग म सम्पत्ति ह)
- (4) यन्तरिर्ता (बह व्यक्ति जिसके बारे में पर्वोहरताक्षरी जानेना है कि बह सम्प्रति में हितबढ़ है)

का यह स्थाना जारी करके पृथां क्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 दिन की अयिथ या तरमम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन की अयिथ, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकींगी

स्वयाकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पश्चें का, वा स्वयक्ष अधिनियम क अध्याय 23-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिमा नवा है।

यनसूची

मकान स्थित दासनगर कानपुर ।

एस० वे० भटनागर सक्षम प्राप्तिकारा महायक प्रायकर शायक्त (निर्शक्षण) प्रजन रेज कानपुर

दिनाक 15-5-1985 मोहर .

प्ररूप बाह्र दी एन एस . -----

मायक श्विभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सजन रच राजार

_

ानभुर दिन्। ६ ८७ सर्वे ४ । १६५

निद्या य० ४० १५/८ १–४५ -- त्रन मझ, एउ० ४० । गटनागर

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारों का यह जिल्ला- करने के कारण है कि स्थावर अध्यत्नि, जिल्ला उचित बाजार मूर्य 1,00,000/- रा मं अधिक है

प्रारं जिल्हा सं 100/397 र तथा ज्या नहर नगर आनुत् म जिल्हा है (प्रारं त्थन उत्तावह प्रमुख्यों से प्रारं पण रूप म विणित जे) रिजस्ट्रीतित प्रविधाल के तथालय वानपुत्र म रिक्टिशीतिय प्रविधियम 1908 (1908 को 16) व प्रविधाल के शिवस्य 1981

को पूजावत सप्पत्ति क उचित बाजार सूल्य मं कम कं ररामान श्रांतफन के गिए ग्लीरत की गड़ी है और मुक्ते यह विश्वास के का कारण है कि स्थाप्बिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान श्रांतफल सं, एस दश्यमान श्रांतफन का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (यन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रांतफल, निम्निविश्वत उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण जिवित वे बान्तिक रूप सं किथन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण में हुई कि ती जाय को बावर उक्ट अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए, और/या
- (बा) एस फिनी आय या किसी धन या जन्म आरितया का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 1) या उद्या अधिनियम, या वन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुनिधा के लिए,

जत- जर, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) क अभीर, निक्त रिक्त व्यक्तिया, अभीत् क्ष्ण (1) जा माता कात मठ चुन्नोताल सठ आदि पुत्रगण स्वर्ग जी गिरवर गात 109/397 नडव नगर कानगुरा

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मजला देवी पत्ना श्री हरोणार का गाव 101~ए/101 राम जाग कानगुर।

(प्रनिर्ना)

- (अ) कनागण (बह व्यक्ति जिन्न प्रविकास स नमर्शन है)
- (1) क्रतागण (वह वर्गान जिल्हा बार में प्रवाहरणाक्षर) ज्ञानता हो (यह सम्मान में निवय है)

का यह मूत्रना जारा करक प्यक्ति मम्पत्ति के अस्त के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त मध्यक्ति क कर्जन क मधन मा कार्ड भी कार्यप ---

- (क) इस स्पना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन का अवधि या तामवर्धी व्यक्तिया पर
 मुचना का तामील स 30 दिन का अवीत, जा भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृज्ञकर
 ध्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराश से 45 दिन के भीतर अवन स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्परतोकरण --हममं प्रयक्त कच्या और पर्दा का ज उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिमा गया है।

वनसर्ची

मतान न० 109/397 न्हरू नगर, राष्ट्ररः एकः कः बटनागर राज्यस पाप्रदारा सहायक आयार आयुक्त (निरोक्षण) प्रकृत रज कान्पुर

दिनाव = 27-4-1980 साहुर :

प्ररूप आइ टी.एन.एस -----

बायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

सामा राग कानपुर ग्रामियर दिवा - 27 पर्ने र 1905

निर्देश सः २० ५८४/३१-५५--पर मझ ए ।० ह

भायकर जीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मृत्य 1,00,000/-रा स अधिक है

प्राण जिस्सा स्व 10/131 है तस आ खलास लाईन कानपुर मे किन ज १९८३ । अध्यक्त अनुसार में ६१४ १ण - रिस् १९८५) जान का तो अधिरार्थ के भारती कानपुर के रिजिस्ट्री के मारातिस्स, 1908 (1904 का 16) के अधीन दिला के जिसकेट 194

वा पृवास्त निर्मात्त नं जीच बाजार मृत्य ५ कम क उत्यक्षान प्रतिपन के लिए अनिरत की गर्ड हैं और भूको यह निरवास करन का कारण है कि ध्यापृत्राकत सम्पन्ति को जीवत बाजार मृत्य, नरके दृश्यमान प्रतिषण सा, एस इत्यमान प्रतिषण बा पन्द्रह प्रीतिषण ने जीव द हों और गर रके (अन्यक्षण की कारण की की कारण की कारण

- (क) निर्मा से हुई किसी नाम की बादट ६४% विभिन्न के निर्मा कर दोन के करपक. के शामिल के कभी करने या उत्तरे बच्च में मौना के निर्मा नीर/या
- (स) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या निकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाथ अनियम देशार प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के लिए,

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अपूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीत, निम्मनिधिय क्योभदयों, क्योत क्र--

(1) जो दुर्गा वहराचा एवं अन्य ७३७ महान्मा गान्से भागे, चानपुर ।

(पन्तर्भ)

(3) श्रीराय अणा अवसान सुपुत्र स्वी जानको प्रनाद अग्रवाल ५७ (समा) जानपुर,

(अन्तरिती)

(3) कतनण (वह व्यक्ति गण्य ब्राजनाण स प्रस्थात है)

(4) उपराधन

 (त्र्याति कि कि बार कार्याद्याद्या जात्वा
 है हि बार सम्मान म हिपकि है)

का यह न्यना वारी करक पूत्रादा कथात्तिक अपने के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति क अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षण ---

- (क) इस मूजना क राज्यन क पान्यम को ताराय स 45 दिन की अनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया एर मूजना की तामी। स 30 दिन का अनीध, ना भी व्यन्तिया में स्वाचित प्राचित द्वारा,
- (ल) इस सचना क राजपत्र न अकाशन का गामन में 45 दिन क भीतर उस प्रायन नाए। जा हिन वह्य किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधाहस्ताक्षणी के पह लिखिन हा किया है सकता।

स्पद्धीकरणः इसमा प्रयुक्त शब्दाः और पद्मां कः, आं उक्त अधिनियम, के जन्याय 20-स में परिभाषित है, बही १५ हो। जो उस अध्याम भें दिया गया है।

अनस्यो

भमान १५२त १७/१०) भागमा लाइनः चानपुर ।

णाः १ सम्मापर त्मा विद्यास स्टायतः आनवर स्थवन (स्वराहण) स्वाय राजा, सन्पर,

दिनाह _ - :-1435

भाहर 🖫

प्रस्प जार्द टी एन. एस -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-व (1) में अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याना , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नर्ज रेज, सन्पर

ानपु , तिमार । र गः 19 र

िरंग मं १-3/ --१० -- तन मुते, एग० वर भटनागर भाष्यस्य अगिनियम्, 1961 /1961 ता 43) (जिसे इसर्ग इसके पटनात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व र गीन सक्षम प्राधिकारी के यह विस्वास करने का का ग र 'ए।।। प्राप्त निमंग उन्ति बाजार मध्य 1,00,000/-रा में अधिक है

और रिकास० ९३२ र । या जा दहली मुजालपुर म स्था रे (प्रार पर उत्तवह जनुसूची स सीर पूण र ३ स पणि। के) रिकर्ज़ार ता राजरित कार्या स, प्राप्त्र से क्लिस्ट्रीन ण आजराम १९७९ (१९७८ सा १०) वर्षान, दिवास ०००० १९८१

का पृत्रीत सम्मत्ति के उचित गागर मलय में कम के देश्यमान प्रिष्णल के लिए जलिएत का गई हैं और मुके यह पिर्धाम करने का ना कि लिए जलिएत का गई हैं और मुके यह पिर्धाम करने का ना कि एक देशिय समान प्रिष्ण है, एक उपयान प्रिष्णल का पहुर प्रिष्ण में अंगित हैं और आगर्क (। तरका) और अविधा , अतिराधः) उ बाय एस अल्प्य के गिए तय पाया गया पाष्णा निम्नालिय उद्देश्य में उदल अल्प्य निश्चित में अर्थनिक रूप में किया नहीं किया गया हैं —

- (क) अध्यस्थ सं हुई किसी जाय की बायस, उक्त औधिनियम को जधीन कर दोने को अंतरक की बायल्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा व किस, और मा
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अस्य अस्तिक। करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ।। १८ वा ११८ वा १८० वा १८० कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राथननाम प्राथी वा इना वा दान । १८०० मही किया गया था था निया जाना चोहए था, छिपान मा मुनिया क निर्देश

- (1) थी माट्स्सर उसा च जन्य पुत सी तनी माटम्बद 133/1 जुनी गौणाला कानपुर। (अन्तर)
- (उ) रिजन पड़ीं शिकान स्टिब साताहरी 77/1 जातमी राइ, कानपुर ।

(भ्रभ्नरितः)

का यह मजना कारा व रक पृत्रकित सम्मित के मर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त मम्पत्ति वें अर्बन के सम्बन्ध में कार्ड भी पासंघ 🛶

- (4) इप मुचना के राजपत्र में जकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि याद म समाप्त हाने हा, क भीतर पूर्वकत
 व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की नारास्य स्थान के भाजर तान रायां सम्पादित में वितन यह मिनी असी अस्य व्यक्ति द्वारा अधाहमनाक्ष्मी के पाम सिनिन में किए जो स्कीच ।

भ्षाक्षीकरण -इसमा प्रयूपत शब्दों कोर पदा का, आ उरा लो नियम के अन्याद 20 के में परिश्वि ही, रही अर्थ हाना आ उर अदार , दिसा १९ हो ,

अनुमुची

भो स्थि। देही भुत्रानपुर, रानप्र।

एम० के० भटनागर सक्षम प्राधितारी सहस्मर भाषाण आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज जानपुर

अत अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण म, में उतन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीए, निम्मनिक्ति स्पितियों, अभीत हे—

दिनाक 15--1-8; **मोहर** प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, कानपुर

कानपर, दिनार 15 मई 1985

निदेश स० के-31/85-86--अन मुझे, एस० के० सटनागर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० 832 ह तथा जो बहुती सुजानपुर में स्थित है (स्रीर इससे इसाएड अनस्वी में स्रीर पूण रूप से विशत है) रिजिस्ट्रीकर्ता जीवसारी दें हार्यात्व, हानपुर से रिजिस्ट्रीयरण जीविषयम, 1905(1908 में 16) वे अधीन दिशाह (-9-1981

का पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान लिए अन्तिरत गड⁴ ਨੂੰ को की प्रतिकत मभ्हे यह विश्वास करने ক্যা कारण कि एथा पूर्वीकः सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एम इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अनरकों) और अनिरिनी (अनिरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, और/या
- (ख) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्री मोहम्मद वसी एव जन्य पुत्र वसी मोहम्मद, 133/1. जुही गीणाता भानपुर ।
 - (अन्दर्गः)
- (2) धिचन हाउनिम हा० प्राप्तेष्टिव नोसायटी नि० 27/1ए हालसी तेंद्र शानभूर ।

(अन्तरिती)

(बह त्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पन्ति हैं) (बह ब्यक्ति, जिनक बारों में अधीहरनाक्षरों जानता ह कि बह सम्पन्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीम में 45 दिन की अर्वाप या तत्मबनी व्यक्तिया पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावर सर्पात्त में हितबह्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिम्बित मा किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हान्नेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

खेत स्थित देहमी सुजानपुर, कामपुर ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेज, कानपुर

िरनाक : 15-5-1985 मोहर ,

त्रकार वाहें. डी. एन. प्रा. ------

षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सुपना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985 निदेश सं० के-32/85-86-अत: मुझे, एस० के० भटनागर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 832 है तथा जा दहेली सुभानपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध अनुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15—11—84,

करे पूर्वोगत संपन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंश्वह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरत्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अधने में सुविधा के लिए; जार्रियां
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रवी कुमार एवं राकेश कुमार, 17/81 नवाव साहेब का हाता, पटकापुर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) नेहरू स्मारक सह० गृह निर्माण सिर्मात लि० द्वारा प्रेम प्रकाश निपाठी 128/35-जी किदबई नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए वा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

खेत स्थित दहेली सुजानपुर, कानपुर।

एस० के० भटनागर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

जत. अर, कक्त व्योधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् मि——
10— 96 GI|85

दिनाक: 15-5-1985

माहर :

ा अन्य क्रांह दे**ं एन . एवं -----**-

भारत १८७ १ (1) त अधीन सुचना

भारत मरकार

कायालयः, महारक अध्यक्त (निरीक्षण) र्रोगोरिया विविधाः १५-पुर विवि .१ सर्वेच 1985

निदासः १४०-1०१ः/०१-०5-४। सप्रं, एस० के० भवनागर

आयका अधिनिष्म, १०७१ (1०६१ का 43) (जिसे इसमे इसक राम न प्राप्त का मागा है) का धारा १६०१ मा नाम नाम प्राप्त में, यह विश्वास करन का कार है। । । । । । अका प्राप्त बाकार मुल्य 1,00,000/-क न अधिक है

स्री तिमासिकः 273 " त्या को नरह संस्थित है (स्रीर इसस उपतार कान्ता गंपा प्रकाश क्रिकेट), रिजिस्टी सर्वा जिल्ला स्थाप क्रिकेट के स्थाप क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट 19 3 (13), र) स्थाप, दिशास 28—9—84

का पर्वा : स्पेन : उपया । आर मृत्य स कम क दश्यमान प्रितिकत को एए ये उन्त क पर्वा जोर मुक्ते यह विश्वास क साम प्रितिकत को एप दश्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रातिका से एप दश्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रातिका से निकार से एप दश्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रातिका से निकार से एप दश्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रातिका से निकार के सीन एप उन्तरन (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित्या) के सीन एप उन्तरन के लिए उप पाया गया प्रतिका । किशालिका चववश्य से उक्त अन्तरण निविक्त में पास्तीया हम से किशालिका चववश्य से उक्त अन्तरण निविक्त

- रण म इं।-ग्रा १४ की बाबल, उक्त "भिनियम के अत्रीत कर दीने के अन्तरक के नीया प ए। होंगा उगमा ज्वन मा समिता ति त्रांग/यः
- (६) ए रि मि सि सि सि किसी धन या अन्य आस्तियों का रिनर्ट भारतीय श्रीय हुए अधितियम, 1922 १९० से १९ या उक्त अधिनियम, या १ रिन्ट १० ए (1957 का 27) के १ रिन्ट सिया १ सिक्स के लिए
- ा तान पर्न रहारियम की धारा 260-ग क अनसरण भू भी अध्यार्थ पा की शारा २००-व भी उपधारा (१)

- (1) श्रीमता अभी। गुरु त्नी फजल हुसैन प्रनीन नि० 181 जाल बुर्ता मेरठ। (अन्तरक)
- (4) म श्रामप्रणाय पुत्र की नियादर जीमा देगा पत्नो श्री श्रामप्रकाश म० न० 473, नाल कुर्नी, भरठ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिर्वा (वर वर्गाता, जिसक अधियोअ में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

धकल सम्प्रांभित ल अर्जन है सम्बन्ध में नाइ भी आक्षोप --

- (१) हय भूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख म 45 दिन जो अवधि ए तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना को नामील स 30 दिन की भवधि, जो भी भविष्य बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थिकाया । जिना क्वीका जारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

बन्स भी

मतान स० 273 लाल कुर्ती—मेरठ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (मिरीक्षण) (अर्जन रेज), कानपुर

दिनाक 29-- 1-- 95 माहर प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरांक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 30 अप्रैव 1985 निदेश सं० एम०-1615/84~85--- अतः म्झे, एस० के० भटनागर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो।, अर्थ धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वाभ करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुः सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 261 है तथा जो टिहरी ने विका है (पीट इस्पे उपाबद्ध जनुमुची में और पूर्ण हम ो प्रिणा है) जिल्हों उर्हा जान र क्षाची के व्यवित्य बढावा में जिल्हों हुन्य सीर्वातस्य, 1998 (1908 का 16) के अधीन दिवाक ±2-7-64,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य न कर के इन्यमान **उतिफल के लिए अन्तरित की गई** है और मुर्फ यह विक्वास करन का कारण है कि यथाप्य क्त संस्थित की गंचल गणिए भूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एस रश्यकान प्रतिकल क वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (आपका) आर अल-रितो (अंतरितियाँ) के बीच एपं अनव्य का 🐃 🖂 प्रा गया प्रशिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप में की भत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ के हुई किसी आय की बाबस, उक्त वाधिनियम के वधीन कर दन के अन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे अवने में स्टेब्स के लिए; गौर/मा
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान म नावधा न्द्रे निष्

(1) श्री प्रद्माचन्द्र एन वर्गनितः भाग विभाग - पान- लंबामा - ब्हाना स्जापकार स्यार

(जन्त्रसः)

(2) श्री त्रिकेट निह एवं भी अब श्री शभ धन भिह्न व्ययस्य मित् नि॰--टिशरी में विश्वास जि०----मर्ड ।

(अन्तरिती)

(3) জন্মতিৰ্দা (बह व्यक्तिः, जिन्दे) जीवचीम में परणीत है।

को यह स्वना बारी करक प्राक्त अधीन के नवंत के निव कार्यवाहियां शुक्ष करता हु ।

उस्त सम्पत्ति की क्लान की सम्बन्ध में काई भी आसप ---

- (क) इस सूचवा को रावधन ए अज्ञान कर नार्धि है। 45 दिन की अवधि या तस्मध्यीन व्यक्तिमां पर मुख्या की संभित्त म 30 दिन भी अपी र, का भी सर्वोध बाद सा सम्पत्न ताली हत । सं श्लीनर प्रचीवत व्यक्तियां में से फिसी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की भारतीय से 45 कि के 1377 र अपन्य कि कि कि कि किसी अस्य व्यक्ति दुधा उत्पादनागार्थ के पास निक्ति में एकए का नहन ।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याद 20-क सं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा या उस अध्याय में दिया समा ३ ।

अनस्ची

खाता नं० 201 टी संग

एसँ० ५३० चंडेनागर नक्षम अधिकारी सहायक आयका अञ्चल (विरीक्षण), (जर्जन रेंज), कामपुर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बर्धन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ, वर्धात .---

दिनांक : 29-4-1985

मोहर 🚁

व्रक्ष्य वार्ड, दी. एत्. एव.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के विधीन सूचना

मारव ब्रह्मानु

कार्यालय, सहायक भायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल 1985 निदेश स० एम०--1606/84-85---अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

रि जिसकी सं के के 68 है तथा जो किव नगर गाजियाबा व में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप विजात है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-9-84,

को पूर्वेक्श सम्पत्ति के उष्णित काजार मत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्णित बाजार सूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिधाने में सुविधा के लिए;

क्तः अवः. उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के वनुसरक के के, उक्त अधिनियमं की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विद्याः भूषण पुत्र श्री यजपाल नि०—साही अस्पनात जनपुरा नई दिल्ली । (जन्तरक)
- (2) श्रीमती पवन शर्मा पत्नो श्री लालचन्द शर्मा नि० के० एम०-122 होंब नगर गांजिशबाद (अन्तरिती)
 - (3) अनंदिती (बह व्यक्ति, जिनके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के स्वध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन को अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

। क्रिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० के० के०-68 एवं नगर गाजियाबाद

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-85

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. •••=====

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 अर्पन 1985

निदेश सं० एम-1603/84-85--अतः मुझे, एस० के०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

फ्रोर जिसकी सं जार-8/38 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद में ल्यित है (फ्रीर इससे उपावक अनुसूची ये ग्रीर पूर्ण रूप ये विणित है), श्रीतरही अधिकारी के वार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-9-84,

कां पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उभाप्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तम पाया गया प्रतिक्षक कि विश्वतिस्थित उद्देश से उसक अन्तरम् विश्वत में बाकाविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कमी कड़ने या उत्तरों क्यने में सूरिक्था के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सतीम कृमार पुत्त श्री विहारीलाल नि०-220 मुकुन्द नगर , गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्न श्री देवदत्त शर्मा नि०-वी०-35 लोहिया नगर गर्शियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्ति (ति (वह व्यक्ति, जिसके जिसकोग में सम्पत्ति है)

को सह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के विक् कार्यवाहिमां करता हो।

जनत सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बरभ में कोई भी बाझेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं॰ आर 8/38 राजनगर गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टो. एन. एस. -----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धानपुर
धानपुर, दिनाक 29 अप्रैल 1985
निदेश सं० एम०-1601/84-85--अत. मुझे, एस० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसदा उचित बाजार भ्ल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी स० 4 है तथा जो देहली रोड, भेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपायह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजन्द्री-वर्ती अग्रिकारी के कार्यालय, मेरठ से, र्राजर्म्द्रीकरण कार्यालयम, 1908 (1908 का 16) के अधान वितास 30-9-84,

को प्रशिवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िश्वाम करने का कारण है कि यथा प्रशिवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अत्तरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जीनल वृमार अग्रवाल पुत्र श्री पश्मात्मा ग्राग्दा नि०-191 मिनिल लाईन मेरट । (जन

(यहन्य ह)

(2) श्री दुष्यन्त कुमार पिसर राना सार वैष्णो —िनं० —वेस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ ।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति हे)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूखना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितब इध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स॰ 4 देहली रोड, मेरठ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधशारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण), (प्रजैन रेज), कानपुर

दिनांक : 29-4-85

माहर :

प्ररूप आई'.टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेण म० एम०-1579/84-85---अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उनका अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-त के प्रीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका उन्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्राँप जिस्ती सं है तथा जो पायल थियेटर्स में स्थित है (प्राँप इपने उपायह अनुस्थी में प्राँप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिय्ही-कर्ता जांधालारी के आर्यालय, वादरी में, रिजिय्हीकरण अधि। तथम, विश्व की प्रांचत को अधीन, दिनाक 5-9-1984, को पूर्वोक्त सपित के राज्यत बाजार मल्य भ तम के रज्यमन प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वण्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उनके दृश्यमान प्रतिकाल से एमें दृश्यमान प्रतिकाल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नालिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में

धास्तविक रूप मं कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के निध और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के किए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) दे अभीत, निम्मनिधित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री मुरेन्द्र प्रकाश पुत्र जानन्त प्रकाश वंसल व शैलेन्द्र प्रकाश वसंल पुत्र महेन्द्र प्रकाश वसंल नि०—वीधरो बाग—सिकन्द्राबाद (बुलन्दशहर)

(अन्तरक)

- (2) श्री फूलचन्द वभूला लाल, मंजय कुमार पुत्र श्यामलाले आदि । पायल थियेटरर्स रेलवे रोड, दादरी जि० गाजियाबाद (अस्तरेरती)
 - (3) अन्तरिती (बह व्यक्तिः जिसके अविसीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की नामील से 30 दिन की वविध, जो भी अर्जीध बाद में समाप्त हानी हा के भीतर प्रविक्त कानियों न से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किया अन्य स्थित के पास लिकित में किया का सकेया।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्मू ची

पायल थियेटमं स्थित रेलवे रोड, दादरी गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षअ), (अर्जन रेंज), कानपुर

दिनाक : 29-4-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985 निदेश सं० एम०-1578/84-85--अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रहे. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० 2508 है जो डिप्टीगंज में स्थित (श्रीर तथा इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दणहर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-9-84

की पृषेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मझे यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एमें स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्ति उददेष्यों से उदन अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९११ को १९) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती आशिया बेनममो० डिप्टीगन , नगर बुतारगहुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री परवेज आलम पुत्र श्री अहम इत्तन , श्री जनी हमन, मनान स॰ 2508 नि॰-डिप्टीगज, नगर बुलन्दशहर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु ।

जन्त सम्पत्ति क अजन के मबय म काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील म 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में स किसी अ्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति मा हितप्रदृष्ट किमी अन्य व्याक्त द्वारा अवहितादिका के प्रश् निस्तित में किए बा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क मा परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मकान सं० 2508 मी० डिप्टीगन ।

एस० कें० भटनागर सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेज), कानपुर

दिनांवः : 29-4-1985

मोहर :

प्रकृप बाई. टी एन एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल 1985

मिदेश स० एम०-1577/84-85---अत मुझे, एम० के० भटनागर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रूठ सं अधिक है

स्रोर जिसकी स॰ 136 है तथा जो सुनहरा में स्थित है (स्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्राँग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिगारी के नार्यालय, बुलन्दणहर में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, दिना ह 27-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल सं, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने वा उत्तरे बखने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः

- (1) श्री मुह्म्मद हुनैन पुत्र श्री सज्जाद हुनैन गाम—र्भनपुर प्र० तथ्य जिल्ल बलन्दणहर । (अन्तरक)
- (2) श्री शर्णाकान्त जनाभ पुत थी हीरालाल व मुनीश कुमार पुत स्रोमप्रकाण मि०—54 दाल मण्डी, बुलन्दशहर ।

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिनी) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा
 अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वित्रते
 व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुनारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्न में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया सवा हैं।

अनुस्र

ख्रेत म० 136 वाके मुनह्रा, वरन बुलन्दणहर ।

एस० के० भटनागर . सक्षम प्राधारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), (अजेन रेज), कानपुर

दिनाक 29~4-85

मोहर 🛢

11--96GI|85

प्रसद शर्व टो एस. ५स. →-----

षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकार आयुक्त (निरीकाक)

अर्तभ रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

मिदेश स० एस०-1530/84-85--अतः मुझे, एस० के० भटनागर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पदवान 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/- रुट. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी मं --- है तथा जो हापुड में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड में, रजिरटीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशाक 30-9-84, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूला से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्ट्यों से उन्य अन्तरण जिमित में वास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धम था अन्य लास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-उर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए था, जिल्लाने से व्यक्तिया को किया को लिखा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री अनिल कुमार बल्द रघुतीर धरण, रि०--त्राबुगढ, छाउरी छान्ती मौडाराज, पनस्स त्राम, हापुड, माजियाबाद ।

(अस्तर ह)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी ग्रोकार नाथ श्रीमती कुल्णादेवी पत्नी मिरीलाल नि०—रेलवे रोड, हापुड़, गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना कारी करके पृत्रांकत संपर्तित के वर्जन के सिर कार्यवादियां करता हों।

बनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की संवीध वा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो में कशीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक र 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

नन्सकी

प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 2024.03 वर्गगज है।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), (अर्जन रेज), कानगुर

दिना ७ : 39-4-85

मोहर:

प्ररूप भाष्टं.टी.एन.एस. -----

बायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ष (1) के बधीन मुचना

भारत करकाड

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कामपुर कामपुर, दिना ह 29 अप्रैल 1985

निदेश म० एम०-1529/84-85---अतः मुझे एस० के० भटनागर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थलें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणिल बानार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

प्रांर जिसकी स० फैक्ट्री है तथा जो हापुड़ में स्थित है (प्रांग डमस उपाबद्ध अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनाक सितम्बर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरिह की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह तिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) को थीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्था तिफल, भिम्नांतिस्त उद्वक्त अन्तर अन्तरण किसित ते वास्तिक क्षप से कांश्रत नहीं किमा गया है ——

- (क) अलाइक वे हुइ किसी बाव की वाज्य, अक्त अधिनित्त में नवीन कड़ दोने से अलाइक को दावित्व में कनी कड़ने या उत्ते व्यन में दुविया के लिए; जीर/मा
- (वा) एंसी किसी आय वा किसी अन वा अन्य आरितकों आहो, विनक्षे आएतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, शा अनकार अधिनियम, शा अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. छिपाने में वृतिया के निष्;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) | स्थीन, निम्निल्खित व्यक्तियाँ प्रश्नंद अ—

- (1) श्री इन्द्रजीत सिंह, थानेश्वर वरुण पुत्र हीरालाल वसमपुरा हापुड़ गाजियाबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री अब्दुल रहमान मो० उसमान मु० सुलेमान श्री इरफान पुत्र मु० यासीन नि०—कोटना मोतीयान पा० हापुड़ जि०—गाजियाबाद ।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति , जिसके अधिभाग में सम्पत्ति ह)

स्त्रे वह सूचना चारी करके प्याँकत सम्मित्त के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्मत्ति के वर्जन के प्राप्यन्थ में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 बिब की सबीभ मा तत्सम्बन्धी स्पिक्तवाँ वर मुखना की तामील में 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत स्पिक्तवाँ में में किसी व्यक्ति बुबारा
- (च) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित्र प्रध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताश्वरों क पास तिसत में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

वन्स्य

स्थित एक फैक्ट्री हापुड़ गाजियाबाद में ।

एस० के० भटनागर मक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), (अर्जन रेज), कानपुर

दिनाक: 29-4-85

मोहर 😉

त्रकृत आहो.टी. एत. एक. ------

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश स० ए.स०--1521/84--85---अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिते इसके इसके परचार् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक ही

ग्राँर जिसकी स० 162 हैं तथा जो मोहभपुरी में स्थित है (ग्राँर ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यात्मय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिसियम, 1908 (1908 का 16) के जधीन, दिना र 13-9-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मून्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्निसिचित उद्योच्य से उक्त अन्तरण कि क्षित में वास्तिक रूप से अधित नहीं आज्ञा गया है :---

- (क) करतरण ते हुई किसी बान की वानत, क्यत गर्डभनियम को सभीन कर दोने को अन्तरक को वाक्षिरक में कमी करने या जक्को नवने में बुविधा के किक्ष; क्यर/मा
- (स) ऐसी फिसी नाम या किसी भन या सम्य अस्तियों को, विक्रों भारतीय बाय-कर सिथानियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निर्मानस्य, या भन-कर सिथानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादमार्थ अन्तरियों कुनारा प्रकट कहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, क्रियाने में सुनिभा के लिए;

नतः नवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण तो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के नभीन, किम्मिसिक्त अधिकृतनीं, जर्मात् ६--- (1) श्री मंतोप पाल बुविलम पुत्र श्र पुत्र श्री राम गोपाल बुविलम नि०---162 मोहनपुरी मेरट ।

(अन्तरक)

() श्रीमती रमा गाँतम पत्नी श्री नरेश चन्द गाँतम नि०—क्दीम ग्राम दानपुर अनुपशहर जि०—बुलन्दगहर । बतंमान नि०—हीरालाल बिल्डिंग बेगम बाग मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना को राज्यपत्र मों प्रकालन की दारीच है 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, खो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वोकक स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र मं प्रकावन की तारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, वभाहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक मकान नं० 162 मोहनपुरी मरठ।

एस० कें० भटनागर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेज), कानपुर

विनाक . 29-4-1985 **मोहर** ध प्ररूप आईं.टी एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रज काभपुर

कानपुर, दिनाक 29 अप्रील 1985

निदंश म० एम०~1401/84~85~-अत मुझे, एम० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

र्जार जिसकी स० 2/2436 है तथा जो नरायणपुरी में स्थित है (र्जार इसम उपावड अनुसूची में ग्रार पूर्ण च्य स विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यातय सहारानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 30-8-84,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अत्ररण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 195: 11957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में मुतिका के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

(1) श्री गोपाल दास पुत्र स्त्रं मन्दार भिर्मेल सिंह कालोनीनि०--गित कालोनी, महारनपुर ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिनक बार मा अधाहस्ताक्षरी जानना है)

को यह सुचना जारी करके पृशाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मो समात होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजगत्र मो प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्भव्योकरण:—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थी

मुहामा । न० पा० न० ३/३४३६, कालोनी भरायणपुरी

एस० क० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), (अर्जनरेज), कामपुर

दिनाक : 29-4-1985 माहर प्ररूप आई. डी. एन. एम.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बर्धान पुक्का भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर

कानपुर, दिनाच 29 अप्रैल 1985

निदेश स० एम०--1403/84--85---अतः मुझ, एस० के० भटनागर,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के गधीन सक्षम प्राधिकार' को, यह विस्तास करने का भारण है कि स्थावर सम्मन्ति, प्रिसका उच्चित शकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी मं० 51/2 है तथा जो परवा इस में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप रा वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, देहर दूध, में, रिजिस्ट्रीकरण जिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के निर्धान, दिशास 28-9-84,

1908 (1908 का 16) के निधान, दिसार 28-9-84, को पूर्वीकत सम्पोत्त के अचित वाजार मृन्य स के स के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफात से, एस त्यास्थान प्रतिफाल का प्रतिकार का प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार के विल्ल एसे अंतरण के निए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्मिलिखित उद्वोध्य से २ त अंतरण दिलिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किथ गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की वानत अक्त विध-निवक के स्थीन कर कोने के बन्तरक के दायित्व में कसी कहने या उससे अचने में सुविधा के निए; स्वीद/वा
- (बा) एसी किसी शाव मा किसी थन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना थाहिए था, कियाने में स्विभा की सिद्ध;

सक्ष- शव उक्षन अधिनियम की धारा 269-म की वनस्थि। मं, बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के नधीन, निम्मलिकित व्यक्तियाँ, सर्थात् क्ष---

- (1) श्री एम० गरेन्द्र सिंह लाम्बा भूषेन्द्र गिंह आदि एम० भाग सिंह इसरीटी पुल रोड, हरिद्वार रोड, देहरादून (अन्तरक)
- (2) डा० छत्तरा दत्तपन्त पुत्र परन दत्त पन्त नि०—थर्ड मेन रोड, जया महल बगलीर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के धिष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या हरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राज्यक मा प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा शकोंग।

सम्बंधिकरण. --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-भिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

51/2 परवा-दून देहरादून ।

्राल० के० भक्ष्मागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), (अर्जन रोज), कानपुर

दिवाक : 29-4-85

माह्यु 🖫

प्रकृष आहाँ दी एन एस.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 769 का 1) के अधीर स्वरूप

मार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आगृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कामपुर

कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश स० एम० 1402/84-85---अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसवी स० 280 है तथा जो माजरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुग्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दहराइन में, रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनाक 28-9-84,

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार माय राग्त भागन गिक्त स, एस दश्यमान प्रतिपत का प्रवृद्ध मीन्यान में अधिक ही और अनरक (अनरको) और अनिरिती (अन्तिमा भाग) के बीच एमें अन्तरण के निष्ण स्व पाया गण प्रतिकान निम्मिलिखित उद्देष्य से • उक्त अन्तरण सिक्ति सं मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) था उन्हें बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) उ प्रधाननार्थ अपिनियम, विकास का शा किया का शाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए;

अत. अथ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन. ^{प्र}न्मनिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सचन्द्र सिंह गुत्र श्री लाल नवरत्न सिंह गि०--13 ल्यू पर्वे रोह, देहराइम ।

(अन्त्रक)

(2) श्रीमती जयन्ती देवी
पुत्रो श्री जीत सिंह
ग्रा० समरऊ पावटा साहिब
जि०--सिरमो (हि० प्र०)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वर् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्थाना कारो कारक प्रवेदित संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सुम्बरित के असंज के सम्बन्ध में कोई भी बाखोप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में अकाशन की तारीश हैं
 45 कि के अधित शाहित का लगित है। एस अधित की जविध जो भी
 क्षित्र का की तामील से 30 दिन की जविध जो भी
 क्षित्र का की समस्त होती हो, के मीतर पृथालत
 आवित्र शां की किसी क्षांतित द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उनन स्थापर मपत्ति मं हित्तनस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास निमाल में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया क्या है।

प्रनुसूची

स० 280 माँ० भाखरी ग्राण्ट परवाइन देहरादून।

एस० के० भटनागर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), (अर्जन रेज), कानपुर

दिनाक : 29-4-85

मोहर 🛭

श्रम्य साहं टी एव . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

शारत शरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्तण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

दानपुर, निांक 24 अप्रैल, 1985

निदेण मं० एम० 1291/84-85---ग्रतः मुझे एस० के० भटनागर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिपकी स० डी-31-ईई है, तथा जो नोईडा में स्थित है (श्रीर इनसे उमाबद्ध अनसवी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, नोईडा, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक 14-9-1984

को पूर्वोवन सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, प्रश्के दश्यमान प्रतिफल को एको दश्यमान प्रतिपत्त को पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिगां) के तीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन त निधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/या
 - (ख) ऐसी कि.मी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में युविधा के निए;

अतः अब, उव त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण भें, गें, उस्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—- मैसर्स फाईन वायर क०,
 श्री शिजप कुमार नहल,
 ईा-13, एनक्लेंब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2, मैं ० मैटल, शरफें ज फिजिनसं, एण्ड फैक्ट्री, सेटल द्वारा, श्वा राम नाथ बला मई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

क्षे यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्त्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुखना की नाशील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मृचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्मर्व्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्वों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

डी-31-ईई, नोईडा ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपर

दिनाक 29-4-1985

मोहर ः

त्रक्रम अलह^र. टी एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपरा 260-व (1) के बंधील मुख्या

मारत शरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिलाक 29 श्रप्रैंल, 1985

निदेश मं० एम० 1401/84-85—श्रातः मुझे, एस० के० भटनागर,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाए 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख जो अधीन गक्षम प्राध्यकारी को यह जिस्ताम करने जा कारण है हि स्थापर मंपिता, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी मं है, तथा जा ग्रां मिर्जापुर में स्थित है (श्रीण इससे उपावद्ध प्रनुस्ती में ग्रीण पूर्ण कर से विधित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद, में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनाक 12-9-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफन के लिए जन्मरित की गृहें हैं और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से एसे दृश्यमान प्रतिफत का शन्द्रह प्रतिमान से अभिक ही और अनरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्निरितिमां) वे बीच एसे जनरण के लिए ता पामा गया प्रतिफल, नम्निनित्म राज्यस्य में उक्त अन्तरण किलिए मा गास्तिक का सन्तरण मिनित्म राज्यस्य में उक्त अन्तरण किलिए मा गास्तिक का सन्तरण मिनित्म राज्यस्य में उक्त अन्तरण किलिए मा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिक्ष में कभी करने या उम्रस्ते बचने हैं क्रिश के सिए: और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विष् के लिए;

श्री जीवत पिठ, श्री हाउन पिह,
 ग्रा० ह्वीवपुण, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. विशाल एड तारी श्रावात समिति ति० , दादारी, बी-4, प्० पी० स्टेट, इन्डस्ट्रियल एरिया लोनो रोड, पोडन नगा, गाजियाबाट ।

(अन्यरिती)

3. প্রদর্গীরেটা

(वह जाक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारा श्रारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शरू करना 🜓

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के गापपत्र में प्रकाशन की सारींस ने 45 दिन की अपींप या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की सामील भे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रवेतिन व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राष्ट्रण में क्षाधन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रह सम्पन्ति में हित-बह्म किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारी, मभोहस्ताकारी के अस निक्षण में किस का सकेंचे 8

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विश्विवास की अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में विलो गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि , ग्रा० मिर्जापुर, प्र० लोनी, तह व जिला गाजियाबाद में स्थित है ।

> एस० के० भटनागर मझम प्राधिकारी मझायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

दिनाक: 29-4-1985

मोहर :

त्रकप नाइ". टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल, 1985

निदेश स०एम 1532/84-85——ग्रन मुझे एस० के भटनागर

जायकर अधिनियम 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकाणी की, यह विश्वास करा का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिबका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 550, 549, 553 है, तथा जो महीछद्दीनपुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 13-9-1984

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अमरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिक्का, क्रिम्नलिकित उद्बेष्य में अक्त कल्लरण विश्वित में अपन

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्छ अधि-निमस के सभीन कर दोने के अन्तरक के पानिस्य में कभी करने वा उससे वचने में स्विभा को लिसे, सौर वा/
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्थास प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में कृतिभा ही लिए:

जत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २८०-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिकित व्यक्तियों, वर्षात् स्टूर श्री श्रमरसिंह, पुत्र रामजी लाल ग्राम मही उद्दीन पुर, प्र० लोनी, तह० दादारी, जिला गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

2 मैं ३ देह्ली, श्राटो एण्ड जनरल फाइनेन्स, प्रा० लिं० 6 , तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्धारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगी।

स्वक्षीकरणः----इसमे प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह्व, वहीं अर्थ होंगा जो उस अन्याय में विशो गया है।

नन्समी

ग्रा॰ मही उद्दीन, पुर, परगना, लोनी, तह॰ दादारी, जिला गाजियाबाद, खसरा न॰ 550, 549, 553 ।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनाक: 29-4-1985

मोहर

प्रमु माहे . दो . ह्न . एव

शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

MAGE STATE

कार्यालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कानपूर

कानपुर, दिनाक 29 श्रप्रैल, 1985

निदेश सं० एम-1400/84-85—-ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर 🎇 🔏

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-स में अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको स० है, तथा जा मकतपुर, में स्थित (श्रौण इसस उपावद्ध सनुसूची में भ्रौंग पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारों के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्री करण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक 19-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त धन्त, एण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधिनियस के स्थीन कर दोनें के अन्तरक के रावित्व में किसी कर्म या उससे व्यने में स्विधा में सिए: श्रीर/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) प्रत्यंत्र अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा दिन्दी द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था की किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कं अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, १नम्नलिकिक व्यक्तियों, अधीन :—

 प्लाट होल्डर्म, एसांसियोशन, गोपाल नगर कालोनी, मिरजापुर।

(अन्तरक)

2 विशाल नहकारी प्रावास समिति लि॰ दादरी, बी-4, लोनी रोड द्वारा, श्रानन्द सस्प निधल, यू॰ पी॰ स्टेट, इन्डस्ट्रियल, गाजिय।वाद ।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पति है) स्त्रं वह सुणना बारी अरखे पृस्तित सम्परित के बर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत सम्परित के क्षमंत्र की सम्पर्य में कोई भी आयोप हर-

- (क) इस सूचना के राषपुत्र में प्रकावन की तारीब न 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वे अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रवृक्त बक्तों और वदों का, वो उदर अभिनियम के बन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उत बन्याय में विमा गया है।

वनसर्ची

भूमि मिरजापुर, गाजियाबाद ।

एस० के० भटनगागर ृसक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 20+4-85

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

अर्जन रेंज, बानपुर

कानपुर, दिनांच 24 अधैन, 1985

निदेश स० एम० 1531/84-85--- जा सुझे, ए५० के० भटनागर

आयकर किश्विमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 549 है, हथा जा मोहीहीन, दार्चन, में स्थात है (श्रीर इससे उदावड वतुपूना में आर पूर्ण हम म विजित है (र जस्ट्री स्ती जिल्लारी के नामालय, दा**दरी** में रिजस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्री क्रिस्ट्र

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथित गहां कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयट्ट-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत जीविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री भुल्ले, पुत्र श्री सनहरी, निवासी बी० मोहीउई(न,पुर कनोई, लानी, त० दादारी, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2 दिल्ली आटा एण्ड जनरल फाइनेन्स, प्रा० लि० 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बहु व्यक्त जसके अधिमोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यआहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आध्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिएों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अब्धिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिर गया है।

मनुस्ची

549, 550, 554, 551, 556वीं मोहीउद्दीनपुर, दादरी जिला, गाजियाबाद ।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनाक : 29-4-1985

मोहर :

अस्थ वाद े.टी. एन. एस. ------

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-घ (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (मिरीक्षण)

नजीन रेज सानपुर

शानपुर, दिसा ३ 29 अप्रत, 1985

निदेश स॰ एम 1535/84-85----ःत मुझे, एस० के० भटनागर

आयबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उवन अधिनियस धए। गया है), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम गामिकारी को यह विकास करने का कारण है कि नाव समीत, निमान उचित जाउर मृज्य 1,00,000/-रु से अधिक है

और जिल्ली में 56 हैं से जा दावरी से स्थित है (और इस्त उन्हें त्राची से शां पूर्ण कर विष्त हैं) रिजम्द्रीनर्ता विद्यारी के विश्व से स्वित से रिजम्द्रील एक विद्यान से विद्यारी के विश्व से विद्यार 28-9-84 का पृत्रकित स्पिति के लेकिन बाहार भव्य से कम ये दश्यमान प्रतिकृत के लिए अलेकिन का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्ण कन सम्मान्त को उचित बाजार कृत्य, उसर्द रिवन है कि स्थापूर्ण कन सम्मान्त को उचित बाजार कृत्य, उसर्द रिवन है कि स्थापूर्ण के सम्मान्त को सित्र है कि स्थापूर्ण के सम्मान्त को प्रतिकृत की स्थाप्त के स्थापत के

- (क) अन्तरण म होई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा भे, के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य मास्तियों की जिन्हें भार पेय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

कतः अवं, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1 सरदार राम मिह अरोडा, पु० रा० गुरु उचन हिंदु, नित्रासी 12 एत, डब्ल्यू० ए० पत्राबी बाग, एक्सटेशन, सर्द दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री सुरद्र कुमार गुलाटी पुत्र जगदीश लाल गुनाटी आदि निवासी 635, हर नाम शाह करा। गली न० 1, ढाव बस्ती पाम जमृतसर, पजाब।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसक अधिभोग मे सम्पत्ति है)

कां यह युवना जार। अरक पृथाक्त मध्यात्त क अजन क लिए कायवास्या अरला हुए।

उपन सम्पंकि है अपन के सबाप मा कोई भी जाक्षप ---

- (क) एक भणना को गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की गर्जीध हा तत्मक्वाधी ज्या तिथा पर प्रकाश के निर्माण क
- (म) इस स्का के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील ॥ 45 दिन के शांतर उक्त स्थावर सम्पात मा जिल्बद्ध किसी अन्य त्र्यांक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित म लिए जा सकों।

स्पक्किरणः -- इसम प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स कांश्विनयम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनस्यी

प्लाट न॰ ५६ दादरी जिला गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राजितारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक: 29-4-1985

मोहर 🕸

प्ररूप बाइं.टी. इन. एत. -----

क्षाकर अधिनिक्का, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेच, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम 1540/84-85--अतः मुझ, एस० के० भटनागर

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जसकी सं० है, तथा जो सूर्यनगर में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यों ता, दादरा न रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनाक 10-9-1984

को पूनोंकत सम्परित के उपित बाजार मूल्य से का के कावमान बितान की लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उप्वेष से उक्त अन्तरण सिवित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बानत, उजत अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तर्श क्यारे में जुमिधा के बिद्य; और/वा
- (च) इसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इजारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ए के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निक्निकिटिंद क्योंक्तियों, जर्थात् :— 1. श्रीमती स्वर्णकार, पत्नी दर्शन सिंह, गुजराल, के 9, हण्णा नगर, दिल्ली-51

(अन्तरक)

 कस्तूरी लाल पुत्र श्री बोध राज, कृष्णा नगर, दिल्ली-51

(अन्तरिती)

3. अन्तर्भरती ।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को नह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र तो प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविभ या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इतस्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थाबतीकरण :--इसमें प्रयुक्त कवां और वदों का, जो उक्त वीधीनयम के अध्याय 20 कां में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस वश्याच में विका गया है :

सन्यूषी

एक किला मकान्। सूय नगर, गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, कानपुर

्रावनांक: 29-4-1985

मोहर:

प्रसम्ब आहर्षः टी. एन. एस.------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सुचना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश स॰ एम॰ 1398/84-85—अतः मुझे, एस॰ के॰ भटनागर

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/~रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका स० हैं, तथा जो पटेल नगर, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेण्ठ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-84

की प्वेंतित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- को एसी सिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्ट:

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति क्विकारों, अधीत क्रिक् 1. श्री रोशनलाल चौपड़ा, पुत्र एन० जी० चौपड़ा, साउथ एक्नटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तप्क)

 श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री घनप्रकाश अग्रवाल, आनन्द प्रकाश अग्रवाल, आदि मकान नं० 40, उत्तरो पटेल नगर, मेरठ ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित के बर्वन के सम्बन्ध में कोई' भी बासोब:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में निर्वाहरों।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 40, उत्तरी पटेल नगर, मेरठ मं

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनादः : 29-4-1985

मोहर ः

प्रक्य शाहा. टी. इन एस. -----

आयकर क्रिथिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के अधीन मृष्या

भारत सङ्ख्यार

कार्याचय, सहायक कायकर काय्यस (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम 1393/84-85--- ग्रज. मुझे, एन ० के० भटनागर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इगर्मे इसके पश्चात 'उथल अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम शाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सक्षील, जिल्ला की पार्प मृता 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिनकी स० ग्राग/5/1है, तथा चा राज नगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसून के प्रीर चो पूर्ण रूप में मिंगत हैं) रिजरड़ी हर्ता ग्राधिकारी क प्रार्थालय, गानियाबाद में रिजरड़ी करण ग्राधिनियम, 1908 (1903 का 16) के ग्राधीन दिनाक 5-9-1984

को पृष्वित सम्बंदित के सीधत नाजार 'तृत्य स कम व क्ष्यमान मिलक्य को लिक मन्द्रित की नहीं ही बर्ग मक्षी एक सिक्ताम करने का कारण ही कि यथापूर्विकत सम्बंधित का उचित बाजार भूरय, उसके स्वयमान अतिकत सं, एकि स्थममान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से जीधक ही और अतरक (अत्यक्त) और वर्षारती (अतिपितियों) के बीच एस अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षास, निक्वितियते उद्योक से उक्का अन्तरण विकित में बास्तिक क्ष्य में किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन जास दोने के अन्तरक के करिया में कभी करने या उत्तरसे बचने में मुविधा के सिए; अर्थ / मा
- (क) एसी किसी आय या किशी भन वा अन्य आस्तियां की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जान प्रहित था, छिपन में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमता शक्रुन्तवा राजाल पत्ना श्री एस० बी० राजपाल निवासी वा 356, न्यू फेन्ड इ्कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री श्रदीप कुमार, मुत्र श्री पेम चन्त, निवासी 15 सी/118, महरू नगर, गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)
- 3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसक ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को वह स्थना जारी करके पूर्वाक्त सपित्न के अर्धन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवाध या ताना भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अव्धि बाद यो समप्त हाती हा, तो भीतर पूर्वोक्त स्थितिया का से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस सूचना के गाजपण का प्रकाशन की तारीं के स 45 विन को भीतर एका गणावर सम्पत्ति मा हितबहा किसी अन्य व्यक्ति ह्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्काम।

रपक्किरण: --इसमे प्रयुक्त एव्यों और पदों का, जो उपत विधिनियम के अध्याम 20-क माँ पीरभाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उक ब्रध्याम मा दिया गुमा हैं।

यन् सूची

मकान न० भ्राप/5/4, राज नगर, गाजियावाद ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर धायकः (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 29-4-1985 **मोहर** ध

प्रकल बाह् . टी. एवं , एवं ,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन र्वना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम० 1395/84-85-- श्रत: मुझे, एस० के० भटनागर,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रश्नात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं है, तथा जो महुआ कोट में स्थित है (श्रीर इससे उपावध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-9-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के अवयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफाल से, एसे अवयमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्घेष्य से उक्त अंतरण निविक्त में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उथत बीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक ले दायित्व में कमी करने या उनसे उचने में स्विधा के सिए: जीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर आधानयभ . 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनसभ या धन-कर आधिनिसम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या जिल्हा काना र हिएए के निराण

जत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) के कभीन जिल्ला की स्वतायों, सथात :--- महानन्द मिशन, होम सोसायटी, द्वारा श्रीमती सरोजनी बोस, पत्नी श्री सुबोध चन्द बोस, ह्रिजन (इग्नी कालेज, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री हरिजचन्द्र, पुत्र देवक राम आदि ग्रा० शाहपुर, बमहेटा, डामना, जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

अन्तिरिती)(वह व्यक्ति। जसके अधिभाग ह सस्पिक है)

की तक सुचना बारी करके पूर्वाबन सर्पांत्त के बर्बन के किए कार्यवाहियां करना हां।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिया के स्वाध के स्वाध की सामील से 30 दिन की अविध , जा भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मम्मित्त में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थाकारणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हर्ध विभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

ग्राम महुआ सराय, लोनी, जिला गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर लक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर ।

दिनांक 29-4-85 मोहुर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज सानपुर

कानपुर, दिनाक 29 स्रप्रैल 1985

निदेश म० एम० 1289/84-85---- प्रत मुझे, एभ० के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० है, तथा जो समराला में स्थित है (श्रीर इसमें उपावह अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में बणित है) रिअस्ट्रीकर्ना अधिकारी के नार्यालय दिल्ली में रिजर्ट्राधरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनाक 27-9-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहरमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों कार, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रहा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

इत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्यीत, निम्निलिगित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष-

- श्री रिषेण निधल पुत्र श्री हरनरायन दास निधल निवासी डी-25, सी० सी० कालीनी, दिल्ली। (श्रनरक)
- 2 मैंसमं बसामा लापा कैमिकल्थ, एय-278, ग्रेटर कैनाण,1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

३. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिनके ऋधिभोग में सम्पत्तिहै)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

समपत्ति समग्राला, लिधगाना ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, कानपुर।

दिनांक 29-4-1985 मोहर % प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिष्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेज,का**नप्**र

कानपुर, दिनाक 15 मई 1985

निदेश स० एम० 60/85-86−–श्रवः मुझे, एस० के०

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका सीन त्यात्रार मृत्य 1,00,000 / - रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिपकी सर्व 10ए हैं, तथा जो शरकुलर रोड, में स्थित है। (ग्राप इनसे उपावह ग्रनसूची में श्रीर जो पूर्ण स्प से विशित है) रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादुन में रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनाव ग्रधिनियम. 14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक धरयमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पा**या गया प्र**ातफल, निम्नलिखित उद्देशय में उन्नत अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण में द्वारं किसी नाव की बाबत, उपका बाँचितियम के बचीन कर बोने के अन्तरक के वारियत्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविभा के किए; बीट्र/वा
- (का) एका किसी जाब या किसी धन अन्य जास्तियाँ **मा जिन्ह**ें भारतीय आयकर, अभिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-काभ अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाका किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: सब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण में, में, उक्त वर्षधनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 👫 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1 श्रीमनी पायलमीत कौर पत्नी श्री टी० ज्ञानी निवासी 10/ए, मरकुलर रोड, देहरादून । (ग्रन्तरक)
- 2 श्री बो० के० विश्नोई, पुत्र स्त्र० श्री बी० ए ४० विश्नोई निवामी 13/ए, बलकीर रोड, देहरादून ।

(भ्रन्तिरती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्तिहै)

को यह सुचना जारो करकें पूर्वावत सम्पत्ति के वर्जन का लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में वरोष्ट्र भी आक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन का अवधि, जा भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीख 💅 45 दिन के भावर उक्त स्थायर सम कि मा हितजबूध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के गान लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशारिक हैं, बही अर्थ होगा था उस अध्याय मे दिना मया है।

अनुसूची

10/ए, सरकुलर रोड, देहरादुन ।

एस० के० भद्रनागर गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रजीन रेजि, कानपूप्र ।

दिनों । 15-5 1985 मोहर :

त्रक्ष नाहां . दी . एवं . एवं . ========

बायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण)

यहायक त्रायक्षर न्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्भन रेज, जनपुर

तानपुर, दिनाक 15 मई, 1985

निदंग म० एम-59/85-86--- अन मुझे ए५० क० भटनागर

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

और जिन्नी स० है, तथा जा तिल भाग, में स्थित हैं (और इस्स उपाबद्ध अनुमूची में और जा पूर्ण क्य से बाणत हैं) रिजिन्ही ती प्रधितारी के तार्यालय, देहरादून में रिजिस्ट्रीरण्य अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के प्रधीन दिनाक 3-9-1984

का पूर्वोक्त संगीतन के उचित बाजार मृत्य स कम के ध्यामन प्रतिफल के लिए अन्सरित की गक्र म्फे यह विश्वास करने 4.1 कारण है यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देषेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) बन्धरण वे हुई किसी बाब की बाबस, बक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यामिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (च) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्स अस्तिस्वां को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनता अधिनियम, 1922 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया धा वा किया चाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीम, निम्मलिखित अक्तियों, अर्थात् ;---- 1 श्री रमेश कुभार प्रभाभर, आदि पुराना बद्रीनाथ मार्ग, ऋषिकेश ।

(ग्रन्तरक)

2 मैं० श्रिभिणेष श्रायल मिल : ऋषिकेश, पा० प्र० परवा दुन, जिला देहरादुन।

(ऋन्तरिती)

3 अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

इन्त संपत्ति के वर्धन के सबथ में कोई भी आधीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकति।

स्पव्यक्तिरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

तिलक मार्ग, ऋषीकेंग, देहरादून।

एस० के० भटनागर गक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रे**ज**, कानपुर

दिवाक 15-5-19**85 मोहर** ५ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्थना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आमकर आमुक्त (निद्वालक)

सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, कानपुर

बानपुर, दिनाक 15 मई, 1985

निर्देश म० एस-120/84-85--ग्रतः सुझे, एस० के० भटनागर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- ख को सभीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिल्लो स० 3/1 है, तथा का हरिहार रोड, देहरादून सें स्थित है (और डब्ब्स उपायक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्ट्रीयती अधिनारी के वार्यालय, देहरादून में, रिजम्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 6-9-1984

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाचार प्रथ , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का नेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से काभत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किती बाद की बादत सकत बाध-नियम के बधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जी, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) वा उक्त औधिनियम, या धन-शर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः कनं, जनत अभिनियन की भारा 269-ग की अनुसरकं में, मैं, उन्कत बिभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (६) के बधीन, निम्निमिश्वत अनिख्यों, स्वतीह हु— श्रीमती निर्मल देवी, निरमल रानी, पत्नी श्री राम नन्द श्रादि। निवासी 3'1, हरिद्वार रोड, देहरादून।

(अन्नरकः)

 श्रीमती गन्ना देवी, पत्नी श्री भार० पी० रस्तांगी पो० भुना दिया, धुरकी बुधयान, देहरादून ।

(अन्तरिसी)

भ्रन्तिती

(भन्तरक)

(बह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी अरके प्रयोक्त सम्मिरित की कर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हु।

उन्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में के हैं भी आसोप्य----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्र न की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वयक्की

प्रामीण वेरिंग, नं० 3-1, देहरादून।

एस० के० भटनागरे सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिन_{1क 1595} 1985 भोहर ह

अस्कर बाफ्री ती एन एस ------

भावकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६०१ व (1) क गारित नुवसा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायकत (मिरीक्षण)

सहायक स्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रज, वानपुर स्वत्रपुर दिना∵ 15 मई, 985

निदेश स० एसत्र 3/84ब85 -श्रत मुझे एस० के० भटनागर

अध्यक्तर अधिनियम १६६१ 11961 का 431 (जिस इसमें क्स पश्चान 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं।, की आच ६०-क की उन्नी मक्षय पर्ग उन्नारनी का यह उन्नानम कार्य का अस्प हैं।कि स्थान सम्पत्ति जिसका समिह नाजार गम्य 1,00,000/- रा में प्रथित ही

आर जिन्मी पा 9 है तथा जो अस्टेले दात में स्थित हैं (और इपस उपाबद अनुसूची भे और उत्पूर्ण का से ब्राणित हैं) रिजिस्ट्री-यो पि परी के पर्योग देशराहुन में रिजिस्ट्री एण अस्ति-नियम, 1908 (1908 । 16) के अभीर दिनार 5-9-84

को पर्वाकत मम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के क्लिप अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वाम करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और वंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किए। गया हैं:—

- 'क्यों अन्तर्भक्त में हुन्हें किलाती नाम क्यां कामन. नक्त - निर्दाणका के अधीन कान कोने के खर्मरक की गर्वाणक को कामन गर्म का उपको नकाने के धाविका के जिल्हा निर्मा
- (क) एमं, किसी आय मा किसी ५न या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, १०२२ 1022 का 11) या उनत अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, १८५७ (1057 का २) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किया.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनाररण ।, मैं 'क्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपकार ।।) हे अधीन, निक्तिवित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1 श्री परव तन्दत्त,
 - 8 क्चा श्रमी किह, गुजफ्फर नगर,

(भ्रन्तर्क)

2 श्री माँगी लाल, श्री ग्राम बिहारी लाल, 35 ई०मी राड, देहराद ।

(भ्रन्तरिती)

उ अन्तरिती ।

(बड कांकित जिसक अधिभोग में सम्पत्तिहै)

का यह सूचना प्रारी करके प्रतिकृत सम्परित के अर्जन को लिए कार्यप्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मुक्ता क राक्षण्य में प्रकाशन की शारीक हैं 45 जिन की अविभि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मूजना की शामील में 30 दिन की अविध, को भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका कर राज्य के किया विश्व की स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीख स । दि कथाना उत्तर न्यानर समित माँ हिल्बब्ध किसी जन्य ऋषिर बुवान अधोहस्ताक्षरी की पास निश्चिस मा कए जा सक्षेत्र।

स्पब्दीकरण -- इसमा प्रयूक्त इव्हों और पदों सा, जो समस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रया है।

जगुसूची

प्रापटी स॰ ५-डी, श्रस्टेलं राड, दहरादून।

ण्म० के० भटनागर सक्षम प्राधिनारी सहारक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज, बानपुर

दिनाक 15-5- 985

मोहद 👂

WAR TO THE

प्रकृत कार्य . टा . ए३ पुर्व - - - - - - -

भागकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (१) के अधीन संचर

भारत सरकार

भाषांत्रमः, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रतायक आय र आयुक्त (निरीक्षण)
अर्थन रेज, निर्मुर
निर्मुर रिजार 5 मई 1985

निदेश स० एम-1549/84-85 ात मही, एय० वे भटनागर

भागकर भिषिनियम, 1961 (1961 का 43, (जिसे इसमें इसके पश्थान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-खं के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रून में जिसके हैं और जिन्ही निर्मा कि 74 हैं, तथा जो चन्द्रानों से स्थित हैं (और इसम उपावड प्रनुम्जी में जो पूर्ण क्य से प्रणित हैं) रिजिस्ट्री-कर्ती श्रवि गरी के गर्णितर, देहरादूर में रिजिस्ट्री-रूण श्रविवियम, '908 (1908 । 16) हैं श्रवीन िता 28-9-84

क्षा पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य के कम के पश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कर्श का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृया, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पक्ष प्रतिशत से अधिक हैं और बंदरक (अतरका) और अतरिती (उन्तरित्रात से अधिक हैं और बंदरक (अतरका) और अतरिती (उन्तरित्रात) के बीक एक अन्तरण के लिए तब प्राया ग्या प्रतिक करा, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त कन्तरण विकित में भास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण स हुइ किसी साम की बायत, इसल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारम दा उल्लाबक क्यां र विक करा।
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 ा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ जिया।

अतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-न के कन्तरक मं, मं, उस्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्निसिंक स्थितकों, अधीत ह

- ा श्री विज्ञासमन्त्राच, हुनश्री पत्त्वकः माहात्रा स्नादि निर्माणी 299/व की० जान स्ट्राष्ट, पदिवाला । (अन्तर)
- अभिता निक्रास्त । निक्रास्ति भी १५ मन्त्राची बाण, नई दिल्ली ।
- 3 अन्।स्ति

(वड व्यक्ति जि.स. श्रीभाग में स्थानिहै)

का यह सूचना जारि करके पृवांक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता है।

खें बरा संपासि के अंडन के संबंध है की दें, "

- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की नवीं मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सुका की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवींध बाद में समाध्य होती हो, ने भीता पर्याप्त स्वित्यों में किसी, त्यक्ति हवा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन नित्ते ता नित्र पार्थ में में नित्र बढ़ा दिन स्थाप नित्र का सक्तेगं।

स्वयाकिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उच्च अधिनियस के अध्याय 20-के के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्यास में दिया गया है।

अन्स्भी

खं० मं १ / १४, चन्द्रावती, गाम तिला देहराद्व ।

एस० ते० भटनागर ह्यम प्रति । पर्रा स्ट्रीयर आतः सायम्ब (निरीक्षण सर्वे। रेज स्वपर

विनाक 15-5-1985 मोहर व

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम-1399/84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' नहा गमा हु"), की धारा 269-ख के अभीन सम्भा प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूख्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं हैं तथा जो चन्द्र।वती में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 26-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के स्वकात प्रतिफल के लिए अंतरित की नह है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते स्वयमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गवा प्रतिफल, निम्नितित्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बार्याबिक क्य है कथिस नहीं किया गवा है

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भारक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अव, अवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अधीन, :--

- (1) श्री शिवताथ मलहोता अशोक मलहोता नि० 299/4 जी जॉम स्ट्रीट पटियाला (अन्तरक)
- (2) श्रावती रानी राना पत्ना एम० राना न०--2 एमीना रानी बाग नई दिल्ली (अन्तरिकी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचनः मचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस संख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भीतर उकत स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्णिकाः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त कायकर भौभीनयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कभी हांगा यो उस अध्याय में '' क्वा ही।

अनुसूची

कृषि भ्मि ग्ना० चन्द्रावती देहरादून

अनिल कुमार सक्षम प्रश्चिकारी सहायक अत्रक्त अप्रका (निरीजग) अर्जन रेज कानपुर

दिनाक 15-5-85 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रानंत रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं एम 1612/84-85-अतः मुझे एस० के०

भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विस्त्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 2/224 है तथ। जो राज नगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुग्नी में श्रीर पूर्ण मन में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय गाजियाबाद रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-84 की

को प्रशिक्त सम्पिति के उचित बाजार मेला रो कम के दश्यमान प्रीतन्त्रल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापवोंका सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उमके श्रद्धमान प्रीतफल में, एमे दश्यमान प्रीतफल का पन्द्रह प्रीतश्र्य से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रीतफल, निम्निलियन उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से झर्द्य किमी आय की जबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अर्थ-/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दगरा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लकः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित, व्यक्तियों, अर्थात :—— 14—96GI[85 (1) श्री महेन्द्र प्रकाश पुत्र मंगलसेन 103 कवि नगर गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) बात् खान मुपुत्र श्री हफीज खान ग्राम-डा० अमवता — जि० इटावा

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्वी

प्लाट नं० आर 2/224 राज नगर गा० बाद

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त ({नरीक्षण) भ्रजैंद रेंज- कानपुर

दिनांक : 15-5-85

मोहर :

प्ररूप आइं टी. एन . एस . -----

कायकर काधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्या य महायक बायकर गायक्त (निरोक्षण)

अजन रज, कान्पर

कानभर, ।दनाँग 15 ई 1985

निदेश न० "म-1/85 86—आ भूण, एस० के० भटनागर, आयकर आधिनयम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें उन्हें पश्चार उना असीएम हो। नया हो), का धारा १९५-स इं पर्यन वक्षम प्रियमित हो। यह विकास वार्त का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- ए सं आधक हो

और निपार गं 391 है तथा जा गा। बाद स स्थात है (और इसने उपार अनुपा के सीर प्ण रूप में विणित है), रिज़िंदिंगती अधिरारी के हार्यालय शपुड में, रिज़ंद्रिंकरण अधिनियन, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनाक 10-9-81

को ए तेका सम्पर्शित के उपमत बाबार मृत्य से कम के दश्यमान तिन्दा का निग अन्तिन की गई है और मने यह बिश्वास करन का कारण है कि यथापर्याकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफता से, एसे अवसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निर्शित उद्य स्य से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तिक एप से क्रीयत नहीं किया गया है :----

- िंक) जन्तरण सं हुई किसी जाव की बाबत, उन्ह किंचित्रक के अभीन कर दोन के जन्तरक को रिक्क के कमी करने का जन्में रचने में सूरिका की लिए.
- (क) एगो किसी अप या किसी अन या कन्य आस्मियों के किसी कार्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्रिया का 12 कार्यिक का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया का नहीं का स्थान का कार्यिक का स्थान का कार्यिक का स्थान का कार्यिक का स्थान का कार्यिक का स्थान का स्था का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धं मैं, उपा अधि। नयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निकासिकित व्यक्तियों, स्थान १---

- (1) श्री राजन्द्र मिह् पृत्र गृहमुख सिह (अन्तरक) रघनाथ प्र, हाप्ट, जि॰ गाजियाबाद।
- (८) श्री रपुकुल नारायन पुत्र रपुनन्दन, नि० उपवन गढरोड, मेरठ । (अन्तरिती)

की यह सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी अर्जन के लिए कार्यक हिया करना है।

जबरा अपिश को अर्जन को सबध में काई भी काक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हा, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-भव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के असे निस्तिन मा किए जा सकेगे।

स्पर्ध्विकरण.---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धन् भूची

खाता न० 391, रधुनाथ पुर -हापुड गाजियाबाद

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनाक : 15 मई 1985 महिर

प्रकल बाह टी एक एस ----

नावकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) का सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक माम्कर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलुर

बगलर, दिनाक 3 मई 1985

निर्देश स० नाटिस न० 4 5159/84-85—यत मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्तन प्राधिकारों की यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिन्नका उधित वाकार भूक्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 3619/10वी है, तथा जो उमरकशाम रोड, एकाम मिड तहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संप्रीति है), र जस्ट्रोकरण अधि-नियम 1908 ((1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-84

को पूर्नोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मल्य १ अध्य की दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विद्वास करन क्षेत्र कारण है कि यशाप्यों क्षेत्र स्थान मा नीचा बाजार शृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐम ध्यममान प्राप्यकत का प्रमुख्य प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरिता) का भीच एस अन्तर्भ का लए ।य नाय। ।य। प्रतिकत , निस्तितिकत उच्चरेगों से उच्च बन्तरण निचित में बालरिक ध्य से कियत नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तक्ष्य व हुई जिल्ली नाम की नामन जनत विध-नियम की क्षणीय कर दोन के अन्तरफ के वाजित्य में अभी समूने या उत्तर्ध अपने में बुविधा के निष्, और/मा
- (ख) एसी किसी याम या किसी धन या कल्य आस्तिकां की, जिन्हों भारतीय वाय-कर सींधनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त सींधनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्य अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किस। स्वा धा या किया जाना चाहिए का, जिनाने में सींवधा के विष्,

आतः अव, सम्ब अधिनियम की भारा 269 म को नग्यरण मा, जो, उपत अधिनियम की भारा 269-म को नग्धारा (1) के अधीन, निम्नीक्षित व्यक्तिया, अव्यति - (1) श्रो सप्तर गरन्ता गर गेंग्ड नहरूला गा नेंग्ड गा ता गोर गाँड गाँहल्ला न० 3619/10 वा उभरक्याम रोड, 11 कास मन्डी साहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) पेसेट अडरम 3624 रमांद मिनल, स्प्यानि राव राउ, बाजमटप एक्सटेशन, मैसूर श्रीमती - इण्यार वाई, न० 1971-2972 ए० इ० सी० 30, त्राक्रर माहल्ला, मैसूर।

(अन्तरिती)

- (का) इस स्थान के राज्यमा मी प्रताथा की नारीख के 45 दिन की अविधि मा तत्माची ज्योजना पर स्थान की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में सभाज होती हो, को भीतर प्रवित व्यक्तियों में सिकासी ब्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मुचना के रावपण में एक अन की नारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्मादर सम्पत्ति में द्विन-मध्म किमी अन्य न्यां ति नगर भारम्यादनी के पास लिखित में किए जा मकरो।

स्पाक्षितरणः -- इसमें प्रमुक्त काज्यों और पटों का, जो उजल जीभिनियम, का कथाय , ।। मार्गानाणित है, वहीं कर्ष होगा मार्गनाच्या प्रमास्था

अन्स्कृ

(दम्नावेज म॰ 4104/84 ता॰ 9-11-84)

सम्मात है जौ कि स० 3619/10क्षि, जो उमरायाम गोड, II कास, मडी मोहल्ला, मसूर, मं स्थित है।

> आग० भाग्डाज सक्षम प्रतिधनारी सहायक आयक्स आयुक्त (निरक्षिण) आजा रेज, जस्ता

तारीख 3-5-85

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सूचना

भारत बहुन्हाड

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बगलूर बंगलूर, दिनाक 16 श्रप्रैल, 1985

निदेश स० नाटिस नं० 45455/84-85:--मतः मुझे, श्राम् भारहाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाणार मूल्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं श्रांर जिनकी में ० 86 है, तथा जो कोलस रोड़, मिविल स्टेशन, वेंगलूर में स्थित है (श्रांर इसने उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिनस्ट्रोक्सरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक बहु विश्वास करने का कारण है कि दथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल स एसे रहयमान प्रतिफल का पद्गष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रास्त्र सं हुई किसी बाय की शाब्द, साध्य माँधियम के अधीन कर बोने के बंदरक के वायरन मां कमी करने वा समुख नुषमें मां सुनिधा के जिए; बीर/वा
- (क) ध्रेसी किसी वाय या किसी वन या जन्य वास्तिया की, जिन्हें भारतीय वायक र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः थन, उनत मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत निभिनियम की भारा 269-म की संवभारः (1) में नभीन, निम्नीनिवित व्यक्तिसों अभात् क्ष-- (1) श्रीमती हारदेवि के० बजाज,
"कुष्णा कुटारा", न० 181,
6-कास रोड़,
गाधानगर, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० सत्याराज, नं० जि० बि० जे० 376, एच० ए० एल० कालोनो, मारतहिल, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

चनत सम्पत्ति के अर्जन ज सम्बन्ध म कोई भी नाजेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की भारीत स 45 दिन जो इति धा तत्मबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाडा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहम्ताक्षरी के पार तिस्वत में किए जा सकोंगे।

स्मृष्टीकरण : ----इसमा प्रयानत शब्दों और पर्दा का, की जन्द बृषिनियम के नध्याय 20-क मी परिभाषिट ही, वहां अर्थ हारेगा का उस मध्याय मी दिया ग्या है।

अन्स्यी

(दस्तावेज सं० 2290/84 तारीख नवस्वर, 1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 86, जो कीलस रोड़, सिविल स्टेशन, बेंगलूर, में स्थित है।

> क्षार० भारद्वाजः, सक्षम प्राधिकारीः; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), यर्जन रेंज, बगलूर ।

तारीख : 16-4-1985.

मोहर 🗈

प्रकथ आक्र', टी एन एस --- ----

नामकर माधिनियम, 196। (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बगलूर बगपुर, दिनाक 15 श्रप्रैल, 1985

निदेश स० नाटिन म० 45088/84-85:--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि **धारा** 269 व के अधीन सक्षम पाधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिनकी मे 8 है। या जा रेस्ट हाउस रोड़, बैंगलूर में स्थित है (क्रीर इस्य उत्तबद्ध अनुसूर्वा में ग्रांट पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिन्द्रोकरण अभिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन नारोख 21-12-19-1

की पूर्वीक्त सम्पन्ति के एक्ति बाजार मूल्य में कम की एक्यमान लिए अर्न्तारत की गई विद्यास करने का कारण **ह**ै पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **भ**न्तरक (अन्तरको) और उन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देशया से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा की लिए बॉर/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हा भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ह्री भए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🐞 वर्धान, जिल्लालिखत व्यक्तिको, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती कें उमादेती, (2) श्रीमती कें वाणिदेवी, (3) श्रोमती डाक्टर कें ० लक्ष्मी, (4) श्रीमती कें ० स्मतो, न० 26, विकटोरिया किसेट रोड़, इगम्रार, मद्रास ।

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्स कुष्ण जन्स्ट्रक्शन्स कं०, न० 102, मारशेलस रोड़, इगमीर, मद्रास-8.

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीख से** 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि जो भी जविध वाद भा समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका षया है।

वनसूची

(दस्तावेज सं० 2864/84 तारीख 21-12-1984) सम्पत्ति है जिसका मं० 8, जो रेस्ट हाउस रोड़, बेंगलूर-1, में स्थित है।

> मार॰ भारक्षाज; यक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ध्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 15-4-1985.

मोहर ः

प्ररूप बाह् . ही. एवं न एक

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउटा 269-व (1) के मभीत स्थान

बार्क ब्रह्मा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 26 अर्प्रेल 1985 निदेश सं० नोटिस नं० 45707/84-85:—यतः मुझे, आर० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 087 ए है तथा जो कब्रि विलेज, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-12-1984.

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उपित नाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित का उपित बाजार मृल्य उसके स्थमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आम की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में स्विभा के सिए; भीर/या
- (च) एसी किसी नाम या किसी भन ना अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया वाना चाहिए था, जियाने में त्रिया औं किय;

(1) मैनर्स लेनिशिवा सलदाना मल्लिकट्टा, कदि विलेज, मंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जान सलद्याना, मल्लिकट्टा, कांद्र विलंज, मंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्द सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्थ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारी वे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1380/84 तारीख 5-12-84) सम्नति है जिनका मं० 87 ए, जो कदि विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> **भार**० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रायकर श्रायु**क्त (निरीक्षण), **ग्रर्जन रेंज, बंगलूर** ।

(1) तारीख: 26-4-1985 मोहर 🖫

क्षेतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— प्ररूप बार्ड. धी. एन. एस.------

बायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1985
निदेश मं० नोटिय नं० 45722/84-85:---यतः मुझे,
श्रार० भारद्वाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात जिया अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

गौर जिनकी मं० 43 (739) है तथा जो 37 'एफ' काम मैन
में 4, 'टी' ब्लाफ, जयानगा, बेंगलुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध
श्रनुस्ची में श्रौर प्ण स्था में विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रतिफल के लिए और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान
श्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रतिफल का पंद्रह श्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित
नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिरण में कभी करने या उसमे बचाने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा को लिए।

(1) श्री एम० रामाचन्द्रा नायडु,
नं० 739, 37 'एफ' कास,
16 मैंन, 4 'टी०' ब्लाक,
जयानगर, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी. श्रार० मोहन, 739, 37 'एफ' क्रास, 16, मैंन, 14 'टी' ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (कां) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

हमस्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त एउंदों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3739/84, ता० 17-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 43(739), जो 37 'एफ' कास, 16 मैन, 4 'टी', ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीणक्ष) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्षात् मान्य

तारीय : 18-4-1985

प्ररूप आर्द्ध दी एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन मुखन।

भारत सरकाण

कावतियः, तहासक भासकर ब्रास्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 14 मई, 1985

निर्देश सं० 45658/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

धार जिसकी सं० 174 है, तथा जो XV मेन रोड, IV टि० ब्लाह, जयानगर, बेगलूर में स्थित है (ग्रांग इस में उपाबद्ध अनुसूची ग्रांग पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन ता० 9/84

को। पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जे र सक्त नहें हैं कर के कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित का उच्चित की क्षा मूल्य, उन्मकं इक्यमान पीतफान के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा परा पतिकाल जिल्ला कि उच्च कर से उक्त मनारण निकास व बास्तिक स्था में परिचार नहीं कि स्था परा है क्ला

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वाँ दायित्व मां कमी करने वा उससे अधने के सृविधा के लिए, बार/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूजिया के निए:

कतः आज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री रामलु, नं० 174, IV, 'टि' ब्लाक, जवा-नगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती खातुनीमा,
 - (2) श्री भिराज जहमद ग्रीर
 - (3) श्री मुनीर अहमद---नं० 4, हकीम मोहम्मद, गोप लेन, एम० पी० रोड कास, कुंबारपेट, बेंगतूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उन्त संपर्तत के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी ज्यक्ति इवरा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मा चिए आ सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ८औं औं

अनुसूची

(दस्तावेज मं॰ 2607/84 दि॰ 9/84)

सम्पति हे जिल्ला मं० 174, जो XV मैंन रोड, IV 'टि' ब्लाक, जवानगर, बेंगलूर, में स्थित हैं,।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 14-5-1985

प्रस्प नाइं टी एन एम -----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के केदीन मृच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलुर

बंगलूर, दिनाक 30 अप्रैल, 1985

निर्देश स० 90% 85-86—यतः मुझे, आर० भारदाज नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिमे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर गंपरित, जिसका उण्डत वाजार मृस्व 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिमकी स० 7 है, तथा जो भरगाव में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णिएत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के जबीन दि० 29-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य म का के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्धे थह निष्वाम करने का कारण है कि गयाप्यक्त सम्पन्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके दस्यमान प्रतिफल के गांधे दस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है गाँद अनुरक्त (प्रंतरकों) और अतरिती (अन्तरितिया) के बीच गांसे अन्तरण के ि । अ याण गया नां का निष्क गांकि का गांध का निष्क गांकि गांकि निष्क गांकि गा

- (क) सम्बर्ग से हुइ किसी नाथ की बावत अपल वीपनित्रम के बंधील कर दंबे के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे अवने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों का जिस्से जिस्से ती या उनके विधि उप 195 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उराज रिशिनियम की भारा 269-व की, अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिसित व्यक्तियों कथीत ---15--96G1|85

(1) 1 श्री अनोतिया कारिया अफन्सो 2. श्रीमती अ० मारिया, कोल्या चफन्सो, निवासी बनालिस, सालाकेट गावा।

(अन्नरक)

(2) श्री लायरम्म झेरियर रंगो के०/आफ० श्रीमती जला मारिया टाइम घर म० 278 मतालिम वरना गराकेष्ट, गावा।

(अन्निरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाश्यि करता है।

उक्त सम्परित । प्रजीन के समाध मा कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचता के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन देती अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की निमील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त हम्ती हां, के भीतर पूर्विकत वर्ग एक में किसी व्यक्ति इंबारा;
- (गर) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भी रि उपन स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहरनाक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्योकरण --इमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही. वहीं अर्थ हागा, आवे उस अध्याय में दिया गया ही,

बन्स्यी

(दस्तावेज स० 2457 दि० 29-10-81) ये मपति का न० 7 और क्षेत्र 597 स्क्वेयर मीटर्स है। इसका नाम मुस्या गा उदेगो कथाडलप्यम है।

> आर० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जार रेज, बगलर

दिनाक: 30-4-1981 मोहर प्रक्रम आहें.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगल्र, दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निवेश सं० 909/85-86—यनः मुक्षे, आर० भारद्वाज आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्काम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से निधक है

श्रौर जिसकी सं० 28 है तथा जो बल्ली ताल्क सक्यम में स्थित है (श्रौर इस से उपायद्ध अन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तार 1-12-84

- को प्रविक्त सम्पन्ति के लिकत बाजार मूल्य से क्म के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (पनारकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायिला भी कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए: और/बा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्कल अधिनियम, या धन-कर जिल्हें नियम 1957 (1957 को 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, छिपान में मुविध के लिए।

अत' अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्नीलियित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- (1) श्रीनती मारिया हेलमा सेमन डी अड्राडे निवासी बोरडा, मरगाव, गोवा
 - (८) जोस पेड्रो केटनो मेल्म डी० अड्राडे निवासी बोण्डा कोर्ट, मक्गाव, गोवा।

Services alteres to the control of the service of the control of t

(अन्तरक)

- (2) श्री शंनाराम श्रीपाद प्रभु दुराई (2) दत्ताराम नारयन सेट नारतेकर (3) डामियो डीगो डीकास्टा (4) अग्नेला गस्पीर पीरेश (5) श्रीकान्त सोनी भंडारी (6) अनेल सीवराम चीप्लुमकर (7) तुलसीदास शिवाजी नायक (8) सूर्य महादेव वेलीय
 - (9) श्रीमती लक्ष्मीबाई वी० केलुस्कर (10) (10) चंद्रकान्त एन भंडारी (11) बाबूराव गावकर सब बारदेज सक्युम गोवा में है। (अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीज में 30 दिन की बविध, जो भी अविध शह में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अस्स्थर

(दस्तावेंज सं० 227 दि० 1-12-1984) यहां संपत्ति का नाम "बराजोयेंम मााला" भाया भार-जाम है इसका स्रोत 206,725 स्केर मोहरम है। श्रौर बट्टी ग्राम पंचायन में है।

> आर० भारद्वाज तहायक आगत्तर आयुक्त (निरीक्षण) महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 30-4-1985

मोहरः

प्रक्रम आहें. शी. एवं. एस. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के अधीन स्थाना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर बावुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 910/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 8 है, तथा जो अफटो पार्वारीम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ना अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दि॰ 20-11-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके अवव्यान परिकल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का व्याप्य के किया में अंगिरित की किया परे अंगिरित के विश्वास के किया परे के विश्वास परे अंगिरित के विश्वास परे अन्तरिक के विश्वास परे परे के विश्वास के विश्वास के विश्वास में बास्तिक के विश्वास में बास्तिक के किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स बीधनियम के सभीन कर दोने के बंसरक के वायित्य में क्यी कड़ने या उससे अपने में सुनिधा स्व सिए; बॉर/श
- (क) एसी किसी आय मा किसी भन या जन्य मास्तिमों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ कंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीन, निम्निलिसित क्यिनियमें, स्थारि:---- (1) श्री पी० बीवंग्ररू मेले कर्टडो अलसी कहते पी० बीवेग्रुर डीमगेस मेली कर्टडो निवासी फीलेखो बर्डेल, गोवा।

(अन्सर्पक)

(2) मिस वर्षा भीरजमल रजनी, निवासी द्यार न० 291, वार्ड नं० 13, मीना मार, पणजी, गोवा (अन्तरिती)

को नह स्वना नाडी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यग्रिक्षों करता हो।

जनस सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की बनिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्वधि, को भी बनिष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से सिन्सी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा नकींगे।

स्मध्दीक्षरक :----इसमं प्रयुक्त कन्दों कौर पदों का, को जन्द विभिन्नियम, को जन्माय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ष शोगा को उन मध्याय में दिया क्या है।

नमसंबंध

(दस्तावेज सं० 914 ता० 20-11-84)

यह संपत्ति 450 स्ववेयर मीटर्स है। इसको "इक्टम सरगुल कहते हैं। श्रीर अस्टो पारवारीम ग्राम पंचायत रेतृ भगोम तालुक बर्डेंज गोबा में प्लाट नं० 8 में स्थित है।

> आरं० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, त्रीगलुर।

विनोपा: 30-4-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेज, बगलुर

बगलूर, दिनाक 30 अप्रैल 1985

निवेश म० 911/85-86—यन मुझे, आए० भारह ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास कर्म का कारण है कि स्थावर समास्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 8 वी० ते तथा जा पणजी के क्यित है (श्रीर इस मे उपावद्ध अनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण १५ से विणित ते), रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 ता 16) व अधान वि० 20-11-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य न कम क दश्यक्षान प्रतिफल के लिए जन रिन की गई है और मूम्स यह विश्वाम तरन का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सपत्ति ११ उचित जाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त स, रिन दश्यमान प्रतिफल के परद्रह प्रतिशत स र्वि और अतरिक्ती (अतरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उपत अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हों भारतीय आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

अत अब, उत्त अधिनियम को भाग 26/2-प के, शनस्या में, में अवन अधिनियम की भाग 260 प ो 1 गाम (1) के अधीन निम्निखिन व्यक्तिया, अर्थान् ---

- (1) ६० अलुमनेक्स पार्टनर मुरेश अनत कामत, 201/202, कामाक्क्षा निवास पणजी, गावा। (अन्तरक)
- (2) फिनिया वेमेच प्रा० लि० ६-बी० अन्सा रण्डस्ट्रीयल इस्टेट मुरती । यहार राइ, सखी नाका, अधेरी (ईस्ट), बम्बई (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सबना के राजपत्र में प्रकाद न की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याप 20-क मे परिभाषित है, वहां जर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मर 910 दिरु 20-11-84)
थे सम्पत्ति उण्डिस्ट्रिया राइ है। इसका क्षेतफल क्षेत 210 स्त्वेयर मीटर्स है। यह सम्पत्ति प्लाट नरु 8 बीरु में स्थित है।

> आर० भारद्वाज _{१०}मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, **ब**गल्र

10 4-1985

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस. -----

नाथकर निधितियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासम, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलर दिनाक 30 अप्रैल 1985

और जिसकी मं० 15 है, तथा नो इंडरट्रीयल इस्टेट में स्थित है (और इस मे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीशरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांट 19 सवस्वर 1984

को पूर्वोवल सम्मत्ति के उचित बागार मृज्य में काम के श्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत सम्मत्ति का उचित बाजार मृज्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल य. एम स्वयमान अपन्यत्र ना पन्यह प्रतिकत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के शोज एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-कम निम्निकिथित उद्देश्य में उक्त अंतरण जिथित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोरे के जंसरक को शायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा को लिए: और/बा
- (थ) होती किसी जान ना किसी धन या जन्म आस्तिना को, जिन्हों भारतीय आयकार निधितियम, 1422 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा से किए:

अतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की, अतुमरण में, मी उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित अधिकतकों, नर्भात् :---

 मिनर्स मु० पीक, पार्ठनर, उपा मुरेण कामत, 201/202, शामाक्सी नीवास, पंणजी गाँवा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फीलीप वेह मेय प्रा०लि०, 6-बी, श्रन्सा इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सकी विहार रोड, अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई ।

(ग्रन्नरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बबत सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप क्रिक्ट

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् स्थाना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाकित्यः :---इसमें प्रमुक्त शक्दों और पद्यों का, वा अवस विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनच की

(दस्तावेज मं० 909 तारीख 19-11-84)---यह मंपती आंद्योगिक शेष्ठ हैं। इसण क्षेत्रफल 672 मी० इमका प्लाट न० 15।

> ग्रारः भारहाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30 · 4- 1985

प्रकार आहे.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत वस्कार

कार्यासय, सहायक भावकर भावकत (विरीक्षक)

धर्जन रेज, बगलूर

बगल्र दिनाक 30 अप्रैल 1985

निर्देश म० 913/85-86 श्वन मुझे, प्रार० भारहाज भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक हैं।

और जिसकी में 8 में है, त्या जो इंड्ड्रीय । इस्टेंट नामा से स्थित है (और इन्से उपाबड़ अनुसूची से और पूर्ण क्य में वर्णित है), रिजिस्ट्री रण प्रधिनियम 1908(1908 पा 16) के अधीन नारीख 21 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफी यह विश्वात करने का कारण हैं कि यभायुवाक्त संपत्ति का उजित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल स, ऐस स्थयमान प्रतिफल का वंशह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्निशित उद्वर्ष से उक्त कन्तरण भिष्ठित में याख-विक क्य से कथित नहीं जिया क्या है है—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाग की बाबत उन्तर अधि-पित्रह में क्षीण कह दोने के कन्तरक के शामित्य में क्सी क्षाचे या उच्चे स्थने में सुविवा के किए; माद्र/या
- (क) प्रेसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धन कर बाधिनियम, वा धन कर वाधिनियम, वा धन वा

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त मिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्यक्तियों, अधीत के

(1) में भं प्रीतुल, 201/202, यमावसी निवास, पणजी गेंबा ।

(ग्रन्तर्कः)

(2) मेह जासेफ इर्जानियरिंग वर्कम, 260/21.22, माने गुरूजी राष्ट, कम्तुरबा दवाखाने क भामने, जाकाब सर्कल अम्बर्ध।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीनर पूबाबद व्यक्तियों हों से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इस स्वता के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर संपरित मो हित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे ।

स्वक्धिकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, बो अक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, अं। उस अध्याय में दिमा गया है।

मन्भूषी

(दस्तावेज स० 911, दिनाय 21-11-84)--यह सपत्ती, औद्योगिक शेड हैं। इसका स्नात 165 मीटरहै । और इसका नाम कोरनीम औद्योगिक इस्टेट है।

> स्रार० भारहाज नक्षम प्राधिकारी भहायक स्राधकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, बगलुर

नारोप : 30 -4-1985

मोहर 😉

Jan . To St. St. St. Commencement

भाषकर ऑपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनां ह 30 अप्रैल 1985

निदेग मं० 91 4/85-86----ग्रंत मुझे, आरं भारहाज वाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिल्ली गं० 5 है, तथा ने मरगांव से जिल्ली हैं (और इस में उपावड प्रमुख्वी से और पूर्ण कृप से विणत हैं), रिजन्द्री रूण रिजिन्द्रिय 1908(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12 दि स्वर 1984

कां पूर्वेक्सि सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई और मुफो यह विश्वास करने का अराज है कि यथा-पूर्वेक्ति सम्पर्ति का जीचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रति-फाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कर्यित नहीं पाया गया है

- (क) जन्तरण सं हुई किसी अप्य की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में नर्पन्नभा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए एक्स अधिनियम, य. अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था, स्थित में सुविधा

अत., अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री असुत्भा तेथे दूरमीथा मरफीनं फर्नीडीस या एउटी ज्या कि फर्नीडी : 2 थोंनती अफीकोनीक युरीइयको फनीडीस, के/ग्राफ येश्वातस्ठीक नेयेरेल्लों, वे म जीस्ता, मरमांत्र ।

(भ्रन्तरकः)

(2) मेसर्ग रमेण ामत और ग्रासोमियेटम, पी० सीरगावकर रोड, पणजी, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में निरुष् जा सकती।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त ब्रीधिवक्त, के अध्याय 20-क में प्रिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा क्वा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2558 नारीख 12-11-1984)---ओ संपत्ती मरगांव मे11 मायफोर ग्रपार्टमेंट ब्लोक नं० ए" सें हैं। इसका क्षेत्रफल 60.35 स्केर मीटर्स है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 30 ·4- 19**85** मोहर: प्ररूप आंद्र. टी. एन. एस. ------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 915/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारहाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो देवका से स्थित है (और इसमें उपाबड़ अन्सूची सें और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 7 नवस्बर 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जींध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य असित्यों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

(1) श्री केरम फाली पालीमा, त्रिणूल, माने रोड, वोबे-400 050।

(ऋन्तर्क)

(2) श्री दीनराव भहापुर ओंजवी. 301, श्रालंदकर वंगली, तीनरा फ्लोर, वनराम स्ट्रीट ग्रयंह रोड़, स्वींबें 400 007।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के रांबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1187, दिनाक 7 नवम्बर 1984--जो संपत्ती देवका ग्राम जील दयल में हैं। इसका क्षेत्रफल 4300 स्केर मीटर्म हैं।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)े स्रजैन रेंज, बंगलर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीख : 30~ 4~ 1985 •

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. इस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) क ब्धीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

स्रजेन रेज, बगल्र

वंगलर, दिनाक 6 मई 1985

निर्देश स० 919/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसके पश्चास् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भार 269-269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी स्व 161/177 है, तथा जो मरेसागर धौर कपबीत गड़दे गाव सार-शिष्ट तालुक में स्थित है (स्रीर धर्म जाबद प्रनुम्ची में स्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 10-9-1984

का पूर्नाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दरप्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उनके दरयमान पतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रभिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के नीथ एमें अन्तरफ के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिजक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आम की बाबत उक्त बीध-निमम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों केंग्न, बिन्हों भारतीय आयक्तर कींभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

भतः नथा, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों गर्थात् :---

- (1) श्री एच० जी० मजुमताथ सेटी बाप एच० वी. गीविस्टराजा सेटी
- (2) मास्टर जी ज्यम असने जिकुमार बाप एच० जी अ मजुनाथ सेटी स्कलेकपुर-578134 (ऋतरफ)
- (3) श्रोमिती एव० अलंगमें पती पी० एस० एत० नागप्पण प्रयावरप -622506 पुडूकोट तमीलनाडू राज्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति में मर्जन के सबध में कोड़ों भी आक्षंप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भी सुभना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ब्रुध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 कि में परिवाधित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची (दस्ताविज सं० 541 ना 10-9-85) काफी जगह नीचे लिखा हुआ ग्राम में है।

યાતમાં નામારું લાગ કરવા છુટા પ્રસ્તા તે કરે			
ग्राम 	मर्वे न०	एकर्स	गृहे
		एम्रा एन	खगब
_ — — — मतीसगरा	$\frac{161}{1}$	15.20	3.12
कवशीगडे	77	, 5, 29	
	78	2.27	0 09
	7 ६/पी ०	8.19	
	8 ।∫पीं ०	0.15	
	वही	5.01	
		आर	भारद्वाज)
		मक्षे म	। प्राधिकारो
	महाय ३	त्र स्रायक्त र स्रायुक्त	निरीक्षण)
		ग्रर्भन	^{र रेज-बंगल्} र

नारीख 6-5-1985

गोहर ह

16--96 GI/85

प्रकल बाह्", टी., एस. एस. - - - ----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

HIST STATE

कार्यालय, श्रहायक कायकर वाय्यत (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, बंगलूर वगल्र, दिनाक 6 मई 1985

निर्देण सं० 918/85-86--- यतः मुझे, श्रार० भारहाज, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो, की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1.00,000/- रुट. से अधिक है

श्रीर और जिसकी मं०3978 3979, 3980, 3967 श्रोर, 3967 श्र है, तथा जो मंकेण्वर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से पणित है) रिजन्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 हो 16) के प्रभात 25-9-1984

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित सामार मृल्य सं कम के दृष्याम प्रितफल के निए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि य अप्रोचन सर्पात्त का उचित राजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छ भितिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस मन्तरण के निए तय याया गया प्रतिफल, निम्निनिसत उद्दृष्टण में उनत अन्तरण जिसित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायिक में कभी कड़ने या उससे बचने में स्विधा की लिए; अरि/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती इवारा पक्त नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में श्रीवित्तं के किया

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात क्रे--

- (1) श्री गजानन गोवीन्द श्रंकालीकर रे०/श्राफ सांगली (श्रन्तरक)
- (1) श्री वाबुराव राभराव मुबेदार ये सब सेकेश्वर
- (2) वसतराव वाबुराव सुबेदार में है। तालूक हुक्केरी
- (3) निरंजन बाब्राव मुबेदार,
- (4) प्रभुवसतराव बाबूराव सूबेदार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करला हूं।

एक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाषांप E-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान से राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमुची

(दस्तावेज सं० 847 ता० 26-9-84)

बीन शेनकी जमीन संकेश्वर तालूक हुक्केरी में है। इसका सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 3978, 3979, 3980, 3967 और 3967/भ्र है और इनका क्षेत्र 50.17, 35.12 57.23 980 67, 6769.32 स्केसर मीटर्स है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायरक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेन्ज, बंगसूर

नारीख: 6-5-1985

मोद्दर 🔏

प्रस्प बार्षः टीः, एतः एसः,-----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्कृता

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बगलूर

बगलूर दिनाक o सई 1985

निर्देश स० 920/85-86—यत. मुझे आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक हैं

प्रीत जिसका मर 160/2 76 पीर तथा जा भट्टे सागर गाँग कर्वान गद्दे ग्राम तमवा हो जली सक्षेत्रेणपुर तालुक म स्थित ह (ग्रीर इस स उपावह अनुस्चा में ग्रीर पूर्ण रूप है विणित ह), रिजस्ट्रीनरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) व प्रधीन तार 9-84

का पूनाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्वास गरन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिक्षत म अधिक है और अतरक (अतरकों) और जत-रिली (अतिरात्या) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिश्वित उद्देश्य स उक्त अतरण लिश्वित में बान्तिक रूप स काथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ने हुए किसी गाय की बाबत, अक्ट गणित्यम के गणीन कर योगे के अन्तर्क के गणित्य में कभी कर्ने या उद्यंत वस्ते में शुक्ति। में शिष्: मुक्ति/या
- (क) एसी किसी भाष वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिय था, जिपान यो स्विधा के सिए,

बत्ध अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीलिशित व्यक्तियों, अथाति :---

- (1) एच० जो० नागराज भेट्टो बाप एच० त्री० गोजिन्दराज मंद्री
- (2) एव० एन० कीरण बाप
- (3) माहरूर एच० एन० कोरन बाप एच० व गाधिन्दराज सेट्टा अब सकलेशपुर में रहते हैं। (अन्तरक)
- (2) भी पा० एव० एम० नागप्पा बाब एम० ए० एम० पलनोबण्पा बट्यायार,

रे आफ रायावरम-622006, पुडुकोटई जिला तमिलनाडू

(अन्तरिती)

का यह भूचना ज रा करके पूर्वांशन संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

सन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) श्रस स्थाना के राजपण में प्रकाणन की ताराक स 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील स 30 दिन की बवाध, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्याप्त;
- (क) इस सूचना के राजपक मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकती।

पच्छीकरणः प्रमा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उनस विधित्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

दम्तावेज सः 510 ताल मित्रवर 1984 काफी जगह नीच लाखा हुम्रा प्राप्त में है।

4	
महें सागर ग्राम	एकर्स गुठा
गर्वे स०	
160/2	337
161/2	16-20
1.62/2	212
170/2	0 15
क्रव्वालगद्दे ग्राम	
७ ह∕पी	(7 0 0
81/पी	500

थार० भाग्हाज सक्षम प्राधिकारा महायक आयक्षर जायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, बगलूर

भारतियः ७-*३*-१५८५

महिर्द 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । १९८७ का भारती के वहींने मुजना

सारव वरकार

कायाजय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बगलूर

बगल्र, दिनाक 6 मई 1985

निदेश सु 921/85-86--या मुझे प्रारं भारताज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म तो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्त्रास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचिन बाबार मूल्य 1,00,000/- रह, से अधिक है

ग्रीर जिल्हों में 1819 हे, तथा जो भद्राविदी में स्थित है (ग्रार इस्से उद्यादह ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण घर से विणित हो), रिजरशेक म ग्रिबिनियम 1908 (1908 की 16) के ग्रिबीन तारीख 13-9-1984

की प्वेंक्ति मध्यति के उचित भाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसकी स्थमान प्रतिभाव म, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्मीलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण में विकित वास्त्रीवक हम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण यां हुइं किशी बाय की बायट उथस अधिनियब के स्थीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने वा उससे क्याने में मृतिभा क लिए; तोर/या
- (क) एंगो किसी बाव या किसी भन था अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आम-कर बांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाओं अन्यानिती द्वारा प्रयाद नहीं देवचा गया था भा जिया। अन्य चाहिए था, खिमान में मृद्धिय के लिए;

जतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-न क अनुमरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) भी अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों अधीन क्ष्या (1) मार्गतराव कदम था। मराजो कदम हारामने राह, भेन राह का धा। भद्रावना,

(अन्तरक)

(2) थी नारायनराव बाद आर० प्रनतराव मृतनगृङी मारावणे भद्रावता ।

(प्रन्तरिया)

को यह सृष्यता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध स कार्ड आक्षा --

- (क) इस सूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीका में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद मा समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्विक्त ब्यक्तियों मों में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख वे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मिति में निस्वकृष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में लिए जा सकीगे।

स्थानिकरणः --- इसमी प्रयुक्त काव्यी और पदा का, जो उक्त बीधिनियम को अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को सस कथ्याय मी दिया पया है।

मनुस्ची

(दस्तावेज स० 1394 ता० 13-9-1984 ए० श्रार सी० मी० वगली भद्रावती मध्र में साइट २० 4 में हैं। इपका श्रीत (8-40 है।

> सारः भारहाज गतारा पाति । सा सहायक सामकर शापुरत (तिराध्यक) सर्वत रस्या, व्यक्तर

तारीस . 655 1945 **सांहर** … पुरुष साक्ष्रं टी. इर एस ------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, महायक वायकार वागुक्त (निरीक्षण)

য়াৰ্টৰ *বা*ন্তিত

वगाण, दिनाक । मह 1985

निरापि० १८४/४३-८५—प्रत मल ग्रार० भारताज भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), को धारा 209 स बा अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाप सम्मासि, जिसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा स अधिक हो

पार जिलका ए ० २०६० २८ १ है. तथा का तरी एर मार्ग भनर (सार अल्या अस्यात सन्यात में कार को पूर्ण क्यांसे अस्यात र) र्राजन्या हर्ना अधिकारी है काथालय, हराहर में रजिस्सीकरण

शिवित्यम, 1908 (1908 शा 10) ग्रेंग्रेन दिनाक 5-9-81 का ग्रिक्त संपत्ति के गित्र के शिव्यमान प्रतिकत के शिव्यमान करने का कारण है कि यथापुर्वाकत सम्पत्ति का जित्र वाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकत के शिव्यमान प्रतिकत का कारण है कि यथापुर्वाकत सम्पत्ति का जित्र वाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकत का प्रतिकत का

- (व अन्तरण स हुई किसी आय को बाबता, उक्त अधिनियंश के कपीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने के उससे क्याने में सुविधा क निष्, और/मा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धनकर लिधिनियम या धनकर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए;

क ० व ० नारयन स्वामी पिता श्री वेज्यनस्मीमाथा
 त व विजन-782 ह्रीहर।

(अन्तरक)

अस्ति एक नियमि जनसम्बद्धाः, एसक एक हरीहर।

(यन्त्रीरन्।)

को पह सूचना जारी करके प्वांतन सम्परित के अर्जन के दिवस कार्यगाहिया शृक्ष करता हा।

उक्त मम्पत्ति क कर्जन के सम्बन्ध म कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस अच्या को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की त्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किभी व्यक्ति दशा।
- (क्ष) इस प्षना के राजपत्र मा प्रकाशन को लारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थार जम्मिक पा तिमालस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहरूतानरी के पास लिखित मा किए जा सर्वामा

स्पष्ठोकरण - इसमा प्रयुक्त शब्दा और पर्दा का, जा उक्त मीधीनयम, के अध्याय 20-क में भीरभाषित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया

अन्सूची

(इस्तावज स० 1166, दिनाक 5-9-1984) ए० प्राप्त मी० मी०विगता त० 1 इसहाक्षेत्र o 25' (40' क-डीतिजन हरीहर में है।

> श्रार० भारदाज, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर पाष्ट्रक्त (निरीक्षण) विक्त रेज, वंगलर

अत अह, जबत बाधानयम की धारा 269-म की अनुसरण म, म, नक बाधानयम की धारा 269-म की उपभाग (1) ह स्थोन, निक्तीनीक्षण न्यांबिलका, अधीत ---

িন্য ৮-5-1985

प्ररूप बाइ². टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालव, महायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्तन रोज, वगान्र बेगलूर, दिनाक ७ मई, 1985

निदेश म० 923/85-86---अन मुझे आए० नाय्हाज, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह सं अधिक हैं। श्रीर जिसकी मु० 122/8 टी है, तथा जो हुबली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपायह सनम्बो में और जा पूर्ण हल में विणित है) रिजस्द्रीकर्ता अग्रिकारी के कार्यालय, तुवना में रिजरईकारण भ्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन दिना 113-9-84 का प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के उत्यमान प्रीटफल क्ते िलाग् अन्तरित गष्ट्र करने का यह विश्वास है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसं इष्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिकात में अधिक है और अनरक (अतरकों) और अतरिती (अत-रितियों) के बीच एसे अहरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नर्लिसित उत्दर्भ सं उयत अतरण निश्चित मं वास्तिविक रूप संकिथन नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अं लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 को 27ो के पंयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया था या विचा जाना चाहिए ता, लियान मा सुनिना औं निष्।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री एन० मी० सटबटे,
 मदारगन्त्रो, हुश्रला।

(भ्रन्तरक)

🚅 (1) श्रीमती प्रमाताबी

(2) बाबा जान पनि, अञ्चल खादर, (अन्तरिती) निवास ताडपत्री गाल्ली, हुबली।

का यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन क निए व र्वनाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫 🗕

- (क) श्व स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि नाद में ममाप्त हाती हो, क भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में म किमी त्यांवित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारीख स' 45 किन के नीता उने तिसीचर सम्भात्त में दिनावद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 'स्टिंग के पास नामागा

स्भव्दोकरण'---न्यम प्रयुक्त शब्दी और पदा का, आ उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस औ

(दम्नावज म० 1893, दिनास 1.3-9-1984)

यह सम्पत्ति काटन मारकेट, उबला, मी० टी० एग० न० 1.22/8ए, मे है, । इमका क्षेत्र फल, 4300 वर्ग फुट 100° 20 रेट भी है।

श्रा**र० नारद्वाज** गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्राय<mark>क्त (</mark>निराक्षण) श्रजन **रेज,** तमल्र

दिनाक 6-5-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यजेंन रेज, बेगल्?

बेंगलूर, दिनाक 6 मई, 1985

निर्वेण सं० 924/85-86—-शतः मं से श्रारं भारहाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 37/7है, तथा जो बलेगाव, पण जी गोवा, में स्थित है (और इसमे उपायद्ध सनुमृची में और जो पूर्ण रूप में विगत है) रिजम्ड्री कर्त स्थिकारी के कार्यालय, इलास में रिजम्ड्री करण स्थितियम, 1903 (1908 का 16) के स्रधीत दिनांक 11-9-1984

को प्रेंचिन संपित्त के उचिन बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रितिष्ट के लिए अंतरित की गई है और मृन्ते यह विश्वास करने का कारण है नि यथापनींकन सम्पित्त का उचिन बाजार गृह्य, उसके दृश्यमान प्रितिष्ट से एसे दृश्यमान प्रितिष्ट के अंतर अन्तरकों। और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रिप्त, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में सम्तिक हुए में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १०२५ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृतिया के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- 1 श्रोमती फर्नालस्टीका फर्नाल्डीन डी डाईस पती, लैंड जाग ग्रेगिलीयना डाईस
- उ कु जिल्लामा, कान्यारीया जिल्लामा बाईस ए० सी० वाईन जिला स्वर्गीय नोस ग्रोरिसियाणा डाईस जो०पी० ए० होल्डर जाक्वीय ग्रठेताया, क्ज रीठा पीनामीता डाउसया जोक्तीम बाईस, ।
- उ श्रीज्यक्विम अठोनीया, कुज रीठा, फोलीमीना, डाईग अलियारण, जयक्विम डाईस पिता स्व० जास ग्रोरिलिनो डाईस । आर० ग्रो० नेलगाव, इलाण गोवा ।

(म्रन्तरकमे

2 मैंसर्स राम राज इटरप्राइसेस, दत्रा निवास कोम्बा, मरमाब, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के नम्बाध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिया में से पि.सी याकित द्वारा,
- (स) इस न्वना के राजपत्र म प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए जा सकेंग।

स्थाध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा भी जम अध्याय को दिया गया हो।

समस्य स्थि

(दम्तावेज, सं० 748, दिनांक 11-9-1984) खुना जगह तने गांव गोवा में है। इमका क्षेत्र फल 3494 मी० मी०, भीर मर्वे नं० 37/7 है

> श्रार० भारद्वाज सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

दिन (क 6-5-1985 **मोहर** 8 प्ररूप बाहु .टां .एन .एस . -----

र (पितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

क्यांलय, नहायक आपकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बगलूर

बेगलुर, दिनांक 6 मई, 1985

निदश मं० 925/85-86—— त्रतः मुझे त्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उपत अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

सीर जिनकी सं १ 4842/ए हैं, तथा जी वैत्रगाय में रिधन है (स्रो उपने उपाउड सन्नूचा में सार जी प्रे मण से बीजन है) रिजिन्हों किये। स्रियान कार्यालय, बेलगाम में रिजिन्होत्तरण स्रियितम्म, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन दिनाल 1-10-1981

को नृथिनित संपत्ति का उचित बाजार मृन्य में वास के द्रश्यमान प्रतिफान के निए अन्तरित की गई है और सके वह विश्वास करने का कारण है कि यथाएयोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफान से एसे द्रश्यमान प्रतिफान के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नीनिस्त उद्देश से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त्रीक रूप से किसत नहीं किया गया है:

- (क) जन्तरण से हुई जिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कत्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नेत अधिनियम, या धनजर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमाननार्थ जन्तरियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में के निए:

अतः अब, उथत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्रोनिशियत राव, हनुमन राव, देशपडि, निवासी सी- , एस० ई० ए, नई दिल्ली। (अन्तरफ)
- यातिक चन्द्र धनराज गांड्या, (ए० ग्० एक०) मा० टी० एम० न० 4821/ए, एदाणिवनगर, बेलगांज ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वचा जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए अर्जनाहिया करता हूं।

उनत संयत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की जबिंध या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविभा, को भी सजिध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इशार,
- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीस ।

 AS दिन के मीतर प्रवत स्थावर सम्मत्ति मा हिराबद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहन्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए का सकरी।

स्पष्टीकारणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्स अधिनियम, के अध्याय १० के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहें ता, जा त्या श्रुपाय में दिशा गुरु। हैं.

मन्स ची

(दम्नावेश मं० 2452 दिनाक 1-10-1984) खुला जगह सदाशिव नगर वेलगाप, में भी०टी० एम० नं० 4842/ए, में है। इसका भैंब फा 1000 वर्ग गलहै। और इसका आर० एम० नं० 1375/1, अ+1 वी/1आ ह।

> यारः भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्राप्युवन (निराक्षण) सर्वन रेज विगलर

दितांक 6-5-1985 मोहर Mile of The State of the State

आयकर राजितियम, १८०१ (1301 का 43) की राज्यसम्बद्धाः

Make Marke

कायालय, महायक । ए अञ्चल (निरीक्षण) चानर १ अगार

बगन । इनार / सर्वे 1985

निदंग स 924/85-५ - गा धा मार० मारवाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 19 (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त भीपनियम' क्ला गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शोधक । मारा ये, विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सक्षींत । असका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा में अधिक है

श्रीर जिस्का में १०००० ने त्रा ना प्रांगास म रियत है (यार इसमें उपायन श्रनम्ता स्या। ए ग्ला ने ति । है) रिस्था रण श्रीधितियम १९०८ (१९०८ ता १०) ए प्रांग तारण्य २०-९-८४ की पूर्वाक्त सम्पोत्त ने विस्त कालार सन्य ने क्य के क्रयमान परिफल के लिंग अन्तरित गढ़ है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है है। रागर्य । राग्त का प्रिक्त ग्रांगण सन्य समझे स्रामान प्रतिच । राग्त द्वारा प्रतिक्त का पेंद्रह पनिचान से अधिक ही आर कार्य । राग्त त्य प्रांगण का स्वीधिक ही आर कार्य । राग्त त्य प्रांगण का स्वीधिक ही आर कार्य । राग्त त्य प्रांगण प्रतिक्त का सम्बन्धित उद्ध राम । राज्य प्रांगण का सम्बन्धित उद्ध राम । राज्य प्रांगण की विक राग्त रही। राग्त प्रांगण की

- क) अन्तरण संद्रद्वी विभी श्राय सा बाबत उक्का अर्थिनिया । यथीन वर द्वा / प्राप्तत के दायि । से कमा करा गणाला प्राप्त का स्वीतिधा के भी और रे प्राप्त
- (का) तमा तकमी आर या किया घा अन्य आफिनयाँ का, किन अन्तीर का रन अविधिक्ष १००० (1922 का 14 नेवा निर्माणका स्प रन । ।।। के १७ रन ।। ।। किन का क

(1) वसन गरेश मृतरेकर 1505 स⁻ना गना रक्षाम ।

(अन्-ार्ट्र)

 (2) 1 सनाटर गगरा था रान्तिसार
 ३ स्रा स्थार्थन कार्यक्र
 ३ स्या स्थार्थन कार्यक्रार
 ३ स्था स्थार्थन कार्यक्रार
 ३ स्था १४०४ सम्बीग्र्बीड स्थी व्याप्त ।

(भ्रन्तरिती)

क्षां कर् शृज्याः कारी करके पृथां कर सम्परित के अर्जन के विध् कार्यवाद्विया करता है।

तकरत सम्पाल का अर्थन ज सम्बन्ध मा काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तुष्ता के राष्यत्र में प्रकाशन की पारीय वे 45 दिन की जनिथ या संस्थानी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिक बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांति,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख है 45 दिन है भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित स्थाय किसी अ य यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरा है पास सिखित में किए वा सकेंगे।

स्मण्डोक्सरण ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हाना, जा उस अध्याय में दिया गया ही।

यपुग्ची

(द्यावज म० 2361 तारीब 26-9-1984) ।

ये सम्पत्ति मानतो गसो बतागाम सी०टी०एस० न० 1505अ स्टैं। उन्हें बन्धा का क्षेत्र 961 - 13 क्षेत्र मीटर्स है।

> ग्रार० भारहाज गनम प्राधिकारी १९५४ पायकर ॥पुरत (निरीक्षण) श्राप्त ज बगलूर

अति वाब, उस्त नीधितिक भी धारा १००-५ हे अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम ते १ । १८,५ ४ हे उपधात (१) १ हामी- । रिश्व का ११ वास करें 17-96Gl

तारीख 7- ५-1985 महर

श्रक्ष बार्ष टी एन. एस -----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनाक 7 मई 1985

निदेश सं० 927/85-86—श्रतः मुझे, श्रारः भारद्वाज, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीए जिसकी सं ० 17/1+2+3 है, तथा जो जमखंडी में स्थित है, (शौर इससे उपाबढ़ अनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री- । प्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 19-11-84,

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान ।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापयंक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल, में ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उद्देश्य से अक्त अंतरण लिक्ति के बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किती आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिनियो विवास प्रकट नेहीं किया गया या विवास करते की सिया क्या के लिए।

(1) श्री लक्ष्मण मालप्या नाडक, बडीगनी ग्राम, नालुक जमखंडी, जिला—बीजापुर।

(ग्रनारक)

(2) श्री सदासीव दरणा श्रमफी,
2 फाडणा दरेणा श्रमकी,
जगदल ग्राम, तानुक जमखंडी
जिला—बीजापुर।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

(दस्ताबेज सं० 1765 नारीख 19-11-84)। खोनकी जमीनभंडीगणीग्राम में है। इसका मर्बेनं० 17/ 1-1-2+3 श्रीर क्षेत्र 29 एकमें श्रीर रक्षवा 12 ग्टा है।

> श्राण्य भारद्वाज संसम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरंज, बगलर

मत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) मों अधीर निम्नलिखिन, व्यक्तियों, अर्थात ----

नारी**ख**: 7-5-1985

मोहर -

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 7 मई 1985

निदेश म० 929/85-86—श्रातः मुझे, श्राप्य भागद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 84 है, तथा जो दारवाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्णस्य में विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख सितम्बर 84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गर्द है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात में अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरिश्यां) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया शितफल, निम्नलिसित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी अप्ते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रीमित नीलब्बा पति
 बासपा श्रेडगनवर,
 2. देसत्व पति
 वन्वसप्पा ग्रेडगन्तवर अलियास
 सृथागट्टी,
 आर० ओ० मनस्र।

(प्रन्तरक)

(2) श्री शकरगौडा राचनगौडा चपनागीदरा,
2. दोडाबसप्पा करीयप्पा गृहप्पानवर
3 कोट्रप्पा वीरभद्रप्पा पल्लेद
श्रार० औ० कलबुर्गा चाल
गब जेल रोइ,
दारबाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सर्म्यात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्तावंज स० 939 तारीख सितम्बर, 84)। खेतकी जमीन दारवाड सरहद मे हैं। इसका सर्वे न० 84, श्रीर क्षेत्र 15 एकर्स 27 गुटा है। इनकी 5 एकर्स 11 गुडा पीके जमीन मीला हुश्रा है।

> श्रार० भारताज सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज, बगलर

নাৰ্শ্বভি 7- E-1985

प्ररूप आई टी एन एस,-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्त अध्यक्त (निरोक्षण) अजन रेज बगलर

बगलर, दिनाक 7 मह 191

निदेश म० 930/85-९१——श्रित मझ आर् भार ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें .सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन मक्षम पापिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्चीर जिसकी स० 6655/1 है तथा जा बेटमेरी गदम म स्थित है (श्वीर इससे उपाबद्ध अनम्चा भ आर गुण कर संवर्णित है) रिजिस्ट्रीकरण अविनियम 1908 (1908 श 16) यथान नारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आर ममें यह विश्वाम करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं आंग अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्वाश्य स उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से किथत मही किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण मं हुई िकसी आय की बाउत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व मं कमी करन या उससंबचने मा गाविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृविधा के निए,

जत जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जपीन, निम्निरिशन द्योगिता, उर्जन (1) म पार्ट, पुरानेत्य सहासण्य नास्वी.

If पार्टा, श्रोपीत का ता पति सद्भार III. पार्टी,

श्रीपति वाराद्या पान

मिल्स हुन गासन्ताः

इक्टरमा नानाः । १९८४नेटना

सार्टा भानेट गास्ताः

(श्रन्तरक्)

(2) श्रा प्राप्ताच समप्या स्मण्ड्डा, करुसार गा शह बटमेरी मदगा

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारों करतं ध्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काइ भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना कं राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्व किया अन्य त्यालन द्यारा, अधाहस्नाक्षरी के पास लिसित मा किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः इमभ प्रमुक्त शब्दा और पर्दा का, जो उक्त किंगिमा, ६ अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अथ हागा, जा उस अध्याण म दिया गमा है।

जन्मकी

्दिनाका स्व 1191 (१९६ 29-१९४) । ख्रार्नाकार नेर्नेस भ्राप्त १ इत्रांन 6655/4 आर क्षेत्र 810 र्हर मार्टात ।

> ग्राट० नारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रज, वगलर

नाराख ^२०१५४३ महर्

बस्प बाइ².टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अगल्

बगलर, दिनाक 7 मई 1985

निदण स० 931/85-86—अत मुझ, स्राप्त भाग्द्वाज, अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अग्रण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिनको स० 6655/ 5वीं ० है तथा जा बेटगेरी-गदग में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुमूची मं स्रीर प्रणेक्प में विणित है), र्राजरट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, गदग में तारीख 29-9-84

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित चजार मन्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उसत अधिनियम के अधीन पार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतं. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्नीनिवित अधिकतया, अधीत्:—

- $(1)^{-1}$ पार्टी श्री मुर्रागेण्य सीधरम्ण्य मान्वी
- अमिति प्रभावती पिति क्षेत्रणा यलमली.
 अधामित गीरादेवी पिति मिलिकाजुन यलमली.
 अभिति गकुनला पिति रमेण बनमली
 रमेण बनमली

411 पार्टी 5 ईश्वरच्या नाठणा पट्टनशेट्टी काटन मार्केट, गदग ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसवराज समप्ता भूमिरहुई। के०सी रान रोड बेटगेरी गदग ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सच्चना जारी कारके पर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी लयिथ बाद मा समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पद्धीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्स आधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विशा गया है।

मन सची

(दस्तावेज स० 1185/तारीख 29-9-85) ।

खुलो जगह गदग वेटगेरी प्रतमीक्षा एरोया में है। इसका क्षेत्र 819 स्तिपर मीटर्स है। ग्रीरमी०एस० न०6655/ 5ब है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज, बगलूर

नारीख 7-5-1985 माझ्र : प्ररूप बार्च. टी. एत. एत.-----

असमार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) अ अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकार नाय्क्त (निरीधक)

_ल अर्जन रेज, नई दिली

नई दिल्ली, दिनाक 24 अप्रैल 1985

निदेश स० अई० ए० मा०/पक्यूर/3/एआर-2/8-84/ 2475,—अतः मुझ. सुनील चोपडा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० भूम न० 10, है तथा जो ईस्ट एवेन्यू पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इसमे उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीयली अधिकारी के कार्यालय, नई-दिल्ली, में भारतीय पिजस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बण, 1984,

क्र पृथांकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, राम्र डे दर्यमान प्रतिफाल से एसे उद्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय वाया गमा प्रतिफाल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिचिन के बास्तविक अप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण अ हुई किसी आप की नामस सभर अधि-निम्म की अधीम कर दाने के बन्तरक की दायित्व में अमी अपने या अससे बचने में सुविभा को लिया, भौर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य अस्तिवाँ को, चिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवीषमार्थ वन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया या पर विभाग जाना चाहिए था, खिणानं वा स्विधा को जिए;

अतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-र के वनुसरण के, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीत, निम्निनिसित व्यक्तियों, वसितः :---

(1) कुमारी फूत आहूजा सुगुत्ती ईम्बर दास, निवासी--7 बी०, गणपति नगर, जयपूर ।

(अ₹तरक)

(2) 1 श्री जे० के० शर्मा 2 श्री पी० के० शर्मा, मुपुत्र श्री योगेश शर्मा, निरासी—-120, अजमेरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना भारी करके प्रांजित सम्पत्ति के वर्णन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की बर्बीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के याम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्ष्टीक रणः —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

नन्त्र्यो

भाम न० 10-ए, तादादी-262.5 वर्ग गज, ईम्ट एवेन्यू, पजाबी वाग, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा मक्षम जीधकारी सक्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-3, नई दिल्ली

नारीख: 24-4-1985

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

भायकर जोभनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनास 14 मई 1985

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाए मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज मकान नंज 9 रोड नज 29 है तथा जो शक्रपपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से बणित है), रजिस्ट्री जो अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख सिनस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्ष प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री यणभात29/9, पजाबी बाग,सर्व दिवसी ।

(्रह्मक्रहरू)

(2) श्री रात लाल एण्ड कम्पनी, 2716, ज्वा भण्डी पहाड़ गज, बल्ली।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **एं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> सुनील चोपडा सदाम प्राःश्रिकारी सहायक आयक्त (किरीक्षण) क्रोन रेज-उक्त सर्ट दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां. अधीत:——

भारीख 11-5-1985

भाहर:

प्ररूप आर्थ टी एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २:9-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निराक्षण)

ाजन रेज-४, नई ।दल्ली

नई दिल्ली दिना + 6 मई 1985

निदेश म० जाई० ए० सी । /एक्प् /3/0स-आए-2/9-84/2477—जन मुझे, सुनील जाएडा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

स्रोप जिसकी स० 37 ह तथा जो पाजीरा गार्टन, नई क्ल्ली में रिथत है (श्रीप इस म उपावड अनुसूची में स्राप्त्य एक हम स विणित है), है), प्रविश्हीकर्ता के बायित्य में दिल्ली, में भारतीय प्रविश्हीकरण के बीत्यम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, नारीख सितम्नप, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सर्पत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अतरक (अंतरकों) और अतरिती रिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखा उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरक मं हुई किभी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भागति । पर-त्रत्र अधिनियम, 192 / (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तित्री द्वारा पत्रत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था व्यापना में मित्रिया के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात :— (1) थे। मन नीहर्गामह जिल्लामा--जारक नीति नगर सर्वे दिल्ली ।

(अन् (भ 🗟)

(2) श्री देत राज
2 श्री ,बगम्बर लाल
3 श्री अणा लाल
मृपुत श्री शमलाल
त्वासा—-13/264, गाता कालोना

(प्रस्ति। रनी)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्भिन्ति क अर्जन के पम्बन्ध में काई भी आक्षप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य अमिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकड्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

प्लाट न० 37, तादादी 181 3/10 प्रम मज, राजारी-मार्डन नई दिल्ली।

> मुनील चापडा सक्षम प्राधिवारी सहायक (धिवर जापुनन (क्रिसिण) कर्मा राष-३, वर्ष ।दल्ला

ना**रा**ख : ५~5-1985

धक्त बार्ड. टी. **एम्. एस**. नगरण-रण

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के व्यक्ति व्यना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निदेश स० आई० ए० सी / एव यू०/ ३/एस-आर-२/ १-84/--2478

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, गह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचन बाजप मूल्य 1,00,000/- रत. में अधिक हैं।

ग्रांर जिलकी संब खलरा न v 12 16/2 16/3, 17, 18, 19, 22; 23, 24 है, तथा जो दरसापूर कला दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्य। में और पूर्ण रूप से विणित है), राजरहीयाती र्याधकारी के हार्याक्षय, प्रान्ती में राजस्द्री प्ररण आधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख लिनम्बर 1984

को पूर्वेक्त सपरित को उचित बाबार मुन्य से कम के ध्यमान प्रतिकान को निए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अरसे का कारण है कि एअएवलिय सम्मोल का उवित बामार मृह्य उसके दश्यमान परिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकी) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकस, निम्नीसिंखत उद्देश्य से उन्त व्यादम् निवित यो वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत,, सकत अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के वायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा क बिए; बौद्ध/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हें मारतीय जाय-कर सिंधनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए;

शत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अव्याहरू में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधील विस्तिलि**सित व्यक्तियों सर्भात् :--**

18--9 6GI 85

- 1. श्री रतन सिंह पुत्र अभय राम दरयापुर कलां, दिल्ली (अन्तर्क)
- 2. मैसर्स इच्चा गोपाल एण्ड सन्स द्वारा कृष्ण गोपाल 5 मैं क्रिफ रोड (दल्ली)

(अन्तर्रिती)

को यह सुचना जारी करके प्रशंक्त संपर्तित के बर्चन के सिक्ष कार्यवाहियां स्रक्ष करता हुं।

जनत सम्पति की जर्बन को सबभ मां कांड़ी भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी न्यक्सियों पर सचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

• विकरिकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थो **उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया 🕏 ।

वन्तुकी

वासरा न० 16/2,≈16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24 दरयापुर कला दिल्ली ।

> म्नील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-5-1985

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

बाह्य तर्वाह

कार्याजयः, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 4 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस्० आर०-2/984/ 2479—यतः, म्स्रो. म्तील चोपड़ा,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से व्धिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 0 2/72. बिहार 1 है, तथा जो (सुभाष नगर) नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसने उपाबह अनुसूची में ग्राँर पूर्ण घप ने ग्रींगत है). ए जिप्टीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में अभिन्रिक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य मं कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उथ्यों ये उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण हे हुए किसी अध्य कर्त साथतः, उपकर अधिवियम के अभीन कर दोने के राज्यतः क वायित्व में कमी करने या उससं अधना में मुनिधा औं सिए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम । १०१२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था., फिपानं भा सिक्धा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---- 1. श्री बहादुर सिंह तरलोचन सिंह एवं मेधी कौर 2172 बी बिहार-1 (सुभाष नगर) नहीं दल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशि खन्ना 2172, विहार-1 नईदिल्ली (अन्तर्रती)

की यह सूचना जारी करके वृत्रीक्षत अध्यक्ति के अर्धन के लिए कार्ववाहियां करता हु।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष्ट्र से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--इपमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष हुतेश को उस अध्यास में दिया गण हैं।

बन्सूची

मकान नं० 2172 तिहार-1 (मुभाष नगर) नई दिल्ली सरिचा 106 वर्ग गज ।

> सुनील चोपड़ा नक्षम प्राधितरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दल्ली-110002

नारीख: 14-5-1985

प्रख्य बार्स्, टी. एन. एस. ~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयकार आगृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 मई, 1985

ाक्षा सः अर्द्धः ए० मी० एक्सू०/अ/एस०-आर०-1/ 9-84/248 0---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिल इसमें इसमें प्रभात जिल्ला अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ जे॰-6/109, है तथा जो, राजीरी गार्डन, नई-दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप म गणित है), राजण्ड्रीकर्ता अजिहारी के हार्यालय, दिल्ली में नारतीय राजणीकरण हवतित्रम, 1908 (1908 को 16) के अवीत, तारीख, स्तिम्बर, 1984,

को प्वोंक्त मर्स्यास के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्यक्षान प्रतिक्रल के लिए अन्तिरत की गई है बार मुके यह विद्यास करने का कारण है कि मधाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफास से एसे उद्यमान प्रतिफास के पन्तव्ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण

- (क) नन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उपत जिलिनियम के अभीन कर धंने के जन्तरक के बरिवरण में कभी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अंत: श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण के, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशित व्यक्तिश्वा अधीन, निस्तिशित व्यक्तिश्वा

(1) श्री बलदेव सिह् सुपुत्न श्री जसवन्त सिह्, निवासी-जे-6/109, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली।

(सन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह सुपुत श्री उत्तम सिंह निवासी-जे-7/83, राजौरी गार्डन नई दिल्ली। श्रीमित हरजीत कौट्ठ पत्निश्री हरीन्द्र सिंह श्रीमित गुरजीन्द्र कीर पत्निश्री जसपाल सिंह, निवासी-जे-7/83, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तर्रास्ती)

(3) श्री सरन सिंह ज-6/109, राजीरी गार्डन नई दिल्ली।

> (पह ब्यानन जिसके प्रधियोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुधना जारा करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्नर सम्पत्सि के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी यिनतारों उर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये था सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका है।

बनसकी

प्रो॰ नं॰ जे-6/109, राजाँरी गार्डन, नई दिल्ली, तादादी 160 वर्गगण ।

मुनील चोपडा मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली।

तारीखा . 10-5-1985 भाहर ≟ प्ररूप आई. टी एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 1 मई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी० | ाञ्च्यू / 111 | ाप्स० आर०-III | 9-84/875—अतः मुझे, सुनील चोपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- एपयं में अधिक है

श्रांर जिसकी सं 19/32, है तथा जो श्रोल्ड राचेन्द्र नगर, नई-दिल्ली में स्थित है (श्रांर इसन उनायद्ध श्तुम्ची में श्रोर पूर्ज रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई िली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख सिनम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उदित बाजार मृल्य सं कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह निश्नाम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एम अन्तरण के निष्ण तय गाया गा। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्तित वास्तिक एम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबन उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के सावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः कव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री प्रीतम कुमार गेरा, नियासो-19/32, श्रोल्ड राजिःद्व नगर, नई ।दर्ल्या । श्री निरन्द्र कुमार गेरा, नियासी-23/38, ग्रोल्ड पाजिन्द्र नगर, नई |दर्ल्या ।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार मनीवा सुपुत श्री सुन्दर दाम मनीवा, नियामी-सेक्डर-18डो, हाउस न० 1575, चण्डीगढ़।

(उस्संदर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीस स 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्त्रभी

प्रो० न० 19/32, फ्रोन्ड राजिन्द्र नगर, गई दिन्ता, तादादी, 88.1 वर्गगज ।

मुनील चोपडा मक्षम अधिकारी महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 1-5-1985

भाहर 🏻

प्रस्थ नाहाँ . टी . एन . एव . -----

भायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

धारत सरकार

अर्थन रंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 मई, 1985

निदेश स० आई० ए० सं१० /एक्यू०/3/एस० आर०-3/9-84/ 880—अत. मुझे, सुनील चापड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा से अधिक है

मार जिसका मं 90/37, ह तथा जा वस्टर्न एक्सटेशन, उर्गल-बाग, नर्ज दरनों भाग्या है (प्राप्त टमा उपावद्ध अनुसूची में भार पूण रूप वाणा है) 'अजग्दी श्रा अध्याति के कायलिय, नई दिल्ला, में एताय राजग्दी प्रश्च अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

का प्वावत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम क रहणमान प्रतिकल के लिए अन्तरिंग का शह ह और मूझ यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापृशक्ति सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकृत है, एवं व्यथमान प्रतिकृत का पद्ध प्रतिवात से अधिक है और असरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल निम्नि तिया उस्द स्व ने ८०५ फन्टरण होना स्व भी बाला विक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की वासक, खक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अनुतरण के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी बाम या किसी भन या बन्म जास्तियों का, जिन्हों सारतीय आम-कर मिणियम, 1922 (1922 की 11) का उब्दा जोशीनसम, या भर-कड़ करियोंक्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्याद्विती ब्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किसी खड़्या चाहिए था, क्या में स्विशा के लिए।

वतः वतः, उसतः अधिनियम की धारा 269-म के बन्धरम में, में,, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निकालिकिश व्यक्तियों सर्थात् क्रिक्ट (1) श्री ज्ञान चन्द रालूजा, निवासी-जे-25, जगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमांत सवीता मल्होता, नियामी—9ए/37, वेस्टर्न एक्सटेंगन एरिया, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को सङ् स्थाना चारी करके पूर्वों कर सम्परित के नर्जन से शिक्ष कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेय:---

- (क) इस सूचना को ध्यमपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की समित या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिप, जो भी समिप बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रांकर स्विमी व्यक्ति हो, के भीतर प्रांकर स्विमी व्यक्ति हुन।
- (ब) इस स्वा के राज्यक में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के मातर उक्त स्थावर सम्पोस्त में हितबबुध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धा में किए वा खकोंगे।

स्युक्तिकाश्याः--इसमाँ प्रयुक्त शक्यों और पयाँ का, भी अवस्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, बही अर्थ हाना को उस अध्याय में दिया गया ही।

भपुसुची

प्रो० न० 9ए-37, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करौल बाग, नर्ष दिल्ली-110005, तादादी-160.8 वर्ग गज । मुनील चोपडा मक्सम आधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नर्ष दिल्ली

तारीख: 6-5-1935

माहर 🚜

इसम बाहें. टो. एव. एव. ----

जावकर अभिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक भागकर आवृत्तः (निराक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 9 मई, 1985

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस-आर-111/ 9-84/884--अतः मुझे, सुनील घोपड़ा,

भायकर अभिनियज्ञ, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा नवा हैं), की भारत 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाधार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

मौर जिसकी स० ई-15, हांज खास, है तथा जो हौज खास इनक्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णिन हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उधित बाजार मृख्य से कम के क्रम्यमन प्रतिकल के लिए अन्तरित करें। गर्द बार मृश्वे वह विश्ववाध करते का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्विक्त आभार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिकल करें। एसे क्रम्यमन प्रतिकल क्षेत्र प्रतिकत से अधिक है क्षेत्र अंतरक (अंतरकार्य) कि बीच एसे अतरण के लिए तम पासा गया प्रतिकल, विम्निलिस उद्वर्ष से उक्त सम्मत्य कि कि मार्सिक क्षेत्र में सारतिकल, विम्निलिस उद्वर्ष से उक्त सम्मत्य कि कि मार्सिक क्षेत्र में सारतिकल क्

- (क) जन्तरण ते हुई किसी भाग की बावत, उक्क जीध-जाधिनियम के जभीन कर देन के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने मा उक्कते केचने में सूनिया के लिए; बीए/मा
- (स) एली किनी काय या किसी धन या क्रेन आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनित्रम, 1922 (१९२२ का ।1) या उन्त अधिनियम या चन-चेर अधिनियम, १९५३ (१८५२ का ५०५ का १८५४ देश का उप्तियम स्थाप का प्राप्तियम स्थाप का प्राप्तियम स्थाप का अधिक धार के सिर्ह के सिर्ह के सिर्ह के सिर्ह

अतः अव, धनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्ने अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन, निम्निविधिक व्यक्तियों, वर्षात् — (1) श्री लक्ष्मण नसन्ड सुपुत्न श्री के० एल० मसन्ड, निवासी-बी-89(2695), नेताजी नगर, नई दिल्ला। श्री स्वमन मसन्ड सुपुत्न श्री के० एल० मसन्ड, निवासी-198-डेसू कालोनी, जनकपुरी

(अन्तरक)

(2) म० जे० पो० प्रोपर्टीज (प्रोप०) श्री सुरेन्द्र पाल सिह सुपुत्र श्री गुरवक्स सिह, निवासी—34-महात्मा गाधी रोड, नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

(3) श्री हुक्म चन्द , पुपुत्र श्री भगत राम , ई-15, हांज खास, इनक्लेव, ह नई दल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पात्त है)।

का यह स्वना नारों करके पूर्वो उस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्तक्षा ब्रास्त हुए।

रवस प्रमांता के अर्जन के सबाध में क्लेंब्रें भी वाक्षेत्र .--

- (क) इस सूत्रका के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूत्रना की दानीस से 30 दिन की व्यक्ति , को भी नविध साथ में सामन्य होती हों, के बीतर पूर्वीक्त व्यक्तिओं में में किसी व्यक्ति स्वाना;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीच हो 45 विश्व के भीतर उक्त स्थायर कम्पत्ति में हितनप्ष निकली जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पास मिनीबाद में किए जा तकींगे।

स्पथ्धनीक्षरण ---- इसमें प्रयान्त उच्च कीर वर्षों का, को उक्त जीवितियन के अध्याय 20-क मा परिभावित ही, कहीं नवीं होना को उस्त अध्यान में विका परम है।

ग**म्स्ची**

ष्ताट नं० ई-15, होज खास इन्क्लेब, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज !

> मृतील चोपडा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख ' 9-5-19**85 भाहर** ३

म्बन्य बाह^{*}. टी एन एस ----

कारक अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की **पाध** 269-ছ (1) **में सभीत स्चत**

भारत सरकाड

कार्यावय, बहावक वायकर वाम्बद (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 9 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवपू०/3/एस आर०-III/
9-84/886—अतः मुझे, सुनील चोषड़ा
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
ध्यक परवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

धनक परवान जिन्त जाधानगर कहा गया है। का बारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकार को, यह धिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ध्रोर जिसकी मं० डी-63, है तथा जो होत्र खाम, नई दिल्ली, में स्थित है (ध्रोर इससे उपावड अनुसूची में ध्रीर पूर्णक्य में वर्णित है), र्राजस्ट्री हर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्व से उकत अन्तरण निमित्त में अस्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उन्न बिध-नियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (का) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इतिभा के लिए;

सत:, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् क्र— (1) श्री रख़बीर चन्द्रा जेटली शनवासी-ई-703, बिल्डिंग नं० 2-3-4, मनीण नगर, 4-बंगला, श्रंधेरी वेस्ट, बम्बई-58।

(अन्तरक)

(2) श्री बीज्ए०पी० कम्पनी, मीज/1/8, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सुमना कारी कारक पृथाकत संपत्ति का अर्थन का जिल् वर्षनाहिया कारता हो।

उक्स सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवृधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किकित में किए जा सकोंगे:

स्यष्टीकरण --इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अधे हांचा जो उस अध्याय में दिष्ट गया है।

वनुसूची

प्रोप्त नं बीय-65, होज खास, न्यू दिल्ली, तादादी 282 धर्मा गज ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयंकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 9-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड, डी. एस एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जानकर आवृत्रत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसय०/ /एस०आए०-3/9-84/

ानदश सर्व आइ० ए० सात्। (व्यूव) /एस०आ२०-*अ*/ **9-84**/ 887—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किस इसमें

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिन्हीं इसकी इसकी प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास आरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रार जिसकी सं 7/49 है तथा जो भ्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, में ल्यिन है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप र विणन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारम 1908, (1908 द्या 16) के अधीन, दिनां स्वानम्बर, 1984

कां प्रॉक्त सम्पणि के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योवत सम्मित्त का उपित बाबार मृस्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिस्त स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अन्तरण कि विचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एस किसी आब का किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1557 (1 : 7 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, (छपाने मैं सविधा के लिए;

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, बनुसरण का, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्ष अधीन, निम्नीलिकिन व्यक्तित्यों, अर्थात :---

(ध) श्री आए० के० मानिस, निवासी--7/49, भोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

(2) श्रीमती सुरेखा कन्यन, विज्ञासी—-7/49, स्रोज्ड प्रजिन्द्र नगप, नई दिल्हीं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील में 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपर्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यार अधीहस्ताप्तरी के पास लिखिस में किसे आ ककी।

स्पष्टिकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिगियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्या

क्वार्टर नं० 7/49, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादादी 85.9 वर्ग गज।

> मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई ध्दल्ली-11000

दिनांक: 22-4-1985

स्रोहर 🕫

प्ररूप बाह्र दी एन एस ------

माधवत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, तहायक आयकर बाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 अप्रैल 1985 निर्देश सं अर्डि०ए०सी०/एक्यू०/III-एस० आप०-3/9-84/ 889--अत! मुझे, सुनील चीपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स्त. से अधिक है श्रीर जिसकी संव 5/10 है तथा जो श्रोल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इसते उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन भितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के कस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय गयः गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्वेदिय से उन्त अन्तरण िलीचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के करूरक के दायित्य में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/मा
- (का) एरेरी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकंर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उटक्त अधिनियम, या धन-कौर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया अधः चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त विभिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन . निम्मीलिकित व्यक्तियों , अर्थात् :---19-96 GI/85

(1) श्रीमती किरण जीत कौर निवासी सी-20, पांडव तगर, नई दिल्ली, द्वारा अटानींश्री आर० के० तलवार।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती पुष्पा तलवार, निवासी 5/10, ग्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्रभ किसी अन्य स्यक्ति वनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्रो' नं 5/10, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नद्द दिल्ली, तादादी 88.1 वर्गगज।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8-4-1985

महेर

प्रकल नार्ड दी एन जुस : -----

आयकर अधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन त्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 26 अप्रैल 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/¹¹/एस०आर०-3/9-84/ 892—अतः मुझे, सुनील चौपडा,

नश्यकर निर्णित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें एक्पार 'उन्त श्रीभिनियम' नद्धा गया हैं), की धारा 269-या के जधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विधवास करने का नद्धरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से मधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० एम०मी०डी० न० 4277 से 4284, है तथा जो मेन बाजार , 181इ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

कर पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाबार बृत्य से कम के क्यमान प्रिक्तल के लिए बन्ति रक्ष की गई है और बुक्ते यह विश्वास करने क्या कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रित्यक्त से, एसे क्यमान प्रतिकत्त के पण्डह प्रतिकत ते विश्व है विश्व क्या कि के स्वत्य प्रतिकत के पण्डह प्रतिकत ते विश्व के विश्व के संपत्र के सिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्निति के क्या के किया के स्वत्य के स्वत्य के स्वत्य के किया के स्वत्य के स्वत्य के स्वत्य के किया के स्वत्य के स

- (क) जन्तपण से हुइ किसी जान की वासरा, उक्त जीधनियम के वधीश कर दोने जे अन्तरक के दासित्य में कनी करने या उससे वचने में सूरिक्श के सिक्ष; अदि/का
- (भ) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय साय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा से सिक्ष;

कतः अव, जक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की लग्धारा (1) के अधीन विभनतियिक व्यक्तियों, वर्षायु कुल्ल (1) श्री हुन्नु लाल गुप्ता, निवासी मकान नं० 856, गली बेरीवाली, कुचा पाटी राम, बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्याण मल, निवासी मकान नं०-32, मेन बाजार पहाड गज, नई दिल्ली।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत संपत्ति को वर्षान को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की ताबील से 30 दिन की सबिध, को ती जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरणः - इतने प्रमुक्त शन्दी नीर पदी का, को उक्द नीविनवस, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नथीं होगा को उस अध्याय में विका गना है।

वक्त्वी

एम० सी० डी० नं० 4277, 4278, 4279, 4280, $\frac{3}{3}$ 4281, 4282, 4283, 4284, तादादी-486, वर्ग $\frac{3}{6}$ गज, $\frac{7}{6}$ मेन बाजार पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

ृं सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

विनांक: 26-4-1985

नरेहर 🛊

प्ररूप आहे. दी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियक, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

भारत तहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/3/एस० आर०-3/9-84/893,--अत: मुझे, सुनील घोपड़ा

आयक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्कों इसको प्रधात (उथत अधिनियम काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 10, ब्लाक नं० 54, हैं तथा जो बैस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रोर इसमे श्रोर उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीक करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दि० सितम्बर, 1984

कां पृतांकित सम्पत्ति को जिन्त बाजार मुख्य से कम को स्थामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरणा से हुन्हें किसी आव की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बरीकरव के कजी करने या उसके बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय काम-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्ध जन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना जाहिए था कियाने में त्विधा के निए;

बतः अव, उक्त बीधिनवम की धारा 269-ग के अनुतरक ते, में उक्त बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात क्र-

- (1) सरदार सम्पूर्ण सिंह सुपुत सरदार प्रताप सिंह, निवासी 1/124, जनपथ लेन, नई दिल्ली स्वयं एवं संरदार सुरिन्दर पाल सिंह सुपुत सरदार प्रताप सिंह और श्रीमती सुशील कौर धर्मपत्नी सरदार मोहिन्दर सिंह निवासी 13/2, न्यू पला-सिया इन्दौर के जनरल अटार्नी श्रीमती दीपा मित्तल धर्मपत्नी लालत मित्तल, निवासी 'ए-448, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) अजय दिवान सुपुत्र श्री आर० के० धवन, कुमारी श्रंजुला धवन सुपुत्री आर० के० धवन, निवासी डब्स्यू- 40 ए०, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। श्रीर श्री जितेद्र मोहन धवन सुपुत्र श्री बी० डी० धवन, निवासी-6/146, फरेण बाजार, शाहदरा, दिल्ली। (श्रन्तत्रिती)
- (3) मैसर्स नवग्रह निर्माण (दिल्ली) प्राईवेट लिमिटेड। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की वह सुबना बार्डी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की हाडीचा से 45 दिन की वयिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की वयिथ, को भी वयिथ बाद में समाप्त हरती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्दींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कन्य काईक्छ इवारा वधाहस्साक्षड़ी के नाव निर्मित में किए वा ककोंगे।

स्वक्रीकर्ण: ---- इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों सौर वयों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा वजा है !

अनुसूची

प्लाट नं० 10, ब्लाक नं० 54, तादाङ्की-1312 वर्ग गज , डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

विसांक . 25-4-1985

मोहर:

प्ररूप भाषी, दी. एन. एस. ---- ---

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/9-84/647—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 10193 वार्ड नं० 12, है तथा जो नई मस्जिद, नवाब गंज, लाइब्रेरी रोड़, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रीर इसर्च उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकत अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य; उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाय्तिव में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनिम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, सक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अधीतः :—

- श्री जसवन्त सिंह भादिया मुपुत्र श्री लाभ सिंह भादिया, निवासी 12/10193, मोहल्ला नई मस्जिद, नवाबगंज, लाइब्रेरी रोड़, दिल्लो-6। (अन्तरक)
 - 2. श्री बिशन स्वरूप मित्तल, श्री पवन कुमार मित्तल, श्रीमती धनपती धेवी मित्तल पत्नी श्री गौरी शंकर मित्तल, निवासी—13/208, गली प्रकाश तेलीबारा, सदर बाजार, बदल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित की वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप 🚁

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग,
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 10193, मोहरूला नई मस्जिद नवाबगंज, लाइब्रेरी रोड़, वार्ड नं॰ 12, दिल्ली-6, तादादी 118 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहद्भ व

प्रकप बार्ड ही एवं एड -----

भागकर निर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ण (1) के अधीन स्पन्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर वायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 9-84/7651--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आवकार समिनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें पश्चात 'अवत मिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-क से मभीन ससम श्रांधकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पांध, जिसका उचित गांचार मूक्त 1,00,000/- क. से अधिक हो

ं और जिसकी सं० बेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित नाजार मूल्य से कम के दशकान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गृह है और मुद्दों वह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित काजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्सह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (वंतरकों) और बंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकास, निम्निविचित उद्देश्यों सं उक्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से काविस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के बायिस्त्र में कभी करने या उससे बजने में सूविधा के निए, और/या
- (थ) एंसी कियो जाय या किसी भूत या बन्य आस्थित। की. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम वा भूजकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बसोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया नया मा किया जाना चाहिए था, स्थियने में सुविधा के सिए;

वत्र, वव, उक्त विशिष्टियम की धारा 269-ग के वनुसरण मं, मं, दक्त विधिष्टियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीर निम्नीविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीचरण दास प्राहुआ, सुपृत्न स्व० श्री अमीर चन्द आहुजा, 24/39, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कौंशल्या रानी पत्नी स्व० श्री इन्दर सेन सलुजा, निवासी-35/11, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्वाना वारी करके प्रांक्त सम्बंति के वर्षन के जिए कार्यवस्थित कारता हु⁺ ।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाका .--

- (क) इस नुक्ता के राजपण में प्रकाशन की तारीस से \$5 किन की नविध का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामीन से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षाध बाद में समाध्य होती हो, को भीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-वहुभ किसी अन्य स्थावत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिविद्य में किए का सकती।

प्यक्तीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, वो उस मध्याय में दिया गया है।

वन्स्या

प्रो॰ नं॰ 35/11, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी— —100 वर्ग गज।

> के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीक: 6-5-1985

मोहर:

ANT MIN'. ET. HT. TELLISONE

वायकार अधिनियन, 1941 (1941 वर्ष 43), वर्ष भारा 269-म (1) के बमीन स्पनः

PER TRANS

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई किल्ली, कितांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एबयू०/11/एस० आर०--1/9-84/648---- अतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात 'उनतः निर्मानयम' कहा गया ह"), की वारा 260-व के अभीन सक्तम शाधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भ्रोर जिसकी सं० रतम पार्क, ग्राम-बसई- रापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजल्दीकतां अधिकारी के काय लय दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीयरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित्र बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्यमान प्रतिकत का पंदेह प्रतिसत से अभिक ही और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरम के निए तय पावा गवा प्रति-फान निम्नतिविक्त उद्वेषय से उक्त बन्दरण निवित में नास्त-विक रूप से करियत नहीं किया गया है ८----

- (क) सम्तरण से हुई किसी बाय की बानत उक्त माध-नियम को मधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, बरि/बा
- (क) श्रेची किसी मान या किसी भग या अभ्ये आस्टिनी को, जिन्ही भारतीय जाव-कार जाभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **पन-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्:

नतः नन, उन्त मौधनियम की धारा 269-ग की, अनुसारण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात:-

1. श्रीमती ब्रह्म लता सुपुत्री श्री खुणी राम धौर पत्नी श्री हंस राज महाजन, निवासी---इडल्यू-जेड-10, रतन पार्क, बसई-दारापुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री पिशोरी ल'ल (2) श्रो गुलगन कुमार (3) श्रो विनोद कुमार, (4) श्री सुमन कुमार (5) श्री राजीय कुमार सुपुत्र गण श्री कृष्ण लाल बुधीराजा, निवासी-ई-39, सुदर्शन पाकें, नर्षं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को सह बुक्या प्राप्ती कराके पृथानिय सम्पृतिय के वृत्तेन से दिश्य कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त कमिरिए के मर्शन में कमान्य में सोर्ट मी कल्टिक-

- (क) दब बूक्ता में प्राचन में प्रकारक की राष्ट्रीय है 45 विव की व्यक्ति वा तरवस्त्रको व्यक्तिको दर जुनना की सामीन से 30 दिन की नविभ, को भी · नवीच् पाद में समान्त होती हो, के शीतर प्**वाँ**क्य म्ब्रिक्यमा में से किसी म्यस्ति बुवाराः
- (प) हम बुध्या चे डाम्यप्य में श्रमायन की बारीय चे 45 विन् के भीवर सक्त स्वान्त्र सम्पृत्ति में हितनदुष किसी मृग्व व्यक्ति हुवारा मधोहस्ताक्षरी के पाव लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीक रणः --- इसमे प्रयुक्त गय्दी और पदों का. वो उक्त समिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उब बध्याय में विवा नुसा हो।

2-1/2 मंजिली मकान नं॰ आर $\sqrt{23}$, तादादी 115, 1/2वर्ग गण एरिया, ग्राम--बसई-दारापर, रतनपाके, दिल्ली राज्य, दिल्ली

> के॰ वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 क्लिनी, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-5-1985

मोहर 🗷

प्रकल कार्यो हो. एक. युवा -------

नामकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

शास्त्र सहस्राह

कार्यालय, सहायक धामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/9-84/652-3त: मुझे, के० बानुदेवन,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिन्ने इसमें इसके परंचात् 'उनत अभिनियम' कहा नवा ह"), की चारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्बद्धि, चित्तका उच्चित बाचार नृष्य 1,00,000/- रा. से अभिक ह"

धौर जिसकी सं० 20/18 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिस्ली में स्थित है (धौर इसमे उपावड अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम को क्याबान प्रतिकाल के लिए कन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वतर कारने का कारण है कि बचापुर्वोक्त संपरित का उचित बाधार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल के, एसे दृष्यमान प्रतिकाल का पन्नाह प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एते बन्तरण से सिए तब पावा गया प्रतिकाल, जिन्नीसिवात संवादेश से उच्त बन्तरण सिवात में वास्तिवात कर से सिवात स्वादी किया गया है हिन्स

- (का) बुन्ताप्रम से हुइ कियों भाग की बाबत, उनके अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासित्य में कभी कारने मा जससे बचले में सुविधा को लिए; बॉट/बा
- (क) ध्रेवी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध कास्तिकों को जिन्हों भारतीय वायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, का धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थ बन्दरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया का वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बतः अव, उत्त विभिनियम की भारा 269-ग के बमुखरण बो, मो, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (१) के बभीन, निम्नमिणित व्यक्तियों, जर्मात् झ--- नेपानल केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि०, 26-नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० विजय पलायमर्स प्रा० लि०, 6/22, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह तुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के बिए कार्यवाहिया करता हुं:

उपरा सम्मरित के मर्जन के सम्बन्ध में कीए भी नाबोप हुन्न-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिभ या तस्तंत्रंभी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की जनिभ, शो भी नविभ नद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किमी ज्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन को भीतर तक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी जन्म कवित व्वारा जभोहस्ताक्षरों के पात लिकित में किए या सकते।

रपक्किपरण:--इतमें प्रयुक्त करों और पकों का, को उक्त विधिनिवस, को सभ्यास 20-का में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उत्तर अध्यास में विका मवा है।

श्रम्यर्थे

प्रो० नं० 26/18, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 339.59 वर्ग गज।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायकः वायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 6-5-1985

शाहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत प्रत्येश

कार्याजय, सहायक भागकर आयक्त (रिशरीकाण)

भ्रज़ेंन रेज-2, तई दिल्ली नहीं दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985

तिदेश म० आई० ए० मी०/एमयू०/2/एम० आर०~1/ 9~84/653 ∙ अत मुझे, के० बा•्देवन,

बाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है'), की धारा २६५ के के अभीन सकाम अधिकारी को वह विकास करने आ कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित वाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनहीं सं० 26/1 है तथा में एजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीन्टर्ता अधिवारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीन्ट्रण अधिविचम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, विकास, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गहें हैं और मुभ्ने यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उज्ज अन्तर्य विस्तित में अस्तिक रूप से किया गया हैं किया गया है किया गया गया है किया गया है किया गया गया है किया गया गया है किया गया गया है किया गया है किया गया है किया गया गया है किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की नायत, जनत अभिनित्र के स्थीन क्रक की संग्रेट स्न्यूट्स के शिवत्य में कड़ी करने वा उससे ज्यने में स्विधा के हैं श्रुष्ट; क्रीड/वा
- (थ) एंसी किसी अप वा किसी धन वा अन्य आहित्वी की, जिन्ही भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ जन्दीरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा भी विष्ट;

अतः अस, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सथित है—

 मैं० नेशनल केमिश्रस्य इन्डस्ट्रीज लि॰, 26→ नजफम३ रोड, नई विल्ली।

(धन्तर्यः)

2. श्री विजय, विजय पोलायमसं प्रा० लि०, 6/22, इस्ट पजाबी बाग, नई दिल्ली।

, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त संपृति के व्यान के विष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

सकत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की हारीय वें
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 धूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपन मो प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्ति मों किए का सकांचे।

स्प्थाकिरण:—प्रामे प्रमुक्त भन्दों और पदों का, वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

यमसंची

प्रो**॰ नं॰** 26/1, नजकगढ़ रोड़, नई दिल्ली, नादादी 756.28 वर्ग गज।

> कं० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज- 2, दिल्ली/नई दिल्ली--110002

तारी**ख: 6-5-198**5

महिर ह

प्ररूप लाइ. सी. एन. एस. -----

स्रायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) कर्रें भारा 269-म (1) के अभीत स्वाता

भारत सरकार

कार्यासय्, सहायक भावकर वायुक्त (निर्याक्षक)

श्रर्जेत रेज-+2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985

निर्देश स० थाई० ए० सी०/एसयू०/2/एस० आर०-1/ 9-84/655--अन: मुझे, के० वासुदेवन,

जानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मण्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिली मं० 19, ब्राव 'एल०' है तथा जो राजौरी गाईन, ग्राम-व्यस्ई दारापुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के वायलिय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जिल्ला, 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मून्य से कम के दबसमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह न्यिबात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्मान प्रतिफल से., एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत्त्र क्षेत्रक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल फल, जिन्निलिसत उद्योध्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्य-जिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाग की बाबव , स्वयं अधिनियम के अभीन कर योगे के जन्तरक कें शियत्य में कमी करने मा उद्यक्त व्यवने में सविधा के निष्ट; और/या
- (क) एन्सी किसी नाय मा किसी धन या नन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जिथिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाथ नन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम जाहिए था छिपाने में नृषिधा के निए।

कतः अव, उक्त विधिनयम् की भारा 269-ग की बनूतरण में, में, उक्त विधिनयम् की भारा 269-म की उपधार्य (1) के सभीतः, निक्नलिकित व्यक्तियों वर्षात् :---- (अन्तरक)

2 श्री राजिन्दर कुमार, श्री हरीण कुमार, सुपुत श्री श्री शंकर दास, निवासी--13/263, गीना कालोनी, दिल्ली-311

(अन्नरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासीय #----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अधिध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञात्र;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्वीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस बध्याय में विका ववा हैं।

अनुसूची

एस॰ एस॰ हाउस प्लाट नं० 19, ब्लाक 'एल' राजौरी गार्डन, ग्राम-बतई-दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

तारीख: 6-5-1985

महिर:

प्रस्प बाई. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिला ह 6 मई 1985

निर्डेश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 9·84/656---श्रतः मझे, के० बासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

आँए जि.ती मं० जे 63/ए, है तथा जो कीर्ति नगर, ग्राम-ब ई पारापुर, दिल्ती में स्थित है (अंद इससे उधायद श्रमभूबी में आंए पूर्ण रूप में वर्णित हैं), एडिएट्टी की श्री-वर्गी के वर्गाधि, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीव-नि.म. 1908 (1908 ता 16) के श्रधीत, तारीख दितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूं, से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशव से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त कि । निम्नलिक्ति किया गया है :—

- (क) सम्तरण से हुइ फिसी शाय की मायस जमत वांध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के तिये; और/या
- [क] एसी किसी जाव या किसी अन जन्म जारितमां की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए भा कियाने में सुनिका के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (१) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत धु---

- श्री वरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री काशी राम गाधी, निवामी---जे०-63 ए०, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती मंजू धरोड़ा, पत्नी श्री अशोक कुमार अगेड़ा, निवासी--एच-77, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह मुजना कारी कारके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, बी उच्छे अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रशिविश है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मक्षान नं० जे०-63/ए, कीर्ति नगर, ग्राम---बसई--दारापुर, दिल्ली, तादादी---1100 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर धायुक्त (**निरीक्षण) म्रर्जन र्रोज-2 दिल्ली, नर्ष दिल्ली~110002

तारीख: 6-5-1985 ->--

माहर 🏨

शक्य भार्' टी.एन.एस् अवन्यत्रवान

कायकर क[भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्थना

शायत सरकार

कार्याक्षय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निडीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश म० ब्राई० ए० सी०/एक्स्०-/ २/ए५० ब्रार०-1 9-84/658--अत: मुझे, के० वासुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जनत अधिनियम'कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिनकी सं० एफ० 14/44 है तथा जी माडल टाउन, ग्राम---मिलकपूर छावनी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री रिवा ग्राविकारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पृथीयतः संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्इ है और मुभ्ते यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, इसके क्रियमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्बरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण्के निए तय वाबा गया प्रतिफन, निम्नोलिखित जबदंवम से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाच की बाबल), उक्त अधिनियम के वंभीन कर दोने के बन्तरक की दाबित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा भी सिए; बीए/बा
- (श्र) एेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अवस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर व्यक्तिसम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा बाहिए बा, क्षियाने में सुविधा 🖷 सिए;

बत: वब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण नं, में उक्त मिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अधीन निम्नलिकित अपिक्तियों अथित ॥

- 1. श्री रोशव कुमार जैन सूप्त श्री जैन दास जैन, निवासी--एफ-12/2, माञ्चल टाउन, दिल्ली, कर्ता (एच० यू० एफ०), श्री रीशव कुमार जैन एण्ड सन्म, (एच० यू० एफ०) श्री जीनेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र था। जैन दास जैन, निवासी---- भी०--14ए०/21, माडल टाउन, कर्ती---श्री जीनेन्द्रा कुमार जैन एण्ड सन्य (एच० य० एफ०)। (अन्तरक)
- 2. श्री पंग्रज कुमार सुपुत्र श्री दिना नाथ, नियासी---बी-36/5, जी० टी० करनाल रांड, इन्डस्ट्यिल एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अप्रान के लिए। कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सं रेपी स्थाबितयां पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की कवाब, बा भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय मे दिया गया

अनुस्यो

महान न० एफ ० 14/44, तादादी 233, 3/10, वर्ग गज, माडन टाउन, एरिया---प्राम-मिनि तपुर छ।वनी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> कं० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अक्षा (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख · 6-5--1985

मोहार 😩

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकार नायुक्त (निद्धीक्षण)

प्रकं रंज-2, नई दिल्ली

. नई दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985

निर्देश स० बाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एत० ब्रार०--1/ 9--84/659 --अत. मुझे, के० बासुदेबन,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिलेकी मं० गाप नं० 56 है तथा जो गोखले मार्केट, विल्ती मं स्थित है (श्रार इसन उनाबद्ध अनुमूची में श्रार पूर्ण भा से विणा है) रिजिप्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में भारतीय शिवस्ट्रींगरण अधिनिधम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख़ सितम्बर, 1984

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए वन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित ब्रावार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ब्राव्हियों) के श्रीक एस भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि विदित्त में दास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है

- (क) अन्तर्भ वं हुन् किसी बाद की वावस्तः जनक अधिनियम् के नधीन कार को से अन्तरक के वादित्व में कती कहने वा कवते नचने में बृदिका के सिए। बीर/ना
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भूग या जन्म आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते जिभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः इवः, उयत् विधिनियमं की भारा 269-ग के बनुबरणं मा, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की स्वभारा (१) के सभीम, निकासिकत कविकायों, समिद्य है—

- मै० यूनाइटेड डिजल सर्विभ, 3, गोखले मार्केट, दिल्ली, इ।रा श्री श्रमृझ सिंह, 2-सी/2, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- मैं० रेडियेटर मण्लाई कम्पनी, 55, गोखले मार्केट, दिल्ली द्वारा श्री हरभवन सिंह।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृत्रोंकत सम्मत्ति के अर्चन के क्रिए कार्यनाहिया करता हो।

बक्त राम्परित के अूर्यन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि मा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद को समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बह्भ किसी अन्य स्थित द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में फिये जा सकींगे।

ल्यमधीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

ह्मपुर**्**

दुषान नं० 56, गायन्त्र मानव्द, 'दिल्ली, तादादी--

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखः 6-5-1985 **मोहर**्व

शक्य बार्'्र हो, पुर, पुर, व्यवस्थान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

HIST BEST

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज-2, नई दिल्ली गई दिल्ली, दिनाय 6 मई 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०-∲ः/एस० आर०-ा/ 9-84/661---सन मुझे, क० वासुदेशन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये व अधिक है

अंद किन्निन स्व 16, ब्रास है हं तथा को ब्राम भरोला, ब्राबादी---ब्राइर्ण नगर, महाराजा रणजीत सिंह राष्ट्र, में स्थित हैं (आर इगम उपाबड़ ब्रानुसूची में और पुण रूप से विणित हैं), रिजम्हीकर्ता ऋषिकारी के कार्यात्व, दिल्ली में, भारतीय रिजम्हीकरण क्रिबिन्थम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारोख तिस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) नतरण त हुएं किसी नाय की नावत, उक्त निपनियम के नभीन, कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए नीड/वा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या कन्य कास्तिथीं की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के लिए।

बत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविधिन व्यक्तियों वर्धात्:—— 1 श्री ढारका नाथ मुपुत्र स्व० श्री दीना नाथ, निवासी ई-16, महाराजा रणजीन मिह रोड्, श्रादर्भ नगर, दिल्ली-33।

(अन्तरकः)

2 श्री भगवान दास सुपुत्र श्री शकर दास, निवासी-मी-30, राजन बाबू राइ, श्रादर्श नगर, दिल्ली-33 (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मनसंची

प्लाट न० 16, तादादी 120 वर्ग गण, ब्लाक इं०, खमरा न० 252/258/217/4, एरिया ग्राम-भरौला, श्राक्षादी आदर्श तगर, महाराजा रणजीत सिंह रोड़, दिल्ली-33।

के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन र्रेश-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985 मोहर प्रसम बाह्र , टी. एन , एक, *****

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में अभीन सूचना

प्रारत सहकार

कार्यातम, बहायक नामकार नाम्बत (निर्काल)

अन्न रेज-2 नई विल्ली पर्न (-) । । 6 मई 1985

निर्देश में अर्थि ए० चार्शिक्यूर्थ शिष्मे आर्थ । । 9-84/662 अर मुझे के तामुद्रेस्स,

आयकर किविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा संअधिक ही

और जिन्दी मि० । त्नाव मी। है था ज सम्-निर्मा — हार्या में तिला पार, हिली , (हार्ल न्दर) में
थिंद हे (अस रमें १०६ प्रमच में जरार में से
विणान ह), राजग्रा में अधि की वे गर्यात्म, दिल्ली में
भारतीय परिष्ट्री एण अशिनित्म, 1908 (1908 वा
16) के द्राधीन, तारीख रितम्बर 1984

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अतिरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अत-रक (अतर्को) और अतिरिती (अतिरितियो) के बीच एमें अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी वाव की वावत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नजन में सुनिभा के सिए; और/या
- (ध) ए शै किसी बाय या किसी धन या अत्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कार विधिनयम, या धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्योजनार्थ अन्तिन्ती उवारा प्रकट तही जिला गया था या किया जाना चाहिए था, स्विधान में सुविधा वी निए;

बतः बन, उसत विधिनयम की भारा 269-य की अनुसरणे को, मी, उसत विधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (१) के क्रमीन, निम्निभिधित स्पक्तियों, बचति हि—

शि मैं। दाः सुपुत श्री देशी दास और श्री केशार बाई पत्नी श्री मैंन दान, निवासी---एफ-31, बाली नगर, नडे दिल्ली-151

(ऋन्तरव)

अहरा दास अभनानी सुपुत्र श्री सन्त दास असनानी, नियामी -- मी०--10, पचणीन इन्क्लेप, नई दिल्ली। (अन्तरिना)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध दा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी स्विध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितामों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिसद में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमा प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित है, यही अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

ण्लाट न० 46, नादाधी 300 वर्ग गर्ज, खसरा न० 1625, 1626, ब्लाझ 'सी॰' प्राम---बसई-दारापुर, एरिया बाली नगर, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन गझम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख त-5-1985 मोहर: प्रकृष बाइ'.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्मन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां । 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/ 9-84/663---श्रतः मुझे; के० वार्द्धेवन,

कारक श्रिभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थापन गणिल जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- एउ. में अधिक हैं

और जिली मं० एफ०-90-ए० है तथा जो की कि नगर, नई दित्ली में स्थित है (और इस्से प्याबद्ध क्ष्म्सची में और पूर्ण रूप से रुणित है), रिप्ट्रेंड्स के कि कि के कि कि कि दिल्ली में, भारतीय शिव्यक्ष कि कि कि 1901 (1001) का 16) के अबीन, नितस्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए जन्नित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-। रनी (अतिरित्रियां) के बीच एगे समरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से बान्निक हम एं कथित नहीं किया गया है :--

- हैंक) बंतरण से हुई किसी नाम की नाबत, उक्त जिथिनियम के बधीन कर देने के जंतरक के दाधितन में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; जौर्/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या क्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हो तृतिथा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (!) के अधीन निम्नलिश्विस कालिसमाँ, वर्मास १०-- अभे मनीतृशास भाषीत सुपुत्र श्री जय राम दाप, निवासी-एफ०-90-ए०, कीनि नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुरजीतसिंह चङ्का, श्री एन० ए०स चङ्डा, सुपृक्षगण श्री जी०एस० चङ्का, 'गुण्डीप सिंह सुपृत्र श्री कुलवंस सिंह चङ्का, गुरजीतसिंह सिंह सुपृत्र श्री हरभजन, निवासी—455, निविल लाइन, मुरादाबाद, यू०पी०। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार्य;
- (ख) इस सूचना के राजपत्रे में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

श्याध्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो ' उस अध्याय में दिया गया है।

अनृस्ची

प्रो० नं० मकाक न० एफ-+90 -ए, नावादी 200 वर्गगण, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

> के०. वासुदेवन नक्षम प्राधिनारी सहायक स्नावकर यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 6--5--1985

मोहर 🕹

प्रकृष बार्च , टी., एव., एस., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीन रेजिन्2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 9-84/664---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भागकार जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सस्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० बी०-6/1 है तथा जो राणा प्रताप वाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिष्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1984

को पृथिकित संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृवेकित सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश्य से इक्त अंतरण लिखित में वासिक रूप से किथित नहीं किया गमा है:—

- (क) बन्धरण से दूर्ण फिबी 'बाय की बादव, जनत मिपिनियम के वभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य मो कली करने या उससे ब्याने में सुनिया के जिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धव वा वस्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

जतः अब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधार (1) के बधीन, निम्निसिक्त स्पंक्तियों, अर्थातः :---

- श्रीमती हिरा देवी सुपुत्र श्री ठाकुर गोपाल सिंह, नितासी—बी०-6/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2 श्री तिलक राज मुपुत्र श्री चंतर मल, नियासी—— 26/27, स्ट्रीट नं । 11, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(ग्रन्त(रतिक)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मंति के अर्थन् के सिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्दर्भ सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :----

- (क) इस सुजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुजना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रीय में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के प्राम सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रनुसूची

म्राधा भाग प्रो० नं० प्लाट नं० वी०-6/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली, ढाई मंजिली विस्डिंग, तादादी--780 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली 110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर:

प्रस्प आहे. टी. एन . एस - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के संबीत सुखना

भारत तरकार

फार्याक्षय, सहायक नायकर जायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई '1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०1/-9-84/666--श्रतः मुझे, के० वास्तेवन,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उता र्याधनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अभीन सक्षाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 1,00,000 ∕-रुः स**े अधिक ह**ैं।

श्रीर जिसको सं० 40-बी० है तथा जो नजफ गढ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, गितम्बर, 1984

का पर्वोक्त सम्पत्ति को उषित राजार मृत्य प कम के ख्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंगरिनी (अंत्रा'रितयां) के बीच एमें अन्दरण की लिए तस पाया गया प्रक्रियल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे बास्तविक रूप से काथित नहीं किया गडा है :---

- (क) जन्तरम से हुन्दै किसी बाय की बाबस, बक्स विभिनियम के बभीन कर दोने के ब्रन्थरक के करित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बहुर/बर
- (का) होसे किसी जाय या किसी भव गा अन्य बास्तिकाँ को चिन्ही भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत व्यथिनियम, मा वन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की असोजनार्थ जन्तरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कालिए या. कियाने में सविधा के जिल्ला

क्तः स्रस् अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को सन्सरम में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ६--21-96 GI/85

 मैं० नेशनल केमिकल्स इन्डम्झीज लि०, 26, नजफगढ रोष्ट्र, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक्)

2 इलेक्ट्रो सिस्टम, ग्रार०-39, मेन मार्केट, इन्दरपुरी, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्तु सम्पृत्ति के अर्चन के जिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अयविकास पर सूचना की तामील से 30 दिनुकी जबीच, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति दवारा,
- (भा) इस सुचना के राजगत्र में प्रकाशन की तप्रकाश 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस बुबारा अभोहस्साक्षरी के पास िलिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्द अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया भ्साहै।

प्रो० नं० 40-बी०, नजफगढ रोड़, नई दिल्ली, तादादी 2386.25 वर्ग गज।

> के० वास्देवन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जंम रेंज-2 दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 6~5-1985

बोहर 🕄 🛶

प्रकप बाह², टी. एन. एस., ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्था

भारत सरकार

अधिक्य, सहस्वक आवक्षण, आध्यत (निद्वीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनान 6 मई 1985

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 9-84/667—श्रत मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अभिनियस. 1961 (1961 क्य 43) (चिक्टे इसकों इसकों पश्चात् 'उनत अधिनियस' कहा गया हो, की धारा 269-च को अधीन सकाब प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि अधावर सम्पत्ति, विस्तान उप्रित वाजार भूस्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

द्यौर जिनकी स० 10-ए, है ल्या जो नजफगट रोड नर्र दिल्ला-15 में स्थित है (और इससे उताबद्ध यन्स्वा पे श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रिजिप्होकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिप्होकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नितम्बर, 1984

को पूर्वीक्स संस्पास के उचित बाजार मूल्य में कम के हश्यमान अतिका के लिए महित की गई है और मुक्के यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोल्स संपत्ति को उचित गांका मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमें ध्यमप्रीत प्रतिकाल का चल्यह प्रतिकात ने अधिक है बीर मलारक (अन्तरका) और मलिरिसी (जलारितियों) के बीच एसे मलारक (अन्तरका) की विस् वया वया मिलिस निम्नितिकात उद्वेषय से वक्त मन्तरण मिलिस के बास्तरिक क्या में स्विक नहीं किया गया है है—

- (क) जंगरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-निसंध के अधीन कर दोने के अन्तर्थ के दारिएन से कनी करने वा उससे ब्यान में स्थिया के जिल्ला बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर जीधनियम, 1929 १९१८ हा १८) या ठवस अधिनियम, तर भा अप का बितयम, 1957 (1957 को 27) व प्रशंखनार्थ अन्तिरिती बकारा प्रकट रहीं किया १६ या बा किया जाना चालिए था, खिनाने में सुविक व रेटा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निक्वतिविक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैं० नेशनन क्षित्तल इण्डम्ट्रीज कि.०, 26, नजफगढ़
 रोड अई डिल्लॉ-15।

(ग्रन्त्रकः)

2 मैं० किये रित्या काल्यारशन, भी०-253, नारायणा इन्डिम्ह्यल एपिया, भाग-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्जनाहिया करता है।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचणा की क्षित्र के 30 विन की अशीध, को भी बर्बाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति अक्षित्र के के किसी क्षित्र व्यक्तियों के वे किसी क्षित्र व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के . नाम जिल्ला में किए जा सकों है।

स्थानकार का निवास के सम्माय 20 का में परिभाषिक विधितियक के सम्माय 20 का में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हैं, यू

and the

पो० न० ४॥-ए, नजफगड रोड, नई दिल्ली-15, नादादो 2386 25 नर्गगज।

> ीं वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहाय हे श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीखं 6~5~1945 **मांहर**् प्ररूप बार्ड टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

बार्यालय महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाफ 6 मई 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसको म० 157, बार्ड न० 9 हे तथा जा गली बनाणम चावरी बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें एगा- वद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्मी जा प्रिधनारी के कार्यीलय, दिल्ली में भारतीय रिजर्मी करण प्रधिनियम 1908 (1908 ना 👊 6) पे प्रधीन, मिनस्वर 1984

का पूर्वोक्त समास्ति के उत्तर पात्रार मृन्य स कम क क्ष्यमा।
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण ही कि सभापमें कित सम्मित्त का उप्ति बाजार
मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकान से, एस क्ष्यमान प्रतिकान का
पन्द्र प्रतिश्व से अधिक ही और अतरफ (अतरकों) को अतरिती
(बंदिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिक्षा, मिन्दिनिश्व उष्टेश्न से उस्त जन्मरण विविद्य वे शास्तविक रूप से कियत मही किया गया है।

- (क) मन्त्रहरू से हुई किसी बाब, की शायत, जल्द बाधिनियम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; क्षीश्व/या

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीत ह— गामना राज रानी खझा, विधवा पत्नी श्री राजा राम खना, निवासी-28/40, श्राल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(स्रन्तरक्)

2 श्रामती निमला जैन पत्नी श्री पारम राम जैन, निवासी—1527, कुचा मठ, दरीबा कला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्जकाहिया करता हूं।

उ केंद्र सम्मारित को व्यर्गन की सम्बन्ध में काहां भी साक्षण :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् की वविध ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिश की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी, व्यक्तिए इवारर,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीं थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजद्भ किसी अन्य अपिकत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ स्थानक र १००० स्थान

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० ने० 157, वार्ड ने० 9, गली बनाशन, चावरी बाजार, दिल्ली, तादादी--212 तर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीय 6-5-1985 मोहर a

प्रसम् बाह्यं होते धन एस ~

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985 :

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/9-84/670—श्रत मुझे, के० बासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के अधीन सभाम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी स० 26/2, ह तथी जा नजफ गढ राइ, नई विल्ला मे स्थित है (ग्रौर इसमे उराबद्ध ग्रनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) क ग्रिधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अरुएण लिखिए में वास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबस, उपस् अधिनियम के अधीन कार देने के जन्तर्क में शामित्व में अधी करने वा उससे अपने में सुविधा में शिए; सींड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य मास्तियों की चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या न अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)। कि अधिन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 मैं० नेशनल हिम्तल इन्डर्स्ट्रीज लि०, 26 नजफ गट रोट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रामती अरुणा जैन एत्नी श्री कुलदीए चन्द जैन, श्रामता चचल कुमारी जैन एत्नी श्री कम्तूरी लाल जैन, श्रीमती सुशमा जैन पत्नी श्री नरेश कुमार जैन, 1157 सर्कुलर रोड, श्रम्बाला सिटी। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्द सम्मित के अर्थन के संबंध में कोई भी काश्रेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की जबिध मा नत्सम्बन्धी क्यिन्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त कुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकेंगे।

स्पादीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभे हांगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

वन्स्यी

प्री० न०. 26/2, नजफ गढ रोड, नई दिल्ली, ताढादी---213 27 वर्ग गज।

> के० वाँमुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज~2 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर 🛮

प्रक्रम जाहु . टी. एनं . एस . ------

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्थान

मारत सरकार

कार्यातमः, सहायक बायकार बायुक्त (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० श्रार०-1/ 9-84/671--श्रतः मुझे के० वामुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 8358 है तथा जो माइन बस्ती वार्ड नं० 14, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उताबद्ध श्रनुभूची में, श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रश्चीन तारीख रितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपत्ति को उचित तानार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिफल, जिम्मितिथित उद्देशिय में अवस्थित अस्तरण बिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बंग्तरण से हुएं किसी बाय काँ बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी जाच या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा त्कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अनं, उथतं निर्मित्यमं की धारा 269-वं के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तिकां, अधीत् :— 1. श्रा रमण कुमार बरासीय सुपुत्र श्री राम प्रताप बरासीय ज़िवासां—747 ब्लाइ 'पी' न्यू श्रली-पुर कलकता, हारा श्रा राम प्रताप सुपुत्र श्री दुर्गा दस बरासीय निवासी—747 न्यू श्रलीपुर कलकता (जी० ए०)।

· (श्रन्तरवा)

श्रीमती उपा गुप्ता श्री ईश्वर दयाल निवासी—
 8233 रानो झासी रोड़ दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेषित समित के बर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन का प्यतिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील में 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्यक्तियों में भोकिशी ब्योजित द्वारा;
- (ध) इस सूचना क राजपत्र या प्रकारन की तारीख **र्व** +3 दिन रितार का त्यार स्थारित में दितवद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निवार में किसा सकत्त्र।

स्थाप्टीक्षरण:----क्रामा प्रयूचित शब्दों आर पदौक्ता, को जनत प्राचानयम के जायान १० क मा परिभाषित हो . व्हों अर्थ होंगा को सम संस्थाय के विमा १९। हो।

ग्रनुसूची

प्रो० नं० 8358, माइल बस्ती बाई नं० 14, दिल्ली नादादी—160 वर्ग गज।

> कें वासुदेवन सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985 मो**हर** ≟ प्ररूप आई.टी.एन एस. -----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थन।

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 6 मई 1985

निदेश स० ग्राई० ए० मो० /एक्यू०/2/एम० ग्रार०-1/9-84/672--ग्रनः भुझे देः वामुदेवन,

वायकर विभिन्यम, 1969 (1965 का 43) (जिस इस्तर्भ इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' यहा गए हों), की धारा '269-व के वभीन समाम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से विधिक ही

सौर जिसकी में 8358 बाई नं 14 है जो मण्डल बस्ती दिल्ली में स्थित है (सीर इसमें उपानद्ध अनुपूजी में सौर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रविकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण स्नासियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, गरोख नितम्बर 1984

को पूर्वीक्त संपरित के जीवत बाजार मृत्य में कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य , उसके सम्मान प्रतिफल थे, एसे सम्मान प्रविक्त का पंचा प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) थे। अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिश के जिए तथ पाया मवा प्रतिकत, निक्तिविक्त उद्देष से उक्त अन्तरिश निक्तें में बास्तिवक रूप से कांचत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की वाबस, उनते विभिन्नियम के अजीन कर पाने के अन्तरक के वार्टियल में कभी कारने वा उन्तसे वचने में सुविधा के लिए; कोप/भा
- (प) एेसी किसी बाय या किसी भन या कर्य बास्तियों की जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, पा ध्या-तर अधिनियम १०,० (19 व. १२) डी प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना खाहिए था, व्यापने में लुध्याने व्याख्य

जत: जन्म, उपरा संधिनियम, की धारा 269-ध क अनसरण में, में, उपरा अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क अधीन, नियनलिखिल व्यक्तियों, अर्थात — मोहर :

श्री रमेण कुमार बरासीय, सुपुत्र श्री राम प्रताप बरामाया, जिल्लासा—747, ब्लाक पीर, स्यू अलीपुर, कलकता, द्वारा जोठ ए० श्री रास प्रताप सुपुत्र श्रा दुर्गा दत बरासीया, निवासी—747 स्यू अलीपुर, कलकता।

(यन्तरक)

2 श्रामता राज रानो गुष्ता आर श्रा कृष्ण गुष्ता, सही प्रभिभावक है श्री अजय कृमार (नाबालग)

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धत के वर्णन के लिए कार्यवाद्धिः करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकायन की सारीस सें
 45 दिन की शत्रीय मा तत्मध्यन्थी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 50 दिन को जवांथ, जो भी
 जवांथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर सम्वत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

लाक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनतः अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, नहीं कर्थ हाया, जो उन अध्याग में दिशा गया ही।

अन्स्की

प्रो० न० 8358, बाई नं० 14, लाहादी--163 5/9 वर्ग गज, माइल बस्ती, हिल्ली।

> के० बामुदेवन मक्षम श्रधिकारी पहायक श्रायकार प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-5-1985

मोहर .

प्रचन् नाहर् हा एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-ए (१) स्टें अधीन पृथ्या

भारत संदर्भार

आयालण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंत रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक ७ मई 1985

निदेश स० ग्राई० ए० मी०/एक्य्०/2/एस० ग्रार०-1/ 9-84/673--ग्रन. नुझे, के वासुदेवन,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िस इसमें असके बद्धान् उपन अधिनियम अहा गया है), की भारा १६९-६० का कर्म के का कारण है कि स्थापर सम्मिन जिसका उचित नामार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीण जिसकी स० 45/12, हैं तथा जी हिएड पटेल नगर, नई दिल्ली ने स्थित हैं (श्रीण हमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीण पूर्ण कर ने विणित हैं), रिजर्डीकरी श्रिधिनारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजर्डीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) है श्रद्धीन, तारीख सितम्बर, 1984

(1908 की 16) है अधान, ताराख स्तिम्बर, 1984 को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कंग के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यम ने प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक क्य से कीयत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दाण्यक में कमी करने या उभमे बचने में सुविधा के निए; और/या
 -) गरा किसी लाग या किसी धन गा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 11922 को 111 या उत्तर्ग अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या गिया जाना कारण ना, कियाने के सुरेवण के लिख;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, जनुसरण में, में, राक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधिन, निम्निलिख, व्यक्तियों, अर्थात् ह

- 1 था त ,ना वर्मा पुपुत भागालवन्द वर्मा, विवासी— 03, मन्जिद रोत, जगपुरा, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रो गील बन्द जैन मुमुन श्रा मलेख चन्द जैन, निनामी—1418, कुचा हीरा उम्नाद, माजार गुलीयन, वराया कला, दिल्ली, मार्फत दी-41, सीनी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सुध्या जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यग्रहियां शुरू करता हुरे।

चवत राज्यसि के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनीध मा तरहास्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना को ताजील से 30 दिन को जनीध, जो भी अवधि नाह में सजापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उन्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अबित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास विविध्य में किए जा सकता।

क्ष्यध्दोकारका असमा, प्रमुक्त कन्दों और पर्दा का, जा उक्त क्षिक निवस के क्षम्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, को उस कम्याय में दिया गया हैं।

ध्रन्धुची

भरतारी त्रना हुआ एक मिनली क्वार्टर ने० 45/12, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी—200 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम ग्रिधिकारी शहायक ग्रायकर शावुकत (निरीक्षण) प्रजन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1100 02

नारी,ख 6-5-1985

मोहर

प्रकल लाहाँ, दी, धून, एस, ----

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन मुखना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए४० श्रार०-1/ 9-84/675—श्रनः मझे, के० बास्देवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन मध्यम प्राध्यित्रशी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित आचार मृत्य १,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 13, ब्लाक 'ए' है तथा जो 45-- द माल, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के लिल्ट बाकार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और स्के यह विश्वास कररे का कारण हूं कि सभापूर्वेक्त सपित्त का उपित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिकल को एमे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निय्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की शक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए: और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें परिताल के रिकार

अतः अब. उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अपीन पित्रियमिक, व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमता उपदेश कौर पत्नो श्रो दया सिंह, निवासी— 13-ए०, 45-द-मान, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रोमता वरोन्दर कार योजराय पत्नी श्री इन्दर सिंह श्रोबराय, निवामी-4, अन्दर हिल लेन, सिविल लाइन, दिल्ली-6।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्गवर्गाच्या कारका हु।

उक्स सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी गांधीप :---

- (क) इस स्था है राजण्य र प्रकाशन को तारीक से 45 दिन की अविध मा तत्त्वम्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान कि तानीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीशह उनत स्थान्य सम्मणि मों हित-नव्भ रिकती अन्य स्थान्य स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त हैं। से राज्य किए अस्ति ।

घन्सूची

फ्लैंट नं० 13, ब्लाक 'ए' 45-द-माल, **दिल्ली, तादादी-**358 वर्ग गज।

> के० वामुदेवन गक्षम ग्रधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आसम्हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुमना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 9-84/677—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

अध्यक्तर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सामता, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रु. से ऑधिक है

श्रीर जिसकी स० 2485, है तथा जो वगीची रघनाथ, सदर वाजार, हिल्लो में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण इस ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारम, 1908 (1908 का 16) के आधिन, तारीख सितम्बर, 1984 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यायन मुख्य को अपने वाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृषिधा के सिए; और/भा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (१९२२ का ११) या उन्त अधिनियम, या धनगृहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा

भतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 22-96 GI/85

- श्रीमती चम्पी देवी पत्नी श्री बुध राम, श्री नानक चन्द ग्रीर श्रो सूरज भान सुपुत्र श्री बुध राम, श्रीमती सोमवती पत्नी श्री राजेन्दर पाल। (ग्रन्तरक)
- श्री दिन दयाल सुपुत्र श्री कानू पाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मात्त के वर्चन के जिल् कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जा भी अन्भि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी कृत्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताकरी के पास शिक्तितानों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वगसर्ची

प्रो॰ नं॰ 2485, बगीची रघुनाथ, सदर बाजार, दिल्ली तादादी 33 वर्ग गज।

के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर 🕫

प्ररूप, बाद'. टी एन एस. - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचनी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एन्यू०/2/एस० आर०-1/ 9-84/677ए०— अन मूझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/ रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी से 23 है तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क, दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इसम उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यातय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को प्राेंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्राेंक्त संपर्तित का उप्यत बाजार मृत्य उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रात्म का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नीसित्त उद्योध्य से उत्रत अन्तरण सित्ति में शस्तिक रूप से क्रियत वहीं किया प्रां है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उका अभिनियम के ज्यौन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य मं कमी करने या उसमें बचने में सृतिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 2 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1971 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया समाय था या किया जाना चाहिए था खिलान मा साय के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री एमलार निह, नरणतीर सिंह सुपुलगण प्रेम सिंह, लगाती—6, ठाउ एसठ ब्लाक, बीठ-1, रमेश नगर, दल्ला।

(अन्तरक)

2. श्री व निर्मात सिठ मृपुत्र श्री निर्माल सिह, निवासी~ 120, एस० पीठ मुद्राजी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कामवाहिया करणा क्षणा

हकता सम्पत्ति के वार्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को अनिधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सच्चा कर एक का अनिष्ठ म 30 दिन का अनिष्ठ, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया म सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना क राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 कि के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्दा किसी आप त्यांकि व्वारा अधाहस्ताक्षरा के गास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :---इसमा अयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्ट अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्याहै।

असम्प्र

ष्लाट नं 23, खगरा नं 15/23/1, 15/23/2, श्यामा प्रभाद मुखर्जी पार्च, दिल्ली, तादादी—250 वर्गगज।

> के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर 🔉

प्ररूप आई' टो, एन. एम -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्था

सारत सरनार

कार्यालय, महायक आयवर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेन-2, नई दिल्नी

नई दिल्ली, दिनाव 6 म⁶ 1985

निदेश म० आई० ए० सी०/एनस्०/2/एम० आर०-1/9-84/678--17 मुझे, क० वागुद्धत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विद्याल करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी स० ए-43 है तथा जो नहां राउ, "उध तगर,

श्रीर जिसकी स० ए-43 है तथा जो निमारात, प्रशासन, दिल्ली-33 म दिथन है (प्रार्ट अप निमार स्वराची से श्रीर पूर्ण क्ष्म स विणा है), शाजरदी ति एजनारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजर्म २ण न घनसम, 1908 (1908 का 16) के नधीन, त्रास्थ कारान्त, 1984

ती पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित पाजार मूल्य स कस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गर मुक्त गह विश्वाम करने, का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पन्ति का जिल् जातरित की गई है गर मुक्त गह विश्वाम करने, का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पन्ति का जिल् ग तागर मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीत कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उसस बजन मा सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तवर की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्व अतिरित्त हो। वा विश्व विद्या पा किया जाना चाहिए था, १६३पान में गोजधा के लिए;

बतः बन, उक्त मधिनियम की धारा १५ में अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अथीत् .~∞

1 श्री ने† राम, निवासी-ई०-210, एम० सी० डी० यानोनी, तजादपुर, दिल्ली।

(अन्तक)

2 श्रीमती मुन्दरी अग्रवाल, 26/11, पु शक्ति नगर, नई दिल्ती।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 शिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति सो में वर्गी वर्गी वर्गी संग्री होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० ए-43, तादादी 198 वर्ग गज, नन्दा रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली-33।

> कै० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ला, नई (दल्लो-110002

तारोख: 13~5-1985

मोहर :

प्ररूप नार्षः टौ. एन. एस. -----

शायकर विशिवयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के न्पीन स्थना

पारत शरकार

कार्यासय, सहायक आवकर बाव्यस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आ ०-1/ 9-84/679--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

जन्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दश्यों इसकै परचाल् 'त्रक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाषा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारभ है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 4887, है तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली 2, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची मं ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकत अधिकारी के कायीलय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को दश्यमान प्रति-प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ग्राजार भूल्य उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे द्वारमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकास से अधिक है जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के कीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फर्स, निम्निसित उद्दोश्य से उक्त लिखत में वास्तविक रूप से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हू---

- (क) वस्तरण से दूर्व किसी वाथ की वाबत . अधिविष्य में वर्षाय कर रोगे से मुन्तुरूक से क्षरिया में करी करने मा उससे बहाने में ब्राविका वे किए; बीड/वा
- (क) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या चनकर समिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना भाहिए था, क्रियाने कें श्रीवश के किए;

बतः वय, उक्त वीधीनयम की धारा 269-ए के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धररा 269-व की स्वभारा (1) 🖷 समीन निम्नीसिया म्नीक्सवो अर्थात् 🖫---

- 1. श्रीमती अनिमा चटर्जी पत्नी श्री पी० के॰ चटर्जी, निवासी---210, जार बाग, नई दिल्ली।
- 2. श्री दयाल नारायण दास मीरचन्द्रानी (2) श्री मुरली निहाल चन्द खन्चन्दानी (3) श्री ठाकू इसार दास चुगानी द्वारा जी० ए० श्री अर्जुन लाल निहास चन्द खनचन्दानी, निवासी--4764/23-सी, श्रंसारी रोड, दांरया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति को अर्थन के लि कार्यवाहियां करता हुए।

सक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ड 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स **म्य**िक्तयो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- 🐿) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी मन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षद्री के पाव सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळोकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **इ**ै, बहुी धर्भ होगा जो उस अध्याय में विया मया है।

धनुसूची

धो मंजिला मकान एम० सी० डो० नं० 4887, तादादी 383 वर्ग गज, दरिया गंज, नई दिल्ली-2

> के० वास्देवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 6-5-85

मोहर 🖰

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 9-84/684--अतः मूझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रांर जिसकी सं० बी० 3/9 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (भ्रांर इसन उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजेंस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजेंस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिनम्बर 1984

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविध' के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गोविन्द राम सचदेवा मुपुत श्री गुरतीता राम ानवासी---137, बैंक इन्क्लेव, (द्रांस यमुना एरिया), दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० सत्यम बिल्डर्स, 8वीं मंजिल, मयूर भवत, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री राजेश आनन्द सुपुत
 श्री जगदीश आनन्द, निवासी——611, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक धं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रो॰ नं॰ बी॰-3/9, तावादी 199 वर्ग गज, मा**ड**ल टाउन, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर:

त्रस्य कार्षं टी एन एस

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कामित्रम, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी आ, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव जी-2, भवत नंव 4378/4-बीव है तथा जो भाग-1, 4 मुरारी लाल गली, श्रंमारी रोड़, दिया गंज, में स्थित हैं (और इम: उनाबद नामुची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजस्ट्रीनत अधिनार्या के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीनरण अधिनार्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कश्चित नहीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुई फिसी बाय की कावर, उक्स कीभनियम के कभीन कुछ दोने के बम्सहरू के ग्रीयरन में कभी करने या उत्तर त्यन में सुविधा के लिए बॉर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिस्थां, अभित् क्

श्रीमतो रामसर्खा देत्री पत्नी श्री एम० सी० बंजल,
 (2) श्री अणोक कुमार बंसल और (3) श्री अनिल कुमार बंसल, मुपुलगण, श्री एम०सी० बंसल सभी नित्रामी—-1/28, ग्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

 कुमारो रोजी जैन द्वारा उनके पिता और सभी आभ-भावक श्री सुगन चन्द जैन, निवासी—11961, कटरा खुणाल राय, चान्दनी चाँक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रांक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

(ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकी गं।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उस्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गंधा हैं।

अन्स्ची

फ्लैंट नं॰ जी॰-2, बिल्डिंग नं॰ 4378/4-बी॰, भाग -1, 4 मुरारी लाल गली, श्रंसारी रोड़, दरिया गंज, दिल्ली, तादादी 386-6211 वर्ग फिट, खसरा नं॰ 58।

> के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोह्र 🖫

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एम.-----

कामकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 1 मई 1985

निर्वेश सं० अर्ह० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/ 583--जन मुझे, मुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 203-ए है तथा जो 5/67, पदम मिह रोड़, भरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोंग इमा उपा-बड़ जनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिकड़ीयत अंधारारों के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयार अधिनियम, 1961, के अधीत तारीख सितम्बर 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ब्दी गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापनाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य. उसके रूपमान प्रतिफल सं, एम क्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अनिरित्ते (अन्तरित्ते) के बीच एसे जंतरण के लिए दम पाम नया प्राथफन, निम्मलिसित उद्योग्य से उसत बतरण लिखित में सम्ताबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- [काः] अंतरण संहुई किसी शाय की वावता, उनतः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतिरती स्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया बाना आहिए था छिपाने में माँवधा की लिए,

अतः शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० पाल मोह्न कंस्ट्रवशन कंपनी, 6/4792, चांदना चौन, विल्ला-6।

(अन्तरक)

 कुमारी श्रंजू बाला, नित्रासी—26 नार्थ एवेन यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

तनत सम्पल्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.5 किन की अवधि या तत्यस्वन्धी स्यान्तया पर सचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ब. - मार्ग र उन स्थापर स्थापन पास्त्र में । हत बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किस वा हकी में ।

स्पष्टीकरण: ---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, बहा नश हागा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

प्रो॰ नं॰ 203-ए॰, पहली मंजिल, 5/67 पदम सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्लो, तादादी-- 214 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-5-1985

मोहर 🗓

अरुप वार्'. टी . पुन् . पुन् _{विकास}नामा

सायकर स्थितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

बारत बरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 9 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० स ०/एक्यू०, III, 37-ईई, 9-84, 584-अतः प्मृक्षे, स्नील चौपड़ा,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 501, 502 है तथा जो 2-ए, भीकाजी कामा क्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भ.रतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक । सितम्बर 1984,

को प्रांक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अध्क है और अन्तरक (अन्तरका) और (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निसित उद्देश्य से उसत कन्तरण निम्मित में बास्तिक उप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर्क किसी जान की बावत, जन्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक औ शायित्य में कमी करुने या उससे वचने में सुविधा से सिक्; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों धर्मे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बृजारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में ध्रिका वी किए?

आतः अव, अक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुकारण आरं, आरं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैं ॰ कैलाश नाथ एण्ड एसो सिएटस, 1001-कंचनजंगा बिल्डिंग, 18-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लिडींग लिसींग फाइनांस इन्वेस्टमेंट कं लि रूम नं 218, होटल सूर्या सोफीटल फेंटडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हुए।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्थात में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

पर्नेंट नं० 501, 502, तादादी-905.70 वर्गफीट, 5-मंजिल, 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहाम्रक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक :9~5-85 मोहर क्ष

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार १८५ व (१) क शतीन सचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक अयकर जायक्त (निर्दाशण) अजन रेज-3 नई ।दल्ली

नर्छ । दल्ली दिनाव । मई । १८५

निर्देश सब आईव एव सीवाम्यवा अ अर्र्स, १७-८४। 585--अल मधे, मनील चौपडा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी हा यह विस्ताम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 503 है तथा जा 2-ए, बीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली से स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनसूची में पूर्ण स्प मे वर्णित है) अजन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनाव लितम्बर 1984.

ना पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित माजार मूल्य संक्रम के छणमान पनिफल न निया अल्पानिक का गई में अप स्फू यह विस्वास करन का बारण है है। वयागतास्त्र ती की दीवित दोक्रार मल्य, उसके ध्रथमान श्रीतकल म एस इत्यमान पानकल या पल्दन प्रतिशत स अप्रिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिकल, निम्नलिखित दश्य म उका अन्तरण निधित कें वास्तीविक का में कांधन बही किया गया है -

- (क) अन्तरण स हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करन या उसस बचने में भाविधा के लिए, और/या
- (स) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हा भारतीय शायकर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्नरिनी दवाग प्रकर ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान स सविधा के जिए

अत अब, उक्त अधिनियम का धारा 260 ग क उनसरण में, मैं, उनत अधिनियम जी धारा 250-ए की उप तर (1 के अधीन निम्नलिखा प्राप्तिए ३ थार -23 - 96 (4/5*

अ**रूप आह**ं हो एवं एक --- (1) पं ताम पान पान पान समास्याह ात्ता । वा ना । भागावाया गाउ नर्र जिल्ला ।

(अन्तरक)

(२) ४.म.त अल्ला धर्मपत्नी श्रीराजेण गोडरा निवासा-69, ग्रेटर कैतास गुनु नई ।दल्ली । (अन्त्रिती)

क। मह भवना जारा करह प्यादन संगति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 15 दिन भी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना का तामीन म 30 दिन का अर्थि, जा भी अविधि तार मा समाज हाती हा, के भीतर पविकत व्यापि मा स विसी जावित देवारा,
- (स) इस सन्ता ने राजण्य न पक्तशा जा नारोव प 45 कि के नाता उस्त कार मार्पाल मा जाबार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास ी वा भन पा जा सक्ते।

रूप्टिक्सरण --इसम प्यूना बन्दा आर पदा का, जा उक्त अभिनियमं, को अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अथ हाता रा उर अयाप में दिया गया है।

अम्म सा

पर्नेट न > 303 पाचवा मजिन, अमिशयल वम्प्लेक्स 'जात्पम २-ए बीकानी कामा जिल्ला नहीं हली नादादी- 519 वग फिट ।

> म्नील चौपटा सजम ५ धिकारी महायाः जायस्य जापकाः (नरीक्षण) अजन रेज-३ दिल्ली नई दल्ली-110003

ंदनाक → 5-1985 HIFT.

प्ररूप आहे. टी. धन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-.नई दिल्लीनई दिल्ली, दिनाक 7 मई 1985

निर्देश में अंदिल ए० मील्। एवयर, 3, 37ईई, 9-84, 586--अन मझे, मुनील चीपडा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अखिस बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 505, है तथा जो 2-ए, भीकाजी कामा किस. नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनम्ची में पूण रूप में विणित है), कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भ रतीय आग्रकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनाक सितम्बर 1954,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उदन अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के सामित्व में कभी करने । उसम बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [म] एसी किसी आय था किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनक राधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) जी स्थाजनार्थ अन्तरियों पुत्रका प्रबद्ध उन्हीं किया था धारा जिल्हा का किया के लिए,

अत: अब, अक्त जीधनियम की धारा 2\$69-ग के अनुसरण बं. में उत्तर अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिया, अर्थात :---

- (1) मैं० कैलाश नाथ एना(मएट्स, 1006, 18-बाराखम्या रोड, नई दिल्ली। (अनारक)
- (2) मं जिर्दाका बेनिर्फाट ट्रस्ट, आर-59, ग्रेटर कलाण-1, नई दिल्ली । (अल्बारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शप्त निश्चित में किए जा सकत्ये।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के जव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनम्**च**ो

फ्नैटन० 505, नादादी 848, 10 वर्ग फीट, पाचवी मंजिल, (ए-एल०-पी०-एस०) 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> मुनील चीपहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक . 7-5-1985

मोहर :

प्ररूप आइ. .टी. एन . एस . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई । उल्ली, दिनाक 7 मई 1985 निर्देश म० आई० ए० मी०/एक्यू०/3,37ईई, 9-84, 587--अन मझे, गूर्नाल चौपडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है), का धारा 269-वा क अधीन सक्षम अधिनकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सक 504, है तथा जा 2-ए, मी भाजी कामा फ्लेस, नई दिल्ली में स्थल है (श्रीर इससे उनावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणित है), कार्यालय, अर्जनरें जे-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिनाक सितम्बर, 1984, को पूर्वाक्त संपीत के '। ति राज राज राज में मुझे यह विश्वास करें का धारण है। हे स्थापवासने मर्पात का उचित बाजार मूला, उसक दश्यमान प्रतिकाल न एम इस्यमान प्रतिकाल के बन्दह प्रांतशत न पिथन है बार अन्तरका अर्थ (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के निए तथ प्रया गया प्रतिकाल, अर्थनितियते उद्देश्य में उस्त अन्तरण निर्माण गया प्रतिकाल, अर्थनितियते उद्देश्य में उस्त अन्तरण निर्माण गया प्रतिकाल, अर्थनितियते उद्देश्य में उस्त अन्तरण निर्माण गया प्रतिकाल है। यह से स्थान नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिक नियम के अधीन कर दनके अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आर/अ
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) स्त्राप्तियम, या धन-कार बांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कत: कब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, रिप्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मं० कैलाण नाथ एण्ड एमासिएटस
 1006 कचनजगा, 18-बाराखम्बा गेड,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कें बीच लाहिया पत्नी श्री एमं एलं नाहिया, निवासी—आर-७9, ग्रेटर कैलाश-1, नई।दल्नी ।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारा करक पूर्वाक्त संपोत्त के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीब है 45 दिन का अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना का तामोल स 30 दिन की अविधि, को भी अविधि, को भी अविधि बाद मा समाप्त होती हा, के भी तर पूर्वों कर व्यक्तियों में भी किसी। हा कि प्रवास
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की लारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्द्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकन।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदौंका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर हैं, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

मन्स्षी

फ्लंट न० 505, (तादादी 519 वर्ग फीट) पाचवी माजिल, कर्माणियल कम्प्लेक्स, क्रिन्स, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> मृनीस चौपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजैन रेज-अदिल्ली, नई दिली-110002

दिनाक 7-5-1985

मोहर:

प्र**रूप बाइ**. टी. एन. एस. - - -

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ण (1) के अभीन स्थान

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज उ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनार 22 अप्रैल 1985

निर्देश म० आई० ए० मी० $_l$ ण्ख्य ० $_l$ 3_l 3.7ईई, $9-84_l$ 588-अन. मझे. सुनील चौपद्य

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राप्त कर्मा करने का कारण है कि स्थावर सम्बंति, जिसका उत्ति। बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी में 3, है तथा जो लोकल शापिग संटर, आराम बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाधन अनुसूची में पूर्ण स्प से विणित है), अर्जन रेज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर आंधनियम, 1961 के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वेक्सि सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िश्वास करने का कारण है

- कि यथा पूर्वीयत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही आर उन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अतिरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नितिसार उद्देश्य से उक्त, अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण में शुद्ध किसी अंध की बाबस, उन्नद अभितियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को । धाबित्य में कभी करने या उससे बचन या शृतिका के निग्; करि/बा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन्कर अधिनियम, या उन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय या विभा जाना चाहिए था, छिपाने में मिश्चिय के सिए;

 (1) भनोट प्रोपर्स्टींज एन्ड इण्डस्ट्रीज (ल०, 102~103, राजा हाउस, 30~31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती बाला गुप्ता, निवासी—सी-11, ग्रीन पार्क इक्सटेणन, नई दिल्ली। (अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना क राजपत्र म प्रकाशन का तारी स 45 विन की व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविध बाद में ममाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ईस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमं प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, कां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यी

बसमेट में स्टारेज स्थेस, ज्याट नः उ लोकल णापिग सेण्टर, आराम बाग, विल्ली, नावादी----400 वर्ग फीट।

> युनाल चापडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अजन रेज-3 दिदली, नई दिल्ली-110002

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण ग्रा, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीर, विस्ती । जिल्ल अस्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 20-1-1985

माह्य .

प्रस्प बाह्र टी.ए..एस.

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-भ (1) के नभीत सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आवृत्त (निरोक्शण)

अर्जन रेज- 3, नई (दल्ला नई दिल्ला, दिनाक 6 मई 1985 निवण स० आई० ए० गां०/एनयू०/111/37ईई/9-84/ 589--अन. म्झे, अर्नाल चोपड ,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ते अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स्व. 3, है तथर जो लोकल णापिंग सेण्टर, आराम बाग, दिल्ली, में स्थान है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णन है),राजस्ट्रे(अर्ता अधिकार के कार्यालय, अर्जन रेज-उ, नई दिल्ली से भारतीय आयारर अरधिनयम 1961 के अर्धान दिनाक रिनम्बर 1981.

को पूर्वीक्त सर्वात्न के उचित बाबार मृन्य स कम के दृश्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मुक्त ग्रह विकास करने का कारण है कि संभापबाँक्त सम्मत्ति का उचित वाबार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल के एसे दृश्यभाग प्रतिकाल के एसे दृश्यभाग प्रतिकाल के व दृह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (मतरकार्ग) और बतरिती (जंतरितिकार्त से अधिक ही और अंतरण के लिए तय वादा भ्या प्रतिन का के के किए तय वादा भ्या प्रतिन का के के किए तस वादा भ्या प्रतिन का के के किए तस वादा भ्या प्रतिन का के कि किया ग्या है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियां कां, चिन्ही भारतीय बायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवाया प्रकट नहीं कि । द्वा था या किया जाना वाहिए था, कियाने ये नियम के िए

(1) भनोत प्रापटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज कि०, 102, 103, राजा हाउस, 30-31 नहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) मैं व्यामादर इण्डस्ट्रीयल कारपारेशन 64-रीगल विल्डिंग, दूसरी प्रजिल, कनाट प्लेस, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अजन के लिए नामावाहिया का स्कारता शाह

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में ट्याई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रील , 30 दिन को अविध, आंभी अविध बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थावन स्वारा अयोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसकें बिश्विक को अध्याय 10-6 में परिमाधित हैं, बहु किमें होगा को उस अध्याय में दिना भवा है।

अन्सूची

प्रा० न० 3 लाकल गापिग सेन्टर, दूसरी मजिल, आराम बाग, दिल्ली नादादी 281 वर्ग फीट।

> मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-3, दल्ली, नई दिल्ली-110002

अत अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उत्तन अधिनियम का भाग 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्ननिखित व्यक्तिया, अर्थाल् :---

ींदनार_ि 6 - 5-- 1985

माहर .

प्ररूप आहें.टी एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—३, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाय 23 अप्रैल 1985

निदेश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/ ३/३७ईई/ १-84/590---अन मुझे, सुनील चोपट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधकारी का मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 3. है तथा जा लोकल ग्रापिंग सन्दर, आरास बाग दिल्ली , रिथन है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हतीं अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयंकर अधिनयम 1961 के अधीम, दिशाक सनस्वर 1984,

- को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एंग दश्यमान प्रतिफल का जन्दिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अलारितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में शास्तिक रूप स किंवन नहीं किया गया है
 - (क) अंतरण सं हुई किसी आम की बाबत, उकत अधिनिशम के अशीन कर दोन के अन्तरक की दायित्व में कमी करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
 - (ख) एमी किसी आय या किसी धन बा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

भत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीका गांच्या, अर्थात — (1) बनाट पापरडीज एण्ड उण्डस्ट्रीज लि०, 102-103, राजा प्टाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नर्द ।दल्ली ।

(अन्तरक)

(2) र्वामती साविती अग्रवाल 30/23, शक्ति नगर ।दल्ली ।

(अन्मिरिती)

को यह सूचना जारी करक प्रदेश सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त प्रख्वां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गणा है।

वम्स्यी

प्लाट न० —3 लाकल गापिग पेन्टर आराम बाग, दिल्ला, नादादी—350 वर्ग फिट ।

> मुनील चांपडा मक्षम प्राधिकारी महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनाक ? 3-4-85

प्रसाप नार्यं डो. प्रन. प्रसा

गयकार अभिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 269 म (1) के अभीन मुचना

भारतं बडकाड

कार्यासय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली दिसाक 23 अप्रैल 1985 निदेश म० आई० ए० मी०/एसक/3/37 ईई/9-84/ 591--अत: मुझे, सुनील नापडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो।, की धारा 269-स को अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं 3, है तथा जो लोकल णापिम सेण्टर, अराम बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीफर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, । दनाक सितम्बर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंभ यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक एम में कथित नहीं कि ए। गया है --

- (क) जन्तरण संहुई जिसी आए को बाबत, उका जिमिनियम के अभीन जर दीने के अन्तर के दाबिस्त में कामी कराने वा उससे बचने में भृषिका के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या का पानिया की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) धा उन्त अधिनियस, या धन कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नारेहर था, छिपान में सुविधा के निरा

भतः अस, उक्त अधिनियम का प्रारा २००-म हे अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-म की उपयारा (1) के सभीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अधित :----

(1) भनोट प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज निरु 102→103, राजा हाउस, 30-31, नेहर प्लेस, नर्र दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री - राप्तण कुमार गुप्ता,
 निवार्स(--- 30/2), श्रीकृत नगर, दिल्ली ।
 (अन्त।रनी)

को यह सुपना जारी करकें पूर्वाक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिय कार्यवाहिया कर । हा ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर भूभनः को नामील स 30 दिन का अविधि , जो भी अविधि साद में समाप्त हःती हों, के भीनर पर्नोक्स
- (क) इस मूजना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण '--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सकी

बेसमेन्ट फार स्टारेज स्पेन प्लाट न० 3 लोकल शापिग मण्टर, आराम बाग, (दल्ली) तादादी-342 वर्ग फिट, लगभग ।

> सुनील वोपड। गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायका (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 23-4**-**1985

मोहर 🛭

वस्य बाह्यः औ ्त एउ

भावत्र आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुचना

Rada A M A Patente

आयोगय, महाग्रह आक्रमर अवस्त । रिमा

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 1 मई 1985

निरंग ग० आई० ए० सीः (एकयः (Ш/37ईई/9-84/592-अन मझे, सुनीत वीपाः

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उच्चित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मर्ज बी-29 है तथा जो 1- श्राल्ड रौहतक रोड, नर्ड दिल्ली में म्थल है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुर्वा म पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के नई अर्जन रेज-3, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिसार । सतस्वर, 1984, करंपवींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के अस्यमान परिषय के लिए अंशित को गष्टे हैं और मेक्स यह जिल्हा स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का रम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकाँ) और असरिसी (बंतरिसियो) के बीच एभे जतरण के लिए तय पामा गया प्रक्ति-काल निभ्नमिनिमान उपक्षक में उन्त अन्तरण मिक्सिस में राष्ट्र विक रूप मं कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किती जाम की बाबत, उक्त बिशिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य मो कमी करने या उससे अचने मों तृतिभा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय था किसी धन या जल्य जाल्यिको का किस्ह भारतीय प्रायकर अधितिकम १९०० (1922 का 11) या उक्त अधितिकम या धनकर अधितिकम या धनकर अधितिकम प्राचनकर अधितिकम (1957 का 27) अध्योजनार्थ अपनीत्रको देवारा प्रकट नगी ित्या गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में धिवधा के निए;

अत जा, उत्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मा, मी, उक्त भिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिया त्यिक्तमां, अधीन —— (1) क्या कस्पट्रभास प्राठांत जा पल--1 जशाभा डम्प्टर, 21-वागखम्बाग्रह सर्वास्त्रा।

(अन्तरक)

(2) श्रा भ्रेम नरायण गृता, गुपुत श्री टी० आप० गृता, निवासी—4/5100 कृष्णा नगर, अर्शल बाग, नई ।दल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पृत्रीक्त सपित के अर्थन क लिए कार्मवाहिया करता हाः।

समस सम्मारित के अर्थन के सम्मान वी कार्य भी सामाप उ-

- (क) इस सुभान क राजधन में अनायान की तारीन से 45 दिन की अनीन के अनीन के उठ दिन की अनीन, जा भी जनमि बाद में ममान्त हाती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तिकों में किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इब स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी जन्य स्थानस द्वारा, अभोहस्ताअरी के

स्वक्रीकरणः ---- ६समा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनयम हो ५२०० २८ ३ ए एटिए प्रिक्तिश्वर ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

बेसमेट न १ वी-29, । अल्डिंग न० 1-आल्ड रोहतक राड नई (दल्ली, पाडादा 27° प्रशंकाट ।

> मुनीस चापडा सक्ष्म प्रशिकारी यहायक सायक्त आक्ष्म (क्लिशिया), अर्जन रेकेच ४, क्ला नई टर्लीच 10003

[']दनाक ।-5--1985

ग हर

प्रस्प आहर् टी एन एस: -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २७०-५ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यांसय, महायक जामकर आयुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज. -3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1984-85 593-अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह बिण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भृत्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-26 श्रील्ड रोहतक है तथा जो दिल्ली में म्थित है (श्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आई० ए० सी० अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984.

को पृशाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिक्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिक्कत कि लिए तिय पाया गमा प्रतिक्कत कि लिए तिय पाया गमा प्रतिक्कत निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिवक अप से कि थत नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) एनी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--24---96 GI/\$5

(1) मेसर्स न्या अनस्ट्रवशन (प्रा०) लिमिटेड जी०-एल०-4, अशोका एस्टेट , 24, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1

(अन्सरक)

(2) श्री ए० कि० धवन निवासी—जी 3, पणजी, गोवा—403001

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्मित्ति के अर्थन के तिथ कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्यक्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा,
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

बी०-26, बेसमेट, भ्रोल्ड रोहतक रोड, (दल्ली---ए(रया 275 वर्गफुट ।

> सुनील चांपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-3दिल्ली,नई दिल्ली⊶110002

्रनांक 14-5-1985

मोहरू 🖟

प्रस्प बाब' टो. एव. एस -----

गायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निर्देश म० आर्ट० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/594--- अत मुझे, सुनील चाँपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्रास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० कार पाकिंग स्पेस न० 7, 3 भीकाजी कामा प्लेस है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनाक सिन्म्बर 1984,

को पूर्वोक्**त सम्पर्तित के उचित बाधार मृश्य ते काम के व्य**यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित **की गई** और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्यस बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के चीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिस्निलिखत उद्योग्य से उस्त अन्तरण सिवित हों नास्तिव व्याप सामा की न्या

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप को बाबस, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (६) एपी जिसी साय या किसो पन या अस्य अधिनयो की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम या धनकर पीथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में पिष्धा के निष्ट:

नतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनसरण मो. मौ तकः अधिनियमं की भारा 26,-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित स्थितयाँ अर्थात् :--- (1) मैममं भनाट प्रोपर्टोज एवम् इण्डस्ट्रीज लिमिटेड 102, 103, राजा हाउस, 30-31 नहरू प्लस, नई दिल्ली।

(अन्परक)

(2) बीना मसीन
 ए-2/16 सफदरजग एन्क्लेब, नई दिल्ली ।
 (अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

तक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं निवास की अर्थाध मा तत्मस्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्राक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहुम्ताक्षरी के पास लिशिसत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमा प्रमुक्त शब्दी और पर्दो का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20 क में पीरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, सो उस अध्याय मा विका गया हाँ।

वनस्यो

कार पाकिंग स्पेस न० 7, 3, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

सुनील चांपडा सक्षम प्राधि हारी महायव आयवार आयुवत विरोक्षण), अजनरंज-3 दिल्ली, भई दिल्ली-110002

दिनाक: 14-5-1985

प्रक्रम बाइ टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निदीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/ 595--अतः मुझे, सुनीय चीपटा,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इतमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

धींत्र जिसकी स० 9, 3, बी० मी० पी० ह तथा जा नई दिल्ली ब में स्थित है (बीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण घर स विणित है), रिजिरड़ो हर्ता के कार्यालय, आई० ए० मी० अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर जिधिनयम-1961 के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984,

कां पूर्वाको सपरित के उचित वाजार सूल्य में कथ के दश्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह (यह अस करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का रम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय गांवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्निलिखित अद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्निलिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्धरण वे हुइ किया बाव की बावल उक्क वरि-त्रिवृत् के क्योग कर को के बन्धरक के दाविश्य के कती करने वा उन्नके अवने के सुविधा के सिए;
- (क) एसी किसी बान वा किसी थन वा बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या थन केड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोज-नार्थ बन्दरिटी व्याय प्रकट नहीं किया गया वा या वित्या जाना चाहिए था छिपान में सविधा के विक्ष;

जतः अब, उत्तर जीभीनजस की भारा 269-ग को जनुकरण में, मैं. उत्तर अभिनियन की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, वर्णीय मन्त

- (1) कुमारी अदित जानन्द ग्रौर मास्टर वैभव आतन्द, मी०-19, चिराग एन्क्लव नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री आर० एन० कपूर ए०~2/16 सफदरजग एन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(अन्तर्शास्ती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पर्तित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ,---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की बवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी कविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी की पाश्च लिखित में किए जा सकींगे।

स्ताब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त अन्दां और पदों का, जो उकत जीभीनयम के अध्याय 20 के में परिप्राधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया हैं।

वर्ष्यी

मी० पी० एस०-५, उ मी शाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

मुनील चांपडा मक्षम प्राधिनारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-।।।,दिल्ली,नईदिल्ली-1100002

दिनाम . 14-5-85

मोहर 🛭

प्रकृतः नाहै. टी. एन. एस. ००००

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । । । । । को अभीन स्थना

FEW FURTH

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/584/596/37--ईई/---अत: मुझे, मृनील चाँपड़ा,

बायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसयें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० सी० पी० एस० 12, 3 भीकाजी कामा प्लेस, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बॉणन है), कार्यालय, आई० ए० सी० अजंन रेज, 3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाक सिनम्बर 1984,

को पृत्तें क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ण से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए स्य पामा नया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तिक रूप में किशात नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरम वे हुई फिबी आप की कार्या, उपले जिमित्तर की अभीन कर योगे के अन्तरक औ दासित्य में सभी करने ना उसके बच्चे में सुनिधा के लिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा से लिए;

कत. अब उक्त अधिनियम औं धाश 269-ज के अनुकरक में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मास्टर अदिविया भंडारी
यू० जी० श्री नवीन भडारी
मी०-439 डिफैन्स कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० कपूर सफरजग एन्क्लेब नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चवत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यवितया मा राजिया व्यक्ति द्यारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के उस सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण :—इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

वरसर्ची

सी० पी० एस०-12, 3 बी० भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुनील चौपडा मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिमाक : 14-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द ती एन एम -----

जाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सहकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनार 9 मई 1985

निर्देग स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37--ईई/9-84/ 597--अत: मुझे, स्नील चाँपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनेयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सर्पति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी म० स्पस भ० 5, उत्था जो उ-शिवाजी वाम में प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर उसस उथाबद अनुसूची पूर्ण कर से बिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर उसस उथाबद अनुसूची पूर्ण कर से बिल्ली में भारतीय अजंत रज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम-1961 के अधीत, दिलाक सितस्बर, 1964 करें प्रेंट्न सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूबिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बह् प्रतिजल से अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (ग्रंतरितिशों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निमालिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण वेहुई सिसी नाम की नावत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी कारने या उत्तरे वधने में स्वीवधा के बिए; बांड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर ऑधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हों भारतीय नायकर अधिनयम, गा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;
- अने अब उक्त आधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों, नर्भात् क्ष-

- (1) श्री योगेश नुनेजा, नित्रामी---42, लखनऊ राट, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रिश्म श्रोबराय, निवासी---एफ०--28, हाँज खाम इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए अध्याहिया करता हो।

उन्त सम्पत्ति से नर्जन के सबंभ में कोइ' आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविधि मा तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 चिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितमद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिसित में किए जा मकरेंगे।

स्पष्टिकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विवा नेवा हैं।

अनुसूची

कार पाकिंग स्पेम न० 5, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली

मुनील चांपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 9-5-1985

मोहर

मुख्य बार्ष . टर्र . एन् . एत् . -----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुभना

STATE STATE

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 मई 1985

निर्देश स० आई० ए० मी०/एउयू०/3/37ईई/9-84/598---अतः मुझे, गुनील चापडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसको इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में० स्पेस ने० 11, है तथा जा '-भी हाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसस उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), हार्यालय, अर्जान रेज-४ भई निल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अक्षान, दिनाक सितम्बर, 1981,

को प्राॅक्त मम्पित के उचित बाबार मृत्य से कम के दस्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सल्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दूर्यमान पितफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्ति। रिती (अन्तिरितिया) के बोच एस अन्तरण के । तर तय पाया गण प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्ति से वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (भि) समायम पे ह्याँ निश्वी नाव की नावश उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिमा के लिए;

मतः वय उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् — (1) श्री प्रेम चन्द तन्दा निवासी-10/61 विश्रम विहार, लाजपत नगर, 4, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मीरा कपूर, निवासी--ए-216, सजदरजग इन्क्रेंब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वान कारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी विकिश बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पान तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनयम, को अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं वर्ष कोगा, जो उस अध्याय मा दिया स्था है।

ग्रनुसूची

कार पार्किंग स्पेस न० 11, 3-भीकाजी कामा प्लंस, नई दिल्ली ।

मुनील चाँपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ला, नई दिल्ली-110003

दिलाक : 9-5-85

माहर:

प्रारुष् बाईं.टी.एन.एस ------

अश्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 9 मई 1985

तिर्देश म० प्राई० ए० मो०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/599--श्रनः मुझे, मुनील चौएटा,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ।69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का वह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,00,000/- रहे. में अधिक हैं

ग्रीर जिनका म० मी०-पं।०-एम०-14, है तथा जो 3-भीकाजी कामा प्रेम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर उसमें उपायं अनुसूची में पूर्ण रूप राजणित है), नार्यालय, ग्रार्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायंकर ग्राधिनियम-1961 के ग्रधीन दिनाक सिनम्बर 1984,

नं पूर्वित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास रित का कारण है कि य गण्चीकत सपति का उचित बाउर ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के न्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तयाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उच्त अन्तरण सिखत में बास्तिवक सप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी बाय की बावस, उत्तर अधिनयम के अधीन कर योगे के अन्यरक के शासित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा वी सिए; वरि/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को चिन्हों भग्रतीय जायका विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औं सिए;

अप्त. ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, चे , उक्त अधिनियम की धारा 269**-ग की उपधारा (1)** अधीन, निम्नीलि**खि**त व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) शीमनी उमा पुरी, निर्मासा-मा-12, प्रस्पास इस्केब, नई दित्ला ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्रीमतः त्रजला रना, पत्ना श्री एस० पी० रती, निवासी—ए-2/16, सफदरजग, इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

ना मह सुभाना चारो करकं प्वित्ति सम्मृतिस के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वात की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ झागा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सी०-पी०-एस०-14, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुनोल चौपडा सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), प्राजन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्रथम . बाहै . दी . एन , एस . ००,००० ।

आयकार अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक्ष आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/37~ईई/9-84/ 600--श्रनः मुझं, सुनीप्त चीपडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके यहणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धाना 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का प्राप्त हो। ह नावर पर्यात्त जिसका उष्टित बाजार गर्या 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन की स० स्पेस स० 8, है तथा जो 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्ष से विभित्त है), कार्यालय, श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में, भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन, दिनाक सितम्बर 1984.

को पूनोंग्स सम्मान ने उचित बाजार मुख्य में कम के दशपमा शितफल के लिए बन्तरित की गई हैं जोर मुफे यह ि इंग्य करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्मीत का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान शितफल सं, एमें दश्यमान शितफल का पन्तर्क (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीण एसे अतरण के लिए तथ पाप बबा प्रतिकल निम्निचित उद्विषय से उन्दे बंतरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिथिपदव के ब्योन कर दोने के अन्तर्क के व्यक्तिय में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए, बॉर/मा
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 19_2 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किरण जन्ती जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए.

(1) म० भनात इण्टरश्राइजेज, 102-103, राजा हाउरा, 30-31 नेहरू प्लेस, नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो नीना बेदी निवासा-ए-2/16,- सफदरजग इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति क अर्थन क निर्ध कार्यवाहिया शुरु करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी जा, जो उक्त जिभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार पार्किंग स्पेस मं० 3, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

मुनील घौपडा सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जत. अथ. उन्त लिधिनियम की धारा 269-न के जन्मरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनाक 9:5-1985

प्ररूप बाह्रं.दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

नारत सरकार

भागीनक भूगा अध्याप क्रामुक्त (शिर्याका) श्रजीन रेज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिना ह 8 मई 1985

निर्वेश स० आई० ए० मी०/एक्य्०/।।।/367-ईई/9-84/601---अतः मझे, सनील चीपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ल वा अधीन मक्षत लिक्जारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिल्लों स० वी-1, श्रीर बा-3, है तथा जो 1-कौशल्या एकं, हीत खा।, नई हिल्लों में स्थित है (श्रीर इन्से उपावत श्रनुत्वों में पूर्ण हा स विणित है) कार्यालय, श्रवंत रेज 3, नई दिल्लों स भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम-1961 के श्रवीन, दिनाह सितस्वर 1984,

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सपित का अभित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल को, एांसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंछा प्रतिशत से जिथक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीभ एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिश्वत में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया हैं:---

- (का अन्तरभा र होई किसो बास की बाबस, उक्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भा कभी करते था उससे अभने में सुविभा के लिए। और/या
- क) एसी किसी काब या किसी अन या अण्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1972 का १११ या उक्त अधिनियम, या धन-कर मोधिनियम, 1957 (1957 का 27) जना साधिनियम, वा प्राप्तिकी उलाम जकार लोगों जिल्ला स्था था था जिल्ला जाना पाहिए था, कियानों जें साविधा का लागा है।

अप. अब उक्त आंधिनियम की भारा 269-ग में बनुमर्थ को, मी, उपत जॉबिनियम की भारा 269-म की उपधारा .1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 25--96 G/85

- (1) मे० गुण्ता भाषेंट्य इण्टरनेशनल, ए-1/12, स्फरजंग इन्क्लेय, नई दिल्ली। (भ्रत्तरक)
- (2) म् ज्या कार्षेट्स उद्योग लिक 1—कांगिल्या पार्क, सूर्या मेशन, होज खाग, दिल्यी ।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हा।

उस्त सम्पोश क अर्थन के सम्बन्ध मा काई आक्षप .---

- (1) हम भवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अवधि या तरसबधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील स 30 दिन की अवधि, आंभी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्मिल में किए जा सकर्गा।

स्णष्ट्रीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना प्रा हैं।

क्षान्स**स**ी

बेगभेट न० बी-1 श्रीर बी-3, तादादी 1981 वर्गफीट, 1-कौशल्या पार्क, सूर्यमिशन, होज खास, नई दिल्ली।

> सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनाक: 8-5-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन मृष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एवयू०/III/37ईई/9-84/ 602--श्रन मुझे, सुनील चौपडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० वी-2 ग्रीर वी-4, है तथा जो 1-कीणत्या पार्क, हीज खास, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ प्रमुची में पूर्ण रूप में विभिन्न है), वार्यालय ग्रार्जन रेज-3 नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 के ग्रिधीन दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मभें यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और जंत-रिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अंतरक से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाम ---

- (1) मं मोड सिलोका प्रा० लि० बी०-10, लारेस रोड, नई दिल्ली।
 (भ्रन्तरक)
- (2) म॰ गुप्ता कार्पेटम उद्योग लि॰ 1-कीशल्या पार्क, सूर्या मेशन, हौज खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेट सं० बी-2 ग्रीर बी-4, नाहादी 1736 वर्ग फिट, 1-कीणल्या पार्क, सूर्या मेशन, हं ज खास, नई दिल्ली।

> मुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी महासक धाय हर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-उ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 7-5-1985

प्ररूप वाइं.टी.एन.एस. -----

श्चायकुर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ऋषी

धारा 269-भ (1) क अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 स्रप्रैन 1985

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/603---श्रन मुझे, स्तीन चीपडा,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके भरनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिनकी में बी-4, हेत्या जो 20, युमुफ मराय, नई दिल्ली, मे स्थित है (और इनस उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्ण च्य में वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ला में भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 के श्रधीन, दिनाक नितम्बर 1984,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित मा भारतिक रूप सं कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण स हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन के निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात ह— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (1) श्रांक्य फोर्ड इजीनियमं (प्रा०) लि०, 18, कर्माणयल कम्प्रेक्य, मालचा मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामा कुमारी,
 निवामी—बी—117, यकदरजग, इन्क्लेव, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमा भें से किनी व्यक्ति देवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास । । । । न मा । अग अ। सका ।

स्थरित्य - स्था प्रश्न शासी और पार्व हा, जो उक्त प्रोधीनगम क प्रश्नाय 20-क मा पीरभायित **है, वही अर्थ होगा, त्रो उस मध्याय मे दिया** स्या **है।**

अनुसूची

बेममेट सटोर नं० -बी-4, कम्युनिटी सण्टर, प्लाट० नं० 20 युमुफ सराय, नई दिल्ली, तादादी-315.26 वर्ग फीट।

> मुनील चोपडा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 23-4-1985

मोष्ट्र :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बधीन मुचना

भारत सरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश तं० आई० ए० सी०/एक्यू०/।।।/37ईई/५-84/ 604--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

अस्यकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इससे परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4,60ए/3 है तथा जो न्यू रोहत अ रांड
नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से बणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली
आयकर अधिनियम 1961 के अधीम दिलांग सितम्बर 196,
को पूर्वोक्त मंपीत के जीभत बाजार मुख्य न कम के पश्यकान
अतिफल के लिए अंतिरित की गई है और गुम्में यह विश्वास करने
का कारण है कि सभाप्योंकत मम्पित का उभित बाजार मुख्य
उपके द्यमान अतिफल मं, एमें व्हणसान अविफल का नदार पन्द्रा
गीतमत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिसां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया
शासकम, निम्निसित उद्वरियों से उक्त अन्तरण विकित में
शासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अल्लरण सं हुई किसी जाय की चावस, उनस अधिनियम के क्यीन क्या रात्रे के अन्तरक की साविस्त्र को कामी करने के उसस बचन मी मुकिया के लिए; और/धा
- (क) एसं किसी क्षाय पा किसी भन या काय जाएसाए। का, जिन्हों भारतीय वायकार वाधिनियान, 192% (1922 का 11) या उनत वाधिनियान, एए धन-वार वाधिनियान, १९६७ (193, १८० १) व प्रयोजनार्थ अवस्ति द्वारा प्रकृष्ट नहीं दिया भराष्ट्रा या किया जाना वाधिए था, १८६८ में मूर्वा की विष्

(1) ऋषी पूजा बिल्डर्स प्रा० लि० 6/4792, चांदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंचन गुप्ता निवासी—62 मदन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना खारी कारक पूर्वाक्त सम्यात्त के अजन क लिए कार्यवाही शुरू कारता हा।

उपत सम्मान्त की बाधन के संघर में नाई में। नाक्षम .---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों अप सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित प्रति।
- (ख) इस स्वता के राजपभ मा तकाधन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस् बद्व किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताअरी के पाण लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्काक्षारण:---६मना प्रयुक्त वादी और पदी का, जो इक विधिनयम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही. बही अर्थ हाना का उस क्ष्याय से दिया समा है।

धनुसुची

पलैट नं० 4, मैजनीय पलोर, पाल मोह्य भवत, 66-ए/ 3, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, मई दिल्ली, तादादी 270 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 10-5-85

प्रकृप कार्ष. टी. एन. एस. ----

भाषकर गोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याज्य, सहायक कायकः काम्यत (निरीक्तक) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिशांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० नी०/एक्यू०-॥/37ईई/1984/ 605--अनः मुझे, नुनीत चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत बोर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन, सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उन्नित नाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रांर जिमकी सं० 5.1, ए० एन० पी० एन० 2-ए० बी० सी० पी० है तथा जो ाई दिल्ली में स्थित है (शार इनमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण स्प से बांणत है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेज-3, पर्द दिल्ली में जायक अधिनयम, दें अधीन, दिलाक 17-म्बर 1984,

का प्रांक्त सम्पत्ति के जीवत माजार मुन्य म कम क द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है और मूक्ष यह विश्वास खरनं का कारण है कि स्थापका कर समित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिका म, एस द्रयमान प्रतिकल का पहार प्रतिकत स अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिका) और अमारिती (अन्तरिक्ता) के लिए एस अन्तरण के लिए तय पाया नवा द्रिक्ता, निम्नालाखा उद्योग्य स उक्त अन्तरण मिसित से वास्तिक रूप से कांधत नहीं किया गया है :---

- ्छ) अध्यस्था स हुए किसी अप की बाबस उपक वरिष्णियम की अधीन कर दोने के वनसङ्ख के वाधित्व मो कमी करने या उससे बचने मी सृविधा के लिए; और/अ।
- (क) एसी किसी आय था किसा धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्स अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) कैनाशनाथ और एसोमिएट 1006 कंचनजंगा 18, वाराखम्बा रोड, मई दिल्ली-1

अन्तरक)

(2) स्वास्तिक वूलन इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) विभिटेड सी०-698 न्यू फैंडस कालोनी मई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना आरी कारके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन की निए कार्यवाहियां १९७ करता हु।

उनत सम्परित को अर्थन क सम्बन्ध में बोर्ड भी जाक्षप :--

- (क) इस मुन्न को राज्यकृता प्रकाशन की टारीख क 45 दिन की सर्वाध या टरसम्बन्धा व्यक्तिया पर सूचका की टाफीस से 30 दिन की कविस, का भी अवधि बाद में न्याप्त होती हो, के नीतर प्रवास्त क्ष्मिया मान किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के स्थापत्र में प्रकाशन को तारीक स 45 फिन के कीलर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितकपूर्य किसी जन्म व्यक्ति इनार कथाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में ए शहर समा

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसू**ची**

फ्लैट नं० 511 (पिनिथ एरिया 551.90 वर्ग फुट) पाचवीं मंजिन, प्रस्तावित कर्माशयल कम्ब्लेक्स (ए० एन० पी० एस०)— 2ए भीकाजी कामा प्लेस गई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, दिल्ली नई दिल्ली→110002

बतः सन, उन्त निमिनयभ की भारा 269-ग के जनुसरण मं, मं उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीत, निम्निचित की की नगरी, अभीत् :---

दिनांक : 14-5-1985

प्ररूप आहाँ, टी. एन एस.-----

बाधकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 24 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/॥।/37ईई/9-84/ 606--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 66-ए ब्लाक ए-2 है तथा जो पश्चिम विहार ए नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पुनींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पद्दें हैं और स्कें यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रवभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत विधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उकत अंतरण निवित्त में वास्तुविक रूप से किथित नहीं किया नया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, तक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कभी कहते वा उन्नच बाबने में सुविधा के सिए। बाँड/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितों द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० ती० शर्मी मुपुत्र श्री गोनाल दास गर्मी निवासी—-जे-60 सरोजिनी नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विभिन्न गर्मा सुपुत्र श्री डी॰ एन॰ गर्मा निवासी---17/72 पंजाबी बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्म्सि के वर्जन् के सबध मा काई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों मं स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट न० 66-ए ग्राउण्ड फ्लोर ब्लाक 'ए-2' (एम० -आई०-जी०-फ्लैंट्न) पश्चिम बिहार ए, नई दिल्ली तादादी-87.23 वर्ग मीटर ।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, दिल्ली नई दिल्ली→110002

दिनांक : 24-4-85

मोहर 🖫

प्रकार बाहें. थी. एन. एस. -----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 22 अप्रैल 1985

निदेश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/607---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदबाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह से अधिक है

भीर जिसकी म० आर-1′ है तथा जो बीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य में बर्णित है) कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में आयरण अधिनियम 1961 के अधीन, दिशा ह सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इक्ष्यमाग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण के बिक्य में वास्तिक क्ष्य से किथा गया है .——

- (क) जतरण से हुई किसी आप की बाजस, उक्स जीविनयभ के जधीन कर दान के अहरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दालस, कोर/६।
- (क) एसी किसी नाम मा किसी धन मा जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्राजनार्थ अतिरी देखारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, स्थिपन में सिविधा की लिए,

(1) मैं० अन्सब प्रापर्टीज एण्ड इडस्ट्रीज (प्रा०) लि० 115, अन्मल भवन, 16, कस्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० मनजुल ब्रादर्स एमोसिएट्स 24, माडल टाउन, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के तिहर कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ;---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को अविधि या तत्स्यधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियाँ में म किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहन्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

*भक्ष्यीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा० न० आर—12, भीकाजी शामा प्लेस, मई दिल्ली तादादी— 481 वर्ग फिट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

कतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिकतं व्यक्तियों, सर्वात ह—-

दिनाक : 22-4-1985

मोहर .

प्ररूप आई. टी, एन एस ------

शावकर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण) अर्जभ रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, टिमारू 32 अप्रैल 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एनग्०/ /3/ईई/9-84/ 608--अत. मुझे, सुनील चेशना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्परित, दिस्था उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी अर्ज या उससे अखने में सृविधा के सिए; जार/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सबत अधिनियम बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः वान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) मैं असल प्रापर्टीक एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रमल नदन, 16—डे० जी० मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) पी० ए० थोमप, श्री पड़ीय शीमम माफत कैमेज इस्टेट्स एण्ड जन्स्ट्रकशन प्रा० लि० आर०-3, ग्रीन पाक, ग्रीन पार्क मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ययाहिया करता हु।

उथरा सम्पत्ति क वर्षन क मम्बन्ध मा काइ भी जाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपण के शनकाणन की तारीब से 45 दिन को अगिध गा तत्सम्बन्धी श्वास्तियों पर स्वना की तामीज से 30 दिन को अगिब, जो भी जविभ बाद में तमाप्त हाती हा, के भीचर प्वाकित व्यक्तियों से से किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उद्युत स्थावर प्राथित में द्वित्रबन्ध किसी अन्य त्यापत द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण --इसप्र पय्वत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

फ्लैंट न० आर-II, विरिड्ग न० 6-भीकाजी हामा प्रेस, नई दिल्ली, तादादी 490 वर्ग फीट ।

> मुनील चीपडा मक्षम प्राधिनारी सड़ायक ॥यभूर जायुम्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—3 जिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाक े ?-- '-- 1985 **मोहर** ≝ अरूप आईं, टी. एन. एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक अप्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985 निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/II/37ईई/9-84/609--श्रतः मुझे, मुनील चौपडा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० एम-2/5, है नथा जो कौणल्या पार्क, होज खास, नई दिल्लो में स्थित है (और इमसे उपाबड़ श्रनमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), हार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961, के अधीन, दिनौंक सितम्बर, 1984,

दी प्रशेवित सम्पत्ति के उचिन आजार मृन्य से कम के स्थ्यमान श्रितफ स के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार प्रत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और प्रंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्निलियित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए जिसी जाय की सावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व के किन्तरक की बायित्व के किन्तरक विश्वास के किन्तरक की कार्यन के किन्तरक की सिविधा के किन्तर का कार्यन के किन्तर का किन्नर का किन्तर का किन्नर का किन्तर का किन
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिक्या के लिए

- (1) म० कौशल्य एजुकेशनल ट्रस्ट, द्वारा श्री विवेक कपूर (ट्रम्टी) कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री म्रजय जैन सुपुत्र श्री म्रार० एम० जैन, फ्लैट न० 101, ग्राउण्ड फ्लोर, 5—कौगल्या पार्क, नई दिल्ली~16।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख हा 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसः नया है।

अन्सूची

फ्लैट नं॰ एस-2(एफ-एफ) दूसरी मंजिल, ताक्षादी 400 वर्ग फोट लगभग, पीछे का भाग, बिल्डिंग नं॰ 5-कीश्लया पार्क, होज खास, नई दिल्ली।

मुनील घौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-5-1985

प्रथय यहाँ ही. एक. एव.----

आनवार मिर्मानयम, 1960) (1961 का 43) की भारा 21.4-त (।) क बधीन गुमना

गर्कर प्रक्राव

कार्यालयः अन्य क जाग्या वाय्यस (निरीक्षण)

भारत शिश-III, नहीं लिस्ती वर्त कि कि, दिनांच 24 अप्रैन 1985

নিবাং প্র নাজ্য প্র নার/দ্ধার্থ[II] 37ইই/9-84/ 610--प्राप्ता स्थाति स्थाति,

अध्ययन अभिनेत्रका, १९५३ (१९६१ का 43) (विशे इसमें इसके परकार एका पंजीवाण यहा गया है), की धारा 269-स के अर्थन पहाल प्राधिकारों का, अ**ह विक्यास करने** का कारण में एक अधार सम्पति। जिसका अचिन बाजार भून्य र,800 (190) - रूप में लगकही

व जी सं वेपनेंट बंद ही तथा जो की ग दार्थः नो किन्तुः भाकत्वा । व विश्वत है (श्रीर इनस उपायद आन्त्राचीर के वर्ष गए के हिंदि है), अधीलया, आर्जन वेड-III. स्ट किसे, भारतील प्राप्त श्रापित्यम्, 1961, के खाधीन, विसीय र लग्ना 1981.

कार वार्धकर पर्योग पापाल । सामा धारम में क्या की सम्पादान श्रीहरूल के निए भंतरित भी गई है और मफे पह विश्वास करने का कारण है कि रथापयोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार अत्य, जन्यो पञ्चमान प्रतिकाल सं, श्ले राज्यमान प्रतिकाल का पल्दह प्रतिकार म अधिक हो लंग अल्लाच्या (अनरकाँ) और अंतरिती (खन्तिशिविधाः) ते हिन्तु ११वं । प्रत्यक्ता की निर्मात्वस गरम । गया प्रतिकास, विलिधितियन उपुरविय में उपत मंतरण निष्तित में चार्लीबहा अस में को पाल गर्दी नेक्सर बबा है ए--

- (क) प्रत्यक्त ने पूर्व किली जान की **बाबत. उक्छ** व्योगी सन्ता के अधीन कर दोने की कसारक के वाणित्य याँ कर्म अर्थ यह तराम बचान में मिया के लिए; 418/45
- ्ष्को गांधने विकास त्राच्या विकास अने मा अन्य आस्तियां चरा १५२० वास्तिष अध्यक्षण अधिनियम, 1922 119 💯 🖘 😗 भा उक्त विधीनयम या । धनकर और्यायन्त्र । ११५७ (१५५७ का ५५) के प्रयाजनार्थ अकारिती प्याप प्रकट नहीं निया गया था या रेप्पा जारा महीरम भा कियाने मी मुविधा की जाए

लशः कत उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, भैं, उक्त अधिनिया की धारा 269-ए की उपधारा (1) ल अपीन, विकासिकिया व्यक्तियाँ, अधार :--

(1) खा यतील चन्द्र जैन. ांनवागो---के-41, हीव खास इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) ये॰ येना सीनिक इंप्टच्याइजेज, द्वारा श्रीमती उपा $\sqrt{2\pi} (\sqrt{3} + \sigma - 1/62)$, आजाद अपार्टमेंट-श्री अर्रावन्दी मार्ग, नई दिल्ही--16 ।

(अन्तरिती)

का ग्रह शुक्ता कारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवास्त्रात करता हो।

तक्षर सरपरिता को कार्यन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी अयक्तियाँ पर स्थन की तारील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवाय बाद के समाप्त हाती हां, के भीतर प्यांकत व्यक्तियां में म किसी आवित दवारा;
- (ख) इस सुखभा के राजधन में प्रका**लन की सारीच से** 45 जिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्वध्दीकरण:--हममें प्रस्वत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

मोना अपार्टमेंट, बैभभेंट एरिया नं० 100, 4-कौशल्या पार्क, हीन खाय, नई दिल्ली-16, तादादी 900 वर्गफीट ।

> म्नील चौपषा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रंज-III नई दिल्ली-110002

दिनाक : 24-4-1985

प्रस्प बाद . टी. एन . एस

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत सरस्वर

कार्यानय, समयक नायकर नायुक्त (विरोधान)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, दिनॉक 10 मई 1985 निदेश सं० ग्रांई० ए० मी०/एक्व्ं/ध्या/37ईई/9-84/ 611--ग्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

शायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के वधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उच्चित् बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 310, है तथा जो 22-राजिन्द्रा प्लेख, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन्सजी में पूर्ण स्प से वर्णित है), कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई धिन्नी, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रधीन दिलांग सितम्बर, 1984, का पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित काकार मृत्य हं कल के ध्रम्माम शितम्स के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र वह विक्याध करते का कारण है कि वभाप्योंक्त सम्पत्ति की वह विक्याध करते का कारण है कि वभाप्योंक्त सम्पत्ति की खंडि क्ष्मान ध्रित्यक का विक्याध करते का कारण है कि वभाप्योंक्त संस्थानित की खंडि व्यवसाय ध्रित्यक का विक्याध का विक्या की की विक्याध की विक्याध की विक्याध के विक्याध की विक्

- (क्स) जन्मरण संदुष्ट किसी बाय की शक्त उपन सीमिनयम की सभीन कर दोने के बन्दाश्य की सावित्य में कभी करने या उपने बचने में सुविका के सिए; और/मा
- (व) एमी किमी आय या किसी धन वा काल कारितयां को, जिन्हों भारतीय जायकर कीर्धानवम, 1922 (1922 का 11) या जकत जीर्धानवम, या क्य-कर संधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिशिक्षण प्रकार प्रकार प्रवास्था या या किया जाना शाहिए था, किशार से क्षीयका वे निए;

बत: जब, उक्त बीधनियम की धारा 269-न के अन्सरण कें, मैं, उक्त बीधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, जधीन:—

- (1) मैं भेडी धीमना तह, तह जोभिष्या निह तेही (दूसको) 35/13, है, इस्तान जान, पर्व विश्वास । (सन्तर्भ)
- (2) ग॰ भाष्ट्रमा । तत्वता च्यापान त्यां णान, 48-ए, जोर वाम, वस् दिल्या ।

(খলাখিলী)

को गह स्थना कारों कारक पुरीकत नाजात तो एका छ । पाक कार्यनाहियाँ करता हो।

जनत संपंति के अजैन की कवीन की लाखी की लाजार --

- (क) यम मुखना के राजार र जा र प्रशास राम नाम कर प्र 45 दिन की अवस्थि जा राम त्यार माने वापात कर स्थान की तामील से उसे तिक जा वासीक जो की अवस्थि बाद मा प्रयास का कि हो। जिस्साम मुक्ति हुए व्यक्तियों भी के फिल्मी कर्ता के क्षेत्रक
- (क) इस स्थान को राजपंत्र में ग्रमाणन को सार्थक है . 45 दिन की भीतर उक्त क्यानर रक्षित को हिस-बस्थ किसी जन्म व्यक्ति दुशाय जनाकृष्णाकारी की पास विधित में १४०० का एटं।

स्वाधित्य : इसमें प्रमुक्त कार्यों क्षेत्र को ११६ अर्थ स्वतः व्यधित्यक्ष की प्रकार १११-५ है कार्याक्षण हुँ, वहीं वर्ष हुई। हा ३१४ अन्तर की दिहा गरा हुँ।

MALAH

फ्लट सं० 310. तोत्रास भीजा, प्रथम स्वतर-11, 22-राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्लो, सहादा 731 पर्व भाउ ।

> ुतीन जोएड़ा नजप प्राधिकारी सहायक शायका नास्तात (निरीक्ण), अर्वकरीय-अवह दिल्ली—110002

दिनाक : 10-5-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० बी-4/203, है तथा जो सफदरजंग इन्क्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण मप से विणत है), कायोलय, प्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनाफ सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके धर्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ के अन्मरण क्रें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नेथित् है—

- (1) श्री एस० सी० मेवानी , निवासो—17/12, र्राजन्दर नगर, नई दिल्ली-60 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० एन० गर्मा, निवासी—मकान स० 80, मेण्टर ए नुभाष नगर, जम्मू (के० एण्ड के०)' (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

श्रन्सूची

निवासीय मकान मं० बी-4/203 सफदरजंग इन्क्लेव, मई दिल्ली, तादादी 1200 वर्ग फीट ।

सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-5-1985

प्रस्य आई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचन।

भारत सरकाऱ

कार्यासक, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/ 613—ग्रतः मुझे, सुनील चीपड़ा,

शायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितको सं० 209/9, है तथा जो भीकाजी काम प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ध्रथमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत् किंपिनियम के जभीन कर देने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बार/का
- (व्य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में जुनिधा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार। 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, जुर्धात्यू—

- (1) भासीन सन्स प्रा० लि० 5, अलिमिल तहिरपुर, न्यू इण्डस्ट्रीयल कम्प्लेक्स जी० टो० रोड, शाहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरक)
- (2) कावेरी इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज लिव 26-कथेदराल रोड, मद्रास-86 । (भ्रन्तरिती)

को यह त्यना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त संपहित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थान्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धािकरण: -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

प्लैट नं० 209, बिल्डिंग नं० 9, भीकाजी काम प्लेस, रिंग रोड, नई दिल्ली, तादादी 494 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज-3 नई विख्ली-110002

दिनांक: 3-5-1985

भोहर :

प्ररूप बाहें. टी. एह. एस. ------

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37—ईई/9~84/ 614—अतः मुझे, सुनीत चारड़ा, अहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धार जिसकी सं० जी-11 है तथा जो कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ही), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीत, दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दु—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आव की नावत उनके अधिनियम के अधीन कार देने के अस्तरक वें दायित्व में कमी कारने या उत्तससे बर्धने में सुविध, के स्तए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के सिए।

(1) मैं० सूर्रा इण्टरप्राईजेस (प्रा०) लि०, एल-34, कीर्ति भगर, नई दिल्ली।

(अन्तर्भ)

(2) मैं॰ मौड, सिलीका (प्रा॰) लि॰, बी॰-10, लारेंस रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के क्वान के संबंध में कोई भी जाओप :----

- (क) इस मृखना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स्व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं पकाक्षन की राजीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा प्रकारी।

रमध्यीकरण: इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

क्यूस्ची

स्पेस नं जी-11, ग्राउण्ड फ्लोर, 1, कौशल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली, तादादी-557 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 22-4-1985

मोहर 🔞

प्रकृप मार्थं .टी एन .एथ

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

काशांलय, सहायक नायकार वायवस (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

जिदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II1/37ईई/9-84/ 615-अत: मुझे, सुनील चोपडा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 210, 9, बी० सी० पी० है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उताबद्ध अनुसची में पूर्ण- हप से बणित है), नार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वोबन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान उतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सपिस का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्र प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अतरकों) और अतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदय थ्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी काद की अवस्त, उत्थक अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के साबित्य में कमी कारने वा उत्थवे अवने में सुविधा को सिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों कां चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, खियाने में समिशा की निए:

क्षत अब, उक्त अधिनियम की बारा २६०-ग के अनसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६० श की खपधारा (१) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तिमों अर्थात —— (1) पैराडाइम टूर कस्मनी (जाई०) (प्राइनट निमिटेड) 15, आनन्द, निहतन, नई दिल्ली-21।

(अन्तरक)

(2) काथेरी इजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज लिमिटेड 26, कैंपाडरेल रोड, मद्रान-86 ।

(अन्तरिती)

का वह स्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् ज्ञायनाहिया करता है।

जबरा सपरिए के अर्थन के सनभ में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सृष्यना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद मो समाप्त हाती हो, को भी पर प्रविकत अधिकत्तरा मा सिक्सी स्वस्ति स्वारा;
- (ख) इस सधना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र निस्त में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, वा उनस किंप-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष हाया, जा उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्यी

प्लैट 210, बिल्डिंग सं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुनीन चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 14-5-85

श्हर

प्रकृप काइ.टी.एन.एस. ------

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/ 616--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आर० 749, न्यू राजेन्द्र नगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भ्राँर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेंज-23, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण

- (क) बन्नरण से हर्ड किसी आय की बाबत, खक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में स्विभा के सिष्टा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मोतिया रानी कपूर निवासी आर० 749, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णन अरोडा, निनोद अरोडा, संजय अरोड़ा, राजीन अरोड़ा श्रीमती विद्या वत्ती अरोड़ा, निनासी—1416, पहाड़ गंज, मई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपति के अर्जन के मबंध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील गे 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृर्वीकल व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अह सकरो।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर०-749, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर 🗯

प्रकल बाइं.टी, इन्.एड.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 389-ध (1) के अधील सूचना

भारत सरकाद्व

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
मई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/617---अत: मुझे सुनील चोपड़ा,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चकत् 'उपल अधिनियम' कहा नवा है), की मारा 269-म के असीन सम्भाग प्राधिकारी की, कि विश्वास करने का कारण है कि ल्यावर संपत्ति जिसार उविश्व बाजार मुग्व

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० स्पेस सं० 17 है तथा जो 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (आँग इसमें उदाबढ़ श्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, अजेन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम दिनाक सिनम्बर 1984,

क्ये पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित नागर मूल्य से कम के दरवमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गर्ड है और मूझ यह निक्तात करने का कारण है कि यथापृत्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे दरयमान प्रतिकाल का पन्कह प्रतिकाल से प्रधिक के और सम्बद्ध (धन्तरकों) और धन्तरिकी (धन्तरितियों) के बीच एप धन्तरक लिए तय पामा नमा प्रतिक सम्मानिवितित उद्देश्य प उच्च धन्तरण निक्षित व बास्तविक क्या निम्मानिवित उद्देश्य प उच्च धन्तरण निक्षित व बास्तविक

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आश्रत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कों कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अवस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रश्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिम्नियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कि एक स्था अन्तर अस्ति क्षा का प्रकट नहीं किया गया कि एक स्था अन्तर अस्ति क्षा का विकास के स्था का विकास का स्था अन्तर अस्ति का विकास का स्था अस्ति का स्

क्षप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपभारा (1) के अधीन जिस्तिलिखित व्याक्तया, अधीन जिस्तिलिखित व्याक्तया, अधीन जिस्तिलिखित व्याक्तया,

(1) श्रीमती कमल जैंभ निवासी—डेरा इम्पेक्स, 73/5948 बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय ग्रोबर (एच० यू०-एफ०) डी-211, अशोस बिहार, भाग-।, दिल्ली-52 (अन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिध् कार्यगाहियां सूक भारता हूं।

क्रमच क्रम्परिक को अर्थन को क्रम्परथ में खोड़ों और गाओप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 बिन को समीध का तानमंगी आविश्वयां पर सूचना की ताबील से 30 बिन की जक्षि, को भी समीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में है किसी काविस क्षारा;
- (व) इस सूचना के राष्यभ में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर ठक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बब्ध किती बन्ध व्यक्ति ब्नारा, अशोहस्ताक्षरी के बाज फिबित में किए वा सकोंने।

अग्राची

कार पार्किंग स्पेस नं० 17, लोवर ग्राउण्ड फ्लोर, भ्रांसल भवम, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिमांक : 9-5-1985

प्ररूप जाइंटी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २५८-५ (1) के अभीत सचना

AUTH STAILS

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाक । मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/618--- अतः मुझे, भूमील चोपडा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'ज्ञन अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- गर से अधिक है

स्रोप जिसकी स० पू०-जी०-5 है तथा जो 1/3/4420, 4121, कटरा रायजी, पहाड गज, वर्ड दिल्ली में स्थित है (स्रॉट इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप न विणि है), सापित्र, अर्जन रेंज-3, वर्ड दिल्ली में भारतीय आययज्ञ अधिनियम, 1961, के अधीन, दिनाक भितम्बर 1984,

का पूर्वोक्त ए.मिला क उचित बाजार मृत्य म कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृत्रे यह विश्वास करत का कारण हैं कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उधित बाबार मृत्य, उमके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकान से अधिक हैं और अन्तरक (अनरका) और प्रतिनित्ति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त बन्दरण निस्ति में बस्तविक स्प से अधित नहीं किया गया हैं.....

- (का) अतरण मं हुइ किसी गाम की बाबत जन्म जीगीनियंत के अधीन कर हुने की लमाक हे रामित या नामी कारने था अनुसां त्रभने थी जीगमा की (चार) और श्राप्त
- (भ) एंसी किसी अब का किसी अन ना बन्य नास्थित का. जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 12) का जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 42 असे अधिनायम, 42 असे अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या का या किया जाना नाहिए था, छिपान प्राप्त मिया के निए.

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (!) के मधीन , निम्नितियिन व्यक्तियों , अर्थात - - (1) जैना प्रांपर्टीज प्रा० लि॰ आदिनाय श्री-हाउम, अपो० सुपर बाजार, कनाट नर्कस, मई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एम० गिन, मुपुत्र स्व० एस० डी० एम० गिन, निदागी—एफ-29—डी, एम० आई० जी० फ्लैंट, डी० डी० ए०, जी०-8, एरिया, हरी नगर, नई दिल्ली-64।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अगरा करक पृथांकत सम्परिश के अर्थन के विष गर्सवाहिया करता हुए।

जक्त सम्मित्सि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मृत्रन की तायील से 30 दिन की बयि , को भी क्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्य क्वित्यां में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूजन के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितवष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शब विकित प विश्व जा मकींगे।

म्पार्टीकरण ---हास प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उनके अधिनिद्या के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा मो उस अध्याय में विमः यक्षा हैं।

अनुसूची

यू०--नी०--5, पहाड गंज, न० 1/2/4420--4424, कटरा रायजी, नई दिल्ली, नादादी 144 वर्ग फीट ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज~3, नई दिल्ली-110002

विनावः 1-5-1985 मोहरः प्रकप आईं. दी. एन. एस. -----

बामकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 1 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 705-ए है तथा जो जैना टावर डार ट्रीक्ट सेटर जनकपुरी नई दिल्ली में।स्थत है (आर ट्यों) उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र जस्ट्रीकरण क कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में मार्गीस्य जायकर अविनियम 1961 के अधीन तारीख ।सनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गर्ड है और कृष्ठ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकार म अधिक है और अतरिती (अर्तार्शतिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक उक्दों से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिविक रूप से लिथत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिसिवयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में भूरिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उक्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) केप्टैन डां० वीं० । मह , निवापी, 6--। वजय पार्क, चौकराना राइ, देहरादून (यु०पी०)

(अन्तरक)

(2) गैं० जैना प्रापटीज प्राचातक, आदि नाथ श्री-हाउस, अपोंच सुपर बाजार कनाट प्लेस सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस कुंबन के रायमत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचन की तामील स 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त हानी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० न० 70-ए, जैना टावर । इस्ट्रिक्ट मेटर-जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्गफीट ।

> मुनील चोपडा मक्षम प्रा∫धकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज⊶ ३, नई दिल्ली

दिनाक: 1-5-1985

मोहर .

प्रक्ष नाहाँ थी . एन . एस . ------

स्त्रमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

काशंबय, सद्दायमा वायकर बायुक्त (मिरीक्षण) धर्णन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/iii/37ईई/9-84/620—अत- मुझे, सुनील चौपड़ा,

ज्यासकर सिंपितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्तात् 'उन्ता अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन बक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थानद सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/-उ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 204बी है तथा जो प्लॉट नं० 3, जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के खेकित बाकार मूस्य से कान के दश्यमान प्रतिकास के रैंसए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे व्यथमान प्रतिकाल का पन्नाह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक अंतरकाँ) और अंत-रैरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के जिए सथ पाया गया प्रतिकास, निम्निसिवत उद्वेद्य से अवत अंतरण सिवित में बास्तीकक रूप से कीवत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरक ते हुई किसी भाग की मानत, उनक अधि-भिगम के अभीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कनी करने वा उसने कनने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चला चाहिए था, कियाने में सुविधा के चिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—~ (1) श्रीमती एस० के० गीदवानी, पत्नी श्री ए० के० गाद्यानी, निवासी-जी-9, एन० डी० एस० ई० भाग-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० , आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नर्ष दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (स) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त सीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 204बी, दूसरी संजिल, एलाट नं॰ 3, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली, सादादी

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

विनांक: 7-5-1985

क्ष्मय बाह् .टी. एम्. एस . -- "------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-थ (1) के सधीन स्थान

बार्ड संस्कार

कार्यालय, सञ्चायक भायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनायः 26 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/ $\widetilde{\Pi}$ /37ईई/9-84-- 621--अतः मुक्षे, सुनोल चौपडा,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 261 है तथा जो पाल मोहन हाउस करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान तिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है भीर मुझे पह विश्वाध कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार ल्य उनके दू प्रमान मिनिकल में, ऐसे दूर्वमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रभिक्ष है भीर मन्तरफ (धम्तरकों) भीर अन्तरिती (यम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा सथ प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिक्षि में बारतिका कप स किंबत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्डिशा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात म— (1) मैं॰ पाल मोहन कन्सद्रमशन कम्पनो , 6/4792, चादनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं० ट्रैंबल्स मोर, 5/67, डब्ल्यु० ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रोप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्योंक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्षीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 201, पहली मंजिल, मोहत हाउस, करोन बाग, विल्ली, तावाबी 378.2 वर्गगण ।

> सुनील **चौपड़ा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, न**ई दिस्सी**

विनांक: 26-4-1985

मोष्टर :

प्रकृष् आई. टी. एन. एस. ------

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

मारत संडक्त

कार्यालय, सहायक भायकार मामृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/III/37ईई/9-84/ 622-अतः मझे सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 202, पाल मोहन हाउस, है तथा जो 5/67 पदम सिंह रोड, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984.

को पूर्वोक्त सम्यक्ति को उचित बाजार मूल्य से कथ को क्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उमित याजार मृल्य, असके "रयमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत स पिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया वितिफल निम्नुलिकित अव्योध्य से अवत बतरण सिवित में भारतिक रूप संकथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुर किसी आय की बाबस, उपत अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी कारने या उत्तथ वच्चे में सुविधा के सिए; बरि/या
- (क्ये) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, या **भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को जयाक्नार्थ अंतरिती क्कारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्थिम के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क गंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० पाल मोहन कन्सद्करान कम्पनी 6/4792, चादनी चीन, दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर, निवासी-21/56, पजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करुको पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता 👸 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी अविध बाब में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में शकाबन की तारींक सं 45 दिन को बीहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:----इसमें प्रयुक्त शुक्दों और पदों का, अरे उक्त विधिनिवयं के बध्यायं 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🐉 ।

वन्स्ची

प्लॉट नं॰ 202, पहली मंजिल पाल मोहन हाउस, 5/67, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 455 वर्गफीट।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-III, नई दिल्ली

दिनोक 26-4-1985

मोहरु 🖫

प्रस्प बाइ. डॉ. एन. एस्. ======

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भागकार भागक (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985
निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/3/37ईई/9-84/622ए—अतः मुझे मुनील चोपड़ा
ग्रिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असे परवात 'उक्त कीधिनमम' कहा गया हैं), की पारा 69-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मंदित विस्का उच्चित बाजार मुख्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीण जिसकी सं० 307, है तथा जो 5/67, पदम मिह रोड, हरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख सितम्बर 1984

ते पृथां करा सम्परित को उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विक्यास इस्ते का कारण हैं कि स्थाप्नोंक्त संपरित का उचित बाजार क्य. उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, होसे क्ष्ममान प्रतिफल का ल्या प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-त्ल निम्नलिखित उद्वेषम से उनत अन्तरण जिबित में बास्त-वक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की वाबत उक्त मिथ-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी कड़ने या उसके वचने में सुविभा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा औं सिए;

क्त: अप, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए की अनुसरण
 में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
 है स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्ष्---

(1) मैं पाल मोहन क सट्रवशन कम्पनी 6/4792, चादनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) के० एम० पानीकर,604, गगन दीद, 12, राजेन्द्रा प्लेस,नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास चिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

पनुसूची

फ्लैट नं० 307, दूसरी मंजिल, पाल मोहन हाउस, 5/67, गदम सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादाधी 250 वर्गफीट ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 23-4-1985

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के ब्रेसीन स्पना

नारवं सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/3/37ईई/9-84/ 624---अत: मुझे सुनील चौपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सीर जिसकी सं० 304, है तथा जो जैना टावर, जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में विजित है) रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन, रेंज-3 नई दिल्ली में; भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को भ्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान अन्तरित की £, प्रतिकल के सिए विश्वास करने मभो यष्ट का कारण कि पथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रीतफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अपने से सुविधा के किए; कॉर/वा
- (च) श्रेसी किसी बाय वा किसी घन वा बन्य आस्तिनों को. जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्षण या या किया जाना वासिता था विध्वानों में स्विधा की निष्दः

कतः कथा, उकत अधिनियम की भाग 269-ग के अनसरणः वै. वै, शकत विधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) तै विधीन किर्निसित व्यक्तियों. त्रथांत र— (1) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० , आदिनाय श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमलदास चावला, सुपुत्र श्री क्रुतजाख राव चावला, निवासी-सी/2/239, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वों कत संपृत्ति से वर्षन के ति। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप #---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की कर्नाभ, जा भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्येक व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर स्थानित में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अभोहस्ताक्षरी के शब निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः-श्वमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, श्रो उक्ध अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा

बमसकी

प्रो० नं० 304, (तीमरी मंजिल) जैना टावर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली जनकपुरी, तादादी 130 वर्गफीट। सूनील घौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-5-1985

प्रकृष आहाँ . सी. एत . एस . -------

भारतकर मधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० मी० एक्यु०/3/37ईई/9-84/ 626--अत: मुझे, मुनील चाँपडा,

भक्तर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें कि पश्चात् 'उक्त निर्धानयमं कहा गया हैं), की भारा 69-व के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रख है कि स्थानर नम्पत्ति, जिनका उचित बाबार मूल्य, 00,000/- रा. से निर्धान हैं

गौर जिसकी मं० 3बी/8 है नथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली र स्थित है (ग्रींग इसस उपावड अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप विणित है) पित्रस्ट्रीकर्ती के कार्यालय अर्जन रेज—3, नई दिल्ली सारतीय आयक्त अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सतम्बर 1984

ो पूर्वोक्स सम्बक्ति के उिचत बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान तिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास तो का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उिचत बाजार त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय शा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उपयोग्य से उक्स अन्तरण हिस्स में बास्त्रिक रूप से किथत नती किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय शी बाबत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिरण में कमी करने या उसते बचाने में सुनिधा के तिक: जर/वा
- (क) एसी किमी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीर, जिम्लिनिसित व्यक्तियों, अधीत् — 18—86 GI/85

(1) श्रोमती मीता देवी.
 तिवासी-बी-5/140.
 सफदरजग इन्कलेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मातिया रानी कपूर , निवासी-5बी/8, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सृष्यना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस कुकना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूकना की ताणील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकत्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, प्रही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

अन्**स्यो**

प्रो० नं० 5बी/8, तिलक नगर, नई दिल्ली, ताडादी 200 वर्गगज ।

> सूनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी महासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—3, नई दिल्लि

दिनाक : 10-5-1985

मोहर :

प्रस्थ काहाँ भी एस. एस. -----

भायकर किपीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

רת דין זיידע

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नर्र थिलरी। दिनाक 3 मई 1985 निर्देण सार आर्टिश एए सीश एक्सु र/3/37ईई/9-84/ 627--जन मझे, सनील चीपदा,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके परनात 'उबते ऑधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से के तथीन सहस्य श्रीधकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किनका उनिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

प्रीप्त जिनकी स्व एप-1, हत्था जो 1, कौशल्या पार्क होत्र खाग सर्व ।दल्यी में स्थित है (प्राप्त इसमे उपावह जनस्मी में प्राप्त पर्य माविधा है) प्रिक्ति के कार्यालय अर्जिय रेंज-3, वर्ष दिल्यी में भाग्तीय आयक्य अधिनियम 1961 के अर्थान वारीय भितम्बर 1984

को पवांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्काँक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल में एसे दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अल्तरितियां) के बीच एमें अल्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में काँथस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; बार/या
- (स) एमी किमी आय या किमी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (१) का १९) के कि भारतीय आपकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1937 (1957 का १९) के प्रकार अधिनियम, 1937 (वास अकट नहीं किया गण था या जिया नाहिए था, कियाने के मुविधा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में उक्त अभिनियम का धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टिक व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैं० मूर्या इन्टरप्राइजेस (प्रा) लि० एल०-34, कोर्ती नगर नई दिल्ली ।

(जनसम्ब

(2) श्री रामाकणन, अभिभावक मास्टर रोहित गर्ग, निवासी-ई-31, ग्रीन पार्क, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूजना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास
 स्मिन्ति में जिए जा मक्तों।

स्पर्धाकरण: -- ५ स्मां पत्रकात क्षाव्यां और पदों का., जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिमाणित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

फ्लैट न० एम०-1, मेज फ्लालर, 1, कॉजल्या पार्क, हीज जास, नई क्लिनी, नादादी 1325 वर्गफीट ।

> मृतील चौपडा मक्षण प्राधिकारी सहायक राषकर आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रियम्ब, तर्ह दिल्ली

दिनातः . 3-5-1985

मोहर् 🖇

प्रस्थ आर्चा टी ्यून । एस 🔑 =======

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) ज अभीन सुधना

भाइत सूरकाड

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्स (गिरीक्षण)

श्रजंन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 13 अप्रैल 1985

निदेश मण आईण ए० मी० एक्यु०/3/37ईई/9-84/ 628--अत मुझे, मुनील चौपडा,

त्रायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें सक्ष पश्चास् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य ,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० यु० जी-32-बी है तथ। जा 5 बीकाजी हामा ध्लेस नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) राजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितस्वर 1984

प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान तिक्त की नाम जनारित की गर्ड हो और मृक्ष यह विश्वास रने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उत्तके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का कह प्रतिकत से निषक है और जंतरक (नंतरकों) नौर जंबरिती मन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया तिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बाखादिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुदं फिसी बाब की बाबत उक्त विध-निवस के बधीन कर देने के बंतरक के दादित्य में कन्दी करने या उत्तर बज़ने में सुर्विभा के लिए; बीर/वा
- (क) इसी किसी आय या किसी वन या बन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में हिया में शिक्ष;

जतः जय, उनत जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण, मैं, उनत जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, जधीत् क्रिक्ट

(1) श्री राम प्रकाण निवासी-एन--4 सी, साकेश नईदिल्ली।

(अन्तरक्त)

(2) श्रीमता राप्ता नक्ला निवासी-ई--7 एन० डी० एस० ई भाग-1 नई दिल्ली ।

(अस्त्र⁽राती)

को यह सूजना आरा करके पूर्वाक्त सम्पास्त क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी स्थित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर अन्न स्थावर सर्गान्य माँ हिन सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निस्ता मा किए जा सकर।

स्पष्टीकर्गः - इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं स्था हैं।

श्रनुमूची

प्रो॰ न॰ यु॰ जी॰ उ2वीं भाकाजी कामाजी ग्लेस, नइ दिल्ली नादादी 142 वर्ग फीट ।

> सुनील जापडा मञ्जम प्राविकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिर्ली

दिनाक : 13-4-1985

माहर :

प्रकप बाद ही पुर रख. -----

नामभर निर्मित्यम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के न्मीन क्ष्या

भारत चर्चा

कार्यक्षम् , तहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 26 अप्रैल 1985

निर्देश स० आई० ए० ल्मी० एख्यू $_{l}$ $_{3_{l}}$ $_{3}$ 7ई $_{b_{l}}$ 9 $_{-84_{l}}$ 629 $_{-3}$ ल मुझेह मुनील चीपड।

नामकर वीचनियम, 1961 (1961 का 43) (तिवर्ष इसमें इक्क परमाध् 'उपत निविध्य' कहा गया है), की भाग 269-च के नधीन सक्षम प्रीधकारी को नह विश्वास करने का काइल है कि स्थानर संपत्ति, विश्वका उधिक नामार मूल्य 1,00,000/- रा. से नधिक है

प्रार जिसकी म० 421 है तथा जो 6 भीकाजी कामा जी प्लेस नई दिल्ली है में स्थित है (प्रांग इसमें उपाबद्ध अनुमूर्ची में प्रांग पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय अर्जन रेज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन 4 तारीख सिनम्बर 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान श्रीतकत को निए अन्तरित की गर्द है और भूभे यह विश्वास करने का कारक है कि स्थान्न्योंकत संपत्ति का उपित बाजार ब्रुंच, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का क्ष्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंबरका) और अंकरिती (अन्तरितिबा) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-क्षण निम्नितित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में पास्तु-विक क्ष्य से किशत नहीं किया नया है :---

- [का) अन्तरण श्रीहृती किसी बाध की बावस्त, उपक् अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के वाजित्य में कभी करने वा उसके रूपणे में स्पिधा के विद्यु; और/या
- (थ) एती किली भाग या किसी धन या भम्म आस्तियों को, विक्ते भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, गर्भनकर अधिनियम, गर्भनकर अधिनियम, गर्भनकर अधिनियम, गर्भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती धूनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा के विक्रः

वतः वन, उक्त जीधीनवम की धारा 269-ग के, बन्सरण के, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की वधीन किन्सित व्यक्तिकों क्रिक्ति क्रिक्ति

- (1) । श्रीमती हरभजन कौर
 - अभिती मनिन्दर बेन्स
 - 3 श्रीमती ब्राजिन्दर कौर
 - 4 श्रीमतो हरदीप खुराना, निवासी—आर-21, नहरु इन्कलेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) 1 **रमन** दूस्ट,
 - 2 श्रीमती जया शर्मा,
 - 3. श्री आनन्द शर्मा,
 - 4 कुमारी हन्सा गर्मा, निवामी-24, लोधी द्स्टेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्त के नर्जन के सन्वस्थ में आहे भी बाक्कें :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 विन की अविधि, को मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानित स्थान स्थान
- (ण) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीण जै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्ल्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः-इंतर्ने प्रयुक्त धन्यों और पर्यों का, को उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुरी अर्थ होनेप को उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**युक्त**

प्त्राट न० 421, तादादी 381 वर्गफीट, प्लाट न० 6, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली।

> मुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 26-4-1985

माह्य 🕹

प्रकृष् आहा. टी एन. इ.स. ----

नाय्कार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन वृथना

भारत बहुकार

कार्यासय, सङ्कायक वायकार नायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निर्देश म० आहै० ए० मी० एक्यू / 3/37ईई/9-84/629ए—अत महा, सुनील चीपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी से 201, प्लाट ते 21 है तथा जा युसुफ सराय कम्यु। नर्टी सेटर नई दिल्ली में 1स्थल है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बण्ति है) रिजर्ट्रा की के कार्यालय आई ए० सी० अर्जन रेज—3 नई दिल्ला में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीखा सतम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि बभापुर्वोक्त सपरित की उपित बाजार मूल्य उसके दरममान प्रतिफल के, ऐसे दरममान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अन्तरितिवा) के बीच एने बन्तरिण के निक्त सम्पत्र वामा क्या प्रतिफल निम्मानिवाद उद्देश्य से उच्छ बन्तरण विश्वत में बास्तरिक क्या स्थान की किया निम्मानिवाद उद्देश्य से उच्छ बन्तरण विश्वत में बास्तरिक क्या से अधित नहीं किया नया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाइत, उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दिस्स्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात --- (1) साकेन प्रोपटींज प्रा० लि० सी०-358, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली-24

(अन्तरक)

(2) श्री सतीम सूद,एच-9, एन० डी० एस० ई०-1,नई दिल्ली-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहिन्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सके गे।

स्पब्दीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत जिथिनियम के जभ्याय 20-क ने परिशादिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 201, एरिया 429 वर्गफीट, लाट न० 21, युमुफ सगय कम्युनिटी सेटर नई दिल्ली-16

> मुनील चीपडा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3 नई दिल्ली

दिनाक 14-51985 **मोहर** अ प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 26 अप्रेल 1985

निदण में आई० ए० मी० $\eta a_0 3_1 3/5 f f_1 9 + 84_1 629 बी — अत मंभे मुर्ताल चीप <math>\eta a_0 3_1 3/5 f_1 f_2 629 f_1 f_2 629 f_2 f_3 629 f_3 629 f_1 f_2 f_3 629 f_$

भागकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिस इमर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जिसकी स० ए-1,82 है तथा जा म,रजद मा5, रेजिडेन्स स्कीम, नई दिल्ली में स्थत है (स्रीर इंगर इंपाबढ़ अनुसूचा में और पूर्ग कर स वर्णित है) र जिस्ट्रीहर्ता के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दल्ली में महर्ताय अवसर अधिनयम 1961 के अधीन नारीख (सनम्बर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे बहु विकास करने का कारण है कि कि सभा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित क्वांचित से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किंगत महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वासित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जज, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती शिक्षा मन्द्रन निवासी-3381, टावीना बेला प्रसाद, बाजार सीतारास, (दल्ली (

(अन्तरक)

(2) श्री कुं डी० वर्मा, पास्ट मास्टर, निवासी—सराजनी नगर पास्ट आफिस, नई।दल्ली।

(अन्त[रती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाका होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुं।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषिट हो, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

ष्लाट न \circ ए-1/82, मस्जिद माठ रेजिङेन्टल स्कीम, न ξ दिल्ली, नादादी 189 वर्गमीटर ।

सुनील चौपडा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज-3, नई दिल्ली

†दनाक 26-4-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस.------आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर वागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० प्रार्ड० ए० सी० एक्य०/3/37ईई/9-84/ 630---अन: मुझे, अनील चोपडा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० य० जी० 13 है तथा जो 4. भी ताजी कामा प्रेस, नई दिल्ली वे स्थित है (आप इससे उपाबड़ जनुसूची में प्रार पूर्ण रूप ने प्रणित है) प्रतिस्ट्री, ति के कार्यालय, अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीय सिनम्बर 1981

को प्वें क्षित सम्पक्ति के उसित बारा मूल्य में कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए रिजम्ट्रीकृत विलेख के अनसार अंतरित की गई के और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यशाप्तीं क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल में, एस रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जैर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिफत, निम्तिलियत उद्युदेश से उसल अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एमी किमी काय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें इंदितीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के निए;

अन: अल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकन व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मंभ राजधानो (बल्डम, 13की सोजन, बल्मा राम हाउस, 1, विजयाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(जन्तरक)

(2) मास्टर कवत दीप सिंह, भितासी--1/151, शेरावालन गेट, भीटयाता पजाब ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मृभा के राजपत में प्रकालन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बस्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय मे दिया गमा है।

वन्स् स

प्रो० न० यु० जी०-12, नादादी 307 वर्गफीट, 4, भीका जी क्षामाजी प्रोप, नई दिल्लो।

> मुनील चोपडा पजम प्रािप कारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) कर्मन रेज—3, नई दिल्ली

दिनाकः 10-5-1985 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 मई 1985

निर्देश म० जारी० ए० मी० एक्युः / 3/37ईई/9-84/ 631---अनः मझे, मुनील चोपटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी में यु जी जे हैं तथा जो 4, भीकाजी कामा प्लेम नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रारंप इसमें उपावद्ध जनुसूची में धार पूर्ण रूप संविणत हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर जिथिनयम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफत के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथा पूर्वोक्त समित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे इस्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से जीभक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्रिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधित :— मैं० राजधानी बिच्डम ,
 13वी मत्जल जात्मा राम हाउम,
 1, टालस्टाय माग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल कन्नट ग्राण श्री राम प्रकाश ककड, निवासी—एन०-4, मी, माकेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मवधी व्यक्तियां पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्वींक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इब स्कान के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में द्वितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- शिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममस्ची

श्राप नं० यु०~जी०-6, तादादी 273 वर्गफीट 4, भीका जी कामा प्लेस, तई दिल्ली।

> सुनील जोपडा सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाक 7-5-19**8**5

मोद्वर :

प्रकृष बाहु³ . टी . एम . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जावकर जावका (निरीकाण)

अजीत रेग 3 नई दिल्ली

🕯 नई दिल्ली, दिना २ 24 अम्रेल 1985

निदेश स० आई> ए० सी० एक्यू०/3/37ईई/9-84/632-अन मुझे, सुनीत चापडा,

शासकर कींधिनियम, 196; (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-क की अधीन सध्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रांग जिसकी स० 5100/9 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में थ्या है (श्रीप इसस उपाबद्ध जनुसूर्च। में और पूर्ण रूप ने बणित है) जिल्ह्रीरत्ती अधिकारा के कार्यालय नर्जन रेज-3, नर्ड दिल्लीमें भारतीय जायकर अधिनयम 1961 के नीन गरीन लितम्बर 1984

स्ते पृथांकत मध्यति के उचित बाजार मूल से कम के ध्यमना प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है माँद मुमंग्रह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार पृथ्य उसके दश्यमान प्रतिफान मा, एम ध्यममान प्रतिफान का पन्सह बित्यस स अधिक है और अन्तरक (अत्यस्थे) और बत्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक है लिए नव पावा नवा प्रतिफल, निम्नीलिक प्रदस्या से उचन अन्तरण किंक्ट में गस्निक रूप म का था नहीं जिला स्था है ——

- (फ) बस्तरम संहूइ किसी बाद की बावत, उक्त क्षिमियस के अधीय कार तर्न के बस्तरक को वर्षायम में अभी करन या उससे २ अन भ मृतियम के । अध्, और/का
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922

 13 राजा पाल का जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922

 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 अध्यापनम्भ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
 भारत किया जाना भाहिए था, कियान मा साजिया के लिए;

जात: अब, उक्त अधिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण मा., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात —- 29—96 GI/85

(1) श्रीमती विजय वाला कपूर ग्रौर र्श्वामता मधु क्षित्रावन निवासी-बी-80, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती मुलग्नन खुराना, पत्नी श्री अप्तरु एल खुराना, निवासी-जे-7/89, पाजे(री मार्बन, नई दिल्ली।

(जनगरती)

का यह मुक्ता भारा करक प्रवित्त सम्पत्ति के अवन १ कि। कार्यवाहियां करता हूं।

त्रवत सम्बन्धिक के अर्थन के तत्रवत्थ को व्योष भी काफोर -

- (क इस श्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भें 45 पित की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तिका पर स्पना की मामील से 30 बित की अविधि, का भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्स का एका में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्स
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन अव्य किसी अन्य व्यक्ति हतारा, अभोष्ट्रस्तकारी के वास लिक्ति में किए आ सर्कों में।

स्वध्योकरणः ---इसमे प्रयुक्त कन्दो और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस कध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्तैट न॰ 5107, पालकी शालात, 9, भी हाजा काम: फ्लेम, नई दिल्लो, ताइन्दी 360 वर्गकीट ।

> सुनीत चोपडा सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयक्रर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिना ह 24-1-1985 माहर ,

मस्य बाद' हो. एम्. एस

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीत स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 30 अप्रैल 1985

निदेश मं० आई० ए० मी० एक्यु०/3/37ईई/9-84/ 633--अत मुझे, स्नील चौपडा,

मायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उभित बाजार मुख ा - 90 , 000 / - रहा से अधिक **है**

श्रीर जिसकी स० 203 है तथा जो 5/67, पदम सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इसने उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) कार्यालर। प्रजन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयक्र अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शहबभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अतरितियां) के बीन एसे अनारण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण से हुई किसी अध्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन का इस के उन्तरव द दामिल्य भी कामी करने या उसले उचन में स्वीत कं लिए, बौर या
- (ख) एसी किसा गाम या किसी धर या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं रिया समा था मा फिया जाना बाहिए था, छिपान स समिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धररा 269-म क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

(1) मैं० पाल मोहन कन्मट्रक्शन कपनी 6/4792, चादनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) इन्डो जर्मन एग्रीकलचरल रप्रे एन्ड प्रैंसिंग वर्काः, नजदीक चाद सिनेमा, जी० टी० रोड, र्लाधयाना ।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करकी पूर्वोक्त संपत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्जन्य में कोई भी जाभीप:--

- (क) इस स्थना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन की मनिध या तरमनधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की मन्यि , जा भी अविध बाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्यातन व्यक्तियो मा में निक्ती व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस सचना को राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ल्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकोगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्म का, जो उनस मिथिनियम, के अध्याय 20-2 में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया 47.50 मधा 🐉 ।

ग्रनम्त्री

फ्लैट न० 203, पहली मंजित, पाल मोहन हाउस, 5/67, पदम सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 350 वर्गफीट ।

> मुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाकः 30-4-1985 माहर .

प्रकथ बाई . टी. एन. एत. - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर कामृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई० ए० सी० एक्यु०/3/37ईई/9-84/634--अतः मुझे, मुनील घोषड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रींप जिसकी मं० सी-12ए है तथा जो 1, राजेन्द्रा प्लेस नई दिल्ली भें स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) वायित्य अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली से भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के खेकित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से बीभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निश्विकत उद्योध्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से अविधात नहीं किया गया है:---

(क) बन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभाग कर दान के अन्तरक के दायिता में कमी करने वा उसके ब्यान में सुविधा के सिंह; कर्रिय।

कां, जिन्हें भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के जिस्

कताल वाब, उक्त अभिनियम करी भारा 269-ग को अनुसरण में भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, क्षणीत् हम्म (1) मैं० नेहा दीप कन्सट्रमणन,1--राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० जैन, मार्फत —मैं० सुख देव राज एन्ड क० चीड़ा बाजार, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित के अर्थन के लिए** कार्यवाहिया करता ह**ै**।

जनत ग्रम्पील को नर्जन को संगंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तानील से 30 दिन की व्यक्ति को भी जबिंध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

श्यक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया सवा हैं।

धमुसूची

वातानुकुलित प्रो० नं० सी-12-ए, ग्राउन्ड फ्लॉर, 1-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 132 वर्गफुट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 23-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आह. टी. एत, एन.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अप्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यु०/3/37ईई/ 3-85/855--जा. मुझे, सुनील चोक्स,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रॉप जिसकी सं 12, 265, 53 बैंक स्ट्रीट है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली से थित है (ग्रॉर इसने उपाबद्ध अनुसूची से ग्रॉप पूर्ण रूप र बिजित है) कार्यालय आई० ए० सी० कर्जन रेज-3, नई दिल्ली से भारतीय गरवण आंधनियम 1961 के अधीन तारीख सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल भे, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एम अन्तरण के तित् उप्यास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उसस सचने मां मृजिधा के लिए, और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरियर्ग का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिरायम, १०० (1922 का 11) या उस्त १०० पन-कर अधिनियम १०० १०० प्राप्त जनार्थ अपित्रियम १०० १०० प्राप्त जनार्थ अपित्रिय आपा का का वाहिए था, छिपाने में मुविधा खे निए:

जतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती विमला वतरा, 16/41, श्रीजन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कुमारी परती,
 बी-2/8 t, सफदरजग इन्मलेव,
 नई दिल्ली ।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्बीय बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्धी

बैगमेट नः 12, स्तुति बिल्डिंग, 2652-53, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग नई दिल्ली ।

मुनील चाँपडा मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 14-5-1985

मोहर:

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई (दल्ली, दिनान 14 मई 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० 10, 2652-53 म्नुत विविध्य, बैक रट्रीट, है तथा जो नई दिल्ली से एउन हैं (प्रीर इमसे उपाबड़ अनुसूची से स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) अपन्ति की कार्यालय ई० ए० सीए वर्णन रेज-७, नई दिल्ली से सारतीय आयकर अधिनयम 1961 के जर्मान नाराक सिस्नर 1984

का प्वोक्त सपित के उचित बाजार मूं अ से क्या के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ बहु विश्वाम करने का कारण है कि सथाप्योंक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एम रहरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के वीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीवक एप से अधिन नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उक्त बीधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना वाहिए था, क्याने में सुनिभा के सिए;

णतः अत्र अस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तिसों, सर्भात् :--- श्रीमती उच्चा सहगल , र्बा--5, ग्रेटर कैलाश, एकलेव-II, नई ।दल्लो ।

(अन्तरक)

(2) विजय गुष्ता एस्ड कपनी , सी-64ए, शिवाजी पार्क, पास्ट जाफिम, पजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हु।

उक्त सम्पत्ति 🕁 असप क शबभ में कोई भी आक्षंप . -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तिमां पर मृणना की तामील में 30 दिन की स्वीध, अंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तब्ब किसी कव व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पीस निवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्थ

वेसमेट न॰ 10, रतुति बिल्डिंग 2652-53, वैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली-5।

> सुनील र्च.पडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 14-5-1985

माइर :

प्रकृष् कार्षे. टॉ. ३मृ. एस्.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० अाई० ए० सी० एक्यू०/3/37ईई/9-84/ 625—अतः मुझे मुनील चौपड़ा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ्राष्ट्र9-अब के अधीन गक्षम प्रापिकारों का, तह विकास कान का आरण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, किमका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० 309 है तथा जो 2, भीमाजी नामा जोस, नई दिल्ली में रिधन है (ग्रीर इसमें उपन्बद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रिजर्फ़िती के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली रे भारतीय आयरण अधिनयम 1961 के अधीन नारीख सितम्बर 1984

को पृथिकत संपरित को उचित बाजार मुख्य से कम के क्ष्यमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार अन्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निभित्त में वास्त धिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (भ) ए'ती किसी बाब या किसी धन या बन्ध वास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं', म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) ➡े बधीन, निम्नलिखित क्युक्तवा, अर्थात् ३—— (1) कैंजाश नाथ एण्ड एसोसिएट 1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एल० सूद, डब्ल्यू-26, ग्रेटेंग कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हूं।

उन्नस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंग उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बबीभ या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर गूचना की तामील में 30 दिन की बबीध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितितयों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सूचना के ग्रवपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्ति रणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित् है, वहीं अर्थ डोगा जो उस अध्याय में विया युवा है।

वन्स्ची

हार्यो तथ पत्रैट न० 309, तो भी मंजन, प्रस्तावित बहुमंजिली बिल्डिंग, २-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुनील चोपड़ा सदाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक : 30-4-1985

मोहर ;

प्रकृष काइ. टी. एव. एव.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुखना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० भ्रई-4/37-ईई/12311/84-85—म्प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कहा गया है). की कारा भव व अगत मध्यम प्राधिकारी की यह विष्याम करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 4 पहली मंजिल फैश्नरी श्रपार्ट-मैंट प्लांट नं० 1, सीटीएस नं० 10102 एक सर व्हिलेज, होली कास रोड, बोरीबली बम्बई 400 103 में स्थित है। (और अससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है) और जिसका कारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के इिन्त बाजार मृत्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखिन में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियद के अभीन कर दोने के अंतरक के दाशित्व में कनी करने या उससे नवने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—— (1) फेश्रर फास्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) कैतान ॲजेलं सीक्वेरा।

(भ्रन्तरिती)

का बह त्यना चारी कारके पूर्वोक्स मम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विश्व की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्थित्यों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पान निवित में किए का सकींगे।

स्थव्यक्तिकरण --- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्यों का, थो जक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, शृही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गर्य (हो)

अमुसूची

फ्लैंट नं० 4, पहली मजिल, फेअरी अपार्टमेंट, जो प्लॉट न० 1, सी टी एस न० 1010, एकभर व्हिलेज, होली क्राम रोढ़, बोरीवर्ली, बस्बई-400 103 में स्थित है।

अनुस्ची जैसा की ऋ० स० अई-4/37ईई/12311/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14--5-1985

माहर 🕽

प्रस्थ साथ .टो. .व .एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ध (1) के अधीन सृजना भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयथार आयुक्त (निर्माण) धर्णन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मई 1985

निदेश मं० धर्ड-4/37-ईई/12399/84-85—- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके परुशत 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन मक्षम प्राणिकारी के वह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर स्थानित. ''क्रावर अंका नाजार मृत्य 1.00.000/- रू. से अधिक हैं और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, 3री अजिल फेग्नरी प्रापाद-

मेंट प्लांट नं० 1, नीटी एस नं० 1010, एकसर बिह्लेज होली कास रोड दोरीवली, वम्बई 400 103 में स्थित हैं (और ६ममें उगाबंक अंभूस्वी में और पूर्ण रूप में बिणत हैं) और जिसका वारारन(मा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय म रजीस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

करे पृत्रोंकत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत स्पाला का जीचत नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एरे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखिन में नाम्तिचक इप से कथित नहीं किया गया है....

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की निए; और/या
- (म) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मुजिया के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पेयर फास्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती हेलेन वाझ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की जनिथ या तन्स्यती व्यक्तियों पर स्थान की सामीन स 30 जिन की अर्जाभ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्परित में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

इनमधी

प्लैट नं० 3, 2री मजिल पं.ग्ररी ग्रपार्टमेंट जो प्लांट नं० 1,सी०टी०एस० नं० 1010, होली कास रोड, ग्राय०सी० कांलनी एकसर, च्हिलेज बोरीबली धम्बई 400103 में स्थित है।

मनुसूची जैसाकी अ०२० प्रर्ड-4/37-ईई/12399/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-9-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० घमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बर्ष

तारीख: 14-5-1985

भोहर:

प्रारम् आई. टी एम एस -----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत ?69-प (1) की अधीन मण्डता भारत संस्कार

कार्यालय, महाया अधितर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेज-त, वस्वर्ध वस्वर्ड दिनाक 12 मर्ट 1985

निदेण सं० अर्ह-4/37-55/17454/84-85—स्वन. मञ्जे, ए० प्रसाद,

आयकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'नवन अधिनियम' कहा गया हो।, वा तारा 269-ख के जधीन सदान प्राधिकारी को गढ़ पिहजाय करने का आरण है कि रक्षावर नियान, । नका जिस् बाजार सूच्य 1,00,000/- रा स अधिकार है

और जिसकी से पर्लंट में 1, 3ी सजिल पे.अरी श्रपार्ट-मेंट एकसर विहलेज, साय०सी० जालती तोची कांस लेड, बोरीवली बम्बर्ड 40003 में स्थित है (ओर इसमें उपाप्तक श्रमुखी में और पूर्ण रूप में विण्या है), और जिसका करार-नामा श्रायकर प्रक्षित्यम 1961 की आरा 269 क,ख के श्रकीन बग्बर्ट स्थित लेखम प्राविकारी के बार्यात्य में रजीस्ट्री है तारीस्थ 1 सितस्बर 1984

का प्रांकित गपिता के पीतल जाजार गृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जल्लिन की यह है जो मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यश्यप्तोचा सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधिक तै और अल्लरक (अल्लरका) और अल्लरिती (अल्लरितियों) के तील एम अल्लरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, िमनिलिखन उद्देश्य में उस्त अस्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किशन नहीं किया गया है...

- (क) अन्तरण स राई किसी रात का बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रथीन कार पाने के अस्तरक है दाधित्य में केसी रापने । प्रणाबन्ध में प्र केलिए: अरिं।
- (अ) एमी किसी नाम पर जिल्ली पन र राजन अहिला ने की जिल्ही भारतीय वाधकर अधिनेथम, 1922 (1922 का 11) या वा अधिनेथम या भन कर अधिनेथम, (95/ (157 र 17) के प्रयोजनार्थ अस्तीय स्वारा प्राप्त प्राप्त के स्वारा स्वार

अत जर, उदार शिशिशाम का आर। 169-ण के अनसरण मी, मी उबर अधिनियम की धारा 269-प की उपभाग (1) के अधीन रिक्तिभित व्यक्तिओं हों -- 30- 96(4) रे (1) फयर पास्ट कस्ट्रक्शन वंपनी।

(ग्रन्तरक्)

(2) बाह्यसम्बद्धाः होरीयाः (

(भ्रन्त(रती)

का यह मुच्या ५(२) एरके पृष्ठांकत सम्पन्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन का अवधि या नत्संबधी व्यक्तियों पर
 स्चना की नामीत स 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समान ताती हो।, वे भीतर पूर्विक्त
 विस्था में न किसी अधिक स्वारा;
- (स) इस सन्ता क राज्य भी प्रकालन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संयोगि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त किया प्रक्रिक प्राप्त किया कर सक्ति।

स्पष्टीकरणः ----इतम भयका सर्व्या अंग पद्यो का जो उक्त अभिनियंत्र, वे अध्याय 20-क सा परिभाषित ही, बही अर्थ त्यांत को उस अध्याय में दिया प्या ही।

अम्**स्थी**

पलैट में ।, 3ी मिजल, भेप्रशी सपार्टमेंट, जो, प्लांट में ।, मीक्टीक्प्सक में 1010, एकसर व्हिले, श्रायक मीक कालनी, होनी काम योड बोबीजली बम्बई 400103 स्थित है।

प्रतृत्ति गैसाकी क्षण्यं प्राई-4/37-ईई/12459/84-85 और को सक्षम पाकिकारी तथार दिनाक 1-9-84 को रक्षस्टइं रिमासिका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी पडायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रोज-4 वस्बई

नारीखाः 14⊷5-198२

भाहर :

प्रकृष झाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

काविस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

त्रम्बई, दिनांक 14 मई 1985

নিবল নত সহিন্*4*/37-ইছ/12000খী/৪4-85**--স**ব. দল ত্ও স্থাৰ

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सुठ पतेंट नं 3 पहली मुजिल फेग्ररी ग्रपार्ट-मेन्ट, भीटीएग नं 1010 एकसर व्हिलेज ग्राय०मी० कालनी, होली श्राम रोड, बोरीबली बम्बई 400 103 में स्थित है। (और इसमे उपाबद्ध श्रमुम्बी में और पूर्ण क्या मे बणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधित्यम 1961 की धारा 269 कुख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधीकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्य-मान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था खिपाने में प्रिया अंकिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) फेअर फास्ट कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(ग्रन्नरक)

(2) अगनेको पिन्टा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, त्रों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकाँग ।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर ची

पलैट नं० 3 पहिली मजिल फेग्रिशी ग्रेपार्टमेंट जो मीठ्टीवर्ण्यन नंव 1010 एकसर व्हिलेज ग्रायसी कॉलनी, होली कास रोड बोरीवली बम्बर्ट 400 103 में स्थित है।

स्रतुसूची जैसाकि %०सं० सई-म/37-ईई/12400 डी० 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्धर्र हारा दिनाक 1-9-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ा० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज-4, बस्बई

नारीख: 14-5-1985

माहर :

प्रकप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण)

श्रर्जन रेज-3, बम्द्रई बम्बर्ध, दिनाव 15 मई 1985

निदेश स० ग्रई-3/37-ईई/20339/84-85---- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-र. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० आफिस बेग्रीरंग न० 33, प्लाट न० मी०टी०एस० न० 348, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेटर, पादास रोड, मालाड (पूर्व) बस्बई-97 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के बार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सिनम्बर 1984।

का पृत्रींवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांसिका उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिन्तित में बास्तिक रूप से कांश्रत वहीं सिका नवा है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के ब्यौन कर देने के बन्तरण क शोमस्य में कमी करने मा उसके क्यने में बृतिया के जिए; बोट/मा
- (स) एंसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, शियान में सुविधा के निए;

जतः अव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नीलिक्ति स्थितियों, अर्थात करू- (1) निना चेतन काठारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रतिमा एव० णहा ऑर प्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित है, वही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

म्राफिस वेम्रारिंग न० ४४, प्लाट न० सि॰टी॰एस० न० ४४8 पी॰न० ५-ए, लक्ष्मीनारायण मापिंग सेटर, पोदास रोड, मालाड (पूर्व) बस्बई-९७७।

सनुमुची जैपाकी क०म० स्रई-4/37-ईई/20339/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-3, बम्बई

नारोख 15-5-1985

मोहर:

THE RESERVE AND ADDRESS OF MAN AND ADDRESS OF THE PARTY O

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेज-उ, बक्चई

बम्बई दिसाम 10 गई 1985

निदेश स० ग्राई-3/37-आ/2525/83-54---भा मझ, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

स्रीर जिसका ए० तथा। नस्राय एउ०न० ३०, एउ न 4(स्रा), एन०न० ३०, एच०न० ३०, एच०न० ३०, एच०न० ३०, एच०न० ३०, एच० न० १०, एउ०न० ३०, एच० न० १०। एउ०न० ३०, एच० न० १०। स्थान स्थान । १५८/२, १४८/३ आर १५८, १० लाग सामाय, सामाइ, रामाई भिस्थित है। स्रीर इसने उपार सामाइ अनन्ता व सार पूर्व स्थान है), राजिल्हा के स्थानिय, उपार भ राजिल्हा करा स्थानियम, १९०६(१९०८) सामाइ १० हिनाहा । १० स्थान, नारीख १० निन्हा १४४।

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण कि यथा पूर्वे कि सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से, एम उर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से किथत गृही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी यन या अन्य आस्तियो कार, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाम में मूरिया के लिए:

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निकिंग प्रतियों, अर्थतः :--- (1) श्राम्या बद्रा पतः राई।अन पार 8 अन्य।

(स्रन्द्ः)

(३) सांद्रका श्रमाध्मदनं स्व सर्वेष्ठ हार्डान्स अस्ताहर्वे स्विमेटन ।

(स्रन्त्रिस्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मण्या क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सर्पातः के अजन के सबय में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत का तारीस से 45 दिन की अर्जाध था तत्सवती व्यक्तिया पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अर्जाध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीवत ज्योक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्पायर संपत्ति में हितबद्ध जिसी अस्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिक मा किए जा सकारी।

स्पःटीकरण:---इशमा प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय २०-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अनुसूची

श्रमगुचः जैसाकि दिसेक सः 18/84 प्राप्त जो <mark>ऊपर</mark> रोजस्टार, बसारी द्वारा दिसार 10-9-1984 का रोजस्टर्ड विभागसा ते।

> ए० प्रशाद सलम प्राधिकारी सहायः आयकर प्राप्तका (निरीक्षण) स्वर्धन रेज-उ, वस्बर्ध

तारोख 10~ 5-1985 भोहर

184 414'. 2' 04 U.

भायाः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) क्ष अधीन सचत्रा

wift 押えいりゃ

कार्यासय, सञ्जयक आस्कार बाध्यक्त (रिनर्गेक्सम)

यान राज कार्ट वस्त्रह,दिनार 10 वर्ट 1985

निर्देण स पा^-िंग्डांगी भागा प्राप्ति ⊱85— प्रः मझ, ए० प्रसाद,

आयकर मिधनियम, 1901 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रश्वात 'उन्नत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ध के बाग्य भक्षम प्रांधनारों का यह विकास करण का वार्ग स्थानिय । जगर रियन वार्गार सन्धार मन्धार है।

श्रीर जियक। म विकास प्राण्य किया मिं से 69/3 श्रीर 1 शार 7017 ए 10ने 3 (म) हिन्दा, मार्याव एक्पार कियों कि किया है कि ना राज्य प्रमुख्य स्थान किया है कि किया है किया ह

को पूर्वाकत समपत्ति क उचित बाजार मृत्य स कम क क्ष्यभान पतिषण क तिए अन्तरि ही गर्छ । और माम यहाँ विश्व करन का करण है कि बचारा मान सम्पत्ति का उच्त बाजार मृत्य उपक स्थ्यमान प्रतिष्य स, एम स्थ्यमान रितष्य का पद्रह प्रतिभा से बावक ह ज व अनर (अनरका) और मानिनी (अतरितिया) क बाच एम अतरण क निया त्य पामा गया जीत फल निम्नी सिसन उन्द्रक्य ए उस्त पास्य है कि एस बास्कांक्क भूप में काथन नहीं कि । य

- भ १४ । ३ प्रथर अधिनियम को प्रधान कर १७ थे अन्तर्य । अधित्य मा कमी उरत या उपसे समाने माँ सुनिष। को जिस्हः
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्लियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1' _ (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या अल-क्रिंग अभिनियम, 1957 की 'असी स्थान की भाग की भाग की में 'क्रिंग के की साम की माना बाहिए का लिए ने की सिर्ध

मत जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को जनसम्भ में, में प्रकृत अधिनियम की धारा 269 में की अपभाग (1) को अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तिया, अर्थात -

(1) বা সাম্বর নার। সাক্ষ্র

(स्रन्तरक)

(2) वै। भाषा १० सैशन प्रार शन्त्र ।

(अन्तरिती)

का बहु स्थान नारी नापन समात का जारिक कार्बनाहिया करता हूं।

THE THE WAS AS THE TOTAL OF THE STATE OF THE

उत्तर सम्पर्ति के गर्जन के मध्यन्ध में कोइं भी तक्षण उन्न

- (क) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशाः की तारीशः श्रे 45 ने की अवधि सा तत्यस्वन्धी व्यक्तियाः वश् सूचना को तामाल स 30 दिन की अवधि, को और अवधि बाद में समान्त हाती हा, को भीतर पूर्वोकशः स्मित्समों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (अ) इस स्वना क राजपन में प्रकार की नारांच स 45 दिन के भार उक्त म्यान प्रमान में हितबद्ध किसी अन्य ज्यदित द्वारा अभाउस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंग ।

म्बाह्यकरण ----रमा अगस्त ताब्दा जीर पदा करा, का उसल स्थितियश व अध्याय 20 र रा परिभागिष्ट द , देही तथ हाना जा रग सन्माय म दिहा। रम, द्वी

MAMMA

> ए० प्रसाद संअम पाप्रिकारी हमयन आपार प्रायका (निराक्षण) श्रीतक प्रजन्त, दम्बई

71413 10-1-1937

माहर *

प्रस्थ नार्द*, दी_स प्*र_{ास} **एक**्रास्टरण्या

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर माय्क्त (निरक्षिण)

ग्रार्जन रेज-3, अम्बई बम्बई,दिनाक 10 मई 1985

निर्देश स० ग्रई-3/37-जी $/2 \circ 20/83$ -84--श्रतः मुझे. ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एसको परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- इस के नभीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थानर संपन्ति जिसका उचित नाजार मुस्य :

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं
ग्रीर जिनकी न० नव प्लाट न० 11, सक्टर वी, प्रार०
विहलेज पर्व न० 49. (प्रण) प्रीर 50(अण), चेवर,
वस्बई में स्थित हैं। प्रीर इसमें उपायद्ध प्रनम्बी में प्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बस्बई म रिजिस्ट्रोकरण प्रविचित्र 1908(1908 का 16) के स्वरात. नारोब 18 विजन्तर 1984।

की प्वांक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई हैं, और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योक्त संपत्ति का उचित् आवार मृत्य, उसके द्रश्यान प्रतिफल से एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्म्लिकित उद्दर्भय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्धरण संहुई किन्दी बाद की नावत उक्त अधि-निवय के स्वीत कर वॉने के अन्तरक के रामित्व में कामी करने या उससे बचने में मुजिया के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः बतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिंखत व्यक्तियमें, अर्थात हम्म

(1) थी पी०एन० चक्रवर्ती।

(ग्रन्तरक)

(2) रानेल को-ग्राप० हाउमिन सामाइटी लि०। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

म्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गन्ना है।

en n vil

प्रनम्त्रा जैपाकि विशेष मुरु एग-745/79 श्रीर जा उन रजिस्ट्रार, बमबई द्वारा दिनाह 18-9-1984 **को र**जिस्ट**र्ड** किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-उ, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

प्रकप आइ[‡]. टी एन एस. ·----

269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-४, बस्बर्ष

बम्बई, दिनाः 10 मई 1985

निदेश म० ग्रई-3/४७-जी/८५१७/83-84--- ग्रत मुझ ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ≥69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ।,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सुरु जमीन सीरु हों तरु 133, गाहाल सबन और 20 सामलतदार बाड़ी, 1 ली कान लेत, मालाड (परु), साथ में बिल्डीग गोहाल सबन 2 और 2, बम्बई-64 में स्थित है। और इसमें उपाबड़ प्रनुस्वी में और पूर्ण रूप में बणित है। रिजिस्ट्री स्ति के भागिला, बस्बई से रिजिस्ट्री-करण प्रिधितयम, 1908(1908 । 16) के अधीन, तारीख़ 5 सितम्बर 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सपोत्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मिलीखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में में शम्मिक रूप से करिश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण मं हुई फिली आय की बाबत, उपल अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कामी करने वा उपमने बचने में मिलिधा के लिए और/बा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिए। की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा, खिपाने घें अतिशा के किया:

अन अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात ----

(1) श्रीमती वपावेत मार पारीखा

(羽ですずれ)

(३) श्रीमनी नाराज्य कि प^{रे}। आर पर्यक्त

(फ्रन्सर्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविशि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा मकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्रनुसूची जैनाकी विनेख ग० 1718/82 और जो ऊपरजिरदार, वस्बदीदारा दिनार 5-9-1981 को रजीस्टर्न कियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेज-४ सम्बर्ध

नारीख 10⊶5--1985 मोहर . प्ररूप बाही. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन म्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेंज-3, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-जी/2528/83-84---ग्रन: मझे, ए० प्रभाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ३सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी सं० पराष्ट नं० 53, ए 10नं० 184 और 189, क्षांजूर, वस्बई में स्थित है। और इनसे उपाबद्ध ग्रनुसुची सें और पूर्ण रूप से वर्णित है।, रजिस्ट्री≾र्ता के कार्यालय, बम्बई सें रजिस्टी रण यधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, रिना 14 ितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुई कि सी राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ं भीडा प ז (דר וז ד --- f - '; ,

था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जबत अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .--

(1) श्री ए५०ए १० सूर्वे ।

(अन्तर्भ)

(2) प्रनरव हो-प्राप्त हार्जीनग सानाइटी। (अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ई 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वेक्त 🗸 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य वर्गावत दवारा अधारपाधनी अ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

त्रनुसूची जैनाकी विलेख मं० 1031/83 और जो ऊगर्जिस्ट्रार, वन्बई हारा दिनान 14-9-1984 को रजिस्टर्ड श्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी भहावक स्रायकर स्रायुक्ता (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिना है 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-जी/2571/84-85---,ग्रत: मक्षे, ए० प्रसाद,

जायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिमकी सक े विन्न अंग्ड स्ट्र्यचर्स स्टेडिंग श्रांत अंन्ड और इन्ट्रस्ट ईन धिझहां तड लेन्ड एसक नक 119 एचक नंक 2(अंग), सीटीएस नंक 454(अंग) व्हिलेज पहाड़ी तालुका बोरिवली, डिस्ट्रीक्ट बांम्बे सवर्षन, बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में बांगत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 नवस्वर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंखे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत जन्तरण जिचित व बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से धुड़ किसी नाय की बायक, उन्स अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्मरक के बायित्व में समी करने या सकते वचने में नृष्टिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तिमी की, जिन्हीं आरतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में क्षावभा के लिए;

भतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 31 --96 GI/85

(1) क्षकरभाई एम० पटेल और श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) दि रेडियम को-ग्राप० डेरी मोसाइटी लि०। (ग्रन्सरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

BATTER ST

श्रनुमूची जैसाकी विलेख सं० एस-4657/74 और जो अपर्जान्द्रार बम्बई हारा दिनाफ 7-11-1984 को स्मीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, बस्बर्ड

नारीख 10-5-1985 मोहर :

ध्रुष्य बाह्र .टी.एन् एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरौक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ट दिनांक 10 मर्ट 1985

निदेश मं० ग्रर्ड-3/37-जी/2524/83-84---- अतः मुझे, ए० भ्रमाद,

बायकर जीधिनिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-रू ने अधिन पश्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाकार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी में भी०टी०एमें नं 665 पहाडी, गोरे गाव, वस्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधि हार्रा के कार्यालय, वस्वई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख 26 नितम्बर 1984,

की पृत्रकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान पितपास के लिए अन्तिति की गई है और मुभ्ने यह निश्वास हरतं की नारण है कि स्थापबॉक्त सम्पति का उचित बाजार गूल्य. उसमें दृश्यमान पितिकत से एमें दृश्यमान प्रतिकल का रुद्धह पतियत से अधिक है और अन्तरक (वन्तरका) और नंतरिती (अतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. गिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अभ दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एमी किमी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्क्रिय का. जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 '१५२० रहा ११६ का उक्त प्राप्तिकर या पन्ध्र की पनियम 1957 (1957 का 27) र प्रयाजनाथ अन्तार्गी द्वारा प्रकट कही किया गा। धा या किया जाना चाहिए था, कियाने मा मुविध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, कथाँत :--

- (1) श्री ए.स०टी० सकपात और ग्रन्य। (ग्रन्तरह)
- (2) राजलक्ष्मी को-ग्राप० हार्जिसग सोसाइटी लि०।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते AC दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साजील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेच्स व्यक्तियों में हो कि सी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सनुसूची जैसाकी विलेख स० एस-2821/81 और जो ऊपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 26-9-1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधि परा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्तन रेंज-3, बम्बर्ड

नाशीख . 10**-**5-85 **मोहर** ∴ प्रकृप आहूर टी. एन. एस. ----

बायकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की

(1) इतमती ए० मोहिनी।

(अन्त' क)

(2) मगर्स सावन बिल्डस ।

(अन्तरिका)

भारत सरकार

भाक्र 269-व (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० ऋई-3/37-जी/2521/8उ-84---श्रत मुझे, एउ प्रसाद,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांच जिसकी स० जमीन के साथ हटन, मीं ब्ही ब्रांस न० 297, एलं व्याबाद साम, कुर्ना (ए०), वस्वई-70 में स्थित है (श्रींच इनसे उराबाद स्रनुमत्रों में सार पूर्व स्प में विणित है) चित्रम्ही क्वां अधिकारी के कार्यालय, बस्बाई में चिन्द्री-करण श्रिश्रितियम, 1908 (1908 दा 16) के स्रधीन नारीख 15-10-1984,

को पृवांकित सम्पत्ति को उपित बाबार भूरव से कम के द्यमान पितफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्पिति सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल में ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अतिरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निसित के बास्निविक अप म कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचन में सुविधम के शिए; बीट्र/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जारितयों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सब्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीख त 45 दिन की अवधि या तत्मस्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील स 30 दिन का अवधि, जा भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पृत्रावत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सृष्या के राजपत्र में अकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति म हित्रव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाय लिखिन भ किए जा सकेंगे।

स्परहोकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दा और पथा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय में जिया नथा है।

ग्रनुसूचो

सन्सूची जैसा को विलेख सर एस-171/83 प्रार जो ऊपर्राजस्ट्रार, वस्बई द्रारा दिनाक 15-10-84 का रजोस्टर्ड किया गया है।

> ्० प्रस्व सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (विरीक्षण) स्रजन रेज-उ, बसाई

तार्गाख . 10-5-1985 माहर प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस्.-----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं० ग्रई-3/37-ईई/20422/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० ५लैंट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, हुमेना मंन्यन को-श्राप० हाउसिंग गोनाइटी लि०, भालेकर बाडी के पास, आंफ एल०बी०एस० मार्ग, कुर्ली (प०), बम्बई-70 में स्थित हैं (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आवकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 णितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वायत, उक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायत्व में कमी करनं या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिर को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 19, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६ अनकर अधिनियम, ६ अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा औं सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मंं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री फिरोझ ए० दामाद।

(भ्रन्तरक)

(2) पनशी के० छेडा।

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके प्रबंधित संस्पत्ति के वर्जन के निष्

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्र भी

फ्लैट नं० 5, जो 1ली मंजिल, हुमेना मन्सन की-श्रोप हाउमिन मोलाइटी लि०, धालेकर वाडी के पास, कल्पना थिएटर के पीछे, एल०बी०एल० मार्ग, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैभाकी क्ष० मं० श्रई-3/3 7-ईई/20422/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ा० प्रसाद नक्षम प्राधिवारी महायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नागेख : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्द, ठी, एन्, एव . ------

बाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वनः

भारत मुस्कार

कार्यालय, सहायक आवकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० श्रई-3/37-ईई/20376/83-84—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर अम्पन्ति, जिसका उपित बाबार भृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० पर्लंट न० 301, जो, बीर्नवग, इमारन न० 1, शांती पर्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित हं (श्रीर इससे उपावट श्रनुस्की में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, है के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख़ 1 सितम्बर 1984

को प्रोंक्स संपत्ति के उचित बाजार भून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय शवा गया प्रतिफल निम्निचिखित उद्देष्य में उकत अतरण सिक्त में बास्टियक कप से अधिक नहीं किया गया है ---

- (का) जन्तरण ते इन्हें किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे स्थन में सृविधा के लिए: जोड़/या
- (स) एसी किसी बार मा किसी धर या बन्ध आस्तियः का, जिल्हा भारतीय कायकार अधिनियम 192% (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती देवारा प्रकट नही । कि वे। प्रयो सा का का का विकास विद्या की सिंध,

कतः जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जगुलरक में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकत स्थितियों, अधीत् ध---

61.

(1) मेंगर्स तिलम डेव्हलोपमं ।

(भ्रन्तरक)

(2) मनसं स्राधिय हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रायवेट लि० ।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

धवस् सम्मास के अर्थन के सम्बन्ध के काई भी नाक्षय .----

- (क) इस स्थान के राजपण में लकाशन की तारीश से 45 दिन की जविध या गंजाबयी व्यक्तियों एर स्चान की लक्ष्मील से 30 दिन की अविधि, का भी जविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृशीकर व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्का के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहस्ताक्षरों के पास किसित में किए का सकींगे।

भावतीक रण: — इसमें प्रयुक्त शन्यों और गयों का मा उपल अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होना तो राम मध्याय में विजया प्रशासी।

अनुसुची

पलौट नं० 301, जो, बी-विग, इमारत नं० 1, णांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

प्रनृसूची जैंगाकी कि०मं० प्राई-3/37-ईई/20376/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद क्षम प्राधितारी सहायक श्रासकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्त रेंज-3, बम्बई

नारोभ्यः 10--5--1985

मोहर 🖫

प्रकप आर्धः टी. एन. एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-उ, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1585

निदेश म० ऋई-3/37-ईई/13680/83-84--- यतः भृह्म, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह शिक्ताम करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य । 90,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फलैट २० ४०० जो, त यो मजिल, इसोरत न० 18, कपाडिया सगर, विद्यानगरी भागे, संग्रेटस्ट, राट, कुली, बस्बई-70 में स्थित ह (श्रार हस्से उपाउँ अनस्की में श्रीर पूर्व रूप से विणित ह), यार जिन्हा करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम १७०१ ती प्रारा २०० ताल व प्रधान बस्बई स्थित साम श्राधिकारी के ज्ञागीलय में रकोस्था त, तारीख 1 गितम्बर 1984

को प्रवेक्ति भभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अनरण के लिए तथ पाथा प्रया प्रतिफल, निम्निसित् उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तितिक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के निए; अप्र/या
- (क) एसी किसी आय ए किसी ६न या अन्य आस्तियों वि., जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ उन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अवत अधिनियमं की धारा १६९-मं की प्रायरण में, मैं, उयत अिपिनयमं की भारा २६९-घ की व्यापरण (1) के अधीर, निम्नालिकित व्यापित्यों. अधीर :--

- (1) भभम दिपक बिन्डमं प्रायवेट गि०।
 - (मन्तरक)
- (2) आ स्नार ए० प्रकार।

(य्रन्तीरर्ना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितब इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में विया गया हो।

प्रनुसूषी

भवैट नरु 406, जो 4 में मिकल इमारत नरु 18, क्षांडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, मोएसटा राट, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

सनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/13686/83-84 श्रीप जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनार 1-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए.ज. प्रशाद सक्षम प्रताधकारी महायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-उ, बम्बई

नारीय · 10~5~1985

 \mathcal{H}^{1}

प्रस्प आई टी एन एस.

आयश्चर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा , 59-घ (१) क अधीन गुचरा

गारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यकर आण्वत (निरक्षिण)

श्रर्भन ेज-3, बस्बर्ह

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० प्रई-3/37-ईई/2048?/83-84→-प्रत. मृझे, गुरु प्रसाद

ारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मके पञ्चात 'उका जिबिनयम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का रिण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य, 00,000/- रह. से अधिक है

और जि.की में पर्लंट मंं 209, जें, 2 री मिलिंग, इमारत गं 6, गंगिया लगर, विद्यालगरी सामं, सीएसटी रोड, मुर्ला, वस्वई-70 में स्थित है (प्रांट इपसे उपावड अनुसूची में और पूर्ण गंप से विणा है), जीर जिला स्थारतामा प्राप्ततर प्रशितिगम 1961 की जारा 269 में,ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1 पितस्वर 1984

तो पूर्वोक्त सस्पतित सं उचित बाजार मृत्य सं कम कैं इध्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई और १भेर यह विश्वास

रेने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रवान, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निमित्त में स्तिबिक रूप से किथात नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निग्रम के अधीन कर दोंगें के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने प्राप्तसमें बचने में मुविशा के लिए और/शा
- (स) एंसी किसी आय या किशी धन या अन्य आस्तियों कार्, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या नक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया धाना वाहिए था, खिपामें में सविधा के शिका:

अतः अतः, उततः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण ों, मैं अक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे सभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, सभातः ६(1) चार्च दीर विनार्व पापवेर १००।

(शहनार्त)

(3) स्वीकि सील न्यांट्रिस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही करत. हा।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुलना के राज्याय म पहाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भे। अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति। चिक्त ने व प्रविक्ति।
- इस मूखना क राज्यपत्र म प्रकाशत का तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-इद्य किसी क्या आजित द्वारा वर्षोहस्ताक्षरी के पान निक्ति म विद्या का मकाँगे।

स्थव्हीकरण:--इसमा ध्यूकत शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अधिकिश्वक के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ कहीं अर्थ होना को उन्न अध्याय में विभा नगा हाँ।

अन्स्यी

फ्लैट न० 209, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० 6, क्यांडिया नगर, विधानगरी मार्ग, मीज्यमञ्दी० रोड, कुर्ली बम्बई-70 में स्थित है।

प्रतम् वी ने सर्वा कल्म० एई-3/37-ईई/20482/83-84 और जो अने परिसरी, बस्बई द्वारा दिनाह 1-9-1984 को रजीस्टई विजा गया है।

> ए० प्रसाद ः क्षम प्राधिनारो सहायन आप्रकार प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-३, बम्बई

तर्गात 10 -5 -1985 माहर - ..

प्ररूप आइ". टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा पान 260 के (1) के बुधीन सुचना

श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-3, अम्बद्दे
अम्बद्दी, विनाक 10 मद्दे 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'प्रत्त प्रधिनियम', काहा गया है), की भारा 269-इस के अधीर प्रधाप प्राथि घरने को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी यं० फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 18, अगाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, मी० एव० टी० रोड, कुर्गी, बन्बई-70, में स्थित हैं (और इसमें उगाबंद पानुमूची में और पूर्ण का में गिंगत हैं), और जिन्हा करारनामा ग्रायहर अधिनियम 1961 की धारा 269 का,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1 सिनम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत में अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनयम, 1957 (वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पार्ल दिवा । विल्ह्म प्रायवेष्ट लिए।

(ऋस्तर्यः)

(2) श्रीमती नकीशा एच० उदापूरवाला और भ्रत्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पृशांक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोड़ भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शह में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय छैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय ? ए-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होंगा को उस कथ्याम में दिया समा है।

अनुसूची

पर्नेट नं० 403, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० 18, कराडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी०एल०टी० रोड, कुर्ली, वस्बर्ड-70 में स्थित है।

भनुष्तो नैताकी कल्मंक अई-3/37-ईई/20481/83-84 ओर जा पत्रन पार्विकारो, बन्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

नारील 10 •5 1985 **मोहर**ः प्ररूप बार्ष .टी.एन.एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

धारुत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेन-3, बम्बर्ड

बस्बद्दी, दिनांश 10 मई 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/20451/83-84---अत. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्सी सं० पर्नेष्ट न > 3 जी, जह अभिषेत की-आंप० हार्जीना सामाउटी मि०, गर दिया नगर, घटकीपर (पर्च), अभ्बई-77 में स्थित है (और इ.से उपायद प्रतुमूची में और पूर्ण हम भे पणित है), और जि । १ रास्तामा श्रामकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 ; व के प्रधीत बस्बई स्थित मक्षम प्राधिभारी के गर्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 कितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की नाबत, "क्ष्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शायित्व में सभी करने या उसने बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्तिकां करो जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया का या जिल्हा जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए:

भतः प्रव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अपृत्तरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिक्ति अधिक्षयों. अधित ह—— 32—96 G1/85 (1) जुनापन दुस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सिनाक्षी नटराजन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पृश्लेक्त सम्पृत्ति के जर्जन के लिए कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थितस द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबह्म किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्रेगा, जो उस अभ्यास में दिया गंदा हैं।

अनुसूची

प्लैट नं० 3, जो, जय अभिषेक को-ऑप० हाउमिंग सो ताइटी लि०, 111, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बर्ष-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैभाकी कर्नार प्राई-3/37-ईई/20451/83-84 और जो सक्तप प्राधि हारी, बम्बई हारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

बाहर 🖇

प्रव आर्' ने गत्र. गत्र -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भावत सरकार

मायोग्य भगार । छा । स्वास्त विकानका

गर्भेन रेच-३ नःपर्ह

नगरी, दिया 10 भरी 1985

ਰਿਵੇਧ ਨੂੰ ਹਾਣੂ ਹੈ 35-⁰²/10119/84-81--ਾਰ ਜੋ, ਸ਼ੁਰੂ ਪ੍ਰਮਾਜ਼

बादकर मिनियम 106+ (1964 का 17) किए एए सक्ते पश्चात 'उन्त मिनियम' रहा एक हो र पारा 260-स को अभीन सक्ष्म मो उन्तर्ग र पर किरवार रूपने जा कारण हो कि रक्षार रूपने जिल्हा किरवार रूपने जा कारण हो कि रक्षार रूपने किरवार के स्व

और शिक्षी १० तथा १० १ पर सम्बद्ध है । "सम्बद्ध" किस्तार - श्रीक से कि में समान्ति है । स्वार्ति के पार १ : शब्दिक से कि में (भेटा का स्वार्ति का प्रति के स्वार्ति की स्वार्ति की स्वार्ति का प्रारम्मा सर्व किस्तार्ति । किस्तार्व की स्वार्ति क

का प्रविक्त सापान के उचिन आजार गाय भार न रशामान प्रतिफल के लिए र्शजस्थोजन शिला के अनुसार अला- रिन की गर्भ के जोगा सहा यह निर्देशम करने का कारण के लिए र्शाप्त के स्थाप स्थाप साम कि कारण करने का कारण के लिए राम के स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप के लिए तथ प्रतिकान से प्रीप्ता है कि स्थाप स्थाप के लिए तथ प्राथम स्थाप स्थ

- त्त्र) त्रामा पार्ट एकणा अधा १५ म्हल १२० अधिनियम ६, अधीत क्रण धन के ब्राज्य हे स्थित सा कभो करू देन देन प्रमान सम्बद्ध के आवादा के रिला को देश
- (क्ष) एंसी किसी नाम या किसी घर या अन्य आस्तियां कां, जिल्ल भारतीय गायरार अभिनयम १०१२ (1922 वा ११) या उक्त अधिनियम, या धन-जर अधिनयम, ११५७ (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ ग्रारियों द्वार प्रकट नहीं किए। गया था या किया जार की ना का प्रियंत में परिशा के लिए,

अत पर र भी जिस्स की धारा १६५-अ है अस्तर्भ में, मैं, उक्र भी भी नरस की प्रशास की प्रधास (1) के अधीत, निम्नलिधित प्राप्तिया, अर्थात :---

(1) थी गातपा हरीमाऊ त्रवधाणे जीर भ्रम्य ।

(अन्तरक)

(१) श्रीमती डी० जे० भगवात ।

(भ्रन्तरिती)

की यह भावना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता है।

उक्त सत्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख के 45 किन का अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्जाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (भ) इस राजना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिए जा सकेंगे।

स्थण्डिकरण -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया थणा है।

अन्स्ची

द्वता न० ८, जा, प्राउट फलोश्नर, "सोमेण्बर" प्रिमाय-से। पा-मी० पार्जीना साताटी नि०, गार्डन लेन, घाट-कार, प्रायद्दे-86 में स्थित है।

यनप्ता मैनाही कञ्सञ यई-3/37-ईई/20429/83-84 प्रोप ना अत्यापिनाथी, सम्बई द्वारा दिनाम 1-9-1984 को रजिस्टर्ड ित गत है।

> ए० प्रसाद राक्षम प्राधि तरी तहाय ३ प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बश्बई

नारीत 10 - 5 1995 माहा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

नारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भूर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० श्र**ई**-3/37-ईई/20504/84-85--- प्रत सुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थान श्रीभकारी ही, यह विश्वास कर अधिकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुनान २० 12, 7%, गजासन निरास (न्यू) बाकोला व्हिलेज राह, ज्वसवाही, भारातृष्ठ (१५), बम्बई में स्थित है। (और उत्त अपात्रड फ्रांसूर्य। में तिर पूर्ण लग में विणित है), बाँग जिल्हा राहणामा आह र प्रधितियम, 1961 की धारा 269 है। के अधीन बाउई स्थित पक्षम प्राविद्यारी के कार्यालय में राहर्द्रा है, नारी है, निरम्बर 1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्तेयह विश्वास करने का कारण है

कि गह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अर्तारितयो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुए कि.मी बाम की शनत. अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कमी करने या समस अपने में सृद्धित की मिए, औष्ट्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शरित्याः कर जिन्हें भारतीय आय-केर श्रीश्रीत्याम. १७५२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियान ज स्विभा के निए:

भवः भवः, उन्त निषितियम कौ धारा 269-भ क अनुसर्थ में, में उन्त निष्तियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मार्वे का एड य १९७३।

(महिन्द्राः)

(2) ्यारी च्या पटिया आर अपा

(अन्दरिती)

का वह मुचना अर्था करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अस्ता हा ।

उपित सम्मानि के बाबन के गानि प काह भी वाक्षण ---

- ाक) इस सुर्वा व राज्या . । का का नामा सं १८ राज का अपीप क लक्तास्त्रका आफित्या पर सुखना का नामीन । २। उन ।। उनी ।, जा का प्रतिय बाद मा समाप्त हाति हा., के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिया या सार्याला। स्वार्थ हात्रा
- (क) इस स्वभा के राज्य का १ कार ना का भाग स्व 45 दिन के भीतर उन्तर भावर प्रधास में डिस-द्वा किमी जन्म न्यांच जनका नवाहम्मासरी के यास किविन में क्या जा नजन

स्पद्धिकरण -- इसम अहुक्त पच्या और पर्या का, वह उक्त कांचितियम हे संयाय 20-क में परिभाषित हुँ, वर्त क्या उर्पर में रूप अध्याप वे क्या प्रश्राहरी

अभयची

बुगन ५० 12 ति, गजाति तिशाः (स्पृ) राजाति विशेष राष्ट्र, उपराशी, स्वाृत (१५), बश्वई से न्तिन है।

यत्मूर्वा ैं की ंता है-ा/3 -ईई' 050 मे81-85 श्रीर ता जाम एकि परी, कार्यई आप िनात 1-9-1984 को र्जिन्टर्व िता गात है।

> ए० प्राप्त सद्यम् पासितार्गः इत्यापत साराभ्य प्रास्त्रम् (निराक्षण) सर्वि वेज-3, बस्बई

तरीय. 10-5-1985 माहर . प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

नामभर नृष्टित्यक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नधीन स्वना

THE PARTY

म्बर्गनम् सहायक नायकर नायकः (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्ब**ई**, दिनांक 10 म**ई** 19**85**

निदेश सं० ऋ**ई**-3/37-**ईई**/2**05**14/**8**3-**8**4→-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भरूब 269-स् के अभीन संक्षा प्राधिकारी को यह जिल्लान करने का कारण हैं कि स्थानर बम्पत्ति, जिसका उचित् नाषारु मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 36, जो, 3री मंजिल, मागिरथी विला, अमृत नगर, घाटकापर, बम्बई-86 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961
की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 पितम्बर 1984
को पूर्वोंकत संबंधि के बिंबत बाबार मृत्य ते कम के अवमान
प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने
का भारण है कि यंशापूर्वोंकत संव्यक्ति का अधिन वाजार मृत्य
उसके अवमान प्रतिफल से, ए ते अवमान प्रतिफल का पन्छह
प्रतिखत से निधक है और नन्तरक (जन्तरकों) नौर नन्तरिती
(बन्तरितियाँ) के बीच ए ते जन्तरक (जन्तरकों) नौर नन्तरिती
(बन्तरितियाँ) के बीच ए ते जन्तरक वाजार विश्व वाजार मन्तरका
प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से जन्त जन्तरण लिखित से
वास्तियक स्प से कर्नित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्द्यरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औ विष्:

जतः जनः उपरा अभिनियम कौ भारा 269-ग के जन्तरच में, मैं उक्त अधिनियम कौ भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित स्योंक्तयों, जर्भाष् १--- (1) मेन्सं गेठ इंटरप्रायनेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ आर० दलवी।

(श्रन्तरिती)

को यह नुमना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्य में कोई भा अन्धेर : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौस है , हैं। का अवधि या सन्मबंधी क्योक्सयों पूर सूचना कौ तामील से 30 दिन की अवधि, जो धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीक्य व्यक्तिकां में क किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवण उक्ट स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी के दिल द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए जा सकेंगे।

स्पश्चीकारण: ----६समें प्रधानत शब्दा आर पदो का, जो उनत जिल्लीनगम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्यान में दिया नमा हो।

प्रनुसूची

पर्नंड न० 36, जा, एनिर्यी विना, 3री मंजिल, प्लाट एक-1, अभृतनगर, घाडमार, बम्बई-86 में स्थिती है।

त्रनुसूनी जैराकी कल्मक प्रई-3/37-ईई/20514/83-84 और ना स्त्रन पारिहारी, बस्बई द्वारा दिनार 1-9-1984 को रजिस्डर्ड किया गया है।

> ग्,० प्रगाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, **बस्बर्ध**

नारीख: 10-5-1985

माहर 🗓

प्ररूप आई .टी.एन. एस .-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भार्जन रेज-3, बस्बर्ष बस्दर्घ, दिनाव 10 मई 1985

निदेश स० **६६**-3/37-ईई/20500/83-84----म्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका स० फ्लैंट न० 3, जो, 4 थी मजिल, व्हिलेज रोड, निरदास, पर्व्ह, बम्बई में स्थित है (और इससे उपायस अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिन्ना र रार-नामा आधार अधिनिधम 1961 की धारा 269 र,ख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिनारी के जार्यान्य सेंरजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सपत्ति का उचित राजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किंतित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चित्तरजन गर्मा।

(भन्तरक)

(2) श्री राजेशकुमार पूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संप्रित के वर्षन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्सूची

फ्लैट नं० 3, जो, 4 थी मंजिल, व्हिलेज रोष्ट, तिरंदाझ, पवर्ष, बम्बर्ध में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी फर्निंश श्रई-3/37-ईई/20500/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-3, बम्बद्

तारीख: 10-5-1985

मोहर

प्ररूप भाइ.टी. एन्/. ग्रस - न न

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर कामुक्त (निरक्षिक)

प्रार्जन रेज-3, बम्बई

स. बर्ड, दिनाव: 10 मर्ड 1985

निदेश मं० फ्र**ई**-3/37-**६**ई/20483/83-84→--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत गींधितयम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका जिनत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट नं० थी-150, जो 1 ली मजिल, बी-बन्दर, घाटकापर इंडस्ट्रियल इस्टेट एल०बी०एस० सार्ग, ध-बई-86 में स्थित हैं (और इससे अपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसता करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 है, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख, 1 सितम्बर 1984

को पृत्रोंसत सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयान प्रतिफल से एंसे स्वयान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिस्त से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) कौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा शितफल, निम्निलिसित सब्दिय से उसत अन्तरण सिचित को वास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) नम्तरण से हुई किसी नाम की बामला, उनका बीधनियम के लभीन कर दोषे के अन्तरक के धिवरण में कमी करने या उससे अवने में सुनिका के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या ⁵ तसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिज्याने में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिक्तयों, अर्थात् :— (1) श्रीमती श्रीनिवासन लक्षमी।

(भन्तरवः)

(2) मेथर्भ चरन टेक्सटाईरित ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहरूमा करता हुए।

उपस सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाहाय रू-

- (क) इस स्थानाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मधना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मित मा हितबद्ध किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० बी-150, जो 1 ली मंजिल, बी-ज्लांक इमारन, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल०बी० एम० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची नैसाकी क०म० अई-3/37-ईई/20483/83-84 और जो अम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिना। 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ण्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-3, बस्बई

नारीख: 10--5-1985

मोहर .

प्ररूप बाह्रं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) म्प्रजन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाय 10 मई 1985

निदेग ग० श्रई-3/37-ईई/13317/84-85--- अतः मुझे, ए० प्र∽ाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुन्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ैं

और जिनकी साठ फ्लैंट संठ 15, जो, ए-बिंग, न्यू गजानन नियान, अमवाडी, ताकोला विहलेज रोष्ट, सावाक्ष (पर्व), बन्बई-55 में स्थित है। (और इ।से आवह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिना विरायनामा मायपर ग्रिधिनियम, 1961 की पारा 269 कं,य के श्र**धीन बःबई** स्थित तक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख

1 जिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिस्वास करने का कारण **ह**ै

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इययमान प्रतिफल से, एसे इप्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भी सांत के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मसर्भ राव एण्ड श्रासान्तिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाडर्भ अल्फान्सो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्मितिक अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ऋरे भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो, ए-विंग, न्यू गजानत निवास, बदमब वाडी, याकोता वित्लेख रोड, सांताकूज (पूर्व), बरबई-55 में स्थित है।

ग्रनुसूर्चा जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-3/37-ईई/13317/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनां है 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3, धम्बर्ह

नारीख: 10-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं० प्रई-3/37-ईई/13239/83-84---- धतः मुझे, ए० प्रसाय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिमकी मं० पर्नेट नं० 3, जो, "दक्का" इमारत, बस्लभ-षाग लैन एन टिंगन, गरीडिया नगर, घाटकोनर (पूर्व), षम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद प्रनुमूची में और पूर्ण एप से विणित है), और जिपका करारतामा भ्रायकर भिधितियम 1961 की धारा 269 कि के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृल्य में कम के दृष्यमान वितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के शिक्: कार/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयझ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयझ, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा जाना चाहिए आ, छिपाने में स्विधा सविधा के निर्हे.

कतः कवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीनः निम्नोलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) श्रीमती जे०एच० टाकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जें जें ० सेठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप रे---

- (क) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपन्ति में क्लिनदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

श्रानुसूवी

फ्लीट बं० 3, जो, "दक्का" इमारत, बल्तमबाग लेत एक्पटेंगत, गरोडिया नगर, घाटकोतर (पूर्व), बन्बई में स्थित है।

श्रमुमूची जैशकी कर्पात कई-3/37-ईई/13239/83-84 और जो अन प्राधि गरी, वन्दई द्वारा दिनोक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 3, बस्क्ई

तारीख: 10-5-1985

माहर :

我在在 你说。 我! 你我! 不知

कायकर मधिनियम, १५६३ (१५६४ ता ५३) की पार 269-म (१) के अधीन मुनन

MLES GAMIA

कार्यात्रयः, सहायंक लायकार साग्वतः (निरक्षिक) अर्जनः रेज-३, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 सई 1985

निदेश सं० ४६-3/37 ईई/13247/83-84--अनः युझे, ए**० प्रसा**तः

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसं इ.सम् इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रया है), की भारा 269-स के अधीन महाभ प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर श्रापत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) जन्तरण सं हुइ किमी आय करें साबत उकत अभिन नियम के अधीर कर धीर्न के जन्मगढ़ के उत्पाद मी क्यों करने या एमसे बचने या सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर विशेष्यम 1022 (192 का 11) या उत्तर शीधनियम साधवकर अधिनियम, 1957 11457 का 27) है पर्याणनार्थ सन्तरिती हुवास प्रकट नहीं किया गर्था था या किया असा बोडिए था, प्रियान में स्वित्य के स्विष्

असः अज, उक्त अधिनियम, का पान १६५ ग के बनुसकः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभाग (1) र अतित विकासी अधिकारी अधिकार ----

33---96G1/85

(1) घीमती बोना बंक रामचंदानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमन। क्यें डा॰ पंचामि और जन्म। (अन्तरिती)

की यह सुभाग जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उत्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस स्वला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपृत्र भें प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के जि

स्वस्तीक्षरण --- इसमें प्रमुख्त शब्दों और भवीं का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मना है।

अनुस्यी

फर्नेट न. ा. तो अनी मंतित इमारत "सी" विग-3, त्रासोदर पायो, घाटकोपर अकारी-४६ में स्थित है। अनुशूची जेगा कि कम संव अर्ड-3/37ईई/13247/ 83-84 भाग जो सद्भाष प्राधिकारी, वस्बेई हारा दिनांबा 1-9-1984 को जिस्टई दिश्य गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वस्वर्ड

दिसाद : 10-5-1985

मोहर

भापकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की पारा 260-म (1) के अधीन स्वना

SPART PROPERTY

कार्यास्य, महायक आयक्तर अल्यक्त (जिरीक्षण) शर्जन रेज- ३, ब्रम्बरी

बम्बर्ट, जिनांक 10 मई 1985

निरेण गं० अर्ड-3/37ईई/+3199/83--81-अप. मुझे,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 42) (धिल इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियस' कहा गरा है। की भारत ⊉69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वान परिने का कारण हैं कि स्थावर शम्पाल, जिल्ला द्वार बालार मदण 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

'भ्रौर जिसकी सं० दुक्त र. ह. हो गाउन्ड फ्लोप, महावीर महल , प्लाट नं १ 130 सर्गाच्या सगर, पाटकोषेर, प्रस्तर्य-77 में स्थित है (गाँप इसमें इपनाज अनुमर्च। ५ प्रीप पूर्ण कर स वर्णित है) श्रार जिसला करायनाथा आपना अधिनयन 1961 की धारा 269न, ख के अधीन बर्फाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्र है, लार्नर 1-9-84 को पूर्वेक्ति सम्मिसि को अधित प्राजार भूल्य में कार १. इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्त यह विक्वार करारने का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पन्ति का उपित बाबार सम्म, उमके स्थामान प्रतिकल में, एसे स्थामान प्रतिकल स पन्द्रह प्रतिकोत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और प्रेन-रिती (अनिरितियाँ) के बीच एपि अंतरण के लिए तथ पाया गया भौतफ़ल, निम्मलिखित उदगब्य मं नक्त अन्तरण नीचन व शास्त्रविक रूप में केथिन गु फिया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उड़न अधिनियम वं अधीर कर हत व अनुमार व शांधिल में कार्त हर. को सिए; मीर/या
- (च) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रस्तियाः को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भेन-कार अभिनियम. 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरियो दुकारा प्रकट नहीं किता गया था या किया जाना चाहिए था, हिलाहरे -समिधा के लिए:

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुगरण में, में, डिक्स ऑफिटिनाम का है का एक है। है कि किस के 🕏 अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) हार लीवा एक कि।

(AFM (4,)

(७) मेल्ले अस्य एक स्वरूकार्यका ।

(古香田)

को मह स्वता लारी कारक प्रोक्त प्राप्ति के कर्न के जिस् कार अर्गहर्ण करण हो।

एक भगवीन के बर्जन के मर्चन में कांग्रं भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना को तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अर्जार बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियां भें सं किसी व्यक्ति दवासः;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्धे किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अत्रोहस्नाक्षण के पास "म्यास्ति भ निष्या का स्ट्रीमें।

स्वराधिकरण .---इम्बं प्रयुक्त संख्यों और पदी का, का उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में •परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा, जी उस सध्याय में विया अवाहिः

अनुसूची

दकाल ५० ५ जी प्राउट पर्ने।, परावार महा, प्राट नं० 130, गराडिया नगर, पाएको ए, (पर्व), तम्बर्ध-74 भे स्थित है।

-अभुभवी होता एत इन्हरू भ निई-अ/37ईई/±3194/ 83-84 पार नो संसम प्राचितारा, उरवेड प्राका स्टार्स 1-9-1984 하다 선계관을 취취하고 한 본다.

> ए० प्रसाद "नअए पाधिकारी पहासक सामार साम्का (विनेशाम) अर्तन रीत-अ, एम्बई

FRITT 10 -5-1985

和高汗

प्रहेष आहें. टी. एन. एस.----- (1) श्रीमती चढ

रामक अभिनित्तन, १९५६) (१५५६) ने १३) की पास १७५ छ (११ के अधीन स्थन।

भारत वरकार

कामोलद, सञ्चापक जायकार जायकल सिर्धकण) जनेत सी -) समाई

बाबई, ितः 10 मई 1985

নেইস লা ⇒ হ-3/ : শেই/1321 1/8. -81-- শে মুজী, দত সংগ্ৰে

अग्यादर व्यक्तिम्बर, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 260-च के अर्जन नक्षा पश्चिका । हा, यह रे अल करन का कारण ही कि स्थानरे सम्पत्ति, जिलका प्रक्रिस बाजार मन्य 1,00,000 - का से अधिक ही

स्रीप जिस्की ते परिष्ट वर्षा, त्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त है। किस वर्षा ते प्राप्त प्राप्त प्राप्त है। किस वर्ष ते प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप

का प्राचल संपरित के उधित बाहार मृह्य स का के ६ स्व मा । प्रतिफल के लिए अन्ति नि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रावित संस्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एस इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिरित्या)के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिशन उद्देश्य म उचन अन्तरण विश्वित से वास्तिविक इप में केथित नहीं पाया गया है '---

> इति अवस्थित । त्रिस्त । व्याप्त । अवद कर्षात्तारः के अधिक् कान दें ते व्याप्त । व्याप्त व्योक्तक संस्थिति केस् ए ए ए र है। स्थिति

अतः अब उभत अधिनियभ की धारा 269-व ती उपधारा (1) क अधीन, निम्निसित व्यक्तियमें, अर्थतः .-- *

(1) ओपली चद्रभणि केट पारीख ।

(अन्तरक)

(2) श्रांसती एन० के महना ।

(अन्नशिती)

ा यह मुचना पारा करक प्रवित्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए अपनाहिया करता हुन्

उन्त सम्पत्ति के अर्जन की सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ध्रम भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शि से 45 की अवार मा तत्मवधी व्यक्तिमों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिस
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकेष्भ जिसी अन्य क्यांवित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी की पास जिसित में किए का मकेंगे।

िन्द्रभाषिक - व्हरमा वर्षत्त पादा अरि पदी का, जा उन्हर अभिनित्तम की तायाय 20-क मा परिभाषित ही बहा अर्थ होगा जो पस अध्याय मी दिया विकास

अम् सची

प्रतिह स० । ।। ब्राइन्ड फ्लोर, पण्कुटीर प्रताट व १९५, नार प्री० घटना राड घाडकोपर (पूर्व), वस्वर्ध- ७७ में स्थित है।

अनुभूनं। नैभा कि कम म० अई 3/37ईई/13211, 13-81 और भी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1981 भी राजस्टा सिया गया है।

> ए० प्रसाद स्थ्रम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶उ, बम्बई

दिन्नतः । १५-५-1985 मोहरः मक्द बार्'. टी १६. १६.

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मधीन मुख्या

बारक अरकार

कार्यास्त्र, सहायक आयक्त आयुक्त (विरीधक)

अजन रेंज-3, नम्बई

बम्बई, दिनाव 10 मई 1985

निदेश स॰ अई--3/37ईई/13175/83-84---अत मृझ, ए॰ प्रमीद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन नक्षम पार्ति को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मन्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्वेंट न० 1.जा इस्ट शार्टड, सवानी टाउसं, पबई, बस्बई—76 में 'स्थल हैं (श्रीर १सरें) उपाबह अनुमूची में ग्रीर पूर्ण हम में उजित है) श्रीर निगका एउएन.मा आयकर आधीनयम 1961 की ग्रंग २८७७, ख के अधीन बस्बई स्थिन सक्षम प्राधि शरी के बार्यालय से र्जिस्ट्री है, तारीख 1—9—1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित आगर मृत्य से बाम के स्थममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापृष्टोंकत सम्पत्ति को उचित बादार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अतस्का) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एमें अत्रण पर लिए तय पर स्था (कि कल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अत्रण कि सित क पर मान

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाम की बामस उन्हें भाँध-निषय के कड़ीन कर धर्म के रन्तक के ल में कसी करने या जनसे युष्य में मृतिश के लि. बरि/या
- (स) एसी किसी आह या किसी पत । अत्य जारित्या को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गयः भा या किया जाना धाहिए भा, द्विणान म परिष् के निए,

भत. अब, जक्त विधिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण म, मैं, नक्त विधिनियम की भारा 269 - भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, पर्धाः — (1) श्री चितरजन शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण यू० हानावर ।

(अन्तरिती)

का बहु सुलान बारा करके पूरांक्त नाम्यत्ति के नामेंन की भाष कार्यनाहिया भूरत करता हुं।

क्या राज्यार के वार्यन की अन्यन्य में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वितर क्यां असी क्यां समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वितर
- (स) इस म्चना के राजपन मा प्रकाशन की वारीस हैं \$5 दिन के लिए उसा प्रभावर संपरित में हिं।-बहुव किसी अन्य व्यक्ति दुशरा अधोहस्ताक्षरी के गाम निर्मास का किस था। क्योंने।

स्थरहाक्षरण - इसमा प्रयाजन शब्दा और पदा का, शा उक्त अधिराग्य कं क : ' 'त--त व परिश्लाषण हैं, वहीं कर्य होंगा जा उस अच्याय में दिया स्था हैं

वनसंची

पर्नैट न ।, जो इस्ट साईट, मबानो टावस, पवई, बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैमा कि कम ५० अई-3,37ईई,13175, 33-84 और का एजन पश्चिकारी बग्बई द्वारा दिनाक 1 9-1984 की राजस्पूर्व किया गया है।

> ए० प्रसाद , सक्षम आधिकारी सहायक आउकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-3, बम्बई

विनाक 10 5-1985 मोहर: प्ररूप कार्ह्न . टी. एन्. एस्. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज (1) के अभीन समाना

MINH HEATS

कार्यालय, सहायक मायकर गायुक्त (निरीकाम)

श्रजेत रेत-3, वस्बई वस्बई, दिनाफ 10 मई 1985

निर्देश ने० सर्ड-3/37ईई/13174/83-84--अनः मुझे, ए० ध्वमाद

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उबत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है। कि स्थाप करने का का कारण है। कि स्थाप के अधिक है।

सौर जिल्ला सं० क्लंट नं 2, है तथा हो 2, प्रवासि टावर्स प्रवर्द, बम्बर्ट के स्थित है (आर इसमें उपाबद , अनुसूची में सोर पूर्ण स्पास विभिन्न है) स्रोप जिल्ला कर्णणनामा सामकर अधिनियस 1981 हो धारा 269क, खू के स्रधान बम्बर्द स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ग्राचित बाजार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एमें रश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत में ग्राचिक हैं और अंतरक (अतरका) और अवस्ति। (अन्तरिशियों) के बीच एमें अग्ररण के लिए तथ पाया। ग्राच प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंदिय से, उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से शुर्द किसी आय की नामस, उक्त समिनियम के अधीन कर देने की असरक के शीयरन मा अपने सारन या उसना सकते मा मुन्दिया के लिए। स्वरंद ह
- (क) एसी किसी बाय यह किसी धन या अव्य आरितयों का, विकार भारतीय आयक्त, आदिविधान, 1920 (1922 का 11) के जनते अदिविधान, या विकार पानी के विकार (195 का 27) के प्रयोजनी अंतरिति इसार अवतः विहार किया गया था या किया जाना साहिए एहं, छिपान में मृतिधा के लिए;

कत्, भव, तक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसर्ध मं, मं, उद्ध अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निभानिसित ध्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री चित्ररंजन धर्मा।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमता सिवा एस होनावर।

(अन्तरिती)

को यह मुख्या जारी कारक पृतीक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) दस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन को अविधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सुखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध या में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त कर्मकार्यों में भे कियी स्विवित हवारा;
- (स) इस स्वता ई राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 किन की भीतर उस्त त्यावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किना अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास लिसित में दियं वा सकता।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, आ उनते निधानियम के अध्याम (10-क में परिभाषित ं, वहीं अर्थ होंगा, ते उस जन्मान में विका सभा है।

अन<u>ु</u>मूची

पलद न० 2, भवागी टावर्स, पबई बम्बई में स्थित है। अनुसूची जेंगा कि अभ सं ग्राई-3/87ईई/13174/ 83-84 और जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 की रिजिस्टई किया गया है। क

> ए० प्रसाद शक्षम् प्राधिकारी पहायक त्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) त्रजन रेज-3, वम्बई

दिसमितः 1.0-5-198*५*

मोहर.:

प्रकृष आहें. टर्नि, एन , एस , -----

आयक्तर व्याधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर अव्यक्त (निर्धिक्य)

शार्तिस चॅल-३, वस्वर्र बम्बई, दिनान । । ११ई 1985 निवेश सार अई-अ/37ईग्राववाग्याया अवस्थान मान ए० प्रसाय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कार्रियह विख्वाम करने का कारण है कि भ्थाधर सम्पत्ति, जिसका उत्ति वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिल्हां संब फ्लेंट रूप उत्तर, और अर्थ मिलिल येर शिया, इमारन २० । जाम वार्य, परीडिया वार. पाल्योवर. (पर्व), ब्रह्मार्ट वं तिकर है (योग दक्षर उपायत पानस्वी में स्रोप गुणे सह संवर्गित है। स्रोप जिल्हा अधारतास्य पायकर ग्रांसिनियम 1961 की सामा 264म, भा के पर्धान जानाई स्थित तक्षम पाधि गरी के कार्याचा में परिन्हों है, नार्राय 1-9-1984

को प्रवेक्ति संपत्त के उचित याजार मृत्य में का कं इर्रेशान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रक्त संपत्ति का उगित बाजार मृत्य , उसकं दश्यमान प्रतिकटा हो एस दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिनी (अन्तरिशियों) के बीच एंगे। अन्तरम के लिए तब करा दया प्रितिकास निरमीलोसन इद्योध्या । उत्ता प्रतरण निर्मासन मा अस्तिन विक रूप सं कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम का अवन . उसत अधिनियम के अधीन कर दन की अनार्थ की सायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी याय या किसी धन या अस्य अर्मिस्तयो का, जिन्हें भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या नग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनसरण मों, भी, जुक्त अधिनियम को शारा 269-घ की उपःतारा (1) के गधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) में इसी नालमा हेन्स्पर्स ।

. (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वायन्ती वीक भाहा।

(अन्सरिती)

कों यह रावना जारी करके पर्वायत सम्पर्शि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सम् करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 थिन जी अद्योव या तत्मम्बन्धी व्यक्तिमां, पर स्पना का नामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में सं किशी व्यक्ति ब्वारा:
- (ख) इस भूचना के गंजपन व प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर अज्ञ स्थावर समाति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास चिसित में फिल हा मकींग।

स्मध्योकरण:---इम्में प्रयुक्त शब्दां और पदी का, जो उक्त अधि-ं विश्वम के अधाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया **5**3 1

गर्लट नट ६०३, जो, उठी श्रीमल, बी-विग, इमाग्त ते ।, आंतो पार्क, परीर्देश प्रश्न, ब्राटकीपर (पृष्ठ), वस्तर्ह में स्थित है।

 अन्युक्त जैला कि अग अत् अई-3/37ईई/13173/ 84-99 गा॰ ता मध्या शांत्रियास, बम्बई द्वारा विनांन 1-व संबद्ध ही बीसाटड दिसामवा है।

> ए० प्रसाद सक्षम् प्राविकारी सहायक आयक्तर सायुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेज-३, बम्बई

विभोग : 10-5-1985

मोहर.

and the, , the two

(।) मैं संस्था । सार्रा

(यहन्दर्)

() [11-1 + (1+ #+11

(18⁻⁻ fireft)

जायकर अधिभियम, ११६० १८६६ का ५० को पान 269-व ११) र धरीन स्टान

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण)

संदर्भ का 10 स⁵ प्रत

নিবিজ্য শাত এই 3/37 ইই/10172/84-85--জন মানী, চত স্মার,

्वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात उक्त वांधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख व अधीन सक्ता धार्मिनारी का यर दिन्तान कार का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्ला चीनल शाकार अल्प 1,00,000/- रू य बीमक हैं

और निकार पर पर न 501 जो, तो पि इसारत न 1, जाओं। पार्व, वर्गाद्या पार कारता (पूर्व), रे वस्वई में स्थित है (पार इसार पार्व क्युनी में फ्रांट पूर्ण रूप के निका है) शा क्यारा क्यारा जावार अधिनियम १७६१ के जा (१९६, रा पित वर्षाई स्थित सक्षम प्राधितारी कार्यका में पिता है, तारीख

को पूर्वे अस सम्मत्ति के उचित्र बाजार मृत्य में काम के स्थयमान प्रतिफल के लिए जन्तिएत की गई है और मफ यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मत्ति का लिखत बाजार मृत्य उमक स्थामान भान्यन म, क्यां त्रामा की कि ना विकास प्रतिकास में अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरिपा) के बीच एम जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मतिसित उबद रह के सा कि म करने के बामतिबद, रूप म की स्थाप के स्थापन के सम्मतिबद, रूप म की स्थापन के सम्मतिबद, रूप म की स्थापन के सम्मतिबद, रूप म की स्थापन के स्थापन के सम्मतिबद, रूप म की स्थापन की स्थापन के सम्मतिबद, रूप म की स्थापन की

- (को अव्यवस्थान हार्ड 'क्रमी कार्य को व्यवस्था अपने अभिनियान की कीर कार दल को अस्थापक को वाधित्य को कीरी बारत या उन्तर अचन में श्रीक्या की मिल्ल, करिया

अत अ.स. उस्त प्रधिनियम भी धार ५६-ग के गामरण म, में. उस्ते अधिनियम भी धारा २६० घ की उपभाग (1) के सभीन निम्नीपिण धारितण प्रधान का यह सूचात । त्यार प्रकाणि भवति की प्रति की तिए का ना-था पुरु जनाहु ।

उबन मन्पता ६ ५७न व सम्बन्ध में कार्य वासेव ! --

- (क) इस मुख्ना के राजपत्र मा प्रजात को तारीख म 45 दिन को कर्वाच रा नालम्बन्धी त्यिकतामें पर नचना का तामान से 10 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य रानी हो, को भीतर पर्वात्रत व्यक्तिला म गम्मी गोफ्त द्वारा
- (क) इस राष्ट्रना के शण्या ए प्रजासन की तारीख के 45 दिन के भीतर एक्ट स्थावर सम्पत्ति मा हिन्द्रकृष्ट किसी अन्य व्यक्ति दशरा अभोहरनाक्षरी के पार स्थापन का स्

स्पष्टीकरण .— इमभें प्रयुक्त छान्दों और पत्नें का, जो उत्तर अपेटीनयभ, के अप्याय 20 के में परिभाषिण हो, कही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका गण हो।

अनुसकी

पर्नेट नि ।।) । (१) विग, हमारत ते । जाती पार्च, गर्गात्मा नि । पार्च (पूर्व), बाबई से रियत है। अनुसर्वा थि। कि कम मेठ पर्ने । अकिंगी । । १८ ५२ - ३। पर्वे का कि । स्वा । स्वा । कि । कि । पर्वे का कि । कि । कि । विव के । विवास । निवास । निवास । विवास । वि

ं० घ्रसाद यसम्बद्धाः स्त्री मयः स्थाप्यार्थसम्बद्धः (१.४)क्षणः) युग्यं प्रभावक्षः

ित्ताः । । 1987 सहर प्ररूप आहर् . दी . एत . एस . -----

नामकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की ारा २५) थ ।।। ६ अर्थान पश्चना

HIER RVEIG

अवर्षां स्य भन्ना एक अवरकार अवरक्त (भिन्धिया)

अर्जन रेज-3, ब्रस्बई

बम्बई, दिशाक 10 मई 1985

तिदेश य० भई-3/37 हैई/13107/83-84---अन मुझे ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमन परचात् 'तान गीनोनियक' कहा गया ह'), की धारा 269-स के अधीन राक्षण प्राधिकारी का यह शिक्षास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत अपस्ति का रिवत बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिनकी सब फ्लैंट नव 21, जो हैलान पार्न """ एल० बी० एम० मार्ग, भाटकीपः, वसाई-36 में थिन ह (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण क्य रे विशित है) ग्रीर जिसका करारम्बना आयकर अधिनियम 1961 वी धारा 269न, ख के अधीन अभवई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कि।यांत्रय में र्पजस्दो ह, तारीख 1→9-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलोख के अनुसार अतरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अर्तारती (अतरिनियो) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, चिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) बन्तरण सं हुआ किंगी बाब की सावत, बाक प्राप्त नर्भार पर १ के सन्तरफ के शाबिएस पं अभी करने या तकत क्यने भे स्विभा के लिए: और/का
- (का) ए'मी किसी आय का िर्सी धन या अन्य आस्तियां को. जिन्ही भारतीय आय-कर गौर्धानयम, 1922 रा राजासर का राजासर राजास संस्थित स्थापन स्थापन स्थापन पन्नोजनार्थ अन्तर्रिशी इदारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना अहिए था, छिपान में स्विधा 11 / FETT

- अल अर, ीत अधिभाषयम की धारा 269-य के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) क्षे अधीर निम्निलिसित स्यक्तियों, वर्षात :---

(1) धो सन्तराम तः ५वस ।

(अल्लेच का)

() भी ते के भाग में भाग

(अस्त्रशिती)

को यह सुचना त्रारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नायवाधिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध म काइ भी गाक्षप :---

- (क) इस स्वना के अवश्य में पदाशन की तार्यक है 45 दिन मी अवधि वा अन्याबः ने वाक्तमो पा स्चना की नाशील म 30 'इन की जनिध, जो भी अयभि बाद भी समाप्त वानी हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिगो स" स" लिया गोवत द्वारा,
- (स) इस गुलना के राजपत्र म प्रकाशन की तरिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मोल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हुगारा, अवोहस्ताक्षरी के गास सिविष्ण र भिन्न सा यक्षी ।

स्पष्टोकरण:--द्रमग प्रयक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, अं अध्याय 20 क अ परिभाषित हैं, बहा अर्थ हाया। जो उप यध्याय में दिश ववाही ।

अन्सूची

फ्लैंट न० 🚁, जो भौतास पार्क, "ए", एन० बी० एन० मार्ग, माटकारार , बस्बई उन म व्यान है।

पर्मुचची जैस। कि वस य पर्द- ३/४७-ईई/13167/ 83-34 और ना सक्षम प्राधितना, वस्पेट डार्ग दिलाक 1-9-1984 की स्विम्पर्ट किलाकता है।

> ए० पनाद मञ्जन मधिकारी सहायाः एषा विश्वास्त (विश्वास्त्र) नाम रब-उ, बस्पर्ट

বিধাৰ 14 -1485

机性化

प्ररूप बाईं, टी एन. एस. - - -

सामकर जाभानियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत भरकार

भारा 269 थ(1) को अधीन सुचना

कार्यालय, सहागक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
भूजैंन रेज-3, वस्बई
वस्बई, दिनाक 10 मई, 1985

निदेश म० श्रर्थ-3/37-ईई/13661/83-84--श्रत मझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनिअम, 1011 (1961 व्या 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् विक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 260-म के अधिन सन्य पाष्टिनारी का, यह विज्यास करन सा पाष्टि है। कि स्थार पाय्यान विस्ता सामार मान्य 1,00,000/- रक्त संजीकि है

और जिसकी स० ९ गैंट न० 35, जो, सिधु नगर वाग, तिलक रोड, घाटकापर (प्र्ने), बम्नई-77 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची मे और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रावित्यम 1961 की घारा 269क, ख के ग्राधीन बभ्नई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 1-9~1984

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितिपात करिया करिय

- १३१ पत्तरण म इ.ए. किमी शाय भी बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वासित्य १मी इन्त्र या प्रभावना । मिना के निभा और/या
- (भ) एमा किसी अप या किसी धन या अध्य अर्थ-स्था को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 फा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या विद्या शना काहिए था, किया में सीजधा के लिए।

अत अब उपत विधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भामित किलियन व्यक्तियों, अर्थात —— 34—96GI/85 (1) थी एत० एस० धिवानी।

(ग्रन्तरक)

(2') श्री एस० पी० भक्शी।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना आरा करक पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के निग कार्यवाहिया करपा हा।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सबध में कोई भी नाक्षेप --

- (क) इस स्चला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 1 ि की जर्मांच्या निरम्बन्धी व्यक्तिया पर - र र के (र के रोहा को प्रतिय पर्याकत कारीय जद म समाप्त हानी हो, के भीतर पर्याकत प्रवाद के मिन्सी प्रतिय दवन
- (स) इस मुख्या व राजपार मो प्रकाशन का नाराय प 45 दिन के भीतर जरून स्थावर स्मापित में हिल बदा कि ते रूप की किए जा कार्यमाक्षरी के एक विस्तित में विषय जा कार्यों।

स्वध्याद्धारण — प्राप्त कार्या राज्या प्राप्त कार्या का अवस्यास २०-क मा परिभाषित के अध्यास २०-क मा परिभाषित के स्थाप का अवस्यास २० कार्या का अवस्था का अवस्था

अनुस्**ची**

पर्लैट न० 35, जो भित्र जाग, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बस्तर्ड-77 में स्थित है।

ग्रनसूनी जैसा कि ग्रम म० ग्रर्ड-3/37र्टई/13661/ 83-84 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, यम्बई

दिनाय 10-5-1985 माहर प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जन्म सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश म० ध्रई-3/37-ईई/13639/83-84--- ध्रत मुझे ?० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अभीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 202, जो 2री मजिल, फ्लिंबग, इमारत न० 2, शाती पार्क, गरोडिया नयर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसम उपाबद्ध श्रन्म्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1962 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्म म रिजस्ट्रा है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उसम बचने में मृविधा के लिए; और/था
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए,

अत बब, उक्त अबिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, किन्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1 मैंसर्स नोलम डेब्ह्लालपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवानदास एल० बादना।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा,
- (ख) इसस्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबङ्भ किसी बन्य व्यक्ति इचारा अधोहस्ताक्षरी के पाच तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण .—हसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होग को उस अध्याय में विया गया है •

अनुसूची

क्लैंट न० 202, जो, 2री मजिल, ए-विग, इसारत न० 2, णानी पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैना कि श्रम स० श्रई-3/37-ईई/13639/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रज-3, बम्बर्ड

दिनाक 10-5-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

लायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/13637/83-84--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

ायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 210, जो गरोडिया नगर, धा।कोपर , बम्बई-77 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिथीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख i-9-1984

में पूर्वावत सम्पत्ति के उत्तिन बाजार मृज्य सं कम के इश्यमान निफल के लिए अन्तरित सार गर्ड हो जार मृज्य रह दिस्याम मने का कारण हो कि यथापवीक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार क्य उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एस दश्यमान प्रतिकल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई कि.सी आप की अवत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्य में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असितमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) चन्द्रकात डी० टक्कर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मध्वेन कें पाडिया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया हैं।

ब्रयस्थी

प्लान नं 10, न्यू श्रिभिलापा कोश्रपरेटिव सो लिं, लाट नं 110, जो, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० श्रई-3/37ईई/13637/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को प्रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बार्ड. टी एन. एस. ----

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकन (निरंक्षण)

धर्जन रेंज-3, वस्वर्ध वस्बर्ध, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० धर्ध-3/37ईई/13584/83-84---ग्रन मुझे ७ प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में प्रतेष्ट में 9, जो प्राउत्ह फ्लोग्रेग, उपा सदन, प्लाट ने 135, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बस्वर्ट में स्थित हैं (श्रीर इस्स उपायद उनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण क्य र विणित हैं) आप जिसास क्यापनामा स्थाप (धाराधम 1961 की धारा 269), खे के अधीन वस्त्रई स्पन्न स्थाप प्राधित स के क्यायिन्य में रिजाट्टी हैं, नारीख 1-9-1984

को पूर्वाक्त सम्मान्त के उचि । बाजार मून्य से कम के ब्ह्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करन का कारण है कि यभ पूर्वोक्त सपिता को उचिन बाजार मृत्य उसके दहयमान प्रतिकाल को एसे दहयमान प्रतिकाल का पेंद्रह प्रतिशत से लिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निनिश्चित उद्देश्य स उक्त अन्तरण जिल्हा में वास्तिक एप स किंपत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण स हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर उन के अन्तरक पे दायित्व में कमी करने पा उनसे उल्लंग गूजिला के लिए; और/मा
- (अ) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आम्तयः को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन अधिकतयों, अधीत :— (1) श्रीमती जनहानी वाई० मुंकी ।

(जन्तरक)

(2) श्री एम० एम० श्रीमान तर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उत्त संपत्ति के कर्जन के समय में काई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारोंख म 45 दिन की अविध मा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीपर प्रवासन स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सर्कागे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**या**

फ्लैंट नं० 9, जो प्राउन्ड फ्लोअर, उपा सदन, प्लाट नं० 135, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/13584/ 83-84 ब्राट का राम सामाजी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रोजस्टंड क्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायाह आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 वस्बई

दिना छ — 10-5-1985 माहर प्रकृष बाह". टो. एन. एड.-----

नायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के जभीन स्वता

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 मई 1985

भिदेश सं० अई--3/37ईई/13579/83--84---अत: मुझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के जधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० सी/239, जो, उरी मंजिल, पर्ल हेबन को० श्रीरा० मोमायटी लि०, विकोली विलेश (पृव), बम्बई—79 में स्थित है (श्रार इसने उपायद अनुसूर्वा में श्रीर पृण रूप में विजिन है) श्रीर जिनका उरारकामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख में अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राश्चिगरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख, 1—9—1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य स कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अतरिका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा मृत्य प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त मृत्रण जिसित में बास्तविक रूप से कांथित नहीं किया ग्या है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दियर मा कमी करने या उसम बचन में सुविका के सिष्ण, बॉर/या
- (था) एसी किसो काय या किसी धन मा अस्य बास्तिमां का, जिन्हों भारतीय अध्याप नार्शनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती हजार प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

शह: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अव्यारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री पीटर जकी कार्डीज।

(अन्तरक)

(2) श्री सायमन मन्नज फनांडीज।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृताँक्य संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की नारांख म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की उचिध, जो भी अवधि भाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं रे 45 दिन के बीतर उत्रत स्थावर मम्पीन्त में हिटबद्ध किमी अन्य च्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पान लिखिल में किए ता मकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं कर्ष क्षोगा, जो उस अध्याय में विका गक। हैं।

मम्त्रकी

पलट न॰ मी/39, जो 3री मिजल, पर्ल हेवन को॰ श्रोप॰ हाउँ जिंग सोसायटी जि॰, विकोली विलेज (पुन), बम्बई— 79 में स्थित है।

अनुमूची जना कि क्रम त्मं० अई-3/37ईई/13579/ 83-84 और जो स्थाग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1--9-1984 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजम रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🏗

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 मई 1985

निवेश सं० अई--3/37ईई/13633/83-81--अनः मुने ए॰ प्रमाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लट नं० 308, जो 2री मजिल, इमारत नं० 5, क्याडिया नगर, मी० एम० टी० रोड़, बुर्ला (५), बम्बई—70 में स्थित है (और इमने उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूग रू। पंचिंगा है) प्रारं जिसका क्यारभामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यार्यालय में रजिस्ट्री है. नारीख

की पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्मात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल से, एंसे द्रश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कस्तिविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मी कमी करने या उसम बनने मा स्विधा के निए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राजकुमार श्राँर अन्य सचदेव (अन्तरक)
- (2) सलोहा बेगम शेख अब्दुल मजिद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलट नं० 208, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 5, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुला, (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/13535/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 कवे रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्ब ई

दिनांक : 10-5-1985

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वस्बई वस्वई,दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० अई-3/37ईई/13684/83-84---अतः मुझे ए० प्रमाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया v^2), की धारा 269--म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम कारण वा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट न० 004, जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 10, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, विद्यामगरी मार्ग, कुर्ला (प), बम्बई—70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारसाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—9—1984

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मून्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्मित की उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह शितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मन मोहन सिंह तलवार।

(अन्तरक)

(2) श्री आबिद हुनेम।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं के में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्ती।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्धी

फ्लैंट नं० 004, प्जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 10, कपाडिया नगर,सी० एस० टी० रोड, कुर्ना विद्यानगरी मार्ग, कुर्ना (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई-3/37ईई/13684/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को र्जिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाक : 10-5-1995

महिर 🧓

प्ररूप आर्थः, टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

रामांलय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिगाछ 10 मई 1985

भिदेश मं० अ**ई**-3/37ईई/13552/83-84--अतः **मुझे** ए० प्रमाद

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के उपीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विज्ञाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पंति, जिसका अचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

ग्राँर जिसकी ए० फ्लैंट नं० १12, जो, 2री मंजिन, टमरी 6 कपाडिया उत्तर विद्याभगरी मार्ग, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित हैं (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप मेर्बाणत हैं) ग्रीर जिसका 7 करारतामा आयकर आधिभियम 1961 की धारा 269, ख के अक्षीन बश्म्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य श कम के स्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की एटा ही नैय नदों यह विक्याम करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यासान प्रतिफल से, एप श्यासान प्रितिफल के पहल प्रितिशत से अधिक ही और अन्तरक (अतरका) और क्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में अधिक रूप के किया गया ही क्या

- (क) अन्तरण संह्र्षं किसी अध्य की अवज्ञ, उक्त भिर्यात्रयम के अभीन कार दान के अन्तर्यह अ र असी धर्मी करने था उनस वचारे र रिविधा के लिए; और/ण
- (था) एसे किसी जाय था किसी भन या जन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती दवार १४% नहें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत. बब उक्त बिधिन्यम की धारा 269-म की अनमरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निखिल व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मैं ार्स दोचक जिल्डमें प्रा० ति०

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल वहाव मोहम्मद परकार।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्राच्छन्थी प्यक्तियों पर सूचना की तामील में २० फिन को अदिन, को के बविध बाद में मनाण हान्य हा, के भीतर पूर्वाकत त्यां तत्था भारा काना प्रकार देशरा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण --- हममें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के शयाय २०-६ मा परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा रे अस प्रध्याय में तिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 212, जो 3री मिशिल, इमारत न० 6 कपाडिया गर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एप० ० रोड, कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋष सं० अई-3/37ईई/13552 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-9-1984 को रिजस्टई तिया गया है।

> ण्० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अञ्चल (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, बम्बई

दिभाक : 10-5-1985

प्रस्प आर्धः दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आय्का (स्मिक्षण) ग्रजन रेज-3, बस्वर्ड

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेग स० धई-3/37ईई/13503/83-84--- अनः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260 स के जनीन सक्षन प्रान्कारों को यह रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिनकी स० पाँट न० 205 , जो बसारत न० 13, जनांत्रिया नगर सो गान है। जनगर है। जनगर है। जनगर है। जनमां स्थान के (पोर ना उत्ताव प्रमृत्यों से प्रार्पण रण से विणित है) प्रीर जिन्दा ते जिस्सा प्रायाण अविदियस 1961 की धारा 269क, ख के सतीन वस्तर्क स्थित तथम प्राधिकाणी के कार्यालय में रिजर्डी है, नारीख 19-1984

का पूर्वा ते सम्पत्ति के उत्तर बाजार मेल्ट से केस के "रियमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिकाल से, एसे द्वयमान प्रतिकाल के पद्मह प्रतिकात न अधिक है

और अलरक (अतरा) और अतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अंटरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित ही किया गया हैं:—

- (म) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व म कभी वरने या उगस बचने मा मृतिधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अन्तरिनी दनारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना नार्निए था, कियाने में मुविधा के लिए.

कत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग दां अनसरण म मी, उपा परिणीनाम का भारा २६०-घ तरी प्राथमा (1) जे अभिन विक्रिकित -र। अगात ---35 —96 GI/55 (1) श्रो एम० एम० मुखिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एच० सहजी सुलमात।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश म 45 दिन की अविभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि के बाद में समाप्त होती हों, के शीतर पूर्वीक्ल क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधोहस्ताक्षरी के पाम विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रशृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं २ 204, जो इमारत न 13, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प), तम्बई-70 में स्थित है। अग्रन्यूची जैना कि ऋम मं० धई-3/37ईई/13503/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1984 को रजिस्टडं शिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयरक ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाक : 10-5-1985

र अप बाह'. टी एन. एस.----

क्षायकर वर्षश्र नगरा. 1961 (19**61 का 43) की** रूप १८५ व (1) के अधीन स्वना

भ-रत बरकार

कार्यानय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

बस्वई, दिनाज 10 मई 1985

निवेग सं० गर्६-3/37ईई/13447/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रनाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर मक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का शरण है कि स्थाप स्थिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सब दुराम नंव 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, सीव टीव एसव नंव 5653 (एंब), कोले कल्याण, कालिनि, सांत कुंज (पूर्व), व्यवह-55 में स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कल से विधित है) ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को प्रवेक्ति सपित के रिचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपान से लिए अन्तरित तो गई है और यस यह विश्वास करने का वारण है कि राष्ट्रापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रृष्ट्रमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह एतिया न गोधक हो लोग अनरक (अतरका) और प्रशेषक कि जिन्दि हो के गोध एरो अन्तरण क लिए तय अथा गया प्रतिफलन, गिन्मिनिस्ति उद्योध्य से उसत अन्तरण स्थित म वास्तरित हुए न कथित नहीं किया गया है:—

- ा रत्या है। ही गिर्मी आध की बाबत उक्त विवासिक के अभीन केर दोने के अन्तरक औ शर्मिक वे कारी करने के उससे वचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (स) एसो कियो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1920 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अ।, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स गोल्डन कन्सट्रवशन कंपनी।

भ्रन्तरक)

(2) श्री शरद कामण बर्वे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी० टी० एस० नं 5653 (ंग्रंश), कोले कल्याण, क्क्नूलिन, सांतांकुंज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैंसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/13447/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

प्रकृष कार्रे टी एस एस .

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

आरड सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) श्रर्जन रेगा—३, तस्त्रक्ष

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० प्यर्ड-3/37ईई/13429/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसद

बायकर बिर्धानयम, 1963 (1961 का ६८) (जिस्स प्रश्नर्थ इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह िक्कास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. पे अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, विग-डी, इम रत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एप्त० मार्ग, घाटकीपर (५), बम्बई-86 में स्थित है (ब्रोट इनसे उपावड अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क ख के अबीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पामा गया प्रसि-दूर विकासित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण निधित में बान्यिक हम से कार्यिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय का बानत, उकत आधिक्षक के अभीत अर राम के उल्लेख के वाक्तिया के काकी अरुगं वा उल्लेख करने के सुर्विका के लिए; अरिशाः
- (या) एची किसी आप या किसी अने भा अन्य कारिसका का, किस्ह भारतीय आय-कर की धनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा मन-कर की धनियम, बा मन-कर की धनियम, बा मन-कर की धनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोधनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रव: श्रव, उत्तर बाँधनियम का धारा 269-भ के अनुसर्क में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के . क्यीन, निकासियात व्यक्तियों, वर्षात् क्र----

(1) भौगमें पासना इन्हापक कहा।

(প্রস্থান্ত)

(2) স্থান্দ্র দিল এ০ য়েন্ত গ্রাল্ডার। (প্রাক্রিয়া)

को यह सुमना बारी करके पृथितत सम्पतित से लागि छ। एनधू नार्षवातिसा अस्ता हो।

उन्त राज्यति स्रे भ्रहेन के अक्टरन मा गरण ५३ हाउदान १००

- (क) इस सृथन्त के साराया सं अस्तात का नावक हैं 45 दिन की खनीय का कमार्थित काननाती प्रा स्थान की तामान से १४ वट की कार्य, का ही सर्वित साथ की स्वाह राग्य हों, है की है नुभन्त
- (क) क्वा सून्यका कर १ वर्ग । १००० । १००० १०० । १००० छो 45 विष्य में भीति १ ५०० । १००० १०० १०० १०० छोड़ किसी जन्म क्वीक्स प्रक्षा १४०० १८० १७० । १०० १९७ १८८ १८८ १८० १८० ।

सम्बन्धिकरणः - इत्यां अस्याः अस्याः जीता १० गाः, सः ब्रह्मः अश्विकरण्याः, कः जन्मः १ न्याः मारस्यात्त्रेष्ठ इतै, भूती नाते हित्ताः सः १० ० गाः भारस्याः

यन्युः श्री

पलैंट मंथ 1, जो नियमकी, इपारण वय छ, यापारण पार्के, एजव बोव एमक मार्गे, जारकारण, (४), उपाईन-४८ में में स्थित है।

अनुमूची नैया कि कम नंत्र सन-अंध्यां∏्राउ129 83-84 और अंग लिम अधिरात्र , गर्दी पात्र विवाद 1-9-1984 की स्थिपको विवाद गर्दा ।

> ्रात्य । प्रतास प्रतिकारी प्रमुख हास साम्बद्धाः (स्विप्तास्यः) स्वीयाः प्रसान-३, सम्बद्धाः

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🗈

प्रस्प आहर .टी एन एस. -----

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० **श्रई-3/37-ईई/13428/83-84--श्र**त मुझे ए० प्रसाद,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करन का नारण हैं देक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिपकी से किन्ट ने 2, जो, डी विग, इसारन ने 6, वामाररपार्ग एल वो एएन मार्ग घाटकोएर (५), वस्वई – ६६ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वांगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वस्वई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1–9–1984 का पूर्वांक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रियमान अतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुफे यह उद्याम अतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुफे यह उद्याम करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे उद्यामान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिभात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शिक्फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) निन्मरण सं हुई किसी प्राथ की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जॉर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—- (1) मैगर्स पामल इन्टरप्राइजेन ।

(ग्रन्तरक)

(2) ड० ए० वि० डाबोर श्रीर श्रीमती एन० ए० डाबोर।

(श्रन्तरितीः)

को यह स्पना वारी करके प्रवास्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति को सर्जन को संजय पा काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के शजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से तुर्ह (देन के भीकर उक्कर स्थान) सम्मत्ति मा हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित मो किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण ---इसम प्रमुक्त शन्य और पद्मा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याप 20 के में गोरिमाधिन है वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है ।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 2, जो, डो विग, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोयर (प), बस्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम मं० अई-3/37ईई/13428/83-84 और जी पक्षम प्राधिकार्या, प्रस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहर 👍

प्रकृप नाइ". ती. एत. एक. - - - --

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जिथ रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० अई-3/37ईई/13123/83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद

अस्तार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस का का का का प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उषित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी स० फ्लैंटन० 102, जो इमारत नं० 9, कपाडिया नगर, मी० एम० टी० रोड़, कुर्ली (प), वम्बई-70 में स्थित है (ग्राँग इसने उपावद अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विजित है) ग्राँग जिपका करारनामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख क अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह भीत्यत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित । अन्तरिति के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व पो अधी करने ए अपने अचने के श्रीविधा के निष्ः;
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधापनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

भतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भा, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती ज्युलियाना तावरो ।

(अन्तरक)

(2) श्री निजाम खान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्स व्यक्तियां में कि भी व्यक्ति द्वारा;
- हक इक्त जना क र अपन के प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति हुआ के पार दिन्य के किए का सके में ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिए। मना है।

अन्सूची

फ्लैंट नं∘ 102, जो इसारत नं∘ 9, क्पा**हिया नगर;** सी॰ एस॰ टी॰ रोड़, कुर्ना (प), बम्ब**ई**-70 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई-3-37/ईई/13423/ए 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिएारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖖

प्रस्थ बाह्रं, टी एन एस उपनार-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० अर्थ-3/37ईई/13349/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 6वी मंजिल, ए-विग इमारत नं० 3, दामोदर पाक एल०वी०एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई में स्थित है (आर इन्हें उपाबद्ध अनुस्ची में आर पूर्ण रूप से विजत हैं) और जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायीलय में रिजस्ट्री है ताराख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्तास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण फिसत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आध की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने हा अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उसस अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया करा भा या किया जाना चाहिए जा, छिपान मा सिभा के लिए;

जतः जन, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, रिक्सलिसिस व्यक्तियों, अधीत् *—

(1) निरन विकमसी दूस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लार्डिना फर्नान्डीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

बन्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नार्थाप:---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों ९१ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ के अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्याक्तया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कु 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गं हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा वो उस अध्याप में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 6वीं मंजिल, ए विंग, इमारत नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई-3/37ईई/13349/83-84 थाँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाक : 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-3, वम्बई वम्बई, दिशांक 10 मई 1985 निर्देण स० अई-3/37ईई/13434/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1.00.000/-रा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० दुकान न० 21, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, हजारी बाग, हरियाली विलेज, जक्यन आफ स्टेम्पन रोड स्रोर एक० बी० एस० मार्ग, तिशोली (पूर्व), बस्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को प्योंक्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य स कम के दश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और सभे यह विशास करने का कारण हैं

कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत में ३ कि कहैं और अंतरफ (अनरको) और अंतरिनी (अंतरिनिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाग्निविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्फ किसी आय की वाबन, उक्त अविनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कांचा मा एसी करन था नाम बन्दे मा स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जत जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मनिष कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री बाई॰ एम॰ मार्गुब अली सैयद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध कियी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक्ति।

स्ण्यदिकरण :--उसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

दुशान न० 21, जो, प्राउन्ड फ्लोर, हजारी बाग, हिंग्याली विलेज, जनगन आफ स्टेशन रोड, ग्रांर एल० बी० एस० मार्ग, विश्वोली (पूर्य), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम मं० अई-3/37/ईई/13434/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिभाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनाक : 10-5-1985

माहर

प्ररूप आहर्. टी. एत. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं∘ अई-3/37ईई/13319/83-84--अतः

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कही गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हा उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैटनं० बी-22, जो टेरेम के माथ 6वीं मंजिल, रतन प्लेस, को भ्रात० हार्डीमंग सोमायटी लि०, प्लाट नं० 86, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

हारे पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान श्रीराफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूर्जे यह विश्वास धरने का खारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित अखार धृत्य उच्चक देवान परिताल थें, एक दच्चक परिताल के जीव के तीर अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एस बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्त विम्निसित उद्देश्य से उवत अन्तरण निश्चित में वास्तिक स्था से किया गया हैं:---

- (क्क) कल्करण संहुद्ध किसी बाय की बाबत उपस स्वीध-पियम के अधीन कर दीने के बल्करक के दाधिच्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिसे; सीद/राः
- एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों हो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किमा जाना चाहिए था, छिएाने में स्विधा वै सिंग्रः;

बतः वय, उथत अधिनियम, की धारा 269-ग को वनुसर्थः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलियन व्यक्तियों, अधीत:— (1) श्री जे० एम० त्रयागात्रकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एच० भायानी श्रीर अन्य । (अन्तरिती)

को महस्पना जारी करके पर्योक्त सम्पर्कत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध है कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सै 45 दिन की अवधि या रत्सबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में कि मी व्यक्ति क्नारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए धर केंगे।

स्पष्टीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याब 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में विया गया हैं!

ब्नुस्ची

पलाट नं० बी-22, जो टेरेम के माथ, 6वीं मंजिल, रतन प्लेम को० प्रांप० हाउमिंग मोपायटी लि०, प्लाट नं० 186, गरोडिया भगर, घाटकोपर (पृवं), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि कम सं० अई-3/37ईई/13319/83-84 और जो मक्षम प्राधि रेरी, बम्बई हारा पिनांक 1-9-1984 को रजिल्ट किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिशांक : 10-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसमं दिपक बिल्डमं प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(४) श्रीमती यालियाना तावरो ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अप्रजीन रेज-- ३, बम्बई

बम्बर्ड, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश म० ग्रर्ड-3/37-5र्ड/13315/84-85--श्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पत्नैट संव 102 जो, इसारत नंव 24, कपाधिया तगर, सीव एसव टीव रोड, कुर्ला (ए), बस्वई-70 में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसनी में और एक रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निष्तिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हो ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधार (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36 - 96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फर्नैट न० 102, जो, इमाप्त न० 24, कपाडिया नगर, मी० एग० टी० रोप, तर्ना (प), तम्बई-70 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० य० अई-3/37-ईई/13349/83-84 और जो सक्षम पायिकारी, तम्बई द्वारा दिनाक 1-1984 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाड सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाक : 10-5-1985

प्ररूप काइं.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-3 अम्बर्ड बम्बर्ड, दिसांक 10 मर्ड 1985

निदेश मं० श्रर्ड-- 3/37-- ईई/13311/83-- 8-1--- श्रतः मझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

धौर जिनकी सं० फ्लैंट सं० सी०-73, जो, कोजली किरत अं-श्राप० हार्जीसम सोसायटी लि०, अम्बई-55 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण हैं से बिणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 केख के श्रिधीन, बम्बई स्थित नक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1-9-1984,

को पृत्रोंकत सम्परित को उधित बाधार मृत्य से कम के स्वयंभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के बिए; बीद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्स आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्याधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्ट;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिविधम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्रोमता उर्मिला डी० पारीख । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हैमागिनी एम० देनाई । (ग्रन्तिनी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता, रहे
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- बढ़ाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अभ्याय में विका गया हैं।

DER THE

फ्लैट स० मी०-73, श्रांजली किरन को० श्राफ० हाउसिंग मोसायटी लि०, बम्बई-55 में स्थित है।

स्रतुम्ची जैसा कि २० मं० भई-3/37-ईई/13311/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्वन रेज--3, बम्बई ।

दिनाक . 10-5-1985

भाहर:

प्रकथ बार्च .टी एन एस --------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

यर्नन रेज-3, बम्नई

बम्बर्द, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश स० प्रई-3/37-ईई/13249/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

ायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 00,000/- रु से अधिक है

प्रौर जिसकी संक परीट नंद 4, जो ए—विग, इमारत नंद 3, हामोदर पार्क एल० बीउ एस० मार्ग घाटानेपर (प) बम्बई त स्थित है (ग्रीर इसप उपापड़ ग्रत्मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) प्रीर जिनका करारनामा स्नायकर प्रधिनियम 1961 भी बार 269 क.य क अप्रीन बस्पई स्थित शक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रॉजस्ट्री है, दिनाक 1-9-1981 ों पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गर्द तिफल के विष्वास करने कारण का क यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्य-ान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से धिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) ं बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-त्रसित उबुद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से थित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा श्री लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) । अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मन्म पारूल इण्डरप्राइनेस ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) मुमारी काथी पचपाकसन।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचन की नामोल से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

जगसची

पर्नेट न० 4 जो ए-विश इमारत न० 3, "दामादर पार्क", एन० वो० एन० माग घाटकापर (प), वम्बई मे स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि त० स० प्रई-3/37-ईई/13249/83-84 और जो सक्षम पाधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, बस्बई

दिनाँक 10-5-1985

प्ररूप आर्च्युटी एन .एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-- ३, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश मं ० अई-3/37-ईई/13523/83-84--अतः मक्षे ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पत्रैट स० २, जो, 4-सी, इसारत, दूसरी मजिल, दामोदर पार्क, एल० बी० ०स० मार्ग, घाटकोपर (प), वस्वई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है),श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम, 1961 की धार 269 कछ के स्रवीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) पारुल इण्टरप्राईज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीके० भ्रार० नायक और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 2, जो, य-मी इमारत, दूसरी मंजिल, "टामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोएर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि क० म० अर्६-3/87ईई/13523/83-84 और जो सक्षम प्राध्यिक री, बस्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनाक : 10-5-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

तिर्देण म० ग्रई-3/37—ईई/13645/84-85—ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है

स्रोर जिनकी ग० फ्लैंट म० न० 32, जा मेनर्म ग्रम्घती को -श्राप० हार्जापग सागयटी लिए स्वास्तिक पार्क, पायन ट्राम्बे राइ, बम्बई में स्थित है (स्रोर डामे उपावड स्नृन्दी में स्रोर पूर्ण रूप म विभित है), स्रोर जिनका करारनामा स्रायकर स्रिधितियम, 1961 की धारा 268 क ख के स्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय म रजिस्टी है, दिन्छ 1-9-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविआ के सिए;

शत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नीलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र-

- (1) श्रीमती एम० एम० पाटकर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उपाप्रभाकरन।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गमा है।

वन्स्यो

पर्लंट न० 32 जा मन्स श्रूष्धती का-स्रॉप० हाऊसिंग भागायटी लि०, स्वास्तिक पार्क, सायन ट्रास्वे रोड, चेस्ब्र, बस्बई में स्थित है।

श्रन्मूची जैमा कि कि नि शर्द-3/37-ईई/13645/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेज-३, वस्**बर्ध**

दिनाक्य । 0--- 5--- 1 9**8** 5

माहर

प्ररूप बाईं. टी. एम. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाव 10 मई 1985

निर्देश स० अई- 3/37-**ईई**/3606/84-85---ग्रत. मुझे, ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे धसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट सं हैं 7/15, जो, जय तारामणि को ज्यान हाउनिंग सोनायटी लिंज, जागूर नगर, एमं जी जिंड, गारेगाव (प), बस्बई-90 से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका वारारनामा आयंभर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 ज्या के ग्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राविशारी के वार्यालय से रिजस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान गइ अन्तरित की लिए विष्वास यह करन व्य कारण यथा पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खयमान प्रति-कल से, ऐसे एक्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, अर्प्या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अवस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में नृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :---

(1) श्री ग्रमरपाल भवानी और भ्रन्य।

(भन्तरक)

(2) श्री हरीप चन्द्र और श्रीमती प्रेमलता चन्द्र । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 4.5 दिन की अविधिया तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननस्थी

फ्लैंट न० ई/7/15/, जो. जय तारामणि को०-म्ब्राप० हाउभिंग सोगायटी लि०, बागूर नगर, एम० जी० रोष्ट, गोरेगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रानुसूची जैंगा कि ऋ० स० श्र**ड**-3/37-**ईई**/13606/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयम्द श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाकः . 10-5 1985 मोहरः . 1,

प्ररूप बाइ. ही पुन एस . ----

भायकर विचित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के नवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांवः 10 मई 1985

निर्देश मं० श्रई- 3/37-ईई/13611/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अस्पन्तर अभिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके वश्यात् 'स्वतः अधिनियम' स्ट्रहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राचिकारी को यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 202, जो, श्राणीविद टण्डिस्ट्रियल इस्टेट राम मन्दिर रोड, गोरेगाव (प), वम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ श्रनुस्ची में और पूर्ण क्प से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रावकर ब्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित रक्षम श्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्विक्त तम्मीत के उचित बाजार मूल्य ते कन के द्रवमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिती की मद्दें और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफास से, एसे द्रवमान प्रतिफास का फ्लूह प्रविच्या से अधिक है बीर बन्तरक (अन्तरकों) और बन्धरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब गाम गया प्रतिफात निम्मितिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरम् लिखित में धास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) जरतरण ने हुए किसी नाव की नावत, उच्छे बीधीयबंध के बंधीन कर देने के जस्तरक के खींकस्थ में कमी करमें या उत्तस बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अभिभियम, 1922 (१०२० का ११) का उठन लिभियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बन्धः, रुक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के बनुग्ररण बें, में उन्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोसियत व्यक्तिं, अभीत् ६(1) फलेक्सा प्रिट इण्डस्ट्रिज ।

. (भ्रन्तरः)

(2) श्री तत्त्रकुमार पी० ग्रचनानी ।

(ऋन्तरिती)

को यह कुथना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोर्द भी बार्कांच :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की मंत्रीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में ज़नाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति माँ हिलक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्तावारी के पास सिसित माँ किए जा सकाँगे।

स्वक्योकरण:---इसमें प्रयानत वाब्दों और पदों का, जो उनश्च अभिनेत्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, को उन अध्याय में दिया गया ही।

प्रनुसूर्या

यूनिट नं० 202, जो, ग्राणिर्वाद रुण्डस्ट्रियल इस्टेट, राम मन्दिर रोड, गोरेगांव (प), त्रम्बई- 62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हिं क० सं० श्रई-3/37-ईई/13611/ 84-85 और जो ालन प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्तन रेज- ३, बम्बई

दिनात . 10-5-485 **मोहर**ः

प्ररूप नाई.टी.एन.एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सर्काड

कार्यालय, सहायक बायक र बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन तेंज-3, बस्त्रई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश मं० अई--3/37-ईई/13664/84--85---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विस इण्डिस्ट्रियल गाला नं० 47, जो, प्राउण्ड फ्लेश्चर, किरण इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगाव (प), बम्बई--62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), /और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वा, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनाक 1--9--

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्य-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित के बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कामी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए, और/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में मुविधा के लिए;

बत: बब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मार्भ गुदेचा बिल्डर्म।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नेजमल जै० जैन ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विस्य कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 3--

- (क) इस अध्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्कों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सर्विम इण्डस्ट्रियल गाला नं 47, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नरः,, किरन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० र्जा० रोड, गोरेगांव (प) वस्बई-62 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि न मं० अई--3/37-ईई/13664/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद नक्षम पाधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रोज-3, **बम्बई**

दिनाक : 10-5·1985

प्रस्य नाहाँ, टी. एन. एस. = - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेजिन 3, अस्वर्दे अस्वर्दे, विताह 10 सर्दे 1985

निर्देश म० अई--3/37--ईई/13378/84--85---अतः मुझे, ए० प्रशाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्ही सं० फ्लैंट विलेश दी डाणी और चिचाति में, बोरिवली तालूना, एर० नं० 34 और 51, गारेगात्र मृत्ह हिं: रोड, बम्बई - 63 में स्थित हैं (और इस्में उपात्र इस्मूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), अरि जिल्ला व रास्तामा झायबर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एव के झंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रावि परी के बार्यात्य में रजिल्ही हैं, दिनांव 1-49-1984,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण में हाई फिसी आय करी बाबता, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के वायित्व मा गो अपन या उससे अधने सा सीविया के लिए अपेर वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 100½ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सृविधा के सिए?

अतः अवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की परा 269-मं की उपधारा (1) के अधीनः जिस्निलिसित व्यक्तियां अधाँतः — 37—96 GI/85 (1) श्री प्रमोद कुमार गाएठदा ।

(श्रन्तर ः)

(2) श्री अजनी सुनीत शहा और म्हुजू एस० मेहता। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🤃 🗝

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोह्स्ताकारी के पाक सिसिट में किए का सकोंगे!

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस और

प्रवचन

फ्लैट विलेज दी डांगी और चिचेली में, जो, बोल्विली तालूग, एस० तं० 34 और 51, गोरेगांव मुलूंड लिंग रोड, अम्बर्न- 63 में भियत है।

अनुसूची जैभा ि अ० ग० अई- 3/37-ईई/13378/ 84-85 और जा सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनाश 1-9-1984 को रजिस्टई िया गया है।

> ए० प्रभाद गक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाए: 10-5-1985

मोहर 🖫

वृक्त भार[े]. टी<u>. एवं. एवं. .----</u>-----

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्दोण सं० अ**ई--3/37-ई**ई/20526/84--85 --अत. मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैंट सं० 38, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं ० ७, पिरामन नगर, गोरेगांव, बम्बई--62 में स्थित है (और इनले उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),/और जिसका क्रारतामा आय: र अधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के प्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनां र 1-9-1984,

को पर्वोक्त संपर्तित को उमित शाचार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफाल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों को नीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभारच ते हुई कियी बाव की बावत, उक्त अधिनिध्य के अधीन कर दोने के अभारक से दारित्य में कथी करने या उत्तर वयने में सुनिधा वे लिए; बद्धि∕वा
- (क्र) एेसी किसी काव या किस्ती भन या अल्ब अगस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपाजनार्थ अन्तरिती इवाश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने से सविभा के निए;

अन्तः अत्य जन्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ी। की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिबित स्पीक्तकों, अर्थात :---

(1) श्री जेवन साचारीह ।

(अन्तरक)

(2) में नर्स रादीअंट मेटल्य एण्ड श्रलाइज प्राइवेट लि॰ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्जन के सिर्ण कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तस्वन्ध में कोड़ भी नाओव :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी अयक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति दवारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्त्रची

फ्लैंट सं० 3.8, जो, तीयरी मंजिल, इमारत नं० 7, पिरामल नगर, गोरेगांव, बम्बई--62 से स्थित है।

अन्मूचो जैमा कि अ०मं० अई-3/37-ईई/20526/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक . 10-5-1985

मोहर 🛭

प्रकाप बाइ ० टी० एन्। एस - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वना

मारत सर्थमञ्

कार्यालया, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- 3, बम्बई
वम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश म० ग्राई- 3/37-ईई/13212/84-85- - म्रान. मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति जिसका उजित नावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंगर जिस्की में इण्डिस्ट्रियल यूनिट से 104-सी, पहली मिजिल, श्रेयम इण्डिस्ट्रियल इस्टेंट, बी--1/बी-2, नाथानी इस्टेंट वेस्टर्न एक्नप्रेस हायवे, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे जिपबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजित हैं), अंग जिए बा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के प्रभीत बन्बई नियत नजन प्राधि गरी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाक 1-9-84,

को पृथा कत समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्ति-रित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य क्रक ख्यमान प्रतिकृत ते एते क्रवमान प्रतिफल का पन्ति का प्रतिकृति और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसिक्त उद्वोदय से उक्त बन्तरण कि जिल के बास्तिक क्रम के किया नहीं किया नवा है दे—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिय-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्म आस्तिकों का जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ जगुसरक में. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) मेलसं उपा भिल्म मिल्म।

(भ्रन्तरः)

(2) श्री नरेश ओहरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तहरीबा ते 45 जिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 जिन की शविध, जो और अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इत ल्खना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितककथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपूर्वी

इण्डस्ट्रियल यूनिट म० 101-सी, जो, पहली मजिल, श्रेयम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बी-1/बी-2, नाथानी इस्टेट ग्राफ वस्टर्न एकाग्रेस हायवे, गरेगाव (पूर्व), बम्बई से स्थित है।

स्रतुसूची जैसा िः क० स० श्रई- 3/37-ईई/13212/ 84-85 ऑर जो सक्षम प्राधि-ारी, बम्बई द्वारा दिना∗ 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद मक्षम प्राधिकारी महायक द्यायग्रर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रेज-3, बम्बई

दिनां र 10--5-1985 मोहर .

THE MINE . 27 CT . CT . .----

यामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के अधीन सुमना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंब--3, बम्बई बम्बई, दिना 10 मई 1985

निर्देश स० ऋई ·3/37-ईई/20423/84--85 -- क्रनः मुझे, ए० क्रात्व,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसं इसमं असक परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन स्वश्य अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारभ है कि स्थावर शंपित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्ही सं० पत्रैष्ट न० ई/10, जो, श्री स्ट्याती को-प्रॉप० हार्डी गाना प्रार्थी दि०, जी० स्वाचार रोड, चेंस्तूर, घन्धई—71 में स्थिन हैं (और रामे उपाबड सनुसूबी में और पूर्ण का में विणित है), और जिन गाव रारकामा फ्रायल फ्रायल प्राप्तियम 1961 की धारा 269 के, ख के अश्रीन बन्धई स्थित स्थाम प्राधिवारी के गायिस में रिजिस्ट्री है, दिनों 1-9-1984,

स्ने पृथेक्ति सम्पीति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- छल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की नानत, उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसं बचने में मृतिधा के लिए सौर/या
- (म) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखिल व्यटितयों अर्थात् :—

- (1) श्री बीरमद्रभा ए० बालादनदाय्थपानी । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ए**न० चटर्जी ।** (ग्रनारिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

रपद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया पया है।

सस्य ची

पनैष्ट तं० ई/10, जो, श्री सरम्भती का-श्रापि० हाउलिंग सोपायटी लि०, जी० ग्राचार्य रोड, चेंबूर वस्थई - 71 में स्थित है।

श्रानुसूत्री जैना कि क० सं० ग्राई--3/37 ईई/20423/ 84 ·85 और जा क्षित्र प्राधिकारा, खम्बई द्वारा दिनार 1--9--1984 को रजिस्टई रिया गया है।

> ए० प्रसाद पञ्चम प्राधिकारी महायक ग्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनों ह : 10-5-198**5**

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विकास 10 मई 1985

निर्देश सं० अर्ड-3/37-ईई/13737/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

भीर जिसकी स प्ताट से 70, जो, एसे ने 161 (अभ), बागूप सगर, गेरिगाव (प), बस्दई-90 में स्थित है (भीर इसन उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण क्ये से विधित है), भीर जिसका करायनामा जायन र अधिनियम, 1961 की धारा 269 कर्य के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984

को प्रबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह गितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हुप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के डायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों। जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौं, उपन अधिभियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती तहना एमः भागतानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिता देवी वर्मा।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ,व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 शिंग की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूबीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपील में हितडद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिनः गना हा।

अनुसूची

्लाट स० ७ए, जो, एस० न० १६१ (श्रंग), बागूर नगर, गोरेगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुमूची जैमािक कि सं अई-3/37-ईई/13237/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को राजस्टडे किया गया है।

> ग्.० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

मिर्देश सं॰ अई-3/37-ईई/13377/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चान 'उक्त अधिनियम बहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट विलेज दी डोशी भ्रौर चिचोली में, जो, बोरिवली तालुका, एस० न० 34 भ्रौर 51, गोरेगाव मुलूद लिक रोड, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), भ्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अपने दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नी लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरम दे हुई किवी साव की नावत, उच्छ विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उग्रसे वचने में सुविधा के लिए; मौर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मिविधा के सिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरक में. में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विनोद कुमार गोएंका।

(अन्तरक)

(2) अजली सुनील शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अनुधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नार वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

वन्स्यी

फ्लैट विलेज दीडोशी और चिनोली में, बोरिवली तालूका, एस० सं० 34 श्रीर 51, गोरेगाव मुलूड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/13377/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> . ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 10~5~1985

मोहर :

प्रकप बाइ े.टी. एन .एस ..-----

बाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर बायकत (निर्धितक) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमाक 10 मई 1985

निर्देश मं० अई--3/37-ईई/13673/84--85-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 11, जो, तीमरी मजिल, प्लाट मं० 84, जवाहर नगर, गोरेगांव (प), वम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इममे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिमाक 1-9-1984,

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नेहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त विधितियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन. निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात् :--- (1) श्री जे० वी० जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी०वी० शहा।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंटन० 11, जो,तीसरी मंजिल, प्लाट न० 84, जवाहर नगर, गोरेगाव (प) बम्बई—62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37-ईई/13673/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर:

प्रक्य बाइ'. टी एन एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाधीन संचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयगण नायक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाफ 10 मई 1985

निर्देश म० अई-3/37-ईई/000130/84-85--अत मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उष्टित बाजार मृस्य 100,000/- रा से अधिक ही

प्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 31-ए, जो, न्यू गिरीश अपार्टमेंटस, को०आप० हाउसिंग सोसायटी नि०, पाधित नेम, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), प्रीर जिसका पर्णनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269, पख के अधीत बम्बई रियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं, दिमाक 1-9-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारा है कि यथायर्वाकन मरणिल का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एस इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतिरहीं (अन्तरितयों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेर्य से उक्त अन्तरण निस्ति में शस्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसस अवने में मुजिधा के जिए, और/या
- (हा) एमी किसी आम या किसी भन या जना आस्तिया कर जिल्हों भारतीय आधवार क्षिणित 100 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था क्षिपाने में किया के लिए;

बत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिरिध्यम जी भारा 260-म की उपधारा (1) के बचीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्षात ;---- (1) श्री छगनलान बी० भिका।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमृतबेन डी० गाला ग्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को मह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की नामील स 0 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मा समाप्त होता को की भीतर पूर्वतिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस म्चना के राजपत्र म पत्रा भी त्रात म 45 दिन हे भीनर रक्षा श्यावर एम्पति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दगर र शहस्ता राज पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्ची

फ्लैंट स॰ 31—ए, जो, दि न्यू गिरीण अपार्टमेटम को०-आप० हार्जीसग मोसायटी पि०, पाटिल लेत, चुना भट्टी, बम्बई— 22 में स्थित है।

अनुसूची जैमा दि कर सरु अर्ध-3/37-ईई/000130/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई हारा दिनाव 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> **ए**० प्रसाद मक्षम प्राधिरारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज∼3, बम्बई

दिभाक 10-5-1985

मोहरु 🛭

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश म० अई--3/37-ईई/20427/84-85--अनः मुझे, ए॰ प्रसाद,

प्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट सं० सी०-31 जो कृष्णाला, 33 ग्रौर 1/34, इंकन काजवे रोड, सायन चूनाभट्टी, वस्बई-22 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका कराज्यामा [आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

ो पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है

ार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त क्यात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी अम या अन्य आस्तियों कां, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में युविभा वे जिए;

अत: अय, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) । अधीन . निम्निसिसत व्यक्तियों , अधारा :--- 35-- 96 G1/85

(1) श्री अनिलकुमार एच० मेहता ।

(अन्तर्क)

(2) श्री भितिनचन्द्र जे० सववी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट मं० सी०-31, जो, कृष्णला, 33 और 1/34, डंकन कॉजवे रोड, सायन चूना भट्टी, वम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37-ईई/20427/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

YO. B.M. 33 A.L. 358. ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-ध (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, बढ़ायक बायकर बायुक्त (पिरीक्षण)

अजेम रजें—०. वस्वर्ड बम्बर्ड, दिसार्च 10 मई 195०

निर्देश म० । अई--3/37-ईई/13626/31-85-- नतः मुझे, ए० प्रमाद,

1,00,000/- कः ने अधिक हैं
प्रीर जिनकी सुठ पर्नट ने भोज में/उद्धे, जी, विशे मिजिल, बणी रत्ना कोठआपठ हाउमिंग मोमायटी निठ, महेण नगर, एमठ बीठ रोड, गोरंगाब बरवर्ड में स्थित है (प्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में आए पूर्ण रूप ने विणित है), प्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा उठा कि के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्यात्य में र्जिस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

का वृत्रक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में जम के असमान प्रित्तिक के निए असरित की गई हैं जीर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिकल में, एसं अध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचन में अभिक हो और असरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरिस्था) के बीच एसं अन्तरक के विष् स्थ वाशा नया प्रतिकल, निम्मरिस्थ के बिम्मरिक स्थ के सिम्मरिक असरिक विष्

- (क) बन्तरक स हुई फिसी आय की वातता, जनता विभिन्निक्य के बर्जीन कर दाने के अन्तरफ के दायित्य के काशी करने था नश्मे क्यान में अनुभिष्य के लिए, कार हा

अन अब उत्तन अधिनिक्षम को धारा 260-म को अनुसरण वं, वे जन्म अधिनिक्षम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बंधीन,, निम्निलिखित स्थितियों, अधिक :---- (1) औ एअ० एस० मुन्ध्रा ।

(जन्मधन्त)

(2) भी मुरेण कुमार बिहाना ।

(अन्तरिती)

को यह सुचमा जारी करके वृत्रोंकत संपत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (6) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील में 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बनारा;
- (स) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएगब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास निचित्त में निस्स का सकोंगे।

स्थळीकरण:--- इसमें प्रय्क्त कर्को और पर्वे का, भी तक्क श्रीकीयम के मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही कर्च श्रीका को उस मध्याय में विका यथा हैं।

अमसूची

पत्रैष्ट न० वी-4/22, जो, ाथीं मिजिल, बणी रत्न को०आप० हार्जामग मोमायटी लि०, महेश नगर, एस० वि० राइ, गोरेगाव, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सरु अई-3/3 है,13626/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1~9-1984 को रजिस्टई बिना गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिनारो महायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अभेन नेज-3, बम्बई ।

दिनाक : 10-5-1985 माहर : प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.....

थायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रज्ञंत रेज्ञ⊸उ, बम्बई

वस्पर्दे । सा 10 मई 1985

নিবলৈ ন সহীজ/জে/ ইছি/এ040এ/84−85−−এব , দুস দ্ভ সানাম,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें अधक परवात अन्त अधिनियम कहा गया है), को भारा 269- स अवीत अधि को को को को का का का का का अधिक के के स्थाव सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृष्ण 1,00,000/- रक म अधिक है

और जिस्ता । भाग नर 23 जा, द्वारा मिजिस, सर्गफ उण्डिस्ट्रिय : का न्यार स्टिट लिए, उमार स्वरूप नर प्राप्त के स्वर्ण के स

का प्रविक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास कर न का कारण है कि यथाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निय्नोलिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए मा दास्तिवक स्था से कि भत्त नहीं किया गया है .—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधि-नियम के अधीन कर दान क अंतरक के समित्व म कमी करने मा उससे वचन में सविधा के लिए, बीह्र मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें विभिन्यम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की निए;

बत: बब, उक्त किंपिनियम की भाग 269-म के बनुबर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित ज्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) सन्तापणा पारं पहेंगा।

(अस्टरः)

(८) सीमा। ए सर अधिनवान

(ग्रन्तर्रा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अलन के लिए कार्यनाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचका कं राज्या में प्रकाशन को नारित म 45 दिन की नर्या मा तत्मभन्या कावितयो पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जा भी जबिद शब्द में हा, में भीतर प्रविक्त स्थानित में किया विकास स्थानित में किया किया किया में किया किया किया में किया किया किया में किया किया किया स्थानित स्थान
- (६) इंच १/१० में अन्य न प्रकाशन की सारोध सं 45 दिन के भावन उक्त स्थायन सर्पाल्ट में जिल बद्ध किसी जन्म न्यानिस ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के 17 म १०१ का वक्ष १०

भ्यक्ष १८०६ १९२२ अर्ब १००६ १० वडी बन, जा उनस्य अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा ता उसे अध्याय में विधा ता है।

अनुसुधा

गाला स० 25 ता, द्नरा मिनिय, सराफ इण्ड्रिस्यल का०-प्राप० उत्टर्श (०, उमारत न० 2 प्राट न० 74, ईम्बर-माई पटक राइ, रिगार (पर्व), धस्बई-63 में स्थित है प्रमुख्ना बंगा (, ४० ग० अई-3/37-इद/20102/31-85 जार जा राज्य कार्य रहा, यस्बर्ध कार्यावनाक 1-9-1984 कार्यक्टइ किया कर्ता है।

> ए० प्रभाव विस्मार्गाला । भाग प्राप्तार गामुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेज-3, बस्बई

ferta 0-5-1415

माउँ

प्रकर बार्ड, टर्ने, एन. एस.------

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत बहुकाडु

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्न)

थार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनार 10 मई 1985

निदेश म० श्रर्ड- 3/37-ईई/20503/84-85--- प्रतः, मुझे ए० प्रमाद,

शायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्वारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नि सं० डण्डिस्ट्रिश्य गारा इत समर्स जय मारत डण्ड-स्ट्रिश्य इस्टेट, प्लाट न० ८, दीडांशी व्हिलंज, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रतुस्ती में और पूर्ण रूप से बाँगत हैं), अौर जिनका करारतामा नियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के वार्यात्म में रिजिस्ट्री हैं, दिनाक 1-9-1984, का प्रवास्त रापात ते निवत बाजार मृत्य में कप के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास इतिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास इतिफल को नारण है कि मथाणादित सम्पत्ति का एचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत सेस बिधक हैं और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तन्त्वक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबल, उन्कत यिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायिल्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अर्कारती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) मेनर्म मिना उपहार गृह ।

(ऋतरक)

(2) मेनां एकः एमः एमः उनीनियसं।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के जर्जन के सबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अपि , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकता।

स्पष्टिमकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल गाला इन मेमर्स जय भारत इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट न० ८, दीडोशी ठिहलेज, गारेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है।

अनुसूची जैवा ि क० म० यहै-3/37-**हेई**/20503/ 84-85 और जा सक्षम प्राधिनारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1--9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयक्त (निरीक्षण), स्रजन रोज-3, **बस्बई** ।

दिनांवः : 10-5-1985

माहर .

प्रकृष बाह्र ही, एन एवं

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मभीन स्वना

ज्ञारुव् वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनाम 10 मई 1985

निर्देश म० प्रार्ड्--।।।/37--ईई/13543/84--85---प्रत., मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको दिसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिनकी म० दुसान म० 11, जा, प्राउण्ड फ्लाग्नर, राजेन्द्र पार्च, उमारत स० 3, एनैक, गंत्रसाय (प), बम्बई-62 में स्थित है (और उनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वर्णित है), और जिनका करारनामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 मुख के अबीन बम्बई स्थित सलम प्राधिकारी के नायान्य में राजिन्ही है, विना 1 9-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण कि जिल में वास्तिवक रूप से किथह नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्वरण से हुई किसी बाय की बाबल, उपकर अधिनियम के अधीन कर दोन के अस्तरक के बायित्स भी कभी करने या उसमंबचने में सृजिधा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उन्ततं अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ का या किया जाना चाहिए था. कियान में मृत्यिक के निक्य;

जतः अब, उन्त विधिनियम की बारा 269-ग के अन्भरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—— (1) ईश्वर पी० मिस्त्री ।

(भ्रन्तरक)

(2) मन्तर्म नम्प्राट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उपय संपर्शिक अर्थन के संबंध में कोई भी बाओं ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र म प्रकाशन की तारांस स 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवीं में भी नवीं नाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सचना क राजधन म त्रकाशन को ताराल म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वविकरणः—दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनक अधिनयम, क आयाय 20 मा प्रिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अमुस्ची

दुकान स० 11, जि. ग्राउण्ड फ्लाग्नर, राजेन्द्र पार्क, इमारत न० 3, एन्स्स, गोरंगाव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं। ग्रनुसूची जैंगा कि ऋ० स० शई-III/37-ईई/13543/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1--9-1984 को राजिस्टई विधा गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज—III, अम्ब**र्**

दिनाक: 1**0⊶5**⊶1985

महिर 🗓

अक्ष चार रा रंग र्थ र्थ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

रुपालिय, महायक भायकार यागुनल (निरक्षिण)

प-न रज उ, ब्रेम्बई ब्रेम्बई, हिना, 10 मई 1985 निदेश न । ई उ/ 27 हैई/ 125 /81 85→ जिला, मुझ, एठ प्रतार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसक परचात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु से अधिक है

क्य पूर्वाक्त मस्पत्ति क उचित बाजार मूल्य स कम के दशंमान पीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एस दश्यमान पतिकल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरिक (अगरका) और अतरिती (अतरितया) के बीच एसे अतर्भ के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य स उक्त अतरण लिखित में बास्तिक रूप स के बित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण मह्इिकिमी अ।य का बाबत, उक्त आविनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उसस बचान म सुविधा क लिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तारन द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा क लिए,

वस अद जिला जो शिल्यम का भाग 269-म के जनसरण म, म का भागीन्यम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अभोन, निम्मलिमित व्यक्तियां, अभीत .-- (1) यानवी एन० प्रार० स्ट।

(왕대((,)

(...) व्याभवा घाता परास १

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारा करक प्याक्त मध्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाह्या कार्ता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीनर पूर्वा क्तू व्यक्तिया मा से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र का पकाशन को तारीख स 15 दिन व' मातर निज्ञ न्यार सम्मान में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अवाहस्ताक्षरों के पास विश्वित में किए बासका।

स्पष्टीकरण ----इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जा प्रिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया

अनुसूर्चा

पन्ट २० ४1– ४, जा ना री मिजिन, श्रीरोम भवन, मान-वर्ना म्यन्यित् मानानी के भिने, मार्व राष्ट्र, मालाष्ट (प), काक्ट-61 म रियन है ।

अनुसूचा ाला के निरुधाल अई- १/37-ईई/13256/84-85 न रात जन अधि की बस्बई हता दिनाल 1-9-1984 सार्णनस्टाके रामणा है।

> ए० प्रताष तसम् अपि गरी, तस्य प्राप्तार प्रतास्थल (चिरीक्षण), प्रर्शत रेज⊶3, बस्बई ।

हित 0→5+1985 मोहर . प्ररूप आई टी एन.एस -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन रेज 3 बश्वर्ष वस्वर्षे दिना 10 मर्षे 1985 निर्देण स्थार्थे 3/37 ईंटिं/1531(/81 85 रत, मझ

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसम इसके परचात् उक्त क्रिनियश जन्म गया भे), क्री पारा 269-स के अवीन मक्षम पाधिकारों का यह विश्वार करन का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, नियम उचित बानार मत्य 1,00,000/- रा स अधिक हो

भी पूर्वीक्त सम्पत्ति के रिचित बाजार मत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अठिरत की गई है और मफे यह विश्वाम करने का कारण है कि सथापर्वावन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स और है और अन्तरक (अनारका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्हीनस्थित नेद्दी से सा अन्तरण लिखित म बास्तिबक रूप स अधित नहीं महा गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या प्यसे बचार में मिश्या दायित्व के जिए और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में स्विधा के लिए,

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अबे अधीन निर्मालिखित ज्यिकित्या अर्थान .--- (1) सीराप्ति प्रति प्रति प्रति । (प्रति) (प्रति) (2) स्वति प्रति । प्रति । (स्वति)

का यह सूचना जारा करक पूर्वाका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति हे अर्जन क सम्बन्ह ए काइ सी आक्षप

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविव या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना को तामील स 30 दिन का अविध, जो भी अर्जा र दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बदन किसी अन्य व्यक्ति देवारा, प्रश्नहस्ताक्षरी के एम विकास से किए जा सहसा।

म्मष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त अध्या और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याप १०-क मा परिभाषित है बर्मा वर्ष भग जा उस कथाण मा दिया ग्या है।

बन्स्ची

प्रौष्टियाव () जाः किलात्स्यारि , माताच विषा त्यापाव वार्जाम भागाचारीय, भागिष्ट पाताच (२), मध्य**ई** ६३ म स्थित है ।

प्रतस्ता ने । कि सार माई अ/उर ईई/1331 । / 81—85 और जा (जस प्रशासिकारी पम्तई द्वारा दिलारा 1 9— 1984 का रिजम्डर कि गार्ग है

> ए प्रसाह विकास पार्थि होते. विकास पार्थिक स्थापन किरोदाण), विकास के ब्रिवर्ड

ਰਿਹਾ 10 5 1985 ਸਮਾਂ प्रकृष आर्थ टी.इम एस. ----

बाबकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बद्ध वस्बद्ध, विनोप 10 मद्दी 1985

निदेश सं० श्र**र्थ-** 3/37 -ईई/1319**5**/84--85---श्रत , मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह मिश्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० प्लाट न० 8 जो, ब्हिलेज बालनाय, तालूका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं),/और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रविनियम, 1961 की बारा 269 वृख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- शिक्ष) अन्तरक में हुइ किसी अाथ की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्त में कमी करने या उससे अपने में सुविधा ा लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सर.:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरक् वं में सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अवित ह—— (1) श्रीमती सी०पी० गाधी।

(ग्रन्तरकः)

(2) मामं रिलायन्य बिल्ड्स एण्ड डेजलपलापर्स । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हू ।

उपस् संपरित को जर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ख्वाय;
- (च) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धन्स्**या**

प्लाट नं 8, जो, व्हिलेज वालनाय, तालूका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची पैगा कि क० स० अई-3/37-ईई/13195/84-85 और जो गक्षम प्राधिगारी, बस्बई डाग दिना: 1-9-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिशारी महायर श्राधशर पास्का (निरीक्षण), श्रिम रोज- उन्हर्षे

दिनाक . 10-5-1985

मोहर ः

प्रक्रम बार्च. टी. एन. एस्. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन मुखना

भारत सरकाह

कार्यौलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिना 10 मई 1985

निदेश म ० %ई-- 3/37 - ईई/13390/84 - 85 --- प्रतः मुझे, ए० प्रगद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी स० गाला न० 304, भी, अय प्रमृति की ज्याप० हाउभिंग सो ात्टी १०, प्रमृती रोड, मालाष्ट (पू०), बस्दर्ष में स्थित है और इसमें उपायद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से विणित है), अंगि जिए । एरारक्षामा आवश्यर अधिनियम 1961 की धारा 209 व के अधीन बस्वर्ष व्यवस्थान प्राधि-रारी के रायोजिय से रिजिन्ही है, दिला । 1.9~1984,

की पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य सकम के क्षण्यमान दितिकाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से. एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पेश्वह परिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंसरिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे अन्तरक जन्तरको आर वासा मना प्रतिक का निम्नतिबित उद्यक्षिय में उक्त अन्तरण कि सिवास में दास्तिक का निम्नतिबित उद्यक्षिय में उक्त अन्तरण कि सिवास में दास्तिक का से किया गया है:——

- (क) जन्तरण में हुई किसी आग की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिश्वा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने क विभा के सिक्दः

अंत अक अलग नीभिनियम की भारा 269-ग के कम्सरभ को, मी, अलत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को जभीन मेनमिलि**सत क्यॉक्तयाँ, तथांत् :---**39---96 GI/85 (1) र्थः भरत बी० गहा ।

(अस्तिक ३३)

(2) श्री गीर एम ० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकाश में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्दित में किए जा सकेंगे।

स्भाष्ट्रीकरणः — इसमे प्रयुक्त शर्बों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्भा है।

सनर ची

गाला न० 304, जो, जय प्रस्ति को० श्राप्त० हाउँ।ग सोजायटी लि०, दणपरी रोड, मालाड (पू०), बम्बर्ड 97 में स्थित है।

अनुसूची जै हा ि कि सं क कई-3/37-ईई/13390/84-85 और जो पक्षम प्राधिनारों, बन्बई हारा दिनात 1-9-1984 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि-गरी, यहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोजि 3, बक्जई ।

दिनाङ 10·5-19**8**5

मोहर 🦸

प्ररूप बार्ड. टी. एग. १स ≝ - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमता

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, विनास 10 मई 1985

निदेश सं० प्र**६--3/37--ईर्द**/13424/84 **-85** अतः मुझे, ए० प्रनाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्न) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिन्की स० पर्लंट नं 601, जो, भी०-रिंग, प्लाट नं 61, ला-चपित्ले को०-प्राप० हाउनिंग मोनायटी लि०, वालनाय विहले ज, मालाड (प), बम्बई -64 से स्थित है (और ए में उपाबद प्रतुसूची सें और पूर्ण रूप में बिंगत है), और जिनवा एराश्नामा स्राय र प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिनारी के कार्याएय से रिजस्ट्री है, दिना 1-9-1984.

कां प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की अध्यक्ष, राज्य जिलिनियम के अधीन कर की से राज्यक के कांगिन्य मं कभी करने या उससे बचन से स्रीयका है जिले बहि/धा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आग-कर किमीनवप, 1912 (1922 का 11) या उच्च की विनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयाभनार्थ अस्तिरती इवाच प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था स्थिपाने में ग्विधा के लिए;

स्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री मानावध अलेचरीया जेवच ।

(अन्तर∜)

(2) श्रीमनी 🕏० झेड, निवीस ।

(श्रन्तरिती)

को यह मृथना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्वजाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर मृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो नी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुद्यानाः
- (स) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाधन का नारीस ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति याग स्थातरनाक्षणी है पास लिखित में किए था सकोंगे !

स्यक्तीकरण ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याय में दिया समा हैं।

श्रन सुची

फ्लैट मं० 601, जो, सी०-विंग, प्लाट सं० 51, ला चपेल को०आप० हाउनिंग मोभायटी लि०, वालनाय विहलेज मालाख (प), बम्बई--64 से स्थित है।

अनुसूची जैंग ि कि निर्ण अई--3/37-ईई/13424/ 84--85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधि गरी सहाय ह प्रायाण प्रायुक्त (निरोक्षण), प्रार्जन रोज-3, वस्बई

विनाश : 10-5-1985

महिर 🖫

त्रक्ष नहाँ.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज-3 बम्बर्ड

बम्बई दिनाक 10 मई 1585

निदेश मं० श्रई-3/37-ईई/13376/84-85---श्रनः मुझे ए० प्रसाद

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उमत मिनियम' कहा मना हैं), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा. स अधिक है

प्रौर जिसकी स० प्लैट स० 301 ति तीपरी मजिल प्राकाण गंगा बचानी नगर रोड मालाड (पूर्व) वस्तर्र-97 में स्थित है (प्रीर इगए उपाबढ प्रनुस्तों में खीर पूर्ग रूप में विणत है) खीर जिसका करारनामा आयकार प्रधितित्रम 1961 की धारा 269 एख के अधीन वस्बई व्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनार 1-9-1984

कां पृवांकित सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृषेकित सम्पत्ति का उिचत बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उब्देश्य से उक्त अन्तरण तिसत में वास्तयिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाजित्य में कनी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में श्रीवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती स्मिता एम० नवम ।

(ग्रन्तरकमे

(2) थां लिलधर डी० उतबार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनल सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो काहाँ भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त कि नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गढ़ा हैं।

वस्त्र्या

फ्लैट स० 301, जो नीसरी मजिल "आकाम गगा" बचानी नगर रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-3/37ईई, 13376/81-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिना ह 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 10-5-1585

मोह्र :

प्ररूप मार्च. दी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

(2) श्री रामभ्रवतार णर्मा ।

(1) श्री दयाराम जी० देवल ।

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्निंग)

शांडल सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

भ्रार्गन रेज-- 3 धम्तई बम्बई दिनांक 10 गई 1985

निदेश मं० यई-3/37-52/13369/84-85--मृत महो ए० प्रसाद

आयकार प्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्लास कारने का का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए 1,00,000/- रा. से विधक है

और जिसकी मं० पर्नेट पहली मजिल पर जो गांदिन्द तदन गोरम बाडो भालाइ (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इपि लपाबद्व अनमुची से और पूर्ण हर से वर्णिन है। और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धार 269 अख ने स्रधीन नम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ती 1-9-1984

को प्वक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य में क्षम के करयमान अतिफल वं लिए अन्तरित की गर्दही और मुझंयह विद्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध्य की बाबट उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; वीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, १००७ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग की, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील स. 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यव्योकरण.--इसमें प्रयक्त गव्दों और पदों का. भा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित 🜓 , वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया नया हु*।

मन्स्ची

फ्लैंड न० पहली मजिल ए.बिन सदन गै.र्स वाडी मालाड (प), बम्बई-64 से स्थित है।

श्रनमुची जैपा कि ऋ० मं० श्रर्ट-3/37-ईई/13369/84-85 ग्रीर जो सक्षम पाधिकारी बमबई हारा दिनांफ 1-9-1984 का र्गजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मञ्जन प्राधिकारी सहायक धापकर स्रायुक्त/तिरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3 बम्बई ।

दिनाकः : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.,----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अभीन सुचन।

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-3 बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/13466/84-85--- म्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० पलैट न० 807 जो इसारत सी० प्रताप नगर दफ्तरी रोड मालाड /पूर्व) निवर्ध-93 में रिधन है (श्रीर इसमे उपाबद अनुमूर्चा में सीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिमका फरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 फख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रिजम्दी, है दिनाए 1-5-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति को उचित माजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके पृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बादस, उक्त आधिरियम को अधीन कार दाने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा क नित्, तर मा
- (क) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारताय आयवार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा में निएंश

अतः म्ब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत स्पक्तियों अध्यात अस्मार्थ (1) श्री के० भ्रार० पाटिल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश आग्व गाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह |सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्पत्रधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मा शित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरा के पास निक्ति मा किए जा सकेंग।

स्थ्यतिकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम्भूपी

पर्नैट स० 807 जो इमारत स० सी० प्रताप नगर दफ्तरी रोड मानाड (पूर्व) बन्धई-93 में स्थित है। प्रतृसूची जैंग ि २० स० ग्रई-3/37-ईई/13466/84-85 ग्रोग जो सजम प्राधिकारी बन्बई द्वारा निनाक 1-9-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस द सक्षम प्राधिकारी गहायक भ्रायकर यायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-3 बस्बर्ड

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🛢

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ऋई~3/37~ईई/13414/84-85——ऋत. मुझे १० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० शिमायसेम मं० 93 जो इमारत सं० 4 मानाइ को०स्राप० हाउसिंग सो गयटी नि० पोक्षार पार्क मानाइ (पूर्व) बस्वई—97 में स्थित है (श्रार इससे उपावड अनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है) सीर जिसका करणस्तामा स्रायकर स्रिधितियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्वई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1—9—

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः त्रथं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध रू अन्यस्य में. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन भिन्निसित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बिना वि० ठाकुर।

(भ्रन्तरक)

(2) लायन्य क्लब ग्राफ मालाड -बोरियली चैरीठी फण्ड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ह³।

प्रनुसुची

प्रिमायमेप सं० 93 ज इमारत सं० 4, मालाइ को०~ ग्राप० हाउँसिंग सीक्षायटी लि० पोलार पाक मालाइ (प्वं) वस्वर्-97 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि क० सं० श्रर्थ-3/37—ईई/13414/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा विनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-3 **सम्बर्ध**

दिनांक: 10-5-1985

मोहर :

शक्त बाड[™]. टी. एन. **६स**. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को संभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, अम्बर्ड

बम्बर्द, दिनांक 10 मई 1985 निर्देश स० ग्रर्ड-3/37-ईई/13465/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार जिसे उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचन वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी मं० फ्लैट न० बी-32, जो, कावेरी इमारत, 63, रिलीफ रोड, मालाङ (प०), त्रम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 व,ख के श्रधीन बण्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

कर पूर्वोवन सम्पत्ति के उपित धारार मत्य में कम के चरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह ।तिहत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथ्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) कुमारी स्वाती महेंद्रशुमार ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री माधव गणपती शानभाग।

(धन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां कुरू करता हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

फ्लैंट न० बी-32, जे, थावेरी इमारन, 63, रिलीफ रोड, मालाड (१०), अम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अ०सं० श्रई-3/37-ईई/13465/84-85 श्रीण जे, मक्षन प्राधिक री, बस्बई द्वार दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव ःक्षम प्राधिवारी सहायकः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, वस्बर्ड

नारीख: 10-5-19°5

माहर 🗈

प्रकृष बाह्र . टर्रे. एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, महासक आसत्तर भायक्त (निरीक्षण)

भाजीन रेंज-3, बम्बर बम्बरी, तिनांक 10 मुर्च 1985

निर्देश मं० अर्थ-3/37-ईई/20431/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसार,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को का कि त्वाम करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,050/- उ

श्रीर जिसकी सं क्वैट नं 502, जो, वाल-इ-राम 2, श्रांक लंकींग रोड, नालाड, बम्बर्ड में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रानुमूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान गितिफल के लिए अंतरित की गर्थ है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के शन्तपक से दायित्व से बरी करने या उमये अवन की प्रियम के निए और रेम
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धनकर अधिनियम, जा 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसां, अधीर ;-- (1) श्रो सो० पी० नियानचंदानी ।

(धन्तरक)

(2) अनीसा कन्स्ट्रक्शन एण्ड इस्टेट प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सुभाना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं!

उक्त सम्परित के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की संबंधि या तत्मम्बन्धी न्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, का भी अविधि नाद में समात होती हो, के भीतर प्रवित्त भावनायां में में कियों गे कित दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास किसा का पार्च के किसा ने के सा

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यी

फ्लैट नं० 502, वाल-इ-राम 2, आंह लिहींग रोड, मालाड (प०), यस्नई में स्थिन है।

श्रतुसूची जिल की कल्म० गई-3/37-ईई/20401/84-85 और जो सक्षम प्राधिक री, बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रकार गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, **सम्बर्ध**

सा रीख : 10-5-1985

जोहर 🖫

प्ररूप आर्ड् . टी एन. एस. - - - -

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६६ थ (१) हो अधीत सुचना

HITTE WESTE

कार्याक्षय, सहायक बायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, एम्बर्ड नायकी, दिनाक 10 भट्टी 1985

निदेश स० श्रर्ड-3/37-ईई/135=7/34-85--- श्रत मुझे, ए० प्रयाः

नायका पथि त्यम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा १६०० के अर्थान समझ पर्यायकारी की दह निक्रमण करते का कारण है कि स्थावर सम्मिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा मं अधिक है

श्रीर जिक्का सक द्वान नक । इ.जो. वी-निय, "श्रटलाहा", प्लाट नक 38, जिक्का वालापज दावें के उ. भानाह (पक), बम्बई-64 में प्लित है (भी क्यांसे उपाबद अनुसर्व) में श्रीर प्रगास्त्र में प्रांतिक में प्रांतिक के पित्र हैं), और जिल्का त्रार्तामां आयकर श्रिधित्यन 1961 की जाना 269 के अ में श्रीस्ट्री हैं, तारीख कि पश्चम गी। जाने के व्यक्तिय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 कि स्टूट 1984

को पर्नोक्त न-नित के जिन नाबार मृत्य य तम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके द्रयमान प्रीया स. एम द्रायमान प्रतिफल का खक्र अतिशत से अधिक ही और अतरक (अनरकों) और अतरिती मनिरित्तियों) के बीच एके बनरण के लिए तम पाम प्रमा प्रति-कल निम्नी प्रति प्रदेश प्राप्त के लिए तम पाम स्वास्तिक का प्राप्त के निस्त का द्री किया सुण हो —

- म , 'तिथी ' आ व आफितासी - प्रति । प्रति ।

जतः अब, उत्तत अधिनियम को धारा 269-म को अन्सरण बो, मो, उद्यत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को भीन जिल्लामित व्यक्तियों, अर्थात् :— 40—96 G1/85 (1) श्री देवेद्र पी० मगला।

(अन्तरक)

(2) भेनमं श्रार०जी० विल्डसं प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उस्त मस्पत्ति को अर्थन की पंत्रीय में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अधि नहीं से के किस्ती के स्वाप्त साम के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (क) इस मुक्ता क नामपत्र घो काणन को नागील में 44 चिन के मीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी स्थाव कर्यांकत ह्यारा, सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सक्ष्ये।

स्पष्टीकरण .—— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्**स्यी**

दुकान नं० 15, जो, बी-विंग, "श्रटलाटा", प्लाट न० 38, व्हिलेज वालनाय, मार्वे रोड, मालाड(प०), वम्बई-64 में स्थित है।

भनुम्ची जैसाकि प्रथम० अई-3/37-ईई/13557,84-85 और जो पक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1981 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

गरीख * 10--4- 1985 जोका ॥ . उ. म. मेरे एन. **एव**.

पदाः र्वे लिट- १८०१ (196१ का 43) की प्राप्त । १० अपनि गकाना

WALL RESIDE

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रक्त (निरीक्षंण)

स्रर्जन रेज-3, वस्दर्ह

·बम्बई, दिनार 10 म^ह 198-

निवेश सं ार्ड-२,37-ई. 13379,84-85--- प्रनः मुझे, ए० प्रभाद

कायकर अधिक्यिम, १८०१ (। ६ - 43) (बिच इसमें सिक प्रधान के कर प्रधान के कि स्थान के अभिन स्थान आधिकारी मा घह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी यं० पलैंड न० इ-117, जो 1ली मंजिल महकार प्रपार्टमेंटन, ए 1०वि० लोड मालाड (प०), वस्वई-64 में स्थित है (ग्रे॰ हाले उपाइद ग्रन्नी में ग्रीर प्णें भ्रें में क्षित है), ग्रीन जिनका करारनामा प्रायकर ग्रीविन्यम 1931 के नार २००० ल, व के ग्रीन बस्वई स्थित स्थान पाधि । के कि का के जीमड़ी है, तारोख.

को पर्वोक्स सम्बंधि के निस्त काजार मलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने को का कहा है । १ व.स. स्पान का निर्माण आजार कृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही बौर अतरक (अंतरकों) और सन्तरिती (पनार्गिता) वेति विश्वास अधिक ही बौर अतरक (अंतरकों) और सन्तरिती (पनार्गिता) वेति विश्वास अधिक की विश्वास की काना का विश्वास की लिखत में वास्तविक रूप स किथान नहीं किया गया ही....

- (का) सन्तरण सामा किसी भार हो जावता, धकता वीधिनियक अधीर कर ोते की कालरक औ दांगि के गी का गा वाज की लिए। वीधिका के लिए: वीर या/

अत अब, तक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. जिम्मिलिखन व्यक्तियों, बर्धात:—

(1) श्री फुर्ताग्रली जसे मोहमद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतला देवी । अ

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना बाही कहके पूर्वोक्त ब्रंपरित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किमी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधीनवस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया असा है।

समस्रो

प्लाट नं० इ-117, जो, 1 ली मंजिल, सहकार श्रपार्ट-मेंटस, एस०बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसाकि अ०सं० ग्रई-3,37-ईई/13379/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-३, बस्बर्ट

तारीख : 10-5-1985

माप्टर :

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अभीन सूचवा

भारत सङ्कार्

कार्यालयः, सहायक कार्यकर वायुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-उ, कार्य

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निद्रा ा अई-अ/37 ईंटी/13324/34 85--- रा पु, ए० प्रसाद,

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (भिष्ठे इसम इसके परमास् उक्स आधितियम का १६ १६६६ स्टब्स अध्या का 269-म के स्पीत समाम प्रतिमकारी का यह विश्वसा अध्या का कारम ही कि स्वायर सम्पत्ति, जिन्दान उक्त वाला के 1.00.000/- रा से अधिक ही

1,00,000/- रु से अधिक हैं
श्रीर जिसकी से पलैट ने बी-32, जी, कार्नेस इसानि,
63, रिलीफ रोड, मालाड (प्र), वस्बई-61 में रिनेंस हैं
(श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची ने श्रीर पूण रुप से विष्य हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1561 की धारा 269 के बे अधान बस्बई स्थित सक्सम श्रीयगारी के कार्यालय में रेजिस्ट्री हैं, तारीख 1 सिनम्बर 1984 की प्रविक्त सम्बंध में रेजिस की यहाँ हैं और भूखें वह राज्यस्थ करने सा सारण है कि यथान्येयत सम्बंध की रुप विषय अश्रीर मृत्य के अधान कर सा सारण है कि यथान्येयत सम्बंध की रुप विषय अश्रीर मृत्य की विषय की विषय अश्रीय की विषय अश्रीय की विषय क

- (क) बन्तरण य शूर्ड किसी अस्य को बर्धना, उन्हा वीपीनयम के क्सीन कुर योग के क्षणक औ दावित्य में कर्मा करन मा उससे मकने में शापना के नित्र को सी

- (1) मुमारा सास्तान सार
- (:17:1)
- (2) था नावा भणात है। भा
- 1 1.41)

को यह स्थान कार्य गरक प्राप्त राति। ।। प्रमु को लिए कार्यकाष्ट्रियां करना हो।

AND ANDERS OF MINE OF THE PARTY OF THE

- と、 7 4 では、 (風) 点は がたと 1.7

अनुसुब्धः

पलैट न० वा-32, जा, १४० '४⁺, ७, रुतीप राड, माताड (१) ४४४५ ७ । ~ अनुत्री वैप्रात्ता ८ । / 1 ४ /१1२5

> गठ पताः २११ गाउँ पि सहायक पतिः पशुद्धाः (१४२६५ण) जनते दिस्क, बहाई

तारीख 10-5-1985 **मोहर**

प्ररूप आई टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कारणान्य, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3,37-ईई,13580,84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 402, जो, 4 थी मजिल, वाल-इ-राम-1, ऑफ लिकीग रोड, उष्मा नगर के सामन, मार्वे राड, मालाड (प०), वम्बई में ।स्थत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बिणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने जब कारण है कि यथगावां का सम्पत्ति का उचित शवार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अत्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्विक रूप से कियत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्थ मं कमी करने या उससे बचने में सुविया के िए. और/मा
- (ख) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिसी इवारा पकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ऋ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एच०एस० धिया।

(अन्तरक)

(2) श्री सतवत सिग।

(अन्त(रती)

को यह स्चल जारी कारके पूर्विक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीए स 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर मूचना को नामील र (१) दिन को अनिध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में प्रकिसी त्यंक्त द्वारा.
- (स) इस मूनना की राजपत्र म प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्द किमी जन्य व्यापत द्वारा प्रधाहन्ताक्षरी के पास निभावत मा किए का सकता

स्थरहोकरण -- - न्त्रसम । शुक्त भन्दी शौर पदा का, जा उसके अधिनियम के अध्याय 20-क मी परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया हैं।

भग्सची

पर्लंट न० 402, जो, 4 थी मिजिल, बाल-इ-राम-1, ऑफ लिंकीग रोड, उप्मा नगर के सामने, मार्ग रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०स० अई-3,37-ईई,13580/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, **बस्बर्ध**

तारीख: 10-5-1985

माहर .

प्रस्प जाई.टी गम १.स. ...

पायकर भागि । १० (१७) ० 43 का अर्थ प्रकल्मा १३ के भागम सुखना

कार्यानय, सहायक आयक्तर आय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं॰ जई-3, 37-ईई, 20382, 84-85—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

गायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मर्पाल, जनसका उजित बाजार स्म्म 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिप्पती सं० आफीम नं० 318, जो, 3री मंजिल, मालाउ नटराज मार्नेड को-ऑप० हाउमिंग सामाइटी लि०, एप०वि० रोड, मालाउ (प०), नम्बई-64 में न्यत है (प्रौर इसरो उगापद अनुसूर्वा में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारामा आयकर अधिनियम 1961 की धरा 269 क, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, नारीख 1 सितम्बर 1984

का पूर्वावत सम्पोत्त के जीवत याजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तर्गरत की गर्थ है और मुक्ते, यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्य यह सम्पीतन का जीवन वाजार मूल्य, उमके दश्यभान प्रतिफल को एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिखित म वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लरण हो हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए बीप्/बा
- (ख) श्री किसी शय या किसी पन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 कर विश्व कर अधिनियम, 1922 कर विश्व कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया देशा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रीविशा के सिए;

कर अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-4 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती एस०फे॰ झनझ्नवाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे०के० छेडा।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के सिए कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप द---

- (क) इस मुखना कं राजभन्न मा प्रकाशन की तारीच वें
 45 विन की अधिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
 सूचना को नामील से 30 दिन की अबिध, जो भी
 अवधि बाद में समान्त होती हा, से भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनंत स्थावर सम्पत्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहण्याक्षरी के पाक जिल्ला में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

सम्स्ची

ऑफीस नं० 318, जो, 3री मंचिल, मालाड नटराज मार्केट की-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एस०वि० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3,37-ईई,20382,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्र**साद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **सम्बर्ध**

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप आई. दी. एत. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3_/ 37-ईई_/ 13532_/ 84-85----अतः मुझे, ७ प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, जो, दिपक अपार्टमेंट लोअर गोविंद नगर, पवनवाग रोड, चिघोली, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

करें पूर्धिकत सम्पत्ति के उिषति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उसत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजकुमार आर॰ पोहार।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरीबाई चौधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

प्लॉट नं० 14, जो, दिपक अपार मेंट, लोअर गोबिंद नगर, पवनबाग रोड, चिंचोली, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-3,37-ईई,13532/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बहै द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रा¹धकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

महिर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अप्तर्ध अस्वर्ध, जिनास 10 मई 1985

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 12/ए, जो, "श्राणिष इमारत", 3री संजिल, साईबाबा पार्क मितर्चर्का, मालाङ (प०), वम्बई-64 में स्थित हैं (और उपमें उपायद्ध श्रानुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिल्हा रार्रारनामा श्राप्तर प्रवितियम 1961 की धारा 269 वपा के श्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधित री के सार्या में रजीरदी हैं, तारीख 1 विजन्नर 1984

में पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई वै और मुफ्ते यह विश्वास

ारते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार ल्या. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्द्रह प्रतिकात में अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और नितिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- ण) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबल्जनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) है अधीन, निम्निसिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेनसं ग्रहणकुमार एण्ड ग्रासोक्षिएटस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री दिपनः उमेश खाम्बङकोने ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट न० 12/ए, जो, "आणिष इमारत", ना**ई बाबा** पार्क, मितचौकी, मालाड (प०), वश्वई-64 सें स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०म० ऋई-3/3.-ईई/13323/84-85

अनुसूची जैसाकी ऋ०म० ऋई-3/3.-ईई/13323/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बन्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधियारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

ा रीख 10-5-1985 मोहर 🖫

परूप **बाएं**. टी एन एख., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशक)

ग्रजन रेज-3, बन्बई

बम्बई, दिना 10 मई 1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/20535/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सपित, जिसका उपिष बाजर मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० पनट न० पी-8, जो, ही द्वार इमारन, शाफ मार्वे रोड, मालाड (ण०), तस्वई-64 में स्थित हैं (और इस्ते उपायद अनुन्तों में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिनका करारनामा आल र शिधितिएम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बस्बई व्यि. क्षम प्राधि-। कारों के कार्यों य से रजीस्ट्रें हैं, त रीख 1 गितम्बर 1984

कारा के काया नय सं रजास्ट्र ह, तराख 1 गितम्बर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्गपूर्वोक्त संपित्ति का जाचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और भन्नरिती (अन्तरितियो) के दीच एमे अन्तरण के लिए तथ श्वामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त बन्तरण लिखत में वास्तबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के बन्तरक के बायित्व में कमी करन या उससे बचने में सर्विधा अस्तिए, और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-किश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम वर्ग धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की नात 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिर भी, अर्थात :---- (1) श्रीनती एल० गांधी।

(भ्रन्तरक्)

(2) ओ जूष्ण इति बी० बाबली।

(भ्रस्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की वर्वाध था तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में पमाप्त हाती हो, के भीतर प्रवाक्त काकितया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मुचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्ति स्थावर समिति मा दिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वास अधारप्ताक्षरा । भा विस्ति मो किए जा सकरो।

स्पब्सीकरणः - क्षममा प्रयान्त शब्दा और पदा का, जा उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारा जा . स मात्य न दिस गया ही।

पनैट नं० पी-3, ोो, उरीबा: इमारा, आफ मार्वे **रोड,** मालाड (५०), बायई-64 में यित्र है।

अनु इची है। का कर्सर अइ-3/37-इडी/20525/84-85 और जो अन प्राविकारी, बम्बई हारा दिलाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड निया गय है।

> ए० प्रवाद यक्षम प्रति । शी पहायः ग्रायकर ग्रायुक्त (विरीक्षण) ग्रजीन रेन-3, बन्बई

तारीख . 10- **5** - 19**85**

मोहर:

प्रकथ बाद् . दी . एन . एस----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन त्यमा

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक नायकडु नायुक्त (रिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/20328/84--85- - ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकार 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीता, जिनका उचित बाकार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 1 ली मंजिल, प्रजीत पार्क "बी", सोमवार बक्षार रोड, मालाड (प०), वस्बई-64 सें स्थित हैं (और इसमें उपावद प्रतुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका करारतामा प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 कुख के प्रधीत अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यनान प्रतिकल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतिरतीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीतिबित उद्वेषय से उक्त जन्तरण सिवित में वास्तीवक कप से कवित नहीं किया गया ही:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने वा उसने दखने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिन्होंने 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर जिथिनियम, बा धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भग था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

बत अब, उन्नत अधिनियम कौ भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निक्ति लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 41—96 GI/85

(1) देशम्खा बिल्डर्स प्रायवेष्ट लि०।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमनी रोमा श्रल्फान्मो।

(श्रन्तरिती)

का नह सूचना भारी करके पुनानिक सञ्मित के वर्णन के जिल्ला कार्यगिहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राचवत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वविभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तातील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ नाद में समाय्य होती हो, को श्रीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वाहा;
- (क) इस सूचना के राजपण में अकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-ब्यूभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सकतें।

स्पर्काकरण :- इसमें प्रयुक्त काकों और पक्षों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अमुसुची

फ्लैट नं० 105, जो, 1 ली मंजिल, अजीत पार्क "बी", सोमवार बझार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/20328/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3, बस्बर्ष

नारीख: 10~5-1985

मोहर:

भागकर मधितिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) में कचीन स्वना

WITE BROOMS

थार्थानय, ब्यायक नामका नामुक्य (रिनरीक्रम)

श्चर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनान 10 मई 1985

निदेश म० शर्थ-3/37-ईई/13232/84-95—स्थन मुझे, ए० प्रसाद

नावभर कीर्पावसन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त सीर्पावसन' सद्धा नदा हु"), की पादा 269-व में सर्पान वस्तद प्रतिकारों के, क्यू विकास सरने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति विश्वका जीवन संस्थार मृत्

1,00,000/- रह. से अभिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट न० 304, जो, बी-विग, 3री माजित इमारत "ला-चपेल्ले", एवरणाईन नगर के पान, मित चौकी, श्राफ मार्वे राड, मालाड (५०), बम्बद-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतस्वी मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा शायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजीस्टी है, तारीख 1 सितम्बर 1984। को पुर्वेचित संपरित के उपित राचार शुरूव ते कम के अस्वज्ञान प्रतिभास के लिए अन्तरित की गई है बीर मुखे यह विस्थास करने का कारण है कि वनायशैंक्स सम्बद्धि का स्थित काबार मत्य, उनके रवरमान प्रतिकास है, एसे अवसान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकृत से निधम है जोर नंतरक (संतरका) और नंतरिकी (अंबरीयदिवरी) के बीच होते नंतरच के लिए तम पाया पदा प्रति-फेल निम्मेलियिक उन्हर्यस्य से जनत सम्बर्ग लिखित में नास्त-विक रूप से कर्षित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण वे हुई जिसी नाथ की अन्तत अवत अधिशियम के सधीन कर दोने के बन्तरक दक्षिण में अभी अपने या उत्तर्ध ज्ञाने में सुविधा के लिए; अपि/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनिज्ञा, 1922 (1922 का 11) या जन्त जिथिनिज्ञा, वा धन कर अधिनिज्ञा, 1957 (1957 का 27)ं को प्रयोजनार्थ अन्तरिती धनारा प्रकट नहीं किया यका भा का किया जाना कांग्रिस्था, कियाने में सविभा जी किए।

वतः वतः उचतः अभिनियमं की भारा 269-गं के अमुसरणं में, में, उक्त अभिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अभीन, निकासिक्ति व्यक्तिकों, अर्थात पु--- (1) श्रीमती रिप्ती एनः मुलचगनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वन्त्रत विग माथान और ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को कह कृषना धारी करको पूर्वोक्त संपत्ति भी वर्णन को जिल् कार्यगाहिको करता हो।

वयत बन्दरिक्ष की वर्णन को बन्दरूप में कोई भी मासीप 🚛

- (क) इस तुमना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जबीध या उत्साज्यत्थी व्यक्तियों दर सूचवा की संजीय से 30 दिय की नवीध, को और अविध नाद में तमान्य होती हो, में भीतर पूजीवर व्यक्तियों में से किसी जिन्दी स्वारा;
- (थ) इस क्षा के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीतर समत स्थानर सम्परित में दितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्षारा जभोहस्ताकरी के पास विकास में किस जा सकेंगे।

लाक्ष्मिक्क :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त स्पिनियम के अध्याय 20-क में नथा परिभाषित है, बहुरै मर्च होगा को उस मध्याय में दिवा गया है।

वनसूची

पजैट नं० 304, जो, बी-विंग, 3री मंजिल, इमारत ला-चपेल्ले, एवरणाईन नगर के पाय, मित चौकी, प्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाको ऋ०स० श्रई-3/37-ईई/13232/84-85 और जो मक्षम प्राविक री, धम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायर श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-उ वस्वर्ष

तारीख . 10−5−1985

नोहर:

प्रकृत आई - दी - एन - इस - -----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालब, सहाबक आयकर जावूक्स (निर्धिका) श्रर्जन रेंज-3, बस्बर्ट

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० श्रई-3¹37-ईई/13262/84-\$5--,श्रनः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

सौर जिसकी म० दुकान न० 11, जो, गंगा इमारत, एवर-राइन नगर, मित चौकी, गालाड (प०), बम्बई-७४ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), स्रीर जिसका करारनाम। स्रायकर स्रिधित्यम 1961 की धारा 269 क,ख के स्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्मण् के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से धक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, जक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जरि/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय वादकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, वर्थात् :— (1) थी टी०टी० मशाई।

(अन्तरक)

(2) श्री सी०पी० वसनलान गर्ग।

(श्रन्तरिर्ता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वबधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

हुकान नं० 11, जी, गगा इमास्त, एवरणाइन नगर, मित चौकी, मालाइ (प), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रन्स्ची नैसाकी क्र०स० श्रई-3/37-ईई/13262/84-85 श्रीप जी सक्षम प्रााधकाणी, बम्बई द्वार दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-४, यम्बर्द

तारीख: 10-5-1985

माहर ु

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर जीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सङ्घ्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3; बम्बई

बम्बई, दिनॉक 10 मई 1985

निदेश स० ग्रई-3/37-ईई/13643/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी म० फ्लैंट नं० ए/13, जो, नालंद-2, एवर-शाइन नगर के पास, आफ मोंबें रोड, मालाड (५०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्ननुस्ची मे और पूर्ण रुप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा प्रायक्तर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रनीस्ट्री है, तारीख 1-9-1981

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्बत्ति का उण्यत बल्यार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा है विष्;

अतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्रीमती गगा एन० सदारंगानी।

(अन्तरक)

(2) सरदार गुरूबचन सिग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधरेप :---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन् की अवध्य मा तरतस्थानी क्यावित में प्र स्थन। की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी वादि में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वित क्यावित क्यावित में से किसी व्यक्ति क्याराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

पर्लंड नं ए/13, जी, नालया-2, एवर शाईन नगर के पास, श्रॉफ माव रोड, मालाड (प०), वम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसानी ऋ०स० श्रई-3/37-ईइ/13643/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बर्र

नार्राख : 10--5-1985

मोहर:

प्रकप काहाँ. टी. एन् ुएस्., ५ - -- - *

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० ग्रई-3/37-ईई/13225/84-85—-अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. गे अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पर्नेट न० 38, भी, 2 री मजिल, हेमल श्रपाटेमेटस, ग्लाट न० सी॰एप० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, बिहुलंज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपात्र अनस्ची मे श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका वश्यरनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ध के प्रधीन बम्बई रियत सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य मे रजीरही है, तारीख 1 सितम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमाम प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाता गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाम की बाबता. उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा को जिए, और/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या जन्य जारितयाँ को, जिन्हें भागतीन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेमर्स हेमल इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री बाबू राम राना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पित्त को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की मबीभ या सत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि शाद में समाप्त होती हों, के भीनर पूर्वकत व्यक्ति में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहरताक्षरों के पास निवित में किए का मुकलि।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

फ्लैंट नं० 33, जी, 2 री मंजिल ,ऐमल अपार्टमेंट, प्लाट सीटीएस नं० 19, 41, मालबनी व्हिलेज, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रन्सूची जैसाकी क०नं० श्रई-4/37-ईई/13225/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई हारा दिनाक 1-9-1984 के रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर अध्यक्त (निरोक्षण) यजन रेज-३, बस्चई

तारीख : 10-5-1985

मोहरु 🛭

त्रक्ष नाहे..दी..एन..एस..------

ललकड लिधनियम्, 1961 (1961 का 43) कर्ते धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-3, अम्बई

बम्बई दिनाक 10 मई 1985

निदेश मं० ग्रई-3/37-ईई/13451/84-85---श्रतः म्झे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रौर जिसकी सर फ्लैंट न० 1, जो प्राउड फलोग्नर "शटलाटा"सी-विग, प्लाट न० 38, श्राफ वालनाय किहलेज, मार्बे रोड, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रांर इसम उपायड श्रमुम्बी में प्रौर पूर्ण रूप में वींगन है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायांलय में रजीस्ट्री है, नारीख 1 सिनम्बर 1984।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तिरित्त की मई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंधप्या वे हुई फिसी शाव की वाबस, उक्त बंधिसबंद के वधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा अन्य-कर अधिनियम, वा अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस. अक, अपन काँधनियम की धारा 269-ग की अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थास --- (1) मेसर्से ग्रार०जी० विरुद्ध्सं, प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) गुरहारा एवरशाईन नगर।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त स्थाति के अर्थन के जिए कार्यग्रियां करवा हो।

उक्त सम्बद्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबीभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिश्वनस्थ कि की सम्भ व्यक्ति स्वाहा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये था सकींगे।

अमृस्यी

फ्लैट न० 1, जो. ग्र)उंड फलोग्नर, 'श्रटलाटा", सी-विग, प्लाट न० 38, श्राफ वालनाय िह्लेज, मार्थे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में रिथत है।

श्रनुमुची जैसाकी ऋ०स० श्रई-3/37-ईई/13451/84-95 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनास 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाः सक्षम प्राधिकार्र सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बर्ड

नारीख: 10-5-1985

मोहर :

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/13430/84-85—श्रमे: मुझे ए० प्रिसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० सी/म ओ हरीक्षार-1 प्लांट नं० 18 1920-ए व्हिलेज वालनाय श्राफ मार्वे रोड मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (ऑर इससे उपाबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क. ब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है नारीख 1 सितम्बर 1984।

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अर्तारितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उन्वेष्य से उस्त अन्तरण हैं सिवा में बास्तविक रूप से कायत नहीं विदा नवा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिया के किए;

अतः सव, उक्त विभिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६(1) श्रीमती कित्रशा ए० वसंदानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी०यू० बदलानी।

(श्रन्तरिती)

की यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाधेष :-- "

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष क 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के बास विशेषत में किए का सकेंगे।

स्वक्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं वर्ष होगा को उस अध्याय के दिवा वसाहै।

बर संबंधि

फ्लैंट नं० सी/4 जो हरीक्षार-1 प्लांट नं० 18 19 20-ए व्हिलेज वालनाय आफ मार्बे लोड मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रमुसी जैसाकी कै०सं० श्रई-3/37-ईई/13430/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्छ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई ।

ना**रीख**ः 10-5-1985

मोहर:

प्रकृष्य आहें हो. एत. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत सुचना

नारत सहस्रार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-3 बम्बई

बम्बर्र दिनाक 10 मई 1985

निर्देश २० अई-3/37-ईई/13526/84-85—अमे: मुझे ए० प्रसाद,

कायकार कि विनिधम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ मके पाना 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के मधीन मधाम प्राधिकारी को यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार स्म्म 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट २० 41 जो 3री मंजिल हेमल प्रपार्टमेंट प्लॉट बेथरीग २० 19, 41 मालवली व्हिलेज मालाट (पिषवम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा आयवर श्रीक्षियम 1961 की कारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 सितम्बप 1984।

को प्यानित अस्पत्ति के तीवत बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसक कम्मान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गढ़ह प्रतिश्वत स अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) क बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्दाह्य से उस्त अन्तरण लिखित वे बाक्सिन अद वे अधिक को किया गया है :——

- (क) अन्सरभ के हुन्द किसी मान की नानस, अपक अभिनियम के अभीन कर दोने के बंशरण की सामित्य माँ कभी करने मा उससे मणने माँ सुनिभा के निए; अरि/शा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्यू बास्तियों है। जिल्हों भण्यतीय लायकर अधिनियम, 1922 (13) हो १३) या एकत अधिनियम, या धन- १ ११ १ १७०० १ १९५० १९५० (1957 का 27) के प्राप्तन में अन्तिरियों देशिए मा, छिपाने में सुविधा के लिए

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसर्थ मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निक्लीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हरू- (1) मेसर्स हेमल इटरप्रायसेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमनी पी०पी० प्रमोद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वावन सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिस करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्मात्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाइ निविद्य में किए वा सकते ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पलैट न० 41 जो 3 री मिक्किल हेमल ख्रपार्टमेट प्लाट बेझरीग सी०एस०न० 19 41 न० 85/5 96/1 व्हिलेज मालवनी मालाड (प०) बम्बई में स्थित है।

स्रत्मूची जैसाकी ऋ०स० ग्राई-3/37-ईर्ट/13526/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई छारा दिनाक 1-9-1984 को सजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुका (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3 बम्बई

नारीख 10-5+1985 मो**हर** ≟

प्रयम बाह्ये दी . एन . एस . -------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार काव्यक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ट

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13287/84-85----- ग्रनः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, का भारा 269-श के अधीन सभा प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण हो कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका खिल्ल बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव पर्लेट नंव 402 को वाल-इ-राम 2 4 थी मंजिल, उष्मा नगर ग्राफ लिकींग रोड मालाड (पव) बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षित्यम 1961 की क्षारा 269 क ख के श्रिकीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984।

को प्वॉक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मुख्य से कन के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंबरित की गई है जीर मुफ्ते कह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान पितफल से ए'स द्रयमान पिफलन का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है बौर अंतरक (बंतरकार) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकत, निम्नसिवित उद्वोध्य से उक्त सम्बर्ग विवित्न मे शास्त्रीयक रूप से कवित मही किया गवा है है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, अकत किंध-नियम के जधीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए,

बतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ≈ बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 42-96 GI/85 (1) श्रनीता कन्स्ट्रक्शन अंण्ड इस्टेट धायबेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चंद्रा प्रकाण पहानिया।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बार् करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के निए कायक्पेष्ठमा करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील त' 30 दिन की सबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुजना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिन्नी आव व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरों के पास सिक्षित में किए जा सकीने।

स्वव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त वज्दों और पदों का, थो उक्त अधिनिजय के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होंगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

पर्लैट नं० 402 श्री वाल-इ-राम 2 4थी भंजिल उप्मा नगर ग्रांफ लिकींग ोड मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

अतुमूची जैमाकी किंग्सं० अर्ध-3/37-ईई/13287/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई क्षाण दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ्र प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुभैन रेज-3 बस्बई

नारीख 10~5-1985

माहर :

प्रकृष बाह्र ही. एव. एव.,-----

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-म (1) के अधीन सूचना

शारक स्ट्रांक्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 धम्बर्ड

वस्वई दिनाक 10 मई 1985 निदेश २० श्रई-१/३७-ईई/15197/84-85—श्रतः मुझे ए० प्रमाद

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्वास करने हा कारण हो कि उधार सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार न,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान गंव 14 को कस्तूरबा ६मारत उपा कालनी रामक देन एक्सटेशन मालाट (पश्विम) बम्बई-64 में स्थित है (और ६समें उपाबक अनुसूची में और पूर्व किए से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 वी धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय में रमजिट्टी है तारीख 1 सितम्बर 1984।

को प्रवोजन सम्पन्ति के उन्जित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार सून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिय है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, जिम्मानिश्वित दश्योक से उन्तर बन्तरूष किश्वा परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य मही किशा परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य मही किशा परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य परा इंकिंग्य कर इंकिंग्य इंकिंग्य कर इंकिंग्य इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य कर इंकिंग्य इ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधीं स्थाप के अधीन कर दोने के अध्वरक के क्षित्रक में क्की करदें या उलके क्ष्म में कृषिका के जिए; और/मा
- (ध) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तिय! करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) अ अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिय था, खिला में स्रीतिया के लिए;

अतः अब, उनत विभिनियम की धारा 269-म को अनुसरण भी, भी, तकत अभिनयभ की भाग 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिनिक्षित व्यक्तियों, अभितः :—

(1) श्री प्रकाण मोतीराम भाटले।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चरनजीत सिंग और सतनाम सिंग ।

(अन्तरिती)

को यह सुभाना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बारू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दौकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स श्रीभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाष्ठि हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

धनुसूची

दुकान नं 14 जो कस्तूरबा इमारत उपा कांलनी रामचंद्र लेन एक्सटेणन मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/13197/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ्र प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) स्रर्शन रेंज-3 वस्बई

नारीख : 10-- प-- 1985

मोहर :

प्रकथ बार्च - टी. एन., एस ,----

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 वम्बई बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/20441/84-85—अमे: मझे ए० प्रसाद

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभाद 'जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (ब) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियस, ।। (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिश। के सिए;

अतः वस्त , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) अब अधान्, निम्निचिट व्यक्तियमी अवस्ति के स्व

(1) श्री चंद्रविजय जिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री हरउष कुमार एग० उदानी और ग्रन्य

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित क अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध म कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अ अकेश ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट न० ए-402 जा 4 भी मिजल "शितल छाया" इमारत सीटीएस नं० 651 77 एम०वि० रोड मालाङ (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसाकी करुसं० स्रई-3/37-ईई/2011/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रगाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-3. बस्बई

नारीख: 10-5-1985

माहर 🖫

प्रस्त बार्च : री. हुन् : हुन् :---

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) को बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक मायकर नाम्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनाक 10 मई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 601 जो 6 वी मिजल "अटलाटा" "एफ" विग प्लाट नं० 38 मार्थे रोड ग्राफ वालनाय विहलेज मालाइ (गिल्नम) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मितम्बर 1984।

को पृथा कित सपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यभाष प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वीं कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक्री (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया वृतिफत, निम्नीमिचित उच्चेक्सों से दक्त अन्तरण कि है है—

- (क) बन्तरण वे हुई फिली बाब की बावता, बचत बाजिनियुत्र के सभीय कर दोने के बन्तरक के श्रीकरण में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी वन या बन्व आस्तियाँ की चिन्हों भारतीय नाम-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, किया में सुविधा है किया;

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियमें के स्थान के स्थान की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियमें के स्थान कि

(1) श्री ग्रार०जी० बिल्डर्स भायथेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० प्रकाश राव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त इन्हरित के वर्षन् के विश् कार्यग्रहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकातन की तारीच वें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकरणं:---इसमें प्रवृक्त कर्यां बाँड पदों का, वा उक्क विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा भी उस बध्याय में दिका न्वा हैं।

मनुसूची

फ्लैट न० 601 जो 6 वी मजिल "अटलाटा" "एफ विग प्लाट न० 38 आफ वालनाय व्हिनेज मार्चे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋजसज ग्रर्ड-3/37-ईई/20476/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई 1

तारीख: 10-5-1985

माहरु 🖫

प्ररूप आई. टो. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई

वम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० श्रई-3/37-ईई/13194/84-85→-प्रमे: मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान न० 6 जो ग्राउड पत्नेग्रार मनाकी इमारत न० 2 प्लाट न० 48 49 और 50 वालनाय व्हिलोज मालाड (पण्चिम) बम्बई-64 मे स्थित हे (आर इसमें उपाबक्ष ग्रन्भूची में और पूर्ण भप में विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 काल्य के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 सितसर 1984!

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे जचन थे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या अत-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स

- (1) मेसर्स मनानी कार्परिशन ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमधी चंपा सी० मनमुखानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यगाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6 जो प्राउंड फलोग्रर मनाली इमारत नं० 2 प्लाट नं० 48 49 और 50 बालनाय व्हिलेज मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अतुसूची जैसाकी कि०सं० अर्ड-3/37-ईई/13194/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ्० प्रसाद सक्षम प्राध्विकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्वन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

नारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप वार्ड_ः टी. एत., एस.,--------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 धम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश २० ग्रई-3/37-ईई/13245/84-85---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव पत्नैट नंव 104 को के/युनिट काचन नालदा सोसाइटी मुदर नगर एसव्यीव रोड मालाड (पव) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसमें उपात्र अनुनूची में और पूर्ण एम विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1 मिनम्बर 1984।

को पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मृत्य म कल ल प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किश्वत में बास्तिक रूप से किश्वत नहीं किश्वा गया है है——

- (क) बन्तरण सं हुई कि बी बाम को बाबत, उक्त बीधिनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

बत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) श्री पिरोझ जी० चौकसी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मञ्जूर गाइड कोरोशिन कन्द्रोलर्स । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर मपन्ति में इतिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधींहरनाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट न० 104 जो के/युनिट काचन नालदा मोमाइटी मुंदर नगर एम०वि० रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

स्रनुसूची जैमाकी कल्संव स्रई-3/37-ईई/13245/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किता गया है।

> ५० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई

नारोख : 10-5-1985

मोहर् 🗓

प्रकल बाह्र . ह्ये. एन्. एक्.-----

कायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गुर्जन रेज 3, बस्बई

बम्बर्ड, दिनाक 10 मई 1985

निदेश भं० यह 3/37 ईई/12242/84-85---म्रत मुझे, ए० प्रशाद

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृस्य 1 00 000/- रा से अधिक हैं

1,00,000/- रा में अधिक हैं
और जिनकी से अफी। ने 61, जो, 1ली मजिल,
मानाड गार्निंग नेट मानाड (पे), बस्बई 54 में स्थित
हैं (जीर उन्से उपाब इ अनुस्वी में और पूर्ण रूप से अणित
हैं), ऑग जिन्न गरारनामा आदा प्रजित्तियम 1961 की
धारा १६९ १ वर्ग से प्रजीत बस्बई स्थित पक्षम प्रावि गर्ग
के गर्यात्व में रनीस्ट्री हैं नारीख 1 नितम्बर 1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
असिफ स के लिए अन्तरित की गई हैं कि मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्दह परिशास में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम
बाग गया प्रतिफल, निम्निनिकत उच्च देव से उच्छ अन्तरण
सिवित में वास्तविक रूप से काँचत नहीं किया गया है द

- (क) जन्तरण संहुद किसी बाय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाम्पित्य में अभी करने या उसमें अभिने भी सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाव या किसी धन या कत्य बास्तियों वर्ष जिन्हों भारतीय आय-कर क्षिधिनगम 1022 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रधाननार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना था, खिमाने में सविधा के विद;

बतः वदः वदः, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वनुसरण बाँ, माँ उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा 🔗 के अभीन. निम्नीतिकार व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन व्येव देपाई ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेनर्थ सकत उपारिमन ।

(ग्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोइ" भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की नारोक से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सवना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग ,

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रयूक्त शब्दों और पदां का, बो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, यही अर्थ हांगा जो उस कध्याय में दिया गया है।

बन्स्**धी**

श्राफिय नं० 61, जें, 1 ली मिजिन, मालाड आंधिंग सेटर, माताड (पण्चिम), बम्बई চ4 में स्थित है।

यनुसूची गैमाकी कल्म० य**ई** 3/37 **ईई**/12241/84-85 और गें। नक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रिगस्टर्र भिता गण है।

> ए० प्रसाद राक्षम प्राधिकारी सहायाः अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, बस्बई

ारीख . 10 •5 - 1985 मोहर : प्ररूप वाई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, वस्बई

बम्बई, दिनारः 10 मई 1985

निदेश स० ग्रई-3/37 ईई/20521/84 85----- मुही, ए० प्रसाद

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), क्यी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्ती स० पत्रैंट न० ए-13, जो, 1 ली मजिल, "नालंदा" हमाएत न० 1, एलाट न० 32 औए 33, वालनाय किहलेन, मार्ने रोड, माराड (पिण्नम), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इन्से उपाबह प्रनुस्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिपात करारतामा प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 में ज के प्रजीत वस्बई स्थित सक्षम प्रधित्तारों के कार्यात्र में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 गितम्बर 1984। को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार जंतिस्त की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया प्राया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औप/या
- (स) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक्षं व्यक्तियों, अधितः :--- (1) मार्स क्वीरन पार्क।

(भ्रन्तर्वः)

(2) श्री एउ० रामचद्रतः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवीहियां करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़षत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या सत्वाम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य कान्सि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकतेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न० ए-13, जो, 1 ली मजिल, "नालंदा" इमारत न० 1, बाजनाय व्हिलेज, मार्जे राष्ट्र, माजाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रनम्ची जैभाकी क०म० ऋई-3/37-ईई/20521/84-85 और ना पत्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३. बम्बर्ड

तारीखा. 10- 5- 19**85 महिर**् प्रकृष वाद् . टी. एन. एस . ननमान---

जायकाँ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुजना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायक दुनायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश स० ग्रई-3/37-ईई/20449/84-85------ मुझे, ए० प्रभाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दलके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थायर दश्योंत, जित्रका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से नौधक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 39, जो, 39री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लाप्ट नं० 19, 41, व्हिलेज मालवती, मालाड (पिक्सम), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपान्नड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), ओर जिसका अरारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 स्तिम्बर 1984।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफो यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमाम प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त विभिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; बीड़/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा वा बा किया जाना चाहिए था, कियाने सें सुविधा के निष्;

(1) मेयर्स हेमल इंटरप्राईंज।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जोसेफ परेरा।

(ग्रन्नरिती)

को यह बुच्या चारी कड़के पूर्वीक्य सम्मृतिस् के अर्थन् के लिए कार्यमाहियां कड़ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वीय या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी मुबीस बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इन्त सूचना के राज्यम में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीदर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए या सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुस्ची

प्लैंट नं० 39, जो, 3 री मजिल, हमल ग्रपार्टमेंट, $^{\rm c}$ लाट नं० 19, 41, मालवनी, मालाङ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैसानी क०सं० ग्रई-3/37-ईई/20449/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांव 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रा**धि**कारी स**हायक स्रा**यकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज-३, बस्बई

नारी**ख** : 10- 5- 1985

मोहर 🥫

प्ररूप् बाह्रै .टी . एन , एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13230/84-85--- ग्रतः मुसे, ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लट नं० प्राय/4, जो, हरीद्वार-1, श्रांफ मार्ने रोड, मिन चौकी, माराड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिनका करारनामा प्रायक्तर श्रावित्यम 1961 की धारा 269 हुख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 किनम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूत्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तिरत की गई है और मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित; व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी राजू एन० भनिजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वि०एम० भट।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हिन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

प्लैट नं० श्राय/4, जो, हरीद्वार-1, श्राफ मार्वेरे।ड, मित चौकी, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैमाकी कलमं० ग्राई-3/37-ईई/13230/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाट सक्षम प्राधिनारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 10⊶5--1985

मोहर 🖈

प्ररूप आई. हो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ई ई₁20327,84-85—यत:, मुझें, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 तथा जो तीसरी मंजिल, अजीत पार्क-ए, सोमवार बझार रोड़, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मेरिजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संमंदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया नया प्रतिक कन, निम्निसिबत उद्योचय में उक्त अन्तरण निम्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एेमी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, तत्त्व अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों उकत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री देणमुख बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

3. श्री अनिल ए० नापायनकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेव :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसंस्थी

पलट नं० 301,जो तीसरी मंजिल, अजीत पार्क-ए, सोमवार बामार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० 3,37 ईई, 20327,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

नारीख : 10-5-1985

मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भाषांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देण मं० आई-3,37 ई $\xi,20354,84-85$ यतः, मुन्नें, π ० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीप जिसकी संव फ्लैंट नंव 13, है, तथा जो "अमरीणइमारत", साईबाबा पार्क, तीसरी मजिल, मिन चौकी, भालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख अधीन, बम्बई स्थित मक्षमप्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री, तारीख 1-9-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क**िथत** नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा है लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—

मैंसर्स अरूण कुमार एण्ड एसोसिएटस

(अन्तरक)

2. थी हरि जान राड्रिग्ज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति द्वास;
- (स) इस स्कूजना के राजवण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्यी

प्लैट नं० 14, जो, तीसरी मंजिल, "अमरीण इमारत"; साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/20354/84-84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई-1

तारीख : 10~5-1985

मोहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37 ई ई/13507/84-85—यत:, मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पलैट नं० ए-10, जो तीसरी मंजिल, हरीद्वार-1, प्लाट नं० 18, 19, 20-ए, आफ मार्वे रोड़, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्वत है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के ब्रुवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को चन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कारियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**दित व्यक्तियों**, अर्थात् :---

- ा. श्रीमती चंद्रा कला अग्रवाल ।
- (अन्तरक)
- र्था इग्नाटीम डिमोझा

(अन्तर्राती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इसस्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

पलैंट नं 0 ए-10, जो, तीमरी मंजिल, हरीद्वार-1, प्लाट नं 0 18, 19, 20-ए, ऑफ मार्वे रोड़ मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37 ई ई/13507/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूपः वाहै टी . एन . एव . ------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) के अभीन सुचना

HISTO CAME

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई-1

बम्बर्ड-1, दिनांक 10 मई 1985 मिर्देश स० अर्ड 3/37 ई ई/13555/84-85—-यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरक्ष्म उन्त अधितियस' यहा गया है), की पारा 269-क के वधीन प्रसंध शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि उपांच सम्मस्ति, जिसका उचित वाषाड मृस्य, 1,00,000/- यह से अधिक है

ग्रीण कि कि स्व हुणान नं कि है, तथा जो ग्राउंड फ्लोअर, ''अंटलाट('', 'फ'' किए, प्लाट नं 38, आफ वालनाय विलेज, मार्ने रोड, मानाइ (प), वस्वई 64 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अतुपूची में पीर पूर्ण रूप में विणित हैं,) ग्रीर जिमका कर्यरमामा नाय हर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन तम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख 1 सिन्मबर 1984

का पर्वावन नामित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान भीराज के हैं नाम अर्थित की गई है और बुक्के मेह विश्वास कमने ते। जारा को कि प्रथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार बुक्ब, एसके इश्यमान भीतफल सें, ऐसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान में अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिय तय पाया नया प्रतिकाद निम्मानिकत उस्टेंक्स से स्वत बन्तरण विवित में सर्द्रा कर कर 2 कि भीत नहीं कि का नवा है: क

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी बाद की बादत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण से अधिन्छ में फसी करने या उससे यचने में मुविका 'में १४५; अधि:/का
- (अ) एमी किसी जाय या किसी भन या जन्म झास्तियों की जिल्हा भारतीय आय-कर जीधनियम, 1922 (१९९९) की (1) या तक्त जीभनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रशासनार्थ कन्तरिती युनारा अकट नहीं किया ग्राह्म या किया जाना चाहिए था, कियाने में

र पर, उन्न अधिनियम की भारा 269-ग के जनुमरण में का, उन्न अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, जिस्तिनिश्चित व्यक्तियों, वर्षात् १---

- मैसर्म जार० जी० जिल्हमे पाइबट वि०। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती एम० के० अग्रवाल पार अस्य । (अस्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त गम्पात्त कं अजन के सिए कार्यवाहिया . "करता हु"

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस के 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो में वर्गीय नाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यों कर देश
- (ण) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीन वं 45 वित्र के बीतर स्वत्र स्थादर सम्पत्ति में हितनव्य विश्वी सम्म स्वक्ति सुवारा आयोहरताश्रदी के पाव विश्वित में विश्वप भा सक्ते :

स्वक्तीकरण. -- इस वे अग्रवत कार्या और तर्श का, को उपन अधिनियम के अध्याय 20-वे औं परिभाषित हैं, विक्षी कर्ष होता को जन सामाद का दिया गया हो।

धन्स् की

दुकाम नं० 4, जो ग्राउंड क्लीअर, ''अटलांटा'', ए-विंग, प्लाट नं० 38, आफ बालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), सम्बद्द-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क॰मं॰ अई-3/37ईई/13555/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, प्रस्वई द्वारा दिलाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सलम प्राधिकारी गहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अञ्चर रेज-३, बस्बई-१

नारीख 10-5-1985

मोर ॥

प्ररूप बार्द: टी. एग., एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-३, बम्बई

वम्बई दिभाक 10 मई 1985 निर्देश स० आई 3/37 ईई/13556/84-85—यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा संभित्त है

ग्रीर जिसकी स० फाट त० 401, है तथा जो 4थी मजिल, "अटनाटा" "एफ" विस्त, प्लाट त० 38, आफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (१), बस्बई 64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ती में भा पूर्ण भप स विणित है, ग्रीर जिसका करारनामा आयस कि पिन्यम 1951 की धारा 269 क, ख के अधीन वस्त्री (भा काम पाबितारी अकार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1 स्नामार 1951

कां प्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के आयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापत्रिका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान पित्रका में ,, एमें दश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, रित्रमों) के बीच एमें अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिसित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सहुई किसी आय की बायत, उक्त अपि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और, या
- (क) एमो फिसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइनेट लि०

(अस्त्रसः)

2. श्रीमती सुमती डिकोस्टा

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मान्त के अजन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवत्री व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के मीनर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत सम्मिन य हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनुसाराभाक्षण क पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पन्धीकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-न का भारकाणिय है, वहीं अर्थ होगा जा उप का नाम में दिया गया है।

वनस्ची

परीट नं० 401, जो, 4श्री मजिल, ''अटलाटा'', ''एफ'' विग, प्लाट न० 38, आफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित टे।

अनुसूची जैसा कि का म० आई 3/37 ई ई/13556/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिभाव 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर नायुवन (किरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

नारीख : 10-5-1985

म्हिर 🖫

प्रकृष् काइ^{*}. टी. एम. एस्. =======

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (र्निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई-1

बम्बई-1, दिनाक 10 मई 1985 निर्देश सं० आई-3/37 ईई/13554/84-85---यतः मुझे,

ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० बी-502 जो पाचवी मजिल श्रीतल छाया इसारत सी० टी० एस० न० 652,77, एस० वी० रोड, मलाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संविणत है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उनके दृश्यमान प्रतिफन थे, एगे दृश्यमान प्रतिफ ल का पम्बद्ध प्रतिश सं प्रविक है और बन्तरक (प्रभारकां) और अन्तरिता (बन्तरितियां) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफक, जिल्लिकित उद्देश्य से इन्त प्रन्तरण निजित ने वास्तविक क्य से स्वित वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुद्दं जिल्ली नाय की वावत, अवस अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आडि/या
- (ख) एस जि.सी आय या िकसी बन बा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, खिपाने के सिवधा के लिए; जार/या

कत: क्षत्र, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-गं ॐ अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की ⊶स्थारा (1) के बुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री चन्द्र विजय बिल्डसं

(अन्तरक)

2. श्री जे॰ डी॰ टिक्नेवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के दिवर कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

राक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बिच्चा की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नवा है।

बस संची

फ्लैट नंब बी, 502, जो. पाचवीं मंजिल, शीतल छाया हमारत, सी०टी० एस० नंब 652, एस० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकिक एक आई-3/37-ईई/13554/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख . 10-5-1985

पोहर व

प्रकृष आहे . टी . एन . एस -----

नायकर जिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन गुणना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-3, अर्ज्द

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई० 3/37-ईई/20329/84--85---अतः मुभे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम 1931 (1961 का 4%) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 264-स के अधीन मक्षाय प्रभिकारी की यह विश्वाम करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसका जिला बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिलों सं० परैष्ट गं० 100 हैं, जो पहली मंजिल, श्रजीत पार्ग 'भी', गोगवार क्सार रोड, मा एड (प), वस्बई-64 में स्वित हैं (औं तारे गायद प्रमुशी में और पूर्ण मय ने विभा है), गीत जिला करार ग्रमा जायूर अवितियम, 1961 को घरा 269 के, या के प्रजीत प्रमुशी किया प्रमुशी हैं, तारीख़ 1 तिस्वर, 1984

कों प्रविक्त पर्णात के जीनन वाजार मृन्य में क्रांस के स्वयमान जीतफल के लिए अन्तरित को स्पं हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि गंधाप्यें कर सम्पत्ति का तिज्ञत सालार एक्स, उसके दश्यमान प्रतिपाल के एमें दश्यमान प्रतिफाल के एमें दश्यमान प्रतिफाल के राम्मह प्रतिश्वात में अधिक है तौर अंतरिक (अंतरका) और अंतरिकी (अंतरितयों) के बीच एमें अतरण के लिए तय गया गया पति जिला, निम्नलिधित उदयस्य में उक्त अंतर्ण निश्वत में शाम्मिक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी खाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंकी किसी बाब मा किसी भन या अच्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्यतियों स्वाप्त प्रकट नहीं किया यवा था या किया बाना श्रीहिए था, खियाने में स्विभा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिक्षित की प्रारं 260-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थाट :---

44 + 96 G1 /85

🕩 श्री देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती कुमृद लोकनाथ अंचन और ग्रन्य। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-स्व्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के शस निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ बिभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, बही वर्ष होगा वो उस अध्याय में सिका क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 106, जो,पहली मंजित, श्रजीत पार्क 'वी'' मोमुत्रार बझार रोड, मात्राड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ई ई/20329/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. = - -

सायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भाइत स्रकाह

कार्यालय, सहायक वायकर जाय्क्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

िर्देश सं० अर्ड- 3/37-ई ई/13208/84-85---यतः, मुझे, ए. प्रभाद,

भायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षत्र प्रतिथकारी कां, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थायर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नि नं पनैट नं 1 है, तथा जो तीसरी मंजिल, सर्वे नं 131, एच० एव न० 4 (अंग) और एस० न० 133, एच० नं 14 (अंग) और 15 (अंग), मृल्ड (प), बम्बर्ड नैती अपार्टमेंट में स्निन ट्री और उन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में पणित हैं), और जिन्ना ट्रारनामा आयार अधिन तियम, 1961 की भारा 269 है, ख के अधीन बम्बर्ड

स्थित सक्षम पाधि गरी, में गार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 गितस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पंति का उत्यत बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे और कन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे कन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रक्षिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अलारण ते णाई जिस्सी आम की दावत, उन्ध् मिल्लिम्स की अधीन कर दोने के अलारक की प्रतित्त में अभी करने था उससे बचने में सुविका प्रतित्त और/मा
- (क) ऐसी किसी अथ या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (14?? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ऑडिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ बन्तियी देनारा एकट नहीं किया गय या या जिल्ला जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

कत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रा बाँ उद्भव गीपनियम की धारा 269-भ की उपभास (1) को प्रतीय निम्मां नीसट व्यक्तियों, अर्थात्:— । कीएटाह्व बिल्डसं (मुलूड)

(अन्तरक)

2. इन्दर चन्द मुराना

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाह्यां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप 2--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्स्ची

प्लैट नं० 1 जो, तीपरी मंजित, एस०नं० 131, एच० न० 4 (अंश) और एस०न० 133, एच० न० 14 (अंश) और 15 (अश), मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैपा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/13208/84-85 और जो पक्षम प्राधिभारी, बम्बई द्वारा दिना ह 1-9-1984 को रिजम्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर अं

प्ररूप आई टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन संखना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनान 10 मई 1985

निर्देश सं० प्र**ई** -3/37ईई/20475/84--85----श्रतः मुझे ए० प्रशाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैंट न० 7, जो 3री मजिन दमला अपार्टमेटन, निर्माणाधीन इमारत, मी० टी० एस० नं० 650 और 652, मन रामदाल रोड, मुलूड, वम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रतुसूची में और पूर्ण क्य में विजित है) और जिपा हरारतामा प्रायम्बर प्रधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रयान वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित को गई है और मुम्में यह विश्वास करन का कारण है कि यथापुर्वाक्त मंत्रीत को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और प्रमें यह विश्वास करन का कारण है कि यथापुर्वाक्त मंत्रीत को उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण निविक्त में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है के---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

असः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मैं-ार्स वि गय बिल्डर्भ।

(अन्तर्ग)

(2) श्रीमती प्रतिभा देवराम गापडे।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा शी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में म किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त न्यापर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शह तिस्ति मा किए जा सकेंग।

स्पक्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होंगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

वन्स्धी

पर्लंट नं० 7, जो उनी भिजा, तमला अपार्टसेप्टम, (निर्माणाधीन इमारन, सो० ट०० गन्न न० 650 और 652, संत आमदाम रोड, मृलूड, (पूर्व) वस्पर्व-81 में स्थित है। अनुसूची जैसा थि कम ल० अई-3/3785/20475/84-85 और जा नक्षम पाधि गरी, तन्बई ब्राया दिनाया 1-9-1984 को रजिस्टई िया गथा है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), छर्जन रजन्ड, बम्बई

दिना । 10-5-1985

मोहर:

९ ज्या साथ'. हो. एस. स्ट.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नुषीन सूचना

धारत वृत्रभाष

कार्यासम, सहाम्ध धानकर काम्फ (निरक्तिक्ष) धार्जन रेंज-3, बस्बदी

वस्बर्ड, दिनार 10 मई 1985

निदेश तं० अई -3/37ईई/20473/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रताद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उम्रित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्ता त० पर्नेष्ट नं 8, जो, 3री मंजिन, जमना प्रपार्टमेंटन, निर्माणाबीन उमारत, सी० टा० एस० तं० 650 और 652, संन रामदा। राइ, मुलुड, (पूर्व) जम्बई-81 में स्थित है (और इनस उपायद्ध यनुपूर्वों में आर पूर्ण रूप स विणित है) और जिस्ता ररारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 2694, ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिशारी के नार्यात्य में रजिन्द्रों है, तारीख 1-9-1984

करें प्वेंक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई हैं और मूके वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिकत सं अधिक है और असरक (जलरकों) और असौरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के निए तब पावा नया प्रशिक्ष क विश्वासीयत उप्योक्त से उस्त मन्तरण विश्वास में कार्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एति किसी काम ना किसी धन मा अन्य आरितायों का, किन्हें भारतीय आयकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनिजय या धनकर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं कः, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्विक्तयों, अर्थात् :---

(1) मैं। भें जि पन खिल्ड में।

(अन्तरह)

(2) श्रीमनी मंगना हरीमचन्द्र तीवर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करक पूर्विक्त संपत्ति क्रे अर्जन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

समह सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई में बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान कर राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवाध का तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवाध, जा भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के जीतर प्रविका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृशाहा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की वारीस से 45 किन के समान ठवत न्थावर सम्पत्ति में हिळ-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी से किस

स्यक्टीकरणः ---- इसमें प्रस्कृत शब्दों और पदो का, जो उक्त आवासीक के कबान है। के में प्रस्काणिक हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया अया हैं।

तन्युवा

फ्लैट नं० 8, जो उरी मजित कमला अपार्टमैंटम, निर्माणाबीन इमारन, ती० टो० एन० नं० 650 और 652, संत रामदाप राष्ट्र गुलुङ, बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूर्वी तैना ि यम मं० अई-3/37ईई/20473/ 84-85 और मा १क्षम १७१४ मर्ग, बन्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का एजिस्टई िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाक: 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

मई दिल्ली, दिभाक 10 मई 1985

निर्वेश सं० आई-3/37 ई ई/20474/84-85---यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जिनकी सं० पलैट नं० 4 जो, दूसरी मंजिल, भिर्माणा-धीन इमारत, कमला आहिंमेंटम, सी० टी० एम० नं० 650 स्रीर 652, सत रामदात रोड, मुलंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (स्रीर इनम उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण इप से विणित है), स्रीर जिसका करारभामा आयकर किंबियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के इनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. श्री विकास बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री बन्बाल मोहनदास भट्ट

(अन्तरिती)

का यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

बन्स्ची

फ्लंट नं ० 4, जो, दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन इमरत, कमला अपार्टमेंटस, सी. टी॰ एस॰ नं ० 650 श्रीर 652, संत रामदास रोड, मुलंड (पुर्व), बम्बई-81 में लियत है।

अनुसूची जैसा कि कि लं अाई-4,37-ई ई,20474,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

तारीख 10-5-1985 मोहर : प्रभव भार ही एन एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्थानय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिलांक 10 मई 1985

निर्देश सं॰ आई-3/37-ई ई/20536/84-85---यतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बागर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 2 है, तथा जो पहनी मंजिल, कमला अपार्टमेंटस, निर्माणाधीन इमारत, सी० टी० एस० न० 650 भीर 652, संत रामदास रोड, मुलुड (पूर्व), बम्बई-80 में

स्थित है) ग्रांर इस से उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपयान शिष्क को लिए अन्दारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त का सिंप का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त का कि स्था से कि से कि स्था सुत्री किया सुत्री है ...—

- (क) जैतरण ते हुई किसी भाग की बाबत, उथत जीवीनपत्र के अधीन कार कन के अन्तरक के बासित्य भे कभी करने हा उससे बचन में सृतिया के जिय; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कृषिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उसत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अथित् :---

1. मैसर्स विकास बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री मुरेश नरसिम्हा कामय

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अवधि या तत्मत्रंभी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांत्र व्यक्तिस्ता में से जिसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थला की राजपण को प्रकाशन की साहीय हैं

 4.5 किय के सीतर उक्त स्थावर संस्थित को हिस्स्कृष

 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सथाहरताक्षरी के वास
 लिखित में किए का सकीगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, को उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस प्रध्याय में विका मुना हुई ।

अनुसूची

पर्लैट न० 2 जो पहली मंजिल , कमला अपार्टमेंटस, निर्माणा-धीन इमारत, सी० टी० एस० नं० 650 श्रौर 652, संत रामदास रोड, मुलंड (पूर्व), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं आई-4/37-ई ई/20536/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 -9-84 को रिजस्टडं किया गया है:

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ई ई/20538/84-85---यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 67 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 723, नाहर जिलेज, तालूका कुर्ला, मुलंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पृर्ण रूप में विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम' 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर, 1984

को पूर्वीक्स सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, भो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल :---- श्री गांविन्द नारायण मिश्रा ग्रांर अन्य

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर दत्त मंगल दुबे भ्रोर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्धी

सर्वे नं० 67, (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 723, आहूर ह्विलेज, नालूका कुर्ला, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि का० सं० —अई-4/37 ई ई/20538/84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधि हारी, वम्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

तारीखा : 10-5-1984

मोहर:

प्ररूप आई, टी. एन., एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई बम्बई, दिभास 10 मर्र 1985

भिदेश सं० अई-3/37-ईई/20398/84-85--अतः मुझे ए॰ प्रसाद०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राचिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर मम्पीत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रांर जिसकी म० युनिट नं० 2 ग्रांर 7, जो, ग्राउंड फ्लोअर, वर्धमाम इडिस्ट्रियल प्रिमायभेस को-अपरेटिव मोमाइटी लि०, भांडूप, बम्बई-78 में ल्यित हे (ग्रांग इसम उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विभिन्न ह), श्रांग जिसका करगरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के उधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, दिशा 1 मिनम्बर 1984 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं और मुर्फ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बोच एम अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निखित में वाम्तविक रूप म कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण भें हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क शौयत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- रहें एकी किया आय या किया धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाग चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) में ससं नेशनल पेटस मैन्युफैक्बरींग कपनी । (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स सोनानी इडस्ट्रिज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस क्ष 45 दिन की अर्जाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अर्जाध, जो भी बर्जाध गढ़ में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरों के पाम निश्चित में किए जा सकरा।

स्पष्टोकरण:—हममें प्रयक्त शव्दा और पदा का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहा अथ हाना न उस अब्बाय में दिया नया है।

यनुष्ची

युतिट न० 2 स्रोर 7 जो प्राउउ पतोण, वर्षमान इड-म्ट्रिया जिमायतेष को:जानर्गध्य मोपायटी वि०, व्यिहनेज रोड, भाडून, बम्बई-78 में रियत है ।

अनुसूची जैमाकी ऋ० स० अई-4/37-ईई/20389/ 84-85 श्रोर जो सजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 सितम्बर 984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेज–3 बम्बई

दिभाक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-उ, वम्बई

वम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश म. अई -3/37-ईई/13337/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** ध्मके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 / - रु से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० डी०-14, जो उसरी मजिल महेश्वर अपार्टमेट ,जे० एस० डी० रोड, म्लुड (प), बस्बई 80 में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण मप से वर्णित हो), ग्राँर जिसका कराण्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, दिवाक 1 सिनम्बर 1985

को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मरूप संकम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ६२थमान प्रतिफल से, एसे ६२यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी अरन या तसर बचने मा शिवधा व िसा वैष्टा,
- (ख) एसे किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियाँ का, जिल् सार पेप अस्पर जा जीनयम् । १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए नज-वर त 'राज १७ , (१०५२ जा ८/ व प्रयोजनार्थ अवस्ति द्वारा प्रकट कहा विद्या गया भाषा किया काना वर्षत्र पर छिपान च सिवल के निए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात --45 - 96 G1/85

(1) श्रीमनी बिद्द रवन मेहता ।

(अन्तरक)

(४) या कातीताल, क्रिश्तीमाई घार स्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारा करक पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षप .---

- (क) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पर्ध्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ हाना, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसभी

फ्लैंट न० डी-14 जो तीसरी माजल, महेश्वर अपार्ट-मेंट जें० एम ही रोड, मलड (प), बस्बई-४० में स्थित ਹੈ।

अन्मुची जैसाकी करु सरु अई--4/37-ईई/13337 84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशार 1 सितम्बर 1984 की रिजस्टर्र किया गया है।

> ए० प्रमाद, सजम प्राधिकारी महायक आयक्य आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-उ, बम्बई

दिभाक - 10-5-1985

साहर 🕠

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

(1) ५० टी० फिलिप्स ग्रार अस्य

(अन्तरक)

(3) श्री विश्वनात एनः, कामदार ।

(अन्तरितीं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन रेज ३, बम्बर्ड

बम्बई, दिमाक 10 मई 1985

निर्देश म० अर्ट-*3*/ 37-देई /13548/84-85--अत मझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पृतिष्ट न० 32, जा ग्राइड प्रताअर, भाडप विशाल इडस्ट्रियल प्रिमायसम् का आप० सामायटी लि०, व्हिलेज रोड, भाडूप बम्बर्ट-78 म स्थित र् (प्रीप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पीप पृण स्थ सं वर्णित है), श्राप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिसार ! स्तिम्बर 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंग अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है
 - (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार माम्विधा के लिए;

अध. अब, उक्त अधिनियम बरी धारा 269-ग के उरायरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के स्थीन, निम्निनियम व्यक्तियों, अर्थात — का यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्धि :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को अविधि या तत्मबधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोद्ध स्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा दिया गया

ग्रनम्बो

युनिट त० 2.2, जा, गाउड फणाजर, भाइम विशाल इडस्ट्रियल प्रिमायरोम का० आपर्यट्य सामायटी ति०, विहलेज राष्ट्र, भाइम अम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी ऋ० म० अर्ड-4/37-ईई/13548/ 81-85 श्रीर जा सक्षम श्रीधियारी, बम्बर्ड द्वारा दिनाक 1 मिनम्बर 1981 का रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद, गक्षम प्राविकारी महायक अयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-३, वस्बर्ट

दिनाक — 10**—5—1**985 । मोहर

प्ररूप भार्च .टी .एन .एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-उ बम्बई

बम्बई, दिगाक 10 मई 1985

निर्देश म० अर्र-3/37 - 22/13371/81 - 85 - - अत मसे, ए० प्रसाद,

भायकर अधानयमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों का यह विश्वाम करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र म अधिक है

श्चीर जिसनी स० युभिट न० 220, जा इसरी मजिल, हिरानदानी इटस्ट्रियत इस्टेट, राजूर, मार्ग, बस्बई में स्थित है (श्वीर दसरे उद्दात अनुसूची में श्वार पूर्ण रूप स विणित है, श्वीर जिस र अराश्मामा आयनर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीर वस्बई स्थित सक्षम शाधिनारी के रायित्य में रिजस्ट्री है दिनाक 1 सितस्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान लिए बन्तरित और की गह्र यह विष्वाम करने कारण कि का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल सं., एसे ख्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं गया **₹*** ⊱—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के नवीन कर रन के अनरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया आना चाहिए था, छिपाने मा मुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनः फ मो, मौ, शक्त अधिनियम की गरा २69-य की उपधारा ।) क अधीन, निम्निनिक्ति - र्शिक्तयां अधीत् ---

- (1) मैसर्स हिरानदानी इडस्ट्रियल इटरप्रायजेस । (अन्सरक्र)
- (2) मैसम अगर तलमादान एक्सपोर्टम प्रायवेट लि० (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मबध मा कोई भी आक्षप :- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरभम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषि॥ है, वहां अर्थ होंगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

भन्स्यो

युनिट न > 330, जा द्गरी मौजल, हिरानदानी इड-स्ट्रियल इस्टेट काजुर माग बस्वई में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी क० स० अई~ 3/37-ईई/13371/84-85 और जो सजस प्राविहारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 सितम्बर 1985 को रजिस्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-3, बस्बई

दिनाक 10-5-1985 **भाहर** .

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देण म० श्र $\sin \frac{1}{3} - 3 = \frac{1}{3} - \frac{1}{3} = \frac{1}{3} - \frac{1}{3} = \frac{1$

आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-र म अधिक है

और जिसको स० पृतिट न० 15, जो, विशाल इडस्ट्रियल इस्टेट व्हिलेज रोड भाडूप बस्बई—80 में स्थित हैं (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूण रूप में विणत हैं), और जिसका करारनामा स्नायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क छ के स्रधीन दिनाक बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री ह, दिनाक 1 गितस्बर 1984 को

का प्वींकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्र है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल स, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त् अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उसत बोधनियम के अधीन कर दन क अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंची किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्थ सी० डी० एम० एस० इन्व्हेस्टमेटस प्रायवेट लि०

(ग्रन्तरक)

(2) जसवत सिग्जी गारा ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति कं अर्जन कं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी प्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पर्योक्त ब्यक्तियों मा से किसी ब्यक्ति द्वारा.
- (का) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारी के स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों अर्थर पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

युनिट २० 15, जो विशाल ३डस्ट्रियल इस्टेट व्हिलेज रोड्र भाइप बम्बर्ग-78 में स्थित ह ।

अनुसूची जैसाकी कि० स० अई-3/37-ईई/13533/ 84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी वस्वर्र द्वारा दिदाक 1 सितस्वर 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रासाद सक्षम प्राधिकारी (सिरीक्षण)

गहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, बम्बई

दिनाक 10-5-1985

मोहर ः

प्रक्ष बाई.टी.एग्.एस्.-----

माध्यकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन समना

भारत बहस्मर

कार्यालय, सहायक भायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3 बम्बई

बम्बई दिनाक 10 मई 1985

নির্বিজ শৃত সুর্হ—3/37--ইই/13641/84-85—-সুন, মুজ , ৮০ সমার.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के नवीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,006/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी से फैक्टरी फिसायसेंस युनिक इडिस्ट्रियल इस्टेट में मुल्ड (प) वस्चई-80 में स्थित है (और इससे उपाबक संसुशूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 भी बारा 269 कक्ष के अबीत बस्वई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिताक 1 सितस्वर 1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मून्य म कम के बदयजा प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है को मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित ककार मृत्य उसके दश्यजान प्रतिफल के प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के बिए सम्पत्ता गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उन्त बंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप में किंगत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बामचा, जन्मका अधितिसर, को अधीन कार दोने को अन्तरक को खड़िशस्य में कनी करने या उससे अचने में सुनिधा नो जिछ; खाँर/था
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क्य 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री श्रार्ण बंक कारा

' (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हमभुवर गागनी सार ।

(अस्तरिर्ना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह**ै**।

उक्त सम्बत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अर्थाध या अत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया द्वारा,
- (च) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीटर उपन स्थावर नर्पान्त मा हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विग। गया है।

मम्स क

फॅक्टरी फ्रिमायसेय धुनिक धडरिद्धत धस्टट में जो मुलुड (प) बस्बर्ध-४० में स्थित है । अनुसूकी जैसाकी कर ५० अर्ध-"/०७ नंडी/13631/

84-85 और भी सक्षम प्राप्तिकारी अभ्वर्द हारा दिनाक 1 सितम्बर 1985 भी राजस्टर्भ किया गया है ।

> ए० असाद यक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायाग्य पायुक्त (निरीक्षण) प्रजेत रेज-उ, बस्बई

दिनाक 10- 5-1985

महिर :

प्रकृत साहं टी. एव एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अधीन संभाना

भारत सरस्वर

कार्यात्तव, एडायक वायकर वायक्त (निरीक्रण)

ग्रजन रज-३, बम्बई

बम्बई, दिनाय 10 मंड 1985

निर्देश २० ग्रई - $\frac{7}{27-55}/15316/84-85-7$ प्रत. मझे, ए० पसाद,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पास्थिनारा का, यह निक्नार करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु संअधिक है

और जिसकी सुरु पहाँट नह 31 जा ए-विश तीसरी मिजन निल्मा अपार्टमेंट एसर पीर एस मार्ग मार्चू पम्बई-78 में स्थित हैं (आप सुरा उपायक्त प्रमुख्नी में आप पुण रूप से बिणा है) और जिसका करारनामा आयुद्ध प्रिन्यस 1961 की जारा 269 रख में प्रदीन बम्बई स्थित सक्षम प्रादिदारी व नार्यालय में प्राप्ति हैं दिनाइ 1 सिनम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के रण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूओं गृह विश्वास करने जो जारण है कि यथापर्वाक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रांतशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितो (अन्तरितियाँ) के बीच एन अन्तरण के लिए श्र्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्यक्ष से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ---

- ्र) अन्तरण सं हुक् किसी आव की श्राण, उद्धः १८ निवस के अभीत कर रेटे के अस्तरक र बाजिएव के किसी करते के उसमें बचने में मृविधा के सिक्क करि/क
- (ख) एसी किसो आग पा किसी पन या शन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १०११ (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, ६. भन रा अधिनियम, १५-/ ११९-७ की 27 की 27 की 27 की विशास अध्या था विश्व जाना चाहिए था किया की स्विध की सिर्धा की निए।

जत जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269 प उपधारा (1) हे अधीन, निम्नी नोम्बत काक्तिया अधीर -- (1) भैसर्ग गणेषा विल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(4) श्रीमती टी० सरस्वया कुम्प ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गरना हो।

उक्त सपित्त के बर्जन के सम्बन्ध मा काई भी बाक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स्वीकती प्रक्रित देवारा,
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्दूध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिमित में किए जा सकरी।

स्पर्व्याकरण - इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहां अथा । जा उस अध्यास में दिया गया हा।

सम्भ वर्षे

फ्येंट २० 34 का ए-दिश नीगरी मंजिल निलिमा अपर्टिकेट एस० ११० एग भएक मा_उप बम्बई-78 में स्थित है।

स्रत्यूचा जैसाका १०२० सहै - ३/37ईई/13316/84-85 भार में सन्म प्राधिकारी सम्बद्ध ारा दिनाक 1 सितम्बर 1984 को रिजस्टन निया गरा ै।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक गाप्रचय पायक्त (निरीक्षण) प्रजन रजन्म, बस्बई

िनाव - 10-5-1985 माहर __ _ ------------

प्रकृष आहे.टी.एन एस.----- (1) भैसर्भ किलांटन बिल्डम (मृत्रेड)

(ग्रस्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) कं अधीन सूचना

(3) श्रा मिर्नाम के जया ह

(ऋनरिकी)

भारत सरकार

कर्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

श्रद्धंत रंज-३, तम्बर्द

बम्बई, दिनार 10 मर्ट 1985

निर्देश म० अर्ध-3/37-⁵र्री/13544/84-85 --- स्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम अर्पिकार। का यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उत्रिक्त राजार मूला 1,00,000/- रु म अधिक हैं।

और जिसकी स० फ्लैट न० 5 जा दगरी सजित दैती। श्रपार्टमेंट एस० २० १३१ एचं० २० ४(जण) जार एस० निक 133 एवंक निक 18 (अण) और 15(अण), मलुङ (पूर्व) बम्बर्ड में स्थित है (और अस उपावक अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) जार जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रहिनियम 1961 वी धारा 264 कड के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायोजय में रिजर्म्ही है दिनाक 1 यितम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान प्रतिफल क' लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवन सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल स एस द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह श्रीतशात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण के लिए नय पाया गया श्रीतफल, निभ्नितियत उददश्य ५ तकत अन्तरण लिखित म नास्तविक रूप स कथित नहा किया गया है --

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसस बचन में स्विधा क लिए, बौर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तिया को, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियश, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-प्रयोजनार्थ जनरिनी दुवररा प्रयाद नहीं किया गगा था या किया जाना चाहिए । छिपाने में मिविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा १६५-घ की उपधारा (1) डे ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्थात ----

को यह भवना प्रारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्गनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गबध में काहाँ भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उनींध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मुचना की तामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

श्यव्योक्करण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदौं का, गें उक्त अधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित है, वहीं रर्भ हागा जा उस अध्याय में दिया गभा है ।

प्रचनुत्रो

पर्लंट न० र का दमरी मजिल वैती स्रपाटमेटस, एस० न्व 131, एचव २० ४(४४) और एसव २० 133,एचव ন্ । । (রম্) লাল । বং (১ম) (মুল ই) (বুল) বুমুবার্চ মু स्थित है।

स्रनमुद्धी जैमारो ते के सूह सूह न प्राप्त में न प्राप्त में प्राप्त स्थापन 1984-85 और को सक्षम प्रानिकारी बम्बई ढारा दिलाक । सितम्बर १५८४ वा विजन्छः किया गया हा।

> ए० प्रसाद सक्ष्म प्राधिकारी यरापर प्राथार पाक्षा (निरीक्षण) प्रवास राज अवस्वई

दिसार - 10 5-1985 माहर

MAN MIS" ET. CH OH ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १८५-व (1) के अधीन स्वमा

मार्थ गएकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेज-उ, बम्बर्ट बम्बई, जिनाक 10 मंग्री 1985 निर्देण मः प्रष्टं ४/३७-ईई/ २०४४७ /४४-४५--प्रत मझे, ए० प्रनाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमे इसके पश्चान् 'उक्त भीधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा सं अधिक हैं।

म्रीर जिथकी सर पाँट नठ 13, जा, तीगरी मजिला, एगठ ने० 47 प्रीर 19, गरिभगाड़ा राट म्लंड (पूर्व) बम्बई-81 में प्थित है (आर इससे उपायह प्रतसूची से सीर पूर्ण रूप से विणित है) आर जिसता क्यारनामा शायकर प्रधिनियम 1961 का तारा १८५ व स्व के अतीन वस्बई स्थित सक्षर प्राधिकारी के तापीलय में सीतस्द्री है दिनाक । सितस्वर

को भूत्रों। इत सम्पन्ति को उत्तित बाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए क्यों राहा गाउँ ते। और पुर्केदह विस्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, असकी दश्यम भी।पान स एस दश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और भन्तिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एँसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निश्चित मा तस्राविक रूप में कीशत नहीं किया गया ही ---

- (क) अलारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिला में कभी करन या रशम जबने में सुविधा के लिए **भा**ष्य /धा
- ा#१ एना किसा राज्य ता काची वन का **अ**न्य अधिसनयौ को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1422 (1922 का 📳 🖺 उत्तर अधिनियम, था धनकाः अस्तिवयम, 1957 (1957 का 27) प प्रधाननाथ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं कियो। गारा या किया जाना चाहिए था, **छिपाने** की मविधा के लिए,

अस अन्तर, उत्पन को घोषिय को धारी 260 म वर्ष अनगरण मों, मी उवत अभिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तनिष्ति व्यक्तिया, अशीत :--

(।) मैगन था जा इटरपायजस ।

(ग्रान्तरक)

(2) श्रामता ज्यावाबाला जा उत्कार । (ग्रन्तर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हा।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवीथ भाद से पमाप्त हाना हा, का भीलर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हिस-बदभ किसी जन्य व्यक्ति दुवारा सभाहस्ताक्षरी क पास लिक्ति मंकिए का सकरेगा

स्पच्टीकरण --इसमें पापः भव्दों और पदां का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कथंद्रामा जा उस कथ्याय में किया नया है।

पलैट न० 11 जा तीयरी प्रजिल जमीन वेग्ररीम सर्वे न० 17 सार 19 गनाणथाहा राउ मल्ड (पूर्व) तस्बर्5—81 मे स्थित है ।

ग्रनमूची जैमाकी ऋ० स० ग्रई-3/37/ईई/20187/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक । सितम्बर 1984 का रिजन्डई किया गया है।

> ए० प्रमाद, नक्षम प्राधि∞ार्ग) ाहायाः आकृति रायमा (निरोक्षण) स्रान रेज-३ प्रस्वर्ध

दिनाक - 10-5-1985 मोहर .

प्रस्थि कार्ष टा एन. एस - -- «

कायकर विभिन्यमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत तरकाः

कावलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पना रेन-उ, बम्बई प्रस्वई हिना 10 पर्ट 1985 निर्देश म॰ अ⁺- 3/37-ईई/ 1 357 /81-85--- श्रन

मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परसात 'उक्त अधिनियम' का गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकार का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अर्थात्त जिसका उम्बत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह में अधिक हैं।

श्रांग जिल्ली सठ भौट तर 401 ा वायी मजिति, इमारत न० ए-1 य्याम नग भाटप (पूत) बम्बई-78 म स्थित हे (ग्रार हो। उपायद यन्पूर्ती स ग्रार पूर्ण स्प मे वर्णित है) प्रार्टीका क्षारनामा प्रायत्य प्रधिनियम 1961 को प्राप्त 269 र स्व के प्रधार वरबई रिपन पक्षम प्राधिसारी ६ तार्याचि में जिस्ती है दिनात 10 मितम्बर

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास मन्त्र का भारण ह दि सन्पूर्णलेन सम्पत्ति का रीवन बाजार मला इसको बन्यमान एतिएल में ऐसं बद्धमनान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती भ-रिर्शनिया) क शीच भागे कालरण के भिग्न तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दार्थ से उक्त अन्तरण सिंखित में बास्तिषक म्बप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बालरका में हुन् फिली बाब को बाबत जनत गाँच-नियम के मधीन कर इन की ललारक को सोधार ज कामी करने या भाग अवस ६ महिला व । त भौर/या
- (का) एमा किसी दाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे रिल मार पर वर व घरिनास 1922 (1922 का 11) या बहन अधिनियम, या धन-कर बार सम्म, ११३/ (1937 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी दुवारा प्रकट नहीं किया। गया १, दा किए। एपरा श्रीक्षण का हिपान में गाविधा

 रटीनयन की भारत 269-व की बन्चरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात ---46 96 City 45

(1) मैनम स्टार बिल्डम ।

(ग्रन्तरक)

(१) माधना रत्न(बा नापन ।

(भ्रन्मिरती)

को यह मुखना शरी करको पूर्वीक्स इक्सीस्त को बर्जन को स्विध् कार्यवाहिया करता हु।

उबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा काई भी नाक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जाभी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर प्राविद्य व्यक्तियों भा म किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भौतर उक्त स्थावर सपन्ति में हित-बद्दभ किसी बन्य ब्योक्त पवारा, अधाहस्ताकारी के पाह निक्टिम किए वा सक्ति।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क स- यथा परिभाषित हा, वहा अर्थ हाला । अ) उस अध्याण म दिया गया ह^।

अन्स्यो

पर्वेट नंग 101 जा, चांधी मजित ए−1 इमारत ज्याम नगर माडप (पत्र) बर्माई-78 में स्थित है। यनप्ची जैसाका ४० स० यई-3/37-दई/1३३57 84-85 आर जा सक्षम प्राविकारी बस्बई द्वारा दिनाक ! तिनम्बर 1931 को र्याजस्य किया गया है।

> ए० प्रभाद पक्षम पाविकारी ्राम् आप र घायका (निरीक्षण) श्रानन रजन्त, प्रस्प्रई

िनाम - 10-5-1985 माहर .

प्रकल आहें, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ল (1) को अधीन मुख्या

बार्स सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-७, वस्वर्ड

बम्बई, दिनाक 10 सई 1985

निर्देश म० ग्रर्श-3/37-ईई/20471/84--85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम लिविकारी की, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सर्वात जिसका लिया शाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एनंट नं० 3 वी पहली मजिल, ऋषभ मिलन, फ्लाट नं० एग० न० 74 डो० पी० रोड, मल्ड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपायड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसकी करारनामा श्रीयकर श्रीधिन्यम, 1961 की धारा 260 क,ख के स्रश्नीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरितयों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य स उवत अन्तरण विश्वित में वास्तिक एस स क्षिण तहीं किया एसा है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किथी जाय की वावत उक्त जिथ-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, भारत्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्नियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के बनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बनीन, निम्निनिधिन व्यक्तियों, बर्धात् हुन्स्न

(1) मैंसर्स अजय विल्डमं ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० कुलकर्णी ग्रीर ग्रन्य ।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कजन के निए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में स्थिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नगराची

फ्लैंट नं० 3 जो। पहली मंजिल, ऋपभ मिलन, प्लाट एस० नं० 74 , सी० टी० एस० नं० 564, डी० पी• रोड, मुलूंड (पुर्व) बम्बई-81 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रर्ट्-3/37—ईई/2047184-85 श्रींग जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1 सिनम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक :-- 10-5-1985 मोहर :

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जेन रेज-3, बम्बई

वम्बई दिनाए 10 मई 1985

निदण स० प्रई-3/ 37-ईई/ 13347/84-85--श्रन मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा स अधिक है

स्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 1 जो पहली मजिल, ऋपम मिलन प्लाट न० एग० न० 74 डी० पी० कास रोट, मुलट (प्व) वस्वई—81 म स्थित है (स्रीर इसस उपाबब स्रतमुची म स्रार पण रूप स विगित ह) स्रीर जिसका करारनामा स्राप्तर प्रतिसम 1961 ती जारा 269 त ख के अधीन बम्बई स्थित सजम प्राधितारी के रायालिय म रिजस्ट्री है जिनार 1 स्विन्वर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतारत की गई है और मृद्धे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक लप से किथन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुएं किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्राप्यत्व मा कमी करने या उसस बचन में स्विधा के लिए और/या
- (स) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ते जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम 1922 1992 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचा अर्थाना अर्थ

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के के अवीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) मैरास प्रजप्त विटास ।

(अन्तराः)

(2) शा ए० प। रामनाजहान प्रांत अन्य ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दरारा क्षाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शाया, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्यूची

पत्रैट न० 1 जा पर्ना सिजित शुर्म मिलन प्ताट न र 74 वार पार नाम राज मता (प्र) बम्बई-81 पे स्थित र ।

सन्। ना का का का सह सह साम दिनाका । 84-85 प्राच का राजन प्राचिताका सम्बद्ध द्वारा दिनाका । सितम्बर 1981 ना एजिस्टन निया गया ८ ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिका**री** नहायन श्राधनर श्रायुक्त (निरीक्षण) यजन रंज-3, बम्बई

िनाम १० ७ १९८३ मोहर ६ पहला आहे हैं है में एम --

শাংশাৰংকেই কাপিনিখিল, 1961 (1961 ৰালেৱন হিলা পাৰ্য 269 শ () ৰ জ্বালি স্থান

ごね・こまがい

कार्यामय, सहायक कर कर काम्कर (निर्गाभण)

अर्जंभ रेज 3 धम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश म० अई—अ०,—ईई/13565/84—85 --अन मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनिरम, 1961 (196, तो इंट) विश्व इस्ट इसके प्रवाद उक्त किविनियम कहा गया है। का धार 269-इ उ भभीन सक्षत्र प्राधिकारों का, यह विश्वास अपने का कारण हा कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उच्चित शाखार मृज्य 1,09,000 एउ स अधिक ही

स्रीर जिसकी रा० फ्लंट न० 6, जा, पहली मजिता, ऋषभ दर्शन, प्लाट न० एस० न० 74, डा० पी० रोड, मृतृड (पूर्व) बम्बई --81 में स्थित हे (स्रार इसने उपाबद्ध अनुसत्ता में स्रीर पूर्ण रूप स विणित हे), स्रार जिसका करारनामा आयकर अवितियम 1961 की धारा 209 के, ख क अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय म रिजस्ट्री है दिनाय । सिनम्बर 1984 को

की पुनांकत सम्पोत्त का अन्त बाजार मृन्य स का क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गड़ हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंकत सपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उपक दश्यमान अनिफल सं, एस द्वयमान अस्फल का पन्त्रह अतिशत सं अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक (अन्तरिका) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्बध्य स उक्त अन्तरिक लिखत में वास्तानक रूप स काथत नहीं किया गया हैं .--

- (क) अन्तरभ स हुइ किसी शाय की अवत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक क वासित्व में कमी करने या उरुम बचन मा प्रोवधा के लिए; सरि/या
- (क) एसो किसी शाय का किसो घन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आधार प्रशिक्षियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्योशी दनारा ग्रका नहीं किया गर्भ या या किया जाना चाहिए था. छिपान में मृष्णा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर∡ निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, अर्थास् :-- (1) मैसस अजय जिल्डर्स ।

(अस्तरक)

(2) श्रा द्रतालय ज० देवस्थातर स्राम् अन्य

(ब्रन्तरिती)

को बहु बुजता जारा करक पृथाक्ता सर्पात्त क अजन क किए अयंजाहिका कारणा हुए :

जन्य सम्पत्ति के अवन क तबघ म कार भी आसप :---

- (क) इस स्वान के धुजाब को मक्कालन की तारीख स 45 विक को अब्बंध का तत्सम्बन्धा अविकासा पर स्वाना की तामील के 36 दिन की क्यांचि, को भी जबिंध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमा भी भ किसी कावित क्यांचर,
- (भ) इस सुभान के राज्यन मा प्रकाशन को नाराख म इ, इस के भी रहें न्या । हे सार्याल मा । हु. १४० किसी अन्य स्थाकत ब्वारा का म्हासार के पार गण गा निर्देश हैं।

स्यव्हाकरण --- इपम म्बन शब्दा अि पदा का, मा उक्त अधिनियम, के अपान 20 क या परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय मा विया गया हैं।

श्रन्मुची।

फ्लंट न० ७, जा, उत्सा माजा, ऋषभ दर्शन एग० न० 74, डा० पा० रोड, मृत् ६ (पूत्र), अम्बई-81 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी का भ० अई-4/37-ईई/13565/84-85 खार जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनाक 1 सितम्बर 1985 का रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, पक्षम प्राधिकारी महासक जायकर अल्बेक (सिरीक्षण) अर्जन रज 3, बम्बई

दिनाक . 10-5-1985

मोहर:

प्ररूप आर्ड. ट. एन. एस. - - ---

श्रामकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुष्यमा

भारत सरकाः

अर्जास पहार ४६ र २५) सहर् अर्जास रेज ७, बस्बई

बम्बई, दिना ८ मई 1987

भिवण स० अई- 3/37-र्रिश/13411/81-85- -अत मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम् इसके पश्चाद उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन नक्ष पाधिकारों हो, यह पंपरकाम करन का कारण हो कि न्यावर सम्पत्ति, जिसता शावन बारार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रांग जिसकी गुरु यूनिट नः 7, जा गुजा इटस्ट्रियन इस्टेट पाट नरु सीटीएम नरु 70 , 701, 705 माहण व्हिलज मुगुर अन्यः मेनियन त (श्राण द्वा उपायद्ध अनुभूवी म ग्राण कृत पत्त प्रताया १), प्राण जिसा । स्थापनामा जायकण जीविनियम, 1961 निधाय अत्र १, या का अधीन बस्बई रिधन सद्धम प्राधिकारी ने कार्यान्य म रजिस्ट्री ह दिनान । सिनम्बर 1981

का प्याकत सम्पत्ति के उचित वाजार मन्य म क्य क द्यमान शांतफल के लिए बन्तीरत का गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का विश्वा बाजार मृत्य, उसक द्यमान प्रतिफल स, एम ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरत में श्विक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरित्या) के शांच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दर्थ्य स व्वत अन्तरण तिस्तित म वास्तिनिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अपन्तरण १० हुए दिन्सी शाय की बच्चा ना अपिनियम के अधीन कर दौन के अन्तरक के दायित्व ए अभी करने दा सल उच्चा १००० हा निर्मा
- (क) एमी किसी जान व किसी में में जन्म किया की किन्हों भारतीय जायकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्न अधिनयम, य में कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के अध्यक्षणार्थ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं दिशा ए का सा किया जाना चाहिए था, किया जे भी प्रधा के निए

आत. अज, उन्त अधिनियम की धारा 260 ग के अन्याः में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिश्वत व्यक्तिमा, अधात् अ- (1) सपेंड गभूराम दवःर ।

(अन्तरक)

(2) मैसमं बार तर सम्बाग एण्ड मस्म लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया १ करता हुं।

उब्त मध्यति व्ह अर्जन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपन मा प्रकाशन की ताराख प नुक्ति के विश्व के किए की निर्माण पर सूचना की तामील स 30 दिन की नाजीध, जो भी नाजीध बाद में सभाष्त हाती हा, के भीतर प्रामित
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से

है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे **दिया** कर हो

MUNICIPAL

युनिय न० ७४, भा पत्रियद्यम्पत उम्हेट, नाहूर व्हिलेज मनाय वस्तरी म ५४३ ८। अन्याचा जयाति कम स० जय-०/३७-५५/१०११/ ४४-८९ अस्या सक्षम प्राधिकारा, वस्तरी ज्ञास दिनाक । सिनम्बर १९४४ वा स्विस्टरी स्था गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राविकारी परायक जागरण नायुक्त (भिरीक्षण) अजन रेज उ बस्बर्ध

दिना*र ।* 0- 1985 **मोह**र

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस.-----

मायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सम्बद्ध

कार्यालय, महायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

जनम रेज *-उ*, बम्बर्ड

वम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निवेण ४० जई-३/३७-ईई/১७३८ /৪३--৪५--अतः मुझे ए० जमाद ,

गामकर गिर्धान्यम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चान् 'उन्न किंपिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के भंधीर भक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. सं गिथक है

श्रीर जिसकी स० हुनाग न० 11 वी/ा, जी, ग्राउड फ्लीअर काजूर सवे न० 1.5 (ग्रण), भी० टी० एन० न० 657-बी, भाडूप, स्टेंगन (पूर्व) के नाग, बस्बई में स्थित है (श्रा दसमें उनाबड़ प्रमुखा के भार पूर्ण रूप संबंधित है), प्रार जिसका करारनामा (एपकर प्रतिन्यम, 1961 की श्राप 269 के, प्राप्त अधान अस्बई स्थि। सनम शाबिनार के कार्यालय में जिन्हों है दिनाह 1 सित्मबर 1981

को पूर्वोक्त सम्प्रांत के उधित बाजार मृल्य स कम के अध्यमान प्रति अल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विक्तास करन का कारण ही

कि मधा पूर्वनित सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपन्न सं, एम क्ष्यमान प्रतिपन्न के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के निए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नीनिसत उद्यव्य से उभत अन्तर्थ जिल्ली कित मा नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अलगरण गंहुई किसी आज की बाबत, उक्ल अधिनियम के अधीन अर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने मी मृबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जान या किसी घन या जन्य जास्तिमा कर, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जीधिनियम, या धनकर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किसा जाना भाहिए था, खिपान मा स्विमा के तिष्;

अतः भाव, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की नारा 269 ध को उपधारा (1) की सभीत, निकालिकिन व्यक्तिया, अर्थान् . (1) मैंगर्स स्टार जिल्डमं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर्षेदा एच० वकील ।

(अन्तरिती)

का बह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुः

सक्त सर्वास के कर्जन के सबंध मा कार्ड भी जासप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नाशील स 30 दिन का अवधि, जो भी जन्भि बाद में समाप्त होती हा, के भौतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बस्थ फिसी ज्याक्त द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिसिन मा किए जा सकेग।

स्पष्टीकरण '---इसमा प्रयुक्त शब्दो और पर्दा का, जो उक्त अविभियम, के अध्याप 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याम में दिया गया है।

मन्स्ची

हुकान त० !! बी/2, जा आउट फ्लाअर, प्रयाम नगर, कातूर सर्व न० 275 (अज), आड्र्य स्टेशन (पूर्व) के पास अम्बई में स्थित है ।

अनुन्ना जैसाकी क न० अई-3/37-ईई/20455/ ४४--८६ प्रार जा नवम प्रााधकारी, तम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, बम्बई

निवात . 10-3-1985

माक्ट 🥲

प्रकृष बाह्रं डी.एन.एस -----

(1) मेगम न्दार शिल्मा ।

(जन्तरक)

अध्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की। धारा २७९-छ (1) क वर्धीन सूचना

() भागम भागमागा

(यहारिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, वस्बई बम्बई, विभाक 10 मर्ट 1985

निदेण म० अर्द-3/37-\$\$/20454 /84-83-37मुझे ए० प्रमाद ,

आयकर जीपनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्ष्ममाँ इसके पश्चात उक्त अधिनियम काहा गया है), की धारा 260-क के अधीन महास गरिकारी का यह विकास करने का कारण है कि रवावर संस्त्री जिसका गांचन बाजार प्रांगितिकारी कि एक गांचन बाजार प्रांगितिकारी कि एक गांचन बाजार प्रांगितिकारी कि एक गांचन बाजार प्रांगितिकारी

श्रार जिसकी सं पर्नेट तर 207 ना दूसरी मजिन, इमारत ए.-2/13, भाइप रहेण्ड (पर्न) े पाप बम्बर्ट-75 में स्थित है (श्रीर इसमें उपापद अनुगृती में आर पृणे रूप रा विणित है), श्रीर जिसना नरारमामा आयकर अधिनिदम 1961 की धारा 269 के, खे के अधान बम्बई स्थि। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है दिसार 1 नितम्बर 1984 का पृत्तीकत सम्मिन के उचित वाजार मृत्य से के के स्थमत श्रीतफल के लिए अवस्तित का गई है। बार मुन्य से कि स्थमत श्रीतफल के लिए अवस्ति का गई है। बार मुन्य से कि प्रथमत श्रीतफल के स्थमत श्रीतफल से, एस इस्प्रमान श्रीतफल का पन्दह प्रतिभात से विधिक है भीर बंतरक (बंतरकों) बार बन्दित सिंग (असरितियों) के बीच एसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मितियत उद्धारय में उसने अनरण कि बार में बास्तिवक स्थ से स्थित वहीं किया गया है ----

- (क) अम्बरण स हुई फिसी आय की बाबर, उक्त अपिनियम के अभीन कर दोने अरे अन्तरक और दायित्व में कमी करने या उस्ता अपने में सुप्रिधा के लिए; बीर/शा
- (ख) एसी किमो आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को खिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म या किया जाना चाहिए था, लियाने में मृतिशा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269 म हे अन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के क्यान, निम्नीच्रिकत व्यक्तियों, वर्षात क्रमान का यह सूच्या कारी अरके प्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु।

उक्स सम्पास के अर्थन के मासन्ध म काडा भी आक्षेप .--

- (क) धन स्वना के सब्धण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मकाधी व्यक्तियाँ पर स्वन की तामील से 30 दिन की अलीध, भी भी अवधि बाद में अमान हाती है। से भीनर प्रविक्त व्यक्तिभा के से जिसी वर्षान दनारा,
- (स) इस सूचना के गलपत्र में पदाराज की नारीस से 45 जिन व भीतर जन्म स्था ' भगान्य में हिनबस्म किसी जन्म न्यक्तिस इवारा अधाहेन्साकारी के पास लिखा। में किए हा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — हमा प्रध्न भवा और पद्मा ता, आ उक्त अभिनियम के अध्याय १०-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा था उन रन्माय में विशा

फ्लैंट नः 307 जा इनरी मजिल, इमारत न० ए.-२,13 भाइष स्टेशन (पव) ह पास, बस्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूर्वी जैसात ६० स० अई-3,37-5ई,20454 84-85 प्रार तो समक्ष पाधितारी वस्वर्ड द्वारा स्निनाक 1 सिनम्बर 1955 को जिप्टर्ड किया गया है।

> ए० **प्रसाद,** सन्**स प्राविकारी** सार्पा अप्याप अप्याप्ता (पिनीक्षण) राजपा केंज ४ **बस्ब**ई

जियान : 10-5-1943 माहर :

प्ररूप आहे.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ध (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर आयक्त (निरक्षिण)

पर्वत रेज । प्राबंध

बरपहें, दिसा 10 मंडी 1985

निर्देश । पर्क 3/37 र्डिरी/13343/81-85 -श्रन मझें, ए० प्राः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बब्चात उस्त अधिनियम' कहा गया ही), की धास 269 ब के मधीन सक्षम प्रामिकारी का यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाका। मृत्य 1,00,000/- । मं आधिक हैं

और जिसी से० सिंह ने 81 एं। गाउँ पनाप्र राजा उड़ीस्ट्रा ८ टेट प्रणास स्वान राज एक टिणन भ्युष्ड (४) च बर्षे ४८० में १४ हे (और ३४१ उसावड अन्म्वा म जार राग कर है वापा है), जार जि राज्नामा भाष र शीं। तिस 1961 वी वा 269 ्राय के अपार प्रत्येष्ठ रिया । जीर पापि ।री के ।योजिय म राजम्ही है दिनांत 1 ि। बार 1984

का पर्योक्स सम्पर्सिक उचित काकार मल्य से काम के काशकान प्रतिफाल के लिए अन्तिक्ति की भड़ें हैं और सूम्र यह विद्यापस करने का कारण है कि यभाष्त्रीयन संपीएक का स्वीपत बाधार मध्य बसकं दरयमान प्रतिकल में, एमें दरवसान प्रतिकत का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती किसीरानिया, व बाध परा अन्तिभ क । ना तथ पाका नथा प्रतिफल, निम्नीलेखित उद्योष्य में उक्त बन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण र हुई किसी आय को बाबत उक्त जॉर्धनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक का दायित्य सं कमी अरगं या उसम बचनं न सविधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किमी जाय या किमी धन या जन्य आिनयों का, जिल्हें भार्ताय आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) म उक्त अभिनिध्य, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 का 27 क प्रयाजनार्थ ल रिसी दवार। पकट नहीं किया गया था या किया जाना चानिए था, छिपान म सविभा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 200-ग क अनुसरण मा, मा, उक्त अनिनिधम या धारा 269-प को रणधारा (1) क अपीन, निम्तलिखित व्यक्तिया, अर्थात् .--

(1) ট ৷ অবং সিবিভ

(fe | F)

(१८) जैस ६३ हिए ११वी ८५ वी ११ सिन् 111455 1

(जन्म)रनी)

को यह सूचना जारी करके प्रशांतर सम्मारत के अर्थन के विष कार्यवाहिया शुरु करता हो।

तक्त मुकारित के अवन के स्थान्य में कार्य भी जालेंग --

- (क) इब मुखना के राज्ञात स नकाशन की नारीख स 45 िन का वर्षा या तत्मच्यी व्यक्तियाँ पर संखना की तामीच म 30 दिन की अवधि, जा भी अयोध बाद स समाप्त ठाती हा, ह भीतर प्वाबस व्याक्तवो म म किसी न्यानित नगा
- (का) इस सुचना के राज्यत्र म अकावत की तारीच से े नेता पर रमाव क्रमारित द क्रिक्का िक्सी कल स्वीवस प्राण मणहरतास ने क पान लिशित मं किए या सकीं ।

लब्दिकरण -- इश्वर प्राप्त सब्दों श्रीर नहीं की, बा उपन अविभिन्नमं के अध्यास १०-क मा गोरभाषित हा. वहा अर्थ हा मा जा उस अन्याय मा दिया ا و چا ئىس

अमस्पन

यतिष्ठ न० ४। ए जा साउँ पनापर राना उद्दरियाः ुम्टेट प्रापाताम सराज ार राष्ट्रा नाह्र म्राच (प) वाबद्द-80 म रिनन है ।

यत्त्रप्ता ै स्ति । ो स्ट्री , ऽ र्वंही , ऽ र्वंही , ऽ र्वं 84-85₁ X " 11 1-41 90 TeV) 40 12 V 1540 1 ि। इ.स. 1984 का जिल्हा कि वे साम है।

> ए० प्याः सक्षम प्राधियारी राव कार अरहण (रेंग्रीनण) य रह्य , र पुर्दे

figra 10-5-1985

माहर

श्रस्य आई टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीम सुभा

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रशिक्ति 3, बम्बई

बम्बर्ध, दिना 10 मई 1985

निर्देश म० मई -3/37 -ईई/ 13218 /84--85----प्रा मुझे, ए० प्रशाद,

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत १८०-च के अधीन माम प्राधिकारों को यह विश्वाम अरने का आपण है कि स्थावर निर्मित जिसका उचित जाओर म्ह्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिल्ली सुरु निहान 130 ता पहती प्रजित्त तिहान तेली एक हैं। इस्ते तिहान स्थित हैं। अंग्रह से उत्तर से निष्यत हैं। अंग्रह से उत्तर सुन्ति से अंग्रह पूर्ण रूप से तिलत हैं। और जिल्ला प्राप्ता का प्राप्त अधिनियम 1961 की धारा 269 की सुन्ति हैं। सुन्ति स्था प्राप्ति तिला प्राप्ति तिला की कार्यों हैं। तिल्ला प्राप्ति तिला की कार्यों हैं। तिल्ला प्राप्ति तिला की कार्यों हैं। तिल्ला में कि हैं। हैं दिला में निष्यंग 1984

का पृश्वीकत सम्पत्ति के तिचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीप्पित सं, एन दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत स अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) भौरे बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्द्रण के लिए एस पाया गया प्रीष्टिक का निम्निलिसित उद्देश्य स उक्त सत्रण निश्वित में बास्तिक क्रम से किथा नहीं किया गया है क्रम

- (फ) बन्दरा इंड्रं किसी वास की बाबत, उधल अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुधिधा के निष्ण; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यो जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (10.2) । ।।, भा उना सीर्णानका ता धनकर अधिरियक १०६७ ।1957 का २७। के प्रयोजनार्थ अन्यरियी दवारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिशा के लिए।

बत अब, उक्त अधिनियम की भार 69-ग के बनसरण बें, में उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) १ अधीन निम्नलिकित यिक्तियों अर्थात् ः— 47-96 GI/85

- (1) हिरानदानी इंडस्ट्रियण इटरप्रायजेस । (ग्रनारक)
- (2) मैं ार्ग जाली प्रास्टिका ।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

इक्ट सम्बुटिस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) एवं स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारील रें 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त हाती हो, जे भीतर प्रदेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा ।
- (स) इ.स. स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन को लाग्यं स 45 दिन के मीतर उक्त स्थाबर मध्यस्ति में हितबष्ध किती जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहन्ताक्षणी के पास भिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रवृत्त कर्यो और पर्यो का, वो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिक्षा स्था है।

अनुसूची

युनिट नं० 130 जो महाी संजित, दिरानंदानी इडिस्ट्रियत इस्टेट, काजूर मार्ग, यस्वई मे स्थित है। अनुसूची जैसाकी कि० स० अई-3/37-ईई/13218 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, यस्वई हारा दिना ह

ए० प्रताद, मक्षम प्राधि परी महासरु भ्रासहर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बर्ड

दिना **छ** : 10-5-1985

सर्गेष्ठर नु

अरूव अरहाँ टी एन.**एस**. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जान्क्त (निरीक्षण) प्रार्नेग रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 10 मई 1985

निर्देश स० एई $\cdot 3/37 \cdot \xi \xi /13389/84 \cdot 85 --- श्रंतः मुझे, ए० प्रसाद,$

अध्यक्तर अधिनिष्टम । १९०१ (19०१ का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जि की मं० युनिट नं० 301 जो पी० एन० कोठारी इस्टेट एन० नं० 200 सी० टी० एन० न० 288, आग्रा रोड बम्बई-78 में स्थित है (और इनमे उपाबद्ध अनुसूची में और प्रणं रूप से नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित क्का प्राप्त गरी के व्याप्तिय में रजिस्ट्री है दिनां र 1 नितम्बर 1984 को

को पूर्वोवत सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंटरिन की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंवत संपन्ति का उचित बाजार नृत्य, इसके दश्यमान प्रनिफल का ग्रन्थ इसका दश्यमान प्रनिफल का ग्रन्थ प्रतिशत में अधिक में कर अन्यरक (अन्तरकों) और यन्तिनी अम्बिनी में में में में मोने आज्ञण्य के लिए तम क्षा गया प्रनिफल, विश्वानिश्व सहस्यस से उचन अस्करण निर्माणित में वास्तरिक एस से क्षित तहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण म हर्इ किमी बाध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए अरैर/ए।
- (क) एनी जिसी आब या जिसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-अन प्रशिवाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयापन्थ अन्ताची इंक्ट्रा प्रयाद नहीं किया गया न ज विकार जन्म निर्माण किया जन्म निर्माण के विकार जन्म निर्म

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्थित व्यक्तियों अधीन, निम्नितिस्थित व्यक्तियों अधीन,

(1) श्री पी० एन० कोठारी

(ग्रन्तरक)

(2) बायोकेम फार्मास्युटीकल लि.।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थान वारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्रू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारींख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकिश्च में किए जा सकेंगे।

्रमण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

युर्हिट नं० 301 जो पी एन कोठारी इस्टेट, एस० नं० 200 सी० टी० एस० नं० 288 आग्रा रोड़ भांडूंप बम्बई 78 में स्थित है।

प्रतुसूची जैपाकी क० स० म्रई-3/37-ईई/13389 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 तिनम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, स**क्षम** प्राधकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज 3, बम्बई**

दिनांक , 10-5-485 **मोहर 8**

म्बन् बार्च, टी. एन एवं.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

बारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/ 37-ईई/20533/84-85—ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र वाबार मूल

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संव स्वित संव 24

और ित्सकी सं० युनिट नं० 24 जो ग्राउंड पलोग्रर, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट नाहूर गांव मुलूड (प) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिक्षित्तयम 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 तिम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूक्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के निए अन्तिरित के गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अत्रण के निए तय पान गया प्रतिक क्त निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाब की बाबस, उन्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के खिल्ल में कनी करने या उससे बचने में सुविधा विनिष्; बीड/वा
- (य) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिय। का, रिवाह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धास 269-च की उपधारा (1) के अपील, निम्निकिचिक व्यक्तियों, अभिति ह∽ (1) श्रीमती कल्पना चुनीलाल शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० एस० शेठ ।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके प्वांक्त मंगीतः के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप *--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त. स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः --- इससे प्रयक्त शनः शीर पदौँ का, जो स्वक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

युनिट नं० 24 जो ग्राउंड फ्लोझर, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट नाहूर गांव मुलूंड (प)-80 बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/ 20533/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (तिरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूथ आहूर. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक जाबकर बाय्का (निरोक्षण)

श्रांत रेज-3, बन्बई बम्बई, (ताक 10 मई 1985 निर्देश स० ऋ**ई** 3/37-ईई/13277/84 85----म्रतः मुझे, ए० प्रनाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्ही संव फ्लेट साङ्गा आम णिया करेव गाँगव हाउपिम सोपाइटी तिव में, जो, तानार जानीनी भाडूप (पूर्व), वस्वई में स्थित है, (ऑर उससे उपाधाड अनुसूची में और पूर्वपण में विधा है), और जिला जिस्साम आपन्य अपिनियम 1961 की धारा 269 एवं के अबीत बस्बई स्थित स्क्षम प्राधितारी के बायीं यमें रिजिस्ट्री है, तारीख 191984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से वाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंवरण के बिए इस पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्बेच्च से उक्त अंतरण सिखित में धास्तिक रूप से कीभत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से क्हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कको वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जान या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उपर अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपर अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निकासिका व्यक्तियों, अर्थाष् :--- (1) भारून आन-जिया का० और० हाउतिम भाराद्धी वि०।

(भ्रन्तरक)

(2) यी पाठ ए५० दोगर।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के मबध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की आणि या तन्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 जिल की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाधा हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जा उस अध्याय मो दिया गया है।

बन्स्ची

प्लेट नं० 5, फ्लेट भारूप मिना को० ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० में, जो, दातार कालोनी, भारूप (पूर्व), बम्बई 78 में स्थित है। प्रमुम्ची जैसा कि कम मं र कई-3/37-ईई/13277/84-85 और जा सक्षम प्राधिंगरी, बम्बई हारा दिला । 1-9-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

ए० प्र**ा**ः सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (ग्निरीक्षण) श्रर्जन **रेज-३, बस्बर्ध**

तारीख : 10-5-1985

याहर :

प्रकार काह दी एन एस -- ----

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रातीर रेज 3, धम्बई बाबई, विसा 10 मई 1985

निर्देश स० प्रई-3/37-ईई/13594/84-85-- स्रत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्का ५० फ्लैंट To 313, का, 3 री मजिक, ज्यारत नि ए-2/15, माह्य टेशन (पूर्व) के पा , यत्नई 78 में रिज्त हैं (आर इस्ने उसबद्ध मजुबूब, में आर पूर्णमन न विश्व हैं), और जिस्ता पारसमा आर्थ र अधिसिम, 1961 की धारा 269 क्ष्म के प्रयास बन्बई स्थित स्थाप प्राधि गरी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, गराम 1-9-1984

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का अपरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्यितशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकाँ) और अतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अतरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी गय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरक कें दाायरप में वसी करने या उससे बचन में सूजिधा क्षेट्रीसए, और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (12) के अधिनियम, 1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाननाथ प्रतानिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था. छिपाने जे प्राथम के ६।

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिम्बत व्यक्तियो, अर्थात् क्र— (1) भेसर्भ रटार विल्डर्म ।

(अन्तरकः)

(2) श्री मुनाल नामदेव नदारश्वरे ।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिला कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपित के लजन क सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- १) १ सूचना । राजधा प्रकाश की तारीख से 45 दन की पादी जा तर ति ही क्यांतियों पर सूचना का ग्रामाल है उन्हें का ति तो सि अविवि साथ में समापन गना ने, के एका उनावन क्यांतियों में सा निका प्रवित तारा,
- (अ) इन पूर्वता के राजन में प्रताबन जो नारीक से 45 देल के और लेखन स्थावर भम्पति में हित्बद किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधाहस्त्राक्षरों के पान विकित में किसे जा सकी

स्थळाकरः --इसमें प्रयुक्तः । श्राटनः ।, जा उक्त साध-ित्यरः कत्यायः - से रण्याधितः है, वही धर्षे हुःबा, जी उर संध्यार में दिया गया है।

सन्त्याँ

फ्लेट न० 313, जो, 3री मजिल, इमारत न० ए-2/15, सीटीएम न० ७57 बी, भाडूप स्टेगन (पूर्व), के पान, बम्बई-78 में स्थिन हैं।

अनुसूची जैता ि कि क स० सई-3/37-ईई/13594/84-85 और जा मक्षम प्राधि गरी, वस्पई द्वारा दिना । 1-9-1984 को रजिस्टर्ड निधा गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जनरेज-3, **प्रस्वर्ध**

नारीख - 10-5-1985

प्रोहर

प्रकप् बार्षः ही . एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

महत्त्व बरकार

कार्यालय, सहागक आमकर आयुक्त (क्रिकाण)

श्रजैन रें ज-3, बम्बई धम्बई, विनाव 10 मई 1985 निर्देश सं० कई-3/37-ईई/13115/84-85--- अत. मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर समासि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुवान नं० 1 और 2, जो, निर्ना १ पार्टमेटन, साने गुक्ती नगर, मुलूड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और उप उपाबड अनुसूर्व। में ऑर पूर्णक्रप से विणित हैं), और जिना तथार-नामा आय-उर अविनियम 1961 की धारा 269 मख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि शारी के कार्यो ग्य में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमं स्वयभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौं धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हरी जस्सूमल ठानुर।

(भन्तरक)

(2) श्रीके ० एस० जोसेफा

(ग्रन्तिरतो)

का यह सूपना चारी करुको ब्रॉक्त सम्पत्ति को वर्षन् के सिष् कार्यवाद्विद्या करता हूं।

चक्क संपर्क के कर्णन के संबंध में कांद्र भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस् व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए या सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

हुआन न० 1 और 2, गिलनी अनार्थमेटस, नान गुरूजी नगर, मुलूड (पूर्व), अन्बर्ड में स्थित हैं।

स्रतुसूर्वा जैता ति क॰ स॰ अई-3/37-ईई/13215/84-85 और जो भक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनाव 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस्ताद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बर्ष

तारीख: 10-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बद्धां त्यी . एन . ध्रस . - न्यः - न- प्रत

बायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्षी भारा 269-भ (1) के मधीन स्वना

भारत चडकाड

कार्यांचय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) इर्जन रें ज-), बम्बई वम्बई, दिनांव 10 मही 1985

निर्देश नं० ग्रई-3/37ईई/20385/84-85---ग्रनः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० क्षितिस वेग्नरिंग नं० 11. जो, इमारत टावर बो से ए, गोवर्धन नगर, मृलुंड (प), वस्प्रई-80 में स्थित है (और दास उपाबद अतुमूची में और पूर्णच्य से विणित है)। और जिनका करारतामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 दख के अधीत बस्बई स्थित सक्षम आधिकारी के वार्या लय में रिजिंक्स है, नारील 1-9-1984

महीं मुनीक्स नव्यस्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्थानक्षण प्रतिसान के निर्ध अन्तरित की गई है और मुक्ते वह निर्धाल करने का कारण है कि यथापूर्विक्स करने सा अजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थानान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्सी (अन्तरित्यों) के नीम ऐसे अन्तरम के धिए सम मामा मधा प्रतिकत निम्मिसितित उन्हांक से उनक जनसम्म सिनित्र में वास्तिक रूप से अधिक नहीं निकास गमा है:----

- (क्क) जन्तरण से हुन्दें किसी नाम की नामत संक्रल अधिक नियम के अभीन कार कोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुध्यिष के लिए;

बारा शवा, जवार अभिनियम की धारा 269-ग के अध्वरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीम, निस्नीनिवित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) भाराम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीराम वानन और ग्रन्य।

(अन्तरिती)

की यह भूचना आरो करके वृद्यांक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उसरा सञ्चारित को अर्जन को सन्धन्ध में कोई भी जाओप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सृच्या की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के परम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्थव्हींकरण: इसमें प्रयुक्त कन्दों और पत्नों का, भी अवन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका

क्षित्रतिक वेश्वरिंग नं० 11, जो, इमारत टाँवर श्री से एह गोवर्धन नगर,पृत्ह (प), बस्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि के सं० श्रई-4/37ईई/20385/84-85 और जो नजन पाक्रिमारी, वस्तई द्वारा दिनांक 1-9-1984को राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-3, बस्बई

नारीख : 10-5-1985

सोहर 🖫

हरून नाहरें. टी. हुन , एवं .. -=======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ई ई/13658/83-84-अत:, मुझे, ए० प्रमाद,

नायकर अधिनियम, 196; (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000 क से अधिक है

भ्रोर जिसकी स० फ्लैट नं० 6 जो "ए" इमारत, न्यू गिरीम जपाटंमेंट को-ऑप० हाउमिंग सोमाइटी लि०, पाटिल लेन, चूना-भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (भ्रीप इपमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रोर जिमका करारनामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्पन्ति का उभित बाबार बुम्ब, उसके रस्ममान प्रतिकल से ऐसे स्त्रयमान प्रतिकल का बुम्ब प्रतिस्त से बिश्क है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बुम्हरण के सिए तस पाना बना प्रति-क्य पिन्नीकीचल उद्योग्य से उच्छ बंतरण निष्यत में वास्त्रीयक क्य से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्थ से हुइ किसी आय की वावत वयद वाभू-नियम के अधीन कर दोने के अतुरक के दायित्य मो कामी करने या उससे वचने में मृतिभा के लिए कैक/या
- (क) वृंती जिल्ली भाष वा भिल्ली धण या सन्य आस्तिएसी की, जिन्हों भागतीय आसकर सींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता म्याधिनयम, वा चनकर सींधनियम, वा चनकर सींधनियम, 1957 (1957 का 27) की अधोषनार्थ जन्तिरती ह्वारा प्रभट नहीं किया यथा वा या किया जाना साहिए ना, कियाने में सुविधा की लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों अर्थात् धु-

1. श्री राजाराम आर० उपाध्याय

(अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पा जे० कोठारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद स समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति मा हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास निस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होशा चा उस अध्याय में विका गया हुँ।

अनुस्ची

फ्लेंट नं 6, जो, "ए" इमारत, न्यू गिरीण अपार्टमेंट को-ऑप हार्जांमग मोमाइटी लि०, पाटिल लेन, चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्सल अई-3/37-ईई/13658/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारी**ख** . 10-5-1985

मोहर 🛭

प्रकृष वार्ष्य हों। एत्य एक.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

HIST TOTAL

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

तिर्देश सं० आई-3/37-ईई/20367/84-85—अनः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क. कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्र 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं वुकान नं 2 है, तथा जो राजेन्द्र पार्क, इमारस नं 3, स्टेशन रोड, गोरेगांव (५), बम्बई-62 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ज रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल में रिजस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अध्विह है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; क्यूंड/बा
- (व) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अभिनियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या जिन्माने में सुविधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) क सधीन, निम्निस्थित स्मिक्तमों सथित् हिन्स

48 -96 G1/85

1. श्री ईश्वर पी० मिस्त्री

(अन्तरक)

2. लोबस कार्पोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वांक्य सम्पृत्ति के नर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्द कम्परि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी नार्वेष :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तरशंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकानी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाहाँ।

वन्त्वी

दुकान नं० 2, जो, राजेन्द्र पार्क इमारत नं० 3, अनैक्स, स्टेंशन रोड, गोरेगांव (प०, बम्बई-62 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० आई, 37-ईई, 20367/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**ः 10-5-1985

मोह्र 🛭

प्रकप बाइ", टी. एन. एस.------

बाय ∜र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देण स॰ आई-3/37ईई, 20313, 84-85—यतः, **मुझे,** ए॰ प्रसाट,

बावकार अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृथ्कात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस ती मं० प्रिमायसेस पहली मजिल पर, तथा जी वेस्टर्न विन, बसं नार्डन्स इस्टेटम, प्राइवेट लि० सायन ट्राम्बे रोड़, घाटला रोड़, यूक्तियन पार्क के सामने चेंम्बूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाक्ति अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई

स्थित सवाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 सितम्ब , 1984

को पूर्वीव सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (●) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार के रियो काम पाइट नहीं रियो का या किया जाना चाहिए, था, कियाने में सृविधा के सिए:

कतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण कों, कों, अवत अधिभिनयम की धारा 269 के की उपधारा (1) को सभीन, निकासिन कि स्टिन्यों, अवस्ति हु--- 1. मैससं नवरत्भ बिल्डर्स प्राइवेट खि॰

(अन्तरक)

2. श्री पाल्लीपूरम के० तटराजन और अन्य

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (म) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रिमायसेस पहली मिजिल पर, वेस्टर्न विग, सब प्लाट नं० 14/15, प्लाट ए ऑफ मैंसर्स बसन्त गार्डन इस्टेटस प्राइवेट लि०, जंकशन ऑफ सायत ट्रास्बे रोड़ एण्ड घाटला रेड़, यूरायत पार्क के सामने चेस्बर, बस्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि स० आई-3/37 ईई/20313/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ण**े प्र**साद सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीखा: 10-5-1985

सोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ई ई/13578/84-85---यतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7 है, तथा जो तीसरी मंजिल, इसारत नं० 10-वीं, नवजीवन को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहूल रोड़, चेबूर, वस्वई-74 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1 सिमम्बर्

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती सीता बी॰ अडवानी

(अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योति पी० सिधवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकोंगे।

स्याष्ट्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्लैंट न० 7, जो तीसरी मंजिल, इमारत न० 10-बी, नवजीवन को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहल रोड़, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि सं आई-3/37-ई ई/13578/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गय है

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-**5-**1985

मोहर 🛭

प्रकर आहे. टी. एन : एस्.: ------

नाथकड मधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

भारत चहुन्छर

भार्यातय, सहायक आक्रकार बायुक्त (निर्देशिक), अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई। $\Pi - 37 - ईई 13411 84 - 85 - यतः, मुझे, ए० प्रसाद,$

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/1, है, तथा जो इमारत नं० 3, पिरामल नगर, शिवनाथ को-आप० हाउसिंग सोसाइटी, एस० वी० रोड़, गोरेगांव (प) (, बम्बई-62 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णात है),

श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि वधायुवाँक्त तंत्रित का उचित बाधार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बुल्यह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतिहती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किविक में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम् सं हुई हिस्ती भाग की नावत अन्त वास-नियम के वधीन कर्, दोने के अन्तरक के दायित्य में क्रमी करने या उससे ब्यने में सुनिधा के लिए; बार्ड/या
- (च) एती किसी भाग ना किसी भन या अन्य नास्तिनी को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया नाना नाहिए था, कियाने में सुविधा को शिक्;

भत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण भौ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री इंदर सिंह सेठी

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा कुमारी डी० शाहा और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप:---

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की वनिंध मा तत्स्वत्रमंभी व्यक्तियों पर स्वता की तानील से 30 दिन की ननिंध, जो भी अविष् वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित व्यक्ति में से किसी क्यांति हों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य संपत्ति में दिसान नद्ध किसी अन्य न्यानित द्वारा अधोहरताक्षरी से पास लिखित में किए वा सकागा

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्स्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं v/1, जो, इमारत नं 3, पिरामल नगर, शिवनाथ को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि , एस वी रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-III/37 ईई/13411/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकयरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीखा : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, बम्बई बम्बई,दिनांक 10 मई 1985

निर्देश स० अई-III/37 ईई/13327/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीराजिसकी स० गाला न० 16 ए, है, तथा जो, रत इड स्ट्रियल इस्टेट, एस० जी० रोड़, गोरंगांव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर उसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् धु— 1 मैसर्म भिटा फूड प्राइक्टस

(अन्तरक)

2. श्री शंकरलाल एन० पटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं $16l^{n}$, जो, किरन इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोइ, गीरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई- III_137 -ईई $_113327_184$ -85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-198 \blacksquare की रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11I. बम्बई

तारीख : 10~5~1985

मोहर :

प्ररूप आहे.टी.एन.एस----- (1) क्षां कम रामन ।

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भागांत्र, सहायक आयकर अध्यक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेज-3 बम्बई

बम्प्रडी, दिनाक 10 मर्द 1985

निदेश सं० ग्रर्ड-III/37-इंदै/20497/84-85--श्रनः स्क्रे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), का नारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विशास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका डिव्त बाजार भन्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिस्ती संव परीट नव 16 को अमारत नव प्रान्ति, लक्ष्मी रामका को०-वाप० नाउकिक कोकायकि वि, प्रांपुर नहार भोरेगाव (प) वन्धरी-- 90 में स्थित है (और धना धरापा **श्रमुखी मे**ं जीर पूर्व रूप से वॉर्णित !), और जिन्हा सरा प्राप्ताना **श्रायकर श्र**िवियम 1961 की धारा 269 कव के श्रीन प्रार्थ स्थित सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय प्राप्तिमृति है दिवहके 1-9-

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसं दश्यभाव पानकल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरितो (अंत रितियां) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कांभत नहां किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक का दाियत्व मा कमी करन या उसम बचन मा स्विधा क जिए: सीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या फिनी धन या अन्य अनस्तर्था को, जिन्हों भारतीय आयकर अर्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1557 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

(अन्तरक)

(2) श्री वि० के० सेदाशिवन नायर ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप 🖅

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर युचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थाध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी बै पत्म लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पण्याकरण: ---इसमा प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा É, I.

पर्नेट तं. 16 जो ध्मारत तं० एल-5 लक्ष्मी रामना को०-बांगूर नगर गोरंगांव (प) द्याप**े हाउमिंग सोसायटो लि,** बम्बई-90 में स्थित है।

अनुमुद्धा जैसा कि ३०० सं० ग्रई-111/37-ईई/20497/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का राजभ्द्रडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, बम्बई

मतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियो, अर्थातः —

दिनाक : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकथ गाइं.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्य (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4 वबर्म्ड

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई--4/37ईई/13595/84-85--- प्रत मुके, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाह जिस्से अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट न० 403 जो मी०-विंग 4थी मिजा "ग्रटलाटा" ध्मारत मालाड-मार्चे रोड मानाड (प) वस्त्री-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायक्तर ग्राविधियम, 1961 की धारा 269 कथा के ग्रधीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वीकत सपित्त के उचित बाजार मत्य न वि १२० प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यर जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोजन सपित का उचित जातार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल संगासे इश्यमान पित्रा र निम्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए स्य प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचन प्रतरम जिला स्था मार्ग काम्तिक क्या में स्थित नहीं किया गया ही ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधि नियम के अधीन कर दिनेंके अन्तरक के शोगा के किसी करने या उससे बचने था स्थित के शिय विष्
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या करण आरित्या को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1920 का 11) पा जा जी नाराण, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चारिए था रिष्याने में प्राप्त के निए;

सतः सव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उन्त अधिनियम की धारा 269 भ का उपन्तर (१) में समझ नियमिसिसित स्वीक्त्यों, अर्थात '----

- (1) श्री माबिन्दराम एच० चुनाओ। (अन्तरक)
- (2) की पिटर ए० मिथियाप और अन्य । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यभाह्या करता हु।

उपन मन्परित के अर्जन के सबध मा काई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में पकाशन की तारी वें 4/5 दिन को अविधि में नत्मज्ञी व्यक्तियों पर गूजना बन निर्माल में 30 दिन को अविधि, जो और अपिथ बाद में समाप्त होती हा, क भीतर पूर्वोंक्ट परिनामों में न किसी व्यक्ति हात
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दन के भी 17 उत्त स्थादर सम्पीत में हितबद्ध । स्थी अन्य यो न देना अधाहस्ताक्षरों के पाम किए जा सकरी।

ज्यस्टोक्सरणः- इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर भी बीत्रयम, के अध्याप 20 के गां परिभाषि है. हिंदी अर्थ द्वारा शेउस आयात्र में दिवा सभा हैं।

अन<u>ुस</u>्ची

परीय नव 403 जा "सी" विष 4क्षी मजित "अटलाटा" इमारत मालाट-मार्ने ोड मालाट (प) वस्वई-64 में स्थित

स्राप्ति जैसा रि का म० ऋई-4/37ऋईई/13595/ 64-95 और आस-म पा भिरोति नम्बई ब्रास दिनाक 1-9-1934 का राजिस्ट किया गया है।

> ग० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी तहायः आपार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जने रेज-4 वस्बई

िनार 10-5-1955 सोहर १ प्रकप नार्वं,दी,एत,एस., -----

नायकार जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नार्स सरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्भन रेज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/13499/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी में दुकान नं । जो लक्ष्मीनारायण शाणिंग सेंटर जंक्शन ग्राफ एसं वि रोड और साईनाथ रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाव अमुसूची में और पूर्ण रूप में विणन है),/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षित्यम 1961 की धारा 269 कल के ग्रिक्षीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्योवय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया संवा है है

- (क) जलारण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी नाम या किसी थन या अन्य जास्तिन. को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या थन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बतः अवत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

- (1) श्री प्रवीणचन्द्र द्धिमजी गाला और ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) गुलाबचन्द मुरजी शहा और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मस्ति के अर्जन् के लिए कार्य-वाहियां करता हुः।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्यी

दुकान नं 1 जो लक्ष्मीनारायण शापिग सेंटर अंक्शन ग्राफ एस० थी० रोड और साईनाथ रोड मालाड (प) बम्बई— 64 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/13499/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेजि-4 बस्बई

विसांका: 10-5-1985

मोहर 🚁

प्रकृष् बाहुर् टी. पुन् पुन् -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

धारक बडकाड

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-४ बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदंग स० भ्रई-4/37ईई/13592/84-85--म्रन मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रहं से अधिक है

और जिसकी सं० पलेंट नं० 6, जा दूसरी मजिल 'श्राकाण— इसारत'' साईवाबा पार्क मिन चौकी मालाइ (प) बस्बई 64 में स्थित हैं (और उससे उपाबद्ध श्रनुपूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) /और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1-9-1984, को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ज यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्सविक रूप से किथा क्या गया हैं:—

- (५) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने का उसने बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अधीत ;— (1) मेसर्भ कान्धीनेन्टल कार्धोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राबर्ट एफ० मैंडोका ।

(श्रन्त[रती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिक् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित -वृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पद्यों का को उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्चीं

पलैट न० 6, दसरी मजिल "ग्राकाण अमारत" साईवाबा पार्क मित चौकी मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है। ग्रन्सूकी जैसा कि ऋ० स० ग्रई-4/37-ईई/13592/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रजिस्टई किया गया है।

> ०० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-४ बम्बई

दिनाक 10-5-1985

नोष्ट्र 🛚

49 -- 96 GI/85

प्ररूप. बार्ड. टी. एन एस. -- - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-ा, वस्बई

बम्बई, प्दनास 10 मई 1985

निद्दण ग० अर्ड⊶ ।/37—इर्ट्या 351-4/81—85——अस मझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की बारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने रा कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिचिन बाजार मृल्य 1,00,000/- रन से अधिक ही

स्रीप जिसकी से पर्नेट कि 101, जो 4 की मिलिन, जिस्मिन अपार्टमेटस, 21-22 टनामदार नेआउट, पिपचीकी माताट (प), बम्नई-64 में स्थित दें (स्रीर इसमें उपाबद अनस्वी में स्रीर पूर्ण क्य में बणित है) स्रोर जिसका रिरोरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्य के अमेर अम्बद्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है, दिनाक 1-9-1984.

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपित का लिखत बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल क, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिकत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया स्था हैं

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय का बावस, उक्क अधिनयम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दामिल में कभी हरन में नम्म वर्णन में मूजिल के लिए; और/मा
- हा) एको किसी आया र एकक तन या तत्त्व आफ्तियाँ का, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रभाजनार्व अन्तरिती स्वर्गर पकड़ नार्व किया प्रभाजनार्व किया

जत: अब, उथन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण बी, मीं उथन अधिनियम की भाग 262-घ की जनगण (11 की अधीन, निम्निजिनित व्यक्तियों। अर्थान — (1) श्री भी ७ एम > शेरणभ्य (जिक्त प्रमोटर)

(जन्नरकः)

(೨) श्रीमनी तर्भागगम सानेजी। (अन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्थन के लिए कार्यवाह्या शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी काक्षंप .---

- (क) इस मूचना के राजपत मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन में 30 दिन की खनिष, जो भी अवधि बाद म समाध्य होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में के दिन की उस हनता;
- (स) इस गुजना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीनर उचन स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निर्मासन में 15ए हा सार्ज।

स्पष्टीकरण :----इमर्भ प्रयूपन शब्दा आर पदा का, जा उक्त आयान्यक का अध्याप १०-८ के परिभाषित है, तहीं यथ है। भा, जा उप अध्याय में दिया स्था है।

प्रनम्ग

पलैट न । 10 जो । या मीजरा जस्मिन अपार्टमेटस, 21-22, इनामदार विज्ञातह, भाग नीती, मालाह (प), बस्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचा जंगा कि के० से० अई-4/37-ईरी/13514/84-85 और गाँ पास प्राधानकारी, क्यारी श्रेत किनार 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद निजम प्राधिकारी रापक्र आपार आयुक्त (विरीक्षण), निजन रोज-४, वस्बर्ट

दिनाक 10-5-1985 माहर . प्रकथ आहे ही एन एम -- -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बाधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायव लाधकर आयक्त (निर्राक्षण)

अजन रेज~4, बम्बर्ट वस्बर्ट, दिनार 10 गई 1955

ोनदग स० अट - 4/37-ई5/13252/84 \5----जेन मुझ ए० प्रसाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २०१ व व अपन सक्षम पर्मियमर्ग व) यह विस्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रोस अधिक रो

भ्रौर जिसकी स्र एवँट स्र सी () का तरीहरू-1, प्ताट न 18 1) 20-ए । बाक मोताय आप सार्वराए सावाउ (प) बस्पर्ट-64 में स्थित हें (पार उपा उपाधित अनस्वी में श्रोर पूर्ण रा स बिणित हें) श्रीर जिसाए राज्यामा आसार अधिनियस 196 का का 169 अ रे जिसाए वास्त्री सम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकाए के स्थानिक में रिस्ट्रा ने बिनास 1-9-1984,

का पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करन ना नारण है कि यथाप्यास्त सपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफात स गणा दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रशिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिली (असरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गमा प्रणिफान निम्तिति हित वद्याश्य से जाना अन्तरण निम्तिति स्था गमा प्रणिकान निम्तिति हित वद्या से जाना अन्तरण

- हा । माहि िसी १८२ । बीवर, रक्ष्म व्यापालयम के जान कर गाँउ अलारक को शासित्व मा कभी करने या उसमें बेखा भा शुंगिया की लए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, अन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चा ने, ए था, एक्यान में मूबिधा बी निए।

वतः जन, उत्तर अधिनियम की धारा २६९-ग की, अनुसरण को, में उत्तर अधिनियम की धारा २६९-भ की उपभारा (1) की अधीन, निम्निनिमिन व्यक्तियाँ, अर्थात --

(1) श्रामता रामा राजामार वसदानी।

(अन्तरकः)

(2) श्रा अरण र्यार रायणरन मदान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्तीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुन्।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोइ भी बाक्षेप:---

- (क) ६म मुखना के राजपण मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवनी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि उन्हें मा समाध्य हाती हा, के भीतर पूर्वेक्स वर्ष तियाँ मा मि विधी व्यक्ति ह्यारा,
- (ख) इस सचना वं राजपत्र मा प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उन्नत स्थानर सपत्ति में हितबद्ध ि । व्यापित उन्नाप्त अभाजस्याद्धारी के पास निवास वाकार जासकीय।

स्पष्टीकरण - सम प्रयक्त शब्दा और पर्दो का, जा उन्क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ टागा जा उस अध्याय मा दिया गया हो।

धमसधी

पलौटन० सार्/6 का, हराइ।रे,—1, प्राटन० 18, 19, 20—ण विकेश मालनाय आफ मावे राह मालाह (प),बुम्बई— 64 म स्थित टै।

अनुसूबा तैया। या स्याप्त सार्व - 1/37-ईई/13252/81-85 स्रार का तक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनास 1-9-1981 का र्यास्ट्राक्ष्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम **प्रा**धिकारी महाब⊤ श्राय₁ र ऋायुक्द (निरी**क्षण**) अजन रेज—4, बम्बई

विनाक 10-5-1985

महिर

इक्स नार्वः डौ. १५_% एक_{्र}-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ष भारा 269-म् (1) वे व्यक्ति श्वामा

नाइद रहकाड

कार्यालय, सहायक भायकर आवृष्ट (विश्वीचन)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेण स० अई-4/37–ईई/13348/84--85---अतः मुक्के, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हा कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार नृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक **ह**ै ग्रीर जिसकी म० दुकान म० 2, जा, "महावीर" इमारत, प्लाट सं 14, सिटी सर्वे न 5 (ग्रंग), वालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णिन है)। श्रीर जिसका करारनामा आयकर आंधनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित भन्नम प्राप्यकारी के कार्यालय में र्जिस्टी है, दिनाक 1-9-1984, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पवह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और बतरिती (अतिरितियो) के बीच एस अतरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल निम्नलिखित उददव्य से उक्त बतरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत उक्त जीध-अयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कभी करने या उत्तरों सचवे में बुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था. स्थिपाने में स्विधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पाशुभायी खिमजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल लालचद थापर ग्रौर अन्य । (अन्तरिती)

श्रो बहु सूचना चारी करके पूनों कर सम्बन्ति के कुर्वन के किए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

बक्त सम्मार्थ के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अवधि या तत्त्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बक्त किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकरेंगे:

स्पाद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वन्यूषी

दुकान सं० 2, जो, इसारत "महावीर", प्लाट स० 14, सिटी एस० न० 5 (अ्रण), बालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/13348/ 84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, **बम्बई**

दिनाक - 10-5-1985 **मोहर** : प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एख् ु======

आस्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुभना

भारत तरबार

कार्यांत्रय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, धम्मई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/13679/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर महर्गात, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रु. में अधिक ही

स्रोर जिसकी मं० फ्लैट नं० 10, जो, शिव किर्ती को०आप० हाउसिंग सोगायटी लि०, बी-इमारत, एच० न० 397. चिचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), /ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाबित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—
 - (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिषय के अधीन कर दोने के अंतरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
 - (क) एसी किसी बाय या किसी भून या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चै सभीन, निम्नकिचित व्यक्तियों, वचीत् ⊑—-

- (1) श्री माईबाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि॰ । (अन्तरचक)
- (2) श्री अशोक नाना पाटिल । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करूके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्चन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकीते।

स्पक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पवा है।

अनुसूची

फ्लैंट स्व 10, जो, शिव किर्ती काव्यापव हार्डीस्य सोसा-इटी लिव, बीव-इसारत, एसव नव 397, चिचोली बन्दर राड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सर अई-4/37-ईई/13679/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~३, बम्बई

दिनाक : 10-5-1985

नाहर 🗈

प्ररूप बार्ष, टी एस, एस, -----

आयकर विश्वित्यम, 1961 (1961 को 43) की भाडा 269-व (1) को जभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यात्मस, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्ति)

अर्जन रेज-उ, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निवण स० जई-3/37-ईदी/13676/84-85-अन मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनिण्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह अश्वास करने का शारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा संअधिक हैं

ग्रीर जिनकी में प्लैट में 118 जा 1973 किनी को ज-जा 10 हार्जीमा मामायटी लिंक इमारत में व 1-इज्यू-ए, एमें वे 397, चिचीली बन्दर राइ, मालाइ (१) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायद्ध अनमूची में ग्रीर पण ने पास वीणत ने) ग्रीर जिसका करारनामा आयोज बाबानियम 1961 ना बारा 269 क्या के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिना जा-9-1984.

को पूर्वोक्ड सपित्त के उचित बाजार मृत्य स कम के द्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेन के अनुसार अतिरित की गड़ी है और मृद्रों यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृत्य, उपक दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अनिरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निनियत उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी काय की बाबस, उस अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दारश्ला है क्यों करने थे। उससे बीने में सीविधा के लिए, कार/या
- (भ) एसी किसी वाय या किसी भन था अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) जो उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ नार्थों का नार्थ कर अधिनियम सामा किया जाना वाहिए था, धिनाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की थाए 269-ग के अनुसरण बें, में उक्त अधिनियम की थाए 269 म की उरभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित .—— (1) श्री माइंवाबा . प्रश्वमं प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) संस्कर भागवातचार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन का अपित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में निमालन होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में गें किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीस सं 45 पिन के भीतर उक्त स्वान्य सम्पत्ति या हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा भकींग ।

स्थाद्यांकरणः— = नग १५वत शब्दा आ ५६, का, भी उसत अधिनियम क अब्याय १० तम परिभाषित ही, वही अर्थ हागा अ। उस अब्याय मा दिया गया है।

अनुपूर्ची

पर्नेट स० 11 जा,†णव कितों कार आपर हाउसिंग सोसा-यटा (लंद, इमारत, न० 1 विग् ८० नर्थे त० 397 चिचोली यन्दर रोड मालाड (प), वस्बई--61 सं स्थल हो।

अनसूची जैसा कि कि सक अई-4/37—ईई/13676/84— 85 ग्रीर जा सक्षम प्रतिधारिंग, बम्बई द्वारा दिनाकः 1-9-1984 का रिजस्टडं किया गया है ।

ए० **प्रमाद** मक्षम प्र⊦धिकारी, महायक आयक्षर आयक्त (निराक्षण), जनसरजे—उ,वस्ब**र्ध**

दिनाकः: 10-5-1985

भोहर :

बुक्य भार्य ही. एस. एस.....

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भग 269 ध '1) क अधीर मृश्वना

बारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-3, वराई

बम्बर्ज दिनात 10 मई 1985

निदेण स० - प्रर्द-- ३/३७-- ईर्ट / १४६७ - / ४४-- ४५-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण हैं कि स्थावर मपित्त जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपयो से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ९ फ्लैट सं । जो, शिव दिनी को अक्षापं हार्जिस सोपावटी ति , इमारत सं । जिज—वी, एसं नं 397, चिवोली बन्दर राट, सापाड (प) वस्वर्त में स्थित है। (स्रौर इसमें उपाद जन्मुना भे पीर एण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा आप पर अधितसम 1961 की धारा 269 एख के अधीन वस्वर्त स्थान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिनाक 1~9~1984,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ हैं और मंभ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दर्गमान प्रतिफल में, एक रुग्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब एम अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर या के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बौड/बा
- (का) एपी किसा लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था राफिया राज्य राजिया के लिए।

अत अब, उक्त अधिरियम को गारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्मित पिक्तगा अर्थात — (1) श्रा सा बाबा भिन्दर्भ पाइवेट । ल०।

(अन्तरक)

(४) या सुधीर १० (मठबानकर)

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारों करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवीय या तत्सम्बन्धी शॉक्तया। पर स्वना की तार्माल स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नह मा समाप्त हाती हा, के भोतर पूर्वेक्सि त्यो ना भा भी किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सचना के राजपत्र मा एकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर अको स्थावर मणीत्न मा हितबद्ध जिस्सी जन्य ज्योजन देवारा अधाहरताक्षरी के पास जिल्हा मा किए जा सकत्ते।

स्पब्दीकरणः --इसमा (यूक्त शब्द! और पदो का, जा उक्त अधितियम क अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बहा अर्थ हागा का उस अध्याय में दिया का कु

प्रनमधी

पर्लंट सं 4. जा (शत कीर्ती को आतं हाउकिश सोसायटी लिंक, इमारा संक 1 जिन—वी एस० नेक 397,चिचाली बन्दर रोड सालाड (प), वस्वई—64 संस्थित है।

अनुसूची जैशा शिका मार्च अई-4, र7-ईई, 13678/84-85 फ्रीर जा सक्तम प्रात्य शारी, वस्वई द्वारा दिनाक 1-9-1984 का रजिस्टड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम पाधिकारी सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) वर्जन रेज-४ बम्बई

दिनाम 10-5-1985 माहर

प्ररूप बाई . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 10 मई 1985

निदेश सं० अई-- 3_l 37--ईई, $1\,3\,2\,2\,4_l$ $8\,3$ -- $8\,4$ ---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-कः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट सं० 30, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्ट मेंट, मालबनी बिलेज, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूणं रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वों कित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिस्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वासिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उन्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाब वा किसी भन वा जम्ब बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृष्टिना के लिए:

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यंक्तियों, अर्थातः :— (1) मेमर्स हेमल इण्टरप्राञ्जेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा मोहनदास भेणाय ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपित्त में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

रनेष्क्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क को परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हाँ।

धनुसूची

फ्लैंट सं० 30, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट बेर्आरंग सी० एम० नं० 19, 41 मं० 85, 5, 96, 1, विलेज माल-वनी, मलाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/13224/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष आर्घः ती. एत . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई खम्बई, दिनांब 10 मई 1985 निदेश सं० अई-3/37–ईं5/20341/83–84—अतः मुप्ती, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सार्णन जिसका उचित शजार मृज्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट स० बी, 13, जो, पहली मंजिल, इमारत नालन्दा—2, प्लाट नं० 32 श्रीर 33, विलेज वालनाय, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), वम्बर्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से निजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वस्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1—9—1984,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुखमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुम्मे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में, एस दुख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अर्तारित्यो) के बीच एम अत्रण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में म्हाँचक स्टें है दिल ही जिल्ला गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के बेनरक के टायित्व मां कभी कारने या उसल बचने में मिशिश 3, जिए, कोर/या
- (स) एमी किसी बाय था किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जा कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अर्थारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जा नाम्यि था, स्थिपने भी सीमा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण न , मी, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपभारा (1) चे अभीत विकासिक्षित जान्मियाँ, अभीत व

- (1) श्रीमती मधु एल० स्वेत्ता और अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री किंगू जी० अडवानी । (अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पादीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

पलैंट सं० बी $_l$ 13, जो, पहली मंजिल, इमारत, तान्लदा-2, विलेज वालनाय, आफ मार्के रोड, एवरणाईन नगर के पास, मालाड (प), वस्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क॰ सं० अई-3/37-ईई/20341/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

50-96 G!/85

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 769-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायानयः, सहायक नायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्तेभ नेज-उ, अम्बई

यम्बर्ट, स्तिहर 10 मई 1985

भिदेश २० अर्र-3, 37-र्जि, 13551, 83-84--अतः मुझे, ए० प्रसद,

आयकर जायानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर निसकी स० फ्लंट न० बी-403, जो, राजन्द्र विहार, एवरणाईन नगर, िर्काम गेड, ऑफ मार्वे रोड, मलाड (प), बम्बई-64 में न्यित है (ग्रीर इसके पात्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में प्रियत है), भीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा कि9-, स्य के जधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के क्षामप्र में राजिस्ट्री है, दिवार 1-9-1984,

का पूर्वा ते भारति में उठिए असार यूट्य में कम के दश्यभान वितिक्षण के लिए असीरत का गर्म हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रथाप्यतित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान पितपान से, एसे दश्यमान पितफल का मल्द्र प्रतिकार का अस्त हैं और उत्तरित कार्यार कार्य कार्यार कार्य क

- (भा) सम्मारण स ह्याँ कियाँ बाव की नावस, उपक वी जिनकार में क्षीन छाए सन के जन्तक के बाबितक के अवी करण वा क्षणा मण्डने वे सुरंबचा क । सूर्य.
- लं , ंटिक ये छ। फिल्म धन या अन्य आस्तिओं अही, जिन्हा भारतीय आधक्तर मधिनियम, 1922 (११, १९११ में ११) ये रहे र्याचिनयस, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) रिजा ना से जनीर्या दनाण प्रकाद नहीं किया । जनार को किया

(1) श्री जयेश कि कोठारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री फान्सीस डिकूस और अन्य।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना बारो करके पूर्वां क्स सम्पत्ति के कर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ज्ञान के सम्बन्ध में कोई भी वासंद:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की टारीच से 45 दिन को लक्षीय या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बह्य थें समाच्या झाती हो . के भीनर प्रविक्त क्विक्सों को किसी क्यांविस दनारा;
- (स) धक सुजना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस सं 4) दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वाक्कीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ ब्राया जा उस अध्याय म दिया नवा हैं।

Travel 1

फ्लैंट नं० बी-403, जो, राजेन्द्र विहार, एवरणाईन नगर, लिकींग रोड, ऑफ मार्वे रोड, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्क-3/37ईई/13551/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसाँक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, बम्बई

दिमाकः 10-5-1985

मोधुर :

प्रकृत कावं दी एत एवं -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

बाइत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जाग्कर (निरीक्षण)

अर्भ रेंज-3, बमाई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13202/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने की आरण है कि स्थावर स्पिन जिसका जांचत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 304 जो, तीसरी मंजिल, अजीत-पार्क- त्री, सोमवार वजार रोड, मालाड (५), वस्वई- 64 में स्थित है (श्रीर इममें उपाबद्ध अनुरूची में और नुरूर्ण रूप में विजित है), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-9-1984,

को पृष्ठींक्स सपरित के उनित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए रिजिस्ट्रीकृत चिलेख के अनुसार अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया
शिक्तमा, निम्नारितित उद्देव में उस्त अन्तरण निष्मित्
में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी बाय की जावर, उइस विधिनियम के बधीन धार दाने के अन्तरक के श्रामित्य में काओ करने था उसमें बचन या गुणिया क जिल्हा की राधा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया धाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा भी लिए:

बतः बब, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) व बधीन, निम्निलिखित कास्प्लियों, सुपित् :--- (1) देशमुख विलडमं प्राद्वेट ति० ।

(जन्तरक)

(2) श्री दत्तानम जी गावडे।

(अन्तरिती)

की यह मूचना जारी करक पृत्तावत सम्यन्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उपत सम्पत्ति वं अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्राणी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से स्ति 12 जा अविष्य जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रविक्त स्वतिकार्य में स किसी को वन दशाश,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उवत प्यानर परपत्ति मा हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति १७३९ प्रधाहम्काक्षरी के वास निष्ठित में किए के पक्षपे

स्पष्टीकरणः— इसमे प्रयासन खब्दो और पदाँ का, जो उक्स अधिनिष्य के जिल्लास 20-क भा धीरभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस जन्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

पलैट नं० 304 जो। तीमरी भिजन अजीत पार्क-बी सोमबार बाजार रोड, सालाउ (1)। सम्बई-14 में स्थित है। अनुसूत्री जैंगा कि क० स० अई-3/37-ईई/13202/ 84-85 प्रीर जो सक्षम प्राधि गरी वस्बई द्वारा दिलाक 1-9-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अजंस रेज-3 वस्बई

दिनाक : 10−5−1985

मोहर 🖺

४ रूप आइ⁴. दी. एन. एस.------

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थान

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर वाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई--3,37ईई,13203,84--85---अतः मुझे-ए० प्रसाद,

जायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 003, जो गाउण्ड फ्लोर. अजीत पार्क-बी. सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है),,ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख क अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिशांक 1-9-1984,

को पृत्रींक्त मस्पत्ति के उचित बाजार मृंच, सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अवस्था निमान मिनासिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई जिल्ली नाम की नामस जम्स नियन नियम के मधीन कर बाने के अन्तरक की सामित्य में कमी करने या जससे मचने में सुनिधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय था किसी थन अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय नायकर अभिनियस, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया आना आहिए था क्रियाने में सुविभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, सर्थात् क्र--- (1) देशमुखा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश घोंडू देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं!

उक्त सम्पीति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 003, जो, ग्राउण्ड पलोर, अजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (५), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई, 13203,84-85 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–3, बम्बई

दिसी ह · 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यवक मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-थ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज⊶3, ब्रम्बई

बम्बई, दिशाक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3,37-ईई,13182,84-85-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोटार रोड, माला (पूर्व), बस्वई—97 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कोर्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 1—9—1984,

को प्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं पाया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. जिन्ह भारतीय आप-कर ऑबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जना चाहिए था, छिणाने में स्विभा के निष्कु

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री रमणीकलाल मचन्द नागरेचा।

(अन्त एक)

(2) मेसर्स सिद्धी विनायक मिल्क सप्लायर्स । (अन्तरिसी)

को मह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सर्बंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर का की वामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी जावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं कि उपावतमां मा मा किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड तिस्ति में किए का सकेंगे।

स्मध्दीकरण:---- इसमा प्रयुक्त शब्दी और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगत्त्री

दुकान नं० 6, जो, लक्ष्मीनारायण शार्षिण सेटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/13182, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं॰ अई--3/37--र्डिं, 13307, 84-85---अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है विश्वास करने का कारण जिसकी से व दुस्ति व 24 की साजाद प्रवीप अधिक

भ्रोर जिमकी त० दुकान न० 34, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, श्री राम टावर्स, टैन्क लेन, ग्रोलेंग चर्च के पान, जाफ मार्ने रोड, मानाड (५), बम्बई—64 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूचा म भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 प, ख के अधीन वम्बई स्थि सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री हैं, दिमाक सितम्बर, 1984,

को पूर्वेक्ति संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री राम कन्स्ट्रक्णन प्राइवेट लि ० ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सुबैया मेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसङ्गी

दुवान सं० 24, जो, ग्राउण्ड फ्लोर्, 'श्री राम टावर्स' टैन्क लेन, श्रोलेंन चर्च के पाम, आफ मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमा ि कि ने मं० अई-3/37-ईई/13307/ 84-85 श्रीर जी मक्षम प्राधिदारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद यक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ट्

दिनांक : 10-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृष कार्ड : दर्दि । एत : एस : -----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत करकार

कार्यांसय, सहायक जायकार आगुक्त (निरक्षिण) श्रर्भन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश म० ग्रई-3/37-ईई/13308/84-85--ग्रत:

मुझे ए० असाद कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260 स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० पक्ट तं० मी०-2, जो पहली मंजिल "श्रीराम टावर्फ ए टेन्स नेन ओकों म चर्च के पाम आप, नार्वे रोड मालाड (प) वम्बई-64 में स्थित है (और इसमे उपावछ अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है) /और जिसका करारतामा आयकर अधित्यम, 1961 की धारा 269 कर्ष के अधीन वम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-9-84 को ध्यांक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृज्य में कम के रस्यमान अस्तिप्रत के लिए अन्तरित की गई है और यूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की जिन्त बाजार मृज्य , उसके रस्यमान प्रतिफल से, गीमें स्थ्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में अध्विस हमें सिक्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वीयनः में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यर
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयजर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

क्षत अन्न, जक्त अधिनियम, की धारा १६९-ग के अनुसरक मं, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-म की उपधारा (1) इ.अ.मेन, निम्त्रतिसित व्यक्तिकां अवित् १(1) श्री राम करस्ट्रमशन प्राध्वेट लि॰ ।

(भ्रन्तरङ)

(2) श्रीमती पी० एम० शेट्टी।

(भ्रन्तरिकी)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उन्त संपत्ति क अर्जन क संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की त्रवांध या तत्मंबंधी व्यक्तियां पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकर्ग।

स्पच्टीकरणः - इसर्म प्रयूक्त शब्दा और स्था का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा भया हैं।

अनुस्धी

पक्षेट सं० सी०-2 जो पहली मंजिल "श्रीराम टावर्स" हैन्क लेन ओलंग वर्ष के पास श्रॉप मार्थे शेड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रमुस्ची गैमा कि कि के श्रई-3/37-ईई/13308/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनाक : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नावकर मधिनियुष्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सुमना

प्राद्वतं स्रकार्

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

क्षीर जिसकी सं० पलैट नं० सी०-6 जो हिरा कुटीर को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० शिवाजी नगर दपतरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (और ६ससे उपावक प्रमुस्थी में और पूर्ण रूप से विजित है) /और जिकका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जान की वावस, अस्त्र अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे उपने में मुनिधा के लिए: बौर/वा
- (क) ऐसी किमी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१८ १० अ) १३० या उन्ते अविधास, जा बन कर आविधास, जा बन कर आविधास, जा बन कर आविधास , 1937 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा में स्थि।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) श्रीमती सुशीला पी॰ पंडित ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्यारप्रली ग्रार० गिलानी ।

(भ्रन्त(रही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्षित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुसूची

पर्लंड सं० सी०-6 जो हिरा गुटीर को०-प्राप० हार्जासग सोसायटी लि० शिवाजी नगर दक्तरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-3/37-ईई/13492/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज–3 बम्बई

दिनांक : 10−5-85

मोहर 🖫

प्ररूप बा<u>र्च.</u> टो. एन. एस:------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेज-3 वस्वई

बम्बई दिनाक 10 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13221/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिमका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लैट सं० 17 जो पहली मंजिल हैमल श्रपाद-मंटस प्लाट सं० 19, 41, विलेज मालवनी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और ६ससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) /और जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम श्रिक कारी के कार्थालय मे रिजस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितिया) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाब्द, उक्त बीधिन्दम के बधीन कर दोने के ब्यूटरक की दादित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविच। के सिए; बॉर/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य अतिस्तयों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाकया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियां अधात् .—— \$1 —96 G1/85 (1) मेसर्स हेमल ६ण्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रिभ्चन्दानी ही बसुमल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंकत सपित को कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति सुनहरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित मो किए जा सकति।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश गया है।

यन्सुची

पर्लंट सं० 17 जो पहली मंजिल हेमल श्रपार्टमेंट प्लाट सं० 19, 41, विलेज मालवनी मालांड (प) बम्बई में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-3/37-ईई/13221/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिटर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ड

दिनाक : 10-5-198**5**

मोहर ह

प्रकृष बाद'.टी.एन.एस.------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीक स्वना

भारत सुरुक्ता

कार्यन्त्र, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13223/84-85--ग्रत. मुझे, ए० प्रसाद.

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उनित दाजार भून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 48 जो तीसरी मंजिल हेमल श्रपार्टमेंट मालवनी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ही है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित मामितिक हमें से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शियत्य भी कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्यिया के बिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (।) के अधीन. 'नम्मलिखित व्यक्तितयों, अर्थात:—— (1) मेसर्स हेमल इण्टरप्राइजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री शिवा एस० शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये का सकेंगे।

स्मब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

अनुसूची

पर्लंट सं० 48 जो नीसरी भंजिल हेमल श्रपार्टमेंट प्लाट सं० सी० एस० सं० 19 41 मं० 85/5 96/1 विलेज मालवती मालाड (प) बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/13223/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 1-9-84 को राजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई

दिनांक : 10~5~1985

मोहर 🚁

श्ररूप बाध". टी. एन. एड. '-----

जायभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के जभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985 निदेश स० ग्रई-3/37-ईई/13235/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद (उक्त अधिनियम कहा गया है), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट स० 601, जो, 6वीं मजिल, ग्रंटलाटा", इ—िवग, प्लाट न० 38, मार्वे रोड, ग्राफ वालनाय विलेज, मालाड (प), वम्बई—64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप सं विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित मक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1—9—1984.

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्र-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की शावत, अक्छ अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा कें सिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आरिसकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाडिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलेखित व्यक्तियों अधारे हु——

- (1) मेमर्स भार जो विल्डर्स प्राइवेट लि । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रोमती श्राय० पो० फर्नांडीन और ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संत्रध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं 45 दिन की अर्गाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में किन्स गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 601, जो 6वी मजिल, 'श्रटलांटा'', ई—िवग, प्लाट नं० 38, श्राफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), α वस्वई-64 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/13235/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

मोहर :

त्रक्य बाह्रे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांवः 10 मई 1985 निदेश सं० श्चई-3/37-ईई/13345/83-84--श्चतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' वहा गया हैं), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 602, जां, "एफ" विंग, 'ग्रटलांटा", फ्लाट सं ० 38, ग्राफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विंगत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—9—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सो, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कम, विम्नतिवित्त उद्देश्य से उपन बनारण विविद्य में बास्त- कम, विम्नतिवित्त उद्देश्य से उपन बनारण विविद्य में बास्त-

- (क) अन्तरम से हुई किसी नायुकी नावत उपह विध-नियम से भूषीन कर दोने से बच्च दुक्त को दावित्थ में कभी करवे था सबसे वचने में कृषिधा को किये; बरिया/
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा वा किया साना साहिए था, कियाने में सुविधा है सिए;

नतः नव, उन्त निधित्यमं की धारा 269-ग के, नन्सरक में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के संधीन, निस्तिनियमं स्थितियों, नर्धात् ्र⊸र

- (1) मेसर्स भार० जी० विल्डर्स प्राइवेट लि ० । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निरा पोरत चन्द बाली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्थन के लिख्न कायवाहियां शुरू करता हुं।

त कर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्याक्षरी चे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाधीकरणः इसमे प्रयुक्त कर्को और पदों का, को स्थल जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

पर्नैट सं० 602, जो, "एक" विग, "ग्रदलांटा", प्लाट सं० 38, ग्राफ वालनाय विलेज, मार्वे राड, मालाड (प), बम्बई— 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं अई-3/37-ईई/13345/83-84 श्रोर जी सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहुदु ७

त्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-3, बस्बई बस्बई, दिनाक 10 मई 1985 निदेश स० श्रई-3/37ईई/13220/84-85--श्रत मुझे, ए० प्रमाद,

भावकर निर्धानसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें क्सों प्रचात चंवनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-- के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थानर समिति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 45, तींगरी म जिल, हेमल अपार्टमेटस, सी० एस० नं० 19, 41 विलेज सालवनी मालाड (प), बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसना करारनामा श्रीयंकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 व्या क श्रिधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मं रिजरहों है, दिनाक 1-9-1984,

को पूर्वोक्ध संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफान की जिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उच्न अन्तरण कि सिए तम

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की वाबत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और/सा
- (क) एंसी जिल्ली या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिल्लं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अथ, उनतं अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत अभिनियम कि भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् हे—

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पाटिल ग्रार० मोहन ग्रौर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नमधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगें।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किंचियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्या

पलैट स० 45, जो, तीयरी म जिल, हेमल श्रपाटेंमेटस, प्लाट सं० 19, 41, विलेज मालवनी, माआड (प), बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० ऋई-4/37-ईई/13220/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)∎ भर्जन रेज−3, बस्बाई

दिनाक : 10-5-1985

मोहर 🛴

प्रकम काइ". टी. एन. एस. -----

भावकर व्यापिक्किक, 1961 (1961 का 43) करीं भारत 269-म (1) के नभीन स्थाना

nite agent

कार्याज्ञम, बाक्षयक मायकर मायुक्त (निर्शिक्षण)

श्चर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985 निदेश स० श्चई-3/37-ईई/13344/83-84--श्चत. मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विधिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इकम इसके पश्चात् 'उक्त विधिनमम' कहा क्या हैं), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकादी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिनकी स० फ्लैंट स० 201, जो, दूसरी मजिल, "ग्रटलाटा ई-विग, प्लाट स० ३८, ग्राफ वालनाय विलेज, मार्ने राइ, मालाड (५), वम्बई म स्थित है (श्रीर इतमे उपाबद्ध ग्रन्सूचो स ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख क श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, दिनाक

1-9-1984,

को पूर्वोक्त संन्तिति के रिकत नाकार मृश्य सं काम के दश्यमान प्रतिक्रम के लिए नन्ति की मही ही बीर नृत्रे मह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृश्य, उसने काकाम प्रतिकृत से, एसे क्ष्ममान प्रतिक्रस का पंद्र प्रतिकृत से जिथक ही कीर संतरक (अंतरकों) बीर स्तिति (अंतरितियों) के बीच एस अवरण के बिए तय यात्रा नया प्रीविक्षय , निकानिकित उद्देश्य स स्वस्त अन्तरण जिल्ला मा कास्तिमक क्या में किया नहीं निका स्था है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अब की बाधल, उसक विभिनियम के अभीन कर दने के जन्ता के के किया में कमी करने या उत्तस बचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या सन्य आस्तियों को, विश्व भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अस्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रसट नहीं किया ग्रामा या किया ग्रामा चालिए था, खिपाने मा मुनिधा के लिए;

अतः नवः, उत्तरा अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उत्तरा नियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्मीकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मसर्स ग्रार० जी० त्रिल्डर्स प्राइवेट लि०। (श्वन्तरक)
- (2) श्री एम॰ रामकुमार । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संगत्ति के मर्चन के तिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तस्वत्थ में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकादन की तारीच के 45 विन की जबिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्चना की तानीक से 30 विन की सवीध, को बी अवधि नाद में सजापत होती हो, के नीतर प्रविक्त के व्यक्ति में की किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दिखबद्ध किसी जन्द स्थावत क्यारा अधोहस्ताकारी के बाद निश्चित में किस जा सकेंग।

स्पद्धीकरण --इसमा प्रयुक्त कल्वां और वर्षों का, बो उच्च अधिनियम के अध्याद 20-क में परिमाणित हों, वहीं अर्थ होगा को उद्य सभ्यास में दिया गया हो।

न्नसंधी

फ्लैट म० 201, जो, दूपरी मजिल, "ग्रटलाटा", ई-विंग, प्लाट न० 38, ग्राफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनमुची जैसा कि क० स० श्रई → 3/37 – ईई/13344/83 – 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रेंज⊸3, बम्बई ।

दिनांक 10-5-1985 **भोहर** 🛭 बक्त आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

प्राप्तक कर्मकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/20353/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दबके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, जी, पहली मंजिल, प्लाट सं० 6, सम्प्राट इमारत, जन कल्याण नगर, मालाङ, बम्बई—68 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिलांक 1-9-1984,

को पूर्वेक्स तम्मीत के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित का उचित बाज़ार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का नन्द्र प्रतिकल का नन्द्र प्रतिकल के विश्वास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नतिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाम भी बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कार दाने के अन्तरक की शाहित्य में ककी करने या उनने अवने में अधिका के किए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्लियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्थिश के निए;

बतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निमालिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् (----

(1) मेसर्स शान्ग्रीला कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री फ्रान्सीम पी० डिसोजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशींच से 30 दिन की व्यक्ति मों भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीज है 45 विन को भीवर उक्त स्थानर सम्परित में हित-नक्ष किसी कमा काकित इनारा, नथों इस्ताकारी के गांस मिनिज में किस का सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा. भो उस सध्याय में दिया गयः है।

नन्स्ची

पर्नंदिसं ० 1, जो, पहली मंजिल, प्लाट सं ० ६, इमारत सम्बाद जन कल्याण नगर, मालाइ , बम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि कि नं श्रई-3/37-ईई/20353/83-84 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

ं जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/13234/84-85--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 102, जो, पहली मंजिल, ए-विंग, श्रटलांटा", मार्वे रोड, मालाङ, बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा 'श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, विनाक 1-9-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह अतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्निलिखित उप्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य लागियों की जिन्हों भारतीय आयठ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सृविधा से आहु;

बतः बस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) मास्टर जयेश गुप्ता (मायनर) (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्तित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लैट सं० 102,जो, प्हली मजिल, "ए" विग, "श्रदलौटा", मार्वे रोड, मालांड (प); बस्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० श्र $\hat{s}-4/37-\hat{\xi}\hat{\xi}/13234/84-85$ फ्रींर जी सक्ष म प्राधिकांरी, तम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक . 10-5-1985

मोहर ः

प्रकृष् वार्षः . ती . इन् . एवं . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत बरुकार

कार्यालय, सद्दायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी म० फ्लैंट न० एच/3-ए, जा, 1 ली मजिल, हरीद्वार-1, प्लाट न० 18-19-20-ए श्राफ व्हिलेज वालनाय, मालाड (पिच्चम), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण मा में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान रितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्निह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है। —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिमिनयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में काशी करने या उससे वचने में सुविधा भी लिए, न्वीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ला किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृष्टिया के स्था

अत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---52--96GI/85

(1) मेसर्स एवरशाईन बिल्डर्स, प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी भोलानाथ मास्टर।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे बहु सुचना चारी करके पृष्टियस सम्मरित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मन्ति के वर्षन भी सम्बन्ध में आहे भी भावते हु--

- (क) इस तृष्णा के राजपण के प्रकावन की सारीय ? 45 दिन की अविधि या तत्सं मंभी व्यक्तियों व सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति ब्यास अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रमुक्त बच्चों और वधी का, वी उनर विभागित्यम के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिया गया है।

गम्बुकी

फ्लैंट नं० एच/3-ए, जो, 1 ली मंजिल, हरीद्वार-1, प्लाट न० 18-19-20-ए, व्हिलेज वालनाय, मालाङ (प०), वस्बई-4 मे स्थित है।

अनुसूची जैमाको फ़र्न्स अई-4/37-ईई/13281/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

नाहर 🛭

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रहाभक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13680/84-85—-<mark>ग्र</mark>तः मुझे, ७ प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० शिव कितीं की-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० इमारत नं० 1-डब्ल्यू—"ए", एस नं० 397, चिचीली बंदर रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984। को प्रबंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कन के अवमान निफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य से कन के अवमान निफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्ववेष्य से उचित अन्तरण किलित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-म के बन्मरण है, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री साई बाबा बिल्डर्स , प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हेमंत पदमनाथ पृथरान।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र तो प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसतृष्या के राजपन में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निकित में किए का सकरेंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

यन्युची

णिव किर्ती की-ग्राप० हार्जीसंग सोमाइटी लि०, इमारत नं० 1-डब्ल्यू-"ए", एस०नं० 397, चिचोली बंदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/13680/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

बस्य बाई.टी.एव.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

ब्रम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13226/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रु. से अभिक हैं ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 47, जो, 3री मंजिल, हेमल श्रपार्टमेंट, मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की । रा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उच्त अन्तरण

> (क) अन्तरण से हुइं किसी आव की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या

श्विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(अ) ऐसी किसी या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के प्रियुः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स हेमल इंटरप्रायसेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेंदर कुमार कौरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 47, जो, 3री मजिल, हेमल श्रपार्टमेट, व्हिलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-4/37-ईई/13226/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**च**: 10-5-1985

मोहर 👙

प्ररूप शार्, टी.एन. एस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/13681/84-85—श्रत मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी स० फ्लैंट न० 14, जो, शिव किर्ती को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, इमारत न० 1-डब्ल्यू—"ए", मर्वे नं० 397, चिंचोली बदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख, 1 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त किसिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै सिए;

कतः वर्ष, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण कें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वधीत :---

(1) श्री माई बाबा विल्डर्स, प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशाक एम० केलकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुप्

फ्लैट न० 14 जो, शिव किर्ती को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, इमारन न० 1-डब्ब्यू०--"ए", सर्वे न० 397, चिचोली बदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-७४ में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०स० ग्रई-3/37-ईई/13681/84-85 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टडं किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३, **ब**म्बई

नारीख · 10−5−1985

मोहर ॥

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्भन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13674/84-85---ग्रत मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पर्लट नंव 11 जो शिव किसी को-आपव हाउसिंग सोसाइटी लिंव इसारत नव 1 विग-दी एसव नंव 397 चिकाली बंदर रोड मालाड (रिश्चम) बस्बई-54 में स्थित हैं (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधार (†) के अधीन, निम्निलिखत, व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री साई बाबा विल्डर्स प्रायवेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनायक ग्रार० शिगारपूरे

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्वा स्वाहै।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 11 जो णिव किर्ती को-ग्राप० हार्जासग सोसाइटी लि० इमारत नं० 1 विग-बी एस०नं० 397 चिचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० ग्रई-3/37-ईई/13674/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3. बम्बई

नारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप नाइ", टी., एन., एस. ------------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) से स्थीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13675/84-85—ग्रन: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 4 जो इमारत न० 1 विग-ए शिय किली को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि० चिचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है। (और इससे उपाबक प्रभुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजउस्टी है नारीख 1 सितम्बर 1984

कां पृथां कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवमान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रवमान प्रतिकाल से एसे द्रवमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निष्कृत में बास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जलरण सं सुद्द किसी बाब की बाबत बक्त वाधि-निवंत के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में क्षत्री करने या वससे बचने में सुविभा के सिये: क्षत्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तिकों की, विमहं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अक्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के किय;

जतः जय, उपत विभिन्नम की भारा 269-व के वनुसरण वें, वें, उक्त विभिन्नम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भातः ः—् (1) श्री साई बाबा बिल्डर्स श्रायवेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्रार०बी० यादव और भ्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को नह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्पोत्त कं अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपरा सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाबीय ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध का तरसम्बन्धी स्पित्तरामें पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध वाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वविद्यों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ण) इस स्थान के राज्यपत्र में श्रकाशन की तार्याय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नवा है।

and the

फ्लैट नं० 4 जो अमारत नं० 1 विग-ए शिव कितीं को-ग्राप० हाउसिंग सोमाइटी जि०, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

प्रमुस्ची जैसाकि क०सं० श्रई-3/37-ईई/13675/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्राग दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3 बम्बई

नारीख: 10-5-1985

मोहर:

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.-----

आयश्राप अधिकार में प्राप्त में प्राप्त स्थाप के अधिकार स्थाप के अधीन स्थाप स्

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/13677/84-85---ग्रतः मुझे,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिपनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16 जो शिव किर्ती को-ग्राप० हाउभिंग सोसाइटी लि० ध्मारत नं० 1 विग-ए एस०नं० 397 निकोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) वम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रानुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राप्त-नियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 मिनम्बर 1984

को पर्वोक्त सम्मित के जीवत बाजार मृल्य से कम के क्यमान वितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का जीवत्त बाबार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिक्रल निम्नितिबत उद्देश से उस्त अन्तरण कि बित्त में सास्त्रिक क्या से कांबर अहीं कि वा मवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उच्च नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/अः।
- ्रे) एसी किसी बाव या किसी बन बा बन्य वास्तिको को, किन्हों नारतीय वायकर श्रीधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिवयम, वा धन-कार अधिवियम, वा धन-कार अधिवियम, वा धन-कार अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के एकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विज्ञा नामा चाहिए चा, किया में स्वियम को विक्रम

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निब्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) श्री साईबाबा बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती विश्विश बक्सी।

(अन्तरिती)

को यह क्षमा जारी करके प्रतिकत संपरित के अर्थन के तिय कार्यमाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की वर्धीण, वो भी जबिंच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकींचे।

स्थायकरणः — इत्तरं प्रमुक्त खब्दों और पदों का, को जक्क विभिनियम् के कथ्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में विवा गया है।

वन्त्र्यी

पलैट नं० 16, जो शिव किर्ती को-म्राप० हार्जसग सोसाइटी नि० इमारत नं० 1 विंग-ए एस०नं० 397 निचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि का०मं० अई-3/37-ईई/13677/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 10−5−1985

त्रस्य आहे. दी, एव. एव. -----

नावकड वीभिनियस, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 10 मई 1985 निदेश सं० भ्रई-3/37-ईई/13236/84-85----श्रमेः मुझे ० प्रसाद,

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 259-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701 जो 7 वीं मंजिल "अंट-लांटा इ-िया प्लाट नं० 38, ग्रांफ वालनाय व्हिलेज मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान गितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त बंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किती बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्वीतभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय को किह आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान यें स्विधा की लिए।

नतः नवः, उपतः निधिनियम कौ भारा 269-ग के. अनुकरण में, में, उपतः निधिनयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्रार०जी० विल्डसं श्रायवेट लि०

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी भारती मुरजानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नगरं की

फ्लैंट नं० 701, जो 7 वीं मंजिल "अंटलांटारु" इ-विंग प्लांट नं० 38 श्राफ वालनाय व्हिनेज मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) वम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि काल्मे श्रई-3/37-ईई/13236/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बई

तारी**ख**: 10~5-1985

प्रकथ बाह्न टी. एन. एस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, धिनांक 10 मई 1985

निवेश मं० अई 3/37 ईई/20**5**31/**8**3 **8**4----श्रन. मुझे, ए० प्रसद

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिखे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गैंड नं० 140, जो, परस इंडस्ट्रियल इस्टैंट, रामचंद्र लेन (एमनटेंग्रन), म.लांड (पण्चिम), वस्वई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मितस्बर 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्ष्यकान प्रतिक ल के सिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्वममान प्रतिक स है और वन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निस्त के वाजा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के निस्त वो वास्तिक रूप से कांग्रिस में वास्तविक रूप से कांग्रिस वो वास्तिक रूप से कांग्रिस नहीं किया गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुइ किसी काब की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कांपरल में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

(1) श्री पंक्रज चंपकलाल चांशमी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री निरंद्र कुमार बाबुलाल नैन और निलंग विरंद्र कुमार जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्योंक्त सम्परित को नर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांधें भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकर्ष।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वप्तुची

शेड न० 140, जो, पारम इंडस्ट्रियल इटेइस्ट, रामचंद्र लेन (एममटेंशन), मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसाकि कञ्सं० श्रई 3/37 ईई/20531/84/85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्**बई**

तारीख: 10-5-1985

प्रसम् बाह² टी. एत. **एस** ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक लायकर वाय्क्स (निर्देशका) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिना (10 मई 1985

निदेश स० ग्रर्ड-3/37-ईई/13513/83-84----अन. मझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन अभाष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन सहपत्ति, जिसवा निवत बाकार मृज्य 1,00,000/- रा. भे अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० 01, जो, प्राउड फ्लोग्रर, जस्मिन प्रपार्टसेंटन, 21-22' मितचौकी, मालाड (पिष्वम), बम्बई-64 सें स्थित हैं। (और इसमें उपावड प्रन्सूची में और पूर्ण क्य से विणिन हैं), और जिन्ना करार्तामा ग्रायार प्रधितियम, 1961 की तारा 269 राख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 सितस्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्परिस के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्त यह विकास करने का कारण है कि यथाधुर्गेक स्मापित का उचित गाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को ऐंद्रह प्रतिशत से अधिक है कै जंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उच्न अन्तरण जिल्हित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की नावत, उक्त गिध-गिषितियम के अभीन के। इन के अन्तरकः क विधित्व के किसी करने या उसके बचने के स्विध्य के लिए; होद/मा
- (अ) एमी किसी शय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1972 (1922 वा 11) था नक्त और गंजनम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 जी 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहा किया गया था या जिया जाना चाहिए था. उपान में स्विः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, वर्थात् म

(1) श्री पी०एम० शेणाँव।

(प्रन्तर ह)

(2) श्री सुरंग वाराराम पाटीत काँव रारणम्भ पाटीत।

(प्रनास्ती)

को यह सूचना जारी करके वृत्तीवत सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करना हो ।

उसन भणातित है नजन क साम्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि ए तत्मध्वनधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों मार किंगी त्यांकित द्वारा,
- (भ) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी भी 45 दिन में भीतर उस- स्वापन मम्पत्ति मा हितबब्ध रिक्ष में किए न सर्वेगी।

स्मच्यकिरण हो। प्याप्त शादी और पर्यो का, जो उनस अधिनियम के अध्याद 10-के में प्रिशाधित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया रूप हो।

वन्त्रभी

प्लैंट न० 01, जो, गाउड प्रोग्नर, जस्मिन ग्राटंमेट्स, 21-22, मिनचाकी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

त्रन्मूची ौदाकि कल्या प्रदे 3/37 देवी 13513/84-85 और ना तक्षम प्राधिशारी, बम्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्र था गया है।

> ए० प्रसाद हैसक्सम्प्राधिकारी सहायक जायकर जापुतन (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

नारीख 10-5-19**8**5 **मोहर**ः प्ररूप आहें.टी.एन.एस-----

बायकर बाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, विज्ञानः 10 मई 19**85**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्की स० प्लाप्ट न० इ/10, जा, एम०न० 26, एच० नं० 1, सीटीएम नं० 307/16, व्हिनेज बालनाय, मालाड (पिष्यम), बम्बई में स्थित है। (जीर इनस उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूण रूप में विणित हैं), और जिनता शरारतामा आयक्र अधिनयम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रावितारी के वायित्य में रजीग्द्री हैं, तारीख 1 लितम्बर 1984

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में भास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत :--- (1) श्री प्रियवदन मेहना।

(अन्तरक)

(2) मेन्स् भ्रानीता इन्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **छे**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसम प्रयुवत शब्दो और गर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

ग्रत्सूची

प्लाट नं० = 10, जो, एम० नं० = 26, एच० नं० = 1, सीटीएम न० = 307/16, विह्लेज बालनाय, मालाङ (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

श्रनुसुवी जैनाकी कि० सं० श्रई 3/37-ईई/20433/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राप्तिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड सिया गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय १ आग्र १८ अायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- ४, **अम्बर्ध**

नारीयः: 10-5-1985

प्रक्ष काई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक वायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाव 10 मई 1985

निदेश म० श्रई-3/37-ईई/20432/83-84----श्रन मुझे, ए० प्रमाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

और जिमकी स० प्लॉट नं इ/11, जा, सर्वे त० 26, एच० नं० 1, मीटीएम नं० 307/16, व्हिलेज वालनाय, मालाड (पिचम), बम्बई में स्थित हैं। (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसाा करारनामा आयकर प्रश्नियम, 1961 की धारा 269 ब,ख के श्रवीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1--9-1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्षत जांध-जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी काय या धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग को जन्सरण में, मैं, उवत अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिश्वित व्यक्तियों, अथित हिल्ल (1) श्री जयश्री पी० मेहना।

(अन्तरक)

(2) नेसमें अनीता इन्टरप्रायनेन।

(अन्तरिती)

को ग्रह सुभना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबव में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारांख से 45 दिन की कर्जांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिए;
- (ख) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मा हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मी किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का., जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

वम सर्ची

्रतांट नं० ३/11. जा, भर्वे न० 26. एच०नं० 1, सी ् टीएम नं० 307/16. व्हिनेज बालनाय, सालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

श्रतुसूची जैमाकी क्र०म० श्रई 3/37-ईई/20432/84 85 और जो भक्षम प्राधिकार्रा, बावई द्वारा दिताक 1-9--1984 का रजीस्टर्ड िया गया है।

ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-3, बम्बई

नारोख . 10~5–1985 **मोहर** ष

भ्र**क्ष्य बाह्**ं, टी. पुर्व_ः पृक्_{र-}-----

नागका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभान

भारत सरकाह

कार्याव्य, ब्रहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश म० अई-3₁37-ईई₁20528₁83-84—अत: मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवास 'उनत अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मक प्लाट नक 12, जो, जनकल्याण नगर, किल्नेज मालवनी, मालाड (पिण्चम), बस्बई में स्थित है। (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पृबेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमा प्रतिपत्त के लिए बन्तरित की गर्ब है और मुके यह विश्वास

कारा क कायालय म राजस्ट्रा ह, ताराख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी बाव की बावत, उभत विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अप या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः, अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के बनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मिनल इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) अपना डेव्हलोपमेंट सोसाइटी।

(अन्त(रती)

को यह सूचना कारी कड़के पूजीकत संपत्ति की अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सूचिष बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में फिए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उजल अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लांट नं० 12, जा, जनकल्याण नगर, व्हिलेज मालवनी, मालाड (पण्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०स० अई-3/37-ईई/20528/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

तारीख: 10-5-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप वार्ड, टी, एन, एस. --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाषु

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निदेश म० अई-3/37-ईई/20519/84-85—अनः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसध इनके पश्चात 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिञ्चाल करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उजित बाजार भृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लट न० 2, जो, 1 ली मिजल, देवेश अपार्टमेंट 1, प्लाट न० 51 श्रीर सर्वे नं० 6, मीजे वाध्वान तुर्फो, मालाइ, बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण घप संविणत है), श्रीर जनका करारनामा अप्रकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, अर्थात यम्बई। स्थान सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का का कारण है कि यथाएवोंकत सम्पत्ति का उस्ति का कर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल कर पंद्रह प्रतिकात स प्रधिक है और अंतरक (अंतरका) भी अंतरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकल, निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी आग की नावत, हरून लिपिनियम के अभीन कर दोने के करतायक के सरियन्त में कभी करने या उससे बचने में स्विध्या के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया को, जिन्ही भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्ध अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था किया जाना चाहिए था कियाने में सुनियम की लिया

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) मेसर्स देवेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम०एम०, छंडडा ग्रार एम०एम० छेडडा।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मरवन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

न्यस्टीकरणः - इसमें अयुक्त शब्दों और पहां का, जो उक्त ग्रांधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अध हांचा में उस अध्याय में विया स्याहाँ॥

मन्स् पर्न

फ्रांट न० 2. जा, 1 नामानल, देनेण अपार्टमेट न० 1, प्लान्ट न० 51 और सर्वे न० ६, भाजे वाधवान तुर्फे, मालाइ, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क०में० अई-3/37-हेहै/20519/84-85 ग्रीर जो मजम प्राम्मिकारी, बम्बई द्वारा ।दनाक 1-9-1984 को रजीस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अजंन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10—5—1985 `

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्नेन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/20346/84-85—अत' मुझे, ए० प्रसाद

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जैकत अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उनित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे, से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लांट आंफ लन्ड बेअरीग श्रोल्ड सर्वे० न० 177, एच०नं० 2 श्रौर सी०टी०एस० नं० 166, मन्चुभाई रोड. मालाड (पूर्वी), बम्बई में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप मे बोजत है), श्रौर जिसका करगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्समान प्रतिफल में लिए बल्तरित की गई है और भूजे वह बिक्जास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके क्षममान प्रतिफल में एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिते। (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पामा समा प्रतिफल, निम्निलिक्त उक्षेष्य में उक्त कन्तरण निक्ति

- (क्त) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायि-त में कमी करने या उसमें बचने में मृत्रिधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सनिया के लिए;

णत अब, उपत अधिनियम की धारा 269-य के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की प्यधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री एम०बी० जैन।

(अन्तरक)

(2) मेमसं ला बिल्ड कन्स्ट्वणन्य ।

(अन्त(रनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में भभाष्त होती हो, के भीतर प्रभिक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- हरामें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मूची

्लांट आफ लैंन्ड बिल्डिंग श्रोल्ड मर्वे नं० 177, एच० नं 2, सी॰टी॰एम॰ नं॰ 166, मन्वुभाई रोड, मालाइ (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०स० अई-3/37-ईई/20346/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

योहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, बहावक नायकर मानुक्त (गिर्किक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दितांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13529/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, \$961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कता गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लांट नं० 1, जो, गौरस वाडी, जी०बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबड अनुसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सक्यत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास फरने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्ष्यकान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक मय से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्ली भाग की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ल) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री प्रिमिफलाबैन नारायण वि० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामन पिलाई।

(अन्तरिती)

चा यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृष्ट किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्वच्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

नम्स्यो

प्लाट नं० 1, जो, गोरस वाडी, जी०बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्नां० अई-3/37-ईई/13529/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिया व्यक्तियों जनति ह—

तारीख: 10-5-1985

मोष्ट्र 🖫

प्रसम् बाह्र . टी . रूप . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, **ब**म्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० 926/85-86—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 612, जो 6 वीं मंजिब, सुख सागर सोसाइटी, पुष्पा पार्क, दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूज्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके करमान प्रतिफल के, एसे करमान प्रतिफल के। पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निम्निचत में बास्त-विक रूप से किया नया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त ऑफिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के बिद्दः और/मा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या बन्य जास्सिवाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिन्यस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यस, या धन-कर विभिन्यस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विजया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा को लिए.

क्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सभीन निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात :--- 54-96 GI/85

(1) श्रीमती किरन ए० झवेरी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बनाबाई पंडित काले श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुखना चारी करके प्योंक्त कम्मरित के वर्षन के विष कार्यवादियां करता हो।

उच्य सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) एक सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिस की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वांधी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-स्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के साम निर्मित में किए सा सकेंगे।

स्वच्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्र**ा**मुची

फ्लैट नं o 612, जो, 6 वीं मंजिल, सुख सागर सोसाइटी पुष्पा पार्क, दफ्तरी रीड, मालाड, (प०) बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कर संव अई-3/37-ईई/13362/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

महिर ;

प्रकथ बाह्र हो एवं एड . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकाङ,

क्रथांलय, महायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनां ह 10 मई 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/20530/84-85---यतः मुझे, ए० प्रनाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1.961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्यों अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 9, 11 और 12, जो. जन-कल्याण नगर, व्हिलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की घारा 269 कर्ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मुल्य से कम को दृश्यमान लिए अन्तरित के की गह मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीष एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुद्रोप्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अध्ययम सं हुई किसी जाय की बावत, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे अचने में अधिका है निए; और/वा
- (वाँ) एसी किसी बाब वा किसी बन वा कम्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने में न्यिया के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण र्ग, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्मं शांग्रीला कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्स मिनल इंटरप्रायजेश।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्बन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी स्थिक्त इवाराः
- (स) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकति।

स्पट्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं० 9, 11 और 12, जो, जनकारताण नगर, विहलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋग्मं० ग्रई-3/37-ईई/20530/84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहरः 🕫

प्ररूप बार्ड ्टी पुन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-श(1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, अस्वई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/13413/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० पर्लंट नं० 304, जो, 3री मंजिल, निल-गिरी ग्रपार्टमेंटस "ए" विग, शांती नगर के सामने, मिलाप थिप्रटर के पास, एस०वि० रोड, मालाड (पण्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सामभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टियान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् ■— (1) नहार बिल्डर्स (इंडिया)

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष भागूभाई दामानिया श्रौर श्रीमती मंजरी एस० दामानिया।

(अन्त**रिती)**

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ज़िए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जगुस्ची

प्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, निलगिरी ग्रपार्ट-मेंटस, "ए" विंग, शांती नगर के सामने, मिलाप थिग्रटर के पास, एस०बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13413/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर :

प्रकृप आर्थ . दर्श . एन . एसं . -----

बायकर बीभिनिय्ज, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प(1) के व्यक्ति स्थान

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निवेण सं० अई-3/37-ईई/13432/84-85—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पत्त्वात् 'उक्त निधिनियम' कहा गना हैं), जी धारा 269-ध के नधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निध्नास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित नावाद मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, जो, 6 वी मंजिल, श्री राम श्रपार्टमेंटस, प्लान्ट नं० 446, सी-विंग, एस०विं० रोड, मिलाप सिनेमा के पास, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजाए बूस्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए . बन्दरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से विधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित अष्टोस्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से करिश्त महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त निर्धानयण के नधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; नौर/वा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध अमेसाबों को चिन्हों भारतीय बायकर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कड वीचीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ असीरियम, वा चारिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया धामा चाहिए चा, कियाने वे ब्रीयमा के निह;

जतः जल, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण की, मी, उक्त जिमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नितिज्ञित व्यक्तियों, जथित ह—

- (1) मेसर्स संघवी कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ यू॰ शहा।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित् के सर्चन् के विक् कार्यनाहिया करता हुन्।

जनत सम्बन्धि के कर्णन के सम्बन्ध के कांग्रें भी जाशेप :--

- (क) इस स्थान से राजधन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनकि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थता की दावीब से 30 दिन की जनभि, को भी वनिष बाद में स्थान्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस तुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति क्वारा अकोह्स्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए या सकोमें।

स्थानिकरणः :--- मुत्तनी अयुक्त सम्यों और पर्यों का, जो अवस् वर्डिम्डिनयम् से सभ्याय 20 का वी परिभाषित ही, वही सभी होगा वो उस सभ्याय में द्विक यता ही।

मन्त्रकी

फ्लैंट नं० 604, जो, 6 वीं मंजिल, श्रीराम श्रपार्ट-मेंटस, प्लांट नं० 440, सी-विंग, एस०वि० रोड, मिलाप सिनेमा के पास, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क०सं० भ्रई-3/37-ईई/13432/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-198 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🔞

प्रक्ष बार्च , टी . एन , एस . -----

नायकर कॉंभीनयम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नमीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई दिनाक 10 मई 1985

निवेश म० ऋई 3/37 ईई/20529/83 84----श्रतः गुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी म० प्लाट न० 9, जो, जन, त्याण नगर सि.पा, विहलेज भालवनी, वस्वई से श्वित है। (और इभसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, खे के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधियारी के व्ययिषय मे रजीस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तथ पासा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया स्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स वसन में सामका के सिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिन्हें भारतीय आय-अर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धन, जिल्ला में सावधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिक काक्तियों, स्थाति ह (1) मेधर्स मिनल इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) ग्रपना डेव्हलीपमेंट मामाइटी।

(ग्रन्तरिती)

चौ यह तुषमा जारी करके प्योक्त संपर्ति के अर्चन के किए कार्यनाहियां करता हुं।

डमरा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया के सृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्राहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए का सकेंगी।

स्थक्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट न० 9, जा, जनकल्याण नगर स्मिम, व्हिलेज मालवनी, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाकी क०म० अई 3/37 ईई/20529/84 8 आर जो लक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 3, बम्बई

नारीख : 10-5-1985 **मोहर** थ प्रकल्प आही. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकार नागुन्त (निरोक्सण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/13564/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पिस और पार्सेल ग्राफलैन्ड विइंग, प्लांट नं० 15, व्हिलेज कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप् गेंक्स संपत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और यह कि जंदरक (जंदरकों) और अंसरिती रिती (अन्तरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त जन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुइ किया आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में तृविधा के लिए; और√या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए भा खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री श्रार०डी० इंदूलकर श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सी०के० विल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उसत सम्मत्ति को कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाकांप ह--

- (क) इस मुखना के समयत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट अवित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वासर;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी जन्म भ्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकोंगे।

स्पष्डोकडण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया। गया है।

वनस्या

पिस यार पार्सेल थाफ लैन्ड बिइग प्लाट न० 15, विहलेज कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसाकी ऋ०मं० श्रई-3/37-ईई/13564/84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत सरकाड

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

धार्जन रेज-उ, व्यवर्ड

बम्बई, दिला , 10 मई 1985

निदेश स० ग्राई-3/37-ईई/13524/84-85 • -य ... म्झे. ए० प्रभाद,

कायकर अधिनिसम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्लेक परवात 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- थ के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

और जिलकी संव पर्नेट नंव 1, वा, 9र्ग मजित, ती-तिग, द्यारत तव 6, द्यामोदर पार्क, एनाव्याव्यप्तव मार्क, घाट-कापर (पण्यम), अस्वई-86 में स्पित है (ऑग इसमें उपायद अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप में बिणत है), और जिसका कारारतामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख क अधिन बम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ही है, तारीका सितम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह निर्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का नंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की नायत उपत अधि निव्य को अधीन कर दने के अन्तरक की दायित्य में कमी जरन या उससे यचन में भृष्टिश के किए, और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय कापकार अधिनियन, 1927 (1922 का 11) या अवस्य अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, (957 (1957 का 27) के अध्याननार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, स्थिपन में स्विधा के लिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा '१) क ग्रधीन, निम्निलिकत स्विक्तसों, वर्षात ः— (1) मेहना ग्रामोभिण्टम ।

(भ्रन्तरक)

(2) पास्त इटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कामवाद्विमां करला हु।

अस्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में के कि भी बाक्षेप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्र .न की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यो

प्लैट नं ा, ज़ों, 9वी मजिल, डी-विंग, इमारत नं 6, दामोदर पार्क, एल ब्वी ब्एम बार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), इम्बर्ध-86 में स्थित है।

यनुसूची जैपाकि क्र॰म० ग्रई-3/37-ईई/13522/84-85 और जा मक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 की रजिस्टर्ड स्थि गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985 मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश मं० श्रई-3/37 ईई/20310/84-85----यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 4, जी, 2री मंजिल, विग-ए, इमारत नं० 3, दामोदर पार्क, एल०बी०एन० मार्ग, घाटकं। पर (पिचम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूणं रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1 सितम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखत उच्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) कुमारी काश्री पचपकेमन ।

(अन्नरक)

(2) पास्य इंटरप्राईज ।

(अन्वरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या, तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अगसर्ची

पत्रैट नं ० 4. जो, 2री भजिल, ए-विंग, इमारत नं 3, रामोदर पार्क, एल०बो०एन० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसाकी करनं अई-3/37-ईई/20310/84-85 और जो पद्मम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 10~5~1985

मोहर:

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, जिनार 10 मई 1985

सिर्देश स० अई-3/37-ईई/13618/84 85---यत:, मुझे, ए० प्रशाद,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 2, जो, 5वी संजिल, "डी" विग, इसारत नंव 6, दामोदर पार्क, एलव्लीव एसव मार्ग, घाटकापर, अम्बई-86 में स्थित हैं (और इसमें उपाधंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिल्ला रारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 अ.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण हे हुई किसी ताब की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उत्तर्स बचने में स्विधा के तिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य वान्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उचल अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा था किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए:

(1) मह्ना ग्रामोभिएटम ।

(अन्तरक)

(2) पान्य इंटरप्राईन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हाः

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुस्पी

पनैट तं० 2. जो, 5वीं मंजिल, विग-डी, डमारत नं० 6, "दामोदर पार्क", एल०बी०एस० नार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बस्वई 86 में स्थित है।

प्रमुम्ती जैलाकी कंठसंठ हारी-3/37-रिक्री13618/84-85 ऑर जा नक्षम प्राधिकारी, बणाई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बर्म्ड

दिनाक: 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेहना आसोसिएट (1

(ग्रन्तरक)

(2) पास्य इंटरप्रायजेम ।

(भ्रन्तरियो)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनार 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई 3/37 ईई/13527/81 85 --ग्रन मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 1, जो, 5 वी मंजिल, विग-डी, इमारत नं 6, दामोदर पार्क, एलं बी एएन मार्ग, घाटकोपर (पिक्चिम), बम्बई 86 में स्थित हैं (और इसस उपावड प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करार नामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बार्सिक स्प ने कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अधि-या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिंगित त्यिक्तियों, अथित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4! दिन की अग्रीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन मूचना की नामील स 30 दिन की अवधि, जो भ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पालिस में किए जा सकींगे।

स्मच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हुँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर गया है।

अनुसूची

फ्लैंट त० 1, जो, 5बी मंजिल, विगडी, इसारत त० 6, दामोदर पार्क, एत०बी अप्त० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बस्बई 86 में स्थित है।

प्रनुसूची जैमाकी क०स० अई 3/37 ईई/13527/84-85 और जो सक्षम प्राधिभारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-3, बम्बर्ध

नारीख: 10-5-1985

मोहर ः

प्रकृष बार्च . टी . एन . एस . -----

बायकर ब्रिंधिन्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, त्रस्वर्ध बम्बर्ड, विनाक 10 मई 1985

निदेण स० श्रई-3/37-ईई/20537/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 102, जो, 1 ली मंजिल, मा-विना अपार्टमेंटम, प्लाट न० 7 और 8, अमल्फा व्हिलेज, हाम गार्ड पव्हेलियन के पास, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-84 में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वप में विजित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अविनिधन, 1961 की घारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यावय से नजीस्ट्री है, नारीख 1 नितम्बर 1984

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास का मैं का कारण है कि यथापृष्टित संपत्ति का उचित बाजार मृया, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंष्ट प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ म, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण दे हुई फिली भाव की बाबस, बड़स सिंधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायरत में कमी कर्ष या उससे अ्चने या सूबिधा के लिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गयर था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

जतः थव, समत अभिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कं अभीन, रिनम्निसिखक व्यक्तियों, सर्थात् क्ष-- (1) स्टार बिल्डर्म ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन गुप्ता और लित एम० गुप्ता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्टित के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्द व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट न० 102, जा, 1 ली मंजिल, मा-बिना श्रपार्टमेंटस, प्लाट न० 7 आर 8, प्रसल्फा व्हिलेज, हाम गार्ड पव्हेलियन के पान, बाटकापर (पश्चिम), बम्बई 84 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०म० ग्रई-3/37-ईई/20537/84-85 और जा सक्षम प्रात्रिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख : 10-5-1985 **मोहर** :

प्रकृष् वाष'्टी. एत्. पुरु. ------

भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत ब्रुकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज 3, बम्बई बम्बई, दिनार 10 मई 1985

निदेश स० भ्रई-3/37-ईई/20532/84-85----- ग्रत. मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सर फ्लैंट बी । इमारत में, जो, हिमालया पार्वतीय को-ग्राप० हार्जाश्य सोभाइटी लि०, गोविद नगर, श्रमल्फा, घाटकापर (पश्चिम), बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप म विणित है), और जिनका करारनामा प्रायक्षर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के प्रधीन बम्बई स्थित एक्सम प्राधि कारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1 मितम्बर 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम से कम दृश्यभान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है वह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसकी रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती से अधिक हैं। (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीजिक्कित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:--

- (क) बन्धरण संहुरं कि बी भाव को शावत, उपार विभिन्निया के बभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कभी करने वा उससे बचने में मृतिका के बिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय नाय-केर अधिनियम, 1922 दिनकों भारतीय नाय-केर अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सर्ग ग, मैं ५ क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चक्रिंश (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) थी टा॰पा॰ ची॰ नामर।

(ग्रन्तरक)

(2) थी प्रजाय आगिप चांवरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान। के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तिमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सपित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्मध्दोक्करणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों कीर पर्वा का, वो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

अवस्ची

फ्लैट बी 1 इमारत में, जा, हिमातथा पार्वतीय का-ग्रांपि हार्जीय मो । इटी लिं०, गोविंद नगर, ग्रसल्फा, घाट-कोपर (पण्चिम), बम्बई ४४ में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी कल्स० प्रई-4/37-ईई/20532/84-85 आर ना सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टई क्षिया गा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा पहासक प्रायक्षत (निरीक्षण) प्रजीन रेज-उ, बस्बई

नारीख 10-5-1985 **मोहर** 🛭

प्रकृष कार्षः, टी. एन्. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के कधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, विनांक 10 मई 1985
निर्देण सं० श्रर्ड-3/37-ईई/13502/84-85—-यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जितका उजित साजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी संव पर्लैट नंव 3 जो ग्राउंड फलोग्नर, महेंद्र विला को-म्रांपव हाउसिंग सोसाइटी लिव व्लाट नं, 105, 30 फिट रोड, निलक रोड, घाटकोपर (पूर्व) बस्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावछ श्रवसूची में और पूर्णा रूप से बणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-9-1984

ज्ञाधकारी क कायालय में रजस्ट्री है तिराख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण निधित में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय को बावल, अवस अधिवियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के शिवल्य में कमी करने वा उत्तरों व्यक्त में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया वानी भाहिए था, डिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसतों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती पुष्पा नरोत्तम गोदालिया और श्री नरोत्तम हरीदास गोदालिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधावेन गोपालदास मजिथिया और श्रीमती प्रविणावेन ग्रशोक कुमार मजिथिया । (ग्रन्तरिती)

को यह सुणना वारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयमं के अध्याय 20-क मं परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्वा

पलैट सं० 3, जो, ग्राउंड फलोग्रर, महेंद्र विला को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लाट नं० 105, 30 फिट रोड, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/13502/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज –3, बम्बई

नारीख: 10-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कामाकः गहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्राजेन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985 निर्देश सं० श्राई-3/37-ईई/20311/84-85—यतः, मुझे, ए० श्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

जिसकी ५० कमरा २० 1383 जो इमारत २० 47, "मुप्रभात" को-ग्राप० हार्जामग सोसाइटी लि० ५त नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधीनयम, 1961 भी धारा 269 क छ के ग्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री ह, तारीख 1-9-1984

यां पूर्वोकित सम्मत्ति के उचित जाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत्त की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मत्ति का टीचा बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एमी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिय! को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिरायम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

बतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 260-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रवी सुगनचद गुप्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पटेल दवंगीभाई डाह्याभाई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सूचता की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध काद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-बद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यस है।

अनुसूर्यो

कमरा नं 1383 जो इमारत नं 47, "सुप्रभात" को-प्राप हाउसिंग कोसाइटी लिं पत नगर, घाटकोपर (उर्व) बम्बई-75 में स्थित है।

ग्रन्मूची जैसाकी ऋ०मं० श्रई-3/37-ईई/20311/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

नारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकप् बाह्"_टी_एम्,पुरः . ------

असम्बर्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की स्थान 269-५ (1) के अभीन सुभाग

मारव करकान

कार्यालय, सहायक गायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 1,0 मई 1985

निर्देश स० श्रई-3/37-ईई/13484/84-85—यत , मुझे, ए० प्रमाद,

नियाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ से अधिक है

और जिसकी स० लाट न० बी-9 और बी-11, जो, सीटी एम न० 310, 304, 306, व्हिलेज प्रासल्फा बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर ग्रधित्यम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वो अस संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करने का कारण है कि मथापृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्सरकों) और बन्तरिती (अंतरिनियों) के बोच एम अंतरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, को संधीन का गाँ को अन्तर⇒ को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय गाय-कार लीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मिक्सा के निए;

बतः श्रम, उक्त विविद्यम कौ पादा 269-म कै वनुष्य के में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) र अति । उस्ति । उस्ति स्थित स्थितियों, अर्थात् —

(1) भी योगेंद्र प्रमारतलाल दसाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रार० महादेवन और श्रीमती प्रेमिना एन० णहा

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्ति रितीयो

(वह व्यक्ति जिसके

ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बार म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मान्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वावीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की वावीध, को भी वावीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रावपन में प्रकावन की तारीस से 45 विन के और र स्वतः स्थान्य सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बन्द क्यन्ति स्वारा वधोहस्ताक्षरी को शृक्ष रिसंसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिप्नियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अभ्याय में दिशा भवा है।

मनसर्च

प्लाट न० बी-9 और बी-11, जो, सीटीएस नं० 310, 304, 306, व्हिलेज ग्रामरिका बम्बई-84 में स्थित है। ग्रतुसूची जैसाकी क्र०सं० ग्रई-3/37-ईई/13484/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रज-उ बम्बई

नारीख 10-5-1985

माहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देण सं० सर्इ-3/37-ईई/20524/83-84—-स्रतः मुझे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'ज क्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लांट ग्राफ लेन्ड 1368 स्केग्रर मीटरस बेग्रिशेंग एस० नं० 428 एच०नं० 7 मीटीएस नं० 27 कोले कलयात्र वाकोला सांताक्रूझ (पूर्व) बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिसित उद्वेष्य में उक्त स्नरण निस्ति में बास्तिक स्थ से स्थित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट किसी जाब की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक कें दायित्व में कमी करने या नसमे अभने में स्विधा के निष्: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य टास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया प्या श्री या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिलिश के लिए।

कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) द्रस्टी श्रॉफ एस०बी० नहार फैमिली द्रस्ट।

(अन्तर्क)

(2) मेससं नहार विल्डमं

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्र्यी

प्लॉट प्रॉफ लैंग्ड 1368 स्केग्रर मीटर्स कोले कल्याझ वाकोला सांताकूझ (पूर्व) बेग्ररींग एस०नं० 428 एस०नं० 7 सीटीएम नं० 27 बम्बई में स्थित है

ग्रन्मूची जैमाकी फ़ल्मंल ग्रई-3/37-ईई/20524/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>स्रायकर प्रा</mark>युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3. बस्बई

नारीख: 10-5-1985

महिंदु 🖁

वक्षम बाह्, टी., एव., युव. -----

मायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (ण) (1) के मधीन त्यना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकार बायुक्त (निर्देशक)

ध्यर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/13312/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधान सक्षम प्राधिकारी का, यह यिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 4 जो ग्राउंड फलोग्नर स्वा-स्तिक चेबर्स पाइप रोड, कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षितयम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-9-1984

का प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अंतरित की गई है जोर मूल्ये यह निश्वास करने का कारण है कि बचाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रथ्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) जोर अंत- चित्ती (अर्थाप्तियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिचत उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्रिक

- (को अंतरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दक्षित्य में कभी करने या उसमें अपने में सुविधा ये निल्ह, और/या
- 'क्ष, गुनी किसी आय या किसी धन या क्रन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मांविधा के लिए;

बत: व्या, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मो, मों, उक्त औधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे बारीस नियमितिकत व्यक्तियों, वर्षोत्रः—-56—96 (1/85 (1) मसर्स एम० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्भ रमेशचंद्र महता एण्ड कपनी।

(श्रन्तरिती)

 वह भूषना बारी करके प्वोंक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्क सम्परित के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप 🚁

- (क) इत त्वना के हावयन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की नवीं या तत्त्वस्वन्धी स्वतिमों पड़ सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबींथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वनित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (का) इस गुचना के गजपत्र मा प्रकाशन की तारीका से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिन्स गया है।

अनुसूची

दुकान नं 4 जो ग्राउंड फलोग्रर स्वास्तिक चेबर्स, पाइप रोड कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13312/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर:

प्रस्य भार्यः, टी. एष. एक्..-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

नारुत तरुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज-3 बम्बई बम्बई, दिनाक 10 मई 1985 निर्देण म० यर्ड-3/37-ईई/13524/84-85----ग्रन मुझ, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चाए 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्परिता, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी से एक्टेंट ने 2 जो 9 वी सिश्चल विग-मी, इमारत ने 6 दासीदर पार्क एलंडबी एस मार्ग धार-कोपर (पिण्चम) बस्बर्ट-86 में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध प्रत्यूची में और पूर्ण रेप से विणित है) और जिसका करारतामा प्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन वस्बर्ट स्थित में कम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुए किसी जाय की वाबत. उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वासित्व में कभी करने या उसम बचन से मृतिधा में जिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय काथ कर अधिनियम ११३ (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्मिधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्भ में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पारूल इटरप्राईज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभोक मी० गर्मा।

(ग्रन्त(रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की तारा श्व से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हार्गी हा, के भीतर पूर्वा कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी क्य अधिक्त द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाप्टीकरण :--इसमें पयुक्त शब्दा और पदों का, ओ उस्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उन अध्याय में दिया गरा।

अनुस्ची

फ्लैंट २० 2 जा 9 वी मजिल विग-मी इमारत २० ५ दामोदर पाक एन०नील्यम् मार्ग घटकोपर (पश्चिम,) त्रमबई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०२० अर्ड-3/37-ईई/13524/84-85 और जो सक्षम शाक्षिकारो बम्बई अरा दिनाक 1-9-1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3 वस्वई

नारीख 10-5-1985 मांहर . प्रस्प बाह् , टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुक्रमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनाक 10 मर्द 1985 निर्देण सं० ग्रर्ड-3/37-ईई/20396/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

ऑर जिसकी सं० पर्नेट सं० ए/8 जा उमारत सं० 9 स्वामी लिला जहां सोसाइटी संघ्वी इस्टेंट पाटकोपर (पिण्वम), बम्बई-86 में स्थित हैं (ऑर इसमें उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण प्य से विण्य हैं) और जिसका करारनामा प्रापकर ग्रिधिनयम 1961 की बारा 269 कु,ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंति दित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्सरे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियां, अर्थात्:— (1) श्रीमती विना टी० पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस०एन० रवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ग) इस मूचना के राजपत में अकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निम्मित में किए जा मकरो।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० ए/8 जो इमारत नं० 9 स्वामी लिला शहा सोसाइटी संघवी इस्टेट घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 नें स्थित है।

भ्रनुसूची जैमाकी ऋ० मं० भ्रई-3/37-ईई/20396/84-85 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3 बम्बई

नारीख : 10-5-1985

मोहर 🖫

वक्ष नार्<u>द् टी. एन. द्व.</u>-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/20330/84-85—यतः, मुझे, ए.० प्रसाद,

भावकर निभानवान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भ्यथात् 'उमस निभानवान' कहा गया है), की भावा 269-च के जधीन सक्ष्य प्राविकारी को वह विकास सरने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रा. से जधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 14, जो ग्राउन्ड फ्लोर, स्वाग्रस्तिक चेंबर्स कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्नोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों वह विश्वास करने का कारण है कि वशावृभिक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकन से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिस्ति से निभिक्त है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (जन्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचित्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचाने में तृबिधा के तिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी थन या अन्त आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ जस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिन् था, छिनाने में सुविशा के सिन्ह;

अक: अंब, उन्त अभिनियम की भाषा 269-ग के अनुबरण कें, में उन्त अभिनियम की भाषा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) मैसर्स एम० बिरुडर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनसुख नरशी शहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क भी परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

ं पर्लंट नं० 14 जो ग्राउंड फ्लोग्नर स्वास्तिक चेबर्स, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक ऋ॰सं० ग्रई-3/37-ईई/20330/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 वम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, जम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/13186/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 10 जो 5 वीं मंजिल मोरार बाग प्लाट नं० 203/4 श्रार बी० मेहता मार्ग, घाटकोपर (पूर्व) बम्बर्ड-77 में स्थित है। (और इसले उपावद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में कास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्ह⁵ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स मयुरी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेशकुमार वाब्लाल शहा और श्रीमती शकुंतला एम० शहा।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरीतीयों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अंतसची

पलैंट निं 10, जो 5 वीं मंजिल मोरार बाग, प्लौंट नि 203/4 श्राराज्यी मेहता मार्ग घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित है।

स्रतुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/13186/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षाण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर ३

प्ररूप. बाइर्. टी. एन. एस्. - - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समाना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्का (निर्धाण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्व

बम्बर्द, दिनाक 10 मई 1985

निर्देश मं० ऋई-3/37 ईई/20305/84-85--- श्रन मुझे, ए० प्रसाद

भाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास कर का **कारण है कि स्थावर** सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी मुठ फ्लैट २० उ. जा. 2 री मुजिल असी व्हय, कोकीबारी व्हिनीज रोड कालिना सानाक्षक (पूर्व) बम्बई-29 स्थित है। (जार इसस उपादक अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा बायहर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 के छ । प्रधीत समर्पे स्थित सक्षम प्राविकारी के कायोलय में रिजिस्ती है नारीख 1-9-1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्हे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अनिरनी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/सा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रतः तरा फिल करा धा या दिया माता प्रीमृत का विकास निव न्ने सिए:

अत । मय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन,, निम्नोनिसित व्यक्तियों, वर्धात् 🖫 —

(1) समिर बिल्डम अन्ड छेव्हलीपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्रायडा राचे।

(श्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

दक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्छ न्यवितयों में स कि.मी न्यवित द्वारा,
- (अ) इस सुचना क राज्यभा में प्रकाशन की तारीख सा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मा हिनबद्ध । कमी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए आ सकेंगे।

म्बर्धाकरण ---इगद प्रस्कृत कार्ज की, पदा का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिमाधित ही, वहा अर्थ तागा जा उस अध्याय मा दिया The sail

अनुसूची

पलैट न० उ, जा 2 री मजिल हाली व्हय कोलीवारी ब्हिलेज रोड कालिमा भानाकूक (पूर्व) बम्बई-29 में म्थित हैं।

यनुमुची जेसाकी के०म० ग्रई-3/37-ईई/20305/84-8 जोर जो सक्षम प्राधिकारी। त्रम्बई द्वरा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्इ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक जायकर जाय्कत (निरोक्षण) ग्रार्जन रंज-3, बम्बई

> > 484

दिनाक : 10-5-1985

माहर 🖫

प्राचन प्राचन व्यापक कर्मा विकास विकास विकास कर्मा क्षेत्र कर्मा विकास क्षेत्र कर्मा विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र कर्मा विकास क्षेत्र कर्मा क्षेत्र करिया क्षेत्र कर्मा क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र कर्मा क्षेत्र करिया करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र करिया क्षेत्र कर

जायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर कार्यथन (जिन्नीक्षण) अर्जन रेंज-1, नर्ज दिल्ली

वम्बई , दिनाक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/000131/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें सिके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी २० अग्रीकल्चर हेन्द्र व्हिलेज मध तालुका अधेरी एमाजना 78 (अण) ग्राराजनीज्यस्ता 1081(बी) बम्बई में स्थित हैं (और उसम उपाबद्ध प्रत्मुकी में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिपका करारतामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीरही है तारीख 1-9-1984

का प्वास्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम क ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और स्त्रां यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल के, एसे ध्रमभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचति से अधिक हैं और मतरक (भतरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे बन्धरण के लिए तम पास गया प्रतिक्षा की निम्मतिवित उद्ध्यभा में उक्त प्रतिक निम्मतिवित उद्ध्यभा से उक्त प्रतिक निम्मतिवित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के निए; और/या
- (थ) एसी फिकी बाब वा किकी धन या बन्य नास्तियों का, जिन्ह भारतीय नाय-कर निधिन्यम, 1902 (1922 को 11) ना न्यन कितियम, या धन-कर ब्रिथिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ जन्यक्रियी स्वारा शकर नहीं किया नवा वा वा किया करना काहिए था. कियाने धें स्विधा के तिहा

वतः का, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में,, उक्त विभिन्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वभीन निक्निमित्तत व्यक्तियों वर्षात् ध⊷ (1) डम्पीग गुलाम कोथकर ऑर ग्रन्थ

(भ्रन्तरक्)

(३) ए०चार० भगत अंण्ड ग्रदसं

(अन्तरिती)

कां बाह् स्थाना चारी करके पृथा कित सम्पृत्ति के अर्जन के शिवः कार्यनाहियां करता हूं।

जनक सम्पृतित को सर्वन को सम्बन्ध में कोई भी नामोप्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्द किसी सन्य अधित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्थार पद्धों स्था, को अवस्थ अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिकाबित हैं, नहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

अँग्रीकल्चर लैन्ड व्हिलेज मुध तालूका अंधेरी एस०नं० 78 (अंग) आर० सी०एस०नं० 1081 (बी) बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैमाकी अ०म० अई-1/37-ईई/000131/84-95 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, बम्बई

वारीख: 10-5-1985

सोहर:

प्ररूप बार्ड्, दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर वाय्वत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/20484/84-85----- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, जिसका उधित नाजार अल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्रॉपर्टी बेग्नरींग सीव्टीव्एसवनंव 10बी/12, प्लॉट नं० 9 प्लॉट नं० 3 सर्थे नं० 212 ब्रांम्बे ताल्का कुर्ला डिस्ट्रीक्ट मानखुर्द डिविजन बम्बई स्थित है। (और इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में और जिसका करारनाामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुझे कह विश्वाल करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में गरुद्धविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसीवाय की बाबस, उक्त वरिश्वियस के जभीन कर दोने के अन्सरक वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/वा
- (ब) एसे किसी बाब वा किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) त प्रयोजनार्थ अन्तरिली व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕏 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- ं(1) श्रीमती इंद्राणी मलिक और ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एलिझावेथ इझरा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति ক নুর্ব के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें त्रयुन्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

प्रांपर्टी बेग्ररीम सीव्हीव्एसव्तंव 10/बी/12 प्लॉन्ट नंव 9 प्लॉट नं० 3 सर्वें० नं० 212 बांम्बे ताल्का कुर्ला डिस्ट्रक्ट मानखुर्द डिविजन बम्बई में स्थित है

श्रनसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/2004/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

मोहर 🛊

प्ररूप बाई, टी. एन. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंग, कलकला

चल इत्ता, दिना∓ 27 मई 1985

निदेश सं० सी० ए० 57/85-86/एम० एउ० अ।ई । ए सी ०/एक्यु० रेंज, ५ ल हत्ता-- ग्रन. मुझे, ए.४० के० बनर्जी, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम**' ऋहा गया है"), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिनकी स० 2 है तथा जो 38 स्ट्रीट कल्र√ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में र्वाणत है) रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सी ए आई एसी, एक्यू आर, कलकत्ता से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-9-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्कास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 🍇) बन्तरच से हुई किसी माय की शायत, उपल अधिनियम को सभीन कर दोने के अन्तरक की वाबिरल में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; मरि/या
- (क) एसे किसी माय या किसी भन् वा मन्य नारिसायों को फिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर विधिनिसस, 1957 (1957 को 27) के प्रसोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हरे निवध ५

बतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्वात् हु---

(1) श्रीमती श्राशा एम० के० त्रलरामणि।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री घनशामदाम माखाराणि।

(श्रन्तरिती)

को सहसूचना जारी रूपके पूर्वेक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजनाकर्षीतामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 बिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भे किए जा सकेंगे।

म्यव्दीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या

ममुस्या

2 3ड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित मकान संगम का छटा तल्ला में फ्लैंट नं० जी-6 जो मक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्राय्धा, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2 वलकत्ता केपास मिरियल नं० मि० ए० 57 के अनुमार 5-9-1984 तारीख मे रजिस्द्री हुग्रा ।

> एम० के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी नहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, कलकता

दिनांक : 27-5-1985

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th May, 1985

No. F. 2/85-SCA(1)—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from May 10, 1985 and appointed them substantively to the post shown against each:

SI. No.	Name	Present post hold	Post in which confirmed
1		3	4
1.	Shri P. C. K amarkar	Offg. Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India (Ex-cadre).	Private Scere tary to Hon'ble Judge,
2.	Shti K. C. Dusagh	Olig. Court Master	Court Master
3., 1 1 -	Shri Gulshan Rai Sharma	Offg. Court Master	Court Master

S. GHOSH Asstt. Registrar (Admn

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 11th April 1985

No. A 38012|5|84-Admn.l.—In supersession of this office notification of even number dated 28th February, 1985 the President is pleased to permit Shri M. A. Ganapathy Ram a permanent Grade I officer of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 28th February, 1985 at his own request in terms of Rule 48(i)(a) of CCS (Pension) Rules, 1972.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commison

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th May 1985

No. S-5|70-AD.V.—Shri K Rehman, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 30th April, 1985 on superannuation.

The 18th May 1985

No. S/10/73/AD.V.—The services of Shri S. R. Jaiswal, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the Oil & Natural Gas Commission, New Delhi with effect from the afternoon of 30th April, 1985 for appointment as Dy. Director (P&A) (vig) on deputation

CENTRAI FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 18th May 1985

No. 1-16/84-CFSL/3976.—In continuation of this office Notification of even number dated 30th August 1984, the President is pleased to appoint Dr. A. K. Ganguly, Senior Scientific Officer Grade-I (Lie Detector Division). Central Forensic Science Laboratory/C.B.I., New Delhi to officiate

as Principal Scientific Officer in the Central Forensic Science Laboratory CBI in the scale of Rs. 1500-60 800-100-2000 w.c.f. 22-2-85 on ad-hoc basis for a further period of six months or till the post is filled-up on regular basis, whichever is carrier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) C.B.I.

LAI, BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 20th May 1985

No. 3|9|84-Est.—Shri S. N. Tripathi, a permanent Senior Stenographer and presently working as Private Secretary to Director on ad hoc basis in the 1 si Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, has been appointed on a regular basis to the post of Private Secretary to Director (Group-'B'—Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 11-9-1984 and until further orders.

S. K. SEN Deputy Director (Senior)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 8th May 1985

No. O.II-1813[83-Estt(CRPF).—Consequent upon his appointment as Adviser to the Governor of Punjab, Shri Shiva Swarup, IPS (UP: 1951) handed over charge of Director General, CRPF on 7-5-85 (AN).

2. Shri O. P. Bhutam, IPS (UP: 1952), Director General, ITBP, took over additional charge of Director General, CRPF on 7-5-85 (AN).

The 9th May 1985

No. O.JI-1774 83-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 26th April, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th May 1985

No. O.II-1972|84-Fstt.— The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. RabinJta Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 18th April, 1985 for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.I.-2001/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs. Jyotimayee Lahon as JMO) in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect the forenoon of 8th April, 1985 for a period of 3 months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier,

The 13th May 1985

No. O.II-513|69-Estt.—Consequent on his appointment to foreign service on lien basis as Superintendent of Police in the Public service of Republic of Botswana, Shri M. C. Joseph Second-in Commandant/Vice Principal, CTC-II, CRPF, Avadi, has been relieved from the CRPF w.e.f. the afternoon of 31st March, 1985.

The 14th May 1985

No. O.11-1819|83-Estt-I.—The Government of India, MHA have accorded approval for the extension of deputation period in respect of (Mrs.) Binapani Rath, CDO Grade-II who is on deputation from Government of Mizoram to SRPF's for further period of one year with effect from

the forenoon of 10th March, 1985, on existing terms and conditions.

No Off-185|83-Fstt—The President is pleased to relieve Dr Satyendra Kumai, GDO Grade II of 75th Bn CRPF with effect from 25th April 1985 (AN) on expiry of one month's notice under rule 5(1) of CCS (Temporary Service) Rules 1965.

The 15th May 1985

No O JI-2011|85-Estt —The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Bhupender Singh as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th April 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier

The 18th May 1985

No O II-2003|85-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr Manzar Afaque as Junior Medical Officei in the CRPF on ad lioc basis wie fi the forenoon of 23rd April, 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier

ASHOK RAJ MAHFEPATHI Assistant Director (Estt)

New Delhi-110003 the 11th May 1985

No Oll 1434/79-Esth(CRPF) - Consequent upon his promotion as IG in CRPF with local rank of IG, Shri Y N Saxena, IPS (UP 1959) UD (18th) CRPF, has taken over the charge of IGP (Hqts) Directorate General, CRPF, New Delhi on the forenoon of 11th May, 1985, in addition to his own duties without any pecuniary benefits

Y N SAXENA Dy Duector (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SCCURITY FORCE

New Delhi 110003, the 1st May 1985

No E-16014(2)|3|84-Pers I — Consequent upon his repatriation to parent department, Shri R P Agarwal relinquished charge of the post of Assist int Inspector General (L&R) with effect from the forenoon of 1st May 1985

The 2nd May 1985

No C-16014(2)|3|84 Pcis I—On appointment on deputation Shri Y P Mahajan, Superintendent (Legal), Ministry of Law, Justice & Company Affairs, New Delhi, assumed charge of the post of Assistant Inspector General (Legal & Regulations) with effect from the forenoon of 1st May, 1985

The 13th May 1985

No E-16013(2)|33|84 Pers I—On appointment on deputation Shri Amarananda Pattanayak IPS (OR - 1973) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit Rourkela Steel plant Rourkela with effect from the forenoon of 24th April 1985

No E 16016(3)|2|84-Pers I —Shii S N Arora, Assistant is promoted to the grade of Section Officer against the leave vacancy with effect from the forenoon of 2nd May 1985 in Directorate General CISF HQrs New Delhi

The 15th May 1985

No F-16016(3) [1]85 Pers I —On transfer on deputation Shri M T Shewikramani permanent Office Superintendent of Central Reserve Police Force (Ministry of Home Affairs) New Delhi, assumed the charge of the post of Section Office in the Directorate General, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st May, 1985

Sd /- ILLEGIBIF
Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION (DEPARTMENT OF LABOUR) 1 ABOUR BUREAU

Shimla 171004 the 1st June 1985

No 23/3/85 CPI—The All India Consumer Place Index Number for Industrial Workers on Base 1960=100 increased by Eight poins to reach 594 three hundred minety four), for the month of April, 1985 Converted to Base 1949=100 the index for the month of April 1985 works out to 722 (seven hundred twenty two)

> J N SHARMA Joint Director Head of Department Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF PCONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (MP)-461005, the 27th Match 1985

No 4137 --Whereas a chargesheet was served to Shii N S Parte Paper Worker Grade-II (P-336) of Process Department for the misconduct of his remaining continuous absent from Government duties without permission/infilmation well 27-8-84 under Memorandum No PR/96/timk/1064 dated 1-1 85 and this memo was received by him on 11-1-85

And wherens due to non-submission of his written statement within 10 days of receipt of chargesheet by Shri N 5 Parte an inquiry officer was appointed by the Disciplinary authority vide order No PR/96/Link/1236 dated 9.2-85 to inquire into the charges framed against him and above order was also received by him on 26-2-85. The said Shri N S Parte did not attend the inquiry proceedings inspite of providing him several opportunities whereas he had informed about the inquiry proceedings.

And whereas the inquiry officer conducting Ex-parte inquiry has submitted his inquiry report dated 16-3-83 holding Shii N S. Parte guilty of the charges

And whereas the undersigned after careful consideration of the inquiry report and all the documents connected with the case has agreed with the result of the inquiry and ha come to the conclusion that the said Shri N S Parte, Paper Worker Grade-II is not fit person to be retained in the Government Service

And therefore the undersigned in exercise of the powers conferred on him under Rule 19 of CCS (CCA) 1965 hereby removed Shri N S Parte Paper Worker Grade II from services of Security Paper Mill, Hoshangabad with immediate effect

S R PATHAL General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS OFFICE OF THE DACR

New Delhi, the 16th May 1985

No Admit IOO No 117—The Director of Audit, Central Revenue, New Delhi hereby appoints Shri R C Kaushik I a permanent Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as on Audit Office in the scale of Rs 840—1200 with effect from the afternoon of 29th April 1985 until further orders

No Admi IOO No 119—The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi hereby appoints Shir Srikishan Jain permanent Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs 840—1200 with effect from the foreneon of 2nd May 1985 until further orders

Sd /- ILIEGIBIF
Dv Duector of Audit (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandrum, the 13th May 1985

No. Entt & Cash 1 10-3 85-86 27.—Shri V. Swamy, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retire from Government service on superannuation on 30-4-1985 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 18th May 1985

No. AN II 1933 5 L—The Controller General of Defence, Accounts regrets to notify the sad demise of Shri P. K. Sangal, IDAS (Date of birth 29-11-1935), on 5-2-1985.

A. K. GHOSH Addl. Controller General of Def. Accounts (AN)

MÍNISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FOCTORY BOARD DGOF HQRS. STENOGRAPHER'S SERVICE

Calcutta-700001, the 30th April 1985

No. 6|A|E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Mritunjo Mukherjee, Stenographer Grade B/Sr. P.A. (subst. and permanent Steno Grade 'C'/PA) as Stenographer Grade A|Private Secretary (Group 'B' Gazetted) in Officiating capacity in an existing vacancy from 18th April 1985, until further orders.

S. DASGUPTA Director/Admin. for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-1, the 10th May 1985

No. 17|G|85.—The President is pleased to confirm the following officer in the grade of TSO/AM with effect from the date shown against him:—

Name and Designation

Date of Confirmation

Shri M. G. Awasthy, Works Manager

31-5-79

M. A. ALAHAN It. Director (B)

Calcutta-1, the 1st May 1985

No. 14|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri K. P. R. Pillay Addl. DGOF|Mcmber, Ordnance Factory Board retired from service w.c.f. 30th April, 1985/AN.

The 9th May 1985

No. 16|G|85.—On expiry of leave pending retirement from 1-12-80 to 27-12-83, Shri A. K. Misra, Jt. Director retired voluntarily from service with effect from 27th December, 1983/AN.

The 15th May 1985

No. 19|G|85.—The President is pleased to appoint the under mentioned Officer as Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against him :—

Shri N. Balakrishnan, GM (in SAG-Level-I), 1st May, 1985.

, K, MEHTA DDGOF

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE

SERVICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400022, the 6th May 1985

No. 15|29|82-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institute, Bombay accepts the resignation of Shri D. V. Khobragade, Assistant Director (Industrial Psychology) Central Labour Institute, Bombay under the Directorate General Factory Advice Service & Labour Institute, Bombay with effect from the afternoon of 25th April, 1985.

Shri D. V. Khobragade accordingly relinquished charge of the post of Assistant Director (Industrial Psychology) Central Labour Institute, Bombay with effect from 25th April, 1985.

> S. E. HEGDE PATIL Dy. Director General & Head of Department

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 16th May 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No, 1/16/83-ADMN(G)/2424.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, (CSS SG SL 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as It. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a further period of 3 month with effect from 1-4-1985 (F,N.).

P. C. JAIN Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 7th May 1985

No. 6|1213|77-ADMN(G)|2255.—On attaining the age of superannuation Shri B V. Shendye, Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1985.

The 3th May 1985

No. 6|1207|77-ADMN(G)|2294.—On attaining the age of superannuation Shri Sunil Krishna Mukherjee, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March 1985.

The 9th May 1985

No. 6/1482/84-ADMN(G)/2404.—On attaining the age of superannuation Shri Dhirendra Nath Samaddar, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March 1985.

M. P. ISAAC Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILE & SUPPLY OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(HANDICRAFTS)

New Delhi-66, the 15th May 1985

No. 19/1/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Datta, in the post of Exhibition Officer in the

Office of the Development Commissioner (Handictafts) in a substantive capacity with effect from 4-12-1982.

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handicrafts)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th May 1985

No A-1/42(41) VI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Shukla, Officiating as Deputy Director of Supplies in the office of DS&D, Calcutta, substantively to the permanent post of Assistant Director of Supplies (Grade I) (Junior Scale of Indian Supply Service) with effect from 1-7-1983.

RAJBIR SINGH Deputy Director (Administration)

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi-110 001, the 7th May 1985

No. A.17011|284|84|Ao.--()n his reversion from the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) Sh. Vindhyachal Ram ulinquished charge of the said post in the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Bokaro on 1-4-1985 (forenoon).

S L. KAPOOR Dy Director (Admn.)

ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calculta-16, the 9th May 1985

No. 4826B|A-19012(1-SB)|84-19A.—Miss Sima Bandyopadhyay, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200l- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th March 1985 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 13th May 1985

No. A-19012(96) | 77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. K. Saha, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 18h March, 1985 (forenoon).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General

Nagpur, the 15th May 1985

No. A-19011(217) 77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Kanhaiya Lal Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian

Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 20th April, 1985 (forenoon).

G. C SHARMA Astt. Administrative Officer Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th May 1985

No. C-6202 | 718-A.—Shri V. M. Gajre, officiating Office Superintendent (Senior Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate on Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on adhoc basis, in No. 104 (HBD) Printing Group (PMP), Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 15-4-1985 (F.N.) vice Shri N. R. Iyenger, Estt. and Accounts Officer proceeded on earned leave from 15-4-85 to 7-6-1985.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 14th May 1985

No. F.30-42|85-Estt.|11156—Shri Nathu Ram Sharma is hereby appointed to the post of Hindi Officer (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Zoological Survey of India. Calcutta, in a temporary capacity with effect from 30-4-1985 (forenoon), until further orders.

A. K. SENGUPTA Accounts Officer 700logical Survey of India

DIRECTORATE GENERAL · ALI. INDIA RADIO

New Delhi, the 16th May 1985

No. 1|5|85-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C R. Das, Head Clerk to the post of Administrative officer, on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the 29th March, 1985 until further orders.

Shri C R. Das assumed charge as Administrative Officer in the office of the Superintending Engineer, HPT, AIR, Chinisurah (West Bengal) on the same date.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th May 1985

No. A 12026 183-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. S. Aggarwal, to the post of Administrative Officer at Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 17th April, 1985 and until further orders.

The 20th May 1985

No A-31013[1]83-Admn-I.—The President is pleased to appoint Dr. A. B. Hiramani to the post of Deputy Director (Research) Central Health Education Bureau in the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the 6th September, 1981.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURAL AND RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 20th May 1985

No. A-19025 6 85-AIII.—On the recommendation of Union Public Service Commission Shri Hameed Kutty P. K. has been appointed to officiate as Asstt Marketing Officer (Gr. I) in this Directorate w.c.f. 30-4-85 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

J. KRISHNA
Director Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 13th May 1985

No. Ref. G|545|CED*EstsJI*1734.—The Presidenet regrets to announce the death of Shri M. M. Gupta, a permanent Scientific Officer grade 'SC' and officiate 'SD' of this Centre con 27-8-1984.

No. Ref. A|550|CED|Estt,II|1735.—The President regrets to announce the death of Shri K. R. Agashe a permanent Draughtsman 'B' and officiating Scientific Office grade 'SD' of this Centre on 19 19-1984.

No. Ref. G[1943]CED[Estt.II]1736.—The President regrets to announce the death of Shri Shiv Kumar Gupta, Officiating Scientific Officer|Engineer Grade 'C' of this Research Centre on 18-2-1984 (mid-night).

The 15th May 1985

No. Ref. M|530|CED|Estt.II|1788.—The President regrets to announce the death of Shri Paskal F. Machado, Scientific Officer|Engineer Grade 'SC' of this Research Centre on 24-3-1985.

T. A. LAKSHMINARAYANAN Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 13th May 1985

No. DPS|41|17|85-Adm.|1214—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Meenatheril Raghavan Prakash a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assit. Stores Officere on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 from 4-3-85(FN) to 18-4-85(AN) in the same Directorate vice Shri P. K. Radhakrishnan, ASO granted leave.

S. KRISHNAN, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 14th May 1985

No. NFC|PAR|0704|1001,—Deputy Chief Executive (A), NFC, appoints Shri VR.N. Iyer, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis from 6-5-1985 to 8-6-1985 or unntil further orders whichever is earlier.

V. R. VIJAYAN Asst. Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008 the 16th May 1985

Ref. 05052/Aug. 84/1813—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints the following officers of Heavy Water Plant (Baroda) as detailed below until further orders:

Sl. No.	Name	Present post held	Post to which appointed	Date on which appointed
1	2	3	4	5
1.	S/Shri Ashok Kumar Nagar	SA-C	SO(SB)	2-8-84 (FN)
2.	B. Shrivastava	SA-C	SO(SB)	1-8-84 (FN)
3.	G, D. Nasit	SA-C	SQ(SB)	4-8-84 (FN)
4.	B. Kunwar	Foreman	SO(SB)	J-8-84 (FN)

The 18th May 1985

No. Ref. 05012|R5|OP|1854.—Chief Frecutive, Heavy Water Projects, appoints Shri V. K. Potty, Assistant Personnel Officer of Heavy Water Project (Telcher) to officiate as Labur-cum-Welfare Officer, in the same project in a temporary capacity on ad-hoc basis w.e.t. September, 1984 (FN) to October 31, 1984 (AN) vice Shri G. K. Sahoo, Labour-cum-Welfare Officer, appointed as Administrative Officer-III.

No. Ref 05012|R5|OP|1855.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Shiv Charan Herma Birua, Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. September 1, 1984 (FN) to October 31, 1984 (AN) vice Shri V. K. Potty, Assistant Personnel Officer, appointed as Labour-cum-Welfare Officer.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401504), the 10th May 1985

No. TAPS|1|18(3)|77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K, V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Office in Assistant Administrative Officer's grade (Rs 650-30-740-35-880-FB-40-960) on adhoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 29-4-1985 (FN) and upto 1-6-1985(AN) vice Shri P. Ganapathy, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Sriharikota-524124, the 24th April 1985

No. SCF/PGA/Estt. III-1-72—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Sci. Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an

officiating capacity with offect from the dates indicated again each and until further orders —

No Si	Namo	Design, tion	Date of appoint-ment
1	2	3	4
	S/Shrı		
1	PVS Sinyanarayana	Sci Engr -SB	01-04-85
2	MKR Varma	Sci Engr SB	01-04-85
3	V Lakshmana Rao	Sci Engr-SB	01-04-85
4	K Sajbaba	Sci Engr-SB	01-04-85
5	C Narayanan	Sci Engi-SB	01-04-85
6	MA Charran	Sci Fngr-SB	01-04-85
7	Bashaswar Dayal	Sci Engr-SB	01-04-85
8	A Manı	Sci Engi-SB	01-04-85

L RAJAGOPAL Admn Officer-II for Director

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL FXCISE

New Delhi the 10th May 1985

No 9|85—Shri B, K Chanda, lately posted as Superinten dent Group B of Calcutta II Central Excise Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Gr 'B' in the East Regional Unit of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise at Calcutte Wet 1-4-85 (FN) vide Directorate General Order C No 1041|47|84 dated 2 3 1985

No 10|85 —Shri C John Lazar, lately posted as Supdt of Central Excise Coimbatore Collectorate, assumed charge-of the post of Inspecting Officer Gr 'B' in the South Regional Unit of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise at Madras welf 11 4-85 (FN) vide Directorate General Order C No 1041|47|84 dt 7-2-1985

The 11th May 1985

No 11|85—On his retirement on superannuation Shri M P Arora relinquished charge of the post of Section Officer, Gr B' of Fechnical Study Group on the Central Excise Tariff in the Directorate-General of Inspection Customs and Central Facise New Delhi wie f 30-4-1985 (AN)

A C SALDANHA Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi the 16th May 1985

No A-19012|1093|85-Estt V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman Central Water Commission appoints Shri Subhash Chandra Chaudhary Supervisor of the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs 650-30 740-35-810 EB 35-880 40 1000 FB 40 1200 with effect from the afternoon of 2nd May 1985 until further orders

2 The above mentioned officer will be on probation in the grade of FAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date

MEENAKSHI ARORA
Under Secy
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DI PARTMENT

New Delhi the 25th April 1985

No 5/3/81 ECI—On the basis of the results of the Combined Freincering Services. Examination held in 1982, the President is pleased to appointment the following candidates on probation to the Cential Engineering Services and Central Electrical & Mechanical Engineering Services Group 'A' in the Central Public Works Department against temporary posts of Assistant Frecultive Engineers (Civil Elect Mechanical Engineers) (Civil Elect Mechanical Engineers)

S No, Name and Date of appointment

SIShu

(CIVIL)

- 1 Umesh C Mishra—17-8 84
- 2 Ashok Kum u P Paut (ST)-22-8-84 (ELICTRICAL)
- I Nem Chandri 8 10 84

(MLCHANICAL)

1 Dharmendra K Nayak - 29 9 84

MRS MEENA GARG
Dy Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi 110066, the 13th May 1985

No 255 85 J No 2|4|85 Adm I(B) — The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Vinod Kimar Gaig Technical Assit to the grade of Extra Assit Director Assit Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity were from the forenoon of the 29th April 1985 until further orders

R SESHADRI Under Secretary for Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies 1ct 1955 and of Madras Textiles Private Ltd

Madias 600 005 the 9th May 1985

No DN|1523|560|85—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Textiles Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of

Cauvery Transport Pvt Ltd

No DN|3866|560|85—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies. Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Causery Fransport Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd[- ILLEGIBLE Asstt Registral of Companies Famil Nidu, Madins In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Sekhar Investment Private Limited

Cochin 682 011, the 14th May 1985

No. 2569|Liq|560(5)|1069|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sekhar Investments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Gosree Commercial Corporation Pvt. Ltd. Cochin-682011, the 14th May 1985

No. 401|Liq|560(5)|1071|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Gosree Commercial Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kalloopara Quarry Products Private Limited

Cochin-682 011, the 14th May 1985

No. 2735|Liq|560(5)|1073|85.—Notile is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kalloopara Quarry Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd!- ILLEGIBLE Registrar of Companies Kerala

In the matter of Companies Act 1956 and of Mis Chemo Tan-Industries Private Limited

Gwalior, the 16th May 1985

No. 1413|PS|CP|775,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of Ms Chemo Tan-Industries Private Limited has this day been struckoff the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) U.P. & COMMISSIONER OF INCOME-TAX LUCKNOW

INCOME-TAX DEPARTMENT Lucknow, the 20th April 1985

No. 10.—Shri S. L. Agnihotri, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax Officer, C.I.B., Lucknow in the forenoon of 30th March 1985.

No. 11.—Shri Ram Bhatia, Income-tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate us Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax Officer, O.S.D. Allahabad in the foregoon of 29-3-1985.

No. 12,—Shri R. S. Gupta, Inspector of Income-tax of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax office (OSD), Allahabad in the forenoon of 4th April 1985.

DHARNI DHAR Chief Commissioner (Admn.) U.P. & CIT, Lucknow

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. C. A. 57|85-86|SI, 1006 J. A. C|Acq. R-I|Cat. Whereas, J. S. K., BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

No. 2, situate at Wood Street, Calcutta-16.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered

nas been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C. A. 57 dated 5-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent positions of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (2) Mr. Ghanshyam Das Sakhrani

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert/ may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1|3rd share in Flat No. G-6 on 6th floor at 'Sangam' 2, Wood Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, J.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta, vide Sl. No. C.A. 57 dated 5-9-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calentta-16

Date: 17-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

58---96 GT|85

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

NOTICH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sir Naicsh Sakhtani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGEJ, CALCULEA Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No CA 55[85-86]SI. 1007 LA.C[Acq. R-I]Cal—Whereas, I S K. BANFRJEE, being the Competent Authority under Section 269I) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have teason to believe that the impossible proposity business a fair market where exceeding References. movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situate at Wood Street, Culcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

with the Competent Authority uls 269AB of the said read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 55 dated 5-9-84

an apparent consideration which is less than the fair market varie of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the date d publication of this notice 45 day from the date d publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noise in the Official Gazette

FAPLANATION: - The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

All that 1/3rd share in Flat No. G-6 6th floor at 'Songam' 2 Wood Street, Calculta-16. Registered before the Competent Authority LAC Acquisition Ranke-1 Calculta vide SI No. C 1 55 dated 5-9-84

> S. K. BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rali Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

Date 17-5-1985 Scal ·

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

(2) Sri Ashoke Sakhiani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI. TAX

ACQUISITION RANGE-L CALCUITY Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. C.A. 56|85-86|81, 1008 I.A.C.|Acq. R-I]Cal.—Whereas, I S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and hearing No. 2, situate at Wood Street, Calcutta 16 (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered

with the Competent Authority up 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 56 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned "---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gron in that Chapter

THE SCHEDULE

All that 1/3rd share in Flat No. G to on 6th floor at 'Sangam' 2, Wood Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta, vide Sl. No. C.A. 56 dated 5-9-84.

S. K. BANERJFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Sectron 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 17-5-1985

Seal:

(1) Smt. Ganga Moni Dassi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lakshmi Bala Saha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCULTA

Culcutta, the 9th May 1985

Ref. No. TR-228|85-86|Sl. 1009 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.—Whereas, I S. K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No. 39B, situate at Nilmoney Halder Lane, Calcutta-13. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Cal. under registration No. I-12310 dated 28-9-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescus property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that partly one and partly two storeyed building Land area-2 Cottahs, 15 Chittacks and 25 Sq. ft. at39B, Nilmoney Halder Lane, Calcutta-13. Registered before the Registar of Assurances. Calcutta vide Deed No. I-12310 dated 28-9-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date . 9-5-1985 Seal : FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Shice Vardoan Improvements (P) LTD.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Bhyaram Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th May 1985

Ref. No. C.A. 66[85-86[8], 1010 I.A.C.Acq. R-I[Cal.—Whereas, I.S. K. BANERJEE Fring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

mmovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Ro. 25A, situate at Camac Street, Calcutta-700016. (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto) has been thankerred and registered with the Competent Authority u/s 209A/B of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 66 dated 5-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the ebject of :—

Objects: if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the asswice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

All that Showroom No 9 on the ground floor of premises No 25A, Camae Street, Calcutta-16 measuring 403 Sq. ft. of super built up area, Registered before the Competent Authority, I A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI, No. C. A. 66 date 5-10-84.

(b. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incaras-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

S. K. BANERIEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-10-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.

(1) Sir Jayant Kripalani

(Transferor)

(2) Sri Alek Goel

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calculta, the 14th May 1985

Rci. No. UA 64|85-86|St. 1011 1AC|Acq R-1|Cal \rightarrow Whereas, I, S. K. HANFRJFF,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 8(1) A, atunto at Chowringhae Lane, Calcutti-

(and more fully described in the schedule anaexed hereto). his been tear retreet and registered with the Competent Authority u/s 269Ab of the said Act read with rule 48DD(4) of inconcetax Rules, 1962 under registration No CA 64 dated 29-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any meems arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land together with a flat measuring 984 Sft (approx) on the 3rd floor of Chowanghee Apertment under construction at 8/1A, Chowringhee Lane, Calcutta Registered before the Competent Authorny 1AC Acquisition Range-I, Calcutta vide Sf. No. CA. 64 dated 29-9-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 2690 or the send Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely ---

Oate: 14 5-1985

Seal :

(1) M/s India Electronics.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maeter Pramod Kumar Karwa & Maeter Nitin Karwa Clo Shri Naravan & Co

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I CALCUTTA-16

Cilcutta, the 17th May 1985

Ret. No CA 61 | S5 86 | S1 1012 | IAC | Acq R-1 | Cal -- Whereas, 1 S. K BANI KH F,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No.

and bearing No.

33A, ittiate at Chowringh R ad, Calcutte
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been fron ferred and registered with the Competent
Authority 11/2 269 AB of the said Act read with rule
487D(2) at Incomestar Rules, 1962 under registration
No C Y 61 (fred 159-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the second in the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

All that Flat No A-10, on 17th floor of Chatterjee International Centre at 33A, Chowinghee Road, Calcutta Registered before the Competent Authority, IAC, Acquisition Range I Calcutta vide Sl. No. C.A. 61 dated 15-9.84.

S. K. BANFRJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 17-5-1985

Seal:

(1) Mls Pan Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sir Irilokchand Palari & Ors (Transferer

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-0 CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ret No. C A 54|85-86|SI 1013 I A C |Acq R-I|Cal --- Whereas, I, S, K BANERIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing No 7/1A situated at Dr U N Brahmichari Street,

Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income tax Rules, 1962 under registration No, CA 54 dated 3 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

Expranation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said present 2 as given n that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

All that Flat No 3D at third floor at premises No 7/1A, Dr U N Brahmachan Street, Calcutta 17 Registered before the Competent Authority, IAC Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl No CA 54 dated 3-9-1984

THE SCHEDULE

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I 54, Rah Ahmed Kidwai Road, Calcutta 15

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 26-4 1985 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ashitendra Nath Mitter,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Taymi Sharnia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. TR 240185-86[SI 1014 J V C. Acq R-I]Cal — Whereas I, S. K. BANLRIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

No. 11 situated at India Exchange Place, Calcutta-73 (and more fully described in the Schedule anniexed hereto), has been transferred and registered in der the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta, under registration No. 1-12482 dated 29-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 4 share of one storeyed building on land measuring 1 Cottah & 4 Chittack at 11, India Exchange Place, Calcutta 77 Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12482 dated, 29-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Ran Ahmed Kudwan Road,
Calcutt-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—96 G1|55

Date . 17-5-1985

Seal :

(1) Sri Ashitendra Nath Mitter.

(Transferor)

(2) Hari Shankar Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. TR-241|85-86|Sl. 1015 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I. S. K. RANERJEF,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing
No. 11, situated at India Exchange Place, Calcutta-73
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at S.R.A., Calcutta, under regeistration No. 1-12482
dated 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that I share of one storeyed building on land measuring 1 Cottah & 4 Chittael at 11 Indi aExchange Place, Calcutta-73. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12482 dated 29-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the foling persons, namely :—

Date: 17-5-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th April 1985

Ref. No. 19/September/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, using the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to a the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding to 1,00,000/- and bearing in No. 151/2 situated at Abinavam village, sethanaickenpalayam, Authur Taluk 'and more fully described in the Schedule annexed hersto).

3. No. 151/2 situated at Abinavam village, iethanaickenpalayam, Authur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, lalem (Doc., No. 2096/84) in September, 1984 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason oblieve that the fair market value of the property as foxesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said natrument of transfer with the object of:—

- (a) fastilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ent/or
- (b) facilitating the concentrant or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. Sambasıva Subramania Aiyer, S/o Late Alagiri Aiyer, Ethapoor Agraharam, Ethapoor village, Authoor Thaluk Salem Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Palaniammal, W/o Venkatachala Padayachi, Kattukottai village Abinayam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Abinavam village. (Doc. No. 2096/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 25-4-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th April 1985

Ref. No. 42/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under S

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

situated at Kelukombar village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Frumaipatti (Do. No. 1384/84) in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Marappa Counder and others, Kelukombai vallage Pottilittipatti P.O. Namakkal Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Mutha Gaunder, S/o Athiyappa Gounder,

Athuniedu Palamedu P.O.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aicressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kelukombai village. (Doc. No. 1384/84)

PREMA MAI INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date . 25-4-1985

Seal :

FORM ITNS ---

CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 104|Sep|84—Whiteas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Incomes to Act, 1951 (4° or 1761) (he enoties referred to as the Salina to the 1761) (he enoties referred to as the Salina to the 1761) (he enoties referred to as the Salina to the 1761) (he enoties referred to 3000) and Learner R. 1.00.000) and Learner R. 5. No. 1632|1 Saua 1 | 1 | 21) Proc! B. 7th about Shivalaya Building, Commander-in Chief Road, Madia, 105 (and Prote ally decaded in the Saledule annexed heteto), has been transferred and the Registration Act. 1908 (16), 1908) in the Olice of the Registration Act. 1908 (16), 1908) in the Olice of the Registration Act. 1908 (16), 1908) in the Olice of the Registration Act. 1908 (16), and Periam (Due No. 922|84) on Sentendar, and I have reason to believe that the roa market value of the property as atoms and exceeds the apparant consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the transferor(s) and the transfere (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M|s Kishin Dass Gobind Ram, Sio Bulchand Kishna Dass, No 200A, Shivalaya Building, Commander in Chief Road, Madras 105

Manageman, → 7 +2.2 ±104m +10 = 12.4

(Transferor)

(2) Bhagavan Dass Sobiaj, Slo Sobraj, No 4, Brij Bhavan 63, Pedder Road, Bombay-2.

(Transferec)

Objections if any to the acquisition of the said property me by made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any office person interested in the said immovoil property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LYPLANATION.—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at No. 246, Block 'B' 7th floor. Shivalaya Buildmir, Commander in-Chief Road, Madras-105 (Do. No. 922|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006

Detc 27 4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 107/9/84.—Wheeras, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at 813, P.H. Road Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 904/84) on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument—of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. L. Patwari and others. 82, Narayana Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) R. Ihiruvelelai, G-D. East Palms, "Wingate Gardens" Raja Annamalaipuram, Madras-600 028.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building at No. 813, P.H. Road, Madras-10. (Doc. No. 904/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 27-4-1985

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1985

Ref. No. 108|Sep|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing situated at 813, P.H. Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 905|84) on September 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri M. L. Patwari and others. 82. Narayana Mudali Street. Madras-1.

(Transferor)

(2) Miss Elizabad George (minor), Rep. by Miss, Ammukutti George, 3930, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 813, P. H. Road, Madras-10. (Doc. No. 905|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGΓ-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th May 1985

Ref. No. 158|Sep|84.—Wheeras, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'oaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 'and bearing situated at Vokutampatti Village Namokkal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 15 R. II. Namakkal (Doc No 1728/84) on September 1984 to an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:— (1) Shri K. P. Vankili, Slo Palani Gaunder, Ramapuram puthur, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shii S. Natarajan, So Sengodampillar, Fharampapaiti Valayapatti P.O. Nomakkal Tatuk

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day. from the service of notice on the respective persons whethever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaples

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nuder the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /ec

THE SCHEDULE

Land at Vakurampatti Village, Namakkal Talak. (Doc. No. 1728|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madray-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Data . 8-5-1985

Scal ·

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP (AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDITIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhman the 'th May 1985

Ret No (F No (11D 33/3185) - Wherens I, JOGINDER SING!! being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property having a fair market value ex-colling Re 100 000/ and beam No Plant > 41° and + - i 3 - X + hudsuh (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto), his been ter formed in a the Researation of 1908 (16 of 1908) in the office of the Regi tering Officer Chindrent in sert 1014 for in a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have meason to believed that the fair n in ct value of the property as aforesaid exc. is the apparent consideration, therefor by more than fitteen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Art, in respect of any income arising from the transfer; sud /ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1 t 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the usue of this notice under subs of or the followin, se ins handly. -60-96 GI|85

(1) Wz (h S N W dhw i (Redd) So Late Sh Wali Rim Rio Viveka Nand Mihila College, Complex, Vivel Vihar Dolhi

(Consteror)

(2) D. Fir ein find il S. 5 Sh. Ramji Dass & Sh. Ashok Jindal soo Sh. Ramji Diso Roo House No. 1014

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION -Fhe terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 418 Sector 35A Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 521 of September, 1984 of th Registering Authority Chandigarh)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date . 7-5 1985 Seal

FORM HINS-

 Shri Amarit Aggarwal Sto Sh. Sita Rem, Clo Capital Diesel Service, Mani Majia, U1, Chandigath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kesar Singh Slo. Sant Singh, Rlo House No. 150, Sector-20A, Chandigath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 7th May 1985

Ref. No. CHD|56|84-35---Whereas, I. IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot No. 3346, situated at Sector 32-D, Chandigath (and more fully described in the Schedule appayed basets)

No. Plot No. 3346, saturated at Section 32-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule ennexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chand gub in Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propurty, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3346, Sector 32-D, Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 587 of Sept., 1984 of the Registering Authority. Chandigath)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

FORM NO. IT N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVINUE BUILDING

Indhima, the 8th May 1985

ket No (HD 60)84.55 -Where is I JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 2528 situated it sector is C. Chindigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer it Chaud with in Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act I hareby units a proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pressure, namely:—

- (1) Brig. J. S. Dnillon (Retd.) So S. Chanchal Singh, Rlo H. No. 559 Sec. 16D, Chandigarh (Transferor)
- (2) Major Indok Smah Gujial (Retd.), Sjo Shir Hukam, Singh Gujial Smt. Daljit Kaur Gujial. Wjo Maj. Indok Singh Gujial Major Rayinder Singh Gujial, So Major Indok Singh Gujial, S. Virinder Singh Gujial Sjo Major Tidok Singh Gujial, Rjo 1302, Sector 34-C, Chandigara. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2528 Sector 35%, Chandigath (The property is mentioned in the sale deed No. 629 of Sept. 1984 of the Rigistering Authority Chandigath).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date . 8-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th May 1985

Ref. No. LDH/272/84 55 -Whereas I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No

No 1 6th Shar of House No B XX 662 2387 situated at Guidev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration, therefor, by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income it any moneys or other assets which have not nen or which ought to be disclosed by the transferee 101 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealt tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

- (1) Smil R i Mohnder Jean Wio S. Jagir Snigh Rlo B An 56', Guidev Nagat, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shir Kuldip on (1) shir Indeput Singh Sons of S Billing angle Sont Haipin (Sont Wo S Kuldip S) the Sont Ray nde Kado W/2 S Inde paul Singh, a ments of 11 No 64 621, Kundanpuri, C vil Liags Ludhiada (Iransterce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) oy any of the alorestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION --The terms and expressions trad by a se defined in Chapter NNA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16th have of Hore No. B. NN 662/2857 Guides Name fuddiant. (The property is mentioned in the sale deed No 5644 of Sept. 1984 of the Registering Authority Ludhi nr.)

> TOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date 8-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. to o. CHD[55A[84-85]—Whereas, 1, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the medine ta. Ac., 1961 (43 of 1961) (betemafter referred to at the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R 1.00.000 and tearing

the first said Act 1, having a fair market value exceeding R 1,00,000 and bearing Hoons. No 158, situated at Sector 33-A. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been to refer dender the Registering Officer.

m hindmann i topt, 176+
for an apparent consideration which is less than the fair
marker value of the moresaid property and I have reason to
scheve that the fair marker value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more throughout exceeds the apparent consideration and that the
consideration for such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the and instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Mrs. Prem. Pandit. Who I at. Lt. Maj. Toppal Pandit, Through G.P.A. Sh. A hok. Bansal. Sh. Shri. B. L. Bansal. Rlu. H. No. 17, Sector 10-A, Chandiyarh.

(Transferor)

(2) Shri tanggep singh Nakai S o Shri Balwurder Singh Nakai & Snit, Vasinder Kaur Nakai W]o Shi Balwinder Singh Nakai Rio Banafa-Bhatinda Road, Rampura Phul, Diste Bhatinda.

(Transferce)

respections, if any, to the acquisition of the said money may be reade in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- the by any other person interested in the and immoable property, within 15 Ly., from the director the publication of this notice in the (Official Gazette,

I VPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA or the said Act, shall have the sains meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 188, Sector 33-A, Chandigath (The property as mentioned in the alle deed No. 555 of Scitt., 1984 of the Reast ring Authority, Chandigath).

> JOGINDER SINGH Competent Authorit/ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 (1) (2) with the proceedings for the acquisition of the allo example property to the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DECOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sin & a Strait Diss 55 Shit Dhul Chand & Stat Tromili Bhateji Wio Shir Ram Saran Diss, Rio H. No. 1189, Sec. 21B, Chandigath (Transferor)

(2) Smi. Vibha Aggirwol Wo Snii D. K. Aggirwal Shii Simil Aggirwal So shii Chamin Pirkash Aggirwal, residents of H. No. 1117, Sector 36C Chandigarh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

CAMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th May 1985

Rei No CHD 60A84 pr-Wherers I, JCARNDER 51NOH Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition R in 1 additional being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing No II amplies House No 300 studed at 1 or 32 V is highly in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chandigath in 8 premier 11 4 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the proper vas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and III at the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trum it of transfer with the object of —

- Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned -
 - a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interpolation the said immovable property, within 45 days from the date of and publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House (Incomplete) No 300 Sector 33A, Chindigarh (Th. property as mentioned in the side deed Ne 638 of September 1984 of the Regist ring Authority, Chandigarh)

THE SCULDULL

INSPECTING Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhian (

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date 13-5-1985

Scal

Shir tagut Singh Slo S Kirpal Singh, 47 Atam Negar, Luthama

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhana, the 13th May 1985

Ref. No. 1 DH | 277 | 84 35 - Whereas, J. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of JOGINDER SINGII, Inspecting A suffact Commissioner of Income tax A quisition R une, Individual being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]-and bearing.

No House No B X III 826/5 situated at Industrial Area-A Extension I addition.

fand more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in September 1931,

for an apparent consideration which is less than the fair mather value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Shir Mohan singh Sio S Sunder Singh, V. Dharampura Jigadhari Disti Ambala, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No B. XXIII 326 o, Industrial Area-A, Extension, Ludhiana (The eproperty as mentioned in the sale deed No. 5778 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana)

> **JOGINDER SINGH** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhi na

Date: 13-5-1985

FORM I.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- (32 A) Γ (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVINUL BUILDING FUDHIANA

Luthana the 10th May 1985

Ref of 10 150 2485 - Where is I 10 67 NOTE 5 NOTE 15 petics A sistent Coronissioner of Incom. A criticol 15 petics A sistent Coronissioner of Incom. A criticol 15 petics A sistent Coronissioner of Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the incident of property having a fair market value exceed in Rs. 1,00,0007- and bearing. No II II a title tot across 20 A Chindigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the instance of the instance of the apparent consideration which is less than the fair market value of the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, . B i
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act in 1927 of 1957);

- (1) Shir Jaswant Sinch Try to Shir Nation Singh Rlo H No 654 sector 2013, Chandigath (Transferor)
- (2) Smt. Simrat Pal Kini Wlo S. Ajit Siagh Rlo Clo House No. 1291 Sector 21-B Chandig rh

(fransferce)

(3) Shir Chetan Kumai Sharmi R[o House No 654 Sector 20A, Chandigath (Person in occupation of the property)

projections if any, to the acquisition of the raid property any be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 1 official Gazette and the respective persons.
- (b) oy any other person interested in the said marrow able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gir."

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Thester X' has of the said here shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 654 Sector 20A. Chandigath (The property as mentioned in the sale deed No. 604) of September 1984 of the Reinsteiner Authority Chandigath)

> IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhian i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10 5-1985 Seal:

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDIHANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No LDH(273)84-85 -- Whereas, I, 10GINDER SINGH, Insu-citive Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing

No. 1]2 share H. No. 3-XX-1950[69] (99-k.) Sarabha Nagar, Ludhiana situated at Sarabha Nagar Ludhiana, (and more fully described in the schedula annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been auly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

61-96 GY|85

(1) S. Gurbaksh, Singh Uppal Slo S. Harnam Singh, through GPA, S. Karaj Singh Slo S. Kartar Singh Rlo 42, Sarabha Nagar, Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kane Wio Shii Karamjit Singh Smt, Rajbir Kaur Wo S. Surjit Singh Ro 42K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 shate H. No B-XX-1950/69 (99K) Sarabha Nagar, Ludhiana

The property as mentioned in the sale deed No. 5687 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDIJIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. NHN|3|64-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Building with land area 131 sq mts.
situated at Mahal Dhaboa, Teh. Nahan, Distt. Sirmaur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nahan in September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. Shu Shri Ram Slo Shu Mehai Singh,
 Shu Jagmohan Singh Slo hu Ram kishan,

Shri Haripal Singh,
 Kumari Um i Devi, Kumari Mala Devi &

Smt Meer's Devi delp Shri Ram Kishan, 5. Smt Indira Devi Wio Sh. Ram Kishan, all residents of Mohal Dhabon, Nahan, Disstt. Sitmaur.

(Transferor)

(2) Sh i Babu Ram 5lo Shu Bela Ram Rlo Mohalla Katchu Tank, Nahan, Disti. Sumaur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land area 131 sq. mts at Mohal Dhabon, Nahan, Distt. Sirmaur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 226 of September 1984 of the Registering Authority, Nahan).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL CFNTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No LDH 240 84 85. — Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/2 share H. No. B-XIA-1387/184.E, shuated at Dr. Kichlu Hagar, Ludhiana, (and) fore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September 1984.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii J. B. Siagh Sabharwal Advocate Slo Shii Amrik Siagh Slo Shri Jabmd Siagh Rlo B-VIII, 768 Lakkar Bazar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt, Łal Devi Wlo Shri Ram Chand Rlo 33-B, Udham Singh Nagar Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share H. No. B-XIX-1387/184, E. Dr. Kichlu Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6128 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir J. B. Singh Sabharwal Advocate Slo Shri Amrik Singh Slo Shri Jabind Singh Rlo B VIII-768 Lakkar Bazar Ludhmaa

(Transferor)

(2) Smt. Lal. Devi. Wo. Sh.i. Ram. Chand. R. o. 33 B. Udham. Singh, Nagar, Ludhiana.

(linsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref No LDH | 230 | 84-85 - Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Ircome tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 1|2 share H No B-XIX-1587|184|E, situated at Dr Kichlu Nagar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Ludhiana in October 1984,

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or 1/2 share H No B-XIX-1387/184, E Di Kichlu Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 6944 of October 1984 of the Registering Authority Ludhiana)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhian i

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date 13-5-1985 Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amandeep Singh S'o Shri Avtar Singh Slo S. Buta Singh Rlo Sirsa (Haryanana).

(Transferor)

(2) Shir Faranjit Sinen S₁₀ S. Darshan Singh, R₁₀ 124 B Model House Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 13th May 1985

Ref. No. 1DH|269|84-35.—Whereas, I, JOGINDER SINGII, Inspecting Assistant Commissioner of Incomedian Acquisition Range, Fudinana, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomedian Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/~ and bearing
No. 112 share in SCFNo. 33 situated at Kartai Singh Sarabha Narar, Endhana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in September 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share SCFNo. 33. Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5592 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDI'R SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BOTH DENG FUDHIANA

Ludmana, the 10th May 1935

Rct. No kIIR | 45|34-55.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Awhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 182 Phase, 3-B-1 situated at Mohali 1ch Khatar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1906 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khatar in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid one eds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the

party, has not been touly stated in the said in trument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of avanton of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ia: Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Joderpal Veima S/o Shii Bhawani Dass, R/o H No. 3035 U, Sector 15D, Chandigarh. (Transfeior)
- (2) Shii Pittam Sman Sin Sin Sinjan Singh, Rlo II, No. 1917, Patram Nagar, Narwana (Ind). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 282 Ph.se, 3-B-1 Monah, Teh. Kharar (The property as mentioned in the sale deed No. 2497 of September 1984 of the Registering Authority, Kharar).

OGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhana

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGÉ CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref No KHR[41]84-85 —Whereas I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and

House No. 668C situated at Phose-1, Mhadi, Teh. Kharur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the usid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chain Singh Mundra Slo S. Naranjan Singh Through his C.P.A. Sh. Naranjan Singh Mundra Slo Sh. Basant Singh Mundra, C-10, Industrial Area Phasest, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar.

('fran feioi)

(2) Shri Ranjit Singh Dhillon S|o Shri Arur Singh Dhillon, R|o H. No. 668C, Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar, Distt, Ropar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 668C, Phase-I Mohali, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2359 of Sept. 1984 of the Registering Authority, Kharar).

Inspecting Assett Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No DLI | 184-85.—Whereas I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000)—and tearing No.

Land 16 Kann's attracted it Sarai Ishawaza, Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under Registration No. 821 dated 10-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tran ferand/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresald property by the issue of this nonce under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s. Jaggi Engineering Industries Pvt. Ltd., CC/23, Kalka Ji New Delhi.

"Transferor"

(2) M/s. Circuter A hoka Land & Development Pvt. Ltd., Flat No. 3, Shankai Market, Cannaught Circus, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exercis later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAN/TION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals situated at Sarai Khawaja, Tehsit Ballabgath and as more mentioned in the sale deed registered at No. 821 dated 10-9-1984 with Sub-Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 14-5-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th May 1985

Ref. No HSR|62|84-85.—Wheteas I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred w is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Kothi No. 37 situated at Defence Colony, Hisar (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority ul. 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)

Hisar under Registraion No. 3293 dated 28-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the corposes of the Indian Income-tax Act 1927 (11 of 1922) or the said Art, or the Wealth one Art. 1957 "IT of 195/1.

'ow, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .—

62 - 96GI | 85

(1) Ca. Lokender Singh Chaudhary slo Major Amir Singh; Smt. Pushpa Chaudhary wo Cap. I okender Singh, Rlo Kothi No. 51, Defence Colony, Hisar

(Transferor)

(2) Shii Jagdish Chander Sethi Slo Ch. Sohan Lal Sethi, Kothi No. 37, Defence Colony, Hisar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice 1, the (filcial Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 37, Defence Colony, Hisar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3292 dated 28-9-1984 with Sub Registrar, Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No. PNP | 79 | 84-85 -- Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land measuring 54 Bigha 2 Biswa situate at Taraf Insar,

Panipat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punipat under Registration No. 2931 dated 6-9-1984 for an aparent consideration which is les sthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Svs. Satish Kumar, Harish Kumar Slo Sardari Lal slo Tirath Ram; Subhash Kumar, Ashok Kumar slo Ram I al, R|o 457|1, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Ludhiana Hosiery & Textile Association Chowk Mahopuri, Ludhinua through Shri Tarsem Lal Jain So Babu Lal Jain, General Secretary.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 54 Bigha 2 Biswas situated at Tarat Insar, Pampat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2931 dated 6-9-1984 with Sub Registrar, Panipat,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No. PNP|80|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Land measuring 26 Bigha 11 Biswas situated at Taraf Insar,

Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2932 dated 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of translet with the object of :-

- (1) Sys. Satish Kumar, Harish Kumar Sslo Saidari Lul, Subhash Chander, Ashok Kumar, Roo H. No. 457, Ward No. 1, Panipat. (Transferor)
- (2) Ludhiana Hosiery & Textile Association Chowk Madhopuri, Ludhiana through Shri Tarsem Lal slo Babu Lal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Preperty being land measuring 26 Bigha 11 Biswa situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2932 dated 6-9-1984 with Sub Registrar,

THE SCHEDULE

Panipat.

R. K. BHAYANA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1985

Ref. No. RTK 38 84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House measuring 226 sq. yds. bearing No. 282 16 Ram Gali situate at Jhajjar Road, Rohtak

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 4336 dated 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclitating the reduction or eventon of the linbhits of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalawati w/o Shri Babu Lal Bansal d/o Jawahar Lai s/o Shri Ram Saran Dass Jindal, R/o Jhajjar Road, Rohtak.

(Transferor)

(1) Svs. Padam Chand Jam so Lakhmi Chand Jain so Wazir Singh Jain and Smt. Jainwati Jam woo Shu Padam Chand Jain so Lakhmi Chand Jain, Ram Kali Market, Bhiwani Stand, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 282|16 Rm Gali, Jhajjar Road measuring 226 sq. yds., at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4336 dated 14-9-1984 with Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOIN RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5799 and 5800.—Whereas I J. I GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing No.

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Nanak Chand so Kirpa Ram rlo Durga Colony, Jalandhar,

(Transferor)

- (2) Shri Naresh Kumar slo Sarup Chand Rlo NK—276, Charanjit Pura, Jalandhar, (R.D. No. 2407)
- (2) Rakesh Kumar So Sarup Chand rlo as above. (R.D. No 2408).

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property House No. 34 situated in Durga Colony, Jalandhar and persons as mentioend in the registered sale deed Nos. 2407 and 2408 of Sept. 1984 1/2 share each deed of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-5-1985

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOIN RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5801 and 5802,---Whereas, I J. J. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. as per schedule snuated at Jalandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the proposes on Indian In one as Act, 1922 m: proposes on Indian In ome at Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt Pritam Kaul Wdo Santa Singh rlo V. Kular Jeh. Nakodai (now r/o Dada Colony, Jalandhar) Self & Mukhtiar-Am of Avtar Singh. Rajinder Pal Singh Sons & Surrinder Kaur & Jitoo alias Jit Kaur Ds o Santa Singh,

(2) Shri Gian Singh Slo lawala Singh Rlo V.— Sheikhu, Teb Lalawih was Singh Rlo V.— Sheikhu, Teh. Jalandhai (R. D. No. 2522) and Sh. Gurmit Singh Sio Gian Singh rlo as above (R.D. No. 2526).

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Object.ons, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 18 Msl. 47 Sq. ft and 18 Mls. 93 S. ft. situated in Dada Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2522 & 2526 dated Sept. 84 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITOIN RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1985

Ref. No AP. No 5803 and 5804.—Whereas, IJ. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No is per schedule situated at Jahmdhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

Jalandhar on Sept. 1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sham Sunder Kapoor slo Harbans Lal rlo Mitha Bazai, Jalandhar Mukhtaam of Vijay Kumar Ashok Kumar Jandon & Schjiv Kumar Slo Shri Som Nath Kamlesh Kakar daughter (wlo Ravinder Kumai & Gian Devi Wdlo Som Nath, BH-3A, Lawrence Road, Delhi-35.

(Transferce, (2) Shri Narinder Kumar S|o Ram Paikash C|o M|s Raj Kumar & Bios, Tanda Road, Jalandhai. (R.D. No. 2317) 2. Rakesh Kumai s|o Ram Parkash i|o as above. and 2 2322).

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 17 Mls. and 17 Mls. situated in Shiv Puri Sodal Road, falandhar & Persons as mutioned in the Registered sale deed Nos. 2317 & 2322 of Sept. 84 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-85

FORM I.T.N S .--- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOIN RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th May 1985

Ref. No A.P. No 5805-5806 & 5807.—Whereas, I J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'ransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the fudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shii Pyara Singh s[o Gohil Singh i]o V. Kodlan Teh. Ajnala Distt. Amritsai Mukhtiar-Khas Surrinder Mohaii s[o Khushi Ram Mukhtiar-am Khushi Ram s[o Narain Dass, 148, Sector 28A, Chandigarh.
 (Transferor)

(2) Shii Malak Singh Chadha Slo Ram Singh rlo
NB-56 Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar
(R.D. No. 2653) and Jatinder Kaur Wdlo Rajinder
Singh rlo —do—
(R. D. No. 2649 & 2706).

(Transferee)

(3) As 5 No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 61-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed Nos. 2633 and 2649 of Sept. 84 and 2706 of Oct. 84 of the Registering Authority, Jalandhar (1]31d share cash deed).

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesat! property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. A-107/85-86 —Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No.

situated at Kanoon Goyan Aligarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at

under registration No. 8152 dated 12-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly retailed in the soid instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shir Bhola Shankir Nar hnar So Shri Baboo Lat Varsaga Rlo Sarai Barah Saini How it Kanoon Govin Aligarh

(Transferor)

(2) Smit Shooti Dev. Wo Shri Nath Veimi Praveen Verma and Arun Vermi Rlo Ramai Dom Aligarh

(Transferce)

(3) Smt. Shanti Devi Wo Shir Jath Verma Praveen V ma, and Arun Verma Rlo Ramai Dom Aligath

(Personts) in occupation of the property)

(4) Smt Shanti Devi Wlo Shri Nath Verma Parveen Verma and Ainn Verma, Ro Rumai Doia Aligarh

(Persons vinoni the unit isig d knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House at Kanoon Goyan, Migath

S K BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquesition Range, Kanpur

Date 15-5 1985 Seal ·

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely —

63---96GI 85

(1) Shri Sayeer Gautam Shri Hafan Chand Gautam Rho Lekhtai Nagar Albath

(fransferol)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACOUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. A-108[84-85 - - Whereas, I,

S K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property haven a tan market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot

situated at Kanjola Alwarh

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Aligarh

under regulation 10 8504 dated 50-10-62

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shir Dinesh Kumar Slo Laxmi Naram Rlo Balyara Rajesthan & Shir Giriaj Kishor, Slo Laxmi Naram

Rlo Jarranj Aligarb

(Transferce)

(3) Shi Dinesh Kumai Slo Laxmi Narain, Rlo Balvara Rajesthan & Shri Girraj Kishore, Slo Laxmi Norain, Rlo Jaiganj Aligarh.

Per ones) in occupition of the property]

(4) Shir Dinesh Kumar Slo Laxmi Natain, Rlo Balvara Rajesthan & Shir Guraj Kishore, Slo Laxmi Natain Rlo Janganj Aligath

(Persons v hom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Be-put Kanjola Aligath

調節的於四

S K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pages hangus

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I be reby initiate propered ups for the acquisition of the aforesained property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Act, to the following poisons, namely:

Date : 15 5-1985 **Seal** :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-UX

ACQUISTION RANGE JOUESE RANGHAN BHAWA GANDHI MAGAK OPP LANIA PARK KANPUR 208 012

1, input 20 012 the 15th Mi, 1955

Ref. No_A 100]84 bb Where b 1

S K BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinstres referred to 33 the Said Act.), have been no to believe it if the immovable property, having a fan market value exceeding Ks 1,00 000land bearing

No 13]487
Situated at Mand Chowk Alignth
(and prore fully described in the schedule and red herete)
has been transfered and registered under the per stration Act, 1 08 (16 of 190) in the office of the Re 113 nr Officer it

under region in iN so 41 dated 2° 11-4

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent an idention therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been t my L Ł tunent of umit vititi et

(a) facilitating the reducing or evaluating of the hability of the transferor to pay 'ax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or

(n) facilitating the concealment of my meome or any miners or other as ets which have not been of which cup ht to be distored by he transfered for me imposes of the India i income in Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of se ior 2000 of the said Act to the following person that (1) Shir Harr Gopal Virshney & Others Slo Sn Gyn Prikish Manik Chowl Aligath

(liam.feior)

(2) Shri Sule I Chard Jana So Sha Mithan Lal Jam Manik (howk, Mr uh

(I ransterue)

(3) Shir sur to thind Jun So San Millian Lid lain. M nd Chowk, Alipah

It is me) in occuption of the property]

(4) it su a Chind lein Slo Shi Michin I d Jein Manik Chowk, Aligarh

(re cas whe t he unteragged knows to be interested in the property)

Objections i an , is the acquisition it in, said property may be made in witting to the undersigned -

- (a) by any of the store aid nersors, thin a period of 45 days from the take of publication of this notice in the Official Gracetty of a period of 30 days from the service of actic of a the espective persons. whicher empleapmentail
- (t) by any oth s per on interested in the said immovable property a thin 45 days from the date of the publication to my notice a transferred Gazette

EXPLANATION - the te and and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that 1 hanter

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONIR OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANDE 106-282 KANCHAN BILAVAN GANDIH NAGAK OPP LANIN PAKK KANPUR 208-012

Kangur, the 15th May 1335

Ref. No. K 169184-85 -Whereas 1

Ref. No. K. 169/84-85. —Whereas. I. S. K. BHAFNAGAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961. (43 of 1961). (incremalter referred to as the and kell his reason to believe that the immovable property advise hair market value exceeding Rs. I. 00.0001. and beating. No situated at Ag. I. and Vill. Kharide pen Dist. K. nym (and more fully describe in the Schedule admexed hereto), has been it insterred in Factorial in the through thom Act. 1908. (16 of 1908) in the office of the External Officer it.

1908 (16 of 1903) in the office of the Latering Officer it Капрш

under regi tration No. 18 -22 date f. I.

for an apparent consideration which is less than the fair mirket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that if I i in that alies the property as aforesaid expects the squent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an norme arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the once ilment of any income or any moneys is other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the pure ses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in the dame of Section 2690 of the said Act. I bereb, initially properlying for the consistion of the aforesaid project to have usue of this notice, under subsection (1) of section 1691) of the said Act to the following persons, summiy

(1) Shii Din dayal & Run Chand So Sri Alibel Vill Khalepin, Prijana & Disti Kanpur

(Transleror)

(2) The Ideal Coloperative Housing Society 11d. The Ideal Co operative recamp 204[2] July Laf Colony Kanpur Through Sri K. K. Srivastava, Secretary (Fransferce)

(3) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd 204[2] Juhi Lil Colony Kanpui Through Str K. K. Stivastava, Secretary 1Person(s) in occupation of the property.

(4) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd 2010 Unit Lil Colony Reput.

204/2 July I al Colony Kanp ii

Through Sir K K Srivistava, Secretary (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Khadepur Distt Kanpur

K BHATNAGAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Kaupin

Daty 15.5 1985 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 263D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1 # _ 12 RANGILAN BILAWAN GANDIE NAGER OPP LANIN PARK, KANPUR 205 012

Kingur the 15th May 1985

RI No & 189157-5 Where 1.

A K BHAL AGAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1461 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stud Act) have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs 1,00,000/ ind bearing No.

1908 (18 or 186) in the efficient the Registering Officer at

unifor icase to 1 × 12303 dited 15 9 1034 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not be a truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to be transfer with the object of

- (a) ficilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and for
- (b) field therethe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1' of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (2' of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Se tion 2000 of the and Act to the following persons namely.

(1) Shu Rahul Woln Slo Late Shri Gildhari 1 il Wohi 1781, Nawab Sahib Ka Hata, Kanpur

(Transferor)

(2) Nehru Smirak Sahkari Grih Niiman Samiti I td. through President Shir Jugest at I had Luputhy 128 35 G Block Kidwar Nagur, Kanpur

(Transferce)

(3) Nehiu Smarak Sahkari Grih Niiman Simili Itd Through President Shir Ligoswir Privad Lipah 128.35 G Block Kidw ii Nagar Kanpar

Per on(s) is occupation of the property!

(4) Nehru Smarak Sahkan Grah Naman Samiti Itd Through President Shri Jaeswar Prisad Tripithy 128/35, G. Block Kidwar Nagar Kanpui

tPc sons whom the understance knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture 1 and No 832 at Delhi Sujanpur Disti Kanpiji.

S R BHATNIGIR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Veguisition Range Kanput

15 5 1985 Date ان با

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282 KANCHAN KHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR 208 012

> > Kanpur, the 15th May 1985

Rel No K 205/84-85 -Whereas, I

S K BHATN AGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

Ag Land No 832

situated at Dehli Sujanpor Konpur

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur

under registration 14894 dated 31-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ayodhya Prasad Wahi So Ganpat Rai 17/81 Ram Nara'n Buar

(Translator)

(2) Nehru Smajak Grih Nirman Samui Ltd Through Shri Prem Prakash Tripath / 128135--6 Block Kidwar Nigit Kampur

(limshit)

(3) Nebru Smitck Gridi Hilmin i Siniti Etd Through Shir Prem Prakasii Tiibath 128 35-6 Block Kidwai Na ai Kanpur

(Person) in a city thon or the property)

(4) Nehru Smarak Grih Ninn in Sital, Ital Through Shri Piem Pitka h Ingin 128/35-6 Block Kidwar Neur Kanpur

(Persons whom the underst nell how to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The tiems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ag Land No 832 at Delili Sujiapin Di tl. leuipin

S K PHAINWAR Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisi in Range Range

Date 15-5-1985 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106]282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208.012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K 227 84-85.- Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 93/8

situated at Pech Bagh Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trom ferred and registered under the registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Kegistering Office, at Kancur

under registration No 13767 dated 27-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shu S, M, Bhasin Sol I ate A. Rashia 93/12 Pech Bugh, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shu Achhey Nawab Sto Shamsuddin, 93/8 Pech Bagh. Kanpur,

(Transferee)

(3) Shri Achhey Nawab So Shamsuddin, 93/8 Pech Bagh, Kanpur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shii Achhey Nawab Slo Shomsuddin, 93]8 Pech Bagh,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 93/8 Pech Bagh, Kapur,

S K, BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K-232 84-85.—Whereas, I,

S K BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 127/219A

situated at Juhi Kalan Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur

under registration No. 15738 dated 10-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Shu Raj Kuma Pasupati Kumar, Ram Kumar & Others, 128 M-38, Kidwat Nagar Kanpur

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi Wo Shri Duli Chand & Misrci Lal Chand, Sjo Duli Chand, 108[30, & Road, Kanpur,

(Transferee)

(3) Smt. Vidya Devi Wo Shi Duli Chand & Masker 1 at Chan ! So Duli Chand, 108|30, & Road, Kanpur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Smt. Vidya Devi Wo Sri Duli Chand & Master Lol Chand So Duli Chand, 108[30, & Road, Kanpui

(Persons whom the underspood know to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127/219A, Juhi Kalan Kanpur,

A. BHAIN WAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No. K-238|84-85,—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 85|52 situated at Cooporganj, Kanpur

No. 85/52 situated at Cooporganj, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 15327 dated 3-9-84

Kanpur under registration No. 15327 dated 3-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under succeeding (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—96GI|85

(1) Shri Bal Kisan Gupta, 101|71, Kaisthaw Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Saheen Parveen, 101|71, Kaisthaw Road, Kanpur

(Transferee)

(3) Sint, Saheen Parveen, 101/71, Kaisthaw Road, Kanpur.

(4) Smt. Saheen Parveen.

101/71 Kaisthaw Road, Kannur,

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Cooperganj, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 15-5-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No. K-241|84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15749 dated 6-9-84

1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15749 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under aubtraint, namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the following training namely in the said Act, to the said Act, to the said Act, it is said Act, to the said Act, to the said Act, it is said Act, to the said Act, it is said Act, to the said

- Sri Daya Shanker Gupta So. Late Sri Mahabir Pd. Gupta, 75/173, Ranjit Purha, Kanpur.
- (2) Smt. Gita Devi wo, Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar So, Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali, Kanpur.
- (3) Smt. Gita Devi woo. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar Slo. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt, Gita Devi woo, Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar Slo, Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali,

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sootergani, Kanpur, 13/133.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 15-5-85 Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

No. K-242|84-85.--Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15753 on 10-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Kability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii Jagmohaa Lal Bajpai Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Radha Kishan Sho Lute Su Relumal 108|6, P. Road Kanpur.

(Transferce)

(3) Shii Radha Kishan Slo Late Sii Relumal 108 6, P. Road Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Radha Kishan So Late Sri Relumal

108/6, G. Road, Kanpur (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House at Kanpur.

S K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDIII NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

No. K-243 84-85.—Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 43/15 situated at Natial Bazar, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15756 dated 6-9-1984,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Cinet. In Kanpur under registration No. 15756 dated 6-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which hafe not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwan Dai Wo Late Sri Bhagwan Das & others 43/15, Natial Bazar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shii Suiya Prakash & others Slo Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur.

(Transferec

- (3) Shii Surya Prakash & others Slo Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Surya Pialash & others So Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be

n the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 43/15, Narial Bazar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|232, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

No. K-245|84-85,---Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

H-34, situated at Pauki, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 16763 on 28-9-1984,

Kanpur under registration No. 16763 on 28-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shir Inder Lal Sjo Sir Jai Ram Dal 117[H-1]337, Model Town, Sundar Nagar Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Ishari Devi & others W[o Sti Nihal Chand. (Transferee)
- (3) Smt. Ishari Devi & others Wo Sri Nihal Chand,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Ishati Devi & others Wo Sri Nihal Chand.

 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Industrial Estate, Panki, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-4-1985

Scal:

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCIIAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No 1-249 84-85 -- Whereas, 1,

S K BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereitsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001 and bearing No

106[213 situated at Gindhi Nagai, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

kanpui under registration No. 15359 on 6 9-1984,

for an apparent commeration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/er;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any manufu of other assets which have not been or which county to be discheded by the transferor for the pasposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the shoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA (1) Smt Kanta Devi Dubey Wo Sri Jagdish Pd Dubey 100 213, Gaudin is ig u, Kanpur

(Transferor)

(2) Snit Nagina Chandok Wlo Sii Om Parkash Chandok 87111, Acharya Nagar Kanpur

(3) Smt. Nagina Chandek Wid Sit Om Prakash Chandok 87|11, Acharya Nagar Kampur (Pet of the occupation of the property)

(4) Smi Nagina Chaudo, Wo Sri Om Prakash Chandok (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from s service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

House at 106/213, Gandhi Nagar Kanpur,

K. BHATNAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Vequisition Range, Kanpur

Date 15 5-1985

Scal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUITION MANGE 106/282, KANCHAN BIIAWAN GANDHI MAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpui 208 102, the 15th May 1985

No. K-250|84-85 - Wheneus, 1,

No. R-250[84-83 --Wolffeld, I, S. K. BHAFNAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 327-A situated at Anandpuri Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration No. 15485 on 4-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the color. the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

tion, therefore, in purchases of Section 2690 of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersess, nametly :---

(1) Shri Satya Prakash Gupta Sjo-Kishan Swaroop Gupta, Ro Swadeshi Cotton Mills Compound, Juhi Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Dayal 3/0 Chhotey Laf, & others 50/16, Hemghora Kannur.

(Transferee)

(3) Shri Rameshwar Dayal Slo Chhotey Lal & others 50 16, Hemghora Kanpur.

(4) Shii Rameshwai Dayal So Chhotey I al

& others 50/16, Heinghola

Kanpur.

(Person) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 327-A Anandpuri Kanpur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|283

KANCHAN BHAWAN,

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. K-254/84-85.—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 17/50 situated at Civil Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 15621 dated 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen par cent of such supparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khwaja Mohd. Faiq Khwaja Mohd Sharq & Others, r/o Abuturab Khan, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shrì Ganesh Shanker Gupta, Gopal Shanker Gupta & Others. 38/92, Narial Bazar, Kanpur,

(Transferee)

- (3) Shri Ganesh Shanker Gupta, Gopal Shankar Gupta & others 38[92, Narial Bazar, Kanpur. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Ganesh Shanker Gupta, Gopal Shankar Gupta & Others 38/92, Narial Bazar, Kanpur (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15 70, Civil Lines, Kanpur.

WE WILL

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

Seal: *

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106|282
KANCHAN BHAWAN.
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No K-255/84-85.—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

133/60, situated at Anandpuri. Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under registration No. 15608 dated 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or évasion of the liability of the transferer to pay tax under the said 'Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, \$222 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons. namely:—65—96GI|85

(1) Shri Niraj Aetawal s/o Late Sri K C Agrawal, 266, Anandputi, Juhi, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Mma Devi Gupta v, o Sri Madan Lel Gupta, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Mina Devi Gupta w/o Sri Madan Lal Gupta, Kanpur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Smt. Mina Devi Gupta w/o Sri Madan Lal Gupta, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 133/60, Anandpuri, Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstf Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-#IONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANCHAN BHAWAN,
KAN'DHI NAGAR OPP LANIN PARK,
LANDUR-208 012

Kannur-200 012, the 15th May 1985

Ref. No K-256/84 85 - Whereas I, S K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No 191-B, situated at Infertiol Estate, Dada Nagar, Kanpur

(and more furly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Regis ration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at
Kanpui and a registration No. 15596 dated 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the f ir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any mich sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 g 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely '--

(1) Shri Pritam Singh s o Sri Khann Singh, 124/57 B Go no No ar Kernur.

Tion your

(2) Snit Saraswith 'g awal w/o Sri Harish Chard Agri val 8/90, Arva Non 1 Kanpui.

(Transferce)

(3) Smt. Saraswat, Agrawa' W Sr. Harish Chand Ast (2) 8/90, Arya Nagar, Kanpun.

(ferre . in occuration of the property)

(4) Smt Saraswati Ag aw l w c Sii Harish Chand Am no 8/90, Ama Nagar Kanpur

(Persons the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the cfores differents within a period of 45 days from the disc of hublication of this notice in the Official Government or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explicitly to
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4° day from the date of the publication of this no ice in the Offic il Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte, XMA of the said Act, shall have the said meaning as given in that Charren

THE SUIFFIELD

House at Dada Nigar Kanpin

S K BHATNAGAR Competent Authority Inspecting As tt (mmissioner of Income-tax Acoust on Range Kanpur

Date' 15-5 1985 Seal

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANCHAN BHAWAN,
COMMISSIONER OF LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

Ret No K-257/84 85 -Whereas I, S K BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No.

109 397, sut ted at Nobru Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration to 1892 dated 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any measure arising from the transfer; and the
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A + 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in page of Section 269C of the said Act, I hereby satisfies; section for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

 Shri Moti Lal Seth, ChunniLal Seth & Others s/o Late Shri Girdhar Lal, 109/397, Nehru Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Mangla Devi w/o Shri Hori Shanker Sahu, 104-A/101, Ram Bagh, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Mangla Devi w/o Shri Hoii Shanker Sahu, 104-A/101, Ram Bagh, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Mangla Devi w/o Shri Hori Shanker Sahu, 104-A/101, Ram Bagh, Kanour.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 109 307, Nobiu Nagar Kingu

S K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Karpui

Date: 27-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GUVLRAMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSECUTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUIRTION RANGE,

ACQUESTION RANGE, KANCEAN BHAWAN, GANDHEN COR OPELIANIN PARK, KANCEAN BOOK

'Kanpu 208 . the 27 n Mid 1985

(a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transfer: to pay tax under the said Act, in respect of any means along from the transfer; and/or

(b) facilitating the conrealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be inclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in presuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons name I'

(1) Smt. Durga Mehrotra & Others w, o Sri Shiv Bhagwan Mehrotra, 63/7, Mahatma Gandhi Marg, Kanpur,

(Transferor)

(2) Shri Radhey Krishna Agrawal 5/0 Late Shri Jariki Piasad Agrawal, 97, The Mall, Kanpui.

(Transferec)

(3) Shri Radhey Krishna Agrawal s/o Late Shri Janki Prasad Agrawal, 97, The Mall, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Radhey Kushna Agrawal s/o Late Shri Janki Prasad Agrawal, 97, The Mall, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 10/434, Khalasi I me Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Kanpur

Date: 27-4-1985

(3) -do-

(4) -do-

FORM ITNS...

(1) Shri Mohd. Wasi & Other slo Sri Wali Mohd. 133|4, Juhi Gausala, Kanpur.

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

(Transferor)

(2) M|s. Teachers Housing Cooperative Society, 77|1, Halsey Road, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.....

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref N K-30 85-86 — Whereas, I

S K BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing

No 832 situated at Daheli Sujanpur, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 18466 dated 6-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
infleen per cent of such apparant consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloud by the matteres. Set the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujanpur, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-85

utcused in the property)

and the property design of the control of the contr

(Person's in occupition of the plopecty)

(Persons whim he understoned knows to be

FORM I.T.N.S .--

(1) Shii Mohd Wasi & Other 50 Sii Wali Mohd 133 A Juhi Gausala Konpat

('Transferor)

(2) M/s Teachers Housing Cooperative Society, 77/1A, Halsey Road Kappui

(3) --do--

(4) - do -

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR 208 012

Kanpur the 15 h May 1985

Ref. No K-31|85-86 -Whereas, 1 S. K. BHATNAGAR, being the Competen Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (.3 of 1961) thereinafter referred to as the 'faid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

No. 832 situated at Dah. a St. pour, Kinput

(and more fully described in the Schedule sanexed hereto),

(16.0) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration, Officer at Kanpur funder registation. No 18466 dated 6 9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen the cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as according to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andier

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders great --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in he said amnovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used bleein as are defined in . harter " X \ of the said Act, shall have the same maming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujanpin Kanpur

S K. BHALAGO Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acom 11th Range, Kanpai

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 259ft of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 15-5-85

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. 329/85-86.—Whereas, I

S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing No.
No. 832 situated at Daheli Sujanpur, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and registered under the registriaon Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 15431 dated 15-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factiniting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravi Kumar & Rakesh Kumar, 17/81, Nawab Saheb Ka Hata Satkapur, Kanpur.

(2) M/s. Nebru Smaiak Sahkari Grah Nirman Samiti, through Sii Piem Piakash Tripathi Scretary.

(Transferce)

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter r.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujanpur Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282. KANCHAN BHAWAN GANDIT NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1616|84-85.—Whereas, I S. K. BHATNAGAR,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. No. 273 situated at Mecrut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 912 dated 28-9-84

at Delhi under registration No. 912 dated 28-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pelsons, namely !--

- (1) Smt. Ajij labun wjo Fazul Husath Pite ca-Ro 184 Lal Kurn Mecrut
- 4 Lunsferor ((2) Shri Om Piakash s'o Meradan Smt. Dahi wo Shri Om Piaka h Lt. No. 273. Lal Korti Meconi-

it fransferens (3) ---du---

(Person(s) in occupation of the property)

(4) $-do_{-}$

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mino able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Calcute

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 273 Lal Kurti Meerut.

S. K. BHATNAGAG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay. Acquisition Range Kampui

Date: 29-4-1985

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106)282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. 1615/84-85,---Whereas, I S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No 261 situated at Thikana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana under registration No. 4772 dated 20-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitatin gthe reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——66—96G1|85

(1) Shu Biahm Datt slo Han Singh Village—Viral—Pargana Kandhla Budhana—Muzaffar Nagar.

(Transferoi)

(2) Shri Vijendei Singh soo Shri Chand Shri Ram Pal Singh, Sat Pal Singh Ro Thakari, Pargana, Burnawa, Distt. Meerut,

(Transferce)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata 261 Thikari.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanput, the 29th April 1985

Rel. No. 1606/84-85.—Whereas, I

5. K. BHATN MAR

soing the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the said Act) have reason to believe that the immortable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
3-68 situated of Kavi Nagar
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

shazibad under registration to. 32255 datd 3-9-84

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the urties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vidhia Bhosan So Shri Yas Pal, Ro Sahi A. S. Patal Jangpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pawan Shaima w/o Shri Lal Chand Shaima, R/o K. M 122 Kavi Nagar, Ghaziabad. (Transferce)

四 | 河區 (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K. K. 68 Kavi Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the occasid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act to the following rsons, namely:-

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. M-1603 84-85 .-- Whereas, I

Ref. M-1003[64-63...-whereas, 1 S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. R/8/38 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad the said Act read with under registration No. 32054 15-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act- or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shii Satish Kumai sio Behari Lal R|o 220 Bukund Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Sharma Slo Deo Dutt Sharma, Rlo B-35 Lohia Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) --do--

(Person(s) in occupation of the property)

(4) --do--

(Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No R-8|38 Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this wotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 29-4-1985

FORM NO, ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Rei. No. M. 1601/84-85.--Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 4 situated at Delhi Road Merut (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Meerat

under registration No. 14750 dated 30-9-84 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income usising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shu Anil Kumar Agarwal So Parmatama Saran, Ro 191 Civil Line, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Dusyant Kumar Rama Shanker Vasro, Western Kachahari Road, Mecrut.

(Transferce)

(3) Shri Dusyant Kumar Rama Shanker Vasro, Western Kachahari Road, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Dusyant Kumar Rama Shanker Vasro, Western Kachahari Road, Mcerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Delhi Road, Meerut.

K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpui

Date: 29-4-1985

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARL, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M. 1579[84-85.--Whereas, i., S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing

situated at Poyal Thathar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dadri moder registration No. 4793 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the theorem is the property as a such apparent consideration and that the theorem is the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such that the consideration can be considered to the consideration that the fair market value of the property as a such as the consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property as a consideration that the fair market value of the property are consideration that the fair market value of the property and the property and the property and the property as a consideration that the fair market value of the property and the property are consideration that the property are consid and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Surender Prakash S|o Anand Prakash, Salender Prakash Bansal, Rlo Chowdhary Bagh, Sikandiabad, Bulandshahar,

(Transferor)

(2) Shri Phool Chand, Boola Lal, Slo Shyam Lal, Payal Thatars, Railway Road, Dadri, Ghaziabad,

(Transferce)

(3) Shri Phool Chand, Boola Lal, So Shyam Lal, Payal Thatars, Railway Road, Dadri, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Phool Chand, Slo Shyam Lal, Slo Shyam Lal, Payal Thatars, Railway Road, Dadri, Chaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Payal Thaters, Railway Road, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 106]282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PAKK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1578|84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 2508 situated at Dintgani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell wing persons namely :-

(1) Smt. Asia Begam, Mohala—Dintyganj, Bulandshahar.

(Transferor)

(1) Shii Parwayaz Alam So Ahmad Hasan, Shri Ali Hasan, R|o H. No. 2508, Dintgan, City—Bulandshahar.

(Transferce)

(3) Shri Parwayaz Alam Slo Ahmad Hasan, Shri Ali Hasan, RIO H. No. 2508, Dintganj. City—Bulandshahar. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Parwayaz Alam Slo Ahmad Hasan. Shri Ali Hasan, Rlo H. No. 2508, Dintganj, City-Bulandshahar.

(Persons whom the undersigned knows to be inferested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2058, Mohalla Diptygant, Ghaziabad,

5. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date . 29-4-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Rcf. No. M-1577/84-85.—Wheeras, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 136 situated at Vill.—Sunaibra
has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bulandshahar

under egistration No 8154 dated 27-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons as well: ing persons, namely:---

(1) Shri Mohd, Hussain Slo Shri Sajjad Hussain, Rlo Vill.—Sunaibra, Parg Baran, Tch. & Distt. Bulanshahar.

(Transferor)

(2) Shri Shashi Kant Jalan Slo Sri Hira Lal & Sri Munish Kumar Slo Sri Om Prakash, Rlo 54 Dalmandi, Bulandshahar.

(Transferee)

(1) Shri Shashi Kant Jalan Slo Sri Hira Lal & Sri Munish Kumar Slo Sri Om Prakash, Rlo 54 Dalmandi, Bulandshahar.

(Person(s) in occupation of the property)
(4) Shii Shashi Kani Jalan
Slo Sri Hira Lai &
Sri Munish Kumar
Sii Munish Kumar S^IC Sri Om Prakash, Plo 54 Dalmandi, Bulandshahar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official cazatio.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 136 at Village-Sunaihra Patgana-Baran, Distt. Bulandshahar,

> S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISI11ON RANGE, 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PAKL KANPUR 208 012

Kanpur 208 012, the 29th April 1985

Rcf No M-1530 84 85—Whereas, I S & BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fix market value exceeding Rs 25 000 and bearing

situated at Hapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at

Нариг

urd r registration No 7867 dated 50 9 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

(1) Shir And Kumar Se Shi Raghubu Sharan, Lle Babugarh Cent Hapin, Distr Chazinbad

(Transferor)

n t Raj Kumari Shaima Wo Sii Onkar Nath Shaima & Snit Krishii Devi Wo Sir Meerr Lil, Rlo Rulway Road Hapur, Diett Ghaziabad

(Transferec)

(3) Sint Rij Kumaii Sharma Wlo Sii Onkai Nith Sharma & Sint Krishni Devi Wo Sti Meeti Jal, Rlo Railway Road, Hapur Distf Ghaliab id

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Raj Kumari Sharuri Wlo Sri Onkai Nath Sharma & Smt. Krishn'i Devi Wo Sti Meeri I'il, Ko Rulyny Road Hapur Distr Ghazinbid

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Plot measuring 2024 03 sq. yds. situated at Hapar, Disti Gl aziahad

> S K BHATNAGAR Competent Authority, Inspecting Assist int Commissioner of Income EIX Acquisition Range, Kanpui

29-4-1985 Date Seal

FORM 1. f.N 5 ----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX A.T. 1961 (43 OF 1961)

GCVERNM'TH OF MAMA

OTHICL OF THE INSULATING ASSET, COMMUSIONER OF INCOMETAX

LACOUST ON RANCA 104 - LACHEN BUYN DE COMMENT DE LANGE FARR 17 LOUR-LOUDE

Kampur 7 012 tl 2912 April 1985

Pate To Met office - White I

Pet The Material After Whitehald I to Leave the form of the order of

Officer at

ridge, ridge, and ordered to be decorron with a less than the few market value of the reason to believe that the few market value of the property as after all exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for the consideration and that the consideration for the theory than the property the property than the consideration and that the consideration has been the property than th between the parties has not been truly lated in the said had not not empfor with the object of

- (a) facilitating the reduction or evening of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nadler
- (b) fullitating the concealment of any meomo or any memors or other assets which have not been or which night to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax λ , 1957, (27 of 1953)

Now therefore, in oursummer of Section 1690 of the said ict, I hereby initials in visitings for the a quiertion of the afor ad morent, by the issue of the notice under subrection (1) of Section 2.917 (1) of said Act is the following persons namely --

67---9601|85

(1) Shir Inder Jeet Singh iamacshwar Barun, o Maa Lal, Beson Lua Hapur Charle bad

(Transferor)

(2) Shir Abdol Pahman Mohd Usiaan Michm de cleman Alu & 15th t a kotali Metry in, fr t---! firm, thini d

(Transferee)

hi 'aid Raham 'ad Usam 11 h nad Suleman offen. Vital Ro Fotila Mouyan, hist -Hapur, net-Hapur,

(Per just) in occupation of the property

(1) Mir Abdul Rahmur M and Usman hilip G Yasın, Ho Kolala Motivin, mqi H-- t (it mibut

אנינים, whom the uniterarned knows to be interest d in the proprity)

Objections it any, to the acquisition of the said property are a releasing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, who exercise period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

the Tatory Hapur, Ghaziabad.

S K. BHATNAGAR Competent Authority In neving Asset int Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date * 29 1-1985 rest:

FORM ITNE

(1) Shri Santosh Pal Dublish So. Ram Gopal Dublish Rlo 162, Mohan Puri, Meerut.

Disit, Bulandshahar.

-do.-

-do,-

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

No. M-1521/84-85.—Whereas, J. S. K. BHATNAGAR, No. 162, situated at Mohan puri, Meerut being the Competent Authority under section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 13796 dated 13-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforetaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore the property as aforesaid according the apparent consideration therefore here again the consideration therefore here against the consideration that the fair market was a foresaid the consideration that the fair market was a foresaid the consideration that the fair market was a foresaid the consideration that the fair market was a foresaid the consideration that the fair market was a foresaid the consideration that the fair market was a foresaid that the fair market was a fair that the fair ma exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sortice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) Smt. Rama Gautam wlo. Shri Naresh Chand Gautam

Rlo Kadeem, Danpuri, Anupshahan,

(b) by 24y other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House No. 162, Mohan Puri, Mccrut.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 29-4-1985

Scal:

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanput-208 012, the 29th April 1985

UNO. M-1404|84-85—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a lain market value exceeding Rs. 1,00,000/-and beating No.

and bearing No.
No 2/2436 situated at Narampuri
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Shahamanpur, under registration No. 3650 dated 30-8-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopal Das Slo, Late Sardar Singhal Singh Rlo Gill Colony, Shaharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Sashi Garg woo Ashok Kumar Garg, Roo Behat, Distt. Shaharanpur.

(Transferce)

- (3) Sh Sashi Garg woo Ashok Kumar Garg Rio Behat Distt—Shaharanpur. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Sh Sashi Garg wo Ashok Kumar Garg Rlo Belad Distt--Shaharanpur, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expuses later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same excaming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahana M.P. No. 2|2436, Colony Narainpuri,

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date · 29-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 10915, 1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST UNL COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAPIGE 106|282 KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur 208 012 the 29th April 1985

No M-1403 84-85 — Whereas, 1 S K BHAIN \GAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (b. remaffer referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing.

No 51|2 situated at Pai wi Dun (and more fully described in the "childule a nex d hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 130° 116 in the other of the Registering Officer at Dehra Dun under registration No. 7778 dated 28.9 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teach to believe that the tair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent considers on thriefor by there then

fifteen percent of such apparent consideration in the the consideration for such transfer as agreed to beta on the our w has not been truly stated in the said instrument of transitivith the object of:

- (a) faciliating the reduction or evamon of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and (of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) S Naendu Singh Lomba Bhopender Singh, S. Bhog Singh Ro Spiritual Home Hardwar Road Lahra Dun.

Limfount.)

P) of the a tent P me p Point Datt Pant, Rly and Man Road Dehra Dun.

Transferee(s)

Objections of any to the country of the modern person is the mean a strong forth and as associated as the country of the mean and the country of the mean and the country of the mean and the country of the country of

- (1) by my or he it pen than a fail de color of a step the form of the pen to the first the pen that the pen that the pen the color of t
- (b) by any other productivested to the ridinarrow ble property, within 1 la form it due of the publishment of the problem of the productive forms of the problem.
- If the sile of the distant decides the sile of the sil LUMPHIN

THE SCHEDULE

-42 raiva Dua, Delua Dun

S K BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income to Acquisition R in ... Kanpui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

_111995 Scal

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACE, 1961 (43 OF 1961)

GUVELNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

· MILLIAM RANCE " 12.2 KANCH IN BHAWAN, GANDIU NAGAR OLP, LANIN PARK KANPUR-308 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

No M 1302|84-55 —Wileyeds, I, S. K. BHAYNAGAR, being the Computent Authority under Section 259-B of the In our tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 100 000 r at beginn No 250 attract at Mazuri cold more tally decreed in the Schedule annexed hereto), it is not tally decreed in the Schedule annexed hereto), it is not tally a family in the constraint of the constraint Officer at Din Januaric regression No. 7784 dated 28-9-85 for the relation consist and which is for than the family and the same tally and tally and tally and tally and tally an annexed hereto), and tally decreed the same tally and tally an annexed hereto), and tally decreed the same tally and tally an annexed hereto), and tally decreed tally an annexed hereto), and tally decreed the same tally and tally an annexed hereto), and tally annexed hereto), and tally annexed hereto), and tally annexed hereto. musher value of the aforesaid property and I have reason to collect that the fair market this of the property as storesaid unds more ve solutions united tennos temporarios editidos. elected the capatien consideration there is by more than course through the order of mater is and edition to be tween the parties has not be truly destrict in the and enstrainent or -. IL for the self thew Telepar's

- cut facilitating his reduction or evasion of the Rabdits of the transferor to pay tax under the said Act, in re-perm e or any income arising from the transfer; and/or
- (b) theilithing the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which angle to be discussed by the transferee for the purpose, of the Ladian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

No. Loret vo. a pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the re and appears by the issue of this notice under sub-section (1) il Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shit Sachonder Singh Sjo. Shit Lal-Now Ratan Singh Rlo 13, New Saive Road, Dehra Dun.

(Translator)

- (7) San Funti Dev. Dlo shui Ject Sinch Village Kamto Pavita shahile, Lieu Samor (HP) (Tumsteree)
- -do.-(3)

-do.-

Objections, if any to the accommon of the said property may be made in wining to the understand -

- (a) or any of the attacked persons within a period of 45 days from the date of punhasion of this notice m the Citicial Gazette or a nerrod of 30 days from the ser we of notice on the respect persons, subscheves period expures later
- (b) by any other person interested in the said minimizable property, which is that is a thick date of the publication of the profice in the Official Gaz ite.

ENPIANATION - Ib First and extression part her mais are defined in Chapter NAA or the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No 280 village Mayan Grant Preva Dim Dahra Dun

S K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition I ange Kanpur

Ditc - 29-4-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISHION RANGI'. 106|282. KANCHAN BIJAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kaupur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No M-1291 84-85 —Wholeas, I, S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. D-31/II situated at Noida

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transported under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the otice of the Registering Officer at Norda under registration No. 1875 dated 14-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partices has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons an early:—

(1) M/s Fine Wire Company, Through Sri Vijay Kumar Bahal, D-18, Ajay Enclave, New Delhj-18.

(Transferor)

- (2) M/s. Metal Surface Finishers & Fabrication, through Srt Ram Nath Batta, R/o 2106/37, Nat Walan, Karol Bagh, New Delhi.
- (3) M/s Metal Sarface Finishers & Fabrication, Through Sti Ram Nath Batra, R/o 2106/37, Nai Walan, Karol Bagh, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) M[s Metal Surface Finishers & Fabrication, Through Sri Ram Nath Batra, R]o 2106]37, Nai Walan, Kniol Bagh, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D 31, Sector II, Norda, Distt. Ghazmbad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 29 4-1985

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106[282, KANCNAH BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR 208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1401/84-85 -- Whereas, 1,

K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and beating

situated at Village-Muzapin

(and more fully described in the schedule sumexes kereto)

has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officera at Ghaziabad

under registration No. 32800 dated 12-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the ambility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) Shir Joewan Singh, So Sri Havat Singh Village Habibpui. Disti Chaziabad

(Transferor)

 Vuhal Sahkari Aawas Samiti Ltd., B-4, U. P. State Industrial Arca, Lom Road, Mohan Nagar, Ghaziabad through Sre Anand Swarup Smehal, Secretary

(Transferce)

(3) Vr.hal Suhkarı Aawas Sanıtı 1 td., B-4, U. P. State Industrial Area Long Road, Mohan Nugar, Ghuziabad[Through Sir Anand Swinup Starhal Sucretary.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Vishal Sahkeri Aawa, Simiti Ltd. B 4, U. P. State Industrial Area. Long Road, Mohan Nagar. Ghaziabad] Through Sri Anind Swarup Singhal, Secretary

> (Persons who the underlighed knows to be interisted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette on a period of 30 days from the service of notice on the respactive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ne given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village-Mitzapur, Pargana I oni, Teh & Distt. Ghaziabad

S K BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-1985

THE PERSON WITH SECOND STREET

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. 1 .5. 4 CT 1961 (4. OF 1961)

MILE ALON INDLE

OFFICE OF ARE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COUISTION RAIGE

OF I VENAH BHAPAN
GANDE MAC VR P LANIN LARK,
LANDUR-20 012

Kingue the 19th April 1985

R-1 No W 1-32/8/85 -Whier I S & BHILMIGAL

being the Computent Authority unde Section 269B of the to one the 1 1961 (13 of 1961) thereinafter referred to as the 'ail A ti, have rea on to believe that the immovable propagation and a face planket value exceeding

R. Iftitude of bring

IN 51 1 6

umate! ii Lone Dader

(and min fully it could be in he is hedule and xed hereto), ha been to their coat registered under he constitution Act 1908 (15 or 1908) in the effect of the Rightning Others of

unde jest trater to 5117 dated 17 9 32

for an app rent consideration which is less than the fair piariet value of the aforest property and I have reason to before that the for marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen politimat of such opparent consideration and that the consultations for such transfer as agreed to between the varices has not been truly stated in the said instrument of samples of the object of :-

- (a) recitating the reflection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income origing from the transfer; and for
- 5) facilitating the concealment of any income or any moveys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, it the Weulth-tax Act, 1957 37 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following CARLIA --

(1) shir Amar Singh Co Su Rum II LA & Oth i Yillage Mabiaddin ur ban iom Cak long ten Duf 13 1 Gu1712 bil

(TI IN TILLY &

(2) M D in And A G , it Finals o PAT I d $G = \frac{1}{1!} \left\{ \frac{1}{1!} \frac{1}{1!} + \frac{1}{1!} + \frac{1}{1!} + \frac{1}{1!} \right\}$ If $\left\{ \frac{1}{1!} \frac{1}{1!} + \frac{1}{1!} \right\}$

Uransteree i

(3) M P the time of engage of Title B to a well by the title B to a condition to 3,4 7 4,1 (Perent) modulus it property)

(4) Min John tuto a Cart of the Ltd (— The Ming New Doll) Thomas Little ada the radio

(Person, though and the first knows to be tere cit in the grop my)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the materiagnest

- (a) by any of the aformand persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a per- 1 of 30 day orong the service of notice on the relative person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apriculturel land bracing Khista Ne 50 M 519 M 553 M & 552 M situated in Mil Mainridingur 1 and the Parl Long Telephone 1 bad a Data Chaziabad

S K BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquire in Pans , Kimpa

Date . 29 1-1985 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|82, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ref No. 1400|84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 1,00,000|- and bearing No.

situated at Makanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad

under registration No 32798 dated 19-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ?, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—96GI|85

(1) Plat Haldar Association Gopal Nagar Coloney, Mirzapur.

('Transferor)

(2) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd., Dadri B, 4 Loni Road Through Anand Swroop Singhal U. P. State Industrial Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd., Dadri B, 4 Loni Road Through Anand Swroop Singhal U. P, State Industrial Ghaziabad.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd., Dadri B, 4 Loni Road Through Anand Swroop Singhal U. P. State Industrial Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meerajpur Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/82, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208/012,

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1531/84-85.—Whereas, I. S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 549 situated at Mahindeen Dadri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office) at Dadri

moder registration No. 5115 dated 13-9-84 for an apparent consideration which is less than the (a) market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration iherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the expect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the gransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhulay Slo Sundhu Rlo V. Mahinddapur Kansoni, Pargana—Lem Teh Dardi Distr. Chiptabad

(finisteror)

(2) Mrs. Defin Anto General Finance Pyt. 11d., o Tilak Mare New Defin

(Transferee)

(3) M/s, th/m Auto & Coneral Finance Pvt Ltd 6 Tilal, Marg, New Tielhi.

[Person(a) in occupation of the property]

(4) Mr. Delh Anto & General Finance Pvt. Ltd. 6 Tilak Marg, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLSULE

549, 550, 554, 551, 556 Vil. Mahjuddin Dadii Distt. Ghaziabad

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Acquisition Range, 1201 (un

Date: 29-4-1985

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION NANGE 106/82, KANCHAN BIIAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208/012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ret No M-1535/84-85 --- Wholeau, 1. S. K. BHAINAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (income-tax Act, 1961) (43 of 1961) (income-tax Act, 1961) (incom

situated at Dadii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered until the registration are 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Others at Dadri

under regist ation No 5630 dated 28-9-84

for an apparent consideration which is less than the furmarket value or the aforesaid properly and I have reason to believe that the lair market value of the properly as anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been study search in the rails increased of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in support of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manualy:—

(1) Shu Sardai Ram Singh Aiora Slo Saidai Gur Bachan Singh Rlo 12 N W. A Panjabi Bagh Extention New Delhi

(Transferor)

- (2) Surender Kumar Gulan So Jugdish Lal Gulati Rlo 635 Harmum Sah Kala Gali No 1 Dow Basti Ram—Amiitsac, Punjab
- (3) Shri Surender Kumai Gulati Slo Jagdish Lid Gulati Rio 635 Hirmani Sah Kala Gali No 4 Dow Basti Rom— Amritsia, Punjab

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shi Surendia Kumar Gulati Sio lagdish Lal Gulati Rio 635 Harmam Sah Kala Gali No 1 Dow Basti Ram—Amitsai, Punjab

(Person, whom the undersigned knows to be interested in the property (Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (5) by any other person, interested in the said imageable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

*PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No 56, Dadii, Ghaziabad.

S K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012,

> > Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. 1540 84-85 .-- Whereas, 1,

Ref. No. 1540|84-85.—Whereas, 1, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated Surya Nagar (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad

under registration No. 4830 dated 10-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Swaran Kour, Wo Darshan Singh Gujral K-9 Krishna Nagar, Delhi-51,

(Transferor)

(2) Shri Kaston Lal Sjo Shri Bodh Raj Rlo Kristma Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

(3) Shui Kastori Lal Slo Shu Bodh Raj Rlo Krishna Nagar, Delhi-51.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Kaston Lal Slo Shri Bodh Raj Rlo Krishna Nagar, Delhi-51,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Surya Nagar Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 018

Kanpur-208012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1398 84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Patel Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under Registration No. 13812 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Roshan Lal Chopra S/o N. D. Chopra, South Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sakuntala Devi, W/o Dhan Prakash Agewal, H. No. 40 Utri Patel Nagar, Meerut.

(Transferee)

(3) -do-

(Person in occupation of the property)

(4) -- do--

(Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper; may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 40 Utari Patel Nagar Meerut,

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur,

Date: 29-4-85

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106, 282 KANCHAN BHAWAN GANDIH MAGAR OPP. LANIN PARK **LANPUR-208 018**

Kanput 208012, the 29th April 1985

Rel. No. M-1393[84-85 -- Whereas, 1, S. K. BHAINAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the anome in Act. 1901 (4) of 1961, (accelerated referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]—and bearing No. R-5/4 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 32390 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than intern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in fromen of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the manaferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Aet, 1957 (27 of 1957);

Smt. Shakuntala Rajpal W/o Shri S. B. Rajpal, R/o B-356, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Adip Kumar S/o Shri Prem Chand R/o II-C/118, Nebru Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) ---do---(Person in occupation of the property) (4) -du-

(Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Expections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chaptes XXA of the suri Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property No. R-5/4, Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the accusaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following netwons, namely :

Date: 29-4-85

Seal t

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PPRK KNPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1395/84-85,---Whereas I. S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. situated at Mohwa Kot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazidhad under registration No. 33066 dated 14-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /as
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohan Nand Missan Home Society through, Smt, Sarojni Bose Wo Shri Suboth Chand Bose, Harijan Digri College, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Harish Chand So Devak Ram Village Shahpur Bum Heta-Dasna, Distt, Ghaziabad

(Transferge)

(3) Shri Harish Chand Slo Devak Ram Villago Shahpur Bam Heta-Dasna, Distt. Ghaziahad.

(Personts) in occupation of the property)

(4) Shri Harish Chand Slo Devak Ram Village Shahpur Bam Heta-Dasna, Distt, Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :--

- (2) by may of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Mahwa Sharya-Loni, G.Bad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanper

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, marnely :---

Date: 29-4-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PPRK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1289 84-85 --- Whereas, I, S. K. BHATNAGAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Samiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delbi under registration No. 901 dated 27-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which nave man which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for Jedian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Ramesh Singhal So Shri Har Naram Das Sighal, Ro D-25 E. C. Colony, Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

(2) M/s Basami Japi Chemicals, 5-278, Grotus Kailash, New Delhi.

胚门性腺 (3) M/s Basami Japi Chemicals, 5-278, Grotus Kailash, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property) (4) Mls Basami Japi Chemicals,

5-278, Grotus Kailash,

New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Samrala Ludhiyana.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-4-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PPRK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. M-60|85-86,—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. 10|A situated at Circular Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Debra Dun under registration No. 7190 dated 14-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the uposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
69—96GI[85]

(1) Smt. Pauljeet Kaur Wlo Shri O. Giani, Rlo 10/A Circular Road, Dehra Dun.

(Iransferor)

(2) Shri V. K. Bishnoi Slo Late Shri B S Bishnoi, Rlo 13|A, Balbit Road, Dehra Dun.

(Transferee)

(3) Shri V. K. Bishnoi Slo Late Shri B. S. Bishnoi, Rlo 13|A, Balbir Road, Dehra Dun.

[Person(s) in occupation of the property]
(4) Shri V K. Bishnoi
So Late Shri B. S. Bishnoi,

Ro 13 A, Balbir Road, Dehra Dun,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 2 Part of 101A Circular Road, Dehra Dun

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur.

Date: 15-5-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PPKK KNPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ret. No. M-59/85-86.—Whereas, 1, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

transfer with the object of:--

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing
No situated at Tilak Marg (and more fully described in the Schedule annexed here(o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delica dun under registration No. 7165 dated 3-9 8-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rad /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) and Ramesh Kumin Parbhakar other Old Badir Noth Maig Resikash Paswa. Dehra dun

(Fransleton)

(2) Mp Abi Sash Oil Mills Reshi Kash, Dehra dan.

(Transferee)

(3) Mls Abli Sash Oil Mills, Resht Kash, Dehra dun.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) M Abli Sash Oil Mills , Roshi Kash, Dehra dun

(Person, whom the uniformed knows to be interested in the proper-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. 21.00

THE SCHEDULE

Tilak Marg Reshi Kash, Dehra dun

K. BHATNAC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Elaneau

Date · 15-5-85 Seal .

FORM I,T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106 282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ret. No. M-120/84-85. -- Whereas 1/5. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing who Shir R. P. Rautogi No. 3/1 situated at Handwar Road Dehra Dun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office.

1908) in the Office of the Registering Officer at Dehra Dun under gistration No. 7267 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nermala Devi Smt. Nirmal Rani (4.11214) Who Shri Ram Nand Other Rio 311 Haridwar Road, Dehra dun.

(Transferor)

(2) Smt. Shanna Devi Wlo Shri R. P. Rastogi, P.O. Munadia, Dhateki Budaun.

(Transfulce,

(3) Sint Shanna Devi
 Wlo Shri R P Rustogi,
 P O Munadia,
 Dhareki Budaun.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Shanna Devi w/o Shti R. P. Ractogi P.O. Munadia, Dhaochi Budaum.

(Person, whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (4) thy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION ... The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piemises Bearing No. 3/1 Haridwar Road, Dehra dun.

S. K. BHATNAGAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 15-5-85 seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No M-118/85-86.—Whereas, I, S. K. BIIATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having all fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 9 situated at Astley Hall (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dehra dun under registration No. 7250 dated 5-9-84

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fa respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Aiun Nandadan Kucha Ami Singh, Muzailar Nagar.

(Transferor)

(2) Smt. Mangi 1 al Shri Avodh Behari Lal, 3 E. C. Road, Dehra dun.

(Transferee)

- (3) Sint. Mangi Lal Shii Avodh Behari Lal, 3 F. C. Road, Dehia dun,
- (Person(s) in occupation of the property)

 (4) Smt Mangi Lal
 Shri Avodh Behari Lal,
 3 E. C. Road,
 Dehra dun.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 9-D, Astley Road, Dehra Dun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-85

LORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur 208 012, the '15th May 1985

Rel No M-1549 84 85 -- Whereas, I. 5 K BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing No 74 situated at Chandrawati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dehra dun under registration No 7788 dated 28 9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nath Malhtoia Slo Meher Chand Malhotra, Rlo 299/4 Jenan Street Patiala.

(Transferee)

(2) Smt Raj Rani Kapar, R|o C 9, Mahanani Bhagh, New Delhi

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Sint Raj Ram Kappor,
Rlo C-9, Mahanani Bhagh,
New Delhi (3) Smt Raj Rani Kapoor, Rlo C-9, Mahanani Bhagh,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 74. Chandrawati, Dehia Don-

S K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Ditc 15 5-85 Scal .

FORM NO. I.T N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

, markana a paramatan kalamatan kala

Shir Ashok Malnotra Rio 23914 Jegan Street, Pallana.

(Transferor)

(2) No. Raim Rama Wo Mena S. Rana, 2 A Mana Rani dagh New Delhi,

(1) Shir Shiva Nath Malhotia other

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP 1 ANIN PARK KANPUR 263 012

Kanpor, the 15th May 1985

Ret No M-1399184 85—Whereas 1, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No studied at Chandrawan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1906
(16 of 1908) in the office of the Registration Officer
at Dehradun under registration No 7767 dt 28-7-1964
for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason as believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXFLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chargeer.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A, G 2 and Village, Chandrawiti Distt. Dehra Dun.

S & BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpurd

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:--

Date 15-5 1985 Seal :

(1) Shit Mahender Pollash, So Mangal Sen, R[o 103, Kein Migar, Glassabad.

(fransieror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(ACQUISITION RAIGE) 106 282, KANGTAN BHAWAN GANDIU MAGAR OPP. UNIN PARK KANPUK-208 012

Kanpir the 15th May 1765

Ref. No. M-1012/84/85. Whereas 1.5 K. BHATN access, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fate market vidus exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 2|224 situated at Ray (lagar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1308 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer a Chaziahad under registration No. 32690 dt 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(2) Shi, Babu Khan, Sio Hoffiz Khan, Village & P.O. Amwata, Distt Etawaha, (Transferee)

(3) Babu Khan Slo Hoffiz Khan Village & P O — Amwata Dett, Etawaha. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Babu Khan Slo Hoffiz Khan Village & P.O.—Aniwata Distt. Etawaha (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said have the same meaning given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No R[2]224 Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 15-5-1985 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(Av QUISITION RANGE), 106-282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. IANIN PARK KANPUR-208-012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. 1-M/85-86 -- Whereas, I. S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 391 situated at Ghaziabad

(and more fully described in the schedule below)

has been transferred

and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Hapur under registration No. 7433 dated 10-9-1984 for an apparent consideration No. 7433 dated 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Rajender Singh Slo Gurmukh Singh, Village-Raghunathput, Hapur, Distt.
- (2) Roghukul Narain, Slo Ch Raghunandan Rlo Upwan garh Road Meetut.

(Transferce)

- (3) Roghukul Narain So Ch. Raghu Nandan Rio Upwan Gash Road Mecant
 - [Person(s) in occupation of the property]

(4) Roghu Kul Narain Sjo Ch. Rughu Nandan Rlo Upwan Gash Road Mecrut,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No 391 Raghu Nath Pur Hapur Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date - 15-5-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

Ref No. C.R. No. 62|45159|84-95|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

able property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000- and bearing No. 361910-B situated at Umarkhayam Road, II Cross, Mandi Mohalla,

Mysore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer

at Mysore on 9-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :—
70—96GI|85

- (1) Shri Syed Noorulla & Syed Zafrulla & Syed Nasarulla & Syed Arifulla, No. 3619/10-B, Ummer-Khayam Road, H Cross, Mandi Mohalla, Mysore. Present Address. 3624, Hamid Mauril, Sayyajhao Road, Umar Khyam Extn. Mysore.
 (Transferor)
- (2) Easwari Bai, No. 2971-2972, A.E.C. 30, Lashker, Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4104|84-85 dt. 9-11-1984), Property bearing No. 3619|10-B, Umarkhayam Road, II-Cross, Mandi Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-5-1985

HOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C.R. No. 62/45455[84-85]ACQ[B,-Whereas, I, BHARDWAJ,

aspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

requisition Range, Bangalore, and theometax, equisition Range, Bangalore, and the Competent Authority under Section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the annovable property having a fair market value exceeding 1.00,000/- and bearing

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 208), in the Office of the Registering Officer at availingar in November, 1984

or an apparent consideration which is less than be fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration and nat the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of :-

(1) Smt. Haradevi K. Bajaj, Krishua Kutira No. 181, VI Cross Road, Gandhinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. D. Sathyaraj, No .GBJ 376, HAL Colony, Manathahalli, Bangalore,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1987 (27 of 1987);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2290, 84-85 dated November, 84) Property bearing No. 86 at Coles Road, Civil Station, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-4-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ction (1) of Section 269D of the said Act, to the followat persons namely -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1. Smt. K. Umadevi, 2. Smt. K. Vanidevi, 3. Smt, Dr K. Lakshmi, 4. Smt. K. Sumathi, No. 26, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras.

(Transferol)

(2) M/s. Krishna Construction Co., No. 102, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C.R. No. 62|45688|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8, situated at Rest House Road, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivapnagar on 21-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No 2864/84-85 dated 21-12-84) Property bearing No. 8, Rest House Road, Bangalore-1.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangaloro

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :---

Date: 15-4-1985

FORM ITNS

(1) Mrs. Lethitia Saldauba, Mallikatta of Kadni Village, Mangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Johu Saldauha, Mallikatta of Kadni Village, Mangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th April 1985

C. R. No. 62|45707|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing

No. 87A situated at Kadni Village, Mangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rihe said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou of 45 days from the date of publication of this poince in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1380|84-85 dated 5-12-1984) Property No. 87A, Kadni Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-species (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

Date: 26-4-1985

Soal:

(1) Shri M. Ramachandra Naidu. No. 739, 37th 'F' Cross, XVI Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. R. Mohan, 739, 37th 'F' Cross, XVI Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-360 001

Bangalore-560 001, the 18th April 1985

C.R. No. 62/45722/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Lispecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 43 (739), Situated at 37th "F" Cross, XVI Main Road, IX "T Block, Jayanagai, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at lavanagar on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3739/84-85 dated 17-12-84)

Property No. 43 (739), 37th "F" Cross, XVI Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bungolore-11.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-4-1985

FORM LTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore, the 15th April 1985

CR No 62[45658]84-85]ACQ|B --- Whereas, I, R BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and Learing

No 174 situated at XV Main Road, IV 3' Block

Jayanngar, bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limberty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saxd Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramalu, No 174, IV 'I' Block, Jayanagar, Bangalore,

(Transferor)

(2) I Smr Khatunissa, Strat Ahmed &

Muneer Ahmed, No 4, Hakim Md Khouse Lane, SP Road Cross, Kumbarpet, Bangalore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2607/84-85 dated Sept, 84) Property No 174 AV Main Road IV 'T' Block, Jayanagai, Bangalore

> R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

14-5 85 Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Mangalore-560 001, the 30th April 1985

CR. No. 62|908|85|86|ACQ|B.-Whereas, I,R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 situated at Margon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete, Goa under document No. 457|dt. 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue 62 this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--105---56GI[85

(1) 1. Mr. Antonio Correia Afonso 2, Mrs. Dr. Marina Correcia Afenso, rlo Benaulim, Salcate, Goa.

(Trensferor)

(2) M1. Lawrence Xavier Rego c/o Mrs. Anna Maria Dias, No. 278, Senanlim Verna, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2457 dated 29-10-1984)

The property bearing No. 7 measuring 599 square meters. The property also known as Murida or Udego Candlem situated at Patorda Margao, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-4-1985 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 30th April 1985

CR No 62|909|85 86|ACQ|B - Whereas I, R. BHARDWAJ, R. BILARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Sy. No. 28 situated at Ratti, Village Panchayat of Batt, Teluke Senguage Court Taluka Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saquem under document No 227/dt, 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as account to believe the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions, namely :---

(1) Maria Helena balco de Andrade, rlo Borda, Opp Court Margao, Goa. 2 Jose Pedro Caetano Sales de Andrade rlo Borda, Opp Court, Margao, Goa

(Transferor)

(1) I Sianthiram Sripad Prabhu Desai,

2 Dattarani Nariyina Sher Narvekar, 3 Damiao Diogo D'Costa 4 Arrelo Gasper Pereira 5 Shirk, it Siny Fhandur 6, Anant Shiviam Chiplunkar,

7 Tulsidas Shiyaji Naik 8 Surya Mahadey Velip

9 Laxianbai V Keluskai 10 Chandra ant L Bhandon,

11 Parurau Goankar all 170 Barazon Saquem

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovshie property, within 45 days from the date of the resolution of this notice in the Offic al Gazette.

HAPLANATION — flip terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 227 dated 1-12-1984)

This is a part of the property known as Barazonachem Mola or Barazan' situated w Batti village panchayat of Batti. Taluka Sangu in A Admeasuring 206 725 00 square

> R BHARADW V. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rhage Bangilore

Date · 30 4-1985 Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

CR. No. 62[910]85-86[ACQ]B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Plot No. 8 situated at Alto Porvorim of village Punchayat of Reis Magos, Taluka Bardez

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ilhas on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persone, namely ;-71-96GI 85

(1) Pc. Baavemure Melo Furtado also known as Pe. Boaventure Domingos Melo Furtado, r 'o Pilerne, Bardez, Croa.

(Transferor)

(2) Miss Varsha Bhirajlal Rajani, rlo House No. 291, Ward No. 13, Mina, Mat, Panaji Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 914 dated 20-11-1984)

The property admeasuring 450 square meters known as DACTEM SORGAUL situated at Alto Porvaium of village punchayat of Reis Magos, Taluka Bardez, T is a part of the property of plot No 8

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bungalore

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Allumnex, Sureth Ansiat Kamat Sole Proprietor 201 202 Kamatshi Niwas Panaji Goa

(Transferor)

(2) Phaip Weighmech Pvt Ltd. 6-B, Aus Industrial Estage, Sala Vihar Road, Saki Naka Andheri (East), Bombay

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORY 560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

CR. No. 62[9]1[85-86] ACQ[B -- Whereas, I. BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

and bearing No Plot No. 8B situated at industrial Estate Panaji Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas under document No 510/dc 20-11-19.4 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesud persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION:—The term; and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saide meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 910 dated 20-11-1984). This is a Industrial shed admeasuring 210 m2 of built up area constructed on plot No. B.B. The property known as Cultim Industrial Estate.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Comissionner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 30.4 1985

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C.R. No 62|912|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 15 situated at Industrial estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Peristration (Office).

1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 909 dt, 19-11-1984.

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Su-Pack, Usha Suresh Kamat Sole Propritress 201/202, Kamakshi Niwas, Panaji Goa (Transferors)

(2) Philip Weighmech Pvt .Ltd., 6-BAnsa Indl. Estate Saki Vihar road, Andheir (Last), Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 909 dated 19-11-1984)

This is a Industrial shed measuring 672 m2 of built up area constructed on plot No 15. The property known Corilim Industrial Estate.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date .30-4-1985

SeaJ:

FORM ITNS

(1) M[s. Pritul, 201[202, Kamakshi Niwas, Panaji, Goa.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) St. Joseph Engineering Works, 260[21-22, Sane Guruji Road Opp: Kasturba Hospital Jacob Circle, Bombay.

(Transferces)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No .C. R. No. 62[913]85-86]ACQ[B.--Whereus, I,

R. BHARADWAJ.
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 8-A situated at Industrial estate Panaji Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrary Officer

1908) in the Office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrang Officer at Illas, Goa under document No. 911 dt. 21-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 911 dated 21-11-1984].

This is an industrial shed admeasuring 165 m2 of built area constructed on plot No 8-A known as Corlim Industrial Estate.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following revenue.

Date: 30-4-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C. R. No. 62/914/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believ that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 5 situated at Margea, (and more fully described in the Schalule arranged in the Schalule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office at Salcete. Gon under document No. 2558 dt. 12-11-1984. for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lain market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrutneut of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Assunsao Teodosio Serefino Fernandes alais

A. T.S. Fernandes, 2. Mrs. Ephifanai Euridyke Fernandes Clo Escolastice Mazarelo, Bela Vista Apartments, Margao.

(Transferors)

(2) Ms. Ramesh Kamat & Associates, P. Shigaonkar Road, Panaji, Goa.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2558 dated 12-11-1984] The property stituted on 1st Floor of building Mayfair Apartments 'Block 'A' in Margoa. The plinth area 60.35 sq. mts, bearing flat No. F-5.

> R. BHARADWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-4-1985

(1) Shri Cyrus Fali Palia, Trishul, Mane Road, Bombay-400 050.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinshaw Shapur Irani, 301 Alandkar Building 3rd floor Balaram Street Grant Road, Вошьау-400 007.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C. R. No. 62|915|85-86|ACQ|B.--Whereas, 1, R. BHARADWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Plot No. 40 situated at Devaka in the District and Sub. registration District Danian in the Union Teritories of Gos Daman

and Diu.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of the Registering Office at with the competent authority under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office at Bombay under document No. 1187 dt. 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any inflorme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1187 dated 7-11-1984] The part of the land or ground bearing plot No. 40 admeassuring 4300 square metres situated Devka in the District and sub-Registration District of Daman.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1985

Ref. No. C.R. No 62|Notice No 919|85-86|AC->

R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Sy. No. 1611 and Sy. No. 77

situated at Mattagarara and Kuthimagadda will use of Sakalash—

situated at Mattasagare and Kabbinagadde village of Sakalesh-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of the Registering Office at with the competent authority under

at Sakaleshpur on 10-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the "ransfer" and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) I. Mr. H. G. Manjunatha Setty Slo Sri H. V. Govindataja Setty 2. Naster G, M. Manoja Kumar Slo H. G, Manjunatha Setty. Both resident of Sakaleshpur-573134. (Transferors)
- (2) Smt. N. Alangammai Wlo Mr. P. L. N. Nagappan, Rayayaram-622506, Padukkotai District, Tamilanadu state.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 541 dated 10-9-1984] Coffee land situated in the following villages.

Coffee land situated in the following villages.

Village		Acre-Gunthas,	
	AIN	Khara	
Sy. No. 161/1	1520	3—12	
77	519	_	
78	2-27	0—09	
76/P	819		
81/P	015		
Wet.	5- 01		
	77 78 76/P 81/P	AIN Sy. No. 161/1 15-20 77 5-19 78 2-27 76/P 8-19 81/P 0-15	

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalote.

Date: 30-4-1985

FORM ITNS

 Shri Gajanana Govind Ankalikar, R/o Sangli.

(2) 1. Baburao Ramarao Subhedar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Basayaprabhu Baburao Subhedar Niranjan Baburao Subhedar Prabhubasayantarao Baburao Subhed

4. Prabhubasavantarao Baburao Subhedar All resident of Sankeshwar, Tal, Hukkeri,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 918|85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 3978, 3979, 3980, 3967 and 3967/A situated at Sankeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hukkeri under Document No. 847/dated 25-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 847 Dated 25-9-1984)
Non-agricultural land situated at Sankeshwar, Taluka
Hukkeri under CTS No. 3978, 3979, 3980, 3967 and 3967/A
and measuring 50.17, 35.12, 57.23, 980.67, and 6769.32
sq. mts. respectively.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,1 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely .—

Date: 6-5-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE BANGAI ORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 920|85-86—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and beating No Sy No. 160/2 and 76/P situated at Mattasagar and Kabbinagade village of Kasaba

Hobh Sakaleshpur Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Sakaleshapur under Document No 540/dated Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely — 72—96GI|85

(1) 1 Mr. H. G. Nagaraja Setty S/o H. V. Govindaraja Setty, 2. Sri H. N. Kiran S/o H. V. Govindaraja Setty, 3. Master H. N. Sandeep S/o Mr. H. G. Nagaraja Setty, All resident of Sakaleshpur-573134.

(Transferor)

(2) Shri P. L. N. Nagappan S/o M. A. M. Palamappo Chettiar R/o Rayavaram-622006, Pudukkota District, Tamilaada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 540 Dated Sept. 1984)
The Coffee land situated in the following villages.

Mattasagara Village

	Mattasagara	viii.ige		
Sv. No .		_	A	Gunthas
160/2				2-37
161/2				16-20
162/2				2 12
170/2				0-15
	Kabbinagadde	Village		
76/P				6-00
81/P				5-00
01,1				2 00

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1985

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 6th May 1985

Notice No 921|85-86—Whereas, I, R BHARDWAI Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing k No 1819 situated at Hasamane Road Bhadravathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhadravathi under Document No 1394/dated 13 9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Marutirao Kadam
 Murariji Kadam,
 Hasamane Road, Nati Main Road,
 Bhadravathi

(2) Shri A Narayanarao S/o R Anantarao Bhutangudi Extension,

Bhadravathi

(Iransferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1394 Dated 13-9-1984)
This is a RCC building situated at near Hasamane Road,
Bhadravathi Town under site No 4 measuring 18 ft x 40 ft

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date 6-5-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 922[85-86—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing K. Division—782 situated at Harihar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Harihar under Document No. 1166/dated 5-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: (1) K. V. Narayana Swamy S/o Venkatanarasımhaya, K. Division—782, Harihar,

(2) Shri N. A. Shanabhag, Shanabhag Street, S-H-Harihar, (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1166 Dated 5-9-1984) This is a RCC building situated at K-Division, Haribar Town measuring 25 ft. x 40 ft.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 6th May 1985

Notice No 923|85 86—Whereas 1, R BHARDWAJ Inspecting Assistant Commissioner Difference tax Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing CS No 122 8\ saturted it Cotton market, Hubbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registring Officer at Hubbi under Document No 1893 dated 13 9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesul property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

 Shii N C Khatawate Medai Oni, Hubli

(Iransferor)

(2) 1 Aminaubi 2 Beebijan W o Abdulikh id ii Asundi R|o I idopita galli Hubli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective period expides later,
- (b) by any other person interested in the said immovaible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1893 — Dated 13.9.1984)
The property situated at Cotton Market Hubbi bearing CTS
No. 122[8A measuring 4300 ft including 10 ft x 20 ft shed

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Bangalore

Date 6-5-198* Scal FORM 1015 -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1975 INCOME TAX ACT, 1961 (4) OF 1967)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PAPER THE ASSLITANT COMMIS-SIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF 560 001

Banglore 560 (8)1 the oth May 1985

Notice No. 124|85|86 - Whoreas I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (incremafter referred to as the land Act.), have reason to believe that the immovable property having a fit mark to the exceeding Res. 100,000 and bearing.

Survey No. 3/17 and Chalta S. 45 situated a Taleco. Pan yi Gou

rand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Leisti mon Act 1908 (16 cf 1908) in the effice of the Registing Other M. It has food under document No. 748 de 11 ± 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore ad property and I have reison to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of a happarent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income inx. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act is hereby initiate proceedings for the said substitution of the aircreased property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

- (1) I Smt I scol istica. Fernandese Dias w.c. i ate Shir 10 e Aureliance. Dias
 - Ethin Tructi Conceicae Iuliana Dias talias Any Dris deughter of late Jose Aureliane Dias vil hol er sir Joaquim Antonio Cruz Rita i nimeno Dias dias lo iquim Dias

3 Shii Joiquim Antonio Ciuz Rita Filimero Diasilias Joquim Dias So late Jose Aureliano Dias. Ro Talegao, Ilhas Goa

(Transferor)

(2) M| Rem te j Enterprises Data Niwa Comba, Margao, Gota

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 748 Dated 11.9.1984) On a Plot land known is Codxell at Edegao under survey No. 37/7 measuring 3494 M2

R BHARADW 4.J
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range
Bangalore

Dito 6.5 1985 Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banglore-560 001, the 6th May 1985

Notice No. 925|85-86 — Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

CTS No 4842|A situated at Sadashivanagar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed heartod) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under document No. 2452|dt. 1-10-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri NaiAyanarao Hunumantarao Deshpande, Rai Ciil 58, 5D A. New Delhi-110016.
- (Transferor)
 (2) Shii Manikachand Dhaniaj Gadiya (HUF)
 Kiishnamaj layout No. 5, Club road or
 Sudashivanagar, CTS No. 4842]A, Belgaum.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2452 Dated 1-10-1984.)
Open Plot situated at Sadashivanagar Belgaum bearing CTS No. 4842] \ RS No. 1375[1A 1B]1A measuring 1000 square yards.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banglore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 926|85-86.--Whereas, I, R. BHARADWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

CTS No. 1505-A, situated at Mainti Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under document No 2361 dt. 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Vasant Ganesh Munagekar, 1505, Maruti Gallı, Belgaum.

(Transferor)

(2) 1. Manohar Ganapatarao Killekar

 Suresh Ganapatarao Killekar
 Vasant Ganapatarao Killekar
 Gopal Ganapatarao Killekar resident of 1268 Ramlingkhind Galli Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2361 Dated 26-9-1984)

The property situated at Maruti Galli, Belgaum under C.T.S. No. 1505-A and building measuring 961 43 sq. ft.

> R. BHARADWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-5-1985

Scal:

FORM ITNS

(1) Laxman Balappa Naile, Rlo Bandigani village, Tiluka Tarokh andi District Bijapur

(Transferor)

Sadhashi Dhare pa Asaki Kadappa Dhare; pa Asaki R|o Tagadal Anffaje Tal Tamakhandi Distr Bijapur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banglore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 927[85-86.

fer with the object of :-

Whereas, I. R. BHARADWA!, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/-

and bearing RS No. 17/1 X2X3 situated at Bandigani, Taluka,

Jamakhandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jamakhand under document No 1765 at 19 11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 ca show the date of publication of this notice in the Official Criticity or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiche er period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1765 dated 19-11-1984) Agricultu af land sifu tid in Earthsoni village area under surviy No. 17(182X3 medium). 29 acres and kharab. 12 gunthas.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lease of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, manualy :---

Date . 7-5-1995 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banglore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 929|85-86.-Whereas, I. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

R. S. No. 84 situated at Dharwad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dharwad under document No. 939|dt. September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73---96GI|85

(1) 1. Smt. Neclawwa wlo. Basappa Edagannavar

2, Dyamavva w o Chaabasappa Edagannayar alias Suthagatti,

Rlo. Manasur.

(Transferor) (2) 1. Shi i Shankai gouda Rachangouda Champanagoudra

Sri Doddabsapra Kariyappa Gundappanavar
 Sri Ketreppa Veerabhadreppa Palled Rlo, Kalbwgi chawl, Dharwad.

Sub. Jail Row. Behind Plot Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 939 Dated September 1984). Agricultural land situated at Dharwad area under surevy No. 84 measuring 15 acres 27 Guntas and PK 5 acres 11 gunthas.

> R. BHARADWAJ Competent Authorise Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 7-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP.TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Banglore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 930|85-86|ACQ.--Whereas, I. R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

C.S. No 6655.4 situated at Kasaba Betageri-Gadag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 or 1908) in the office of the Registering Gadag, under document No. 1191 dt. 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecast property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ~rαons, namely:—

 Party : Murigeppa Siddramappa Manvi,
 Party : Smt. Prabhavathi Wlo, Rudrappa Malamali 3, Smt. Gouradevi Wlo Mallikarjun Yalamalı

3. Party

4. Eshwarappa Totappa Pattanashetty, Businessmen, Cotton market, Gadag.

(Transferor)

(2) Basavaraj Sangappa Bhoomareddi, K. C. Rane Road Betageri-Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1191 Dated 29-9-1984,) Open land situated at Badag-Betageri municipal area under C.S. No. 6655|4 measuring 810 square yards,

> R. BHARADWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 7-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62|Notice No. 931|85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

C.S. No. 6655/5B situated at Kasaba Betageri, Gadag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gadag under Document No. 1185/dated 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

I Party:
 I. Murigeppa Shidramappa Manvi.

II Party : 2. Smt. Prabhavathi

W/o Rudrappa YalamaliSmt. Gouradevi

W/o Mallikarjun Yalamali

4. Smt. Shakuntala W/o Ramesh Yalamali UT Party:

5. Eshwarappa Totappa Pattanshetty Businessmen, Cotton Market, Gadag.

(Transferor(s))

(2 Basavaraj Sangappa Bhoomareddy, K. C. Rane Road, Betageri, Gadag.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been organized which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1185 Dated 29-9-1985)
Open land situated at Gadag-Betageri municipal area under
C.S. No. 6655/5B measuring 810 sq. yards.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1985

Scal:

AGINCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|SR-II|9-84|2475,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Land No. 1-A, East Avenue

situated at Punjabi Bagh, Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by smore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) Kum. Phool Ahuia D/o Ishwar Dass, R/o 78 Ganpati Nagar, Jaipur,

(Transferor)

(2) 1. Shri J. K. Sharma P. K. Sharma S/o Yogesh Sharma, R/o 120, Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imm sa able property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Crazette

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 1860 Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1-A, East Avenue, Punjabi Bagh, Delhi, Area 262.5 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 24-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Yash Pal S/o H. R. Anand, 29, 9, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s, Rattan Lal & Co. 2716, Chuna Mandi, Pahar Ganj, Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEUHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. JAC|Acq III|SR-II|9-84|2476,-Wheiria, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. H. No. 9, Road No. 29, situated at Shakerpur, Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been mansferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the panefor, and on

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the manaferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. No. 9, Road No. 29, Class C measuring 555.55 sq. yards, Village Shakerpur, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-5-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-84|2477.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

37, Rajouri Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Man Mohan Singh, S/o Makhan Singh, G-6, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

1. Shri Dev Raj,
 2. Shri Bishamber Lul,
 3. Shri Krishan Lal
 S/o Shri Ram I al,
 13/264, Geeta Colony,
 Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Rajouri Garden, New Delhi-27, Area 121.3[10 sq. yards.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-84|2478.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Kh. No. 12, 16/2, 16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24 situated at Darya Pur, Kalan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Rattan Singh S/o Abhey Ram, Darya Pur Kalan, Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Kishan Gopal & Sons, through Kishan Gopal Slo Dewaas Sarup, 5. Metcolf Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

37 Bighas, 3 Biswas, Kh. No. 12, 16/2, 16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24 Darya Pur Kalan, Delhi.

SUNTI CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date - 14-5-1985

FORM TENS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-84|2479.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the manner able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

2/72, Tehar-I (Subhash Nagar) situated at New Delhi

2/72, Tehar-I (Subhash Nagar) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of teamsfer with the object of '---

- (a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the irrorder.
- (b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by trasferre for the purposes of the Inlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S. Sin: Bahadii Singh, Litlochan Singh 5/0 Cardharl Singh and Smt Meth Kaur Widow of Jun Cuidh in Singh, R/o 2/72, John-I, (Subhash Nagar), New Delhi.

(Transferor)

(2) Smit Shashi Khanna W o L. K. Khanna, 2|72, Tehat-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property roav be made in writing to the undersigned

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic at Gazette

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 2/72, Tehni-I (Subhash Nagar), New Delhi. Area 100 aq yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House, 4/14A Ashf Ali Road, New Delhi

Date · 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|9-84|2480.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.
3-6/189, Rajouri Garden situated at New Delhi (and proper fully described in the Schedule approved herete)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—
74—96GI[85]

Shri Baldev Singh,
 S/o Jaswant Singh,
 Rajouri Garden,
 New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Jaswant Singh
 S/o Uttam Singh,
 R/o 1-7/83, Rajouri Garden,
 New Delhi.
 2. Smt. Harret Kaur W/o Harinder Singh
 3. Gurjinder Kaur W/o Jaspal Singh,
 R/o J-7/83, Rajouri Garden,
 New Delhi.
 (Transferee)
- (3) Shri Saran Singh, 1-6/109, Rajori Garden, New Delhi. [Person(8) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

1-6/109, Rajouri Gerden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-84|875.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

19/32, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shri Pritam Kumar Gera, 19/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
 Narinder Kumar Gera, 3/38, Old Rajinder Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar Manochu, S/o Sunder Das Manocha, Sector 18-D, House No. 1575, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-5-1985

 Shri Gian Chand Saluja, J-25, Gangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-84|880.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 9A/37 WEA Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by to issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Savita Malhotra, 9A/37 WEA Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9A/37 Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-5-1985

Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No IAC|Acq,III|SR-III|9-84|884,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (435 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00.000/- and bearing

E-15, Hauz Khas Luclave situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(4) Shii Laxman Masand \$70 Shii K. L. Masand, R/o B-89 (2695), Netan Nagar, New Delhi, Shii Swaman Masand S/o Shri K L Masand Q-No. 198, Desu Colony, Janak Puri, New Delhi.

(Transterou)

(2) M/s. J. P. Properties Pro. Shii Sunnder Pal Singh S/o Shri Gurbox Singh, 34, Mahatma Gandhi Road, New Delhi,

(Transferce)

(3) Shri Hukum Chand So Shri Bhagat Ram, E-15, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-15, Hauz Khas Enclave, New Delhi. Measuring 200 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-5-1985

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQI ISTIION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4114 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ret. No. 1AC/Acq 111 5R-tH9-84/886.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Re 1 00,000/- and bearing

No D-65, Hanz Khas, structed at New Dellis (and more fully described in the Schedule sunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the affire of Registering Offices at New Dellis in Sptember, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shii Raghbir Chindia Jetley, E-703, Building 2-3-4 Manishnagar, Four Bangalow, Andheri West, Bombay-400058. (Transferor)
- (2) VAP Co. C[1[8 Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

D-65, Hauz Khas, New Delhi, Area 282 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 9-5-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|9-84|887.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 7/49, Old Rejinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri R. K. Malik, R|o 7|49, Old Rajinder Nagar, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surekha Kashyap, R|o. 7|49, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 7/49, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4 14 A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 22-4-1985

The state of the second

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri R. K. Talwar, Attorney of Kiran Jeet Kaur, R.o. C-20, Pandav Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Talwar, 5|10, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARW \L. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-III|9 84|889.—Whereas, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000|- and bearing No 5|10, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

THE SCHEDULE

5|10, Old Rajinder Nagar, New Delhi. Area 88.1 sq. yards.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affareasid property by the issue for this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shu Chhanu Lal Gupta H. No. 856, Gah Beriwah, Kucha Pati Ram Bazar Sita Ram. Delhi

(Transferor)

(2) Shri Kalyan Mal H. No. 32, Main Bazar, Paharganj, New Delhi

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL ROUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DETHI

New Delht, the 26th April 1985

Ref. No. IAC|Aeq. III|9R.III|9-84|892.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rain market value exceeding Rs. 1,00,000/- and learing No. MCD No. 4277 to 4284 Main Bazar, Pahinganj, situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

MCD No. 4277 to 4284 Main Bazar, Paharganj, New Delhi. Area 486 Syr Yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date · 26-4 1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 411-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delin, the 25th April 1985

Ret. No 1 10 1-9 111 31-111 9 84 833, -Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs (.00,000 - and bearing

Plot No. 10. Block No. 54, WFA, situated at Barol Bagh, New Delhi

(and more fully bescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the discost the Registrating Officer at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I harby initiate proceedines for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons trime! '--75—96G1¹85

(1) Shri S Support Steels So S Pratap Singh, Rio 1/124, Janouth Lane, New Dilly, for felf and general attorney of S. Curinder Pal Singh Sjo. S. Patap Sin'h & Smt. Sushil Kaur Wlo S Mohinde, Singh For 1732 Sev Pal sin Indo e

(Transferor)

(2) Smt. D., pa. Vittel. Who. Left: Mittal. Rho. A-448, Defender Cotony, New Delhi. 2. Arry Dhawan. Sho. R. K. Dhawan. & Miss Anjula. Dhawan, Dho. R. K. Dhawan. Rho. W-40A, Greater Kulash-I. New Delhi. 3. Idendat. Monan. Dhawan. Sho. B. D. Dhawan. (Transform).

(Transferee)

Rlo 6/146, Frash Bazar, Dhihdra, Delhi 13) Mls No Grah Numan (Dellin) Pvt. Ltd (Person(a) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the untersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Garre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dite of the publication of this notice in the Official Gastette.

Explanation .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 ,Block No. 54, measuring 1312 sq. yds. W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Amariyal House 4114A Asaf Ali Road, New Delhi,

Date · 25-4-1985. Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II. 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI NEW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No. IAC|AcqII|SR-1|9-84|647.--Whereas, I,

VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

10193, Mohalla Nai Masjid istuated at Nawabganj, Liberary Road, Ward No. XII, Delhi-6.

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984

transfer with the object of .--

Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefir by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the maideration for such transfer as agreed to between the state has not been tally stated in the said instrument of farties has not been truly stated in the said instrument of

(1) Sh. Jaswant Singo Bhatia So Sh. Labh Singh Bhatia, 12,10193, Mohalla Nai Masjid, Nawabganj, Library Road, Delhi .

(Transferor)

(2) Sh. Bishan Swaroop Mittal, Sh. Pawan Kumar Mittal Smt. Dhanpati Devi Mittal Wo So Sh. Ganrishankar Mittal, 13/308, Gali Parkash Teliwara, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. that have the torne meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 10193 Mohalla Nai Masjid Nawabganj Library Road, Ward No. XII, Delhi-6 Mg.-118 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi]New D-I'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 6-5-1985. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI NEW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No. IAC Acq.II SR-9-84 651.—Whereas, I, K VASUDHVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 2511, situated at West Patel Nagar, New Delhi-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shii Charan Dass Ahuja,
 Solo Late Sh. Amir Chand Ahuja,
 24/39-40, West Patel Nagar,
 New Delhi.

(2) Smt. Kaushalaya Rani Wd|o IndetSam Saluja, 35|11, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovement property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 35|11, West Patel Nagar, New Delhi Mg. 100 Sq Yds.

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi]New Delhi.

Date: 6-5-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUINTON RANGE-II, 4|14 A ASAF ALI ROAD N,LW DELHI NEW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No IAC|Acq.H|5R-1|9 84|o48 —Whereas, UK VASUDE AN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke, value exceeding Rs 25,000]-and bearing No

K.2) to in P. F. Lot U. Vill Las o Dicepui, Delhi

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been to be to be not to the Postinton Act, 1908 (16 of 1908) of the conductor to as the conductor as Delhi on the lab., 194

tor an apparent constitution which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more believe that the fair market value of the property as the consideration for such it after as agreed to between the parties has not been truly stated in the read instrument than fifteen per cent or such apparent consideration and that of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt B. sham Lata do Khushi Ram and wo Sh. Hans kaj Mahajan, WZ-10, Ratata Pari, New Deihi,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Pishorj L.i.
2. Sh. Guishan Kumar
3. St. Vined Kumar
4. Sh. Suman Kumar
5. Sh. Rajeev Kumar Sslo Sh. Krist

5 Sh. Rajeev Kum it Solo Sh. Kishan Lal Budhirapa, E-39, Sudershan Park, New Dellit. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XNA of the yield Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R[23], Rattan Park, Vill Bassai Darapur, Delhi Mg. 115[1]2 sq. yds.

K VASUDIVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix
Acquisition Range-II,
Dolln|Now Pellii

Date : 6-5-1985 Scal : -----

__ ~ ___ -_-_

FORM ITNS ---

MOTICE UNDER SECTION 269 DOL) OF THE 184 OME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTON RANGE II, 4|14A ASAFALI ROAD NEW DELHI NEW DELHI

New Dalhi- the 6th May 1985

Ret No JAC|Acq II|SR-1₁9 84|652.—Whereas, I,

It VA send VAN, to a to the compact of the income to Act 10c1 (43 of 1961) (hereinafter referred to the load Act have readed to believe that the immovable coperty having a rail mult blace of edging R, 100,000, and having

and bearing

No 20/15 interced at Negatzerh Road New Delhi
Card more telly discharge in the Scientific Act 1908

(16 in 116 in the office of Registering Office in the Delivery Control of the Delivery Control of the C

for a apprent consideration which is less than the four market value of the efforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the all instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) inclinating the concealment of any moome or any m neys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nation J Causinest Industries (d. 25 ls.) to all Read, her Dethalb

t Ir in feror)

(2) Yay Polymers (f) Ltd 6/22 East Punjabi Bugh, New Dehll

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

. __ _ -- -- --

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the subircation of this notice in the Official Gazette

LAPLANTION—The trms and expressions used herein as one all ned in Chapter NIA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No 20/18, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 339.59 39 yds

I. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Aestt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Dulhi,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby many proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of his notice under subjection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-5-1985. Seal: FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) National Chemical Industries Ltd. 26 Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Polymers (P) Ltd. 6|22, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NI W DELHI NEW DELHI

New Oclhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|9-84|653.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 26(1), Nandearn Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen persont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from she transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 26(1, Najafgath Road, New Delhi Mg. 756.28 sq. yds.

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi.

Date: 6-5-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No IAC! Acq II | SR-1 | 9-84 | 655.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the reome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000], and bearing

No S S House built on plot No 19

situated at I-Block Rajouri Garden, Vill. Bassa: Darapur,

Delhi State Dekhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi m

September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Pardeep Khosla s|o Sh S P Khosla & Smt. Kanta Khosla, S|o Sh, S P Khosla, I-19, Rajouri Garden, New Delhl

(Transferor)

(2) Sh. Raunder Kumar, Sh. Hartsh Kumar, Slo Sh. Shanker Dass, both rlo 13/263, Geeta Colony, Delhi-31

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazate.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

S.S. House built on Plot No. 19 L-Block, Rajouri Garden, Village Bassai, Darapur Delhi State, Delhi Mg 638 sq yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 6-5-1985

Seal

FORM ITAL

(1) Sh. Va inder Kumar slo sh. I inshi Rum Guida, J-63A Kirti Nagar New Delai

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Manju Alora () Sh Ashok Kuma Arora H 77 Kno Ni, u N O Ihi

(Transfer c)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COM IL STONE OF THE OMESTAX ACQUETEION KANGE I 4/14A A MF ALL ROAD ... OLLHI

Objections, if any to the quisition of the said property may be mids in a 3 to the unsition of the said property

Nov Dellu, the 6th May 1985

Ret No 1' 1 req 1 | CR 1 | 9-0 1 | 656 - Whereas, 1

Ref. No. 1. Acquir Responses — whereas, a K. VASUBEN 14 beam the Competent with may und a Section 269B of the In our tax Net (161 (43 of 1961) he chafter referred to a traction of tax may a fair market value exceeding R. 100000 and Learning.

No. 201 No. 1631 No. 1631 No. 1631 No. 201 No. 201 No. 1631 No. 201 No. 201

situated of the transfer of the Brest Despite Delhi

And more than the North Bie, the pure Delhi (and more than the first more than the first and Act 1905 (16 of 1905) in the office of Registering Office of Delhi on a temporary 1984

Delhi on 't tembri 1983 for in a line is the star market value of the afolicid property, and I have reason to have a fact that the fair market value of the property aforms I all the more and consideration therefore is the about the appropriation and it the contract that the results are the start that the results are the appropriate and it the contract that the fair such turn regions greed to between the contract that the c wern the parties he not been truly stated in the said matrument of tian ice with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dive from the chief the publication of this notice in the 6th off the off a period of 30 days from the service of n to on the respective persons. whilever period + a +1 fer
- (b) by any other person interested in the said immovable 1 pr with n 1 less from the late of the publishmen of the est on the Official Cazone

1 xPIANTION - The term and expressions used berein as are defined in theptic XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

(a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in report it any income arising from the transfer, and or

THE SCHEDULI

(0) the effect the emcealating of an attorne of any in thems in emecalishing of a such me of any more of the ascharch to the according which is the according to the course of the time is of the filter hoom to be 1922 the course of the according to the Westhiax set 19 (\$7.0) to 19.0.

Hou - 22 Plot > 1 3 4 lette he u. VII be at Dare pu Li liu Ni., 1160 Sa Et.

> K VASUDEV IN Competent Ambority Inspecting Aut. Commutation of the Acon for Ring P. Dolhilton Dolh

Now therefore in armanic of Lection 2000 of the said Act I hard not at the ends for the equation of the arrive ad project of the ade of the not under subsection (1) it is than 26-15 of the said let to the rollows. persons natuely -

Dr 6-5-1985 ખાસો ,

*OTE-F UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIDITION RANGE-II THE AS A SET ROAD, NEW DELHT

New Delhi, the 6th May 1985

Ret No. tAC|Acq H|SP 11) 84 658 -Whereas, f, K VASUPEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable propert, haven a far market value exceeding Rs. 1,00,000/and beams

be any No. 1-14 44, Model Town, situated at Vill Malikpur

Chhaoin, Delh

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dithi on September 1984

ton an apparent consideration which is less than the fair ion an apparent consideration which is less than the fair nurie video; the aforesaid property and I have reason to believe that the fun market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not from table stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income orising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A., I hereby invite proceedings for the acquisition of the atoresaid mapping by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

76-96GTI85

- (1) Sim Rishab kuma lang Sin han Door it is Middle fown Delhi Kerti of Hell Sherbehb Kumu Jain & Sons (Hold) and Shehunda Lumur Jain yo Shehu it is a second of the Model Town, (I) insteror)
- (2) Sh. tinen fr.; Kumar Jain & Sons (HUP) Sh. Pankar Kumar S.; Sh. Din i Nath, B-36[5] G. F. Kunal Road, Industrial Area, Delhy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned t-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oh. I had not period of 30 days from the service of notice in the respective persons which ever period expires that
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are difficely to the reconstruction Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 1-14/14 Model Fovo VII Mahkpai Chhaoni Delhi Mg, 233 3 10 Sq. vde

> N VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Contransioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi New Delhi

Date . 6-5-1985

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s United Diesel Service, 3 Gokhale Market, Della through Gokhak Mark to the Sh Amil sin n 20 3 ; afner er the firm. (Transferor)

(2) Mls. Radiator Supply Co. 55, Gokhale Market, Delhi through Sh. Harbbajan Singh

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANKF-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No IAC AcqII SR-1|9-84|659,—Whereas, I, SH & VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000½ and bearing Shop No. 56 situated at Gokhale Market, Delhi, (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is remstered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Delhi on September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice of the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter

THE SCHEDULE

Shoo No 50 or Idiale Mathet, Delhi Mr

k. VASODEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Arquistion Pance-II Delhi New Dolhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 6-5-1985

Sgal:

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLLIGE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX.

WOULLAUN RANGE HILL ASSI ASSERBLY DECIN

New Della the Ali May 1985

R 1 No 1 1 (Acq1) [5R-1] 9-84] 551 Whereas L. K NASUM NAM,

Long fae Convetent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

thetetatical reformed to as the 'said Act)

have reason to believe that the immovable property, having

Rs 1,00,000/- and beving
Plot No. 1: Bind-l: 12 1: 20 202(258/217)4 Village
British is 2 1: 10 in 1121 Military Raupt Singh Road situated at Lichin

tand have "the fact bad in the Schedule anaexed hereto) tern tree to d u for the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the tille of the restriction of theor at Delhi in ")] "

for an appair of courticistion which is less than the fair must be take or the storested property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fittee for end in a will approved considerate a and that the considered of ring a monace of agreed to between the parties has not been tive, sated in the said matroment of transfer will the strain a

- tal facilitation the intertree or evalon of the habitly of the transferon to pay tax under the said Act. on temperat of any write arming from the transfer: BANE TOT.
- .. savelitating he concealment of any encome or any surpare or inter marrix which have not been or which ought in he duelored by the transferce for the jempestes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1492) or 1. 34. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 117,1111 -
- Now, the close in parsuance of Section 269C of the said Act I hereby implies a constitue of hection 269C of the said Act I hereby implies a constitue for the acquisition of the aforesaid amount by the aster of this notice under substantial to the new orders the address to the following per mantaneous

(1) Sh. Dwarka Nath Slo Late Sh. Dina Nath. E-16., Maharaja Ranjit Singh Road, Adarsh Ngr. Delhi-33

(Transferor)

(2) Sh. Bhagwan Dass Slo Sh. Shanker Dass, C-30, Rajan Babu Road, Adaish Nogar, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE STIPPING F

Plot No. 16 Khan No. 1 No. 12 July 1 Vil Bhnola Abadi Adash No. a Militage 1 and 1 min Road, Beain: No F-16 M: 120 1 16

> IL YEHDIYAY Competent Authority Inspecting Assistant Commandate of Incomedate A 4101 1111 1 = 11

Date 6 3-1947 Scit.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTEAD TO ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

A DAIL WHAT PANCE IL HILL ASSE DI SOD NEV DELHI

ew D in to oth May 1965

hel to but a get a 11384 his Whereas, I VISUDE/ 11+

being the competent authority under section 269B of the Income in A 130 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said and that sealon to believe that the immovable

as the said set tax's each to believe that the immovable property having a 'air market value exceeding RS 100 mb/s and fearn's situated at 162 s. Block C. Village Busin From the Delhi Buth Night New Delhi (and more the described in Schedule annexed hereto) has been that the in the the Pegistration Act. 1908 (to of 1908) on the Office in the terring Officer at. Delhi on September 1 for any tax to the state of the same tax to the state of the same tax to the s

for an intert could be a which is less than the fair market value of the accepted mayor and I have reason to believe that the few market value of the property as aforesam exceeds a sparent consideration therefor by more thin the real of the primer consideration and that the consideration is the first of a reed to between the many of the said of the consideration and that the consideration is the consideration and that the consideration is the consideration therefore by the consideration and the consideration that the consideration therefore by more than the consideration and that the consideration is a consideration and that the consideration is a consideration and that the consideration is a consideration therefore by more than the consideration and that the consideration is a consideration therefore by the consideration and that the consideration is a consideration that the consideration is a consideration to the consideration that the consideration is a consideration that the consideration that the consideration is a consideration that the considerat instrument of transle with the object of: -

- (a) facilitating the rectuction or evasion of the hability of the man-ferov to pay has under the mid Act. in respect of the section arming from the transfer mad/or
- (A) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2" of 1957).

THE THE THE THE THE PART WETTON A PARTY OF MARKET AND A PARTY OF THE P (1) Sh Sun Dass Slo Sh Devi Dass in I shrimiti Keshay Bai Wo Sh San Dass, Feel Bar Nagar, New D lbr

Transferor

(2) Sh. Hari Das Assum So shownt Diss. Ashmi, C-10 Ponchashed Endow New Della (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 40 distraction the date of Publication of this notice in the Official Gazette

Explanation -- The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 46. Khasia No. 1625, 1626, 1610. To. C. Vill Bassai Daiapui. Delhi, Bali Najar, New Delhi, M., 100 Sq.

K VARDEVIN Competent Authority Inspecting Assisting Competent Authority Inspecting Assisting Competent Authority Inc. 1 of the Authority Authority Research

Nov. flexen printer of Section 2690 of the said persons nearly

Date . 6 5-1987 Scal .

NOTICE ("NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Manohar Lal Bhasin Sho Sh. Jan Ram Dass, F-90-A, Kuti Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Surjeet Singh Chaddha N. S. Chaddha, So G. S. Chaddha, 3 Gurdeep Singh So Kulwant Singh Chaddha, Gurjeet Singh So Harbhajan, 455 Civil Lines Moradabad (UP).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4,14A ASAM ALL ROAD NEW DELHI NEW DELHI

New Dollin, the 6th May 1985

16.1 No. IAC |.\text{LqII||5R-1||9-84||663.--\text{Whereas}, I, 5H | \text{K | V ISUDE VAN,}

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing their a No. 15-90 A, should at Knti Nagar, New Delhi.

Host c. No. 5-90A, stupted at Knti Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schodule amoved heroto), has been tran terred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officera at Chaun Bull.

Dellir on 'aptember 1,84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to return that it rais market value of the property as aforesaid excepts the apparent consideration therefor by more man infecent per wont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the excellating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whan ought to be disclosed by the transferee for this purposes of the ladma income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 : 27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said sect 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomic aid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act, to the office, to present a root,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 1-90A, Kirti Nagar, New Delhi Bg. 200 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
mapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Dellii[New Delhi

Dute: 6-5-1985

Scal :

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|AcqII|SR-1|9-84|664.--Whereas, I, K. VASUDEVAN.

K. VASUDEVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. B 6/1, situated of Rano Platap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Sentember 1984

Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to member value of the aforesals property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 難が/何

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, markely :-

(I) Smt. Hira Devi Dlo Thakir Gopol Singh B-6]1, Rana Pratap Bagh, (Transferor)

(2) Tilak Raj Sjo Chahn Mal. 26|27, Street No. 11 Nicholas Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half portion of plot B-olf, Rana Pratan Bigh, Delni, Mg. 130 Sqq. Yds.

> K ANDIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomestix Acquisition Range-II, New DeBit

Date: 6-5-1985

(1) Ms National Chemicals Ind. 1td., 26 Number Part New Delhi

(Transletor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (7) Liectro System R-34 Man Mal r, Indeam, Dalla

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACOUSTION RANGED
4:14\ \(\sigma \sigma \) ACOUSTION REW DELHI

New Oolhi the 6th May 1985

Ref. No. 14C|AcqH|SR|1|9|84|666 -- Whereas, I, & VASUDEVAN

being the Competent Authority under section 269B of the Virconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs 100,000/- ii 1

bearing No. 40 B. Najatguth Rd. situated it New Delhi (and more tally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the remstaining Officer at Delhi in Exptember, 1983.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) findinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby invitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Propetty No. 40-B Napifgath Road New Delhi Mg 2386 25 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi.

Date . 6-5-1985

Scal:

FORM I'INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. 1AC|AcqII|SR-1!9-84|667,---Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001, and believe No.

Rs. 1,00,000]- and bening No.

40-A, Najafgarh Road, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the Lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s National Chemical Industries 14d 26, Naja gorb Roci (New Delh)

(Ir peterna)

(2) Mls. Letty Radio Corporation, B-253, Naranta Industrial Area Phase I New Delhi.

(fineface)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire, later,
- (b) by any other person interested in the end immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

THE SCHEDULE

Property No. 10-A. Najangarh Road New Delhi, Mg. 2086.25 Sq. Yds

FAN DEN VAN Committee that the Inspecting Assistant Commissioner of theorie and Aug him Day -11 to Dahl

Date : 6 5 1985 Seal :

FORM LT.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DUTHI

New Dolhi, the 6th May 1985

Ref. No. 1ACIAcq, II[SR 71)-84[668 -Whereas, I. K VASUDEVAN.

being the Compotent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 15/, Ward No I C, situated at Gali Batashan, Cha vri Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Dethi it S is grown 1984.

Dethe in 5-p emper 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument analysis with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian (ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aversaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

77---96 GI|85

- (1) Smt. Raj Rani Khanba, Wd o Shri Raja Ram Khanna, 28|40, Old Rajinder Nagar, New Delhi. |Transferor)
- (2) Smt. Nitmala Jain, Wo Shri Paras Ram Jam, 1527, Kucha Seth, Dariba Kalan Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 157 Ward No. IX, Gali Batasban, Chawri Pazitt. Delhi Mg. 212 Sq. Yds.:

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Date: 6-5-1985

FORM ITNS----

(1) National Chemical Industries Ltd., 26, Najalgath Roll New Delhi (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Yruna Jana wo Shir Kuldip Chand Jam, Smt. Cham hal Kuman Jain, wo Shir Kusturi Lal Jain, Sint, Sushma Jain wo Shir Naresh Kumai Jain 1157, Circular Road, Ambala City.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

Now Delia, the 5th May 1985

Ref. No. IAC|Acq II[SR-1]9-84¹670 —Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act. 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 26[2, Nijafgarh Roll, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in September 1984, Delhi in September 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the objects of the said instrument of transfer with the said instrument with the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the objects of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac in respect of any income arising from the transfer and/or

any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Josome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), THE SCHEDULE

Property No. 26/2 Najafeath Road, New Delhi Mg 213.27 sg. yds.

> K VASUDEVAN Competent Aut 111 irrepecting Assistant Commissioner of Income-tail Acquisition Range-H, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following lag persons namely

Dag . 6-5 1985 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE II 4114A ASAF ALT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. tAC/Acq 11/5R-1/9-84/671 --- Whereas, f. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. 8358, Model Basti, attended at Ward No. 14,

Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Delhi in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason who believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer. But him which of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act or the Wesith-tax Act, 1937 227 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate precedings for the acquisition of the atorcsaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramesh Kumar Barasia, slo Shri Ram Pratap Barasia, 747, Block P. New Alipore, Calcutta, through Shri Ram Pratap Slo Shri Dunga Dutt Barasia, /17, May alipa... Calcutta, the General Attorney. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Gupta, Shti Ishwar Dayal, 8233, Rani Ibansi, Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the alerened persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 9358, Model Basti, Ward No. 14, Delhi Mg 100 Sq. Yds

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 6-5-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 5th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.H]SR-1]9-84[672.—Whereas. 1, K. VASHDEVAN

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 8358, situated at Model Basti, Ward No. 14, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as reforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1)Shri Ramesh Kumai Butaan Slo Shri Ram Pratap Bariaa, 747, Block P, New Alipote, Calcute though Shri Ram Pratap Slo Shri Durga Dutt Barasai 747, New Alipore, Calcuta, the Central Attorney

(2) Smt. Raji Rajii Gupta and Shii Kiishan Gupta as natural guardian of his minor son. Yav. Gupta

(Transferee)

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1338, Model Bish, Ward No. 14, Delhi Mg. 163-519 Sq. 5 ds.

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquation Range-II, Delhi/New Delin

Date : 6-5-1985 Seal :

(1) Snri Han, Raj Verma Slo Shri Eulchand Verma, 63 Ma pd Road, Janapur i New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Sheel Chand Jain Sto. Shir Salakn Chand Jain, 1418, Kucha Hua Ustaf Bazar Gulian Dariba Kallan, Delhi olternito dy D 41 Mon Nagur, New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISTION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DECHI

New Delhi the 6th May 1985

Rer No IAC Acq II|SR-I|9 64[673 -- Whereas, I, VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the literate tax Acr. 1-61 (-7) of 1964 (heremafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the rumovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 - and bearing

No. 45/12, annoted it East Patel Nigar, New Delbi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansfeir d and negstered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Delhi in Specialist, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration, therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) fasilifating the reduction or evenues of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said A !, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aftermaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Quarter No. 45/12 must Patel Nagar, New Della Mg. 200 Sq. Yds

> **k** VASUDEVAN Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date . 6-5-1985 **Seal :**

FORM J.T.N.S .---

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE II 4]14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1985

Ref. No. IAC|Acq II|Ste-1|9-8-1|675.—Whereas, I, R. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1 lat No. 13 Block A, satuated at 45 the Mall Delhi-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (In of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons manuals:—

 Smt, Updesh Kam Wlo Shii Daya Sugh, 13A, Flat at 45, The Mall, Delhi-^a

(Transferor)

(2) Sint, Varin he Kam Obern, Wio Shiri Inder Singh Oberot, 4 under Hill Lane, Civil Line, Delhi 6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 Block A, 43 the Mall, Delhi-9 Mg. 358 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-toAcquisition Range-II, New Death

Оже , 6-5-1985 Seat :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 414A AJAF ALL ROND NEW DEUTH

New Delhi, the 5th May 1985

Ref. No. EAC|A.g HPSR 1/9 14/677 - Whoreas, 1. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of one Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing

No. 2485. Bartuli Rediunali, situated a Sadar Bazar, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Delhi in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of homes 1690 of the 421.1 Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparity by the issue of this notice under subjection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sno Champ Devi Wo Shii Budh Ron, Shii Nank Chand Sio Sutaj Bhan, Siat, Somwati wo kajindo Pil

(Transferor)

(2) Sho Din Daval So. Sho Kana Pal

(fransfried)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2485, Bagichi Reghu Nuth, Sadar Bazar, Delhi Mg. 37 Sq. Yd.,

K VASUDI VAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II New Delhi.

Dute 6-5-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD EVEW DELETI-

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. LAC/Acq.III/SR-1/9-84/677A.—Whereas, I, K., VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R: 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 23. Kh. No. [5]23]1 situated at 15]23]2, Shyuma Pd. Makherice Park, Delhi, fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1198) in the onice of the registering officer at Delhi in Senteraher 1984

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following bersons, namely:---

(1) Shri Ranbir Singh 2. Charanbir Singh, Sio Prem Singh, 6 DS Block. B I, Ramesh Nagar, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Karamut Singh Soc Nirmal Singh, 120, S. P. Muknerjee Marg. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 Kh. No. 15|23|1, 15|23|2, Shyama Pd. Mukherjee Park, Delhi Mg. 250 Sq. Yds

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 6-5-1985

Scal:

(1) Shri Neet Ram, C-210, MCD Colony Azadpur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sundari Aggarwal 26/11, Shakti Nagar, Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD
NJ W DFLHI

New Dethi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq II SR $1_19.84$ | $_078$.—Whereas. I, $_{\bullet}$ VASUDFVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/--ind beauting.

and bearing
No A-43 Nanda Road, situated at Adarsh Nagar, Delhi land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1934.

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-43, Nan L. Road, Adaish Nagar, Delhi Mg 198 Sq.

K VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely:—

Date: 6-5-1985

Seal:

78-96GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Anima Chatterjee Wlo Shri F K. Chatterjee, 210, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Naramdas Mirchandani Mr. Murli Nihal Chand Khanchandani, Mr. Thoku Leudas Chugam through duly constituted general attorney Mr. Arjun Lal Nihalchand Khanchandani, 4764/23 C. Ansuri Road, Darya Ganj, New Deihi 2

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALL ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No IAC |Acq II|SR-I|9 84|679.—Whereas, I,

k. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. MCD No. 4887 situated at Darya Gani,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delfii in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period example 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. MCD No. 4887, Darvaganj, New Delhi, measuring 383 aq. yd.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 6-5-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|9-84|684,—Whereas, I, SHRI K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. B-3/9 situated at Model Town, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration \ct, 1008 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Gobind Ram Sachdeva So Shri Gurditta Ram, 137, Bank Enclave (Trans Yamuna Arca), Delhi.

(Transferor)

(2) Mls Satyam Builders, having its office at Mayur Bhawan, New Delli through its partner Shri Rajesh Anand Slo Shri Jagdish Anand, 611, Dr. Mukharjee Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-3 9, Model Town, Delhi Mg. 199 Sq. Yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date + 6-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|9-84|685.-Whereas, 1, K. VASUDEVAN

k. VASUDE VAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. G-2, Bldg. No. 4378 [4-B. situated at Part I, 4 Muranlal Street Ansari Road, Daryagani, New Dethi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908, (16.0)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Smt. Ramsakhi Devi Wo Shri M. C. Bansal 2. Ashok Kumar Bansal and 3. Shri Anil Kumar Bansal, son of Shri M. C. Bansal, 7|28, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Rosy Jain, through her father and Natural guardian Shri Sugan Chand Jain, 1961, Katra Khushal Rat, Chandni Chowk Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-2 Building No. 4378[4-B, Part 1, 4 Murardal Gali Ansari Road, Daryaanj, New Delhi Mg. 386-6211 sq. ft. Khasra No. 58.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4|14A, Asaf Alı Road New Dellai

Date: 6-5-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTILE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Pal Mohan Construction Co., 6|4792, Chandni Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Km. Anju Bala, 26, North Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-III AGGARWAL HOUSL 4|14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ret. No. IAC|Acq. III|37EE19 84|5-3.-Whereas, I. SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing No 203-A, 5|67, Padam Singh Road situated at Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the f. f. Act 1961 (43 of 1951) in the Office of the LAC, ACQ-III, New Delbi Li september,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to besween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian lacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the rotal Act on the Wenther ? Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asmely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property Play be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 203-A, on first floor, 5[67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 214 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 1-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Rel. No. IAC|Acq.III|37EE|9-84|584.—Whereas I. SUNIL CHOPRA.

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Rs, 1,00,000/- and bearing No 501, 502, 2-A. Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesar's property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s Kailash Nath & Associates, 1001, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Leading Leasing Finance Investment Ltd., Room No. 218, Hotel Surya Solnel, Friends Colony, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 501, 502 (plinth area 905-70 sq. ft.) on the 5th floor of proposed complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Aggarwal House. 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 9-5-1985

FORM ITNS ---

 M|s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Atuna Goenka, Wlo Mr. Rajesh Goenka, R-69. Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31d May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|9-84|585 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. 503, 2-A, Bhikaji Cama Place situated New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 (Plinth area 519 sq. ft.) on the 5th floor of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A Bhikaji Cama Place New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranee-III
4/14A, Asaf Ali Road
Aggarwal House
New Delhi

Date: 3-5-1985

FORM I.T.N.S.---

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-IJI AGGARWAL HOUSF 4]14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|9-84|586.—Whereus, 1 SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,,000 /- and bearing No. 505, 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) M|s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-L.

(Transferor)

(*) M)- Ritika Doneht Trust, R. 59, Greater Kailash-t, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 505 (Plinth area 848 10 sq. 1t.) on the 5th floor of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A. Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance II
Aggarwal House
4[14A, Asaf Ali Road
New Della

Date: 7-5-1985

FORM 'TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITON RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|9-84|587.—Whereas, 1, SUNII, CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 504, 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M|s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. K. D. Lohia W|o Shri M. L. Lohia, R-69, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, (Plinth Area 519 sq. ft.) on the 5th floor, of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A, Bhikaj Cama Place New Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance-III
Aggatwal House
4|14A, Asaf Ali Read
New Delhi

Date 7-5-1985 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE-IN AGGARWAL HOUSE 4[14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|9-84|588.---Whercas, 1 SUNII CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No. 3, Local Shopping Centre situated at Aram Bayh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pny moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

 Bhanot Proporties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bala Gupta, C-11, Green Park Extension, New Delhi-110016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storage Space having approve super area 400 sq. ft. in the basement of building to be constructed on Plot No. 3, I ocal Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rance-III
Aggarwal House
4/14A, Anf Ali Road
New Delhi

Date : 22-4-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC₁Acq. III₁37EE₁9 84[589.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Post 100 000 and hearing

Rs. 1,00,000 and bearing
No. 3, Local Shopping Centre situated at Aram Bagh, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed here; o), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ration to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Bhanor Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

M's. Damodar Industrial Corporation,
 Reagal Building,
 Floor Connaught Place,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space having approx, super area 284 sq. ft. in the 2nd floor, of building to be constructed on Plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renec-III
Aggarwal House
4 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

?

Bhanot Properties & ndustries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smr. Savatri Aggarwal, 30-23, Shakti Nagar, Delhi-110007.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-ITT

AGGARWAL HOUSE

4/14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHT

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC Acq. III 37EE 9-84 590 —Whereas, 1, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), but been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984.

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Storage Space having approx. super area 350 sq. ft in the Basement of building to be constructed on Plot No. 3, I ocal Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rome-111
Aggarwal House
4/14A, Asat Ah Cond
New Delhi

Date: 23-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. JAC Acq Hf|37-FE|9-84|591.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

its 1,00,000] and bearing
No 3. Local Snooping Centre, Aram Bagh, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43

of 1961) in the Office of the J.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo essaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Bhano: Properties & Indus. Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Shu Rakesh Kumar Gupta, 30/23, Shakti Nagar, Deihi-110007.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storage Space having approx, super area 342 sq. ft. in the Basement of building to be constructed on Plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Aggarwal House. 4|14-A, Agaf Ali Road. New Delhi

Date : 23-4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CHYCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Deihi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|9-84|592. —Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'anid Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
No. B-29, I. Old Rohtak Road, situated at New Delhi
(and over fully described in the Schedule appeared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43

of 1961) in the Office of the IAC. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such temperature as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferrer for the purposes of the Indies Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldistax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforement property by the issue of this notice under subnection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personn, mannely :---

(1) Roopa Constructions Pvt. Ltd., GL-4, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Piein Narain Gupta, So Sh. T. R. Gupta, Ro 45160, Krishna Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, as the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later,
- (b) by any other person incrested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-29, 1, Old Rohtak Road, New Delhi

Aggarwal House, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI, Aggarwal House, 4|14-A, Asaf Alt Road, New Delhi

Date: 1-5-1985

Scal:

FORM NO. I,T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Roopa Construction Pvt. Ltd. GL-4, Ashoka Estate, 24. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Major A. k. Dhawan,
 Slo Sh. U. P. Dhawan,
 Rlo G.E. Panji Goa, Pin-403001,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. 79[Sep]84.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred under Section 269B of to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs. 100,000- and bearing

No. B-26, Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43

has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III. New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B-26, Basement, Old Rohtak Road, Delhi. Area 275 sq.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Aggerwal House, 4|14-A. Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

Scal:

FORM ITN'S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M s Bhanot Properties & Inds. Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place. New Delhi.

(Tansferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Veena Bhasin, A2|16, Safdarjung Enclave, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF AL1 ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|9-84|594.—Whereas, 1. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the 'immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing CIS
No. 7, at 3 Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43)

has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43

of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cons deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Cor Parking Space No. 7, at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII. Aggarwal House, 4|14-A. Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 14-5-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

of my toble Andless, IORM IINS -----

cw Dolhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1661 (AT 14 4

dr. E. N. Kipoor, Vit. idinjung Enclive 1 15 New Dollar

(II in feroi)

(Iransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> MOUISITION RINGLIST AGG ARWAL HOUSE 4 II A ASAF ALI K PD NI W DELIII

'4. Dolm, the 14th M 19,~

Let No Fact leg III of LEP 84 of White of VINIC CHOPPA

being the Competent Authority under School 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) become telested as the said Act) has not a lete that if a surmovable property having a law market came caccoding

1 10 000 and become Class 9 at a 4 y Josh rand more fully described in him 5 hours, at moved hereto). hal a basened rider the lactical and a 171 1) of the the Office of the 1) A q 111 No. D the care st. 1 -

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the armounted property some is a substitute that the four market some it in pumping the site of said exceeds the apparent consideration and in the inthan litteen per cent of such at parent consideration and if t the constration for such transfer is the constant temperature the parties has not been truly stated in the above that a I transfer with the object of -

it is factiviting to reduction or elasion of the liability of the france for to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) from time the concentration and one commoneys or other assets which have not been of which outlit to be disclosed by the frankers for (1) purposes or the Indian Income tax Act. 1922 (11) ± 1922) or the said Act or the Walth tax Act, 197 (27 of 1957).

Now, herefore, in pursuance of Section 2690 of the said of 1 1 seby initial proceedings of the lage from or the aloresais property by the usue of this Novice under sale section (1) of Section 269 D. 1 Of and 1 of the fillersing persons, namely

ره **اب**ابا9- لاد

on precise the acquisition of the said property $m(\alpha) \in \mathbb{R}^{n}$. At this, to the undersigned +

*1 by any of the eforested persons within a period of I days from the date of publication of this notice is he forticial Gazette or a period of 30 days from no service of nouce on the respective persons, " ever per od sapires later:

il) b was relies person interested in the said minor. 11, within 45 days from the date of the where it is it that acrees in the Official Citatette

1.54 The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said "cl, shall have the same meaning as siven Pat Chapter

THE SCHEDULE

n i i ithih p Can i Place, Nev Delhi

SUNII CHOPR \ Competent Authority the A thick commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Ageargal Hous 414-X, Vs.it Ali Koud New Delhi

1 (11,110 JC 11

ECHELL LANG - --

A FICE ORDIN SECTION RODULL) OF THE INCCM TAN ACT Hol (+) OF 1961)

ALLAN ATTACKE ALLAN ALLA

PERFORMANCE OF STREET

COLDION FORD II COLWARD TO TO STATE COLD NEW DEELIN

fle 1 to the s

TOURY

for to exhibit if a tidit betten last fide income to the 1997 (44 of 1997) fiction that it is a conas the find but I have mason to believe that the min value prop there is a trute to the coc at 1 (19) 0 influin

the continue of the continue o

militiducate done id i pervadi nivercion o block to the in me ket due out the proper and a new to exceed for anymore in the theme is no lift en per cent of such appaint conside itt in aca, that the consideration for such transfer as agreed to be well in pattles has not been tight stated in the said in turn or o tansfer with the object of . -

a) tundence to edite a core of the hilly of the hill of the pay for and rive sail a river in a first in a real form and low

which take to the first the first the mark to the which registers on line 4. By the trees to the number of the fadera Income ax act the of 1922 or the said Act of the V. Hill set 1987 (27 of 1987).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act thereby initiate on section force of the same for the real property by the result of the native part of persons namely

And some Elerdan G.S. Hinda harde G.S. Hinda hay 1 Delai

1 1 -1 0 1 -1 1

(11.13 (4.1

je tien i no to et que en et the soid professy no no de a vitting se en dalle seud -

- ir by any of the afonsaid per cit within a prinod of 45 days from the date of publication 1 this notice in h. Official Gazata and 1 1 1 date of the publication o whichever period expires later
- (1) by any other person interested in the said imm v of produce the following the production of the p
- I in an a material and expressions med from an r actined in Chapter XXA of the said Act hall have the same meaning as given r that Chapter

1 11 1 1 true

PS 12 at 3 Bill treatment to Note to

SUNL CHOPPA Competent Authorst inspecter. Associated aim sioner of Income tax Acquisition I no III A 14 A As t Ali Le 1 No Delhi

1 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLLICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAN

> AUQUISITION RANGER. AĞĞARWAL HÖÜSI', 414-A, ASAF ALI RÖAD, NI W DELIH

New Delhi, the 9th May 1985

Ret No JAC Acq 11/37-EE/9-84/597,-Wholian, I SINGL CHOPRA

bing the competent Authority under Section 2,90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) there, infter referred to as the 'said oct's have record to believe that the min can property, having a fact of the Couldn't receding Re. 100,009 and bearing

Sport No. 2. Situated (2) Hinking Camp the [N] Deline than more and of table 1 or the Social time to a nector of the benefit of the 1 or 10 to 10 Act the 11th of 10 to for an apparent's or allegation which is less than the fair marker value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property or aforesaid exceeds the apparent consideration therefor to more than lifteen per cent of such apparent chardreson and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sest of the this and transfer and of transfer of the others of the state of the others of the other other others of the other others of the other others of the other other others of the other ot

- they fact rating the reduction of the radially of the temperate to pay the open the color of the constitution of the constitut
- the facilitating the concentration of any income or say thought of the random of the mother of the most been of which orther as its which have not been or which orther to be fielded by the transfere for the purposes of the Puliar Incometar Act, 1907 (11 of 1922) or the add Act of the Weith-take 1957 (2) of 1857).

Now, therefore, in pursuance of acction 26% of the sold Act, I hereby initiate probabilists for the neglisition of the afore aid property by the issue of this nonce under side section (1) of Section 269D of the and Act to the following persons, namely :--

Pirtory Sugar, has pro-C 31 142

leat files

2) Sont Rathor Obstor 1 20, that Educ Enclose, 929 Delhi,

4 to 1125for 1

othermore if any to the acquisition of the sulf profit the book in white to the undersigned :-

معاديم وموسود بدوه العدار العدارة العدارة العدادة العدادة

- to the little of the at the ad perform within a period of -2 de librar in deer of politication of this notice in decided that one of a reflect of 30 days from the retrieval to politics on the respective persons, which contracted express later.
- the by any other per on interested to the same empoyable property, within a fig. to a the late of the public it on of this name to the Official Gazetie.
- typical 211094 The trans and expressions used herein as read a relativity of the said Alt shall been the transplantations as the is that is hapter.

1111 50 411.111111

 $\mathcal{T}_{\mathcal{C}}(A)$ where (a_0) , the SC probability condition. New $\mathcal{D}(\mathcal{D}_{\mathcal{C}})$

Compet at Applicate Appropriate Asserted Commissions of theory to Acoustica Pange III, 4 14- V Asco of Pond

1000 1000 Most -

____ _ __ FORM ITNS -------

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) (A 1円色 INCOME-TAX ACT, 1961 (4) (0) 1961)

GOVERNMENT (MIDI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCLASS

> ALCOMPTION TO A AGGARWAL HOLSE 414 A, ASAF ALL ROAD NEW DELIK

New Din ; h Mr 1

No FAC Acq 111 57 1 1 1 9 4 35 1 50 NB CHOPRA being the competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (47 of 1961). Fere nait referred to is the 'said Act') have in a to believe that the ammovable property, having a far notice it is a case in the Office of the TVC Ag 191 to 19 Films that the fer market value of the ree less it moment consideration of a fifteen per cent of such apparent control of the fifteen per cent of such apparent control of the fifteen per cent of such apparent control of the fifteen per cent of such apparent consideration. consideration for such that it is

parties has not been find at cell at

to a to with the object -

in) ficilitating the rear on the in the of the transferor to province in the same of respect of any income a wint of a second nd/or

(b) facilitating the concealment of any income of 22 moneys or other assets which have no be which ought to be disclosed by \$100 pt 100 pt are purposes of the Indian locone as \$100 pt of 1922) or the said Act or the Wealth is on the Charlenands to the Carde that the Carde D lin

THE SHEET,

(2) len M (1) l'ac | 16 tdnjung Lochec v Delhi

ili usicici)

Objects us, it any, to the acquisits a of the said property n i n tirtiti in signed —

to concent as the publication of the notice of the concentration of the concentration of the notice of the concentration of the notice the state of the s

Inflet Ite

1 12 FALIAN — 11 tam and experious used herein as a dam day Clarter XXA of the said to the

HII CHIDCH

Pilit Sac No. 11 to Endut Camp Pice New t th

> St. II CHOPT \ Emmercial Authorit Yearn and the Market 1 1

Now therefore in parameter of Section 2890 of his cit. Act I bereby initiate four day for it sequents of it into it for it section (I) of Section 2690 of the late pri ramelt -

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAY ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

I LICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VOLISATION RANGERT CLAIN AL HOUSE FILA ASAL VII ROAD NEW DELHI

N D lb the 9th M to 12.5

No. At a life 17 FL 184 ND. When a life is 11 hr. A to 19 1. (43 of 1961) (hereinafter referred to may the 'said Act') have reason to believe that the immovable popular is a multiply flue core ding Ps. 100 000 of the life is a first the linear Place at raid at No. (Delhi tand) is a first the linear Place at raid at No. (Delhi tand) is a first the linear Place at raid at No. (Delhi tand) is a first the linear Place at raid at No. (Delhi tand) is a first the linear Place at raid at No. (Delhi tand) is a first the linear Place at raid an anexed hereto). It is a first the linear Place at raid and the less than the fur market value of the property as aforesail excells, the apparent consideration therefor by more than his a passent of such apparent consideration and the the classification for such transfer as agreed to between the parties lass too been truly stated in the said instrument of fice with the object of —

- a, facilitating the reduction or evision of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- in facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax A t 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the structural property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 4f the said Act, to the following to the said Act, to the following the said act.

(1) Sur Umi Peri CP Pimp 5 Fn ! New Delhi

(2) Smt. Angle Patti A2 I6 Safet que la la la c New Delhi fruit (a)

Objections if any to the requisition of the 1 topic perty may be made in writing to the uncertainty.

- ta) by any of the if raid octor is him a period of 45 days from the late floathical tion of this notice in the Official Granette of a period of 30 lass from the service of notice on the aspective pain where it period expires later
- (b) by any other per out into the file among the property with a 45 day from the discrete publication of the natice in the rifficial Girls to

EXPLANATION—The terms and expressions used become a are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same near notes given to that Chapter.

THE SCHIPLIE

CPS 14 at 3 Bh k p C m + Place N + 11 a

Duc 9 5 1955 Sed

FORM ITNS

(1) Mis. Bhanot Eate ribes. 102-103, Raja House, 30-31, Nohrn Plan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Srift, Neema Beds, A2(16) Safdarjung Enclave New Della.

(fram terre)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, NGGARWAL HOUSE, 4114-A, ASAF ALL ROAD, NEW DILHI

New Dalhi, the 9th May 1985

SUMIL CHOPRA, 14 CAMPAN, 2015 AND AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding R is (100,000), and bearing Prace No X at 3 Bhitap Caura Place situated at New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43)

of 1961) in the Oline of the LAC. Acq. 18. 1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquirio in of the said property may be made in writing or the approximate

- (a) by any of the aforested persons of the period of 45 days from the date of nighter area of this notice in the Official Countrie of a period of the days from the service of notice on the respective persons, whichever period type I falor;
- (b) by any other person interested in h , and improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

LAPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the vame memory as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHLDULL

Car Parking Spine No. 8, at 3, Bhiladi care, Phys., 14cv

(b) facilifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

SUMB CHOPRA Competent Authority Inspecting As default Constitute from of Incorne-to-Acquisition Range-III. Agraryal House, 414-1, As f. Mr. Prod. New Patta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellow ing perions, namely :-

Date 9-5 1985

Scal:

1 + 4 13 - - - -

FORM ITNS----

__ -= -----

tu rel 11 New

10 F CH | UNDER SECTION 269D (1) OF THE PRODUCT 1/N SECTION (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1-0) I THE INSPECTING A SISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

(CO) THE PANCHING TO THE CONTROL OF THE CONTROL OF

() Set Par 1 3

that he is a second of the second the connector Andron maker became the connector Andron maker became the connector in markets and 1961 (43 of 1961) the notation to a Act) have seen to believe that the mamovable property having of the notation of the second maker in No.

cand more fully described in the chedule innexed hereto) his beautiful at the fill Act 1961 (43 of 1961) in the Classical Act 1961 (43 of 1961) in the Classical Act 1961 (43 of 1961).

1 of u Ish

min (t i t t t) Hit w Delin

i ' i i t t t

r i t i t t t

narket vi e efti ifete at property and I hi reinn t

bl v if t the rist of e lue of the roperty as afore

in exe d ti application therefor by mile

i, fiten freed of uch ippricat consideration in till

the exception are in such ransfer as agreed to between the

pit hi put b n timy stated in the aid instrument of

trinfit with the official —

- " " that me for make an or evasion of the hability

 me than tero to ay for under the said Act, in

 respect to limit to me arising from the transfer

 refere."
- (b) facilitating one comment of any income or any more of the acts which have not been or which ought or disclosed by the transferre for the purposes of the indian income for Act, 1922 (11 of 1972) of the cond Act or the Wealth fax Act, 1957 (27 of 1957),
- ther how in pursonic of Section 269C of the said Set I her bound to provide the four the acquisition of the tole to provide by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following provide number of the country.

(1) M's Gupta Curpets International (P) Yid A 112 Stidingurs, Enclave New Delhi

(2) Ms. Crupte Cupes I die a ftd. I. Koust dyn fiel Suryn Miranon Hauz Khas New Delhi

(Transferce)

(1111) 1011

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gratte or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said must able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELL

Rischen Bl. BS & I Kin hill a Pire S. a Mins a Harr Kho. N. Delhi Are 1981, q. ft.

Fr 16 - 8 5 198 Se 1

FORM TINS---

NOTE I UNDER SECTION .69D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUART OF KANGLIII AGG RWAI HOUSE 4 14 A ASAL ALL ROAD NEW DITTH

«V I lhi the /th M iv 1985

1 / th 11 2 84 602 = 4 here is 1 a dat edderfig ? in a notation to horsey under Section 269B of the and A till have reason to believe that the 1 1000 to that the vir preperty, naving a tair marker value exceeding in 1000 to the naving a tair marker value exceeding in 1000 to the line of the l

> to differ the eduction of evaluation of the liability of the transferor to vive the under the said Act, in er he t of any income arising from the transfer,

the first transcendent of any income or any control of the cises which have not been or which of his be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometrix Act. 1922 (11 of 1922) or this Not or the Wealth-tix Act, 1952 (12 of 1932). (((1)57)

o v therefore in pursuance of Section 269C of the said of 1 her by mitiate proceedings for the acquisition of the three aid property by the issue of this notice under subscention 1) for thou 264D of the said Act, to the following of one number

(1) M's Mod Silioa Pir ite I td. B (O Lawrance Read Nev Delhi

(41 th 101)

Surva Mansiere Hauz Klis, New Delhi

(Transi ree)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned

- (a) by and of the aforestid the review of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the tespective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the aid ramov able property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Oficial Girette

I vertication — The terms and exp soon and herein as defined in Chapter NNN i the Suff soot shall have the one or orall is given in that Chapter

THE SCHEDULE

B isoment B 2 - is 4 of 1 \times) and - Park is not identified by W 1 dbit At - 1736 S $^{\circ}$ it

Competent Ambons Inspecting Assistant Commissioner of Inom 133 Acquisit on Ra + III Against Area Against Har

7 11455 Dist Scale

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALT ROAD NLW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. 1AC]Acq -HI]37-FC]8-84]603 —Whereas, I, SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 20, Yusuf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabila, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—81—96GI|85

(1) Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Malcha Marg, New Delhi-110021.

(Transferor)

(2) Mr. Ruma Kumari, B-117 Survodaya Enclaws, New Delhi-110017

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basements Store No. B-4, in Oriental Apartment, Community Centre, Plot No. 20, Yusuf Sarai, N. Delhi, Area 315.26 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox.
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asai Ali Road, New Delhi.

Date : 23-4-1985

FORM ITNS--

(1) Rishi Foojo Euildderys (P) Ltd., 6/4792, Chandni Chouk, Delhi-6.

(Fransleior)

(2) Mrs. Kanchan Gupta,62, Madan Park,New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-III ACGARWAL HOUSE 4]14 A, ASAF ALT ROAD NEW DELHI

New Dolling the 10th May 1985

Ref. No $fAC[\Lambda cq]$ -HI[37 LF[9]84[604.—Whereas, I, SUNH CHOPKA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing

No. 4. 66 N/3. New Rohtak Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the 1.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ III, New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property as aforesaid exceeds the property as a foresaid exceeds t

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and[0]

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pkt No. 4 Mc/zanine Floor, Pal Mohan Bhawan, 66A/3, New Pohtak Road Karol Bagh, New Delhi, Area 270 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4|14A Asaf Ah Road, New Delhi.

Date : 10-5-1985 Seal :

FORM ITHS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

K. Malash Nath & Associates, 1006. Kanchenjunga, 18. Barakhamba Rd.,

(Transferor)

(2) Suasik Woolen Industries (P) Ltd., C-696, New Friends Colony, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4]14 A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ret. No IAC|Acq.-(II|37-Ef.|9-84|605.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000/- and hearing

as the said Act), has reason to believe that the inflavousproperty, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 511, ALPS 2-A, B.C.P. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 511, (Plinth area 551.90 sq. it.) on the 5th floor of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNII. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-5-1985

Scal

FORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri S. P. Sharma, S|o. Gopal Dass, R|o. J-60, Sarojini Nagar, New Delhi-23.

(Transferor)

 Shri Vipin Shaima, Slo. Sh. D. N. Sharma, Rlo. 17l72, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGF-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ret. No. IAC |Acq.-III|37-LE|9-84|606.--Whereas, I, SUN11 CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and beating No. 66A, Block A-2, situate at Paschim Vihai A, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A C ACQ III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hag No. 66 A. Ground Block, A-2, (MIG Flats), Paschim Vihar A, New Delhi. Area 87.23 Sq. Mts.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-4-1985

Scal 2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Ansal Properties & Inds. P. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Manjul Bros. Associates, 24, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJJ AGGARWAL HOUSE 4[14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHT

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|Acq -III|37-E} |9-84|607 --- Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 10.000 and bearing No

R-12, 6 Bhikaji Come Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the L.F. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC, ACQ III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income assain, from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian lacome-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAJ'LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Reception No. R-12 in 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 481 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 22-4-1985

Seal *

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSL 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref No IAC Acq -III 37-FE 9-84 608.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and bearing

No. R-II, situated in 6. Blicking Camer Place New Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the LT. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ.III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portions, namely:—

 Ansal Properties & Inds. (P) Ltd., 115, Ansal Ebawan, 16 K G Marg, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Shir P. A. Thomse.
Sh Patrick Thomse.
R[3], Casear Park Market
C[o] Caymes Estates & Construction (P) Ltd.
New Delhi.

(Transfere)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-11 in 6 Linkaji Cama Place, New Delhi. Area 490 Sq. ft

SUNIL CHOPR A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4114A Asai Ali Road, New Delhi

Date 22-4 1985 Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COUISITION RANGE-HI REGAPWAL HOUSE 194.A ASAF ALFROAD NEW DELHI

New Delbi, the 6th May 1985

Ref. No IAC Acq. III]37-EF[9-84]609.—Wheresa I, SUNII CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and beating

and bearing 52, 5, Kinshulya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the LT. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the LVC ACQ III New Delhi

on September. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any meeons or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kaushalya Educational Trust through Sh Vivek Kapur, Trustee.

(Transferor)

(2) Shri Ajey Jain, SJo. Sh. R. S. Jain, Flat No. 101. Ground Floor, 5. Kawhalya Park, New Felh-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

VXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No S2 (FF) on 2nd floor, admeasuring approx, 400 sq. ft. on the back portion of the Building at 5, Kaushalya Park, Hauz Khas New Delhi-16

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4 [14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

Date : 6-5-1985 Sed :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-4, ASAF ALI ROAD NLW DELHI

New Delhi the 24th April 1985

Ref. No. IAC|Acq -III|9-84|37-FF|610.—Wherens, I, SUNIL CHOPKA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Basement Ärea No. 100, situated at 4. Kaushalya Park, Haur Khas, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC ACQ.III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

 Shir Satish Chandra Jain, K. 41. Hauz Khas, Foclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) M[s. Remasonic Entorprises through Smt. Csha Rani Jain, Sole Proprietor, A-1]62 Anad Apartments, Sti Aurobindo Marg, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sona Apartments, Basement Area No. 100, 4, Kaushalya Park, Haus Khas, New Delhi-16. (Area 900 Sq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant to proissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 24-4-1985

: Israil

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sethi Family Trust, through Joginder Singh Sethi (Trustee) 35:13, Last Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bhatia Sahgal Construction C. Ltd, 48 A, Joh Bagh, New Delhi-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EF|9-84|611.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and hearing

and bearing
No. 310, 22 Rajindia Place situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in Sept, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen rer cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person luterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flut No. 310, on third floor in Padma Tower-II, 22, Rajindra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4[14A Assf Ah Road, New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
82—96GI85

Date: 10-5-85

Soul:

 Shu S. C. Menghani, 17/12, Rajindra Nagar, New Delhi-60.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. S. Sharma, H. No. 80, Sector-A, Subhashnagar, Jammu ()&K).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAI. HOUSE.
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EE|9-84|612.--Whreas I, SUNIL CHOPRA,

beins the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. B-4|203. Safdar-Jung Fuelave, si united at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1901, 43 of 1961 in the Office of the LA.C. ACQ. III, New Delhi in Sept., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferos for the parposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s.—The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House, B-4/203, Safdarjang Enclave, New Delhi, Area 1200 sq. 1t.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5, ifalmil Lamput, New Industrial Complex, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kiver inguiering industries Ltd. 26, Cathedral Road, Madras-86.

(1) Bhasin Sons Private Ltd.,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE III
AGGARWAI HOUSE, ASAF ALI ROAD, NI W DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

New Delhi, the 3rd May 1985

Rcf. No. IAC Acq 111 37-EE 9-84 613, -Whereas 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No 209.9 Bliskaji Cama Piace, Ring Road, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the LT Act, 1961 (45 of 1961) in the Office of the LAC ACQ III, New Delhi in Sept., 1964 for an apparent consideration which is less than the fair niarket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent confideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the considuation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nauce in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 209, Bulding No 9, Bhikaji Caina Place, Ring Road, New Dolhi Area 494 sq. tf.

(b) facilitating the concesiment of any income or any enoncy: of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Agguwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accussition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 3-5-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Surya Enterprises P. Ltd. L-34 Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Mod-Silica (P.) Ltd., B-10, Lawrence Road, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHII

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|9-84|614.—Whereas 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. G-11, 1 Kaushalya Park, situaled at Houz Khas, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ. III, New Delhi on Sept., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degred in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Space No. G-11, on ground floor, 1 Kaushalya Park, Hau/Khas, New Delhi. Area 557 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-3-1985

(1) Paradise Tour Co (1) P. Ltd., C-15, Anand Niketan, New Delhi-21.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAI, HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. 1AC|Acq III|37-EE|9-84|615.—Whereas 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 210, 9, B.C.P. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, 43 of 1961 in the office of the I.A.C. ACQ. III New Oak on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fire reason to the these that the fair market property and I have reason to the the the fair reason to the the the fair reason to the the the second to t

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Kaveri Engineering Industries (P) Ltd., 26, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210, Building No 9, Bhikaji Cama Place, Ring Road, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date , 14-5-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISHTION RANGE IN AGGAR VAL HOUSE,

ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. I $^{\circ}$ C[Acq-III]27-EE[984]616 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00 (0007s and hearing

1.00,000/- and bearing No. R₁749 N. Pajind, 1 filter situated at N. Dellin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of under the 1 f. Act. 1961 (43 of 1961 in the Office of the I A C. ACQ. III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sint Motit Ran Kapoor woo Chand Kapoor, Rpo. R-749, N. Rajinder Nagar, New Delhi.

(fransferor)

(2) Sh. Krishnan Atota, Sh. Vinod Arora, Sh. Sanjay Arora, Sh. Rajiy Arota, Sm. Vidya Wanti Arora, Rpo. 1416-Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputs inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R 749, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ran
Delhi[New Delhi

Date . 14-5-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ret. No IAC|Acq.-III|37-EE|9-84|617 --- Whoreas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have ruson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Space No. 17 at 3, Cama Place situated at New Della

Space No. 17 at 3, Cama Place situated at New Delfa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

on the Office of the I \ C. At \(\circ \) iii, New Delhi on September. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamal Jain, Dota Impox, 73p948, Bash Harphool Singh, Sadac Thana Road, Delhi.

(2) Shri Vijay Grover, (H U.F.) D-211, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-52

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nation on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Car Parking Space No. 17, on ground (Lower) Floor in 3, Ansal Bhawan Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 9-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC Acq-III 37-Ef [9-84|618]—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing

No UG-f, Pahar Ganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the I. F. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ III, New Delhi en September, 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa.d Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Jama Properties (P.) Ltd., Admathshree House, Opp Super Bazar, Connaugh, Cneus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. H. S Gill slo Late S. D. S. Gill, F-29-D, MIG Flat DDA, G-8-Area, Hart Nagar, New Delhi-1100064.

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Govette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-5, Pahar Ganj, No. 1/2/4420 4424, Katra Raiji, New Delhi. Area 144 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III Delhi[New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-5-1985

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IΛC₁Acq-III¹37-HF|9-84|619.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No 705-A, Jaina Tower, Distt Centre, situated at Januk Puri,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the L. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Captain D. V. Singh, 6, Vijay Park, Chaktata Road, Dehradun (U.P.)

(Transferor)

(2) M's. Jama Prop Pvt, 1 td., Admath Shice House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

705-A. Jaina Tower Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi. Aica 300 sq ft

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-83—96GI|85

Date : 1-5-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.---

(1) 5hrt S. K. Godwant Sjo 5h. K. A. Gidwant, (1-9, ND.S.E -H New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jaina Properties (P.) 11d Almathshice House, Opp super Bazar, Con Cirrins, New Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

Objections if any, to the acquisition of the said property min be mad. If writing to the undersigned: --

ACQUISITION RANGE III AGGARWAT HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires labor

New Delhi, the 7th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No IAC Acq-JH]37-EE[9-84[620 --- Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tas A t, 1961 (43 of 1961) (herein filter interred to as the 'said Act') have (cason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 204-B, Hnd floor, Plot No. 3. Dist. Centre, situated at lanak Puri. New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the f. T. Act. 1961 (43 of 1961).

has been transferred under the 1-1. Act, 1901 (87-0) 12011 in the Office of the IA.C. ACQ III, New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated, in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

f PLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 3dd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

204-B. Second Floor Plot No. 3, Distt. Centre, lanak Puri, New Delhi

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of fine sectace
> Acquisition Road 14 Delhi New Delhi

Now, the efore, in pursuance of Section 2690 of the end Act, I hereby initiate proceedings for the a question of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 259D of the said Act to the following persons, namely :---

Date . 7-5-85 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Pal Mohan Construction Co., 6/4792, Chandani Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) M/s. Travel More, 5/67, W.H.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFILE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.HI|37EE|9-84|621 —Whereas, I, SUNII—CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the become tak Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000% and bearing Ho. 201. Pal Mohan House situated at Karol Bagh, New Delhi.

(and more tally described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I. A. C. ACO.HI. haw Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than tificial per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation :-- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in thist Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

· Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 1st Floor, Pal Mohan House, Karol Bagh, New Delhi. Area 378,2 sq. ft.

> SUNII, CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Pare: 26-4-1985

FORM HINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Pal Mohan Construction Co., 6/4792, Chandam Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Sont. Sucht Kaur Dhoigia, 21|56, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.JII|37EE|9-84|622,--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00 - and bearing

No. 202, 5/67, Padam Singh Rd., attuated at Katol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC Acq.III, No. Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument o. transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 1st floor, Pal Mohan House 5167, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 455 Sq. it.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4]14-Λ, Asaf Ali Road New Delbar

Date: 26-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 MIs Pal Mohan Construction Co, 6|4792, Chandam Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Panicker, 604. Gagan Deep, 12, Rajindra Place, New Delhi-110008.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Rel No. IAC|Acq III|37EE|9-84|622A —Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beaung

No. 307, 5/67 Padam Singh Road situated at Katol Bagh, New Delhi-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC Acq III, New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gauette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 307, Second Floor, Pal Mohan House, 5167, Padam Snigh Road, Karol Bagh, New Deliu, Area 250 sq. ft

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 23-4-1985

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANI COMMIS SIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGL-III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALL ROAD NEW DELIII

New Defti, the 7th May 1985

Ret No [At Acq III]371 E 9-84 624 - Whereas, I SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable prep ty having a ran market value exceeding Rs 1,00,000j-

nd Lean, No 504 Fa No 504 Fa tions have, Distl Conde duned a Janua fun-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been true fired under the 1-T Act 1981 (43 or 1961) in the Office of the 1921 (10 or Chiefe in TAC Acc). III New 1921 in September, 1984

for an apparent consideration which it less than the rair man) a value of the aforesaid property and I have reason to befere that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated to the said man refe transfer with the object or -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any meome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Inna Properties (P) Ltd., Aumath Since House, Opp Super Baza Con Cucur, New Delhi

(Transferor)

(2) Shii Rawal Dass Chawla, Slo Late Shir Kulja Rar Chawla C 2/239, Kanak Puri, New Delhi

(Plansfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of to days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 47 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPTIMATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

304 (Third Floor) Jama Tower, Distr Centre Janak Puri, New Delhi, Area 130 sq. ft.

> SUNII CHOPRA Competent A thority Inspecting Asia (in Commissioner of Income ti-Acquisition Ran - III Aggarwal Hou c 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date 7-5-85

FORM IINS-- --(1) Mrs Sita Devi, B-5[140, Saldarjung I nelave,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TIBE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION K MIGH-III AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELH!

New Delhi, the 10th May 1985

Ret. No. IAC|Acq III|371 F19-81|623 -- Whateas, I,

SUNII CHOPRA, being the Compotent Authority under Section 2698 of the Isome-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinsfier referred to as the Said Act., have a son to believe that the immovable and the said Act. property having a far market value exceeding Rs 100,000/and bearing

No. 5818. Tilak Nugar situated at New Delhi,

tand more fully described in the Schedule agreed hereto) is been transferred under the L.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Office of the registering Officer at I.A. C. AC AD, New Dolhi in September, 1934

to) on a recent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolic c that the fair market caline of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mis Motia Rani Kapoor, 5813, Tilak Nagar, New Delhi

Nev Delin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property one he made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

58/8, Tilak Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H1 Aggat Vil 13 6. 4]14A, Asaf Ali Road New Della

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) 1 Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:--

Tite . 10-5-85

(1) M/s Surya Puterprises (P) Ltd., 1-34, Kirt Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shi Ram Kishan Guadian of Maste Rohit Garg, E-31, Green Park, New Delhi.

('Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No IAC|Acq.III|37EE|9-84|627.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA.

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (44 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rq 1,00,000 and bearing

No. M-1, I, Kaushalya Park, Haug Khas situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I. A. C. ACQ.III, New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. M-1, Mczz. floor, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, Area 1325 sff. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, o, the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

SUNIL CHOPR A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4[14A, Asaf Ali Ron I
New Delhit

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-5-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Ram Prakash, N-4C. Saket, New Delhi-17.

(Transferory

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Rita Narula, E7-NDSE Part-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37EE|9-84|628.—Whereas, J, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing

No. UG. 32-B, S Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more ruly described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Namer (Doc. No. 2868/84) in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the part cent of such apparent consideration and that the iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

 facilitating the reduction or evasion of the liability
 the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and /or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

New therefore in pursuance of Section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-84-96GI'85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG, 32-B, S, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area-142 sq.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 23-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE IIIIA, ASAF AIT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ret No IAC|Acq III|37FF|9 84|629 - Whereas, f, SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (at Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immoveble trop its house a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and being the Now Delhi tand being the Now Delhi tand more fully described in the Schedule annexed hereto), his being an first under the LT Act, 1961 (43 of 1961) is the Office of the registering Officer at LA C. ACQ III, So to the interpretation which is less than the fair market value of the after the property and I have reason to believe the time market value of the property as aforesaid sweeds the apparent consideration therefore by more than

for an applient considiration which is less than the fair mulicit value of the after it property and I have reason to believe that the tin market value of the property as aforesaid accepts the apparent con identifien therefor by more than liften to control such appearent onsideration and that the consideration of the unit in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in the pect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) field ding the e-meadment of my moone of any moneys or office assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for me nour 5 of the John Income-tax Act 1922 (11 cf 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(1) I Smt Harbh dan Kaur 2 Mrs Maninder Plans 3, Smt Bronder Kaur 4 Smt His Lap I Cup R-21, Nebu Ca New Delhi

(Franstrior)

(2) 1. Ramm Trust
2. Smt Vaya Samm
3. Shri Anand Samm
4. Kumar Hivoz Sam
24, Lodi Estati
New Delhi-110003.

(franchise)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afore, aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days whichever period expires later;
- (b) by any other person into them the soil imm sable property, within 45 days from the date of the jublication of this notice is the Otheral Gazett.

EXPLANATION .— The terms and expressions used berein as are defined in (b) p NAN of the sud Act hall his eather the meaning of given in that thap or

THE SCHILLING

Flat No. 421 at a 251 St. Let Let St. pt. 21 building rinder construction at No. 6. Bhilling Chapterly, M. 19 hi

Still is (1994)

Computed by house in the first Computed by the first interest of the fi

Date 26 4 198"

Şea.

(1) Saket Properties Pvt. Ltd., C-538, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref No IAC Acq III 37FE 9-84 629A - Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 100 000 /property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No 201 Plot No 21, Yusuf Sarai, Community Centre situated

at New De.51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I T Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I A C ACQ III, New Delhi in September, 1984 for an appoient consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Satish Sood, H-9, N. D. S. E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 201, Area 429 sft app Plot No 21, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi-16

> SUNII CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R in c I'l Agg a wal Hou 4/14A, Asif Ali Real New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scient 269D of the said Act, to the following persing namely

Date 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-di AGGARWAI HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37LF|9-84|629B.--Whereas 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

No A-1/82 situated at Maspid Moth Rasidential Scheme New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I T Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I A C ACQ, HI New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —.

(1) Shiksha Malhan, 3381, Labela Bela Parsuad Bazai Sita Ram Deliu.

(Transferor)

(2) Shir K. D. Verma Postmaster's Residence Sarojini Nagar Post Office, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acq estima of the take pickety may be made in writing to the undersigned. --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette = a period of all this notice the service of notice on the respective persons, whichever period express laser
- (b) by any other person into the in said immer able property, within 15 at from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and explosions used bettern as are defined in Chapter NAA of the said. Act, shall have the me thereing as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. A-1/82, Masjid Met Or the many

Inspecting Assistant formula on the Inspecting Assistant formula on the Inspecting A in the House of the Police of

Date 26 4 1985 Scal .

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

bet No UV Acq III/37FE/9-84,63J. —Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000 and bearing

No. U.C.-12, at 4, Bhikan Cama Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I. A. C. ACQ.III,

New Delhi in September, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Rajdhani Builders,
 13th floor, Atma Ram House,
 Tolstoy Marg,
 New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Master Kanwal Deep Singh, 1|154, Sherawalan Gate, Patiala (Ph.) 147001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-12, at 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 307 sq. ft.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4 14A Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 9-5-1985 Seal: Andrew Control of the second s

FORM ITNS

NOTICE UNDER STC (ION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(I) Fijdhani Builders 13th floor Atma K a Ho is 1 Tolstoy Mus. New Delhi 110001

(Traffice)

(2) Shir Chim n t ii Kill i Shir Ram Praka h Kill ii No 48 Saket, New Delhi

(lian iei .

OFFICE OF THE INSECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HE ACGARWAL PO 1 4 IAA ASAL MI KOAD NI W DELIII

New Delhi the /th M , 1755

Ret No 1 At Yeq 111 > 11 + 51 + 52 = Al 101 1 SUNIL CHOPR V

being the Competent Authorny under Section 209B of the Income hix Act 1901 (4 of 1901) thereindirer referred to as the 'said Act'), have ensured believe that the immovable property having a 1 r mink tiviline eccel by Ro 1000 107 and be tring.

Shop No Ucrother to think got a new under New Delhi

(and more tally describ a in the Schedule annexed hereto) his been tonstered under the control (1911) on the Office of the latter to hear they are ACQ III. New Delhi in sept nib i 114

for an appaient conserve in the less than the fair market value if the decay properly and I have reason to believe that the title of aker of the property as aforesaid exceeds the apparent confidentialien therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been tilly at ite i in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay lax under the said Act. in tespect of any madric k same upon the transfer; and for

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the pureases of the hard income-tax Act 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (2) a 1957)

Objections if any to the requestion or be no property may be made in writing to he a series

- (a) by any of the atoresail resons sitting a pair of of 45 days from the date of rutherator of the of 45 days from the date of juthories of the notice in the Official Go of the period to 30 days from the service of refer to the reservice. poetive persons which ver period expires later.
- (b) by any other person interested in the account of property within 45 dies from the date in the publication of this notice in the (ii) iil Girette

Explanation -The terms and expression in the asset are defined in Chanter ThA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No La Oth R Call 4, Bh I i Net 2/3 sq ft

L^v llm

Campoteni Aithrite Insteeding Assiting that one it I

Now, therefore in parameter of occion 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue it has nonce under subsection (1) of School 211) the set to the following persons namely -

10

Se il

NOTE: (FILE SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COM HISTORIE OF INCOME LAZ

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE 4]144 ASAL ALI ROAD NEW DELHI

14 Dolbi th 24th April 1985

Ref. No. 1 ΔC_1 ΔC_2 $\Omega H^{37}L1$ 19 S 1632 — Where C_1 ΩPRA ,

setting the Computent Authority under Section 269B of the Income tax Mr. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a set of Actional reason to believe that the immovable opertous in a set of model where exceeding Rs. 1,00,000 and the set of the second results of

the final state of the property of the propert

if it is the factor than the fair that it is the factor of the property and I have reason to the interest of the property as aforesaid the factor of the factor of the factor of the factor of the property as aforesaid that the condition to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) inclinating the reduction or evasion of the hability of the it in level to pay tax under the said Act, in the said of any accome arising from the transfer;

(h) finds the the conceilment of any income or any the first which have not been or which about to be disclosed by the transferee for the first ore of the Indian Income-tax Act, 1922 till of (10%) or the said Act, or the Wealth-tax 50 tills (27 or 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ifor (1) propert by the issue of this notice under subjection (1) it Section 769D of the said Act to the following persons namely:

(1) Sm! Viri Bila kayon ort Mr. Midhi Free o RSO Indequir N. W. Dellick

(liansferor)

(2) Snit Gulshan Khuran (W (Shi) R L Khuran (, 17/89, Rajouri Guiden New Delhi

(Transferee)

Objection, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said irimovable property, within 45 days from the date of the publication of the nation in the Official Gazette.

Explanation The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the name meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 510 A. on 5th their in 9. Bhikaji Cimi Place, New Delhi (360 Sq. ft.)

SUNIT CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acoustin a Range III
Again I House
4/11A Asia Ala Road
New Delhi

Date 24-4 1985 **Se**al

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DETIL

New Delhi, the 30th April 1985.

Ref. No. IAC Acq. III 37EF 9-84 633. -- Whereas, I, SUNII CHOPRA,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. No. 203, 5/67 Padam Singh Road, situated at Kirol Bagh,

New Delhi.

tand more fully described in the Scheduled anneved hereto), has been transfered under the 1 T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at 1 A.C. ACO III, New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mullet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

(f) Ms. Pal. Mohan Construct Schools 6 4792 Chandar Chis. ! Delhi-110005

(2) Indo German Az zuhurn von in Fibraria Wort Near Chand Citienta G. T. Road, Ludhima-141005

1 - 11 - 1

Objections, if any, to the acquisition of the action of may be made to writing to the undershared ...

- (a) by any of the aforesail prion within a period of 45 days from the dide of our hoution of this notice in the Official Gazette or any mod of 10 Lws from the service of notice on the respect to 1115 2013, whichever period explicit later
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the six of the publication of this neace in the telephone inside.

EXPLANATION: The Jerms and expressions in I have are defined in Chapter XXA of through A t shall have the rame incaming is him in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203. Ist Floot, I'd Mohita 1) a , I'm midan Singh Road, Karol Bagh, New Dolla (b) 2, 350 , 1 Sup. area).

> Compete (1) And the Inspecting Assistant Connect

Date: 30-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC|Acq.HI|37EE|9-84|634 --- Whereas, 1. UNII. CHOPRA.

eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding to 1.00,000/- and bearing

to, C-12-A situated at 1, Rajendra Place, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at 1. A. C. ACQ.III New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
85—96GI|85

(1) M/s Neha Deep Constructions, 1. Rajendra Place, New Delhi-110008.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Jain Clo Mls Sukhdev Raj & Co., Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Air Conditioned Space No. C-12 A, on ground floor in the building under construction at 1, Rajendra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Home
4 [14A Asif Ali Road
New Delhi

Date: 23-4-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Bimla Batra, 16|44, Bajınder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Kumari Parti B-2[84, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC [Acq.III]37EE[9-84]855.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12. Stutes Building 2652-53, Bank Street, situated at New

Delhi

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the T.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in September. 1984

for an apparent consideration which is less than the fine market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 12, Stutee Building 2652-53, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi-5.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE]9-84]878.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 10, Stutee Building 2652-53, Bank street, situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-II, New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

 Smt, Krishna Schgal, B-5, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi

(2) M|s. Vijay Gupta & Co. C-64A, Shivaji Park, P.O. Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 10, Stutce Building 2652-53, Baak Street, Karol Bagh, New Delhi-5.

SUNIL EHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4 14.1 Asat Alı Road, New Delhi.

Date: 14-5-1985

Scal:

FORM ITNS ----

 M|s Kailash Nath & Associates, 1006, kanchenjunga, 18 Barakhamba Rd., New Delbi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii H. L. Sud H.U.P., W-26, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi, the 14th May 1985

Ref No. IAC|Acq.HI|37-EE|9-84|625.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. 309, 2-A Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi and more fully described in the schedule approved hereto

No. 309, 2-A Brikaji Cama Place, situated at New Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office flat No. 309, admeasuring 345 sft. on 3rd floor of proposed multi-storeyed commercial complex ALPS at 2-A Bhikaji Cama District Centre, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Alı Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

FORM ITNS-

(1) Lan Hal Constitution Co.

(Fransferor)

(2) Caitan Angelo Seguina

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL IV, ROMBAY

Bonibay, the 14th May 1983

Ref. No. ARIV[37]-E[12311]84-85 —Whereas I, A.P.R. \SAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

No. Flat No. 4, first floor, Fany Apartment, C1S No. 1010 Eksar Village, Holy Cross Rd. Borish (W). Bombar 103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of Officer at Joint Sub-Registrat-II, Rainnanhapuram (Document at Bombay on 1.9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parsies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Fust floor Fany Apartment, CTS No. 1010 I ksat Village 1 C. Colony, Holy X Road, Borryli (W), Bombay-103 The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV 12311 84-85 on 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

(1) Lair Fast Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Helen Vaz

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|12399|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

No Flat No. 3, 2nd floor, Fairy Apartment, Plot No. 1, C.T.S. 1010, Holy Cross Rd, I.C. Colony, Eksar Vallage, Borivli, Bombay-103

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the late market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of temperary with the whilest of of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 2nd floor, Fairy Apartment, Plot No. 1, CTS 1010 Holy Cross Road, LC. Colony, Eksar Village, Borryli Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AS-IV|12399|84-85 on 1-9-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-5-1985

Scal:

(1) Fairt Fact Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Accas F, Correa

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref. No. $\Delta RIV[37\text{-}EE]12459[84.85]$ —Whereas, 1. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No Flat No. 1, 3rd floor, Plot No. 1, CTS No. 1919 Eksar Village, 1C. Colony, Holy Cross Rd, Bontoli, Bombay-103

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocraons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor, Pairy Apartment, Plot No. 1, CTS No. 1010 Eksar Village, I.C. Colony, Holy Cross Rd, I.C. Colony, Bonvli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV[12459]84-85 on1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, Bombay

Date : 14-5-1985

(1) Fair Fast Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agnelo Pinto

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|12400-D|84-85.--Whereas, I, A.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 3, first floor, Fairy Apartment, C.R.S. No. 1010, Eksar Village, I.C. Colony, Holy Cross Rd. Borivli, Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, flist floor, Fairy Apartment, C.T.S. No. 1010, Eksar village, I.C. Colony, Holy X Road, Borivli, Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 12400-D 84-85 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition IV, Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985

(1) Mrs. Nita Cheton Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima H. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|20339|84-85.-Whereas, , A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office bearing No. 33, plot No. CTS No. 348, Laxminarayan Shopiping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office bearing No. 33, plot bearing CTS No. 348 P. 5A Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-97. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37-E|20339|84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

86-96GI 85

Date: 15-5-1985

FORM NO. ITNS-

(1) Mrs. Beatrice Paul Rodricks & others

(Transferor)

(2) Rodricks Apt Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bembay he 10th May 1985

Ref. No. AR III|37-6|2525|83-84 —Whereas, I, A. PR 4 S 4 D.

PRASID.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable moperty, being a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No
No Yand bearing No
No Yand bearing 2 No 30 II No 4(P) S. No 30 H. No.
10, S. No 30 II. 110, 9 (rt) and CTS Nos 448, 448[1, 448]2, 482 2 70 of vings Volnai, Malad Bombay (1d more filly described in the Schedule annexed hereto).
This been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Committent Authority

at Bombov on 10-9-1984

at Bombay on 10-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
my test alter of he aforesaid property, and I have reason
to bit that the fair market value of the
property as
aforesaid exists, the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the confideration for such transfer as agreed to
between the ourties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of the confideration. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any minals or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the pure ses of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landbearing S. No. 30 H. No. 4(pt). S. No. 30 H. No. 10, S No. 30 H No. 9(pt) & CTS No. 448, 448|1, 448|2, 448|3 & 458 of Village Valani, Mlad (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HI]37EE|S.48|84 dated

Authority, Bombay 10-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the said Art. The aby in time proceedings for the acquisition of the at most inprocess by the issue of this notice under substitum (1) of Section 269D of the said Act to the following 71 sons, namely:-

Date: 10-5-1985

ernang gelekskammentelegskelte Franc attelekskeur om av om kans at de en en stand attelekskeur om av om kans a Bartistelskammentelskeur optick standag til har av en franç at de en en franç atteleks av en

PART III-SEC. 11

FORM ITNS

(1) V. B. Savant & Others

(Transferor)

(2) Mr. G. S. Saigal & Others

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|2520A|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Village Pahadi, City Survey No. 59|3 & 4 & 7017, S. No. 3

Pahadi, Goregaon (E), Bombay

(and more tuily described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Village-Pahadi, City survey No. 69|3 & 4 & 7017, S. No. 3 Pahadi, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-III|37EE|S.3474|81 dated 26-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-

(1) Shi P. N. Chakraborty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ronel Co-op. Housing Sct. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,-III|37-G|2520|84.-

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Sub Plot No. 11 of Sector B in R. Village, Survey No. 49, (P) and 50(p), Chembur, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), the Registering Officer, at Bombay on 18-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the feir miles that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the their milest and the transfer and the same that the their market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the time that the same relations are the same that the same reason to be the same that the same relations are the same reason to be same that the same reason to be same reaso

and/or

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. S.745 79 dated 18-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

Scal :

FORM ITNS----(1) Smit, Champagen R. Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sint. Talaben V. Patel & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-LAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,-III|37G|2517|83-84.--

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and

Land C1 Survey No. 133, Mamlatadar Wadi, 1st X-Lane, Mulad (W) with structure known as Gopal Bhawsu No. 14-2

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is regis ered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the afore nd persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service or notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any either person interested in the said immovable property, eithin the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein wa are demond in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. 1718/82 dated 5-9-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

FORM 1.7.14.5.———— (1) Smr 5. S. Barvo.

(Transferor)

(2) Amer Co-op. Hsg. Sct.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE () الادن) لمديد بالمالا درا المالا المالا

POAFIL * HALL * 1 OFFICE OF THE TWO FOREST AND STAINS

ACQUISITION RANGE-III ROWRVZ

Bombay, the 10th May 1985

Ref.N o. AR.III37G|2528|84.—being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearin No. Plot No. 53, of S. No. 184 & 169 Kanjur, Bomoay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such against consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any to the acqui ition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cases from the crivice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any also person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the implicated of the rotter in the Official Gazette.

FREEMBRIED::—The came and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said. Ass, shall have the mane meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Authority, Bombas under No. AR.-III 37-EE 1031 83 dated 14-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

FORM HINS

(1) Sua ikerl har M. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (33 GF 1961)

(2) The Redium Co-op, Dairy Set, Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTI G ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISHION RANG: III

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-MI[37-G]2571[84-85.— Whereas, I. A. PRASAD bring the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t., 1961 (43 of 1961) (horomatter referred to as the Said Act), have reason to bill se that the nam varie property having fair market value expecting Rs. 1,0000/-

stables and traceuses to be considered in lease-cheld Sorro 112 If the 2(p) of the 15 leptoclasses Paha". The a Borrelt Dock Sorrollar structed at Bombiy

(and more fully described in the Schedule smexed hardo), that he is a second could the country to the first of the first of the country of the first of the country of the Registering Officer at Bombay on 1-11 1984 for an apparent confidential market value of the aforesaid property and I have reason to be leve that the fair market value of the apparent country of the property as foresaid property as foresaid.

exceeds the apparent consideration therefor by nine than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as anged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nettee on the respective persons which very period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter NXA of the said A.f. sh II have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The amend has been regitered by the Registering Officer Bombay under No. S-4657/74 dated 7-11-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under obsection (1) of Section 269D of the sold Act to the following persons, namely :-

Date : 10-5-1985 Seal :

----FORM ITNS

- (1) Mr. S. T. Sakpal & Oths.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (4, OF 1961)

_ =-

(2) Rajlaxmi Co-op-Hsg. Soc. Ltd.

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTROM PANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Whereas, I. A. PRASAD, oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereitable) effected to as the Said Act), have maken to believe that the immovable

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable & property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

property, having a fair mut of value or coding Rs. 1,00,000/and bearing No. C.T.S. No. 665 P. hadi Griegien, Isotebay,

Ref No AR -[U]37G[2524]83-84.--

situated at Bomb. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trained colored the ease to the regetered under the Registeration Action (16 of 1908) in the office of the Registering Chicagoat

Bornway on 26 9 3-1 4

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market a line of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer a egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evaluation of the habitery of the tran feror to no the moder the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 665, Pahadi, Gorcgaon Bombay The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-III₁37-EF₁S.2821_[81]. Dated 26-9-1984.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the end Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 2600 of the said Act. I, hereby initi the more large for the magnification of the aforesaid property by the time of this notice under sub-section (1) of Section 26 D of the said Act, to the following persons namely :---

A. PRAS\D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-III Bombay 7

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) Indumati A Mohani

(Transferor)

(2) Mls Sadhana Builders

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR-111/37-G/2521/84-85,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land with huts CTS No 297, LBS, Marg, Kurla(W),

Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tran freed and the appreciant is registered under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay 0015-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or who hought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Morecaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons namely ---87--96OT|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer under \$171/83 duted 15 10 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 10-5-1985

Scal:

TORM ITNS----

-_ ------

(1) I now A Drimad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME 1AN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pun la & Chied

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE JII ROMPAA

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR IIII37 IF 20122 — Where is, I, A PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the individue property, having a fail printed value exceeding Re 1,00 0 001-111 bearing No Flat No 5 find filler in 1 Mineron to op Hsg Soct Of L. B.S. Marg. New Black in Wild Kurla(W). Pombri 70 sturted at Bombry (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfaced and the americant is remotered and in the Registeration of 10s (10 of 1905) in the office of the Registering (1) con at

Bomb i in 19194

for an apparent condendron unch is less than the fair notice value of the flor and proporty and I have mason to believe that the flor in H 1 all of the proporty as aforestad exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen present of a hopping transfer to not the consideration and that the consideration of such transfer as a receil to between the posterior has been approximately the such transfer as a receil to between the parties has not been truly taied in the ead astrument of transfer with the object of

Objects if in to the equal need the aid property much need normal tark is ned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publuation of this notice to the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX1 of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to naw tax under the said Act in respect of any income aroung from the transfer, andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957). Flit No. 5 In till Hereina Minion Co. op. Hsg. Sct. 1 to. 1 B.5. Mir. Neur Bhalcku, Wadi. Behind Kalpana theitre Kinla (W). Boml iv 70. The igreement has been registered by the Competent with mix. B. neur teles send No. AR III 37 Eb. 20422.

cn 1 9 1954

A PRASAD Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Intometax Acquisition R. ver III Pomb is

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2000 of the 1211 Act to the following persons namely -

17ate 10 = 1985

S 71

(1) Mis Neelant Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ashib Housing & Const. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bet. No. AE.SH|37-EE|20376|84-85.-Whereas, I, A. PRÁSAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and become Blain, No. Flat No. 1, Shanti Park, Garodia Plat No. 301, B-Wing Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghackopar (E); Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent constitution which is less than the tour market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obligator. transfer with the object of :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. stiall have the same meaning as given in that inapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flot No. 301, E-Wing Eldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Plagar. Chalkopar (E), Lombay.
The agreement has been registered by the Competent Androidy, Rondray vide serial No. AR.-III 37-EE 20376 \$1-84 dated 1.9 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

Scal -

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Saftar A. Parkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.-III/37-I L/13686/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 406, 4th Floor, Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, Vidya-

nagri Marg, CST Road, Kurla, Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagat, Vidvanagii Marg, CSI Rd Kurla, Rombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-FE/13686 83-84 dated 1-4-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Astr Comissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-111/37-FF/20482/84-85 \rightarrow Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 (10), and beginn

Rs 1,00 000]- and bearing Flat No. 209, 2nd fl Bldg No. 6, Kapadia Nagar, Vidyanogan Marg CSI Rd. Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the affice of the Competent Authority at Bombay on 1|9|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, gamely:—

(!) M. S. Deepak Builders Pvl. Ltd.

(Transferor)

(2) Mohd Aris Habibulla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.-III 37-FE 20482 83-84 dated 1.9 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date · 10-5-1985 Seal ·

(1) Mls Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smit. Neffea H. Udapurwala & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1955

Rel. No AR -111/37-PY 120481/84-85.-Whereas, L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,0001- and bearing

That is the first Bide No. 18, Karadin Nagar, Vidyanaga is a second of the Rombay-70, (and see on a cribed in the Schedule annexed hereto),

has to an interest and and the action in a presence of the Sec. All of the factoring. Act in the other of the Complete Authority at Bombay on 1-9 15, 4

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to I all a that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than times, per cent of such apparent consideration and that the exceed the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Willor.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (21 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- the said immov-(h) by any person interested in able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hot No. 403, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, Vidyanagari Marg. CSI Road, Kurla, Bombay-70, The agreement has been registered by the Composent Authority, Lombay vide serial No. AR.-III/37-EF/20481 83 84 dated 1-9-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Date: 10-5-1983

(I) Eurosun frost.

(Transferox)

(2) Mrs. Meenakshi Natrajan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th May 1985

Ref. No AR III 37 LE 20451 84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD.

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R 1.00.000/- and bearing Flat No. 3 (a) Abusbek C.H.S. Ltd. C. midia Nagar, Chothere (E). Borbey 77.

kopai(F), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is revisited under Sec. 269 AB of the Income to Act, in the office of the Competent Authority at Pombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclused by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tlat No. 3, Lii Abishek C.H.S. Ltd. 111. Garodia Nagar. Ghaff oper(E). Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR. III 27-EF 20451 83-84

A. PRASAD Compeatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

trow, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 10-1-1985

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Sonba Haribhau Navhane & Ors.

(Transferor)

(2) Smt.D. J. Bhagwan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ΛR -III[37FF]20429.—Whereas, I, Λ PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Shop at Sumeshwar Premises Co-op. Soct. Ltd. Gardet

No. Shop at Someshwar Premises Co-op. Soct. Ltd. Garden Lanc. Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Pombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties but not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the owncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Someshwar Premises C.H.S. Ltd. Garden Lane Ghatkopar,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. 20429 AR-III]37EE] 20429 on 1-9-1984,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.———

(1) M|s Rao & Associates

(Transferor)

(2) Miss Sandra Momeiro & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]20504[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Shop No. 12, Gujanan N. Wor (New.), Vakola Village Road, Kadamwadi, Santacruz(F), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tay. Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet en the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to now but under the said A = m respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1912 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (I) of Section 260D of the said Act, to the follow ing persons, namely --

88---96GII85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 42 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gajanan N'was (New) Vakolo Village Road Kadamwadi, Santacruz(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III 37 EE 20504 83-84 dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Au hor ty Inspecting Assistant Commissions of Incom stax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-5-1985

FORM IINS---

(1) M|s Sheth Enterprises

(Transleror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. R. Dalvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III|37EE|20514.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.

Flat in B dg B and a, Flat No. 36, 3rd floor Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

(and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurpose of the Indian Income- ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, Bhagirathi Villa, 3rd floor, Amrutnagar Ghat-kopar, Bombo -86.

The agreement has been registered by the Compet at Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37-EE|20514 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax
Acquisition Reportuli
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 10-5-1985

FORM ITNS--

(1) Chittaranjan Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Rajeshkumar Puri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LII BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|20500|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing Fiat No. 3, 4th moor, Village Road, Tirandaz, Powai, Bombay

(and for runy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 1-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as adoresaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay the united the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the somecalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th fl. Village Road, Tiranda Powai, Bombay. The agreement has been registered with the Compount Author My. Bombay vide serial No. AR. III|37-EE|20500, 83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom stax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

Seal:

4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-HI ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Rcf. No. AR-III|37EE|20483.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,60,000|-and bearing

Unit No. B-150, fir. fl. 'B' Block, Ghatkopar Indl. Estate. I.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 20-2 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Srinivasan Lakshrot.

(Transferor)

(2) Mis Charan Textiles.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Indl. Uunit No. B-150, First Floor 'B' Block Bldg, Ghat-kopar Indl. Estate, L.E.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III 37-FE 20483 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionar of Incom-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

- (1) Mls Rao & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lourdes Alphonso

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Reffl. No. AR.III 37.EE 13317 84-85 .- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to helieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 15, A-Wing New Gujanan Niwas, Kadamwadi, Vako'a Village Road, Santacruz E), Bombw-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax. Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-, d 3100

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacouse or i moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the european of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versous namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, A-Wing, New Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz(E), Bombay-55,
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13317|84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competen Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax Acquisition Panga-III Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Smt. J. H. Thakar

(Transferor)

(2) Shri J. J. Seth.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AUT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 13239 84-85.—Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to we the 'said Act), have reason to believe that the 100movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No. 3, 'Daksha' Bldg. Vallabhabaug Laue Extn. Garod'a Nagar, Ghatkopar(E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Sec. 269AB of the I come-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome aroung from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of fection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter. 1 ,

THE SCHEDULE

Flat No. 3, "Daksha" Bldg., Vallababaug Lane Extn., Garodia Nagar, Gharkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent athority, Combay vide serial No. AR.III 37.EE 13239 83-84 Authori'v. dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Compeatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of In om -ax Acquisition Ranga-III Bombay

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM I.I.N.S.———

(1) Smt. Bina B. Ramchandani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. S. D. Panthaki & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.EE 13247|84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authori y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 4, 5th fl. Bldg, 'C' Wing-3, Damodar park,

Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by show than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ender the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indual income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the late of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Acs, shaft have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th fl. Bldg. 'C' Wing-3, Damodar Park Ghat-kopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR, III 37EE 13247 83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD

Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tox
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Dr. Dipak A. Davi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(1) M s R. M. Enterprises

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III 37FF 13199.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

No. Shop No. 5, Gr Fl. in Mahavir Mahal, Plot No. 130 Garodia Nagar, Ghakopar, Bombay-77.

[and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:-

(a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- in the Official Gracette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill the the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Mahavir Mahal, Plot No. 130, Garodia

Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent by bay under serial No. AR-III|37-EE|13199 on dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Autho ity Inspecting Assistant Commission In om -tax Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Chandramani K. Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. K. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III 37FF 13211.—Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing of No. Flat No. 1, Gr. Fl. Parnakutir, Plot No. 199, R. B. Mehta Road, Ghatkopai (F), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Sec 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the or an apparent consideration which is less than his rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl. Painakutr, Plot No. 199, R. B. Mehta

Road Ghatkopar(F), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37-FE/13211 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Compeatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5 1985

Seal:

89-9601/85

FORM ITNS

(1) Chittranjan Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh U. Honavar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/13175/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

heing the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing
No. 1-lat No. 1, East Side Bhavani Towers, Powai Bombay-76 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Compotent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, East Side, Bhavani Towers, Powai Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37-EE/13175/83-84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III > Bombay

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Shri Chittaranjan Sharma

(Transferor)

(2) Mrs. Seedha S. Honavar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37EE 13174 84-85.—Whereas. 1. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, Bhavani Towers Powai, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereta)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Incompetat Act. 1961 in the officer of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; عم/أحد

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. Bhavani Towers, Powai, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.JII|37EE|13174|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIJ. Bombay

Date : 10-5-1985

Seal

(1) Mls Neelam Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vasanti B. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13173|84-85.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 502, 5th fl. B Wing Bldg. No. 1, Santi Park. Garodia Nagar. Ghatkopar (E). Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by many other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flot No. 502, 5th fl. B-Wing Bldg. No. 1, of Shanti Park,

Garodia Nagar Ghatkopar(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/13173/83-84 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

(1) M|s Neelam Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii H. R. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Res. No. ARJII 37EE 13172 84-85.—Whereas, I. A. J'RASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 143 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 501, 'B' Wing Bldg. No. I, Shanti Park, cituated at Garodia Nagar, Chatkopai (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computative Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 501, R-Wing Bldg. No. 1, Shanti Park Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE]13172|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 10-5-1985

Seal .

(1) Shri Sanwalram R. Kabara

(Transferor)

(2) Shri K. J. Kamdar & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.IIJ|37EE|13167|84-85.—Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 24, situated at Kailash Park, 'A', L.B.S. Marg, Ghat-

kobar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ar

1 lat No. 24, Kailash Park 'A' L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13167|83-84 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM ITNS---

(1) Shri L. S. Jethwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Bhakshi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-JIII, BOMBAY

Rombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.IΠ|37EE|13661|84-85.—Whereas, f, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 35, situated at Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar

(E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar(E),

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE]13661]83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM ITNS----

(1) Mls Neelam Developers

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas L. Bodana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13639|84-85.—Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. 202, 2nd floor, A Wing Bldg. No. 2 Santi Park, situated at Garodia Nagar, Ghatkopar (E). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed here(o) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

202, 2nd fl. Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Navar Ghatkopar(F), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37FE]13639[83-84 dited 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 10-5-1985

Scal :

(1) Chandrakant D. Thakkar

(Transferor)

(2) Madhuben K. Padia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJII|37EE|13637|84-85 -- Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fur mulet value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing No Plot No 110, situated at Garodia Nagar Gherbona, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the raison to believe that the fair market value of the property as aforement exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Art, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following. versons, namely :--

90-- 96GI]85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the by my other person interested in the said immov-publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, New Abhilasha Cooperative Society Ltd., Plot No. 110, Garodia Nagar, Ghotkopar(F). Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJJI 37EE 13637 83-84 didea 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

ป็Ωล⁺ย 10-5-1985 Seal

FORM ITNS----

(1) Mrs. Anhani Y. Sunki

(Transferor)

(2) Shri M. M. Shrimanlar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IN PERTURG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-UI,

BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Rel. No. AR.III|37FE|13584|84-85 -- Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reperred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No 9, Ground floot, Usha Sadan, Plot No 135 situated

at Garodia Nagar, Ghatkor ii, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-9-1984

Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the paparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely. ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The taums and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ground fl. Usha Sadan, Plot No. 135, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37FE/13584/83-84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspe one Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date . 10-5-1985 Seal:

(1) Mr. Peter Jacky Cardoz.

(Transferor)

(2) Mr. Simon Max Fernandes

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Pcf. No. AR III 37EE 13579 84-85 -- Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No.

Plac No C/39, 3rd floor, Pead Heaven Co-op also bey. Ltd.

Vikhroli Village(+), Bombay-79

situated it Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred nd the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by menthat fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be duclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesant property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No C|39, 31d Toot, in Pearl Heaven Co-op, Hsg. Scy. Itd., Vikhioli Village (F), Bombay-79.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under sorial No. AR-III/37-EE/13579 dated 1-9-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date 10 5-1985 Seal:

FORM ITNS---

(1) Mr. Rajkumar Sachdev & Ors.

(Transferor)

(2) Saloha Begum Shaith Abdul Majid.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.1II|37EE|13553|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 208, 2nd floor, Bldg., No. 5, situated at Kapadia Nagar CST Rd. Kurla (West), Bombay-70 Flat No. 301-3rd Floor at Crescent-A-Bldg. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed bareto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever peried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 208, 2nd fl. Bldg. No. 5, Kapadia Nagar CST Rd. Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37FE|13553|83-84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 10-5-1985 Seal:

FORM ITNS---

(1) Shri Man Moban Singh Talwar

(Transferor)

(2) Shri Abid Hussain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX . ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FF|13684|84-85.—Whereas. J. A. ΓRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000]- and bearing Flat No. 004. Gr. Pl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST Rd. Vidyanagari Marg, Kurla West, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been manufactured and the agreement is registered under Sceniou 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 004, Gr. Fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST Rd Vidyanagari Marg, Kurla West, Bombay-70, The agreement has been registered with the Competent Anthority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE]13684[83-84 dated 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS———

(1) M|s Deepak Builders P. Ltd.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Abdul Wahab Mohammad Parkar (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given

Bombay, the 10th May 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

FAPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter

Ref. No. AR.III]37EE[13552]84-85.--Whereas, I. A. FRASAD,

Flat No. 212, 2nd fl. Bldg. No 6, Kapadia Navar, Vidya Ivagii Marg, C.S.T. Rd. Kurla, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

and bearing

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: imf/or

THE SCHEDULE

Flat No. 212, 2nd fl Bldg, No 6, Kapadia Nagar, Vidya Mari Marg. C.S.T. Rd. Kurla, Bombay-70,
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bo bay vide serial No. AR.III/37FF/13552/83-84 dated 1-9-1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri S. M., Mukhia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shei M. H. Haji Suleman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III[37EE|13503]84-85.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Fiat No 205, Bhia No 13 Kapadi Nagar CST. Pool, Kurla, West, Bombov-70.

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the autrement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Bldg. No. 13, Kapadia Nagar, C.S.T. Road Kurla, West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII/37EE/13503/83-84 dated 1-9-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HJ, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under sub-acction, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 10-5-1985

Seal 1

FORM ITNS (1) Mis. Gold

(1) M/s. Golden Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EF]13447[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income 404, Act, 1961 (43 of 1961) (beginning referred to at the baid Act), have reason to believe that the immovable presents having a fair market value exceeding Rs.

exceeding R. 1.00,000|- and bearing Show No. 5, Ground Floor, C.T.S. No. 5653(P) Kole Kalyan, Kalina Santaeruz (F), Bombay-55.

Kalina Santaeruz (F), Bombay-55, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market the of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Sharad Vaman Barve.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground Floor, C.T.S. No. 5653(P) Kole Kalyan, Kalina, Santaciue (E), Bembay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII 37EE 13447 83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mis. Parul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neela A. Dabir & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13429|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 1. Wing-F. Bldg. No. 6. Dimodal Park, L.B.S Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Au-hority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period et 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Wing-F. Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE]13429[83-84] dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely bersons namely bersons

91---96GI|85

Date: 10-5-1985

Scal ·

(1) M|s. Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. A. V. Dabir & Mrs. N. A. Dabir.

whichever period expires later:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III $BOMB\Lambda Y$

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III]37EE[13428[84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, D-Wing, Bldg No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-try Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, D-Wing, Bldg No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/13428/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Mrs. Juliana Tauro

(Transferor)

(2) Mr. Nizam Khan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJII[37EL]13423-A]84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing 1-lai No. 102, Bldg. No. 4, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla West, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. No. 9, Kapadja Nagar, C.S.T. Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13423-A|83-84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Niron V. Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lourdina Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37EE 13349 84-85. Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 2, 6th Floor, A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

situated at

(and more fully asseribed in the Scheduled annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1901, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

ar Bolhoay on 1-2-1264 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 6th Floor, A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE|13349|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Manish Cropn

(Transferor)

(2) Shri Y M. Margoob Ali Sayed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombai, the 10th May 1985

Ref. No. AR III|37EE|13434|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

and bearing No Shop No 21. Floor Hazari Baug, Hariali Village, In of Station Rd. and LBS Marg, Vikhioli (E), Bombay-83

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred and the agreement is regreted under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/era
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the problecation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shor No 21, Gr Floor Hazarı Baug, Harialı Village In of Station Rd and LBS Marg, Vikhroli (E), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|13434|84-85 dated 1-9-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting A. 51 tant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inutiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Shri. J. M. Sayagavkar

(Transferor)

(2) Smt. B. H. Bhayani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13319|84-85.--Wheeras, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Es. 100 (000), and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. B-22, alongwith terrace, 6th Floor Ratan Palace Co? op. Hsg. Soct. Ltd. Plot No. 156 Garodia Nagar Ghatkopar (E) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bomoay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as particular than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-22, alongwith terrace, 6th Floor Ratan Palace Co-op. Hsg. Soct Ltd. Plot No. 186. Garodia Nagar Ghat-kopar (1) Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE]13319[83-84 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Ms. Deepak Builders Jvl. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mrs. Juliana Tauro.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. ARJJI[37EE]13315]84-85.--Whereas, I. PRASAD.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 102, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Nucle West Bambas 10.

Kurla West, Bombay-70.

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of: (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION :-are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 102, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13315|83-84 dated 1-9-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Urmila D. Parikh.

(Transferor)

(2) Hemangini M. Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III $BOMB \land Y$

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III||37FE|13311|84-85 -- Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. C-73, Anjali Kuan C.H.S. Ltd., Bombay-55

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), nas been transferred and the agreement is represed under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any anners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-73, Anjah Kiran C H.S. Ltd., Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.HI|37E1 13311|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Computent Authority Inspecting Astt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely in

Date: 10-5-1985

THE PARTY OF THE P

FORM ITNS-

(1) Mls. Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Miss Kanthi Panchapakesan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE 14SPECTING ASSISTANT COMMISSIONLE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMD AY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR III 37LF 13249 84 85 -- Wheeras, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.

Flat No 4 A Wine Bldg, No 3 Damodar Park, LBS Morg, Chatkor r (W), Bombay. situated of

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trusted and the contract of the free free free of Section 269 AB of the Incomplete At 1961 in the office of the Compress A about at Bomory on 1-9 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liat-hty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

, facilitizing the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1923) or the said Act or the Weelth tent Act. 1957 (27 of 1957);

Now it refor in parsuance of Section 269C of the said Art I hereby it take promedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---92-96 GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the zervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 4, A-Wing Bldg No 3, 'Damodar Park' LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombey vide serial No AR, III 37 FF 13249 83-84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bomba /

Date: 10-5-1985

Seal #

(1) Mis. Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. K. R. Navak & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 2000 (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13523|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 4-C, Bldg, B. No. 2, 2nd floor. Damodar Park, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the percement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perm whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

4-C, Bldg. R. No. 2, 2nd floor Damodar Park, LBS Marg Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13523 83-84 dated 1-9-1984.

> A, PRASAI Competent Authorit; Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range, Bangalon

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

Date: 9-4-1985.

FORM ITNS----

(1) Smt. S. S. Patkar,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Prabhakaran.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13645|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herdinater referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 32, M/Arundhati C.H.S. Ltd. Swastik Park, Sion Trombay Road, Bombay, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period satelines later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquidition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Flat No. 32, M/Arundhati C.H.S. Ltd. Swastik Park, Sion Trombay Road, Chembur Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/13645/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNE-

(1) Mr Amarpal Sawhney & Ors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mt Harish Chandra & Mis Premlata Chaudra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ALQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No IV | 37FL | 13606 | 84-85 - Whereas, I, A PRASID

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac', 1961 (13 of 1961), (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding E-7/15, this imman (135 tild Bangui Nagar, M. G. Road, Gorgaco (W.) Banking (15 tild Bangui Nagar, M.)

(and more fully der t b d in the chedule annexed hereto),

(and more fully derited in the chedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered and isoction 269A. Of the Intract. Act in the office of the Computent of the intract. Act in the office of the for an apparent of the afoir of property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or offer sets which have a t been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dat of the publica-tion of this notice in the Afficial Gazetto

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDULL

E-7/15, Jaitarmani CHS Ltd., Bangur Nagar, M. G. Road, Goiegaon (W.), Bomb y 90.

The agreement has been registried by the Competent Authority Bombay under No. 48 Ht 17606/84 85 on 1984.

A PRASΛD Competent Authority Inspecting Asia tant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I be by mittate proceedings for the acquisition of the itoresaid property by the issue of this notice inner sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date 10 5 1985

Seal .

(1) Flexo Print Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269DH. OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nandkumar P. Achtanl.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.IV[37FH]13611]84-85. -- Whereas. I,

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Unit No. 202, Ashiwad Industrial Estate, Ram Mandir Road, Goregaon (W), Bombay-6?.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the apprement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ne agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the formation as a associate he habitaty of the transferor to pay tax under the east Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought up by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 202, Ashirwad Industrial Estate, Ram Mandir

Read, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/13611/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-III, Bombay

Now, therefore, in purmanes of Section 2690 of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the equisition of the aforesaid powerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -+

Date . 10-5-1985

Scal:

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tejmal J. Jain,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FE|13664]84-85.--Whereas, 1,

Ref. No. AR.III[371 E]13664[84-85.—wnereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Service Industrial Gala No. 47, Ground Floor Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Service Industrial Gala No. 47, Ground Floor Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|13664|84-85 on 1-9-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba &

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Pramod Kumar Goenka,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anjali Sund Shah & Manju S. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.JII[37EE[43378]84-85.—Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat in Village Dindoshi & Chincholi, Borivli Taluka, S. Nos. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; अगर्व | Оर
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Village Dindoshi & Chincholi, Borivli Taluka, S. Nos. 34 & 51. Goregaon Mulund Link Road, Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III/37LE.13378/ 84-85 on 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM LINS

(1) Mr. Jacob Zachariah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s. Radiant McM & Alloys Pvt. Ltd. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-HI, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable

Ref., No. AR-JII[377-E]20526[84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Flat No. 38, 3rd floor Bldg No. 7, Piramal Nagar, Gorc-

> EXPLANATION. - The terms and expressions used herein ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

gaon Bombay

in that Chapter

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been two ferred and the agreement is regretered under sec ion 269AB of the Income fax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 38, 3rd floor Bldg No. 7. Piramal Nagar, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 84-85 on 1-9-1984. under Serial No. ARJII 37EE 20526

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomb w

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mercons, namely :---

Date: 10-5-1985

Scal :

FORM ITNS_____

(1) M/s. Usha Silk Mills.

(Transferor)

(2) Shree Naresh Ohri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FE|13212|84-85 -- Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing Industrial Unit No. 104-C, First Floor of Shreyas Industrial

Estate, B1|B2 Nathani Estate of Western Express Highway

Goregaon (E), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foregond property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration that the consideration therefore by more than the said that the consideration that the consideration therefore by more than the consideration that the consideration therefore by more than the consideration that the consideration therefore by more than the consideration that the consideration the consideration that the consider instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 104-C, First Floor of Shreyas Industrial Estate. B1|B2 Nathani Estate of Western Express Highway

Goregaon (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Commetent Authority. Bombay vide serial No. AR.III | 37EE | 13212 | 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competen' Authority Inpacctiny Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the The notice under subaforesaid min section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---93---96 GI|85

Date : 10-5-1985 Seal :

(T) Vecrabhadrapa Antulu Baladandayuthapani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Chatterjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III|37EE|20243|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. F10, Shree Saraswati Co-operative Houring Society Ltd., G. Acharya Road, Chembur, Bombay-71, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ator such apparent and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be a truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

Objectives, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat E/10, Shree Saraswati Co-operative Housing Society Ltd., G. Acharya Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rembay vide serial No. AR.III|37EE|20423|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-191
Acquisition Ronge-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Smt. Taruna M. Bhagtani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Devi Verma.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. A.R.III 37EE 13737 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having Rs. 1,00,000/- and bearing having a fair market value exceeding

Plot No. 7A, S. No. 161 (Part) Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und'r section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property a d I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consider therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle by the part as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made if writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Otheral Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EVPIANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or

Plot No 7A S No. 161 (Part) Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority Rombay vide serial No. AR.III|37EE|13237|84-85 dated 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-t. Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nutrate proceedings for the advantage of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAλ ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Vinod Kumar Goenka.

(Transferor)

(2) Anjali Sunil Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III|37F.E¹13377|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000 and bearing No.

Flat at village Dindoshi and Chincholi Borivli Taluka, S. No. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und a section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) meditating the reduction or crassion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncounce arming from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at village Dindoshi and Chincholi Borivli Taluka, S. No. 34 &51, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IJI|37EE|13377|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissi of Income-tax.
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Shri J. V. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. V. Shab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13673|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and beating
Flat No. 11, 3rd floor Plot No. 84, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.
(and more tury assembed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und; section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid proper y by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor Plot No. 84, Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13673/84-85 on 1-9-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissi n i of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM ITNS...

(1) Shri Chhaganlal B. Bhika.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amrutben D. Gala & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|000130|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 1 00 000l, and hearing.

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 31-A, New Girish Apartments C.H.S. Ltd. Patil Lane, Chunabhati, Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31-A, New Girish Apartments C.H.S. Ltd. Patil Lane, Chunabhati, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent A", Bombay under No. AR.III|37EE|000130 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commis I net of Income-lax
Acquisition Range-Ill,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Anil Kumar H. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Nalinchandra J. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|20427184-35.-- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatus referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-31, Krishnala, 33 & 1/34, Duncan Causeway Rd, Sion Chunabhatti, Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemen is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been everywhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act., or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-31, Krishnala, 33 & 1/34, Duncan Causeway Rd. Sion Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Aushority, Bombay under No. AR.III/20427/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JII,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby minate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) Shri S. S. Mundhru.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar Bihani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay the 10th May 1985

Ref. No. ARJII137 EL 13620 84 67 - Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding

Property naving a national market value exceeding.

Rs. 1 00 0001 and bearing.

Plat No. B4 22, 4th 4t. Banshi Raina C.H.S. 1td. Mahesh.

Nagar, S. V. Road. Con grow Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-cax Act 1951 in the office of the Competent Authority if Bombay on 1-9 1984

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The 'errors and expressions used berein as are defined in Chapter $\lambda\lambda\lambda$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B4|22, 4th ft. Banshi Ratna C.H.S. Ltd. Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregnon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13626|84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Jorte : 10 5 1983 Sent :

1-9-84.

FORM ITNS----

(1) Mrs. Pushpa R. Ahuna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. V. Khandelwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No ARJII 37-EE 20402 84-85. - Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 23, 2nd fl. Smaf Indl. Co-op Fstate Ltd. Bldg. No. 2, Plot No. 74, Ishwaibhai Patel Road, Goregaon (E),

Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Composent Authority at

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason maker value of the aforeshild property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshild exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoresalt persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 18, 2nd fl. Sainf Inul. Co-op. Estate Ltd. Bldg. No. 2, Plot No. 74, Ishwarbhai Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay vide serial No. AR.III]37-EE[20402 84-85] dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

94-96 GI|85

(1) Ms. Geeta Uphar Griha.

(Transferor)

(2) M/s. S. M. S. Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR III[37-LC 20003]84 85.- Whe eas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000l-and bearing

Irdl. Gaia in M/s. Iti Bhaiat Ind. Estate, on plot No. 8, Dindoch. Villian Golegaon (F), Bombay.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the [132] ne-tax Act 1961 in the office of the Competent Arthority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- in) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfe or to pay tax under the said Act, in
 the property of any encourse arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Gala in M/s. Jai Bharat Ind. Estate, Plot No. 8, of Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR.III|37-EE|20503|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Ishwar P. Mistiv

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls, Samrat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|13543|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop Ao. 11, Gr. Fl. Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Goregaon (W), Bombay-62.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agdeement is regeistereed under section 269AB of the Lacome tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ANA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter

(a) facilitating the reduction or evapion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gr. Fl. Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Goregaon (W) Bombay-62.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II(|37-EE|13543|84 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspectin Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

Date: 10-5-1385

(1) Smt, N. R. Seth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR III/37 EE, 132 16/84-85 - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred was the said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-3, 3rd fl. Shurani Bhawan Malwani Opp. Munici-

pal colony, Marve Rd, Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registeded under section 260AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; uni/or

(b) facilitating the concealment of any income in any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate unoccedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 3rd fl. Shriram Bhavan Malawan, Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|13256 1-9-1984.

> A. PRASAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta. Acquisition Range-II Bemba

Date: 10-5-1985

TOTAL AUTOCOMOS AND SERVICE AND A DESCRIPTION OF THE SERVICE AND A SERVI

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. S. M. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Chii Plakati H. Fwa

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|13316|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006- and bearing No.

Hat No. 6, 1st fl. Malad Swing Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Marve Road, Mal.d (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfurred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any throneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whiches your erpures later;

may be made in . Intag to the undersigned :-

(b) we now oth r person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:-The trings and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Malad Swing Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Matv. Road, Milal (W) Boinbig-64.

The agreement has been registered by the Competent Audio is Fombay under No. AR.III]37-EE|13316|84-85|
dated 1-9-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M.s. C. P. Gandhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|13195|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 8, Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trainferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 1-9-1984

Rombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days (s) by from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13195|84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Buarat V. Shah.

(Transferor)

(2) Shri G M. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF FROM TAX

ACQUISITION RAGGIR, BOMBAY

Bombay, the 13th May 1935

Ref. No. AR III|37.EE|13390|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incot 3-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Fig. 100,000/- and bearing No.
Gala Coffia No. 304, Im Pragad Co op. Hig. Sct. Ltd.,
Daftarr Road, Mand (E) Bernbay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed belefo)
has been transferred and the any rainfuls, existend unline has been transferred and the against its possessed here'o) has been transferred and the against its possessed hadra Section 259AB of the Income the Ait, 'not in the Cappe of the Competent Author by of Rombay on 18 1994

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have a son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more dan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days remained the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the saw ce of notice on the respective person. whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction on existen or the ability of the transferor to pay tex unit respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hav not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the stud Act, o the Wealth lax Act 1957 (27 of 1957); Gala No. 304, Jai Pragati Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Daftari Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been regisered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37.EE|13390|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2020 of he added. I hereby initiate proof line or the critics of he aforesaid property by the saue of the notice under subsection (1) of Section 2690 of the said but to the following purious, namely:—

Date: 10-5-1985

5 11 .

FORM ITNS----

(1) Manavath Ittycheria Jacob.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Smt. E. Z. Squeira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RAFG III.

Bombay, the 10th Max 1985

Ref. No. AR.III[37.64][1342 * 81-85 - Whereas, J. A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/and bearing No

Flat No. 601, ClWing, Plot No. 51, La-Chapcelle Co-op Hsg. Soct. Ltd. Valleni Vellage Mar. 3 V. a. Bombar-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the ingree of it on tered under Section 269AB of the factors. And 1000 in the Office of the Competent Authority at

Pombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act. in respect of any monte around from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the and Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the argumenton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein am are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 601, CiWing Plot No. 51, La Chappelle Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Vallnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III 37.EE 13424 84-85 Authority, Bombay dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. Smith S. Kadam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Liladhar D. Chhatbar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJII[37.EE]13376[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd fl. "Akash Ganga" Bachani Nagar Rd.

Malad (E), Bombay-97. situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of-

-) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein & are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 31d fl "Akash Ganga" Bachar Nagar Rd. Malad (E), Bombay-97.

The areoment has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III 37 LF 13376 84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

95-96 GT|85

Date: 10-5-1985

FORM ITNS ---

(1) Davaram G. Deval.

(Transferor)

(2) Ramawatar Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-III, BUMBAY

Bounbay, the 10th May 1985

Ret No. AR.III 37.1 + 13369184-85. - Whereas, I,

A PR SAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing No.

Flat on 1 : If Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W),

Bombay-64.

aftiated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha, been transferred and the agreement is registered under Science 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computent Authority at oubty on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Motesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 1st fl. Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13369/84-85 dated 1-9-1964

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-III Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS---

(1) M1, K, P. Patil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash R. Gada

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-III, BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Ref. No AR.III|37EE|13466|84-85 -- Whereas, 1 PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Lat No 807, Bld. C, Pratap Nagar, Daftary Road Malad
(E), Bombay-93,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ut Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gaid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 807, Bldg. C, Pratap Nagar, Deftury Road, Malad (E). Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 13466 84-85 dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely --

Date . 10-5-1985 Seal :

(1) Smt. Bina V. Thakur

(Transferor)

(2) Lions Club of Malad Chatity Fund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-HI, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ret. No AR.III[37EE|3414|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Printings No. 93. Bldg. No. 4, Malad Co-ep Hsg. Set Ltd, Poddat Park, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- oise (b) by any other person interested in the Ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 93, Bldg. No. 4, Malad Co op. Hsg. Sct. Ltd., Poddar Park, Malad (F), Bombay-97.

The agreement has been reistered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III]37FE|13414|84 85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 10-5-1985

(1) Miss Swati Mahendrakumar

(Transferoi)

(2) Mr. Madhay Ganpati Shanbhag

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.III 37EE (13465 [84-85,---Whereus, I. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and hearing No. Hat No. B-32, Kaveri Bldg. 63, Relief Road, Malad (W), Parkhay 64.

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule appexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ac Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsons. namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heerin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. B-32, Kaverl Bldg. 63, Relief Road, Malad (W), r'embay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37FE 13465 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. C. P. Gianchandani

(Transferor)

(2) Anita Construction & Istate P. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III]37EE|20431|84-85 —Where is, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the lincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

and bearing
Lbt No. 502, Val E Ram II, Off Linking Road, Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority It Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforevaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) fathmating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Val-E-Ram al Off Linking Road, Malad. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37EE|20432|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Daie · 10-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITE A AT GEHIL BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR, III 371-F | 13557 | 84-85 -- Where is, I A. PRASAD,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and hearing No.

Shop No 15, B-Wing, "Atlanta' Plot No 38 Village Valnata.

Marve Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: iid/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2696 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sufvection (1) of Section 2697) of the said Act, to the following porsons namely :---

(1) Mr. Devendra P. Mangla

(Transferor)

(2) M/s R. G. Builders Pvt Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, B-Wing "Atlanta Plot No. 38, Village Valnai, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Autity, Bombay under No ARJU[37] P[13557]84-85 dated 1-9 1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985 Seal .

(1) Mr Furtali Jais Mohmed

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

18896

(2) Mrs. Shakuntala Devi Kahia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JH, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13379|84-85,---Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-117, '1st floor Sahkar Apart. S.V. Road, Malad (W) Bom-

bay-64.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dat, of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

E-117. 1st floor Sahkar Apartment, S N. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been togistered by the Competent Bombay under No. AR III 37FF 13379 84-85 dated Authrain` 1-9-1984.

> A. PRASAE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 10-5-1985

Language and the second second of the second FORM ITNS-

(1) Miss Swati Mahendinkum u

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madhay Ganpat Shanbhag.

4 Pransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION & INGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR IH 177FF | 13324 | 84-55 - Whereas, I. A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred s the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. Flat No. B 32, Kaven Bldg, 63, Relief Road, Malad (W).

96—96GI|85

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been consecuted and registered under the Registration Act, 1903 (16 of 1905) in the office of the Registering Officer at Roml + on 19 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyt or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ad. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TIJF SCHEDULF

Hat No B 32, Kaven Blde 63 Peliel Road Milad (W), Bombay-64

The agreement has been register if by the Competent Authority, Bombay under No. AR, UII/3711/13324/84-85 dated 1-9-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date: 10-5-1985

Scal :

(1) Mr. H. S. Ghia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FIHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satwant Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]13580[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402. 4th floor Vale Ram-I Off Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 1-9-1984. at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evening of (of the transferor to puty tax under the said Act in respect of any imputes arising from the transfers und/er
- Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 402, 4th floor Valc-Ram I, Oll Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 13580 84-85 dated 1-9-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Mrs. S. K. Jhunjbunwala

(Transferor)

(2) Mrs. J. K. Cheeda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III 37EE 20382 84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 4,00,000/- and hearing No. 3[318, Malad Natraj Market co-op Hsb Set I*d, S. V. Road Natraj (W.) Purphy (40)

Mailad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

3/313, Malad Natrai Market Coop He. Sot Ltd. S. V. Road Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No AR III 371 I 203 c2 84 85, dated 1-9 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date: 10-5 1985

Scal:

(1) Mr Rajkumii R Podda.

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwaribar Cloudhara

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bothbay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III | 37 of 13532 & 1-55 — Where e. l. A. PRASAD, being the Compact variously under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.) have reason to believe that the immos-

able property hearing it fan market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No Deepak Apartment Plet No 14 Lower Govind Nagar Pevinhang Koad, Chineholi Marat W), Bombay-64 (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred upon the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Orice the Registering Officer at Bombos on 1941401

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arparent consideration therefor by more than affect for the property of the consideration and that the consideration to ruch transfer a agreed to between the parties has not been study stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the parties has not been study stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the object of the consideration is the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the object of the consideration is the consideration to the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration to the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration to the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration to the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration to the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration to the said instrument of the consideration and the said instrument of the consideration to the said instrument of the consideration and the said instrument of the consideration and the considerati

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which could to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore of pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid progenty 1—the issue of this notice under sub-section (1) of Section—55D of the said Act, to be the following persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menuing as given in that Chapter

THE SCHIDMIT

Deepak Apartment (Plot N) (4) μ (w)) Goyand N μ and Pavanboug Road, Chinchold M 1) (4 (W)) (Frint by -64)

The agreement has been reported don the Computent Ambouty, Bombay under No. AR HI, /I L 13532 1455 dated 1-9-1984

Competent Authorist

Inspecting A sit, Contains to 1 of Income to
Acquirmon Pin BI Bomb to

Date 10-5 1985 Seil :

FORM TINS-

(1) M|s Arunkumar & Associate

(Tippsferor)

(2) Shii Deepak Umesh Khambadkone

(Transferec)

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISTION RANGE-III, BOMBAY

Bombin, the 10th May 1985

Ref. No. AR III $|37\Gamma\Gamma|13323|84|85|$ - Wherens. 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000 and beautiful

Rs 1 00 000 and Ecaling Flat No. 12 A. Ashish Bldg. 3rd floor Mith Chowki, Malad

(W) Bombig (4)

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), her been trunscried and the agreement is registered under Section 269 VB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority in Fembry on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12[A, "Ashish Bldg." Sai Baba Park, Mith Chowki Malad (W), Bombay 64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III | 37FF | 13323 84-85 dated 1 9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 10 5 1985

Scal ;

(1) Smt. Ladkanwar Gandhi

(Transferor)

(2) Mr. Krishnakant B. Kambli

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37EE 20535 84-85.--Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing that No. P-S, Haridwar Bldg. Off. Marke Road, Malad (W), Rowhey 64.

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. P-8 Haridwar Bldg. Off Marye Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EF 20525 84-85 oated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

- (1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. Rosa Alphano.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|20328|84-85.-Whereas, J. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 105, first Ajit Park 'B' Somwer Bazar Road, Malad (W). Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement, is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 105, first fl., Ajit Park 'B' Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE[20328[84-85] dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 10-5-1985

FORM NO. ITNS---

(1) Mis. Deopti N. Moolchandam

(Transferor)

(2) Mr. Balwant Singh Matharoo & Ors

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13232/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 304, B-Wing 3rd fl. Bld, La-Chappelle, Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for hite purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions u ed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, B-Wing 3rd fl. Bldg. La Chappelle, Near Evershine Nagar, Mith Chowki, Off Rd. Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|37FE|13232|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 10-5-1985

Scal:

FORM TINS

(1) Mr. T. T. Mathai

(Transferor)

(2) Mr. C. P. Basential Garg

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269F(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RATICE III BOMBAY

Bonibas he loth May 1985

Ref. No. AR III[37TE]13262[64 85.- -Whereas, 1,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 7,00,0002, and bearing Shop No. 11, Grane Bldg & eishin 1882D, Mith Chowki

Mulad (W). Bornhay- has situated it Bornhay, (and more fully described in the Schedule aunexed heroto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Lacone-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 9-1964 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such nansfer on agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely; ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ganga Bldg Evershine Nazar Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.fil/37I E[13262]84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Eomb iv

Dated: 10-5-1985

(1) Mrs. Ganga N. Sadarangani

(2) Saidar Gurubachaasingh,

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE-III. BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37FE/13645[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-able property having a fair market and as the said Act) have reason to believe that the infinovable property having a fair matket value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. A|13, Nalanda-II, Near Evershine Nagar, Off Marve Road, Malad (W). Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be di closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A[13, Nalanda-II, Near Evershine Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with he Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. 111 37 FF 13643 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

FORM ITNS----

(1) M/S Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Baba Ram Rana.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37EE 13225 84-85. - Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 33, 2nd fl. Hemal Apartments on Plot C.S. No. 19, 41, Nos. 85,5, 96,11, Village Malwani, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 2nd ff Hemal Apartment Plot CST No. 19 41, Malwani Village, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37EE 13225 84-85 dated 1-9-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSECTING A SEE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR III,371 E)13451)84-85.--Whereus, J. A PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'srd ...t'), have reason to believe that the immovable property, baying a lair market value

Flor No. 1 Gr. Fl. "Atlanta" "Wing Plot No. 38, Off Valua, Village, Marce Read Milad (W), Bembay 64, (and more folly described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-19-1

for an apparent come brotten which is less than the fair market radue of the afort-said property and I have reason to believe that the Pote mortal value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; DDØ/OL
- (b) tacutating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act, to the t glowing persons namely -

(1) MIS R. G. Budders Pyt. Etd.

(Transferor)

(2) Guidwara Freishung Isagan.

(| ransierce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said not shall have the same meaning as given us that Chapter.

1HF SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl. "Atlanta" 'C' Wing Plot No 38, Off Valual Village, Marse Road, Milad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Compotent Authority, Bombay vide renal No. AR, III/37 FE/13451/84-85 83-84 dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated 10-5-1985 Scal

FORM ITNS------

(1) Mis Kavita A Vasandani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr C U Badlani (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUSITION RANGE III BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref No AR III]37EF[13430]84 85 -- Whereas 1. A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income the Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000] and bearing No. Flat No. C. H. Huidwar I. Plot No. Io. 1920 A. Village Valuar Off Merce Rd. Malad. (W). Bombay 64 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the scheduled annexed hereto), has been transferred and the scheduled annexed hereto), has been transferred and the scheduled annexed hereto), for an apparent conferred and the scheduled annexed hereto) for an apparent conferred with the law 1918 for an apparent conferred and the less than the fair market one of the Authors of property and I have trason to belt e that G. for mile there will be property afforced exceeds the opparent consideration therefor by more than infecting on the one of the property and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the partic has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moume arising from the transfers and/or

(b) facilitying the onecome in of any ocome or any money of other assets which have not been or which on ht to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

ib) by any other person interested in the said immoval! property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EYPI ANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

The No. (1) Hindwar Flot No. 18, 19-20 Village Valmin, Off Marve Rd. Malad. (W). Bombay-64

The atterment his been registered with the Competent Authority Bombiy Vide serial No AR III]37 EE]13430[84-85] dated 1-9-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range III Bombay

Now therefore a pursuance of hon 2690 of the said Act I hereby and the proceedings for the admission of the adoresaid prope to by the rolle of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Trat d 10 5 1095

Seal .

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. P. P. Pramod.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUSITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Rcf. No AR III[37EC]13526[84-85.—Whereas, 1, A PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rev. 1.00 (99).

Rs. 1,00 000, and bearing Flat No. 41 3rd Fl. Hernal Apartment, Piot No. 19,41, Malwant Village, Malad (F), Rombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierted and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie a that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than infect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of; —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 31d Fl. Hemal Apartment, Plot No. 1941, No. 85[5, 96]1, Village Malwani Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III|37EE|13526|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated · 10-5-1985. Seal .

(1) Anita Constructions & Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandra Prakash Panania

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSTTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III]37EF_13287[84-85 -- Whereas, I. A PRASAD.

A PRASAD.

Steing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Flat No 402, in Vale Ram II 4th Fl. Ushna Nagar, Off Linking Rd. Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the schedule appared hareto) (and more fully described in the schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer as not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisin; from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 402, in Vale E. Ram II, 4th Fl. Ushma Nagar Off Linking Rd. Malad (W), Bombay

The agreement has been registered with the Authority, Bombay under No AR III 371 F 13287 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-5-1985

(Transferor)

(2) Charanjit Singh & Satuam Singh

(1) Prakash Motitam Bhatle

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGI-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FF]13197]84-85 --- Wheteas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 14, Kasturba Bidg Usha Colony, Ramchandra Line Extr. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Pombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Kausturba Bldg, Usha Colony, Ramchandra Lane Fxtn, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37FF/13197/84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-ties Acquisition Range-III, Bombio

Dated : 10-5-1985.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shu Chandravijay Builders

(Transferor)

(2) Shii Haiish Kumar S. Udani & Ors.

THE PARTY OF LINE THE

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref.No. AR. III]37EF[20441]84-85—Wherens, I, A PKA; AD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,0 ab,000, - and bearing

No. thu 1. A-402 4 and Substal Chhayn Bldg CTs No. 651, 77, S. v. Road, Malan (W), Bemby-64

tend more fully a cribed of the Schedule annived hereto), has been conserved and the agreement is registered under a coon 269AD of the Incentitat Act 1961, is the office of the Com, etent Authority at Rombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is test than are fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern percent of of such apparent consideration or such tansfer as agreed to between the partie. Las not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incree, or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons namely:—
98—96GI[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-402, 4th fl 'Sheetal Chhavni' Bldg, CTS No. 651, 77, S.V. Rodd, Melled (W), Bomay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bernibay vide script No. AR.III[37-LE[2044]84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 10-5-1985

FORM NO. I.T.N.S .---

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Prakash Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37EF|20476|84-85---Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 50 the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable

and /or

on the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. Flat No. 601. 6th fl. "Atlanta" 'F' Wing plot No. 38, Oif Valuai Villege, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transformered to between the consideration for such transformered to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th fl. "Atlanta", 'F' Wing at plot No. 3 Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37-EE;20476|84-dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person. namely :--

Dated: 10-5-1985

Seal .

(1) Ms. Manali Corporation,

(Transferor)

(2) Mrs. Champa C. Mansukhani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|13194|84-85.—Whereus, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot No. 48, 49 & 50 at Valnai Village, Maiad (W), Rombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 169AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-FE 13194 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Rombay

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-5-1985

Seal

(1) M. Firoz G. Chawksi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M₁ Major Gaind Corrosion Controllers. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGL-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. 2 AR.III[37EE]13245[84-85 --- Whoreas, 1, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have to son to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 104, K|Unit, Kanchan Nalanda Soi Sunder Naga-S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered nader Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 104, K Unit Kanchan Nalanda Sct. Sunder Nagar,

Nalanda Sct. Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bembay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.BIJ37-EE 13245/84-85 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

Scal:

FORM ITNS ----

(1) Shri N. K. Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Max Corporation.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, inc 10th May 1985

Ref. No. AR,III|37-EE|12242|84-85 -Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Vet, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the Sud Act), have region to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No. Office by 61 of the Mahad Sho ping Centre, Malad

(and more fish d e bed in the Eshedule annexed hereto), ha been attributed

and in account of registered under Section 269AB of the dreep of the Competent Arthurst and appropriate of the Competent . Family on

Arthorn, Fond, (West) Combined

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trinsler as igneed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of — Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in variting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 61, 1st Fl., Malad Shopping Centre, Malad (W)

The a greement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III[37-EE]12242[84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Dated: 10-5-1985

FORM NO. ITNS-----

(1) Mls. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. Ramchandran.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 20521 84-35. - Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-13 1st il. "Nalanda Bldg. No. 1, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marve Road, Malad

Rombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the arcressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a puliod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Fat No. A-13, 1st fl. "Nalanda" Bldg. No. 1, Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37-EE 20521 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 10-5-1985

(1) M|s. Hemal Enterprise

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Pereira.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III]37-FE[20449]84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00 000[- and bearing No.

Flat No. 39, 3rd fl. Hemal Agartment, Plot No. 19, 41, Village Mulwani, Malad (W), Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marlet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39, 3rd fl. Hemal Apartment plot No. 19, 41, Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37-EE 20449 84-85 dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

FORM ITNS---

(1) Miss Raju N. Bathija

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. M. Bhat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13230/84-85.---Whereus, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1/4, Haridwar-I, Off Marve Rd. Mith Chowki Malad (W). Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given s that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1|4, Haridwar-I, Off Marve Rd. Mith Choki, Maud (W), Bumbay-64.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.IU[37-24]13230[84-85] dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10 5-1285

(1) Deshmukh Biulders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Anil A. Bhaghayatkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37-FE|20327|84-35.-Whereas, J, A

⊭¢RASAD,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 301. 3rd fl. Ajit Park A Somwar Bazar Rd. Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fir. Ajit Park 'A' Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreemnt has been registered with the Competent uthority, Bombay vide serial No. ARJII|37EE|20327|84-Authority, 85 dated J-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-99~96GI|85

Dated: 10-5-1985

(1) M's, Armakumar & Associate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Harry John Rodrigues

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE-20354]84-85.—Wheereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market vilue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, "Amrish Bldg. Sai Baba Park, 3rd fl. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCREDULE

Flot No. 13, 3rd fl. "Amish Eldg, Sai Baba Park. Flat No. 13, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII 37-EF 20354 84-85 datd 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-45% Acquisition Range-III, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Dated: 10 5-1985

FORM LT.N.S.

(1) Mrs. Chandra Kala Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ignatius D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EC|13507|84-85.-Whereas, 1

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-10, 3rd fl. Handwar-1 plot No. 18 19-20A. Off Marve Road Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemenct is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plat No A-10, 3rd fl. Haridwar I Plot No. 18, 19-20-A, Off Marve Road, Molad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37-EF/13507/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 10-5-1985

Scul:

(1) M|s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. K. Agarwal & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|13555|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing No.

Shop No. 4, Gr. Fl. Atlanta 'A' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road Malad, Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any taxonae arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Fl. "Atlanta" 'A' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III 37-EE 13555 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

- (1) Mis R. G. Builders P. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smi Sumati D'Costa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III]37-EE]13556]84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 401, 4th fl "Atlanta" 'F' Wing p'ot No. 38,, Off Valnai Village, Maive Road Malad (W), Bombay (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th fl. "Atlanta" 'F' Wing Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. AR. III 37-EE 13556 84-85 dated 1-9-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Chandravijay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri J D. Tıbrewala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|13554|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Hat No. B 502 5th fl. Sheetal Chhaya Bldg. CTS. No. 652, 77, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreemenet is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, 502, 5th fl. Sheetal Chhaya Bldg, CTS, No. 652, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III|37-EE|13554|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kumud Loknath Anchan & Ors.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 20329 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, first fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Rd. Malad

(W). Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemenet is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazetto.

persons, whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106. first fl. Ajit Park 'B' Somwar Bazar, Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III 37-EE 20329 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III. Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS ----

(1) Creative Builders

(Transferor)

(2) Inderchand Surana

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR 111/37-EE/13208/84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incount-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

R9 1,00,000/- and bearing S. No. 131 H No 4(P) and S No. 113 H

transfer with the object of :--

No. 14 (P) & 15(P) at Muland (E), 3rd Floor situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the line one tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Rombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Omean Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 131 H. No. 4(P) and S. No. 133 H. No. 14(P) & 15(P), 3rd floor, at Mulund (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombav under No AR, III]37-EE|13208|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he is use of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. 111/37-FE/20475/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 7, 3rd floor, Kamala Appts., CT.S No. 650 & 652, Sant Ramdas Rota, Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has has been transferred and the agreemenet is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiteion of the aforesaid propertcy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 100---96GI|85

(1) M/s Vikas Buildets

(Transicior)

(2) Mrs. P. D. Gavade

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (F), Bombay-81

The agreement has been registered with the Competent Authorit, Bombay under No. AR. 111/37-EF/26475/84-85 dated 1-9-1984.

 PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acusition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Ms. Vikas Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. H. Totre

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIC J RANGEJII, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III]37-FE|20473|84-85.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 8 31d floor, Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652,
Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th in respect of any income arising from the transfer; and /er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Isoome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weekth-tax Act. 1957 (27 of 1957): The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR, III/37-EE/20473/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) M]s. Vikas Builders

(Transferor)

(2) Shii B. M. Bhat

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|20474|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 5 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 2nd floor, Proposed Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984,

Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Proposed Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramd, s Road, Mulund (F), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR. III/37-EE/20474[84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

(1) M|s. Vikas Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. S N Kamath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR 111|37-EE|20536|84-85 —Whereas, I Λ PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing

Flat No 2, 1st floor, Kamala Appts, C 1 S No 650 & 652 Sant Ramdas Road Mulutid (E), Bombay-80 situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Kamala Appts, CT.S No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-80.

The agreemeent has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR III|37-EE|20536|84-85 dated 1-9 1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Remely:—

Date 10-5-1985

(1) G. N. Misia & Oths.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. I. D. M. Dubey & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EF|20538|84-85.-Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the (ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Mahur Village, Survey No. 67, Part C.T.S. No. 723, Taluka-Kurla, Mulund (W), Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to btlieve that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparenet consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 axis from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahut Village, Survey No. 67, Part C.T.S. No. 723, Taluk-Kurla, Mulund (W), Bombay-80

The agreemen has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR. III/37-EE/20538/84-85 dated 1-9-1984.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-5-1985

Scal:

(1) M/s. National Paints Mfg. Co.

(2) Mls. Conani Industries.

(Transferor)
(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|20389.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 2 & 7, Gr. Fl. Vardhaman Indl. Premises, Co-op. Hsg. Society Ltd. Bhandup, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2 & 7 Gr. Fl. Vardhman Indl. Premises Co-op. Society Ltd. Village Road Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/20389/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Smt. Bindu Ratan Mehta.

(Transferor)

(2) Mr. K. K. Thar & Othersc.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUESTAGE RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]13337[84-85.--Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. D-14, on 3rd floor Maheshewar Apartment, JSD,

Road, Mulund (W), Bombay-80

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is regeistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-14, 3rd floor, Maheshwear Appartment, JSD Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III[37.EE]13337]84-85 dt. 1-9-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10 5-1935 Scal ·

FORM LT.N.S.-

(1) Kanivanteth Thomas Philips & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Dhiraj Lal N. Kamdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III|37 FFI13548484-85 — Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit 22 Bhandup Vishal Indl. Premises Co-op Sct. Ltd. Village Road, Bhandup, Borubay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regeistered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by my other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officer Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22 Bhandup Vishal Indl. Premises Co-op. Set.

Ltd. Villa :: Rd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.FE|13548|84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1995 Scal :

(1) Mls Hiranandam Indl Enterprises.

(Transferor)

(2) M_{IS} R. Tulsidas Σxpons, Ltd.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISIMON RANGE III, ROMBAY

Bombay, th. 10th Mr. 1985

Ref. No. AR.IIII37 PF | 13371|84-85 Whereas T. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Locome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 220, 2nd fl. Huanandani Ind! Fetate Konnur Mart.

Pombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is rightered under Section 269AB of the In one tay A t. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—101—96GI|85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No 220, 2nd fl. Hiranandani Indl Estate, Kanjur Marg, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR.III[37 £ 8]13371[84-85] dated 1-9-1384.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 10-5-1985

HORM ITNS----

(1) Mls. Cams investment. Pyt 1td.

(Transferor)

(2) Mr. Jaswal Singh, D. Gova.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bornbay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJH[37 EF]13533[84-85 - Whireas, I, A, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) neceinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fau market value exceeding Rs. 1,03,000/- and bearing Unit No. 15, Vishal Indi. Estate Village Rd. Shandup, Rombay 78.

Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transformed and the representation, regenstered noder. Section 269 VII of the Income-fact Act. 1991 to the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an augment consideration which is less than the fair market raine of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atore, iid extreds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) fasilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income to New 1971 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Los Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in a fifne to the undersioned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 35 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Am, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, Vishal Indl. Estate, Village Rd. Bhandup, Bomboy 78.

The percenent has been registered by the Connecent Authority Bombay under the MURIJ37 $\Gamma F [13533]84-85$ divid 1-9-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tur Acquisition Range-III Bomb iv

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby immate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followire persons, namely :---

Date: 10-5-1985

 $\mathrm{Scal}(\cdot$

FORM IGNS---

(U) Shit R B Got

(Transferor)

(2) Mr. Henskuvet veinen Minn

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

UN LIRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISTE N'RANGE III $RO_{tot}L$

Bombie tie 1001 Act 1151

Rel No Ak III | 7 EF 13 H 4 F - Aberca I A PRASID

being the competed Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein)the real of the and set), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding

K 1,00 000/ and bearing No.

Fictor, Premises in Unique Indl. Fittle, Audior (IV) Ed ar 1 htt

samme i at Bombay

and more only or fird in the schedule annexed bereto). his occurred of indice that the distinct of index section at the fill in the first the fill of each Building on 1-9 19 4

tor un appoient consideration which is seen than the fair believe the the real method representation of the property as afore-said except the approperty of the property as afore-tion fatical for cent of such approper consideration at 1 that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction of evasion of the uneality of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any mesome wising from the transferor. and/or
- (b) facilitating the concealment of any more or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed to the transferee for the purposes of the indian income the Act 1922 11 1 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2 ct 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act. I her by mittale proceedings for the acquisition of the aforesaid or the tenth of the instruction of the aforesaid of the tenth of the section (1) of section 26 (D) of the second Act, to the following person namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazetta.

FALLINATION -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Enclosy Promoco in Unique will Estate Muland (W), Bumbay 80

The agreement has been registered by the Competent authority. Bombay under No. AR IIII374 F/13641/84 85. at. 1 9-1484

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bomb iv

Date 10.5 + Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) MIs. Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, T. Saraswathi Kurrup.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;

Ref. No. AR.III|37.EE|13316-A|84-85.--Whereas, 1,

 PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, A-Wing 3rd Fl., Neelima Apartment, S. P. S.

Marg, Bhandup, Bombay-78.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regristered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, A-Wing, 31d Fl. Neelima Apartment, S. P. S. Marg, Bhandup, Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EF|133|16-A|84-85 dated 1-9-1981.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely:-

Dite: 10-5-1985

(1) Creative Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Guich B Shah

(Transferee) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.HI[3/.EL]13544 84-85 -- Whereas, I,

A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Property bearing S. No. 131, H. No. 4 (P) & S. No. 133

(H No 14 (1) & 15 (P) at Mulund (E).

marked at Bombay and make Schedule annexed bereto), and more ally described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is regerstered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 of the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax *ct 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period eexpires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

r any H. No.

to or

e for The a
1922 Authorit
1-9-1984

Property bearing S. No. 131 H. No. 4 (P) and S. No. 133 H. No. 14 $^{-}$ P) & 15 (P) at Mulund (E).

The agreement has been registered by the Component Authority, Bombay under No. AR III 37.EE 13544 84 85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-111,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sind Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

FORM IINS----(1)

H I I US

(Transféror)

(2) Suc By while I sulke

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACTUSED VRANCIBLE DOLB Y

Borne a the 10th May 1985

KC N O HERT DIE 7 1 Vicin, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (herematter referred

that the immo able property, having a fair market value ex ed ag le live (who) and baing

1 1 1 1 40 € mingli Rd Muland (E) P I S L

train in the first training the tendent arms differ to) to the state of th h in All Bala il la l

to an operate consideration which is less than the fair maket du al the if te al prope ty and I have reason to believe that the fur market value of the property as aforesaid exceed the signal intern detation therefor be more than in the apparent confidential and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in, estam in the month of chance of the hability of the transferor to pay tax under the said act, as respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) identifying the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the thousest tot the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act to the follow ing pron nandy -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in urning to the undersigned :-

- til of or each though per in within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period exputes later;
- thit is other person into the niche said immos able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANA ION - The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No Te and I Lind bening an a No 17 & 49 Government Pd Muhar I (F) Bonday St

The agree of the length of the Computent Authority B , while No. AP III 271 $\Gamma[20137]84.85$ d (cd.) 9.1

A PP COME Competent Authority in pecung Arrist int Commissioner of Income tax A qui i ron R ins. III Bombi

Date 10 1198 Seal

PORM ITNS-

111 M/s Stn Builder

(T) ansferor)

NOTH FITT

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mauli Rumbi 500 at

(Transfiree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

THE TOWN THE REPORT OF THE ROMBAY

Bombis 1 bub , 17

Rolling APTH F. 1 1 1 - Wheren, I

hand the form and Achords under action 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe

that the immo ble property having a fair market value

e In t. 100 (70 - nd b. ima The 4 Hr. List Ble.) Son Ser Bhadup (E) Tom! 79

situal Lat Pon at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

for an invito and now his as then the fair reark to the title and nopolity and I have remon to hit is to the mailer vite of the property as aforesud exc d the approved consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of :--

(a) tacilitating the reduction or evasion of the lightlift of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income are my from the transfer, Para for

(b) facilitating the concealment of any income of 407 moners or other assets which have not seen or which cushs is be disclosed by the transferon for the apprence of he indian Transmedax A.t. 1922 (II of 1972) or the sail Act or the Wealth fax Act 1957 (77 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be rande in writing to the undersigned -

- (a) by any of the alcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter-
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation—The terms and expressions used below as are defined in Chapter > \(\Lambda \) of the and Act of all have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th II A.I. Blo., sry on Nagar, Bhandup (E) Lomb iv 75

The agreement has been seen relay the Competent Antherity Bombay and reconstruction AR III 3, E1 [13357]84.85 dated ± 1.1984

Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of In one tax Acqui dio P 11

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act I beselve in that proceedings for the acquisition of the 1601 and property by the 1801 of this notice under 201 section (1) Section 269D of the said Act, to the follows: persons namely :---

Date 10-5 198 > Seal :

(1) M/s Apay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. G. Kulkami & Ota

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No AP III 37 EF 2047 (84-85 - Whereas, J.

A PRAS D being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fur market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing Flat No. 3, (as il Rushahh Million Plot S. No. 74, D. P. Rd. Mulund (E) Bombay 81

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is recrustered under Section 769°B of the Income for Act 1961 in the Office of the Connet at Authority at Bomb ty on 1-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hadronness of transfer with the object

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defised in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer-REM /CE

> Flat No. 3, first Fl Rushabh Milan, Plot S. No. 74, CTS No. 564, D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III[37.FE]20741[84-85] dt. 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JH Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

Seal

FORM ITNS-

(1) Mis. Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. A. P. Ramanajhan

(Fransteree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Rcf. No. AR [11]37.LE]13347 81-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing Flat No. 4, first Fl. Rushab Milan Plot S. No. 74, D. X Road, Mulund (E), Bombay-81

Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is regerstered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, First Fl. Rushabh Milan Plot S. No. 74, D. P. X Road, Mulund (F), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARJII/37 EE/13347/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the laforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——102—96GGI|85

Date . 10-5-1985

(1) M/s. Ajay Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dattatray J. Deorukhakar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th May 1985

i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III[37.1 F[13565]84-85.-- Whereeus, 1,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

A. PRASAD, A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing Fiat No. 6, first Fl. Rushabh Dharshan Plot S. No. 74, D. P. Kond, Mulund (E), Bombay-81, situated at Bombay

shall have the same meaning as gives in that Chapter.

situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is regeistered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, First Fl. Rushabh Darshan, S. No. 74, D. P. Rd. Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III 37.FE 13565 84-82 dated 1-9-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

FORM ITNS-

(1) Bhupendra Shambhuram Thakker

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s B. P. Agarwalla & Sons. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 13444 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Unit No. 73, Raja Indl. Estate, Plot CTS No. 706, 701, 705, Nahur Village, Mulund, Bombaq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registetered under Cardon 2004. But the Income the Act. 1961 on the Office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 73, Raja Indl. Estate Nahur Village, Mulund.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordated 19-1984. Bombay under No. AR, III 37. EE 13444 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquinition Range-III Bombay

Dated: 10-5-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Star - Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Harsheda H. Vakil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III 37.EE 20455 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 11 B|2 Gr. Fl., Kanjur Survey No. 275(P) CTS No. 657B, Near Bhandup Station (E), Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 B[2, Gr. Fl. Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(p), Near Bhandup Station(E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37 EE]20455[84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated: 10-5-1985

Scal:

(1) M|s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. M. P. Venugopal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOMETAX

> ACQUISITION RANGE-III ВОМВЛУ

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.FF]20454]84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No 207, 2nd Fl. Bldg. A-2|13, Near Birandup Station

(East), Bombay-78, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registrated under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the obejet of -

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd Fl. Bldg, No. A-2|13, Near Bhandup Station (Fast), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJIJ[37.EE]20454[84-85] dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 10-5-1985

(1) M's Raja Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Geo Chem Laboratorics (Rajkot) Pvt. Ltd. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR [III]37.EE]13393[84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

Linit No. 81 Gr. Ed. Raia Indl. Estate Purushotam kherai Rd.

Unit No. 81 Gr. Fl. Raja Indl. Fstate, Purushotam kheraj Rd. SExtn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80

and situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registetered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 81, A Gr. Fl. Raja Indl. Estate, Purushotam Kheraj Road Extn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

agreement has been registered by the Competent ty, Bombay under No. AR.III]37.EE.13393[84-85 Authority, dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-5-1985

Seal a

(1) Mis. Hir mandam Indl Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Jolly Plastics.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.FE|13218|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 130, 1st Fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay and situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of tehe Competent Auuthority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 130, 1st Fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Matg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 13218 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated · 10-5-198*

FORM I.T.N.S.——

(1) Mr. P. N. Kotehari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Biochem Pharmaceutical Ind.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJU37,EE[13389]84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. P. N. Kothati Estate, S. No. 200 CTS No. 288, Agia

Road, Bombay 78 and situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registeteted under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

consideration which is less an apparent the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. N. Kothari Fstate, S. No. 200 CTS No. 288, Unit 301 Agra Road, Bhandup, Bombay-78

ty, Bombay under No. AR III 37. F | 13389 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Compelent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 10-5-1985

PURM ILMS----

(1) Smit Kilpana Chumilil Shab

(Transferor)

() som P S Sheth

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX XC7, 1901 (43 Lif 190')

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOMETAN ACQUISITION RANGE IT BOMB W Bomb w, the 10th May 1985

Pel. No. AR.HI[37FE]20253 (1-65- Wroke) }, A. PRASAD,

being the Compeleiu Anthonity under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the memorable property having a fair twitket value exceeding K. 1,09,600/-

and bearing Unit No. 24, Gr. Fl. Raia Iudl. Estate, Nalan Valin, Surp-(M.), Bombay-80

(and more fully described in the Schudule annexed hereto), has been transletted and the agreement in registrated under Section 269AB or the Income-tax Acr 1761 in the Office of the Competent Authority at ac Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fan marker value of the interacted property and I have mason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen par cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfercy to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
 - (b) facilitating the concealment of any income or any mounts or after state after that are that a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 . of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 26% or the send Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the rashe of this name under subbection (1) of Section 2600 at the wild Act, to the following persons, namely :--

104-96GT|85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) he any of the storesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exerces later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the tifficial Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined by Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1 mt No. 24, Ground II, Indl. Fstate, Nahur Village, Milliant (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Automy Bombay under No. ARJH[371 E]20523[84-85] dated 1-0-1984

> A. PRASAD Competent Authority In pacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Banbay

T) (e.: 10-5-1985

FORM IT.N.S.

Magyaya waasa கூடு அரத் செய்யிராசு கூடுப்பட்டை கூடியில் குரியில் அரசியில் வருக்கு அரசு கூறியில் குரியில் குர (1) (thandup Om-Shiva CH5L

(Transferor)

(2) Mi. P. M Donere

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME CAX

ACQUISITION RANGE-III ROMDAY Boubay, the 10th May 1915

Ref. No. AR3H[37hE]13277[81-85 -- Wh ... I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter received in as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable ks 1,00,000l- and bearing No.

Flat in Bhandup Om Shiya CHSI. Data Colon. Penish to (F), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed herefore has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tar Act, 1961, in the Offic of the Competent Authority of Bombay on 1-9-1984 for an apparent act.)

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aloresaid property and f have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the appoint consideration hiercroft by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of "...

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the constalment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be divided by the tripff receipt that purpose of the little influence of the purpose of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the en't Act, I hereby initiate pro eedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A to the following persons namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 41 days from the date of publication of this notice in the Official trazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

Ever (NATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No 5 in Bhandup Om Shiva Coson Hag See Fid Data Colony Bhandup (E), Bombay /k

The accement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR III 37t-F 13277 S 1 85 dated [-4 1984

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tag Acquisition Range-III, R n

Date : 10-5-1985 Sal

FORM ITNS- --- -

(1) M/s Star Builders

(Transferox)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, AGGARWAL HOUSE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACOUISTION PANGERI, BOMBAN

Bombay the July May 1985

Ref. No. AR III 37EE 13594 84-62 - Whereas, I A PRASAD

being the Competent Anthority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No Flat No 313, 31d floor Bldg No A-2/12 Near Bhandup Station, Bhandup (F), Bombay-78, control of Portrain

siletied at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transletted and the agreement is a gistoteral unlist Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have teason to believe that the fair market value of the monenty as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to hetween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any properly or other assert which have not been ut which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tra Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the augmention of the said property

(2) Mr. Sand Namdeo Kataranaware

may be made in writing to the undersigned :-

- (5) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 15 the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 313, 3rd floor Bldg A-2[15, CTS No 657-B Near Bhandup Station (E), Bombay-78

The agreement has been tegistered by the Competent Audunity Bombiy under No AR IV 37EF 13594 84.85 dated

> A PRASAD Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date 10 5-1985

Seal .

LORY HINS-

(1) that I sumal Thikur

(fransferor)

(2) Mr & S Toseph

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4° OF 1961)

GOVERNMENT OF IMPIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE III POMEAN

Bomb 1/ the 10c) Mc 1995

Ref. No. AR III[37FE[13215]\$4.85 3 h is a - I A PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding R 100 000]- and bearing hops No 1 & 2 in Nature Aprilians of a usua Nature

Mulund (Γ)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred unger the Registration Act 1908 (In 1908) in the Ollic of the Registering Officer at Bombay on 191984

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income army from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 192. (11 of 1922) of the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the stud act I hereby untrate proceedings for the acquisition of the ntoresand property by the same of thus antice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the storesand persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 - (b) to my their rescondinterested in the eard manner-al emperity within 45 days from the date of the publicane i or this notice in the Official Gozette

Tree terms and "true sions areal berein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 1 & 2 in Nalam Apartment, Sano Guruji Natar Moland (F)

The agreement has been regulered by the Competent Au courty Bombas under No AR III 37Ft | 13215 81 97 dated 1 2 1984

> A PRASAD Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income to Acquisition Range III Bornt v

Dife 10 5 1985 Scal :

(1) Shii Ram Builders

(Transferor)

(2) Shuram Vasan & Others

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMEAY

Bombay the 10th May 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Chair Forms No. 11 in Building Tower B in A, in Govardhan Niggir. Multind (W), Tombay-80 situated at Bombov (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as storefaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the jumposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this name under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same nivaning as given in that chapter.

THE SCHPDULE

Clinic bearing No. 11, in Building Tower B to A, at Govardhan Nogar, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent our houty. Bombay under No. ARJII[371]E[20385]34 of dated 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomb.,

Date . 10-5-1985

(1) Mr. Rajaram R. Upadyay

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Champa J. Kothari

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FE|13658|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 6, in 'A' Bldg, of New Grish Apt. Co-op-Hsg-Soc-Ltd., Patil Lane, Chundbhatti, Bombay-2? situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the registered officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in 'A' Bldg, of New Girlsh Apt., Co-op-Hs-Sec-Ltd., Patil Laue, Chunabhatti Bombay-22

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-III|37EE|13658|84-85 doted 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 17'd Act to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal :

(1) I hwar P. Mistry

(Transferor)

(*) Lobas Corporation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF TRIDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-UL BOMBAY

Bornbay, the 10th May 1985

Ref. No. ARJII[37EF]20367[84-85 - - Whereas, 1, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremultar referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 2, Rajendra Park, Bldg. No. 3, Station Road Gore-

gaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereur as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Station Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Autberton, Bombay under No. AR.III 37EF 20367 dated 1-9-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

Scal :

(1) M. Nivritna Builders Pit Itd

(In insteror)

(I) and ciccly

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Pallipuram K. Natorajin & Ois

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY Bombay the 10th May 1065

Ref. No. AR III/37FT |20313 — Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (1x Act 1961 (13 of 961) (hereinafter teferred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs 100 000/and betting No.

and buting No premission for the floor Western White Basing Gurdens E tot's Pvt Itd., Sion frombay Road Ghain Road opp Union I all Chembur Bombay

(and more fully described in the "chedule innexed hereto) has been counst tied und "Section 2636 B of the Income tax. Act 1961 in a confice of the Peci strong Office) at Bombay on 1 9 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any recome arising from the transfer, and (a)

b) theil titing the concealment of any income of any moneys of the total hind been or in the first of the hind been of the first of the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in viting to the understand?—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 4° days from the date of publication of this notice in the Official Gractic or a period of 30 days from the error of notion the respective persons, which er period expites later
- (b) by any other person interested in the said immovible evolutive within 4° days from the date of the publication of this notice in the Officeal Calcute

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as a defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises on 1st floor Western Wing Sub plot No. 14/15 of plot A of M/s. Basant Gardens Estates Pvt. 1 td. In. of Sion T. ombay Road & Ghalla Road Clembur. Bombay

The agreement has been registered by the Computent with heavy, from how under No. AR III 3711 (2031) slict 19. 28.1

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pain (III Bombay)

Now, therefore in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 10-5-1985

Seal

(1) Mrs. Sita B. Advani

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti P. Sidhwani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13578|84 85 - Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 10 B 7, Navjivan Co-op. Hag Set. a.td. Mahul Road

Chembur Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the impulity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nervous, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10|B|7, Navjivan Co-op . Hsg. Set. Ltd. Mahal Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 13578 84 Jated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of focome tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

104 -- 96 Cil/85

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Indersingh Sethi.

(Transferor)

(2) Mrs. A. D. Singh & D. P. Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]13411|84 85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAL, being the Competent Author'ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immivable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. A3[1, Shivnath Co-op-Hsg-Soc., Piramal Nagar, Goregaon (W), S. V. Road, Bombay 52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax

has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

> A3|1, Shivnath Co-on-Hsg-Soc, Piramal Nagar, S. V. Read Goregaon (W), Bombay-62.

> The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.III 37EE 13411 84-85 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for -th the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Mis Meeta Food Products

(Transferor)

(2) Mr. S. N. Patel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No AR III [37 FE] 13327 [84 85 --- Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No Gala No 16|A Kitan and Estate, M. G. Road, Goregaon (W). Romber 62

(W). Bombay 62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-9 1984

for an apparent cons I ration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesam property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No 16 A Kiran Ind. Fstate, M G. Road, Geregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR III/37EE/13327/84 85 dated 1-9-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM NO. ITNS----

(1) Mr. Raman

(Transferor)

(2) Mr. V. K. S. Nair

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-UI, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|20497|84-85,---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 16, Bldg. No. L-5, Laxmi Ramana Co-op-Hsg-Soc-Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer

at Bombay on 1-9-1984.

sor an apparent commerciation which is loss than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and mat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit in of the said property may be made in writing to the und signed:—

- (a) by any of the aforesaid pervens within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a regret of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in .he Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. L-5, Laxmi Ramana Co-op-Hsg-Soc-Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Cmopetent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|20497|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-III Bom (%)

Date: 10-5-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Gobindram H. Chulam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Peter A. Mathias and Mrs. Lourdes P. Mathias.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME: TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13595|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. 403, 'C' Wing, 4th Floor, Atlanta, Malad-Marve Rd. Malad (W), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 1-9-1984.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter (XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (.bapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 'C' Wing, 4th Floor, Atlanta, Malad-Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III|37EE|13595|84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mr. Pravinchandra Khimji Gala and Smt. Hemlara P. Gala

(Transferor)

(2) Mr. Gulabchand M. Shah and R. B. Dedhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13499|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being in Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 1, Laxminarayan Shopping Centre, Jn. of S. V. Road & Sainath Road, Miled (W), Rombay 64

& Sainath Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Laxminarayan Shopping Centre, Jn. of S. V. Road and Sainath Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13499|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Mls. Continental Corporation.

(Transferor)

Robert Felix Mondonee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUILITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR.II: 37EE 13592 84-85.—Whe.cas, I, A. PRASAD,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said A.t'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 6, 2nd floor, Akash Building, Sai Baba Park, Mith
Chowk., Ma ad (W), Bon.bay-400 064.

(and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be maed in writing to the unersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought o be disclosed by the tran ferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 6, 2nd floor, Akash Building, Sai Baba Park, Mith Chowk, Maiad (W), Bon bay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent

Authrity, Bombay under No. AR.III 37EE 13592 84 85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-5-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) P. N. Shenoy,

(Transferor)

(2) Laxmi Gangaram Soneji.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13514|84 85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) hereinefter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the tramovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 401, 4th Floor, Jasmine Apartments, 21-22 Mithchowky, Malad (W), Bombay-400 064.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets w'.... have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian income inx Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever person expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Jasmine Apartments, Mithchowk, Mulad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Au hality, Bombay under No. AR.III|37EE|.3514|84-85 da.ed 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby instante proceedings for the acquaition of the afternal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-5-1985

FORM TINS

(1) Mrs. Roshma Rajkumar Vasandani

(Indich . MI

(2) Mr. Arun Kumar Ramsharan MoJaan.

(From 2 100)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second of the second o

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Dombay, the 10th May 1985

Ref. No. ABJII[37F1]13752[83-85] -- Whereas, L. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act') have resent to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and I have Rs. 1,00,000], and I have Rs. 1,00,000], and I have Ro. Flat No. Clo. Haridwar-1. Pet No. 18, 19, 20-A. Village Valuai-16 felance thead, Madad (W), Combay (and more fully described in the Schedule amend hereto), has been mandered in the first an element is regular d under Section 269AB of the Income has Act, 1961 in the Office of the Competent Authority.

the Competent Automity at Bombay on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair number value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said introducent of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and I'm

(b) tacilitating the concentrated of any income or any money or other peaces which have not been or which which to be place of by the transferee for the purposes of the belief Income-tax Act, 1922 (11 os 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said consent; may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective recomma, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the matter the publication of this notice in the Others Grand Theorem

EXPLANATION: -- The terms and expressions under hereic an are defined in Chapter XX2 or the new Act, shall have the same concerns to option in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C[6, Haridwor-1, Plot No. 18, 19 30 A Andrew

Valnai-Off Marve Road, Malad (W), Bombio to,
The agreement has been registered by our Constitute
Authority, Bombay under No. AR IHERE (W), p. 17 food 1-9-1984.

> A. TRASAD Competent Ammonity Inspecting Assistant Commissioner of Johnson for Acquisition Blace-UL Bearing

Dated: 10-5-1985

Scal:

105--96GI[85

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely :--

FORM ITNS----

(1) Mr. Pashubhai Khimji.

D. Thaper.

- (Transferor) (2) Mr. M. L. Thaper, R. Lalchand Thaper and Lalchand
 - (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13348|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 2 Mahayir Plot No. 14 City S. No. 5 (Part)

NS. 1,00,000- and bearing No. Shop No. 2, Mahavir, Plot No. 14, City S. No. 5 (Part), Valnai village, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mahavir, Plot No. 14, City S. No. 5 Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13348|84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-5-1985

FORM 1.T.N.S.---

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nana Patıl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13679|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 10, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. "B" Bldz. S. No. 397 Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-to-, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bornbay on 1-9-1984

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the field in Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the affects of publication of this noiting in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as pro 'efined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. "B" Bldg. S. No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W). Bombay-64,
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13679 84-85
dated 1-9-1984.

> A. FRASAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 10-5-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Bhaskar Bhargav Vichare.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

No. AR.III 37EE 13676 84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. Plat No. 11, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Bldg. No. 1-W-A, S No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority the Competent Authority

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Shiv Kirti C.H.S. Itd. Bldg. No. 1-Wing A, Survey No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13676 83-84, dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax: Acquisition Range-III Bombay

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

0 10 5 1985 Seal:

FORM IINS

(1) Shiee Sai Baba Builders Pvt Ltd

(Transleror)

(2) Mr. Sudhu K. Mithbarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR III/37F1 13678[84-85 -Whereas, J. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to us the Said Act) have reason to believe that the memov-

as the Satur Act i have reason to believe that the finance-able property, having a fair market value ecceeding Rs 4 00 0001 and branne No Flat No 4 Shiy Ku (C. H. S. Hill Bld; No 4, Wing B. S. No 597, Chincholi Bundo, Road, Molad (W), Bombiy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the transferred under Section 269AB of the Inc. ii, to the 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-9-1984

for an apparent confideration which is less than the fair market slue of the atom not projectly and I have reason to believe that the fair market slue of the property as also each to the fair market slue of the property as also each to the part of the part of the property as also each to the fair market by more to me little part of the such apparent consideration and that the consideration to each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

VI 11 1 1982

- a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys of other arsets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the sud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby in trate proceeding for the requisition of the aforesaid property by the issue of this monce under subsection (1) of Section 2690 of the soil Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. Shiv Kitti C. H. S. Ltd. Bldg. No. 4. Wing B. S. No. 397. Chincholi Bunder Road, Malad (W). Lombay 64. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide setral No. AR III 37FE 13678 84. 85. dited 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dite - 10-5-1985

Seal.

FORM ITNS----

(1) Mls, Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mis. Poornima Mohandas Shenoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4D, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13224|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 c. 1761) (included for referred to as the 'said Act'), have reason to scares that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.60,00° and be, ing No. Flat No. 30, 2nd floor, H.m.d Apar in 1 M l. m. Village, Malad (W), Bomboy (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registred under section 269AB of the Iroometal Act 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformation of the project of the believe that the fair market value of the aformation of the project of a forestidence of the aformation of the project of the aformation of the project of the aformation of the project of the aformation of the consideration and that the consideration of the project of the aformation of the parties has all heart, the afort of the said instruween the parties has not been all anted in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be dralesed by the transferre for the purposes of the Ir lian Licome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation : -- The terms and expressions used herein as $\frac{dv}{dt} \cdot \frac{defrect}{dt} = 0 + the f_{t+1} - XXA \text{ of the said shall gave the same meaning as given in}$ that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30 2nd floor, Hemal Apartment plot bearing CS No. 19, 41, Nos. 85[5, 96]1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been revistered with the Competent Authority, Bembay vide serial No. AR.III|37EF|13224|83-84, dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax'
> Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-5-1985

(Transferee)

The state of the s TORM IT N.S -

(1) M · Madhu L Sweeta & Ors

(Transferor) (2) M. K. In G. Anvani

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1361)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RAI GETI, BOMBAY

Bombay the 10th Ar + 1065

Ref No AR III|37EE|2034 |84 05 — Vieto 1, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerovable property hiving a fair market value exceeding Rs 100,000/ and bearing

No Flat No B|13, 1st floor B| g Nel n i T / l No 32 c
33 Village Valnai, Off Marve Read Mal l (W Comb i
(and more fully described in the schild learn in d hotato)
has been transferred in l the agr in 1 i l l l l l l l
Section 269AB of the Licome x Act 1651 in lie Off o

the Compe ent Authority
at Bombey on 1-9 1984
for an apparent consideration with sites in the lair
market value of the alors and note that the fair market value of the pomenty is iforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transmissions to make a the consideration for such tran * " 13 " * parties has not been truly stated in the said extrement of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Rs 100,000/ and bearing No

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fastere for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth tax. Act, 1957 (27 of 1957);

K Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed on the head, tion of the aforesaid property by the 1854 of the 17th of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely the

Objections, if any to the accoustion of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, thichever period expires later
- (b) by any other prison interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The trims and explessions used herein as are learned in Chapter XXA of the said Act still have the same recaning as given in thit Chanter

THE SCHEDULE

Flat No B|13, 1st floor Bldg Nalanda-II Village Valnai Off Marvo Road Near Evershine Nogar Malad (W), Bombay 64

F or northest on resistered with the Competent Author. Bombny vide sorred No. AR HV 37FE | 29:41/83-84, doi: 4-1.9-1984

A PRASAD Competent Authority fo necting Assistant Commissioner of Income-tax Augustion Rarge III Bombay

10 5 1985 Seal

FORM ITNS----

(1) Shir Jayesh K. Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis D Sruz & Ors

(Tinnsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR 111/37FF]13551|84-85 -Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000'- and beating

No Flat No B 403 Rajedra Vihai Evershine Nagar, Linking Rold Off Marke Read Milad (W), Bombay 64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registed under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1,9,1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsud property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faceduating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ale defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-403, Rajendra Vihar Evershine Nager Linking Road Off Mary: Road Malad (W). Bombay 64

The agreement has been resistered with the Competent Authority Bombay vide could be ARIH 37EF [1354]83-84 direct 1-9 1984.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissions of Income type A quisition Range III a Bomosy 1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 10-5 1985 Seal:

18977

FORM ITNS---

(1) Deshmukh Builders Pvt. Itd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dattaram G. Gawde

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37FF|13202|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]- and bearing No. Hat No. 304, 3rd fl. Ajit Park-B. Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide senal No. ARAB[37FF]13202[84-85] dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-5-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

106-96GI 85

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Dhondu Desai

may be made in writing to the undersigned-

(Transferge)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1691)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EF|13203|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 003, Gr. fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd.

Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlyof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13203|83-84 dated 1-9-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Shri Ramniklal Mulchand Nagrecha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Siddhivinayak Milk Suppliers.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13182|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 6, Laxminarayan Shopping Centre. Poddar Road,

Malad(E), Bombay-97.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-9-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any mome or early moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad(E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13182|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date 10-5-1985

(1) Shree Ram Construction Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Subbaya Shetty

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.JJH37EE]13307[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 25. Gr. Fl. Shri Ram Towers, Tank Lane, Near Orlem, Church, Off, Marve Rd. Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, Gr. Fl. Shri Ram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Off, Marve Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13307|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 10-5-1985

FORM LT.N.S.

(1) Shiee Ram Construction Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Mrs. P. M. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13308|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-2, 1st fl. "Shriram Towers" Tank Lane. Near Orlem Church, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hai No. C-2, 1st II. "Shriram Towers" Tank Lane, Near Orlem Church, Off Maive Road, Malad(W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EF/13308/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Date: 10-5-1985

FORM ITNS

(1) Smt Sushila P Pandit

(Transferor)

(2) Shri Pyarali R, Gilani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No AR III|37EE|13492.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000)- and bearing Ilat No C-6, Hura Kuth CHSI Shivan Nagat, Daftary Rc'

Malad (E), Bombay-97.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gamete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the simbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-6, Hira Kutii Co-op. Hsg. Sci. Lid. Sivaji Nagar Dalfary Road. Malad. (E.), Bombay 97. The agreement has been registered by the Compotent Authority. Bombay under No. AR III 37FF | 13492 | 84-85. dated. 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1985 Scal :

FORM ITNS-

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Abichandani Dhalumal Bachomal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bomboy, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13221|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 17, 1st floor Hemat Apartments, Plot No. 19, 41 Village Malwani, Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reintered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official pazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor Hemal Apartment Plot No. 19, 41, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been reistered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III | 37EE | 13221 | 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Date: 10-5-1985

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Shiva S, Sharma

(Trainfurce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13223|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Tlat No. 48, 3rd floor Hemal Apartment, Malawam, Malad

(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 3rd floor Hemal Apartment plot No CS No. 19 41 Nos. 85[5, 96]1, Village Malwani, Malad (W), Bombay The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR JII|37FE|13223|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1985

Seat:

(1) Mls R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Ingrid Philomena Fernandes & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.IH[37EE]13235[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorphise property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 601, 6th floor "Atlanta", E Wing Plot No. 38. Off Valnai Village, Mouve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—
107—96GI85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th floor "Atlanta", "E" Wing Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13235|84-85 dt. 1-9-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombox

Date - 10-5-1985

Seal;

FORM ITNS ---

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Neera Poran Chand Bali

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 10th May 1985

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13345|84-85.---Whereas, I, A, PRASAD.

ment of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, 'F' Wing "Atlanta", Plot No. 38 Off Valnat Village Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 'F' Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III|37EE|13345|84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bom'

Mow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the raid Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following operators, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Patil R.Mohan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13220|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-taxt, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/ and bearing Flat No. 45, 31d floor Hemal Apartments, CS. No. 19, 41,

Village Malwani, Malad (W), Bombay.

find more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 45, 3rd floor Hemal Apartment, Plot No. 19, 41,

Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13220 84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the reid Act, to the following persons, namely .-

Date: 10-5-1985

- (1) M|s R. G. Builders Pvt. Ltd.
- (2) Shri M. Ramkumar

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,III|37EE|13344|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Jncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38, Oif Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been trinsferred, and the agreement is resistant, under

has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office et

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property, and I have reason market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd floor "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38. Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13344 84-85 dt. 1-9-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Ms Shangrila Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis Piadade 'D' Zouza

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III|37EE|20353|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 1st floor plot No. 6, Samarat of Jan Kalyan Nagar

Malad, Bombay-68.

Maid, Bombay-68.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be that the the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flot No. 1, 1st floor plot No. 6, Bldg, known Samarat of Jan Kalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/20353/84-85 dt. 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1985

(1) Mls R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Jayesh Gupta (Minor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13234|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 102, 1st floor A Wing "Atlanta" Marve Road Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule andexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor "A" Wing "Atlanta" Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 13234 84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

(1) Mls Evershin Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferet)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Pushpadevi Bhola Nath Master.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Re(. No. AR.III|37EE|13381|84-85.—Whereas, I, \. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. H/3-A, 1st floor Haridwar-I Plot No. 18-19 20-A,

Off Village Valnai, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H|3-A, 1st floor Haridwar-I Plot No. 18-19-20A Village Valnai, Malad West, Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37FE 13281 84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Date: 10-5-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd. (2) Mrs. Hemant Padmanabh Puthran

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]13680[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating No

and beating No.

Shiv Kirti CH.S. Ltd. Bldg. No. 1-W-A S. No. 397 Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Incompetan Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 1-9 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shri Kirti C.H.S.T. Blg. No. 1-W-A S. No. 397 Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III 37EF 13680 84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Devender Kumar Kawa

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. N v. AR.HI[371 F 13726]84-85 — Whereas, 1, Δ . PRAS Δ D

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1761 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable groperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Llat No. 47 3rd floor Hemal Apartment, Malwant Malad

(W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is restored under Section 269 VB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombas on 1 9 1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concestment of any income or any mone/s or other casets which have not been or which outhit is bedistried by the transferee for the runnous of the ludian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 47, 3rd floor Hemal Apartment Village Malvani Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authorty, Bombay vide serry ino AR III 321 F 13226 84-85 oft 1-9-1984

> J PEASAD Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income lax Acquisition Range III Food iv

from therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons manuly—

100 - 600

Date: 10-5-1985

Seal .

FORM ITNS----

- (1) Shree Sar Baba Buildeges P. Etd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Ashok M. Kelkar,

(Timsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property thay be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-UL BOMBAY

Bomboy, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.FF 13681[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Bldg. No. 1-W-A, Survey No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad. (W), Bombay-64. (Flat No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transletted and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Inconscient Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the operant consideration therefor by more than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. In respect of any means erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 14, Shiv Kirti CHS, Ltd Bldg No. 1-W-'A" Survey No. 397, Chincholi Bunder Rd, Malad (W). Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III 37 FF 13681 84-85 dated 1-9-1984.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, marriely :--

Date 10-5-1985 Scal:

- (1) Shice Sai Baba Builderes P. Itd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinavak R. Shinga pure

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUSTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III,37 I Γ_1 13674[84-85.--Whereas, I. A PRASADA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable topcity having a fait market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flm No. 11, Shix Kiiti C.H.S. 11d. Bldg. No. 1-Wing "B", S. Ni. 397. Chinichali Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64, and more fully described in the Schedule innexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269 AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Flat No. 11, Shiv Kist; CHS Itd Bldg No. 1, Wing B'S No. 397, Chincholi Bunder Rd Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37 FF 13674 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III.

Now therefore in puissance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection +1 Section 269D of the said Act, to the following persons paniers

Date 10-5-1985

Scal;

FORM I.T.N.S.-

(1) Shree Sai Baba Builderes P Ltd

(Transferor)

(2) Mr. R. B. Yaday & Ors.

(Filmsferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.EF]13675[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 4, Bldg No. 1-Wing-A, Shiv Kuti C.H.S., T.

Chincholi

Bunder Rd, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hersto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 1, Wing A Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholt Bunder Rd. Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay yide serial No. VR.III[37EE]13075[84-85.85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acque tion Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1985

(1) Shree Sar Baba Builderes P. Ltd

____ (Transferor)

(2) Mrs. V. V. Ballisi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. ARJII|37, FF. 13677 84-85.-- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs 1 00 000 and hearing Flat No. 16 Shiv Kirti C.H.S. Ltd Bldg. No. 1 Wing A S. No. 397 Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1084

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Shiv Kirti CHS, Itd. Bldg. No. 1-Wing A S. No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide sorial No. AR.HI]37-FE|13677|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 10-5-1985

FORM IINS

(1) Mis. R. G. Builders P. Itd.,

(Transferor)

(2) Miss Bharti Moorjani

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :--

Ref. No. AR.III|37.EE|13236|84-85.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 7th fl. "Atlanta" 'E' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th fl. "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38, Oil Valnaj Village, Marve Road, Malad (W), Bombay 64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III[37 FF1236]84-85 dated 1-9-1984.

A PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconce-tax

Acquisition Range-III.

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

(1) Shri Pankaj Champaklal Choksi,

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar Babulal Jain & Nilesh Virendro Kumar Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

> Bombay, the 10th May 1985

Rct. No. AR.III[37 Fl=]20531[84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shed No 140, Paras Industrial Estate, Ramchandia Lane (Lxtn) Malad (W), situated at Bombay-400 064 t and more fully described in the schedule below) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1 9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty many be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chast

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shed No. 140, Paras Industrial Estate, Ramehandra Lane (Extn), Malad (W) Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 20531 84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date 10-5-1985 Scal :

(1) Shri P. M. Slienoy

(Transferor)

(2) 1. Shri Suresh Balaram Patil, Shri R. M. Patil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.FE]13513[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

Mitchowk, Malad (W), situated at Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other passets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 01, Ground Hoor, Jasmine Apartment 21-22 Mithchowk, Mahad (W), Bombay 400 064.

The agreement has been registered by the competent Authority. Bombay under No. AR HI₃371 E H₂13₈84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 10-5-1985 Scal :

(1) Privavadan Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) M/s. Anna Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III[37 FE]20433[84-85 --- Whereas, I. A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Plot No. E|10 S. No. 26 Hissa No. 1 CTS No. 307|16 Village Valuai Malad (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the form that Authority at of the Comp tent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

109-9601185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E[J0 S. No. 26 Hissa No. 1 CTS 307]16 Village Valnai Malad (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III 37EL 20433 84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commiss on r of Income-tax Acquisition Range-111, Rombay

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) Jayshree P. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M₃. Anita Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|20432|84.—Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and braring Plot No E|11 Survey No. 26 Hissa No 1 CTS. No. 307|16

Plot No E[11 Survey No. 26 Hissa No. 1 CTS, No. 307]16 Village Valnai Malad (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Comp tent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of 'he aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth and Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. F|11 Survey No. 26 Hissa No. 1 CTS 307|16 Village Valnai Malad (W) Bombay.

The agreement ha been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.FE|20432|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income to a
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-5-1985

(1) M[s. Meenal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Apana Development Society.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|20528|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Plot No. 12 Janaklyon Nagar Village Malwani Malad (W) Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agrees to between the narries has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given th that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: mm4/ce

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 12 Janakalyan Nagar Village Malwani Malad (W) Bombay.

The agreement har been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 20528 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1985

Scal:

FORM ITNS ---

(1) M|s. Devesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. M. Chedda & Shri M. M. Chedda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]20519[84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed. Rs. 1.00.000]- and bearing No. Flat No. 2, lst floor, Duvesh Apt. 1, Plot No. 51 and survey No. 6, at Mouje Wadhwan Turfe Malad, Malad, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Comp tent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Devesh Apt. No. 1 Plot No. 51 & Survey No. 6, at Mouje Wadhwan Turle Malad, Malad,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.FE 20519 84-85 dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1985

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Shri S. B. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. La Builder Construction

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]20346[84-85.—Whereas, I, A. PKASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the limome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land beating old survey No. 177, Hissa No. 2 & C.T.S. No. 166, at Manchubhai Road, Malad (E) Bombay.

situated at Bombay

(and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Comptent Authority at

Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons, whichever period express later;

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Plot of Land Building ild survey No. 177 Hissa No. 2 C.T.S. No. 166, at Manchubhai Road, Malad (E) Bombay. The agreement ha been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 20346 84-85 dated 1-9-1984.

(L, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 og 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-5-1985

Soul:

- (1) Pramillaben Narayan V. Mehta
- (2) Karthiayani Paman Pilaj.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13529|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Plo. No. 1, Co.as wadi, C.B. Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred and the agreement is registered unler Section 269AB of the Income-rax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

fo. an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

THE SCHEDULE

Plot No. 1. Corns Wadi, CB Pond Malad (W). Bombay. The agreement has been regite of by the ometent Authority, Bombay under No. AR.I.I 37EE 13529 84-85 da.ed 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Au hority Inspecting Assistant Commiss oner of Income-tax Acquistion Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this action under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 10-5-1985

(1) Smt. Kiran A. Zaveri.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37 E | 13362 | 84-85. Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable projecty having a fair masket value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 612 ofn 160. Sunn Sight Society, Pushpa Park Daftary Road, Malad (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Society, Pushpa Park

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Smt. Batabai Pandit Kale and others.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pent d of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ANA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612 6th floor, Sukh Sagar society, Pushpa Park Daftary Road, Ma'ad (E) Bombay.

The agreement has been regite ed by the Commetent Auto ity, Bombay under No. AR.I.I. [37EE] 13362 [84-85] dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 10-5-1985

(1) Mr. R. D. Indulkar & others,

(Transferor)

(2) M|s. C. K. Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III ьомвач

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37E [1.56.]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being in Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter telegred to as the said Act'), have reason to believe that the ismovable property having a fair mink t value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Piece or parcal of and being Piot No. 15, at Village Kurar, Milde (E) (third double property and property having a fair mink t value).

Malda (E) situated as Bonneay (and more fully described in the Scheenle annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee nor the purpoles of the Indian Income-tax Act 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeous property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namery :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clazute of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Picce or parcel of land bearing Plot No 15, at Village Kurar, Malad (E).

The agreement has been registered by the Competent Au hori y, Bombay under No. AR.III|37EE|13564|84-85 dated Competent 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquilition Range-III, Bombay.

Dated: 10-5-1985

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.IiI|37EE|13413|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the "In ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 304, 3 d Floor, Neelg ri Apartments, 'A' Wing, Opp. Shan'i Nagar, Near Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unler Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or W201 - - -
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfector of the purposes of the Indian In ome-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice u der subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

110-96G1|85

(1) Nahar Builders (India)

(Transferor)

(2) Subhash Bhagubhai Damania & Mis. Manjari S. Damania.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service or notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shill have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Neelgiri Apartments, 'A' Wing, Opp. Shanti Nagar, Near Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Commetent Auth~i'y, Bombay under No. AR.III|37EE|13413|84-85 dated 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 10-5-1985

Seal ;

(1) M|s. Sanghvi Cons. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. U. Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III 37EE 134 2 8 5 - Whe eas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 00l- and bearing No. Flat No. 604, 6th floor, Shree Ram Arpts, Plot No. 446, C

Flat No. 604. 6th floor, Shree Ram Arpts, Plot No. 446, C Wing, S V. Road, Near Milap Cinema, Molad (W), Bembay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is a section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Shree Ram Aprts, Plot No. 446, C Wing, S. V. Road, Near Milap Cin ma, Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Aut ray, Bombay under No. AR.III 37EE | 13432 | 84-85 da.ed 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income fax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 10 5-1985

FORM ITNS ---

(1) M/5. Me nal Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Apna Development Society.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III]37EE|20529,84-85.-W.ic eas, I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter reterred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

Perope ty, naving a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plo No. 9, Jankalyan Nagar Scheme, Village Ma wani, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ngreem at is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by mere than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 9, Jankalyan Nagar Scheme, Village Malwani, Bombay.

th agreement has been r gi tered by the Coppe ent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|20529|84-85 da.ed 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-5-1985

(1) MJs. Shangrila Const. Co

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Moenal Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]20530,84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Piot No. 9, 11 and 12 Janakalyan Nagar, Village Malwani Malad (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any increeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pro erty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, 11 and 12 Janakalyan Nagar, Village Malwani Malad (W) Bombay.

The agreement has been refite ed by the Competent Anthority, Bombay under No. AR III[37FE]20530]84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoment
A.quisition Range-III, Bombay.

Dated: 10-5-1985

Sept:

(1) Sh. Muhta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

(2) Parul Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bomoay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13522|84-85.- Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1, 9th floor D Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Chatkepar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annex d here; o),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Anthority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undursigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein an are defined in Chapter XXA of the said A.t. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mon ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transletoe for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or h said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 9th floor D Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authort y, B mbay vide serial No. AR.III|37EE|13522|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Dated: 10-5-1985

Scal:

(1) Miss Kanthi Panchapakesan.

(Transferor)

(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGEJII BOMBAY

Bom'oay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,III[37EE]20310|84 85.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro, erty having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing Ra. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, 2nd floor Wing A Bldg. No. 3, Damodar Park,

L.B.S. Marg, Ghatkonai (W), Bonnoay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days i om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shail have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and /or

Flat No. 4, 2nd floor A-Wing, Bldg. No 3, Damodar Park, L.B S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been elitered by the Commetent Authority, Bombay vide serial No. AR.JII/37EE/20310/84-85 dated 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceed ups for the acquisition of the aforesaind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-5-1985

(1) Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parul Enterprise.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bom'oay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13618|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000/- and bearing

Flat No. 2, 5th floor 'D Wine Blag. No. 6, Damodar Park, L.B.S Marg, Gha kopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Incomotax Act. 1961, in the office of the Computent Authority.

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arming from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressiom used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor "D" Wing Bldg. No 6, Damodar Park, L.B.S. M. rg. Gha'kopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Computers.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37-EE|13618|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoming Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Dated: 10-5-1985

FORM LT.N.S .---

(1) Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-OF 1961) دTAX ACT, 1961 (4)

(2) Parul Enterprises.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,III | 37EE | 13527 | 84 85 .- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 1, 5th floor Wing D. Bldg. No. 5, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason te believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floflor, Wing D Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been re i te ed by the Com etent Authority Pombay vide serial No. AR.III|37EE|13527|84-85 da ed 1-9-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-5-1985

(1) Star Builders.

(Transferor)

(Transferec,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bomony the 10th May 1985

Rei. No AR III|37E1 |20537|84-85 —Whetens, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (44 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/ and hearing
Flat No. 102, 102, 1st floor, and BINA Apartment, Plot No.
7 & 8, Analphi Village, Near Home Guard Pavilion, Chat-kopar West, Bombiy-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been from 1 indexed to 200 annual second under Sec 269AB or in a line on 100 km and in the office of the Competent Authority at Bomb by on 1-9 1943

for an apprent core a atomy much is less than the fair market value of the aforestid projectly and I have reason to believed the inclaim market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than fir as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) tacditating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other arrets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaitton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

111-96G185

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.....

(2) Mr Manmohan Gupta & Lalit M Gupta

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 102 on 1st floor Sa Bina Apartments, Plot No 7 & 8 Asalpha Village, Near Home Guard Pavilion Chatkopar West, Bombay-84

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III | 37EE | 20537 | 84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rombay

Dated 10-5-1985 Seal :

(1) Shri T. P. G. Nair.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr Ajoy Ashish Chowdhury.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR,111/371-E/20532/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

Flat in B-1 building, Himalaya Parvatiya CHSL, Govind Nagar, Atalphes, Ghetkapur West, Bornbay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is lesfair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the tard Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in B-1 Building, Himalaya Parvatiya Co-operative Housing Society Ltd., Govind Nagar, Asalphe, Ghatkopar West, Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No AR.III|37EF|20532|84-85 Authority, Bondated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in trace proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date 10-5-1985 Scal .

Smt. Pushpa Narottam Godalia & Shri Narottam Haridas Godalia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhaben Gopaldas Majithia Smt. Privipaben Ashokkumar Majithia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37FF]13502[84-85 - Whereas, T. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Flat No. 3, Gr. floor, Mahendra Villa CHSI. Plot No. 105. 30 Feet Road, of Itlah Road. Ghatkopar Fast, Rombay-77 satuated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of he liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, Ground floor, Mahendra Villa Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 105, 30 ft. Road of Tilak Road, Ghatkopar East, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III[37EE]13502]84-85 Competent Authority, Bordated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-112--96 GI[85

Date: 10-5-1985

(1) Mr. Ravi Sugauchand Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Patel Devegibhai Dahvabhai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

AR III 371-1 (20311)84-85.—Whereas I, Ref. No. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 1383, Building No. 47, 'Suprabhat' Co-operative Housing Society Ltd., Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the arcresaid persons within a retiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1383, Building No. 47, 'Suprabhat' Co-operative Housing Society Ltd., Pant Nagar, Ghatkopar East, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37LI-|20311|84-85 Authority, dated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-111, Bombay

Date: 10-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III, вомвач

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. ARAII/37LE[13484]84-5.-Whereas, L. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot Nos. B-9 & B-11, in CTS Nos. 310, 304, 306 situate in Village Asalfa, Bombay-84, adm. 1739 sq. yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen par cent of such apparent consideration and the than filteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the West Act, 1957 (27 of 1957). Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Yogendra Amratlal Desai.

(Transferor)

(2) Mr. R. Mahadevan & Smt. Premila N. Shah.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the proporty)

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meannig as gvien in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. B-9 & B-11 in CTS Nos 316, 304, 306 situate in Village Asalt, Bombiy-400084, admeasuring 1739 eq. 3.4s. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]13484[84-85] Authority, Bodated 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

(1) Trustee of S. B. Nahar Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nahar Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No AR-HI]37FF[20524[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ri. [00,000] and bearing Plot of Inid about 1368 sq. mts. at Kole-Kalyan, Vakola Santaeruz (West), bearing S. No. 428, H. No. 7, CTS No. 27 tand more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under bection 269AB of the Incomestix Act. 1961 in the office of the Competent Authority it Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the iforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than infleen per sent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as acceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land about 1368 sq mts. at Koly Kalyan, Vakola, Santacruz (East), bearing S. No. 428, H. No. 7, CTS No. 27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HI|37-EE|20524|84-85 dated 1-9-1984,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal:

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls, Rameshchandra Mehta & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Rtf. No. AR, III 37EE 13312 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000|- and bearing Shop No. 4, Ground floor, Swastic Chambers, Pipe Road, Kurla (W), Bombay-400070 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to beta and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experses later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act shall have the same mounting as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any knoome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Swastic Chambers, Pipe Road, Kurla (West), Bombay-400070.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13312|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1985

FORM LT.N.S. -- -- -

11) Pini Laterpris.

"Functionar"

(2) Shri Ashol, C. Sharma.

(Fransferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE MOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TION R OF INCOME-TAX ACT, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Pombay, the 10th May 1985

R. f. No. AR $HH^{1/7}FF$]13524]84-85 —Whereas 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market rate even that Pr. 1,00,000 and bearing

The end we innervance property, naving a fair market role even line for 1,00.000]— and bearing. Held No. 2, 9 h floor Wing C, Blig No. 6, Damodur Park, L.B.S. Marg Charkepar (W), Bombay-86 (and more rully described in the Schedule annexed bereto), has been from for d and the agreement is registered unity for non-59AP. I the Incorrector Act. 1961 in the office of the Conjector Authority at Bombey on 1-9-1984.

In an apparent consideration, which is less than the fair in the trace of the correspond property and I have to a on to whose the apparent consideration therefor by more than fift on the control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the effect with the object of the effect of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of elitic fransferor to pay tax under the said entropy of any income aroung from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income of a moneys or other assets which have not be which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the solid property by the issue of this notice and let subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be in do in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 whose person expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovation of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the sent.

Act shall have the summarthing as given in that Chapter.

THE WHYDULE

Flat No. 2, 9th floor Wing C, Building No. 6, Damodar Prok, Lib's Maje Chukoper (W) Bombay-86.

The telephone has been registered with the Competent Atthrust Political description No. Art. 111/37 E1/13524/54/87 dated 1-9-1984.

A FPASAD
Competent Authority
Inspirating Arsistant Commissioner of the Argument of the Pange-III,
Routest

Trate: 10-5-1985

Scal:

IUKM ITNY -- --

(1) Smt Veena T. Punjabi.

(fiansi roi)

WITH JUDIE SECTION 26"DIT OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 5mt S N. Ragham (Italish co)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned .-

OFFICE OF THE INTECTING LACTIC COARDSGIONER OF INCOME. ACQUISITED & BARRIEL III. BOMB AY

(a) by any of the aforesaid persons within a period 445 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of nonce on the 16 period particles whichever period expires later;

Rombay, the 10th May 1985

(b) by any other person interested in the stud healowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Omeral Carpeter

Ret No AR III 3722 20290 [84-83 -- Whereas, I. A RASAD,

> LOS CONTROL -- WESTANAL AND expressions used he cin as are defined in Chapter XXA of the aget Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

the Lie Co per 1. An every under 2 (1.20 lb of the prometax Act, 1901 (13 of 1901) theremaker read, d to the aid Act), have reason to believe that the immunable property having a fair market value exceeding his 1,00 660/of the Accels 22

Fig. No. A's Ends No. 9, 8 min till Shan Society Sorgham Luker, Om raupar, Lombay 86

t in more tury described in the Schedule annexed hereto), has been tronscened and the ogeneral a regree of the fi-because to AB or the macmain may 1901 in months of the term ent Authorit, as Boine y on 19-193.

n apparent consideration which is less the the fair

muck a value of the atoresaid projectly, and I have reason to believe that the rise market vitte of the property as mose is exceeds the apparent con identifical territor by the that it will be the cent of such appoint confident in the ti the possibilitation for such transfer as agreed to between the the has not been truly abited to the said un tument of nanster with the object of :---

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said $\alpha N_{\rm p} a$ it pect of any income arising note the transfer; and/or

Flat No A/8, Building No. 9. Swami Lila Shah Society Singham Estate, Ghatkopar (W), Bombay-86

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No AR III/37EE/20396/84-85 on 1-9-1984

(b) It leaving the concediment of any exorue in mitring there what it is no that he me , h h agent to be disclose by the trinstella for the outpose of the Indian facount for Act, 1922 (11 of 1922) or the said fact, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

A. PRASA > Competent Authors Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang -III Bombay

An I hereby unitate proceedings for the acquaition of the tion (1) of Section 269D of the and Acc to the following persons, namely .-

Date 10-5-1985 Seal .

FORM ITNS----

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Mansukh Narshi Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR, 111|37EE|20330|34-85---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a rate market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 14, Ground floor, Swastic Chambers, Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act 1961 in the office of the Competant Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair transfer value of the growship and purp and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per consideration for such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other 1 sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwer period expires later;
- (b) by any effect person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAMEN:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Ground floor, Swaste Chambers, Kurla,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 20330 84-85, dt. 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Ray II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invited proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1985

Scal :

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III]37-EE|13186|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 10, 5th floor, Morar Baug, Plot No. 203/4, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar East, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M s. Mayuri Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Maheshkumar Babulal Shah & Mrs. Shakuntala M. Shah.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 5th floor, Morar Baug, Plot No. 203/4, R.B. Mehta Marg, Ghatkopar East, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37.EE/13186/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-5-1985

(. .

10PM 1 [] S - ---

NOTICE UNDER SECTION 26/D(1) O. THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1761)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION R INGLE III BOMBAK

Bombay, the 10th Ma, 1985

Ref. No AR III]37EL[20305]34 85 = When isas, I A PRASAD,

being the Competent Authors and rectan 769B of the Income tax Act 1961 (4 of 1961) hereinarter referred to as the said Act) have to on to believe that the immov-

to as the said Act) have re on to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 0001- and bearing to Flat No 3, 2nd floor. Holy View Kervary Village Road, Kalina, Santacruz Fast Bonibay 29 (and more fully deep hold in the chiefale opered hereto), has been transferred and the green to be it in the client of the Competint Authority at Lombay and 19 1934 for an apparent consider ten which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the negative reason.

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the connect consideration therefor by more than fifteen for that out with a paint consider ton and that the consideration for such the most given to bet ween the parties has not him trul that In the sud instru ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or offer is its which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India I no ome tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Samcer Builders & Developers

(2) Mis Ida Rocho (Li

(2) Mrs. Ida Rocha (Person in occupation of the proparty)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to be understanted -

- (a) by any of the aforesaid persons will read to of 45 day from the lift of put an notice in the Chief, that it can put of the from the service of notice on the respective 1 ons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in 11 toyable property within 1 di 11 in the publication of this notice in the Offic di 2018

FYPLANATION -- The terms and expression to the asset are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the normaling good in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 3, 2nd floor, Kolivary Village Road Kalina Santacruz (East), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR III 37EL 20305 84 65 at 1-9-1984.

> A PPAS 1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inc. the 1D Acquisition Rungs III Bomba /

Date · 10-5-1985

FURM IINS

THE THE TAX THE TREET HE IS NOT THE TAX THE TA (T) Duram, Odlam Lothkar & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) AR Lagret & Others.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

etions, it asy, to the acquisition of the said property nade in within to the undersigned :-

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STOTIFK OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBA'

(a) by any of he atoresaid persons within a period of 4. It from the date of publication of this notice the first Gazette or a period of 10 lays from the receive of notice on the respective persons w ion ver period expires later,

Itanir, the 10th May 1985

the many that put on interested in the said immovable from it will a 15 days from the date of the publio it - i the Official Cazette

' P 14137 F [000131] 84-85. Whereas, I,

both the the important Authority under Section 269B of the and price Act, 1961 (43 of 1361) (hereivalted referred a the part Act, 1961 (45 in 1961) (derivative referred to the property of the part of the Registering Officer to the part of the

La La France e mi the opteriorit is registred in dia Cara e man in the opteriorit is registred in dia Cara e man in the object of the control of the control

the state of the control of the property as along the state of the three tensions of the state of the state of the property as along the state of the state of the property as along the state of the property and the property as along the property and the property as along the property as along the property and the property as along the property and the property and the property as along the property and the property and the property and the property as along the property and t there is not a country in the appearent consideration and that it was a non-terminal transfer us agreed to between the ratte has not been truly stated in the said instrument 1 (114 s) III - III terms and expressions used herein as a termed of Chapter XXA of the said s ill have the same meaning as given

(list

cultiating the reduction or evalum of the natifity of the territer to pay as under the send for in as post of my it come brising from the transfer

THE SCHEDULE

grigation the concentment of any income or the term of the above which have not been or " in another to be disclosed by the transferer for the Torontal Service at Lame-tax Act 1922 for it 15 . of its and Art of the Wouldbrien Act, 195 J of 195712

Agriculture I and, at Villag Mudh, Taluka Andheri, S. No. 78(P) and CS No. 1081(b).

The agreem at her been registered with the Competent Authority, Bomb e under No. AR III]37EE]000131|84-85 dt. 1-9-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspec ing Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

The in forme pursuance of Section 269°C of the said in the control of the said in the constituent of the following in the control of the cont س بارازان -

Date - 10 5-1985 Scal:

FURM ITNS-

(1) Indrani Malik & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Elizabeth Ezra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III 37EE 20484 84-85,-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00.000|- and bearing No.

Property bearing C.T.S. No. 10|B|12, Mankhurd Division.

Bombay-88.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been 'ransferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Incompets Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income asising from the transfer, intel/er

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 10|B|12, Mankhurd Division, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|20484|84-85 dt. 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the manatetee in the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range-III, Bombey

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following wons, namely:--

Date: 10-5-1985